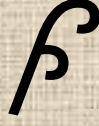


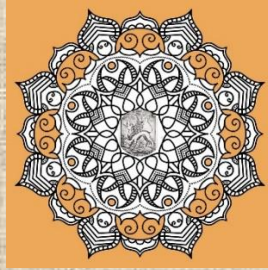
ISSN 2229-547X VIDEHA



विदह ३१३ म अंक ०१ इलाह्नी २०२३ (वर्ष १६ मास १६१
अंक ३१३)

[विदह (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) www.videha.co.in

]



विदह मैथिली साहित्य आख्यान: मान्षीमिह संसृगाम्



विदह- प्रथम मैथिली याञिक ँी-यप्रिका

सम्पादक: गजेंद्र ठाकुर



उं यथीक सर्वीधकान सर्जिा अडि। कौयीनाड्ट (©) ढानक लरिा अन्गीक विना यथीक काना अंशक डाय़ा ग्रीं अं नरिाडिग सडिा डल्लकडुनरिा अथवा यथीक, काना माधुयमसं, अथवा ङानक संधरुध वा युनधैयभक प्रधाली डाना काना नुयम युननुयादन अथवा संवाकन-प्रसानध नै कअल आ सकैा अडि।

(c) २०००- २०२३. सर्वीधकान सर्जिा। रालसनिा गड्ड अ सन २००० सँ याडूसिटीअयन डल http://www.geocities.com.../bhal_sarik_gachh.html , <http://www.geocities.com/gajendra> आडि लरिाकयन आ अखना ग डलाडु २००४ क यडु http://gajendratbhakur.blogspot.com/2004/07/bhal_sarik_gachh.html कन नुयम डुननरिाकयन मैथिलीक प्राचीनाम उरिाडिगक नुयम विग्रमान अडि. (किडु दिन लल http://vi.deha.com/2004/07/bhal_sarik_gachh.html लरिाकयन, अग wayback machi ne of [https://web.archive.org/web/*/vi.deha_258_capture\(s\)_from_2004_to_2016-](https://web.archive.org/web/*/vi.deha_258_capture(s)_from_2004_to_2016-) <http://vi.deha.com/> रालसनिा गड्ड-प्रथम मैथिली डुरीग / मैथिली डुरीगक अधी(गटन))

डुी मैथिलीक यरिहल डुननरिा यथीक थिक अकन नाम वादम १ अकननी २००६ सँ विदरु यडुलै डुननरिाकयन मैथिलीक प्रथम उरिाडिगक यथा विदरु- प्रथम मैथिली याडिाक डुी यथीक अनि यरुवल अडि, अ <http://www.vi.deha.co.in/> यन डुी प्रकाशिा डल्लग अडि। आव “रालसनिा गड्ड” अलनुप विदरु डुी-यथीकाक प्रककाक संग मैथिली रायाक अलनुपक अधी(गटन)क नुयम प्रयुक्त रडु नरुल अडि।

(c)२०००- २०२३. विदरु: प्रथम मैथिली याडिाक डुी-यथीका (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). सम्पादक: गजेंद्र ठाकुर। Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Vi deha, the Editor, Vi deha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. नवनाकान/ संधरुकार्पा अयन मैलिक आ अथकाशिा नवना/ संधरु (संयुध उअनदायिा नवनाकान/ संधरुकार्पा गथ) editorial.staff.vi.deha@gmail.com कँ मल अटुवमथक नुयमं य0। सकैा डुथि, संगम डुा अयन सडिाक यनिवय आ अयन प्रैन कअल (गल खरुटा सडु य0वथि) अडु प्रकाशिा नवना/ संधरु सरक कौयीनाड्ट नवनाकान/ संधरुकार्पाक लगम डुडि आ अडु नवनाकान/ संधरुकार्पाक नाम नै अडि। गडु डुी संयादकाधेन अडि। सम्पादक: विदरु डुी-प्रकाशिा नवनाक वव-आकौडुव/ थैम-आवाशिा वव-आकौडुवक निर्माधक अडिाकान, उं सर आकौडुवक अनुवाद आ लरिागनध आ गकना वव-आकौडुवक निर्माधक अडिाकान; आ उं सर आकौडुवक डुी-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अडिाकान नखैा डुथि। उं सर लल काना नोयरी/ यानिध्रमिकक प्रावनान नै डु, स नोयरी/ यानिध्रमिकक डुडुक नवनाकान/ संधरुकार्पा विदरुसं नै डुअथ। विदरु डुी यथीकाक मासम डू टा अंक निकलैा अडि। अ मासक ०१ आ ११ तिथिक www.vi.deha.co.in यन डुी प्रकाशिा कअल अडुल्लग अडि।

Vi deha eJournal (link www.vi.deha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share

their knowledge about Mithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Mithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Mithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Mithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

Font / Keyboard Source: <https://fonts.google.com>
<https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts> , <https://keynan.com/>

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

© Preeti Thakur (sales.videha@gmail.com)

Videha e-Journal: Issue No. 373 at www.videha.co.in



समानानुन यनन्यनाक विद्यायिण- विप्र विदह सम्मानसं सम्मानिा श्री यनकलाल मधुल द्वाना

मैथिली राया जगद्वाननी सीगायाः राया आसीगा हनूमन्ः उक्तवान- मान्धीमिह संयुगात्मा

अस्त्रन स्त्रय (आस्त्रन स्त्रय)

गिह्अन स्त्रयदि काऽऽ नस् किमिदन्नि यसन्ः॥ अस्त्रन स्त्रयान्स्त्र ऊउ म(त्र) वधि न दः॥ (कीर्णिला प्रथमः यस्त्रयः यदिल दः॥)

मान आस्त्रन नूयी स्त्रय निर्माध कऽऽ उऽऽयन (गद्य-यद्य नूयी) मं व जै ने वाहल जाय गं उ पिपवननूयी ऊप्रम ऊकन कीर्णिनूयी लफी कना यसना।

शुक्र यजुर्वेद (२६.२)-यथमां वाचं कथाधीमावदानि जनयः॥ व्रह्मनाजयाथां शूद्राय वार्याय च द्वाय चान्धाय वा। ह्म सर (गर्भकं ः) यन्नि वाधी (वदवाधी) स्नावी। ब्राह्मन्ः, ऊप्रियन्ः, शूद्रन्ः आ आर्यन्ः; अयन लोकरन्ः आ अयनिवाकं स्त्र (मान सरकं)। मूदा उ वदवाक्क वियनीग मन्ः॥

वदनाधीक अश्रयन/ श्रवधकं समाजक किट्ट (गाट लल निषध कनऽ चाह्ललक, मूदा शृणि सदा
वदनाश्रकं प्रमाध मानेग अट्टि (शब्द प्रमाध) गं पकन विनूह दल उकन निर्दश स्रयं अमाद्य रऽ
आह्लं अट्टि।

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you
plant. -Robert Louis Stevenson

Vi deha: Mi th i l i Li tera ture Mvneent

ऊँ श्रो: शान्तिनकनिऊ श्रंग शान्ति:

: :

अनुक्रम

उ अंकम अट्टि:-

१.१. गऊडू 01क्रन- नूगन अंक सन्धादकीय

१.२. अंक ३१२ यन टियधी

२. गद्य सध

२.१. यनमानन्ध लाल कर्ध- गीगा माहागुण्य (आगाँ)

२.२. क्रुमान मनाज कथय-सर्वसह्य

२.३. आचार्य नामानन्ध मधुल-आदियुनूष आ विनाध/ विधवा क यियान

२.४. जौ कैलाश क्रुमान मिश्र- समीजा- (०हा यनक मोलाञ्जल गाछ)

२.५. जौ किशन कानीगन-राजकाजी मनजन (दाय कटाज)

२.६. लालदत कामग-मैथिल रैया कनू विवान- याथी समीजा/
मैत्रिक रहल्ल (लघुकथा)/ लघुकथा- मनदूमसमानीक अर्थ जानि
(गलौं!)/ आर्ट युनयान आ सूनद्ध/ मूलअणि यिछाक आनऊध
दुयल (गल)

२.७. निर्मला कर्ध- अग्नि शिखा (खय-२२)

२.८. नद्ध विलास नाय-मंग्रीजी सँ येनवी

२.९. जगदीश प्रसाद मधुल- सूचिगा (धानावाहिक उयग्यास)

२.१०. जगदीश प्रसाद मधुल-सहना सहक नदि (गल (लघुकथा)

२.११. नवीन्द्र नानायध मिश्र-वदलि नहल अछि सरकिठ
(उयग्यास)- धानावाहिक

३. यद्य खध

३.१. जगदीश चद्र ठाकुर 'अनिल'- व्जग

३.२. वावा वैद्यनाथ- गजल

३.२. नाज किशान मिश्र-जनमोटी नना

4. Dr. Deepesh Kumar Thakur - Understanding
Convergence: Comprehending Medical Humanities as
a Literary Genre

१. अनुल्लेख

१. विदह व्जि-यत्रिकाक सररा यूनान अंक Vi deha e journal's all old
issues

२.मैथिली यात्री डाउनलोड Maithili Books Download

३. मैथिली ँतिया-वीतियाक संकलन Maithili Audios-Videos

४.मैथिली शिशु, बाल आ किलान साहित्य Maithili Children Literature

१.विदरु श्री काना

६. विदरु श्री-लनिद्व

१.विदरु सूचना संयुक्त अन्वेषण

8.Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement

६.विदरु मिथिलाक खोज

१०.विदरु मिथिला नद्व



ॐ

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष ग्वंग शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः
शान्तिरोषधयः शान्ति वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः
शान्तिर्ब्रह्म

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष W शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्ति
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म

ब्रह्मणसँ प्रार्थना जे द्यूलोकमे, अंतरिक्षमे, पृथ्वीपर, जलमे, औषधमे,
वनस्पतिमे, विश्वमे, सभ देवतागणमे आ ब्रह्ममे शांति हुअय।

ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तरेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्यूलोकक बीच, आपः-
जल, विश्वेदेवा- सभ देवता, ब्रह्म- सर्जक।

ब्रह्मणसँ प्रार्थना जे द्यूलोकमे, अंतरिक्षमे, पृथ्वीपर, जलमे,
औषधमे, वनस्पतिमे, विश्वमे, सभ देवतागणमे आ ब्रह्ममे शांति
हुअय।

ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तरेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्यूलोकक बीच,
आपः-जल, विश्वेदेवा- सभ देवता, ब्रह्म- सर्जक।

१

ॐ, सहस्रशीर्षा पुरुषः। सहस्राक्षः सहस्रपात्।

ॐ, ए॒ ह्य॒ शी॒र्षा॒ प॒रु॒षः॑। ए॒ ह्य॒ श्रा॒ क्षः॑
ए॒ ह्य॒ पा॒त्।

स भूमिं गंग विश्वतो वृत्वा। अत्यतिष्ठद् दशाङ्गुलम्॥

ए॒ ह्य॒ शी॒र्षा॒ प॒रु॒षः॑। ए॒ ह्य॒ श्रा॒ क्षः॑। ए॒ ह्य॒ पा॒त्॥

हजार माथ, हजार आँखि, हजार पएर संग विश्वकेँ आच्छादित केने
अछि, दस आंगुरक गनतीक वशमे नै अछि ओ।

ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः
सहस्रपात् ॥ सभूमिं सर्व्वतस्पृत्वा
त्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम् ॥

पद्भ्याग्ँ शूद्रो अजायत॥

ए॒ ह्य॒ शी॒र्षा॒ प॒रु॒षः॑। ए॒ ह्य॒ श्रा॒ क्षः॑। ए॒ ह्य॒ पा॒त्॥

पएरसँ शूद्रक उत्पत्ति भेल॥

पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्।

प↓ ड्र्यां ऋमि↓ दिभः↓ ज्ञात्रा↑ ↑ ७।

मुदा पएरेसँ भूमियोक उत्पत्ति।

❁ (White Florette- innocence and purity)

❁ (Wheel of Dharma)

卐 (Swastik)

ॐ (सिद्धिरस्तु, सिद्धम सिद्धिबन्धु, सिद्धम् Devanagari Anji)

᳚ (Gwang ग्वंग- two small circles connected by u and a dot placed over it, used in reference of Vedic texts)

ॐ (Tirhuta Anji, Ankush of Ganeshji, placed at the beginning of something)

ॐ



१.१. गज्ज 01कून- नूगन अंक सग्यादकीय

१.२. अंक ३१२ यन टियही

१.१. गण्ड 0कून- नून अंक सन्यादकीय

गूगल वार्ड(मेथिली) गूगल ड्रासलट /

<https://bard.google.com/> (गूगल वार्ड(

गूगल ड्रासलटक लिंक

<https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate>

गूगल ड्रासलटक आन यूथ कनवाक खगगा छै गळ लल अगिला काज अछा नदल छी:

<https://translate.google.com/about/contribute/>

[Crowdsource Maithili Community](#)

[Please fill the form](#)

[Next Step](#)

Download the Crowdsource app from android play store and start contributing

or go to web on the following link for contributing:

<https://crowdsource.google.com/about/>

Crowdsource by Google is a gamified platform that empowers users to directly train Google's artificial intelligence systems and make Google products work equally well for everyone, everywhere.

चेर जी(मैथिली) माइक्रोसॉफ्ट विंग ड्राइव्लट /४-टी.पी.जी -टी.पी.

<https://openai.com/>

<https://openai.com/gpt-4>

<https://openai.com/chatgpt>

<https://www.bing.com/translator>

<https://translator.microsoft.com/>

CONTRIBUTE VOICE CLIPS TO MICROSOFT TRANSLATOR

GO TO <https://translator.microsoft.com/>

Download Microsoft Translator APP- (Android/ IOS)

Click three horizontal lines in the left top corner.

Click "on" to Contribute Voice Clips to contribute clips to teach Microsoft's speech technology more about Maithili.

Your contribution start confirmation date/ time appears, which could be sent to your email too.

JNU

मैथिली

मैथिली ललितकन

मिथिलाऊन रॉइ लल (गिनहूगा) आवदन ३० सिपसुन २००६ आ
रुन संभाधिग आवदन १ मळी २०११कँ श्री अंशुमन या(धुय) ज्ञाना
दल (गल आ दूनु वन उम विदरुक सहयागक वर्धन रला ११
इनकँ श्री अंशुमन या(धुय) अकन स्त्रीकृगिक सूचना विदरुक रुसवूक
श्रययन दलनि। आव रूँ रॉइ वनि कऽ गेयान अक्रि आ नीचाँक
लिकयन उउनलाउ लल उयलख अक्रि।

[गिनहूगा, नवाठी आ केशी रॉइ उउनलाउ Google's Not o
Fonts project / Gi tHub](#)

<u>गिनहूगा</u>	<u>केशी</u>	<u>केशी</u>	<u>नवाठी</u>	<u>नवाठी</u>
<u>नारा</u>	<u>उरी.अरु</u>	<u>रीरी.अरु</u>	<u>उ.री.अरु.</u>	<u>री.री.अरु.</u>
<u>रॉइ</u>				

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts
download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keynan Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards
Download](#)

<https://nalarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta
Keyboard Online)

https://keymanweb.com/?_ga=2.7155890.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#nai-tirh,Keyboard_tirhuta

https://keymanweb.com/?_ga=2.241635586.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#nai-tirh,Keyboard_nalar_tirhuta

[https://aksharamukha.appspot.com/convert er \(Script / Website Converter\)](https://aksharamukha.appspot.com/convert er (Script / Website Converter))

[https://aksharamukha.appspot.com/keyboards \[Input \(IME\)\]](https://aksharamukha.appspot.com/keyboards [Input (IME)])

[https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts \(fonts-opensource\)](https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts (fonts-opensource))

[https://www.cdac.in/ \(Tirhuta / Unicode Typing Tool\)](https://www.cdac.in/ (Tirhuta / Unicode Typing Tool))

गिनद्गायत्री आध्यात्मि ळ्गिहास मैथिल ब्राह्मधक /कैथी रॉद्य -

[https://deepblue.lib.uch.edu/bitstream/handle/2027.42/110341/pandey_1.pdf?sequence=1 \(उपन-विद्वानक मैथिल ब्राह्मधम जागि](https://deepblue.lib.uch.edu/bitstream/handle/2027.42/110341/pandey_1.pdf?sequence=1 (उपन-विद्वानक मैथिल ब्राह्मधम जागि)

<https://www.unicode.org/L2/L2009/09329-maithili.pdf> (यूनीकाउ गिनहूगा रूँछ लल आवदन ३० सिगसन २००९, (विदहक सहयाग -

<https://www.unicode.org/L/2L11175/2011r-tirhuta.pdf> (यूनीकाउ गिनहूगा रूँछ लल आवदन १ मळी २०११ (विदहक सहयाग -

"विकीपीडियाम मैथिली"

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translate>

http://net.a.wiki.medi.a.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wiki.medi.a.org/wiki/Wp/mai>

<http://translate.wiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

अंगिम याँचू साळ्ट विकी मॅथिली प्रोजेक्ट अछि। अहि लिंक सरयन जा कय प्रोजेक्ट आगाँ वढाऊ।

विकीपीडिया आ आन (गिनह्या) मिथिलाउन /गूगल ड्रसलर /
:कीवठि प्रोजेक्ट प्रानस /खँध

विकीपीडिया ०१ रूनवनी २००८ लिंक

<https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&pg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false>
(मॅथिली दननागनी)

<https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bjwC&pg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मॅथिली
गिनह्या)

<https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wA08C&pg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मॅथिली
अल)

किछ मॅथिली विकीपीडिया यजक लिंक:

विदर (यग्रिका) <https://mai.wiki.pedia.org/s/kgv>

अंगनरक

संसानम

मॅथिली

राया <https://mai.wiki.pedia.org/s/s6h>

खलसलनलक गलतु <https://nai.wikiopedia.org/s/ipm>

वलदरु <https://nai.wikiopedia.org/s/ie1>

वलदरुक रुसवुक रसुन <https://nai.wikiopedia.org/s/iu1>

वलदरु सगुन <https://nai.wikiopedia.org/s/jc2>

वलदरु आरुकरु <https://nai.wikiopedia.org/s/jc0>

वलदरु मलथल ननु <https://nai.wikiopedia.org/s/jc3>

वलदरु मलथलक खलतु <https://nai.wikiopedia.org/s/jc4>

वलदरु सूवनल संयुके

अनुवषुठ <https://nai.wikiopedia.org/s/jc5>

शुरुगल युकरुशन <https://nai.wikiopedia.org/s/iu7>

अनुवलदुनल आखन <https://nai.wikiopedia.org/s/ion>

मलथली गतुल <https://nai.wikiopedia.org/s/idz>

मलथली वलल गतुल <https://nai.wikiopedia.org/s/ieX>

मलथली रलकल गतुल <https://nai.wikiopedia.org/s/if1>

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of Videha www.videha.co.in -send your WhatsApp no to

+919560960721 so that it can be added to the
Vi deha WhatsApp Broadcast Li st.)

अयन मंग्य edi tori al .st aff .vi deha@gmai l .comयन
य0131

१.२.अंक ३१२ यन टियधी

आभीष अनचिहान

मिथिलाऊनम यनमानइ लाल कर्ध डीक गीगा माहाग्य नीक उकाँ
आगाँ वडि नहल अछि। आशा अछि ज व्ही निनकन आगाँ
वडगा

अयन मंग्य edi tori al .st aff .vi deha@gmai l .comयन
य0131

२. गद्य खण्ड

२.१. यनमानन्द लाल कर्ष- गीता माहात्म्य (आगाँ)

२.२. कृमान मनाज कथय-सर्वसदा

२.३. आचार्य नामानन्द मधुल-आदियन्त्र आ विनाय/ विधवा क यियान

२.४. जौ कौलाश कृमान मिश्र- समीजा- (0हा यनक मोलाञ्जल गाछ

२.५. जौ किशन कानीगन-राजकाजी मनजन (हाथ कटाज)

२.६. लालदत्त कामग-मैथिल रैया कनू विवान- याथी समीजा/ मैथिलक
रुञ्जल (लघूकथा)/ लघूकथा- मनद्रमसमानीक अर्थ जानि (गलौं)/
आर्ट यन्त्रान आ सन्ध्र/ मूलअंगि यिच्छाक आनऊध हउयल
(गल)

२.७. निर्मला कर्ध- अग्नि शिखा (खय-२२)

२.८. नन्द विलास नाय-मंग्रीजी सँ येनवी

२.९. जगदीश प्रसाद मधुल- सूचिणा (धानावाहिक उययास)

२.१०. जगदीश प्रसाद मधुल-सहन्का सहन्क नहि (गल (लघूकथा)

२.११. नवीन्द्र नानायध मिश्र-वदलि नहल अछि सरकिछ (उययास)-
धानावाहिक

२.१.यनमानन्ध लाल कर्ध- गीगा माहाग्य (आगाँ)

Sunday, 4 June 2023 8:59 AM

ॐ



नाम - परमानन्द नान कर्ल, जन्म तिथि: २०-०१-७७
पिता - स्व० परशुराम नान कर्ल, माता - शोभा देवी
पता - बिबौर, दरभंगा, शिक्षा - स्नातकोत्तर (M.A.)
व्यवसाय - प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

गीत माहात्म्य (पद्म प्रवाण उद्भव चन्द्र)

चारिम अध्याय

श्री भगवान कहनयिन - प्रिये, अगर हम चारीम अध्यायक माहात्म्ये रजारेत छी। स्वन्, लागरथीक तर्क पर प्रवाणसी नाम सँ एकथ प्रती-अछि। ओहि ठाम रिद्धिनाथजीक मन्दिर मे उरत नाम सँ एकथ योग निष्ठ महात्म बहेत छनाह । जे सर दिन आमेचितुन मे तपेव ल३ आदर-पूर्यक गीतक चारीम अध्यायक पाठ करेत छनाह जेकर अन्त्यस सँ कनकर अन्त करण निमिनि ल३ गेन छन। ओ शीत-उष्ण आदि द्वन्द्व सँ कन्कर छथित नहि होयत छनाह। एक समयक रात अछि ओ अपेक्षण नगरक सीमा मे स्थित देवतक दर्शनक ताछा सँ प्रमल करेत नगर सँ बाहर निकनि गेनह। ओहि ठाम बैरक दु-रुथ ग्याछ छन। ग्याछक जति मे ओ रिद्धिनाथ करन गेनह। एक ग्याछक जति पर माथ आ दोसर ग्याछक जति पर पाठव बाखने छनाह । थोड़े देरक बाद जखन ओपद्मी चलि गेनथि तहन द्वन्द्व ग्याछ पाँच-छठ दिनक बाद सुखा गेन। जगहि मे पत आ जति सेजे नहि रहि गेन। तहन ओ द्वन्द्व ग्याछ कोनो कामक करिब घब मे दु-कन्क रूप मे जन्म गेनीह ।

ओ द्वन्द्व कन्क जखन सत वरखक लेनीह तहन एक दिन ओ द्वन्द्व देहा सँ घुमि केँ अरवेत उरत मुनि केँ देवानयिन। कनका देखेत ओ द्वन्द्व मुनिक प्रणव पर गिब मन्त्रव द्वन्द्व केकनयिन

হে মূৰ্খি অধৰ্ণক ছপা সঁ হমৰা ব্ৰহ্মক উদ্ধাৰলৈ
 অৰ্ছি। তুমি বৈৰ গাছক যেনি ত্যাগি কৈ মানুখক
 ধৰীৰ প্ৰাপ্ত কওনক অৰ্ছি। কনকা ওন্য কহনা পৰ
 মূৰ্খি কৈ বসু বিস্ময় লেননি। ওপ্ৰচনখিন-প্ৰসীধম
 কখন প্ৰা কোন সাম্ৰন সঁ অহাঁ কে মুক্তকওনক
 অৰ্ছি। সঁগতি সঁগ জা বতাত জে অহাঁ কোন কাৰণ
 সঁ বৈৰক গাছ লেন ছনক। কিংক তঃ ওহি বিষয়
 মে হমৰা কোনে জানকাৰী নহি অৰ্ছি।

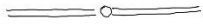
তহন ও কন্য পহিনে বৈৰ লৈনাক কাৰণ
 রজবেত কহনখিন - হে মূৰ্খি, গোদাৰবী নদীক
 তৰ্থ পৰ ছিন্ৰপপ নাম সঁ এক তৰ্থ সীৰ্থ সুনঅৰ্ছি
 জে মনুখ নোকনিকক প্ৰণ্য প্ৰদাতা অৰ্ছি। ও প্ৰান-
 তক চৰম সীমা পৰ পৰ্ছচন অৰ্ছি। ওহি ঠাম সল্গপ
 নাম সঁ এক তৰ্থ তপস্বী বসু কঠোৰ তপস্যা কঃ
 বহন ছনহ। ও গ্ৰীধম ধৃত মে প্ৰত্ননিত আগিক
 মধ্য বৈ সৈত ছনহ, বৰ্ষা ধৃত মে জলক প্ৰা সঁ
 কনকৰ মাথক কেধ সদিখন শ্ৰীতন বহেত ছন
 অ্ৰ জাতক সময় মে প্ৰাণি মে বহনাক কাৰণে
 কনকৰ ধৰীৰক বৈম সদিখন ঠাে বহেত ছন।
 ও বাহৰ শ্ৰীতৰ সঁ সদিখন ধ্ৰু বহেত ছনহ।
 সময় পৰ তপস্যা কৰেত অ্ৰ মন গন্দ্ৰী কৈময়
 মে বাখি পৰম ধ্যানি প্ৰাণি প্ৰাণে মে বমল কৰেত
 ছনহ। ও অ্ৰপন বিহুতা সঁ ওহন চ্যাপ্ৰ্যন দৈত
 ছনহ জেকৰা মনৰাক নেন ঠ্ৰমা জী সৈহে সৰ
 দিন কনকা নগ প্ৰাৰেত ছনহ অ্ৰ পৰ্ছ কৰেত
 ছনখিন। ঠ্ৰমাজী সঁ কনকা কোনে তবহক
 সঁকোচ নহি ছনেনি। তেঁ ও কনকা ওনক বাদ-
 ক ও সদিখন তপস্যা মে নীন বহেত ছনহ।
 পৰমামোক ধ্ৰ্যন মে নিবনুৰ বহনাক কাৰণে
 কনকৰ তপস্যা সদিখন বহেত বহেত ছন।
 সল্গতপা কৈ জীৱনমুক্ত মানি গন্দ্ৰ অ্ৰপন
 সমৃদ্ধিধানী পদক সম্ভ্ৰ মে প্ৰয়ন্তীত তঃ
 গেনহ। | তহন ও কনকৰ তপস্যা লংগ কৰক
 নেন সও প্ৰকাৰক বিধ জা ননাগ প্ৰাৰম্ভ কৰনি
 অ্ৰপৰাক সম্ভদায় সঁ হমৰা ব্ৰহ্ম কৈ বৈনা
 কৈ গন্দ্ৰ ওহি প্ৰকাৰে প্ৰাদেধা দেনখিন -
 অহাঁ ব্ৰহ্ম ওহি তপস্বী কৈ তপস্যা মে বিধ জা
 জে হমৰা গন্দ্ৰ পদ সঁ তৰ্থ কৈ স্মৰ্গৰ্গক বাত
 লোগঃ চাহেত অৰ্ছি।

গন্দ্ৰক জা প্ৰাদেধা প্ৰা হম ব্ৰহ্ম গোদাৰবী

মন্দাক ওত পৰ ওাহ ঠাম গেনক জা।৩ ঠাম ও
 মূনি তপস্যা কৰেত চনহ। ওহি ঠাম মন্দ
 আ গম্ভীৰ স্মৰ মে সঁজৈত মৃদগ আওৰ মধ্বৰ
 বাঁশাক ধ্বন সঁ হম ব্ৰহ্ম দোসৰ অক্ষৰা সহিত
 মধ্বৰ স্মৰ মে গীত আৰম্ভ কওনকঁ। এতৰে নহি
 মহামো কেঁ বন্ধা মে কৰবাক নেন হম সৰ স্মৰ। তৰ
 আ নয়ক সংগ নাচ সেহো কওনকঁ। বীট-বীট
 আচৰি মিসকনা পৰ কনকা হমৰ চাতী সেহো
 দেখি পঠেত চননি। হমৰা ব্ৰহ্মক উন্মত্ত গতি
 কামনা ক উদ্দীপন কৰৱাণা চন। মূদা নিৰিকার
 চিত্তযজ মহামোক মন মে উজ কাম সঁ কোধক
 সঁচাৰ তঃ গেন। তহন ও হাথ মে জন নঃ কেধোপা-
 গ্নি সঁ প্ৰজ্বলিত তঃ ধ্যাপ দেনথিন - 'অহাঁ ব্ৰহ্ম
 গংগাজীক কচৰ মে বৈৰক গাছ তঃ জা'। তঃ
 স্মনি তম সৰ বিনয়পূৰ্বক প্ৰাৰ্থনা কওনকঁ মহামে
 হম ব্ৰহ্ম পৰাথীন চনকঁ। হমৰা সঁ জে ব্ৰহ্মমলৈ
 অছি সে ধ্মা কৰ। এনা কহি হম মূনি কেঁ প্ৰসন্ন
 কওনকঁ। তহন ও পৰিষ চিত্তযজ মূনি ধ্যাপোপায়
 ক অৱগ্ৰি নিষ্চিত কৰেত কহনথিন - জখন তৰত
 মূনি এহি ঠাম এতহ তহন অহাঁ সৰ ধ্যাপ মুক্তভঃ
 জায়ব। অকৰবাদ অহাঁ সৰ মূদুনোক মে জন্ম নের
 আ পূৰ্জন্মক স্মৃতি বনত বহত।

হে মূনিবৰ জখন হম ব্ৰহ্ম বৈৰ গাছক কপ
 মে ঠাট চনকঁ তহন অহাঁ হমৰা নগ আৰি গীতক
 চাৰীম অধ্যায়ক জাপ কৰেত হমৰ উচ্চাৰ কেনে
 চনকঁ। হম অ্পনেক বমন কৰেত ছী। অহাঁ কেরন
 ধ্যাপ সঁ উচ্চাৰেখা নহি অপিও এহি ত্ৰযানক্যায়
 সঁ সেহো গীতক চাৰীম অধ্যায়ক পাঠকঃ মুক্তকঃ
 দেনকঁ।

শ্ৰী ভগবান কহনথিন - ব্ৰহ্ম কেঁ এহি প্ৰকা
 কহনা পৰ মূনি অ্ৰহ্ম লৈনথিন আ কনকা
 সঁ স্মৃতিত তঃ বিদ্য নঃ কে চনি গেনহ। ও
 কন্যা সেহো আদৰপূৰ্বক গীতক চাৰীম
 অধ্যায়ক পাঠ কৰৱ নগনীহ জাহি সঁ কনকা
 উচ্চাৰ লৈননি।



গীতা মহাত্ম্যে (পঞ্চম প্ৰকাশ '৫৩ৰ খণ্ড') পাঁচম অধ্যায়

শ্ৰী ভগৱান কহন শিষ্য- হে দেৱী পুৰ সৰ
নোকনি মে সম্মানিত গীতক পাঁচম অধ্যায়
মহাত্ম্যে বতৰেত ছী। অহাঁ সাৰস্বতী লৱস্বতী।
মদদেহা মে প্ৰকল্পসেপৰ নাম সঁ একৰ্থা বগৰ
অছি। জাহি মে পিঁগন নাম সঁ একৰ্থা প্ৰাক্ৰমৰহে
ছনাহ।

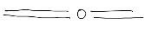
ওৱেদপাঠী প্ৰাক্ৰম বিখ্যাত ব্ৰহ্ম মে জন্ম নেনে
ছনাহ জে সৰ্বথা নিষ্কলক ছনথি। মদম ও অৰ্পন
শনক নেন ৱেদপ্ৰায়ক স্বাধ্যায় ছোটি তোন আদি
বজাবৈত অ্য ন্যচ-গণন মে মন নগ্নৱেত ছনাহ।
ন্যচ-গণন অ্য বাদ্য যঁ কন মে পৰিষ্কাৰ কঃ
পিঁগন প্ৰসিক্তি প্ৰাপ্ত কঃ নেনথিন। জাহি সঁ
ক্ৰমকা ৰাজলৱন মে সেহো স্মৃন ভেঁৰি গেননি।
অৰ ও ৰাজক সঁ বহঃ নগনহ অ্য পৰ ন্যৰীক
উপলোগ কৰঃ নগনহ। ন্যৰী সিন্ন দোসৰকতঃ
মন নহি ন্যগেত ছননি। প্ৰীৰে-প্ৰীৰে অৰ্হিম্ন
ৱি গেনা সঁ উচ্ছ্ৰন লঃ ওৎকাল্য মে ৰাজা সঁ
দোসৰক দেৱ বতৱঃ নগনহ। পিঁগনক স্মীক নাম
অৰুণা ছন। ও নীচ শন মে জন্ম নেনে ছনীহ
অ্য কাশী প্ৰক্ৰমক সঁগ ৱিহাৰ কৰৱাক জাছা সঁ
সুদিখন ওকৰে লোগ মে ঘুমত বহেত ছনীহ।
ও অৰ্পন্য পতি কেঁ অৰ্পন মার্গক কাঁথ-সমমিৎক
দিন অৰ্পৱতিয়া মে ঘৰক অৰ্হনৰ ক্ৰমক সিৰকাৰ
মাৰি দেনথিন অ্য ক্ৰমকৰ ন্যছা কেঁ জমীন
মে গাৰি দেনথিন। এহি প্ৰকাৰ ও যমনোক পৰ্হি
গেনাহ অ্য শীষণ নৰকক উপলোগ কঃ নিৰ্জন
ৱন মে গিহুযোশী মে জন্ম নেনাহ।

অৰুণা সেহো ভগনন্দৰ ৰোগ সঁ পীড়িত লঃ
অৰ্পন স্মন্দৰ ধৰীৰ ল্যাগি ঘোৰ নৰক লোগনক
প্ৰক্ৰম ওহি ৱন মে ধুক যোনি মে জন্ম নেনীহ
এক দিন ও দান্য ছগৱাক জাছা সঁ ওহৰ ওহৰ
মুদকি বহন ছনীহ ওখনহি গিহু অৰ্পনপূৰ্বকম
ৱেৰক স্মৰণ কঃ অৰ্পন শীষণ নহ সঁ ক্ৰমকা
মাৰি দেনথিন। ধুকী ঘায়ন লঃ পানি সঁ ভৱন
মাৰ্ম্মক শোপতী মে অসি পহনীহ। গিহু ৱেৰি

রূপকা দিচ্ছা স্মরণীয় মারনয়িন তখনহি ঐকর্ষ্য
 বৈহেনিয়া সোহে নিধ্যান্য স্যগ্নি বীণা চহনয়িন ।
 রূপক পূর্বজন্মক পদ্বী ধ্বকী খোপটীক জন মে
 তুরি প্রাণা ত্যগি চুকন চনীহ । খুব পক্ষী সোহো
 ওহি মে গির কৈ তুরি গেন । তহন যমরাজক ছুত
 রূপকা হনু কৈ যমরাজক নোক মে নঃগেনশিব ।
 ওহি গৈম হনু অপন পূর্বচুত পাপা কর্ম কি যাদিকঃ
 ভয়ভীত চনয়ি । তদনুত যমরাজ জখন রূপক যুগিত
 কর্ম কৈ দেখনয়িন তহন রূপকা জাত ভেদনিকৈ
 মূলুকান মে অকস্মাৎ খোপটীক জন মে স্মান
 কেনা সঁ রূপক পাপ নর্ধঃ ভঃ গেন অচি । তহন
 ও হনু কৈ মনরাচিত নোক মে জয়বাক খাজা দেলি
 গা স্মনি ও হনু অপন্য পাপ কৈ যাদিকঃ রিময়
 মে পড়ি গেনাহ অ্য ধর্মরাজক চৰণা মে প্রণাম
 কঃ পচনয়িন হৈ ভগবন হম হনু পূর্বজন্মমে
 যুগিত পাপক সঁচয় কাওনকৈ অচি তেমা হমরা
 মনরাচিত নোক মে ভেজরক কোন কারণেচি
 সৈ রজঃ ।

যমরাজ কহনয়িন - গঁগাক কচের পর বর্ধ-
 নাম সঁ ঐকর্ষ্য গৈম চ্ৰমাগনী বহেত চনাহ । ও
 ঐকানুরাসী মমতাবহিত, ধ্বাসু, বিবজ প্ৰা ককবোঈ
 হেয় নহি বাখঃবনা চনাহ । ও নিয়ম সঁ সঁ দিন
 গীতাক পাঁচম অধ্যায়ক পাঁঠে কবেত চনাহ । পাঁচম
 অধ্যায়ক ছুরণ কেনা পর মহাপাণী ঐকয় সোহো
 সন্যতনচুক জন প্যরি নৈত ছয়ি । ত্যহি
 পুণ্যক প্রভার সঁ চিত্ত ধ্বঃ ভঃ ও অচন ধ্বীরক
 লগ কেনে চনাহ । গীতাক পাঁঠে সঁ জিনকর
 ধ্বীর নির্মিত ভঃ গেন চন, জে অ্যমে ঠান প্যরি
 নেনে চনাহ অহি মহামোক খোপটীক জন সঁ
 অহঁ হনু পরিম ভঃ গেন ছি । অ্যার অহঁ হনু মন-
 রাচিত নোক মে জগু কিংক তঃ গীতাক পাঁচ
 অধ্যায়ক মাতঃমে সঁ অহঁ হনু পরিম র ধ্বঃ ভঃ
 গেনকৈ অচি ।

শ্রী ভগবান কহনয়িন - সবহক প্রতি সমান
 ভাবঃ বাখঃ রন্য ধর্মরাজ কৈ কহনা পর গা হনু
 অহো ভঃ বিমান পর বেসি বৈল্ল-র্ধঃ প্রাম চনি
 গেনাহ ।



পরমানন্দ নান কর্ণ

२.२.कृमान मनाज कथय-सर्वसदा



कृमान मनाज कथय

१ टा लघुकथा

सर्वसदा

ननमा माय क मा॒-याछा-चोका-वनगन कs आँवन सs हाथ यच्छि निचेन सs चारु यिवेग दसि उदिना यच्छि ललिये - 'आहाँ क लाकक घन म काज कला सs सरु प्राधी क गुजन-वसन रु' जाळ्ये? घनवाला क गs उदिना अहन-अहन मउाळीग दखेग छिये दिन रनि!' ननमा माय क चारुक कय (0)न सs यहिन त्रिके गले - 'आव आहाँ सs की चनाऊ मालिक! याळी कग मिले हळी? जहा हाळी हे गकन गs ननमा वाय गानिय-दानू यी जाळी हळी। घन-घन सs वाळस राग नाटी ज कछा कया दे हळी उह स कहना खयन जाळी हिये आ. लाकक दल खारल-यूनान सs दरु मँयाळी हळी।'

- 'आहाँ गानी-दानू म उ७वे ले याळी देगे किये छिये? दिन रनि कांठ गानी आहाँ आ उवावे आ! ' -- हमना गामस उ० (गल छला मूदा ननमा माय शंण नहल आ काना दार्शनिक जकाँ वाजल- 'मालिक कहे गs हिये आहाँ वल सफ; मूदा आकन यीवे क आदग गs आव छूटे सs नहले! हम याळी नहिंआ दवे गेया गs जवर्दफी मानि-योट कs कs लळीय लगे उदा स नळी हगे गs चानी कनगे; मयटमानी कनगे काना-न-काना धनानी योगे गs अदस! अळी सर सs गs नीक ज हमहीं याळी दs दियेघनक वाग घन नह! कया७ म सरल हळी हमन गs खगगे क..?'

हम निनूान नहिं लडिगा छलहूँ ।

-कूमान मनाज कथय, सम्प्रगि: रानग सनकान क उय-सचिव, संयर्क: सी-11, रावन-4, राळ्य-5, कियवळी नगन यूर्व (दिल्ली हाट क सामन), नळी दिल्ली-110023 मा. 9810811850 / 8178216239 वळी-मल : writetokmanoj@gmail.com

अयन मंगच editorial.staff.videha@gmail.com यन य०।३।

२.३. आचार्य नामानन्द मधुल-आदियन्त्र आ विनाध/ विधना क यियान

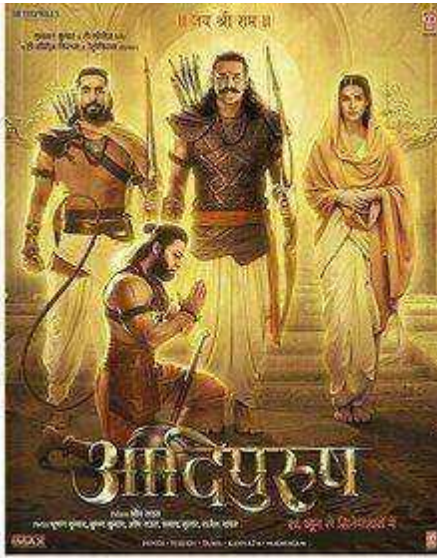


आचार्य नामानंद मंजल

आदियन्त्र आ विनाध/ विधना क यियान

१

आदियन्त्र आ विनाध



आदि कालि हिन्दू आदिपुरुष क खूब चर्चा हया। वहूग लाग अदि हिन्दू क नामानंद सागन कृग धानावाहिक नामायध, संग गुलसीदास नचिग नामच निगमानस आ महर्षि वाञ्छीकि कृग नामायध स गुलना कनेग विनाध कनेग रहना। हालांकि वहूग नचनाकान नाम कथा नचलेन रहना। वहूग ब्राह्मध श्रद्ध, यूनध आ वेद्व साद्विग मया नाम कथा ग्रिगियादिग हया। ऊ वहूग रिन्न चनिग क हया। सीगा क न्यु वधन आ गथाग्नक मया वाञ्छीकी नामायध आ नामचनिगमानस मं आकाश यागाल क अंगन हया। यथा यद्र ग्राफि ह गु नानी सर म आन्यागिक खीन विगनध, स्रयंवन आ नावध वध मं विरीषध क रूमिका। नामचनिगमानस क अनूसान स्रयंवन रला। यनच नामाय ध क अनूसान नामचनिगमानस लखा स्रयंवन न रला। नामचनिगमानस क अनूसान नावध वध मं विरीषध ग वाञ्छीकी नामायध क अनूसान अदि क सानधि मागलि क नावध वध मं रूमिका हया। विनाध अदि कि हिन्दू मं हनु

मान जी सीगा क वद्विन कद्वेग दहन जौकि नामायध मं दनूमान जी सीगा क मागा सीगा संवाधिन कनेग नद्वलन द्यया यनंगु अमीश कृग यथी सीगा म द नूमान जी सीगा क वद्वन आ सीगा दनूमान जी क रेंया कद्व क संवाधिन क नेग दहन। अस्ल म झादा लाग संग गुलसीदास क नामचनिगमानस स प्र रानिग दहन। वद्वग यद्विल स लाग नामलीला देखेग नद्वलन द्यया संग गुल सीदास नामचनिगमानस क प्रवान प्रसान क लल नामलीला चलैलन नद्वलन । नामलीला मं द्यास जी दानमानियम यन नामचनिगमानस गद्वेग नद्वलन। वेद्व यनंयना नयथ स नामानंद सागन अयन धानादाद्विक नामायध मं कौ लना लाग वन माद्वंउउ र (गला लाग क विरिन्न नामकथा यद्वेय क आव थकगा द्यया गव विनाध अयन आय कम द्वा जायगा।

२

विधवा क यियान

द्वमना वा अवेग जाग वग (गोन स दखग नद्वे) यनंव द्दम विना (गोन कौल अवाग जाद्वेग नद्वे)। अकरा दिन अगो क्कार लेद्वेका अगो यूनजी लक द लक आ कद्व लक सन जी वउकी माय दलक द्येया द्दम वउकी माय नाम सू नल नद्वे।

कानध यगा चलल कि गीन राद्वी म स सवस वउका राद्वी ऊ विध्वन नद्व गीन (गो लउकी आ अगो लउका क वाय नद्वे) आ सनकानी सनविस् स

निरायन नह। अयना ल७की क गुनिया ल७की स शादी केल नह। आ कू
छ दिन वाद मन (गल नह। वाह विधवा यूती क लाग सव व७की माळी
क नाम स जाउग-जैधी आ सगवा वरी-वरा यूकानग नहै।

हं। अत्व वै यूनजी क खाल क यठ लगली। यूनजी मं लिखल नह-

प्रिय सन जी,

यननामा।

हमना अंहा स पियान र (गल ह्ये।

अंहा क शांगि

यूनजी यठिग, हमन मन क शांगि खगम र (गला मन मं शांगि खलवली मवा
दलका। एक लाळून क यूनजी। असल मं उ अगा प्रम यप्र नह। अत्व ग दि
न नाग शांगि क वान मं ही साखेग लगली। हम अयना खि७की स वान वान
दखं लगली। जव वा नहाय कल यन आवा। वा खूव दन गक नहाय लांगल
। कूछ कूछ अंग प्रदर्शन री कन लागला। वाह नजन चूना क दख लागल
कि खि७की स दखे छी कि ना। जव वा वूम जा अ ग औन अंग प्रदर्शन कन
लागला। हमना शांगि अत्व कामिनी लाग लागला। हम आ वा दूनू (गान अ
क दासन क दख लगली। थान यनवान चठ लागला।

अत्व वाह लैका नाज दिन यूनजी यानी लत्र लरन थमाव लागला। अयन दू
ख रनी कहानी, अयन वदना, अयन दहक कामना, अयन रावना आ अ
यन सयना वगाव लागला। एक दिन ग प्रमक यप्र मं लिखनन कि हम अंहा

स विआह कने लल गेयान छी। हमन वावू माय वद्दग यदिल स ग्याह कन क लल कहैग नहलथिन। लकिन हम गाहन विआह न कनवै। कानध कि अयना सव मं विधवा विआह न चले छैया हम सर कुलिन वर्ग स छी। लकिन हम सर गलगी केल छी कि गाहन विआह वृढ वन स के दलिडा। आँ गाहन दुःख दखल न जाँँ। अत गु अयना स ककना स विआह कला यनजाँँगा मं कला अत हमना स दुःख न सहल जाँँ।

ँ सव जान क हम किंकरिदिमूढ ह। गली। हम ग विआह क वान मं सावन री न नहली। एक दिन सांस मं अचानक हमना नूम क किवानी स खटखट क आवाज सुनाँँ यला। हम कहली का वाहन स आवाज आ यल, हम भांगि। हम किवानी खाल दली। भांगि रीगन आक सिटकिनी लगा दलका। हमना वउ यन आक वै० गला। हमहु वै० गली। वाँँ विधवा यूवनी क आँँ नजदीक स दखली। वा हाथ यक० क वाग कन लागला क री करी दह क री छुँँ लागला वाग कनेग कनेग दह मं सट गला। अत वाँँ छुँँन स हमना दह मं सुनसुनी हाथ लागला कना दूनु यूवा दह ० क दह ह। गल यगा न चलला। हम अयना क शर्मिदा वूम लगली। लकिन वा म्भूनाँँग नहं। वाकन राव भांग दिखा वा वी रूगि स नूम क किवानी खाल क वाहन निकल गला।

अत हम समस ली कि वा वाकन दह क मांग नह। जे वा यूना क ललका। हमना वाकना स विगृष्ठा र गला। हम वहां स दासन जगह चल गली। वाद मं यगा चलल कि वा सजागीय विधून, दून क जीजा जी क साथ लिबँँन निलभनभिय मं नह लागल ह्येयाँँ कहानी अयना यन विगल एक दाफ व

गेलक, अ वद्दग दिन वाद ह्मना समिल आयल न्ह । ह्म साव लगली ॐ
विधवा क यियान न मजवूनी न्ह, विधवा विवाह निषध का

-आचार्य नामानंद मंडल सामाजिक चिंतक सीगामठी, सवानिवृत्त
प्रधानाध्यायक, मागा-वद्ध दत्री, यिगा-सन्नानाजधन मंडल, यक्षी-प्रमिला
दत्री, जन्म तिथि-०१ जनवरी १९६० याथा- अम-अससी (नसायन
शास्त्र), अम अ (द्विष्टी)। नूचि- साहित्यिक, मैथिली-द्विष्टी कविगा -
कहानी लेखन आ आलखा प्रकाशित याथी - मैथिली कविगा संग्रह
रासा क न वांटिया। २०२२ प्रकाशित नचना - समिया कविगा
संग्रह याथी - जनक नदिनी जानकी आ शौर्य गाना २०२२ यंत्रिका
-मिथिला समाज, धन -वाहन आ अयूर्वा (मेसाम)। अखवान -दैनिक
मैथिल यूनर्जागनध प्रकाश। सामाजिक-सामाजिक चिंतन, दायिध- पूर्व
जिला प्रगिनिधि, प्राथमिक शिऊक संघ, उमना, सीगामठी। स्थायी यन्ना-
ग्राम-यियना विशनयून थाना-यनिहान जिला-सीगामठी। वर्तमान यगा-
यियना सदन, मूनलियाचक वाँ-०४ सीगामठी यासु-चकमहिला जिला-
सीगामठी नाश-विहान यिन-८४३३०२ मा नं-९९७३६४१०७५ ॐमिल-
ramanandmundal 001@gmail .com

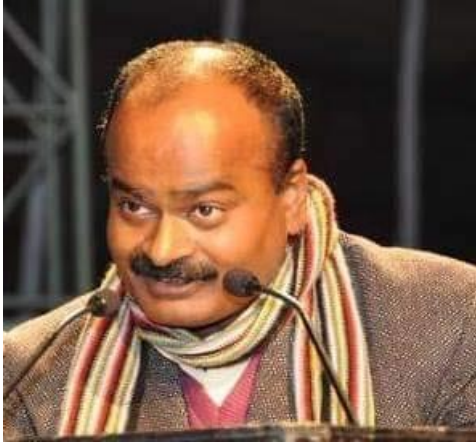
अ

नचनायन

अयन

मांघ edi tori al .staff .vi deha @ gmail .com यन य०।३।

२.४.ॐ कैलाश क्रमान मिश्र- समीक्षा- (०हा यनक मोलाञल गाछ



ॐ कैलाश क्रमान मिश्र

समीक्षा- (०हा यनक मोलाञल गाछ

मैथिली साहित्य कन गद्य रूढना नीक लगेण अछि। नवीरु नानायध मिश्र कन टटका उयद्यास “(०हा यनक मोलाञल गाछ” अखन यूना यडलहँ अछि। नवीरु जी प्रवासी मैथिल छथि, वनिष्ठ सत्रा निवृण अधिकानी छथि, संयमिण लाक आ गहन या०क छथि। यडवाक संग-संग नियमिण लिखवाक बसनी धिकाह। खाजी प्रवृणि कन लाक छथि। ॐ जी० कन लाक छथि। वडू-राषी छथि मूदा मागृराषा सँ अनकंठीशनल प्रम छनि गहिँ अधिकान्ध नचना मैथिली म कनेण छथि।

प्रवासी मिथिल कन समया ॐ छनि ज ॐ सव अयन मिथिला, माटि, यनयना, यनिवान, समाज आ ॐगिहास संग चार्म म जिवेग छथि। दिनका सर क नॉरेडिया जना अयन गिनरू म लन दानि। नॉरेडिया कगक समय यथार्थ सँ लाक क दून रगा लेग अछि। लाक विसनि जाॐग अछि ज गाम सँ दिल्ली, कालकागा, म्वॐरी, वैंगलान आ उागय सँ दूवॐरी, लंदन, अमनिका, ासद्रलिआ आदि 0म उा सर कियेक गलाह अथवा जा नहल छथि। अगन अयन ज० सँ उायथाना क अगक सिनह छनि गँ उनटा माॐ(अशन कियेक नदि र नहल अछि ? अक समया ज सगगा कन निर्माधक शेषत्र कल सँ अखन धनि निनंगना सँ आवि नहल अछि स अछि जननशन गेया सवा निवृग आ वनिष्ठ नागनिक अयन विवान, संघान, साव क सर्वाफम मनेग छथि, हनका दॐग छनि ज नवका लाक दिशाहीन, संवृगिरंजक, हृदयहीन दॐग छथि। हनका अयन लाक, वृशर्ग, संवृगि, संघान आ सर सँ येघ अयन रूमि आ दश सँ प्रम नदि छनि। हनक रोगिकावाद यनयना आ संवृगि यन प्रहान कनेग अछि। जमीन सँ जन कन प्रम सनागन सँ आवि नहल छेक मूदा वैश्विक वाजान, राजगान आ द्यायान कन अक्सन, जीवन म सूख आ विलासिगा आव लाकक साव वदलि नहल अछि। याथी कन आलाचना लिखव सँ यद्विन ॐ वाग सव कहव जन्नी अछि कानध अदि वाग सरक खाष्ट यन ॐ उयग्यास 01७ अछि। चलू संजय म वगा दी ज उयग्यास कन कथा वरू की अछि। उयग्यास म ग्राध अनवाक हगु नवीद्ध जी नायक कन वाग प्रथम प्रनृष अथवा रूष्ट यर्सन म कनेग छथि। अकन अर्थ रल ज लखक

कमा गँ नदल छलथिइ मूदा विवाहक वाग टालि नदल छलथिइ।
 अहि वीच शालिनी क एक कनल कन ँसीसाँसी लउका सँ प्रम र
 गेलनि। ओ अयन वाग ऊखन अयन मागा यिगा सँ कदलथिइ गँ
 ँसी सर ममा खसलाह। मूदा की क सकौं छलाह। लउका नीक
 नदक लावान र विवाह कना दलथिइ। वाद म शालिनी क एक
 कथा रलनि। शालिनी अयन यगि संग मूँवँसी नदक छलीह। ववान
 यूनः अयन यग्री नमा संग असगन नहय लगलाह। आन ग आन
 अहिया सत्रा निवृण रलाह गहिया गीनू सांगन म कियाक नदि
 अलथिना। दूखी छलाह, मूदा की क सकौं छलाह। मूनी सलाह
 देग छलथिइ ज ओ अयन सग्यगि आदि वचि रूँकी लगा लथि।
 अहि सँ आमदनी संग समय कटि जगनि। थाम कूना वृद्ध आश्रम
 म नदवाक समाद द नदल छथिइ। शालिनी क अयन काज आ
 यनिवान सँ कहाँ समय ववेग छनि ? यग्री नमा वीमान नदक छथिइ।
 मूदा यग्रीसी ऊ दऊँध रानीय छथि स दूनू ग्राही दिनका सर क
 वदूग सिनह कनेग छथिइ।

समय चलैग नदक छनि, यक्षाणाय वढल जा नदल छनि। वीच म
 एक दिन यग्री नमा क हार्ट अटैक होएल छनि। हॉस्पिटल म अट
 लगवाक दनकाना असगन छथि। यग्रीसी माघ सहाना। गीनू सांगन
 क रान कनेग छथिइ। कियाक रान नदि उ०वेग छनि। दूखी रल
 जा नदल छथि। खेन! यग्री नमा ँँलाज क वाद सकुशल घन अवेग
 छथिना। वाद म वटा सव रान कनेग छथिन मूदा कियाक दिल्ली
 नदि अवेग छथिना।

अहि वीच यत्र थाम वन-वन अमनिका आवय लल आग्रह कनेग
 छथिइ। निर्धय लेग अमनिका किछु दिन चलि जाळ्ग छथि। उगय
 झाग हाळ्ग छनि ज थाम उदित नामक कूना लउका संग लिबळ्ग
 म नहि नहल छथि। विस्मय आ विछाह म नहैग छथि। अमनिका
 आअव यन जार र नहल छनि ! अक दिन अहन कन प्रमुख सान
 घूमवा लल थाम संग जाळ्ग काल अक आदमी कन कान सँ नमा
 क दुर्घटना र जाळ्ग छनि। नमा क जाँघ कन हउी टूटि जाळ्ग
 छनि। गुनग हाँघिरल जाळ्ग छथि। उगय यनभन हाळ्ग छनि।
 हाँघिरल कन खर्वा स स्रयं कनेग छथि कानध थाम लग अक
 याळी नहि छनि। संयाग सँ जाहि आदमी कन कान सँ दुर्घटना
 रल छलइ स रङ्गलाक छल आ उा यूना व्वाज कन खर्व उ0वैग
 छनि आ सव येसा नायस क देग छनि। थाम कन घन म द्रनू प्राधी
 असगन नहैग छथि। या ग थाम दन नागि क अवेग छथि अथवा
 काक दिन नाहिया अवेग छथि। अहना सिगि म समय कारव
 मूशिला अक दिन वगल क यार्क म जाळ्ग छथि ग दखैग छथि ज
 वृहर्ग श्री यूनख आयस म हिल मिल मस्की क नहल छथि। उा सव
 खा नहल छल, यी नहल छल, गावि नहल छल, नृय क नहल
 छल। दिनका द्रनू प्राधी क उगय रब्य स्वागग हाळ्ग छनि। याग
 चलेग छनि ज उाहि म अधिकंश लाक रानगीय मूल क अछि।
 कियोक अयन, ककना मागा यिगा, ग ककना यिगामह अगय नोकनी
 कन गलाश म आवि गेल नहथि। अमनिका म लाक अयन काज
 म बरु नहैग अछि। मागा यिगा या ग उाउ हाम म नहैग छथि

अथवा सूर्य म मरु। नमा आ दूनक यगि क अदि वूढ सव संग
मान लागय लगेग छनि। नमा यगि दिन वनिष्ट लाक सर लल किछ
न किछ वना क ल जाळ्ग छथि जकना ठा सव वहुग प्रम सँ
खाळ्ग छथि। अक दिन कूना वाग कन कानध नमा कन यगि अयन
यू प्र थाम क उविउ सँ मगउेग दखि लेग छथि। उविउ थाम क
कदि नहल छलेक ज ठा आव थाम कन मागा यिगा संग अदि घन
म नदि नहगा ॐ दृथ दखि नमा दूनु प्राधी छार म अवेग छथि
आ निर्धय लेग छथि ज दिल्ली वायस आवि जगीह। खान सँ झाग
दख्ख छनि ज दूनक दजिध रानगीय यशसी आव वंगलोन जाक
अयन मकान म दूनु प्राधी आ वटा यगद् अक संग अक घन म
नहेग अछि। मूनली दूनका सर क लंदन वजा नहल छनि मूदा
मान गक न दूखा गल छनि स साम दिल्ली आवि जाळ्ग छथि।

दिल्ली अलाक किछ दिनक वाद कानाना महामानी सँ यूना संसान
ग्रादि कृषू कनय लगेग अछि। किछ दिनक वाद यगा चलेग छनि
ज थाम अयन मिप्र उविउ कन खून क दलकेका। सव सवूग थाम
कन दाषी प्रमाधिग क नहल छलेका। अंगगः थाम क आजीवन
कानावास कन सजा रट गलेका। ठा जल म सजा काटि नहल
छला। ॐहन वंगलोन म दजिध रानगीय यशसी कन यत्री क कौसन
र गल नहेका। ठा वहुग यनशान छला। ॐ सव वंगलोन गलाह
आ यशसी क दखि अवेग छथि।

दिल्ली अवेग दनी अक दिन मावाळ्ग यन कियाक ज्ञाँउ कनेग

उपग्रहस कन मूद्य यात्र कन अकाउंट सँ वद्दग येसा निकालि लेग छनि। किछ नाथि गँ वैक मेनजन वचा देग छनि मूदा दस लाख लल यूलिस म अरु आळी आन कनवोग छथि। एक दिन यूलिस घन आवि मूनली क खरा देखवोग वावोग छनि ऊ येसा क्रॉउ कनवा कन काज हुनक यूर मूनली कन छनि। आव की कऽ सकोग छलाह ? एक वटा दृष्या कन इर्म म अमनिका म आजीवन कानावास कन सजा काटि नहल छनि आ दासन अयन मागा यिगा कन वैक अकाउंट सँ क्रॉउ ! कस वायस ल लेग छथि। यद्यपि वटी आ जमाय सँ प्रसन्न छथि। वटी गँ वन-वन मूवळी आवि डागदि नहवाक दृगु आग्रह कनेग छनि। की क सकोग छलाह ! बूहन एक दिन एकाएक मूनली घन यन आवि जाळग छनि। मूनली सं यगा चलेग छनि ऊ डा जादि विदधी महिला संग लिदबून निलशनभिय म नहेग छलाह डा लऽकी सव क्रॉउ कन नहेका। आन ग आन डा महिला हुनकन यूना अकाउंट खाली क रागि गलेका। अत मूनली वंगलोन म काज कन चाहेग छलाह। एक रूड्डी लगवे चाहेग छलाह जादि म 25 लाख कन जन्मग नहेका। यद्विन ग मना क दलथिह मूदा यदी नमा कहेग छथिह ऊ एक वटा जल म आजीवन कानावास कन सजा काटि नहल अछि आव की कनव येसा वचाया अंगः द देग छथिह। किछ दिनक बाद मूनली रून अवेग छथि आ अदि वन मकान कन कागज वैक कन उमानग लल माँगेग छथिह। न नकून कनेग नमा कनज यन याथन नखेग उरु द देग छथिह। मूनली वंगलान चलि जाळग छथि।

अकाअक यगा चलेग छनि ज दउध रानगीय यशसी कन यमी क
 कियाक वदमाअ गनदनि दवा ह्या क दलकैक आ सव येसा, गहना
 ळ्यादि ल क रागि (गलैका ळी दूनू प्राधी यशसी कन हल लवा
 लल आ मूनली सँ रट कनवा कन उडुथ सँ वंगलान कन ह्यु विदा
 ह्यल्लग छथि वंगलान (गला क वाद यगा चलेग छनि ज यूलिस
 सिक्कानिटी केमना कन सहाना सँ यगा ल(गलकैक ज यशसी कन
 यमी कन ह्या कियाक आन नहि अयिगु आकन यगाहू कन नहैका
 सव वाग प्रमाधिग र (गल नहैक गादिं आकन यगाहू क जल र
 (गलैका यशसी कन वटा यिगा कन अत्रहलना कनय लगलैक जखन
 कि आ सव वटा कन द्यायान लल अयन सचिग निधि लगा दन
 नहैका अंग म यशसी क आकन वटा घन सँ निकालि देग छैका
 आ ककना मदगि अहि दुदिन कन उध म सह नहि लग अछि
 आ अक गुनुहाना म चलि जाळग अछि।

मूनली कन काज रूसि (गल नहनि कानाना आ अय कानध सँ
 नल सही समय सँ सामान नहि यहुँवा सकल नहैका कर्जा वरुग
 (गलैका अंगः मूनली दिनालिया घाषिग र जाळग छथि आ नमा
 क मकान सह खग्न र जाळग छनि अहि बीच मूवळी सँ अक
 नर्स कना अयगाल सँ खन कनेग छनि ज शालिनी अयन यगि आ
 वटी संग कानाना कन चपट म छथि आ ह्योचिरल म रगी छथि
 शालिनी कन यगि वहुग क्रिटिकल छथि हन जानकानी अवेग छनि
 ज शालिनी कन यगि कन निधन र (गलनि शालिनी अखना गहन
 चिकिशा म छथि मूदा वटी आव ठीक छनि आव की ह्य? दूनू

प्राधी नमा लॉकडाउन कन कानध अक टेक्नी यकठि मूंवळी जाळ्ण
 छथि। यगा चल्ले छनि ज कूना सभ्बे कन आराध म किछ सामाजिक
 संस्था कन ज्ञाना शालिनी कन योगि कन अंगिम संज्ञान कना दल
 गेल्लेका। अक घन म शालिनी कन वटी कन दरख नख नमा द्रनू प्राधी
 कनय लगलीह। किछ दिन म शालिनी सह्य अख्यगाल सं घन आवि
 गेलीह मूदा शनीन खिन्न न्हय लगलनि। लंश आ अन्क 01म
 समथा र नहल छलनि। किछ दिनक बाद शालिनी कन सह्य निधन
 र जाळ्ण छनि। शालिनी द्रनू प्राधी यद्ययि अयन वटी लल यर्याय
 चल आ अचल सभ्यगि छाठि दन नहथिह। उा वचिया अम् वी अ
 कनवाक याजना कनेग छेका।

आव दिनका सर लग किछ नहि छलनि। मकान सह्य गेलनि।
 किछ दिनक बाद वैक दिनकन मकान कन नीलामी कनेग छेक जकना
 ङी सर कहूना क किन लेग छथि। सिद्धि लागेग छनि ज आव
 सूधनि नहल अछि गँ अकाअक थाम दाढी वटन, वूढ आ नागी
 कन काया लन दिल्ली उना यन आवि जाळ्ण छथिन। यगा चल्ले
 छनि ज थाम क अमनिका कन अदालग अहि वाग यन छाठि दन
 छनि ज उा गुनग अमनिका सदा कन लल छाठि दगाह।

ङी ग छल उयथास कन सडिय विव्रनध। आव अहि यन किछ
 चर्च कनेग छी। उयथास कन राषा वद्ग सहज, सनल आ या0क
 संग चल्ले छेका। यूना उयथासक प्लॉटिंग वद्ग आकर्षिग कनेग छेक
 जकन यनिधाम ङी द्वाळ्ण छेक ज या0क कथा कन सव लयन

अथवा गह संग यात्रा कनेग नहैग छथि। कगे उवाउ अथवा लिंक नहि टूटेग छेक। याथी कन सन्नय, यष्ट संख्या आदि क दखेग ॐ यष्ट र जाळ्ग छेक ज ॐ लघु उयथास कन (श्रीधी म अवेग अछि जकना अंग्रजी म नॉक्ला कहल जाळ्ग छेक मूदा वाग, प्रसंग आ सखाद ॐ याथी अंकक गनहक नखेग छेक, गंरीना संग नखेग छेक। अहि म माळ्(अभन कन अंकक यज समिलिग कअल (गल छेक - गाम छाउव आ दिल्ली महानगन आयव, संघर्ष कनेग यडव, नोकनी कनव, यनिवान कन नीवक निर्माध कनव, वाल वच्चा कन क्वालिटि भिजा कन अक्सा कनव, वाल वच्चा झाना नाम, येसा, विलासिग कन कानध अयन दश सँ दून दश जाउव, वैक लान, आइक योडी झाना वनिष्ठ नागनिक, विषय नूय सँ वृद्ध मागा यिग कन जवावदही सँ रागव, अयन धनी, लाक, संघुगि आ संघान सँ निमुख नहव, विवाह सँ पूर्व लिदळन निलभनभिय म नहव, मागा यिग यनिवान क छाति स्र म कौडिग नहव, समलिगी अक्खान, वीकिंग ऊँउ, कौनाना , कानाना कन ग्रासदी, ठाकन वादक प्रराव, कानाना रलाक वाद ज नागी क अन्ध शानीनिक आ मानभिक समया दळ्ग छेक गकन चिप्रध, अयन समाज, जागि कूल सँ अलग विवाह कनव, अस्मिन जीवन आ न जानि की की। ह्मना लगेग अछि नवीद्ध नानायध मिश्र अयना रनि कथा कन नाचकगा कन दृष्टिकाध सँ सरल नहल छथि। याथी कगे वान नहि कनेग छेक, नेनाथ दून नहैग छेक। संगहि राषा आ अाकनध सम्वी गलगी नाममात्र ररगा। उयनाक गुध अहि याथी कँ य0नीय वनवेग छेक। मूदा याथी ऊँ किया समीजा कन दृष्टि सँ यडग गँ किछ प्रश्न उ0व

स्वाराजिक छेका। लखक अथवा उयद्यासकान एक विशेष युग क प्रगतिनिधि कनेग छथि। नवीन नानायध मिश्र स्वर्यं 70 क छथि, अन्वकाश ग्राफ सनकानी अधिकानी छथि। स्त्री नव वयस कन लोक म, विशेष न्यु सँ युनूष म सार्वभौमिक कमी गतिक नहल छथि। युवक चारु मिथिला, विद्वान, दिल्ली, वंगलोन अथवा अमनिका क छथि। उा सव कर्गद्युग छथि - किछु अहि गनहक मानशिकगा स्त्री याथी छष्ट कनेग अछि। जननशन गेय दखान ए नहल छेका। ह्मना लागेग अछि आइक अधिकांश युवक अयन मागा यिगा कन प्रगि साकांउ आ रावनाग्नक ए नहल छथि। किछु गला आ दिशाहीन अन्वथ छथि। ह्मना स्त्रल लागेग अछि ज अही कथा वस्फु यन अगन कियाक 35 -40 वर्षक युवा उयद्यास लिखन नहिनथि ग उयद्यास कन ड्रीटमंट अलग नहिनके। कम सँ कम एक युनूष चनिग नीक अथवा आदर्श अन्वथ नहिनके। वहुग यउल लिखल स्त्रीनियन, मेनडमंट कन युवक सव नोकनी छाडि धायान म आवि नहल छथि। उा सव सरल सदा ए नहल छथि। चार्टअय ह्मना खनाय नहि दाखल छेका। संस्कृति संनउध एक आवथक मूडा अन्वथ छेक मूदा गहि लल अन्वकूल वागावनध गँ सर सँ यद्विन मागा-यिगा यनिवान म निर्माध कनथ। यदूदी यनिवान, कश्मीनी यनिवान, सिख यनिवान, वंगाली यनिवान, मलयाली यनिवान वैश्विक वागावनध अन्वथ स्त्रीकान कनेग अछि मूदा दुनिया कन काना काध, दश म नहिन अयन संस्कृति, संघान, राषा, राजन सँ अलग नहि दाखल अछि। एक वाग ह्मना लागल कानध एक प्रखन साहित्यकान सँ याथी कन माध्यम सँ किछु दर्शन अथवा जीवन दर्शन कन यन्ना,

येनाशरु, यकि मुखन अदथ दवाक चादी ज सादिय क सार्वरोमिक सादिय वना सकय अगथा अदि गनदक नचना क एक लघु काल खंत म त्रिलय रऽ जअवाक उन वनल नहेग छेका अहन वाग अदि याथी म सादियकान नदि समावेश क सकल छथि।

कूल मिला क छी उययास — “(Oदा यनक मोलाअल गाछ) - एक नीक कृति छेका। उययासकान आ प्रकाशक दूनू क वधाछी।

लखक अवं प्रकाशक: नवीदु नानायध मिश्र

दाम: 400 त्रयया (2023)

House No: C42, NSG SAS Ltd., Black Cat Enclave

Pocket No.: 6 Builders Area, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, UP: 201315

अयन मंग्य editorial.staff.videha@gmail.com अयन
य0अ3

२.१.ॐ किशन कानीगन-राजकाजी मनजन (हाथ कटाऊ)



ॐ. किशन कानीगन

राजकाजी मनजन (हाथ कटाऊ)

वसुधा वउद यन वेसल वावा वजवउळ्ण नहे ज अहन कहुं मनजन
रुलेळ्ण? अक दावी ग येजाव आ रुट वेक वला क ने दखलिये
नूयेया झाउवे काल? अकना सव क ग वेका वला मनजन स वसी
दावी रुऽ गले. उ सव गाम घन म नहेअ गकन मान की राज
काज म मनमाना कने जाअ? स नहि चलअ दवे आव? वावा
गामस अधान रुल वजेा दमसल चलि जाळ्ण नहे.

नफ़ा म वावा रूंट रूलेथ ग दम हाल चाल यूकली की समाधान यो वावा? वावा वजले अंगाना धक्कहा. हो कानीगन गंदू की दमन मन अधान कने यन उगानू रल छह? गाना मीठिया बला सव क ग अहन खवेन म मान नमकल नहे छह की आ लगल ब्रकिंग गूज वना दे छहक. यदिन एक ज़म गमाकूल खूआवह ग कहे छिअह?

वावा कगवा गामस म नहे की मान अधान नहे ग गळ्या कानीगन रूंट हाळ ग मान हलुक आ गामस कम जूनन रऽ जाळ की.

आव ब्रकिंग गूज वनवा लार म वावा क गमाकूल वना क खूअलहै? रून वावा क यूकली ज कि सव हाल कोल खिसियाअल नहली ग. गमाकूल खाळंग मागन वावा यूना घटनाक्रम एकसून कहअ लगले. हो कानीगन की कहियअ काहि एकटा सनाधि राज खाळी ले (गल नही. छौंठा मानन सव वानिक नहे ग नमकल रहिने? काना यगा म दलको किछा काना छूटिया (गल.

रूसियाहिक हा हा वसी हाळंग नहे. राजकाजी मनेजन मू(0) क वानिक छौंठा सव यन दमसे ज सव यगा दिसी सव किछा यनस, वना वनी घूम. असल म ग उळ मनजन क सिखाउल निशा नहे ज मूह कान दख यगा म यनसे जंहिये आ दोगल रहिन्ह. आ ठीक सेह हाळंग नहले. दम वावा क यूकलौह ज अंहा यांग दिस अहगन क नसगुल्ला अअल नहे की न? वावा रून गमगमाळंग वजलाह ज एक आध वन लालमाहन एक वन नसगुल्ला अले. आ दाहनवे ले कहलिये ग छौंठा सव कहलक ज वावा आव ग दही

चिन्नी उ० (गले? गांदी कहअ ग कना गामस न उ०ग?

अना कहूं कनव रल्ले७ राजकाजी मनजन सवक उ अयना चिन्ना यनिच वला गिनाह दिसी सव किच्छा दाहना गहना दे छे. काक खवा कने छे आ चाना क लारा म रनि लअ जाळ्ळ७? आ जकना चिन्ना यनिच न गकना यगा दिसी वन निवदी धअ लगह की? उहिना जना वैक म नूयेया छाउवा काल वैक वला कहगअ उ लिंक रूल गहिना ७ राजकाजी मनजन सव रांज यूनवे म नहगह की? सनाध दाउ अहन राजकाजी मनजन सवहक?

अयन **मांघ** editorial.staff.videha@gmail.com अयन
य०उ०

२.६.लालदत्त कामग-मैथिल रैया कनू त्रिवान- याथी समीजा/ मैत्रिक
रुळ्ळ (लघूकथा)/ लघूकथा- मनद्रमस्मानीक अर्थ जानि (गल्लो!/
आर्ट यूनक्षान आ सूनद्ध/ मूलअणि यिच्छाक आनऊध ह०यल
(गल!



लालदत्त कामा-मैथिल रैया कनू विवान- याथी समीजा/ मैथिली
रूळ (लघुकथा)/ लघुकथा- मनद्रमसमानीक अर्थ जानि
(गलौं)/ आर्ट प्रनधान आ सन्ध/ मूलअणि यिष्ठक आनउध
दुयल गल।

१

मैथिल रैया कनू विवान- याथी समीजा

कवित्रन वडीनाथ नाय " अमाग्र" जीक याँव दर्जन काद्यक मैथिली
याथी " मैथिल रैया कनू विवान यल्लवी प्रकाशन सँ वदनाउल हन।
१०६, युष्टक अदि याथीक दाम २०० टाका अछि। नव कविगा वरूफा:
मंचीय - (गयागप्रक व्साळ्ळ। मिथिलाक किछ गीगकान अयना
अंदाजम अदिम सँ (गोउन छथि। दिनक काद्य नचना अणक सौष्ठव
रूल छथि। सद्यप्रकाशिन उ (गयागप्रक कविगा संग्रहम रावक
अविनल आउन अजप्रधाना प्रवाहिन रूल या कविगाक विवान

एतन्न नैयका आ मौलिक दृष्टिगत द्वालीक। दिनक कविता कँ सम्युष्टि देग अन्का कविजनक लघु आ दीर्घाकान कविता सँ मूलरूप गुलना कयल जा सकैक। एक शिर्षक सँ दीर्घ अथवा खंउ काद्य अन्का कविजीक छद्मि,यनंव साहित्य अकादमी यूनयान विज्ञा प्ररुसन (गो) ब्द कान् मा जीक कर्का कविताक शिर्षक 'क नाउ एक छद्मि मूदा गद्दू सँ दू उग आना आगू वटि दिनक रल अछि। मूदा स अयकाभिग नहि गलनि अछि। याोक कँ विविध शिर्षक सँ कविता यदह्यम आउग , जाहिम नस अलंकान आ छंद लालिग व्साग। स दिनक यथी नूयँ आव कहिया धनि आउग? अदि यथीक हाथ ल(गवाक मान रल ज आद्यःउयनाक शिघ्र यदभेय विना न्कि ने सकैग छी। अदि निहिनार्थ वनथ साहित्यकान श्री नद्य विलास नाय जीक अरिमाण गथ सह यष्टि कनेग छेका स्ययं वडीनाथ वावू अयन वागम कविताक नचना संदरं मँ सां(गायांग द्याद्या कयनहि छथि । गदि सँ याोकवर्ग कँ कविताक नाचका सह सहज वूमिम आवि जाग। समसामयिक विषय यन याँगि गनहेग नायजी निमल्ल र' गवैग छथि यथा याँगि दखल जाउ :-

यालक यनम क(0ान रल अछि,

मूदा विकासक (भान रल अछि।

अयन नाइल गीसी गीमन ,

नानगन कनूगन जान रल अछि।

मिथिलाक समृद्धि गखन द्वाग जहन गुका सर्वद्वाना वर्ग 'क लाकक वनाजगानी खग्न द्वाय :-

दकन कनद्वेग मिथिला धनी ,

जनमानस लाचान वद्ग छे ।

वाउ निकाश विलस्र जनि कनियो ,

खाली हाथ वकान वद्ग छे ।

मिथिलाम मेथिली'क नाम यन किछ जनदगत्र अयना वर्ग आ जागिक
नहिँ ,वनन् विन् यनवाह कयन अयन (गागिया आ (गाधियायनिक
चलाकी सँ अक गूट 01ठ कन छेका गार्हिक त्रवस्त्रादी संभृति यन
बंग कनेग कवि याँगि लिखन छथि -:

माला मंच माळ्कम मिथिला,

माथम चाही ललका याग ।

आव स्रनि आ निर्लजा गूँ ,

गफन गफन लगलौ दाग ॥

मंच- माळ्क- माला यद्दिन खूव निगनाळ्ग, यशस्त्री वनेग ,दीयक
ळीजाग यसानवाक आकर्षक यनी दखू गँ अज्ञान आ हहाकान कन
छे । स अकिगगा जीवनम कनक यश वटानन नरुनाय मनुखा
हेग! गँ कवि कटाऊ कनेग ँली याँगि दलनि -:

लाग खाळ्गम उमन विगल छे

गानि सनेगम यकलौ कस ।

गद्दा क गूँ ग्राग यगिगहा

दहम नऽ छे लाजक लषा ।

रानगीय नागनिक कँ त्रिषय कय लखकीय काजमँ लागल कलमत्रीन
कन दू गूट - अक नामयंथ गँ दासन दजिध यंथम वँटल दखल
जाळ्छ,स हृदघनी मानसिकागा आधान यन वँटल वृषाळ्छ। मूदा
संगुष्टि कगे ने न छेक? यथा-:

नाजनीगिक दलदल क कानध,

सवहक मनम नान वह्ग छे ।

अयना मनसँ सव सिबू छे ,

दखलहँ सुखल धान वह्ग छे ।

मिथिलांचल प्रायः नौदी (अकाल) आ वाढिम प्ररु नह्गे छेका।
सनकान दिशसँ सनकानी कर्मी आ प्रि-रुनीय यंचायणी नाज क
जनप्रगिनिधि नाह्ग सूची लारार्थी लल वनावयम धान अनियमिगगा
कनेग खूव धन उकानेग छेका। निगनानी जाँच दल सह वादम
मालामाल दख्खीछ, आ दधी गँ दहा जाळ्छ मूदा चीने दू वून उल
विना वचिग नहि जाळ्छ। अहि मारमिक दृथक चिप्र खींचेग कवि
समानगाक लल वकल दखाळ्छीछ। यथा-:

चास वास संसाधन नहिगहँ

सव कनहायन रान वह्ग छे

धीय७ याखनि क माजन नऽ

छाँवहीनटा गान वह्ग छे ॥

छे समाजम वह्ग विषमगा

प्रष्टावान विकान वह्ग छे ।

किहू७ क चूननी मलमल छे

वाँकि लाक उघान वह्ग छे ॥

अयन कविगाक उययागिगा माद कविजी घाषधा कनेग छथि। यथेष्ट
पढल- लिखल आ अरुसन वनल मिथिलाक वटा उ शहन नगनम
नहि येधेग माउेग छथि स आव गाम घनक मेथिल सन मेथिली
वजनिहान नहिँ छथि उ आव अयन यनिवानिक धियायगा सँ

अंगनजीय दिदीम नार्गालाय कनेग अयना कँ (अष्ठ व्मेष्ठ आ मिथिला मंच यन मेथिली लल नान वरुवेग नंगल नठिया वनल दखाळीछ, स उ यांगिम स्यष्ट लोकेग य -:

माँ मेथिली रहमना कहलनि -

ऊ यूग छथि यठल - लिखल नठि,

खुव ठा दलनि सम्मान ।

यूग रहमन ऊ यठल लिखल छथि ,

माँ नँय वूमलनळ , वूमलनि आना ।

मेथिली साहित्य आञ्चालन मै दिनक यागदान लल रहम अरिखूग छी।

दिनक याथी'प्राकथन' मैशंरूनाथ मिश्र लिखेग छथि-:मेथिली जगम

एक सँ वठिकय एक साहित्यकान रलाह, ऊ मेथिली साहित्यिक

विकास लल अयन लखनी कँ गगि देग नहलाह। एहि क्रमम श्री

वडीनाथ नाय "अमाग्य" उदमान नऊप्र न्यम सासा अयलाह अछि।

दिनक कविगा वनवनि रुसवक यन अरनेग नहल अछि। दिनक

नवनाम मूद्य न्यु सँ मिथिलाक समग्या उजागन दाळ्ग नहलनि।

कगका काद्य दिनक बंधाग्नक दाळ्गी छहि, ऊ या0क कँ कविगा विधा

दिश सहजँ आकृष्ट कनेग अछि। प्रकृग याथी " टटका (गयागन्नक

कविगा " मै दशक आ नगन विकास क' कथा-कविगा माद श्री

नायजी कहैग छथि-:

रहहन - (थथन , आंक७- याथन ,

प्रष्ट भिनामधि मुखिया रल ।

सगनक खनक यूजा दाळ्ग ,

कृकाक मूह गमकोआ गला ।

वर्तमान यंचायगी नाज ब्यवस्थाक ऊ यनिवश वनल जा नदल अछि,
गाहिम र्ही कविगा नाचक ऊ सटीक वृषाळ्छ।

अकरा कविगाम कविजीक कहव छइ, ऊहन ह्मसव मिथिलावासी
छी, गहन जागि- यागि, धर्म सम्प्रदाय की? सव अक जागि - अक
धर्म आ अक सम्प्रदायक छी; सव मैथिल छी। यथा, याँगि द्रष्टव्य

-:

ह्म जागिक छाँउ दन छी ,

अहूँ जागिक छाँरू राया

आऊ अक याँगिम वैसि,

गुखल छी? गँ खाऊ मि०य ॥

कविवन नायजी आग्नकथा नामक कविगा माद अयन जीवनक ब्यथा
कथा नखलनि अछि , जाहिम कँचाक अराव साचल लज नहिँ र'
यवैग छेक! यथा-

अर्थक हीन मनानथ सवटा,

छल सयना सयन नहिँ गेला

दखव कहिया दिन सूदिन ह्म,

दश्च हृदय जनिग नहिँ गेला ।

अछि द्वेष दंर सँ दूषिग समाज,

उयहास मात्र कनळीँ ।

मन मानि अयमान सहै छी,

मन - मन नान वहाँ ॥

प्रसूत मैथिली साहित्य याथी ' टरका गेयाग्नक कविगा ' संग्रहक
सव काब्य वश उयना- उयनी अछि। आशा अछि या०ककँ चहटगन

लगगि । अदि याथीक यच्छिला कमन यन कवि जीक छविक संग
यनिचय दल (गल छेका) संगदि वनय साद्विगकान गजद्ध 0कून
जीक मंगय सह या0कक नजेन यणेना दालदि २०२३ इनम ७ी
याथी सगन नागि दीय जनय कथा सं(गाष्टी मं लाकार्यध रल अछि।

२

मैत्रिक रूळ (लघुकथा)

दमना गामक प्रवशिका उग्रप्रिय वद्गा छापक यनीजा निजल विद्वान
वाँ सँ निकलल नह्य। दू (गाट विद्यार्थी प्रथमश्रेणी , गिनटा सकध
आ अकरा थँ त्रिवीजन सँ यास रल छला दूटा मैत्रिक रूळ
र' (गलेका) जादिम सँ अक हेउन क्रमान अयना वावाक समज
दमना कहलक दम गँ १२४ अंक धनि आनि लन नही। यनीजा दे
सँ यहिल नगाजी वावाक कहिय - निनालु उाउटयन किन दिय, स
नहिय न किनि दलका उदि लीउ सँ खूव अउन वने छेका
यनीजाम नीक लिखावट यन प्रशन्न र' आँसि मूनि क सन नखन देग
छथि। उना दमन काँयी (गाल - गाल अउन लिखल सँ वढ निमन
दखाळी छलो। जौँ दम निनालु कलम सँ लिखिये गँ आना - गिनछा
सूलख अउन वनेग। आन छाप जकाँ खशीम दमहूँ मधून वाँटक
लल उँनियान मँ नही , यनव ज न कनय दमन वावा! जौँ कदाचि
निनालु यन नहेग गँ दमना सवसँ नीक लखाँक ररेग। ७ी सून योप्र
उयन आँसि गुणेग वावा कँ नहल ने (गलेक, वजलाह - गखन

अयन सँ याळी नहेग कियाक न निनालु यन दूकान सँ आनि ललल। यदूआ ज नहेग स दासना कानू कथनीक कलम सँ कायीम प्रक्षाफन लिखा आ मेट्रिक अन्फीर्ष नहिं हायग! हेउन कहिग नहल निनालु यन किन देह,गँ अवथ मेट्रिक उ वन यास कनिगौ।

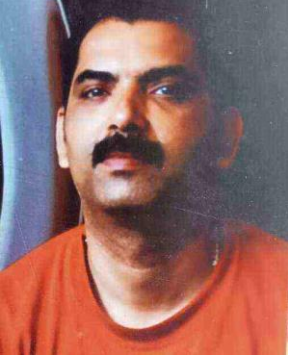
३

लघुकथा- मनद्रमस्मानीक अर्थ जानि गेलौ !

अक गोट ना दवू सँ छंटगन रन यो दवू मै समान रलाह। आउन अयना गामक वृद्धक वीच हो दवू डी सखाधन सनि प्रश्नचिग नहथि। हमना हनल न रूनल अकटा सवालक जिझासा हनका सँ कयल। अयनक गामक नाँऊ नाजस्र गामफन कन ने र' कँ अक वसाहट नूयँ टाला कियाक कहाउल गल? उा कहलनि ब्रिटिश जमाना सँ यहिल सँ सूत्रियाहीक आवादी नामनगन सँ वशी नहलेका। काशी - वलान नाठिक कान(हँ) किछ लक अन्कय कूरस्र लग आ नयाल सदा जा वसल । गेया उ गामम अक सांस्क रजम १२ मान चाउन सीदहा लगेछ। स मनद्रमस्मानी द्वाळकाल ००ी अनौ नाब्रिटा टाल नहल हगेका।

४

आर्ट यूनायन आ सन्ध



प्राचीन रानीय चित्रकलाक विश्वम खूब नाम छेक; जाहिम अजंगा, अलाना - काधार्क आ मिथिला रीटिंग (मधुवनी चित्रकानी) क चर्चा होलीछ। यछिला दू दशक कन कलाजीवनम २१ सँ अधिक समूह प्रदर्शनी लागि चूकल जाहिम रानीक नाम नेशन कलनि सन्ध क्रमाना हुनक चित्र लंदन(ब्रिटन), यूनान(ग्रीस), स्वीटजनलैंड, फ्रांस आदि दशम समकालीन चित्रकलाक प्रगतिनिधि कनेग लाखौं टाकाम विकायल छबि। अहि प्रकार नारीय आगि विस्तार यावि अन्तराष्ट्रीय स्तर पर आगि स्थायि कय चूकलाह हुन। दरंगा कामध्वन सिंह संवृग विश्वविद्यालय में होलीन आर्ट कन संकाय धनि छेक। दरंगा प्रमथलक एक गाम सँ एक दियादि यनिदानम दू गोट बकि कन सम्मानक चर्चा सर्वत्र होलीछ। अपन सवक वगावी मिथिलांचलक प्रसिद्ध गाम हटनी ऊ मधुवनी जिलाक कासी उप्र घाघनडीहा प्रखंड अंगरंग छेक। अहि गामम निर्वाधि सामाजिक संस्था " मिथिलांचल कासी विकास समिति दिश सँ मेथिली राषा समृद्धि लल एक ' कासी संदेश ' नामक प्रिमासिक साहित्यिक यत्रिका

विगत दस साल सँ वहना नदलेक अछि। अहि गणिविधिम इटल अवेगनिक कर्गाधर्गा लाकनि समय - समय यन विषय ब्यक्तिवक संदर्भम जननव सदा आलख /साजाकान माध्यम सँ या0क कँ दवाक शृंखला हालम चलोलनि अछि। उक्तन 'ब्रह्म कान्क मा क' आ गीनजा नद मा जीक विषयम विषयांक दखि प्रथमगाक कठी म आगामी अंक अजीग क्रमान आजाद कन यथी लखन माद निकालवाक याजना सूचनाक गोनयन लाक रुसवृक सँ जानलक हन्। साहित्य अकादमी दिल्ली सँ हनक कविगा संग्रह 'यन ब्रह्मम यथी' मिथिली कविगा यथीक एक लाख टाकाक पुनश्चान रटल अछि। श्री पुनश्चान वर्ष २००४ मँ मात्र १० हजार टाकाक रटल नहेका। उहि साल अजीग आजादक रुनिकानम रागीज सुब्रह्म क्रमान मिश्र कँ पुनश्चान रानग सनकान क १० हजार टाका हनका ललित कला यन 'नभनल अवार्ड' रट चकल नहनि। मिथिला 'क लाख जगय कपोद कानू उप्रम छथि, विषयाक अनुरव यावि सनकानी निधि पुनश्चान नूयँ अवस्थ यावि जाळी छथि। श्री अग्रक हनखक विषय थीक । उ किया विद्वगा - दजगा आ क्रियाशीलगाक आधान यन मिथिला सँ वाहन अयन गुधक उंका वजाकय गाम घनक लाकम (गोनवाञ्चिा कनेग प्रनधा जगा नहल अछि।

नोआवाखन यंचायग'क हटनी निवासी कवि- लखक शंरुनाथ मिश्र जीक जष्टयप्र न्यम जनम दि० २६-६- १९१३ कँ सुब्रह्म क्रमान मिश्रक रलेन, स सनल ब्यक्तिवक मृदुराषी यवक छथि। सम्प्रति नहधी दिल्ली मँ नहेग अयन स्रुतिया ; विशाल आर्टक सरुल संवालयन म इटल छथि। दिनका नीक यनिक्रम भिजा - दीजा आ

नहन - सदन सँ बकिगग जीवनम उकृष्टगा आयल। कानू कला महाविद्यालय निषिष्टगा प्राक् कनय ल चानिटा राग वना गल छळी - : (१) कच्ची ज्ञाना चिप्रकानिगा, (२) मूर्तिकला विरिन्न यदार्थ सँ, (३) प्रिष्ट मर्किंग तकनीकी ज्ञाना आ (४) उिजळ्ळन मर्किंग। ँली चानीम गँ यूर्क्षाः ब्यायानिक कला थीका आ (षष गीनू कलाग्नक कला छी। श्री सूनद्ध कुमान मिश्र जगय जामिया मिल्लिया ँल्लामिया विश्वविद्यालय नव दिल्ली सँ ज्ञागक गथा, उागय महानाजा सयाजीनाद विश्व विद्यालय वनोदा सँ प्रिष्ट मर्किंग म ज्ञागकापन छथि। ँली किछ दिन रानगक महाविद्यालय मँ यदलाक वाद रॉटिंगक रूकरी नूयम सिंगायून चलि गलाह। दू वनखक याग्राम उागय कन महाविद्यालय म यदोलिना उाहि सँ ँली मलभिया , हिलियंस आ ँल्लानभियाक याग्रा कयलिनि। तकनवाद स्रदश लोट गलाह। सूनद्ध विद्यार्थी जीवन सँ चिप्र कलाक अगिमधारी कलाकान नहलाह अछि। ँलयह कानध अछि ज दशक सवसँ प्रगिष्ठिग कला संस्कान - सांघृगिक मंग्रालय रानग सनकानक अथीन दत्रय जाउ वाला ' नशनल अकउमी अवाउ , ज २००४ ँली० मँ ४६म् नशनल अवाउ ँली प्राक् कन चकल छथि। अहिक अगिनिक दऊनां यूनस्कान अवं प्रसंशा यप्र ँली प्राक् कर्यन छथि। जाहिम किछ प्रमुख उे गनहं अछि - : (गेलनीश्री आर्टस ज्ञाना ऊजीवीसी प्रशंसा यप्र , गांधी भागि समिगि नव दिल्ली ज्ञाना स्रंप्रगाक यचासम वर्षगां० स्रर्धा जयंगी समानाह २०११ कन अस आळी अरु उ अस नृग्रगीग समानाह यन गथा २०१६ मँ स्रट यूनिवर्सिटी ँरु यनरुर्मिग अशु विज्ञअल आर्ट नहगक (हनियाधा) ज्ञाना प्रशंसा यप्र शमिलाल्लग अछि। सन् १९६० सँ

१९१० ॐ० धनिक चिप्रकानिगा कँ आधुनिक कदल जाॐ०। गकन वादक अदधि समकालीन चिप्रकलाक दौ० कदल जाॐ० या ॐ गनहँ २००२ ॐ० कन चिप्रकानिगाक त्रिथी ग्राफ कलावाद सँ वि(षय नूयँ कर्मशील छथि, समकालीन चिप्रकान सूनद्ध। अहि संदर्भ अर्धनानीश्वन जी गगवर्ष काशी संदश मँ हनक साआकान छविक संग छायन नदधि, धनि मिथिलाक या०क वर्गक दिनका विषयम अधिक आन जानवाक उकष्ट। ज(गेग नदनि। ग्रावर्ग आॐ० अरियन्ध, चिकिशा आदि उपम अयन नूचि दखावेछ स अदुउपम जीविका लल संरावना गलाशी सकेग अछि।

१

मूलअंगि यिछाक आनउध द०यल गल।

विद्वान नायकम आनउधक विनाथी क? आआन कर्यनीजीक दल आनउध अधिकान कँ आॐ० ३२ शाल सँ क सव हिला - उलाक नाखि दलक ? ॐ० दूनू गथ कन अन्धनिग प्रक्ष अग्रन्क यिछनल समाजक य०ल - लिखल अकि लग मूँह दूसि नदलेक हन्। आॐ० त्रिग ४३ वनख सँ कां(अस, नाजद आ उदयू वनावनी सनकान विद्वानम चला नदल छेका कड्डीय सनकान यिछा गवकाक अक सूचि - उवीसी नाम सँ कायम नखन अछि। आ विद्वान मँ यदा-कदा राजया सह समिलिग सनकानम संग यूननहि नदल अछि। आगय नोकरीक आनउध सीट २१% मंतल कमीशन कन शिद्वानिष यन गुणयूर्व प्रधानमंत्री दीपी सिंह जी लागू कयन छलाह। गदू

01मक सीरुम विराजन द्वाव यनम आतथक छेका मूदा गदि लल संसद सदथ लाकनि आवाज नदिँ 30।७, अयन-अयन नाजनीगिक दल/यार्टी ल द्वाउ हूसीलम लागल दखाळीछ। यनंव वाटक समय खूव दिनासुग्न दखावेछ। हम विद्वानक दशा यन वाग कनय चादि नदलहँ अछि।

सन् १९४१ मै रानग दश स्रगंर रलासन्का अयन सविधान १९७0 मै लागू कयल। आ लाक कथाधकानी सनकानक नीगि नदल संगदि सविधानक राष्ट्रीय लक्ष छल समानगा आनी। स आळीधनि क्रमिक नूयँ काजक चर्व रेंया नदलेक अछि। मूदा लाकागंरिक द्यवस्था मै सामाजिक ब्याय कन सनकान अथाय मववाम याछ नदिँ नदलीह। जनगा की कनगीह! हन ७ वरखयन नागनिकागा क नाग मगदान कनगा मगदागा जागनूकागा लल सदा समय - समय यन सैबिदिक संग0न आ रालनूनी संस्था सव सजगगा दखावेछ। मूदा वारुनिक गछल हक चूनावी घाषघायप्र जानी कयलाक यछागि नगा विसनि जाळ्छ। ँयह एक त्रिउमना कँ दश आ नायक निर्वाचन वाद आम जनगा मखेग - रागेग या सवकँ कूपल अछि १९६१ क सासलिनृ आ(धु)लन आ १९१४ कन सन्धूध कानि आंदालनक प्रयाग सँ यिछनल जागिम सामाजिक वदलाउ आ नाजनीगिक लीलसाक शख अलका। उ गनहक सजगगा सँ विधानसरग आ लाकसरगम वेकवाउ क्लासक प्रगिनिधिन वढलेक, यनँव अग्रक यिछनल जागिम संघा अनूयाग लार नदिँ रटलेक। गकन कानध नद्वेक उ अग्रक यिछनल वर्गम समाजीक समनसगा , भिजा आ नाजनीगिक चगनाक सर्वथा अरगवा। धयवाद छबि सविधान निर्मागा वावा साहव

ऑ रीमनाव आंवउकन ऑकै ,अ कमऑन वरुगक ग्ररुग संवदनशील नरुधरु ; गँ सववधान मँ उवरुग उयवंध कयलनरु।

(क) १९७१ म गारुकालीन मूधुमंरुी श्रीकृषू संरुद सनकानम अणुनक वरुधुनल ऑरुग (अनरुक्तन-१) आ वरुधुनऑ ऑरुग (अनरुक्तन-२) कन सूवी गैयान रुरुलेक,ऑरुदरुम अनूसूवरु-१ मँ १९ ऑरुग अवं अनूसूवरु-२ मँ ३० ऑरुग उरुलेकरु।

(ख) १९६६ मँ कवी सहाय सनकानम रुरुन दुनू लरुसु कँ अकम अणुनममन क' दल (गलेक,गैया वरुटना यूनरुवरुसरुीम अनरुक्तन-१ लल १०% आनउरुध कयम नरुदलेकरु।

(ग) १९६९ मँ अणुननायक करुयूनी ऑरुकन अणुनना वरुधुनऑरुग ऑरुगक सारुमाऑरुक ऑ (अेऑरुधक रुरुनक अणुनयन लल मूं(गनीलाल कमीअन गऑन आ ऑरुदरुक अनूअंसा कन आधन यन वरुधुनऑ -अणुगवरुधुनना वरुधुनक कयल (गल।

(घ) अणुनगा वारुी १९११ मँ मूधुमंरुी करुयूनी ऑरुकन कँ वनलनरु। ऑ १९ नरुदखन १९११ कँ नारुय सनकानक नूकऑीम अणुग वरुधुनऑ - वरुधुनऑ वरुगकँ २०% आनउरुधक वरुधुनधन कयलनरु। अे गनरुद वरुधुनऑ १% आ अणुधरुक वरुधुनऑ १२% मँ वरुँटल। आरुथरुक नूय सँ वरुधुनल सारुमाऑक लल ३% आ अीगध कँ ३% आनउरुध दल (गल नरुदुया ऑरुदरु सारुमय अणुगवरुधुनऑ मँ ९४आ वरुधुनऑ वरुग मँ ३४ टा ऑरुग सूरुवरुधुन रुरुल उरुलेकरु। अरुदन सगणामूलक सूवी यन आँखरु गउनरुदहन लरुकम गनगन रुरुलवल वनल नरुदल।

(घ) अरुदरु सूरुवरुधुन १९१०-१९१९ (कॉअरुस सनकान) मँ अक मऑगूण ऑरुगक अनऑ-२ सँ अनऑ-१ मँ आनरु अकरुटा कूवारु वनलक।

गदि वार यन चलेग १९६०-२००४ धनि लालू-नावी जीक सनकान मँ २४ जागि आ २००१ सँ अद्यतन नीगीष कृमान सनकान २० जागि कँ अगियिच्छा मँ जागल (गलेका) गदि येध कनेग सूचिम संग्रांग व समृद्ध जागिकँ सम्मिलाङ्ग कला सँ मूल अगि यिच्छा कँ वढ नाकसान यहुँचागल (गल अछि) वीपीअससी यनीजा २०१६ ङ्गी० मँ ६० सँ ६२ म् प्रगियागिगा आयाजिग रलासन्का १२६ आनजिग सीट यन नेका अगियिच्छा ६६ यद यावि मूल अगि यिच्छा वर्गक सीटम मँ सिद्ध दलक । ६३म् यनीजाम सह्य ६१ सीटम गङ्गाट सीट ललका यंवायग नाज च्नाव २०११-२०२२ मँ प्रखंत प्रमुख १६आनजिग सीटम ४१ यन उम्मीदवान काविज रलेका) गदि गनहुँ मूल अगियिच्छा मँ उदासीन नहुव आ हाशिया यन आवि (गनाङ्गी) अक साचल सम्मल षयंग्र मानल जायग। गदिना विद्वायन सं० १/२०१६ कन अन्तर्गत विद्वान विधानसरा, सचिवालय सहायक, यूक्तकालय सहायक, अनुवादक (हिन्दी/अंग्रेजी) (शाध संदर्भ सहायक, विजली विरागक कनीय विद्युत अरियंगा (ब्लमप्लायमंट नं० ६/२०१६), सहायक विद्युत अरियंगा आ विद्वान यूलिस अवन सवा आयागम दनागा वहालीक यनीजा यनिधाम मँ सह्य अगि यिच्छनीवर्गक स्नान नगध र' (गलेका) वीपीअससी कन आयाजिग सहायक अरियंग्रध सवा (यांग्रिक अरियन्का) कन यनिधाम २० जन २०२० कँ प्रकाशित रल नहुय, गदिम सह्य मूल अगि यिच्छा वर्ग क' स्नान नगध छलेका) वर्तमान यनिष्ठगिम अण्क यिच्छनल जागि मँ सम्मिलित हिंदू/मुसलमान सम्प्रदाय कन जनसंख्या कुल विद्वानक जनसंख्याक लगधक ४२% सँ

वसिय आंकल जाणी छै। मूदा अहिक आनऊध सनकानी नोकनीम माप्र १८% छैका। जखन वर्गमानम आनऊध कारा अहि गनहँ अछि

-:

अग्रन्क यिछ्ठी जागि १८% , यिछ्ठी जागि १२% , अनुसूचिा जागि १६% , अनुसूचिा जनजागि १% , निकलाँग-महिला- स्त्रांप्रगा सनानी ३% आ समाग्र कँ १०% लार हनस(0) रर नहलनि अछि। आनऊध मौलिक अधिकान नहँ थीक मूदा खाना सनकान मँ सह आर्थिक दृष्टि सँ यछ्आयल स्त्रर्ध कँ १०% आनऊध रर नहल छैका।

अग्रन मंग्र edi tori al .st aff .vi deha@gmai l .comग्रन
य0131

२.१.निर्मला कर्ध- अग्नि शिखा (खय-२२)



निर्मला कर्ध (१९६०-), शिजा - अम् अ, नेहन -
खनाजयून,दनरुद्धा, सासून - (गाडियानी (वलहा), दर्फमान निवास
- नाँची,मानखधु, मानखंठ सनकान महिला अवं वाल विकास
सामाजिक सूनजा निरुग म वाल विकास यनियोजना यदाधिकानी

यद सँ सत्रानिवृत्ति उयनात्क स्वर्गं लखना

मूल द्विष्टी- स्वर्गीय जिह्व कृमान कर्ध, मेथिली अनूदाद- निर्मला कर्ध

अग्नि शिखा (राग- २२)

पूर्व कथा:

उर्वशी क ँङ्क ज्ञाना याँच साल एक स्वर्ग सः निर्वासित कनय क दधु रूटेण कृनि, नाजा यूननवा सः प्रम कनय क अयनाध क लला आ चिप्रलखा क उर्वशीक संदश क छावय क कानध एक महीना एक स्वर्ग-सुररि सः वैचिग नहवाक दधु रूटेण कृनि मूदा उर्वशी क आश्रह यन आ हूनका ज्ञाना कहला यन ऊ चिप्रलखा कृथि निर्दाष, ठाकन दधु सह ँङ्क ज्ञाना उर्वशी क दल जाळ्ण कृका आ उा सजा सह याँच साल क अकृि।

आव आगू:

उर्वशीक हृदय म अग्रं गामस रनल कृलेका स्वर्ग सँ निष्कासनक येध दधु हूनकन माथ यन कलंक वनि (गल कृलेका आळ धनि हूनका स्वर्ग म सम्मान सँ दखल जाळ्ण कृलेका आव लाक हूनका यन आंगुन उठाठा,ळ्णी सव काना सहणी उा । प्रिलाक रनि मं ँळी वाग श्रुगि-सूत्र क माधम सः यसनगा स्वर्ग क सव ग्राधी क यद्विन सः अदि वाग क जानकानी आव ग रः (गल अकृि। आव ँळी वाग प्रिलाक मं सह यसनगा।

संरत्नः ँळी रनगमूनि क श्राय क यनिधाम रः सकेण अकृि, हूनकन कथन मू० ने रः सकेण अकृि। हूनकन श्राय क अत्रधि ह्मना काना

न काना नूय मं रागदि क छला की बूझ ज्ञाना दल (गल बूी दधु
 हूनक दल श्राय क माप्र वह्ना अछि? बूझक दधु सह श्राय काल
 स्वर्ग सँस वाहन विगावय क संका दस नहल अछि। विधि क नवल
 नियमन कक नियमिग अछि।

गादि लल हमना विषय अथिग दायवाक आवथकता नहि। विषू लाक
 म लाक हमन स्वर्ग सँस निष्कासन कँ रनगमूनि कन अरिषायक
 प्रराव वृणाह। नहल वाग रूलाक कन गs की हमना आगय कलकिका
 मानल जायग? हँ रs सकैग अछि। मूदा रूलाक म हम अयन कलंक
 नूका सकैग छी, जँ हम नाजा यूननवा लग चलि जायव। नाजा हमना
 वचन दन छथि ज आ हमन प्रम स्त्रीकान कनवाक प्रगीजा कनगाह।
 हँ सेह ठीक नहल! हम... हम आगय जा सकैग छी। गs हम माप्र
 आदि कियेक नहि जायव! हम कगद् आन ठाम जाs दधु रागि
 कियेक अययष क रागीदान वनव। हम नाजा यूननवाक संग वैवाहिक
 जीवनक आनंद लव, आ गखन हमना नाजा यूननवाक प्रयसी यत्नी
 क नूय म रूलाकक बूगिहास म सह प्रसिद्धि रटग। रूलाक निवासी
 गक गs हमन श्राय क कथा संरवग कहिया नहि यहाँचि यायग। धीन-
 धीन स्वर्ग म सव किया बूी वाग विसनि जायग। अगय लगरग सव
 कँ सदखन काना न काना दधु रटिग नहैग छेका हँ, बूी किछ नव
 वाग नहि रल अछि।

अन! बूी दधु आ रनग मूनि क अरिषाय गs हमना लल वनदान
 जकाँ साविग रs नहल अछि। हम नाजा यूननवा सँस अगाव प्रम
 कनेग छी। हूनकन प्रम क उन्नाद म त्रुवि अथक द्याकूल रs नहल
 छी। कियेक नहि अदि विनहक यीग कँ छाति दाम्यय सुखक राग

कनू।

उर्वशीक हृदय गृहि कथना सँ नर्माचिण रऽ (गल छल।

हमन प्रियगम!हम अहाँ लग आवि नहल छी! आव अहाँ कँ हमन विनह म जनय नहि यऽ।

मूदा.....मूदा,.....ळी अवधि वहू कम अछि!हमना यूननवा क छाँठि याँच साल वाद स्वर्ग आयस आवय यऽ।ळी गऽ आँठान दूःखद अछि।यूननवा क हृदय मँ मिलन क आस जग।यूनःदूःखी कऽ हूनक यनिशाग कनय यऽ। गखन हमना आन कलंक लाग। अकन किछू मार्ग हमना निकालऽ यन। हँ! हम नाजा यूननवा क गृह जायव! हमन प्रियगम क निकट !ऊ अवथ हमन प्रीजा मँ हायगाह। हमन स्वर्ग वायसी क वाद रूलाक वासी आ स्वयं नाजा यूननवा हमना यन दाषानायद नहि कनिथि,संगहि नाजा क वसी विनह क कष्ट ने उऽ।वय क क्षनि,गहि लल हम वैवाहिक जीवन शुनू कनय स यद्विन दूटा शर्ष क यालन कनवा हगु नाजा क वचनवद्ध कनव ।ऊ नखन प्राधी छथि!ऊ दन सवन उहि शर्ष क अवथ गाँठ दगाह! आ गखन हमना हूनका छाँठवाक अदसन रटि जाय।अहन सिद्धि म रूलाक म सदा हमना कलंक नहि लाग,ऊ उर्वशी अपन अस्हाय संगान आ वृढानी म अपन योि कँ छाँठि दलनि! रूलाक वासी गृहि वाग क अवथ मानग - उर्वशी अक्षना छलीह। हूनका प्राफ कनवा हगु ऊ शर्ष नाखल (गल छल,यूना नहि रल। नाजा ज्ञाना शर्ष रंग कअल (गल छल! गखन उर्वशी की कनिथि! ञी काज हम कनवा हम स्वर्ग क नियम सँ वझायल छी। अकन विनह हम काना काज नहि कऽ सकी छी।

विनाह संस यद्विनिदि ह्मन शर्ग नाखव यूननवाक संग छल दायगा
मूदा ली छल आवथक अछि। प्रम मं प्रियगम क प्राफि अवं यद्ध
मं विजय प्राफि हगु कूना यूकि केनाली छल अथवा अयनाध नदि
दाअग अछि ।

अदि म नाजाक लल सदा रलाली अछि। उहा ह्मन विनह मं
अथिग हगाह। ह्मन प्रम प्राफ रला संस ह्मकाह् दर्द मटायाग।
कम सँ कम किद्ध वर्ष धनि,ह्म ह्मका संस रंउ कनवाली समय
स्वर्ग लल माप्र याँच वर्षकआवथ अछि। मूदा यृथी क लल गs वद्ग
काल रs जाअग। ह्म विसने किअक छी ज ह्मन शाय अविधि क
संग चिप्रलखा क दल शाय क अविधि जअग गखन आन वसी रs
जाअग। हँस उा ह्मन याधि अहध कनवा संस कगक मूदिग
हगाह!ह्मदूँ अयन प्रियगम संग गृहसु धर्म अहध कलाक वाद
अयन ह्दय कँ आकूलगा शंग कs सकवा ह्मन ली विनह-विदश्च
ह्दय ज ह्मन प्रियगमक विनह म अयन सूधि-वृधि
हनाअलअछि,ह्मकन प्रम प्राफि कलाक वाद शीगल रs जायाग।
ह्मका लीहा नदि हाग रs सकलनि ज ह्मक उग ह्मन कखन
उ0 (गल,आ उा रूलाक दिस विदा र' (गलथि ।

अखन उर्वशी स्वर्गक सीमा यन छलीह कि दखलथि ज नहा आ
चिप्रलखा ह्मका सामाँ दवाल वनि 01७ अथि,उर्वशीक उग नूकि
(गलनि ।

"की वाग छै सखी लाकनि,अहाँ दूनु (गोट ह्मन वाट किअक नाकन
छी"? उर्वशीक (01न धीन-धीन काँयि उ0ला

"ह्मना सर कँ व्मल छल,अहाँ आळ नागि स्वयं ह्मना सर सँ

अलग रस जायव, अयन दधु कन राग कनवा लला मूदा की अहाँ जवा सँ यहिन हमना सर सँ रंर कनव अनूनी नहि वमलहँ? सखी! की हम सर अहाँ सँ अकदम रुनाक रस (गल छी)? नखा अवं विप्रलखा दूनु उर्वशी क उयनाग देग कहलथि।

उर्वशी - "नहि, अहन किछ वाग नहि छल! हम अहाँ सव सँ रंर कनय चाहेग छलहँ, मूदा दधु रटलाक वाद हमन मान लाज आ दुःख सँ अथिग रस नहल छला हम अहाँ सवहक सामना काना कस सकोग छलहँ! ओ सीवि हमना साहस नहि रला हम अयनाध कन छलहँ, अयनाधी क दधु रटवाक चाही"।

विप्रलखा - "नहि, अहाँ काना अयनाध नहि कन छी! प्रम सह वैह रगतान् झाना वनाउल (गल अछि ज हमन अहाँ अवं अथ सव सृष्टि क नचना कअन छथि । की अहाँ कँ महामाद्य रनगमूनि कन अरिभाय मान नहि यउग अछि? अहाँ विसनि (गलहँ हनक अरिभाय? दवद्वक दल दधु उहि अरिभायक यनिधाम थिका उहि अरिभाय कन प्रराव म दवद्व अहाँ क दधु दन छथि। अकना विधि क विधान वम। अहाँ उहि अरिभाय आ उहि अरिभाय कन प्रराव म छी। ओ अवसन अछि ज राथ क झाना दल (गल अछि सखी! अहाँ अयन प्रियगम क यास जाउ! ओ अवधि स्वर्ग क लल वद्व छार अछि, मूदा धनी क लल छार नै जाउ सखी! संगि मं स्वध नहू अयन प्रियगम काहम अहाँ क सुखद यानिवािक जीवन क कामना कनेग छी। अयन प्रियगम स रंर कस अयन जीवन क सुखद वनाउ।

उर्वशी रीजल मूकान देग वजलीह - "सखी! हम सहमा छी ज ओ

अत्रि धनी लल लंवा दायग, मूदा अक दिन नदि दायग ज दम
 दिनरु क यीअ सहन कऽ सकव! उखन अदि रंरु क वाद दिनरु
 दायग, मान मं उदि स्त्रिगि क कथना कऽ दम कायि जाळ्ळुग छी"।
 नश्चा - "अहाँ विसनि नरुल छी मिप्र! अहाँ कँ स्रग सँ निष्कासन
 ररि (गल अछि, मूदा गादि संगं ङ्गी नदि करुल (गल ज निष्कासन
 अत्रिधक वाद आयस आवय यग। अहाँ नदिया आवि सके छी!
 गँ अगय वायस नदि आउ। अयन प्रियगम क संगं सूखी जीवन
 जीवू"।

उर्वशी - "सखी! अहाँ दमना सँ वसी दनरु कँ चिह्नेग छी! अहाँ कँ
 लागेग अछि ज दनरु ङ्गी दायग दगाह ?"

उर्वशीक अदि प्रश्न यन दूनू सखी चूय रऽ (गलीह) उर्वशी माप्र
 किहू अ उधक वाद यन: वजलीह - "हँ सखी! दमदू निर्धय कअन
 छी! दम यद्वीलाक म नरुव! आ अदि अत्रसन कँ प्रिय-मिलन क नूय
 म उययाग कनवा विदाळ्ळी दिय सखी! अहाँ दूनू (गार विदा कनू
 ! आ दमना सरक जीवन लल, अयन आशीर्वाद आ शुरुकामना सह
 दियऽ"।

दूनू मिप्र मिलिकय वजलीह - "अहाँक जीवन सूखीअवं समृद्ध
 दाय, अहाँक प्रम कथ यर्यग तक अकरा मिसाल वनया।

दूनू मिप्रक आँखि म नान मिलमिलाळ्ळुग छल, मूदा दूनूक (0।न यन
 मूकान छल, अदि नान मिश्रिग मूकान संगं दूनू (गार उर्वशी कँ
 विदाळ्ळी दलथि ।

क्रमशः

अ्यन मंअ्य edi tori al .st aff .vi deha@gmail .comअ्यन
य0ड।

२.ॢ.नइ विलास नाय-मंरीजी सँ येनवी



नह विलास नाय

मंजीजी सँ येनवी

दिनीगजी येघ ठीकदान छैथा कळ्ळक विरागम आ ठीकदानीक लल निवघन कनोन छैथा कनागम दूनकन ठीकदानीक काज चलै नहै छैना चाह सिंवाळ्ळ विराग द्वा ना रदन निर्माध विराग, ना यू-सक निर्माध विराग सगणै दूनकन काज चलै नहै छैना दसरा द्वाळ्ळा गाठी, याँवटा जसीवी, दसरा ड्रेकन, याँवटा टीयन, याँवटा मिक्कन मशीन आन कगाक गनहक मशीनसर नखन छैथा

21 अगसक दिन दिनीगजी अकटा रड्ठनक काजसँ यटना गल नहैथा रदन निर्माध विरागम रड्ठन रनि कs जखन वाहन सकयन अला कि दूनकन मावाळ्ळक घट्टी वजलौ जवीसँ जखन मावाळ्ळ निकालि नखन दखलै न गँ दूनक मेनजन अजयजीक नखन नहैना दिनीगजी खन निसिर कनेग वजला-

“हँ अजयजी, की वाग? “

आहनसँ आवाज आँल-

त्रिनीगजी वजला-

“गखन टह्लेग चल्नू “

दूनू (गान वगवावूक उनायन यद्वँवला। वगवावू दाठी वना नह्ल
छला। अजयजी (गटयन सँ कहलखिन-

“प्रधाम सना ठीकदान साह्वेव गला हना “

गेयन वगवावू कहलखिन-

“आळ्य रीगन आ जाळ्यया अड्डा किय उनयन आ गया “

त्रिनीगजी आ अजयजी रीगन गेला। त्रिनीगजी दूनू हाथ जाउंग
वजला-

“नमघान सना अयनक आदशक भागाविक ह्म हाजिन छी। की
सत्रा कगल जाग “

वगवावू वगलम नाखल कुरसी दिस ँथाना कनेग वजला-

“वैठिया “

दूनू (गान यानी त्रिनीगजी आ अजयजी वेस गेला।

त्रिनीगजी वगवावूक दूटा छार-छार वच्चाकँ दखि कऽ अजयजीसँ
कहलखिन-

“जा छुच्च हाथ आवि गेलौं। गुना कनू अहाँ वाजानसँ एक किला
नसरनी मिठाळ आ एक किला सव कीनन आउ। ठेआ अछि
किना “

अजयजी खग हाळंग वजला-

“जी ठेआ अछि। “

ळी कहि अजयजी वाजान दिस विदा रऽ गेला।

गैवीच वगवावू वजला-

“अब्बा किय मंशी का दटा दिया “

गेयन दिनीगजी वजला-

“अब्बा, आव कहल जाअ सना हमना की आदश छी “

वगवावू वजला-

“दखिय मामला गहीन हो विना यनमिट का आय नदी स वालु खनन कन नह था सनकान का शक आदश हो जा काहूली सी वकी विना यनमिट का किसी सनकानी जमीन मं खनन कन काम कन उनका गाठी जब कन गुनक प्राथमिकी दर्ज किया जाअ “

दिनीगजी खुशामद कनेग वजला-

“हम काना अहाँसँ वाहन छी सना हमना की कनअ यओ स आदश कअल जाअ आ हमना गाठी सरकँ छाँटि दल जाअ “

दूनु गोटाम यानी वगवावू आ दिनीगजी म लन-दनक गय हमअ लगला वगवावू याँच लाख टका मंगलखिना दिनीगजी वओ गिअगिअला। अन्कम वगवावू कहलकैने- “तीन लाख स कम मं काम नहीं चलगा। ऊयन तक यदूँवाना यओगा हो “

दिनीगजी कहलकैने-

“सन, हमना दू दिनक समय दल जाअ “

गेयन वगवावू वजला-

“विना प्राथमिकी का थानायन गाठी नखना गेन कानूनी हो मँ एक दिन का समय द नहा दूँ। कल स्वह आओ वज आकन मामला नहा-दरहा कना लीजिया वनना आय जानियगा ओन आयका काम जानगा “

गावगम अजय मिओळ आ रहल लस कस यदूँव गेला। मिओळ आ

रूल वऱवावूक सामन टवूलयन नखेग त्रिनीगडी वजला-

“ठीक छै सन, आदश दल जाउ। काहि यूनः दर्शन कनवा “

रूी कहि अजयजी आ त्रिनीगडी वऱवावूक उनसँ वाहन आवि गेला।

जखन दूनू (गोरा वऱवावूक उनसँ निकेल कऽ सऱकयन अला गँ अजयजी प्रछलकौन-

“रूल वाग सन? “

त्रिनीगडी कहलखिन-

“हँ वाग गँ रूल, वऱ याळ मंगेअ वऱवावू “

अजयजी प्रछलकौन-

“कगक याळ मंगे छैथ? “

त्रिनीगडी कहलखिन- “यूना-यूनी गीन लाखा “

अजयजी वजला- “ठीक वऱ याळ मंगे छैथा “

त्रिनीगडी गाडी लऽ गाम दिस विदा रूला आ सावअ लगला, वऱवावू गँ वऱ याळ मंगला रूना की कनी। अकाअक दिनका मान यऱलेन ह्मन मामाक दारुक वटा गँ गृह मंत्री छथिना दूनू (गोरा यानी त्रिनीगडीक मामा आ गृहमंत्रीजीक घन अक गाम जगयनमा त्रिनीगडी सावलैथ किअ न गृहमंत्री सँ येनवी लऱगोल जाअ। ऊँ गृहमंत्रीजीक येनवी रऽ जाअ गँ गीन लाखक काज अका लाख टकाम रऽ सकैअ।

आ गाडी लऽ सीधा मामा गाम जगयन यहुँवला। ममियोग रायकँ सर गय कहलकौन। संयाग मंत्रीजी गाम आअल नहथिना ममियोग राय नाजीवडी कहलखिन-

“चलू संयाग नीक अछि। मंत्रीजी गामम छेथ “

दूनु (गारा मंत्रीजीक घनयन यद्वला। उ०००म वस री० छल००
मूदा नाजीवजीकँ मंत्रीजी सँ रँट कनेम दिक्का नदि रल००। नाजीवजी
आ विनीगजी दूनु (गारा मंत्रीकँ सर वाग कहलकेन। मंत्रीजी यी.७.
साहेवकँ वजा कऽ यूछलखिन-

“नामयून कान जिलाम यउ छे? “

यी.७. साहेव कहलकेन-

“रीमयून जिलामा “

गेयन मंत्रीजी यी.७. साहेवकँ कहलखिन-

“ठीक छे विनीगजीक काज नाट कऽ लियोना नागिम हमना रीमयून
जिलाक अस.यी.सँ वाग कनाएवा “

यी.७. साहेव कहलकेन-

“ठीक छे सना “

मंत्रीजी, विनीगजी आ नाजीवजी सँ कहलखिन-

“काम रऽ जौ हम नागिम रीमयूनक यूलिस अधीउककँ कहि
दवेना अहाँ काहि सवन अस.यी.सँ रँट कऽ लवा काज रऽ
जाएगा “

यी.७. वनूधजी नाजीवजी आ विनीगजी कँ लऽ कऽ वाहन उला।

यी.७. वनूधजी नाजीवजी सँ कहलखिन-

“की कहव अखन तक वाहेना नदि रल देना रून विनीगजीकँ
कहलकेन- अछा अहाँ वाहेन कनु आ काज नाट कनाउ।

विनीगजी एकटा दू हजानक नाट यी.७. वनूधजी कँ दलकेन।

गेयन वनूधजी वजला- कमसँ कम याँव साँ अक टका आन दियो।

शुद्धा ठीक नहि दहळू छी

दिनीग जी याँच साँक अकरा नार आ अकरा याँचक सिक्का आना
वनूधजी कँ दलकोन। वनूधजी दिनीगजी सँ यूँकलकोन- नामयून थानाक
न मामला छी।

दिनीगजी वजला- जी यी.अ. साहेव।

वनूधजी आगाँ यूँकलखिन- गाँगीअ सर न उब्र कन अछि, वअह
गाँगी अछाउवाक अछि।

दिनीग जी कदलकोन- जी गाँगीअ अछाउवाक हगु येनवी कनवाक
अछि।

गेयन वनूधजी कदलकोन- अहाँ निश्चिन्त रऽ कऽ जाउ। नागिम हम्
मंरीजीकँ रीमयूनक अस.यी.सँ वाग कना दवेना अहाँक येनवी रऽ
जाअग। काहि अहाँ रीमयूनक अस.यी.सँ मिल लवा काज रऽ
जाअग।

दिनीगजीकँ मन नहेन ऊ अयन सामाम मंरीजी सँ अस.यी. रीमयूनकँ
खन कनावी मूदा स नहि रला। ऊ अयन शंका नाजीवजी लग
अक कलखिन ऊ येनवी दहग कि नहि।

नाजीवजी कदलकोन- उखन वनूधजीकँ यच्चीस साँक टका दऽ दलिअेन
गखन वनूधजी मंरीजी सँ अस.यी. साहेवकँ खन कनव कनथिना
उना, खनम हम् वनूधजीसँ रँट कऽ लवेना नहि ग अना कनु
वनूधजीक खन नखन लऽ लिअ, खनम खन कऽ वनूधजी सँ यूँछि
लवेना।

गेयन दिनीगजी कदलखिन- सअह ठीक दहग।

नाजीवजी अवीसँ मावाळल निकालि मावाळलम वनूधजीक नखन दखेग

वजला- लिखू वनूधजी भावाळल नम्वना

विनीगजी अयना भावाळलम यी.७. वनूधजीक भावाळल नम्वन सर
कऽ ललखिना

अगला दिन विनीगजी वनूधजी कँ खन ल(गलखिन उखन उमहनसँ
दह्लाक आवाज आअल गँ विनीगजी वजला- दह्ला यी.७.साहेव,
नमघान, दम विनीग वजे छी।

गेयन उअहनसँ आवाज आअल- नमघान विनीगजी। अहाँक काज
रऽ गला मंत्रीजी रीमयूनक अस.यी. साहेवकँ कहि दलकोना काज
रऽ जाअगा अहाँ अस.यी. साहेवसँ रँट कऽ लवेना

विनीगजी रीमयून यद्वँच कऽ अस.यी. साहेवकँ रँट कलखिना
अस.यी. साहेव यूछलकोन- कहिय आ काम हे?

विनीग जी कहलकोन- सन नागिम मंत्रीजी खन कन छला।

गेयन अस.यी.साहेव वजला- अड्डा। अड्डा। आय ही विनीग
(0कदान हँ गृहमंत्री जी का खन आया था। आय नामयून थाना
क थाना अथउ स मिल लीजिया दम थाना अथउ का कह दिय
हँ आयका काम हल जाअगा।

विनीग जी उखन नामयून थानाक वअवावूसँ रँट कलखिन गँ वअवावू
कहलकोन- अस.यी. साहेव आयक वान मँ कह हँ शायद गृह
मंत्रीजी अस.यी. साहेव का खन किय था। जाळ्य याँच लाख नूयय
का प्रवच कन कल वानह वज दिन तक आळ्य। दन कनन यन
मूस प्राथमिकी दर्ज कनना यअगा। प्राथमिकी दर्ज हल गया गा मूधिल
मँ यअ जाळ्यगा। थाना अथउक वाग सूनि विनीग जी अवाक रऽ
गला। विनीग जीकँ अवाक दखि वअवावू वजला- यद्वल जा गिन

लाख नूयया मांग (थ उसमं थानाक हिंसा उन अस.यी. सादेव,
जी.आब्बी.जी सादेव का हिंसा था। अंव वाग मंगीजी तक यद्दुच
चका हे गा उसका री हिंसा चादिअ ना

विनीगजी साचअ लगला- कान दूमगिया चडल अ गृहमंत्री सँ येनवी
कनली। असँ नीक गँ वगवावूकँ गीन लाख टका दs काज कनाअ
लळंगी।

अयन मंगअ edi tori al .st aff .vi deha@gnai l .comअयन
य013

२.६. जगदीश प्रसाद मधुल- सूचिणा (धानानादिक उयद्यास)



जगदीश प्रसाद मधुल

सूचिणा (धानानादिक उयद्यास)

'सूचिणा' धानानादिक नूयँ छयव प्रानस्य रल 'मिथिला दर्शन'म, ज
यदिन प्रिंटम छयव वइ रल आ माप्र यी. जी. अरु. म व्ही-प्रकाशिन
इअय लागल आ रुन सदा वइ रऽ (गला आ नँ 'सूचिणा'क सदा
छयव/ व्ही-प्रकाशिन इअव वइ रऽ (गला अही आलाकम व्ही

उप्यास धानावाहिक नूयँ ँी-प्रकाशित कल जा नहल अछि।-
सथादक।

याँचम य०त्र

कअ मास वीग (गला) उदिना घाउ घाउवान एक नखन चलि दम
मानउ चाहेउ गदिना नाधानमध दम मानि शक रला कि मान
य०लेन अपन यनिवान आ यनिवानक सभब। ऊ यिगा कमाळक
आशा गाँ ललेन, हनका मनम की छेन..! यनिवानक वीच नजेन
यहँचग नाधानमधक मन छब हूँ लगलेन। कना यनिवान वीच
सभब वना? जखन मनम अहन विवान ग० (गल अछि ऊ जहँ
दशक लाक अखना रीख माँगि जीवन-वसन कनेउ, ठाकना-आकन
काना काज नहँ छे, गकन अगिनिक ऊ काजा कनेवला अछि ठाकना
ऊँ छार-छीन काज छहँ गँ वानह मासम दू मास चानि मास
रटे छहँ। गेसंग सरसँ विनार नूयम ऊ अछि जकना काजक
अनुकूल मझनी नहि रटे छे। मूदा यनिवान गँ उदिना सवहक
अछि जना यनिवान हहँ छे, मान मागा-यिगा, यमी, वाल-वडा..!
गे०म हमना सन-सन वगनवला कग लाक छेथा अग वगनक यछागिया
ऊँ वहँमानी नरुसँ याहँय वनाअव गखन हँमान कहिया वनाअव
आ धनम कगउ वँवाअव? अपन ऊ यहिल वगन रटल, गही दिन
जाँ ललौँ ऊ कग याहँ कान काजम खर्व कनव अछि। जीवनकँ
गपिशील नखेल गपिशीलगाक नरुा ध०उ यउ छे, ऊँ स नहि ध०व
गँ समय याछू छाँति दगा। गहँ हिसावसँ यिगाजीकँ दू हजान नूयेआ
मदिना दिअ लगलयेन। गीन मास गक गँ काना सनि-गुनि नहि
सुनलौँ। अपना मनम विसवास जगि (गल ऊ यिगाजी उ वागकँ वृसि

मानि ललेन ज आळ नाधानमध कमाव शुनु कलक अछि, आळसँ
 पूर्व तक गँ आकनादही दू हजान महिना खनच द्वाळ छल, स जखन
 युधि कनेग यनिवान चलवेग आवि नहलौ अछि, गळम दावन रला
 मान दू हजान खर्वक मूह वन्न रल आ दू हजान ऊयनसँ रटल,
 गखन ज यनिवान जळ गणिय चलेग कि७ न द्वाउ, मूदा चानि हजान
 गँ लारकानी रव क७ल किना गे०म चानिम मासम जखन यिगडी
 यप्रक माधमसँ जवाव दलेन ज “गाना सन वटासँ आणा गा७लौ।
 जळ यनिवानम कहूना-कहूना याँच हजानसँ ऊयन चाह-यानक खर्व
 अछि, गे०म ऊँ वटा चाह-यानक खर्व यनिवानक नदि जमा सकै७,
 गखन अनन आकन कमाळ छव कि७ कनवा। “

यिगाक य०ल यप्र मान य०ग नाधानमधकँ वृकोन लागि (गलेन।
 जखन यिगाक जीवन वटा आ वटाक जीवन यिगा नदि दख-वृमि
 सकगा गखन दूनूक वीच सख्ख सूप्र कहन नहगा यिगा-यप्रक वीच
 ज विकृगागा यनेय चकल छल गळसँ नाधानमध अयन जिनगीम मा०
 आन७ चाहलेन मूदा यी०यन लिखल माळक यप्र नाधानमधकँ
 रटलेन गँ मा०म जा० देग अयन विवान वटोलैना। माळक यप्रम
 यष्ट छलेन ज अक दिन रिनसनू यहनकँ, कनीव आ० वज गीनू
 वायूग मान विलासादत्र सूखदत्रा आ वामदत्रा, विलासदत्रकँ गीन वटा,
 ज० नाधानमध, मामिल सूखदत्र आ छार वामदत्रा गीनू वायूग मान
 विलासादत्र, सूखदत्रा आ वामदत्रा रीनसनका अहान च० चकल
 छला। चौक-चौनाहायन सँ दूनू वटा मान सूखदत्रा आ वामदत्रा
 यद्वँच चकल छलेना गीनू वायूगक वीच कचहनी लागला दनवानक

यदिल ग्रन्थ छल नाथानमधक दू हजान नूयेआ महिना य01अव।

रा७ सन मूजनिम रा७कँ रटला जै0म धिया-यूगा वजै७ ज नाहनिक दालि आ दियाद, मान रा७ ऊफ गले७ गफ सूआदिष्ट वने७। मूदा असल आयाधीश गँ यिगाजी रला। हूनक मूहूम न जय-यनाजय दूनु अछि। ज अयन नाथानमधक जीवन आ विचानसँ उहिन। हटल छला जना यृष्टीक दूनु धूव अछि। एक दिस रालावावा जकाँ राँग-गाँजा घीव सर मफ गँ दासन दिस वधी जकाँ लहलहाळंगा छला७-ह। चौकयन चालि चलनिहान नामदत नहव कन७। गहूम छार वटा नहन वायक कनी वसी दूलानू सह छला७-ह। वूमल अछि ज नाज-दनवानम अकटा वू०नाज सह स्यायी सदय दनवानक दहळंग आवि नहल अछि। नामदत वाजल- "अहाँकँ नाथानमध रयेया की वूमलेन? हम सर नहू जने छी ज उहन-उहन कूनसीयन लाककँ वेसाँ सौनक वून जकाँ लछमी महन७ लगे७। "

नामदतक मूहक वाग की वूमलेन आकि अयन मनक घातक जलेन जगलेन स गँ विलासदत जनागा मूदा वटाक प्रफादकँ विलासदत साशअना विचान कनेल स्त्रीकानि ललेन। वसी वहसा-वहसी नहियँ रलेन कि७ गँ गीनु वायूक धाना अक्क दिशाम प्रवाहिन दहळंग नहेन। विलासदत अयन निर्धय कनेग वजला-

"जहूँ वटायन आशा छल ज कमा कs घनकँ चमकीग गकना वू जखन चाहा-यानक खर्व नहि यूनेल ह७ग, गखन उकनारसँ कग आशा। नामदत अखन विष्टी गेयान कनह ज अहाँ अयन कमाहूँ

अयन नाखू अहाँक कमायक आशा हम नहँ कने छी। "

माँक यत्र मान यत्रिग नाधानमधकँ विचानम छुबहीनगा जगलेन।
चिठीक उयसँहान, माँक दल नाधानमधकँ मान यत्रलेन। लिखल
छल-

"वोआ नाधा, जखन अनाध गखन न नाधा। किया ककना रनास
जन्म नहँ नन अछि, जहिना सवदक दुनियाँ छी गहिना गाना दुनियाँ
छिअ, गँअ अयन दुनियाँकँ अयना नजनिय देखैग चलह। "

माँक विचानकँ असीनवाद वूमि नाधानमध अयन यनखल गाम
दिस विचान वढोलेन। सीगानाथसँ मावाँललयन सभ्यक कनेग वजला-
"वोआ सीगानाथ?"

सीगानाथ वाजल-

"हँ, रैया..!"

नाधानमध-

"दूनु संगी संग रैयानी नीक छह किन?"

सीगानाथ-

"हँ, रैया। अयना दिसक?"

'अयना दिसक' सुनि नाधानमध गुम्मा रुऽ गेला। गुम्मा हँक कानध
रलेन ऊ गीनु (गानक वीच, मान अयन, सीगानाथ आ गीगानाथक
वीच ऊ सम्वद्ध अछि मान जहँ काज, गगवटा न गीनूक वीच दुनियाँ
अछि। अयन सनकानक जवावदह अरुसन छी, ऊ दुनियाँ अलग
अछि। मूदा गीनूक वीच ऊ दुनियाँ वनवउ चाहे छी गे0म सीगानाथ
अयन अयन काजक समाचान नहि कहि, प्रश्न उग्रा कऽ किउ
पूछलक। मूदा लगल नाधानमधक मन मानि ललकेन ऊ सीगानाथ

अखन वाल-वाध अछि, गँअ अना वाजला। आकना सूधानि विचानकँ
अयना जगद्वयन आनी। सअह सावि नाधानमध वजला-

"वोआ, आळ्ळ छअ मास वीग चूकल अछि, अयना जीवनक गाँ
अहिना चलि नहल अछि अहिना काना सवान रल सवानीगाँ
चलेग नहै। अयन काजक की नखान छह?"

'काजक नखान' सूनि सीगानाथ वाजल-

"राय साहैव, गीगानाथ आवि गेल अछि। दूनू गान सम्मिलिग
नूयँ कहवा "

सम्मिलिग नूय सूनि नाधानमधक मनम शान्किक यगव रटलेना। शान्किक
यगव ली रल ज अखन दू मूहक वाग (मान विचान) अकनंग
हअग गखन आळ्ळम शान्किक संचान शुनू हळ्ळ छै। शान्किक यगव
रटिग नाधानमध अगला सीमा निर्धानमधक चर्व कनेग वजला-

"वोआ, साल रनिक समय वनल छल, ज अगला साल ओम्क दिन
याथी मान 'गामक लीगिदास' समाजक बीच समानाहयुर्वक हाथम
दवेना समानाह अ दूआन ज याथी लिखेम ज-ज समया आअल
आह समाजकँ जना दव अछि किना स जँ जना दवेन गखन अगला
यीठीक ज कर्गा-धर्गा हगा आ गँ आग यनिचिग रऽ (गल नहगा किन
ज अम्क काज कनेम की सर समया अवे। खूशीक विचान अकटा
आना रल ज यिगाजीकँ ज दू हजान नूयेआ महिना दळ्ळ छलिअन,
आह लव छाँठि दलेना गँअ चाहे छी ज आळ्ळ याळ्ळकँ अही काजम
लगा दवा गँअ याथी छयवेक समयाक समाधान क्महा। "

नाधानमधक विचान सूनि गीगानाथ वाजल- "राय साहैव, अखन
हमना अकटा काज अछि गँअ निचन नळ्ळ छी, नागिम निचनसँ गीनू

रौं गय-सथ कनवा उना, काज प्रगणिक यथयन अछि७ मूदा
नेवीच किछ वानीक वाग अहन अछि उकना वानीकीसँ दखेक अछि।
अखन दसन काजम मन ॐ(गज रुs गल अछि। "

नाधानमध वजला-

"कगकालम क्री रुs अवह?"

गीगानाथ-

"राय साहेव, उना छी दिनिय मूदा जॐ काजम बरु छी गकन
आयू समाक द्वाॐयन अछि। गँ उकनासँ नियेट लव वसी जनूनी
अछि। "

गीगानाथक वाग सूनि नाधानमधक मनम खूशी संवनिग रलेना। खूशीकँ
संवनिग द्वाॐग विचानक यनियक्काक दिशा-वाध वूमि यॐलेना।

नाधानमध वजला-

"वोआ गीगा, गान समेय समय मूदा जॐ काज गय-सथ कनव,
उकना कगान (साधानध) नहि वूमल जा७। "

गीगानाथ वाजल-

"मात्र अक घण्टाक समय दि७। अक घण्टाक यछाणिक समय रला। "

नाधानमध वजला-

"व७वडियाँ। वोआ सीगा, गहन की दाल छह?"

सीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, जखन अहाँ दूनु (गान जा७ वनि जा७व गँ
अकयलियाकँ क यछाण? अहाँ दूनु (गानक विचान हमना माथ
अछि। "

वीचक घण्टा रनिक समय जहिना सीगानाथकँ गहिना नाधानमधकँ

अयन काजक उदस कर्मशीलगाक सीमायन 01८ कनेग मनकँ मथ७ लगलेन। मन न सर किछु छी। चाह नाजा वनाव७ कि रिखानी। सीगानाथक विचानम नद जा७ अकटा सह जा७ गेला उा जा७अल ७७ी अ जखन गामक ७७गिहास खाजि निकालव गखन न अगला यीठी खाजी मानि अगला खाजी उाहा द७ग। ७७गिहासक यन्नाम यहिल लकीन खीचिनिहान गँ ह्मदीं सर न रलीं। गहूम गीन दिशाक गीनू गान खाजी छी। गँ७, अयन-अयन दिशाक नमन् जकाँ अगला दाहन गँ रव कलीं किन...।

जहिना सीगानाथक मनम खूशी यनेय नदल छल गहिना नाधानमधक मनम सह खूशी द७७ग नहेन अ यहिन गँ किछु रयंकन वूमि य७लेन मूदा कनेक क्रमम दूलासँ दल्लक वूमि य७लेन...। गँ७ मनम खूशी दिना-दिन वढिग जा नदल छलेन।

गीगानाथ काजम नमल, नाम वनम जहिना विचे७ नदल छला गहिना सीगानाथ आ नाधानम(धा) नाम-नमेया कृषू-कहेयाक नाच नचिय नदल छला।

घटा रनि कना वीग गेल, स गीनूम किय़ा न वूमलेन। गीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, काजक गहन वँटवाना रल अ जाँक गनम गना दवा गेल छी अ अयनावृग निकलल द७ग कि नही।"

नाधानमध मन-मन वूमि छला अ समाजक अहन लीला अछि अ महानकँ हान-हीन वना, हीन-हानकँ महान वना अजगन साँय जकाँ गेनूली मानि वेसल अछि आ किय़ा लगम अ दूआन नदि जा७ग अ आँखियसँ सुनेक लगा अकाअक नाधानमधक मन उ७७ सीमायन

यद्दूच (गलेन ज जिन्का नजेनम नखि व्ङ्गिहास गढु चान्हे छी गिनकासँ छअ मास छिया कऽ नखेलौं। ज उचिवा छल, किउ गँ कनगा उाहन छला ज अनूरवहीन छला, मूदा छव मासक लभक मन काजक वूनियाद गढेक शिथ वना ललका। गँउ नीक दहण ज आळ समाजक बीच व्ङ्गिहा वागक खलासा कऽ दिउेन ज दम गीनु (गान गामक व्ङ्गिहासक आगव अध्यायकँ क्रियानुयम ललौं हन जग साल रनिम कउल जा सकै। छअ मास वीगि (गल आ छअ मास वाँकी अछि, गँउ सर आम्रिगि छी, नव अध्याया जाउेल आ ज अध्याय चलि नहल अछि गकना आगूक खाज कनेला।

गीगानाथक वाग सूनि नाधानमध चौअनियाँ हँसी कहियो आकि दूगियाक चानक मूव्ही कहियो गहिना विद्दुसैग वजला-

"वोआ गीगा, गँ अयन नामक मान व्मे छहका। गीगा रल महारानगक उाहन अंश ज गीग गवेग जीवनकँ महान जीवन वना दहै।"

नाधानमधक विचान सूनि गीगानाथक मन जना गीगाक कर्मक मर्म व्मउ लगल गहिना उकाउक मनम विजलाका जकाँ चमकल। चमकल व्ही ज नाधानमध सन वकगीक विचान बक रलेन अछि। राँट-वक्काक विचान (थाउ छी ज आमक गाछयन महकानी रूण आ महकानी लफीम आम रूण। आम गँ अमृग रहल छी, उ आमक गाछम रहि सकै। विचानम गीगानाथक मन गक उदिस रऽ (गल ज विचानल कहियो आकि विन् विचानल मूहसँ निकलल-

"राय साहेव, उाना गँ काहि धनि यउह व्मे छलौं ज मनुक्क सामाजिक प्राधी छी, मूदा आळ...।"

सर विचानकँ समरुग नाधानमध वजला-

"वोआ, यहू हूअ कि कृपि स येघ हूअ कि छार, ऊँ उकन क्रमवद्ध, सिलसिलवान टंगसँ कल जाअ गँ जनुन उा किछ न किछ नीक रहल दळ्ळ अछि। गँअ नीक हूअ ज जळ्ळ समाजक अंग अयना सर छी, उअळ समाजकँ सह जगवेग कहि दिअन ज हम गीन (गान अ काज (गामक ळ्गिहास) अयन विचानसँ आगू उग नखलौँ हन, जकना आळ्ळ छवम मास वीग (गल, छअ मासक यछाळ्ळ ळी याथी सवहक हाथम आवि जाअग, गँअ वीचक ज समय अछि गकना सर मिलि किअ न उययाग कनी। उना, काज आंशिक वमल जाअ, किअ गँ ळ्गिहास उअहन विषय छी, ज सवहक संग अछि। मान सवहक अयन-अयन ळ्गिहास अछिअ। गै०म गँ गाम गाम छी, गामा सन यहलमाना अछिअ। जकन नंग-नंगक यहल सह अछिअ। अहाँ न नर-वारुवला यंव व्मे छिअ मूदा यहलमानी कनिहाना सहअ व्मे छेथ? उा हान-जीगक यहल कनिग छेथ आ उअहन यहल वना यहलमानियाँ कनव कने छेथ। "

समगल मेदानम घाअ जहिना वसश्चान दोउअ गहिना गीगानाथ आ सीगानाथकँ रला। संग०न नूयी शक्तिकँ नमन कनेग सम्मिलिग सन दूनू (गान वाजल- "रगय साह्वेव, अयन गँ मन-मन मनक कथनाकँ सयना वना दखि नन हव, गँअ उा यहिन कन कहि दिअ। "

उना, दूनू (गानक विचान सूनि नाधानमधक मन मानि ललकेन ज विचानधीय प्रश्न गँ अछिअ। मूदा उकन अखन व्मवक अगुगळ्ळय की अछि। यछागिया वमल जा सकैअ। जखन घन वहेल विदा रहल छी आ आळ्ळ रूकीक टार वहेक अछि, गखन ओम्का काजक न

यदिन मन वनाउव आकि मानीथम कि धउेन नायवा विचानकँ
नस्फायन अनेग नाधानमध वजला-

"वोआ, गहन विचान मानि ललौ, मूदा अखन उा महद्वयूर्ध नहिगा
आंशिक महद्वक अछि, गँउ यछागि ल नाखदा अखन यदिन
समाजकँ अयन काजक जानकानी दऽ दहना समाजक काज छी,
गँउ समाजम सर मूह उावेथा सर चाहेउ उ गाम-समाजक लाक
विबेथ, मूदा विबेथ-यहचिह कि काना उका नंगक अछि। उका अयन
उकविद्याक यनिचय समाजकँ दनहि नहेउ। मूदा वहादनी गँ उ
वीचम अछिउ उ उककँ सर जनिगा उकाउंग नहेउ। "

सीगानाथ वाजल-

"राय सहेव, जिनगीक नक्का-खगियानक चर्च छाऽ। अखन की
कनवाक अछि गेयन विचान कनू। "

अनकूल आरास दखि नाधानमध अयनाकँ अनकूल वनवेग वजला-

"वोआ, अखन गीनिय (गान न विचाना कलौ आ किछ काजा कलौ
हना मूदा छी गँ समाजक काज, गँउ समाजकँ किउ न रागीदान
वनौल जाउ। "

जान देग गीगानाथ वाजल-

"निसविग वनौल जाउ। हनकन खगगा मान समाजक उंगिहास
लखनम समाजक खगगा अछिउ। "

गीगानाथक विचानकँ नाधानमध गशीनगासँ ललेना गशीन दहउंग
वजला- "वोआ गीगा, हनकन खगगा उंगिहास लखनम अछि, उगव
नहि वूमक चाही। वउह उंगिहास पुनूष छेथ उ उंगिहासक सऊकक
संग सृजनदान सह छथिउ। "

नाथानमध आ गीगानाथक वीच द्दण गय-सय्यकँ सीगानाथ दूनू कान 301-301 सन्वा कन७ आ नजेनकँ कखना नाथानमधयन गँ कखना गीगानाथक नजेनियायन दा७वें नह७। मूदा मूह अत्ताक नह७७। गीगानाथ वाजल-

"राय सहेव, सृजन संग सृजनदानक वीच ऊ सटान अछि गकना कनी रुनिछा दीगि७। "

गीगानाथक जिह्वासा सून नाथानमधक जिह्वासा सदा वढलेन। वढेक कानध रलेन ऊ जखन लाकम वूमक आ कनेक जिह्वासा जा(गे७ गखन न समाजम उगनयन अवे७। मूदा छी गँ जिनगी रनिक छी, गकना कना अक्क दिनम समटि लवा। मूदान देग नाथानमध वजला- "वैआ गीगा, सरसँ यहिन अयन वकगीग जीवन आ अयन दायिपकँ वूमक चादी। वकगीग जीवनक दू मान अछि, यहिल यानिदानिक दासन अयन जीवनकँ आगूक जीवनम संवनिग कनव, ऊँ वनवेल नव प्रगिभग मान यननहअना अयन समय किया अयनाम समरियिग कि७ न कनेथ, मूदा माग्र दस प्रगिभग मान अकअना ऊँ समाज ल सदा समरियिग कनेथ गँ वकगीग जीवन सदा सामाजिक जीवनम संवनिग द्दण अछि, व७ह रल अयन दायिप। "

उना, नाथानमधक विचान ऊहिना सीगानाथ गहिना गीगानाथ नीक जकाँ नहि वूमि यलका। ऊँसँ मन अकछा७ लगलै। मूदा काना काजक विषय यन गय-सय्य कनेल सर वेसल छल, गँ काजकँ अगुअवेग सीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, न अहाँ कगो य७अल जाँ छी आ न ह्महीं सर कगो य७अल जाँ छी। गँ अखन आगू-याहूक गय-सय्यकँ छा७ि

अखनका ऊ काज अछि गेयन विचान कनू ।"

अयन सीमायन सीगानाथकँ 01८ दहल्लग दखि नाधानमध रिक्त-रिच्येन छति वजला- "गोनू (गानक ऊ जिम्माक काज अछि, मान आंशिक ङ्गिहासक नचना, गळ्ळम अयन ऊ रान यून्लौ स सना दळ्ळ छी।" विचम नाधानमधकँ नाकेग गीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, जहिना अहलकँ गामक ङ्गिहास गकेक रान अछि गहिना न हमना गामक सन्धेगिक (आर्थिक) ङ्गिहासक खाज कनेक अछि आ सीगानाथकँ सह गामक आञल-गल याहन-यनकसँ लऽ कऽ अखन गकक ऊग लाक छेथ हनका कननी-धनधी गकेक रान गँ अछि। जहिना अहलँ अयन रान सरकँ सन्वेन गहिना न छअ मासक वृगानक हमहूँ सर सन्वेन गँ। शॉर्ट-कटम समयकँ देखेग वजियो।"

गीगानाथक विचान नाधानमधकँ नीक लगलेन। नीका कना न लगिगेन। अखन लाक अक-दासनक वीच अयन यटक वाग वजल लगेग गखन न उाकन हृदयक संग आग्राक विचान सह दहलल लगे छळ्ळ। नाधानमधकँ सह गहिना रल्लेन। वजला-

"छअ मासक वीच सनकानक ऊग कार्यालय अछि गळ्ळम नाम-माघ गामक लिखा (षष अछि। गळ्ळम ऊग गतिक सकलौ गाम ऊ रटल स सना दळ्ळ छी। आगू ऊँ किछ नवा कागजाग रटग गँ उाकना अगला यन्नाम जाति दवळ्ळ।"

नाधानमधक विचान गीगानाथ नीक उकाँ नहि वूमि यलका वाजल-
"स कना हलग राय साहेव?"

नाधानमध वजला-

"वोआ, ग्गिदासाक न ग्गिदास अछि। उदिना सासकँ सास सदा
रलेन आ ससनकँ ससन गदिना ग्गिदासाक ग्गिदास अछि किन?
मूदा ग्गम अक अकन गँ अछि। उ सासकँ सास आ ससनकँ
ससन रल ग्गिदास अछि आ अयन सास आकि ससन वनव
रदिसक यरम अछि। "

नाधानमधक विवान गीगानाथ आधासँ वसी व्मलक मूदा साशअना
नळ व्मन मन कनी-कनी म्मूआळ्ग नहलो। मूदा म्मूय विवानकँ
गन यउेग दखि अयन विवानकँ मन-मन गन कलक आ वाजल-

"रूल-चूक लनी-दनीम उ छूट-छाट हूग उ यछाळ्ग मूह-मिलानी
कऽ लवा अखन उ आवथक कदव अछि उ सरकँ कहि दियोना
कि। गँ जिनगीक काना (०कान अछि, जखन जिनगियक (०कान
नहि अछि गखन जिनगीक लीलाक कान (०कान। मूदा जीवना गँ
जीवन छी उही व(०कान जीवनम न अयना (०कानगन जीवन कगे-
न-कगे घासिया कऽ नखनहि अछि। "

गीगानाथक विवान सून नाधानमधक मन विद्दसि उ०लेन, वजला-

"वोआ, गीनटा सूग गामक ररल अछि। ग्गम दूटा सनकानक
खजानासँ ररल अछि आ अकटा जनश्रुगिसँ मान जनमानससँ।
यदिन सनकानी सूग सूना दळ्ळ छिअ यछाळ्ग जनश्रुगि सूनवहा। "

उना, गीगानाथ किछ वाजि गँ नहि नहल छल मूदा गाँजा-राँग
(मान चीलम) यीनिदान उदिना दम मानि मूहक निशाँल धूआँकँ
मन-मन घाँट। ल(गे। गदिना विवानकँ घाँटि नहल छला। गेवीच
गीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, शुर-काजम विलम्ब रन अशुर दळ्ळक सहावना

वनञ ल(गेञ गँञ आव..?"

नाधानमध वजला-

"वोआ, अयन गामक जन्म आ०मी षणादीम दू (गानकँ गामम वसलासँ रला "

आइक यनिवभकँ दखेग सीगानाथ वाजल-

"दूनु अकँ जाळ्ळिक छला?"

नाधानमध-

"नहि उाळ्ळ समय दूनुक वीच जागि रद नहि छलेना अयन जीवे-जाकन उयाय कनव आ धानक यानि यीव, यञह दूनुक जीवन छलेना उना, उाळ्ळ समय अयन गाम गामक (धदीम नहि छल, किञ गँ जे०म यचीस घनसँ वसी छल उाकन गिनगी गामम दाळ्ळ नहळ्ळ। गळ्ळ गीन-गीन साञ यनिवानक गाम सदा छला "

अचक्षिग दाळ्ळ गीगानाथ वाजल- "आ दासन?"

नाधानमध वजला-

"दासन अछि सर्वका ज 1890 ँञ्चीसँ लs कs 1902 ँञ्चीम रला गळ्ळ अयन गाम वनि (गल आ नन्ना खगियान गेयान रs (गला "

नाधानमधक विवानक प्रवाहम गीगानाथकँ प्रवाहिन दाळ्ळ मूह रूटि यञल-

"वादा "

विवानक रानकँ कम कनेग नाधानमध वजला-

"जनश्रुग वहूग नास अछि गँञ खसानीक खगम जदिना अकरा-मिसिया उजाञव सृगियना अछि गदिना अछि। गँञ अकना निवनसँ

दासन दिन कहवह। उना, लिखिकऽ गेयान कऽ नन छी गँथ यटक
मन हूअ गँ लिहह। "

सीगानाथ वाजल-

"राय साहेव, हल्लक सवान घाँ खेद मानेँ। अग दिन नऽ वूसे
छलिँ गँथ गाम हल्लक वूमि यउ छल, मूदा लाकक वृगान्क जखन
खाजँ लगलौं आ आँल-गलकँ गके दिस वढलौं कि 0क-0क
गोयाल जकाँ रऽ गेलौं। "

सीगानाथक मूहसँ '0क-0क गोयाल' खसिग सीगानाथ वाजल-

"राय, सन्धेगिक खल गँ आना मदानिया नाचसँ वदगन अछि। "

नाधानमध वूमि नहल छला। वजला-

"लागल नहह...!"

(जानी---)

अयन माँद्य edi tori al .st aff .vi deha@gnai l .com यन
य0131

२.१०. जगदीश प्रसाद मधुल-सहना सहन नहि (गल (लघुकथा)



जगदीश प्रसाद मधुल

सहना सहन नहि (गल

ज० मासक दसनाह मान दसमी गिथिक शुक्र दिनक रिनसन्का समय। चाहक प्रगीजाम निर्मल वावा दलानक उासानक चौकीयन वैसल अँगनमूहाँ देखि नहल छला। ओम्का काजक वास माथकँ दवन छलेना अथन गाछी-कलमक गाक-हनक संग आळ समाजक उअन सदा छीह, गँअ उादूम राग लवक अछि। राग लवक अछि- क मान जिहासा नहिग नहि वूमव, अयना जिहासा छेइ ज समाजक वीच ज काना उअन अछि आ सरक उअन छीह, गँअ अयना उअन रव कलेना उाना, निर्मल वावाक मनम दासना विवान जगि चकल छलेन आ छलेन ज किछु वर्खसँ, यनिवधम वहुग वदलाव आअल अछि, लाका सर कग आअल आ कग (गेवा कअल गँअ आजक ज दृथ अछि गकना टंगसँ देखव अछि।

ब्रह्मस्नान कदिये कि त्रिद्वानक स्नान आकि गाम-दवगाक स्नान, जळ्ळम आळ्ळ लाक घाग चढोगा अखना आ किळ वनख यूती गक यनिद्वानक क्रमान वच्चा, मान विन् विआदल वच्चा अयन माळ्ळक संग जाल्ळ छल आ गाम-दवगाक स्नानम घाग चढवा कने छल आ चढेवगा अछि। चळनाम मारिक घागकँ साजि माग रूल-यानक संग ब्रह्मस्नान जाल्ळ छेथ आ वच्चा हाथकँ वना-वनी सर किळ दळ्ळ छथिन आ वच्चा अंगला वाहन वनि अयन घागकँ येछला घागक आगूम सजवे छेथा ओम अकरा वाग आना अछि, डा अछि अक्क स्नानक गीन नामा ब्रह्मस्नान, त्रिद्वान स्नान आ गाम-दवगाक स्नान। मूदा अखन स नहि, अखन वस अगव ज घनसँ घाग सजि कना ब्रह्मस्नान यद्वँच नहल अछि, वस अगव जिह्सासा निर्मल वावाक मनम छेना ओही नळ्ळ मनम छेन ज ओम माळ्ळक माथयन सजल घाग क्रमान वच्चाक हाथ चढेग ओम यनदधी यूदक-जहान आ गामक नवयूदकक सह संख्या वडि गल अछि गेसग घागक (चढेआ घागक) सवानी सह वदेल नहल अछि। गमेया साळ्ळकिल गँ कष्मा-सष्म मूदा मारन साळ्ळकिल आ ङ्ङनवला चनिचकिया गागीक संख्या वडिय गल अछि। जळ्ळयन सजि कृष्णनक वनोल मारिक घाग ब्रह्मस्नान यद्वँच नहल अछि। स अयन आँखिय निर्मल वावाकँ दखेक छेना मूदा चाह यीन विना दनवज्ञायन सँ उओवाकँ नीक नळ्ळ वूमि नहला अछि। गहूम जीवन रनि यदीक वूमल वृप्ति छेह, गकना छागव उचिग नहि वूमि नहला अछि। यदीक वृप्तिक मान अगव अछि ज सूलछमी दादी, जिनकन उमन साओ वर्खसँ ऊयन रऽ गल छेन, वटी जखन चष्टगन रल्लेन गखन

रनसाधनक आधा काजक रान सम्मा दलखिन आ उखन यूाद्
 अलेन गखन साझाअना रनसाधनक रान वटी-यूाद्कँ सम्मा दलेन,
 मूदा यगिन्नक कहियो आकि यणी धर्म, उ०म यगिन्नक मान
 रनसियाक ब्रा वूमू स अखना सूलछमी दादी अयन हाथ निमादे
 छेथा उा ब्रा छी ज यगिकँ रिनसूका यहिल चाह कहियो आकि
 दिनक यहिल वनक चाह अयनसँ वनाकऽ यिआअवा काना
 सार्वजनिक सुल हूँ आकि वकीगग जीवन, जीवनक यहिल
 कदमक महद्व अछिअ।

मन-मन निर्मल वावा अयन गामक चौवडीकँ ठिकिया मन असथिन
 कलेना समाज दिससँ ससेन निर्मल वावाक मन अयन जीवन दिस
 अलेना अविग जहिना खगम धान रूटेअ गहिना निर्मल वावाक मनक
 विवान रूटलेना विवान रूटिग धानक लावा जहिना खायेअसँ
 वनवना कूदेअ गहिना निर्मल वावाक मूहसँ निकललेन-

"सिहना-सिहक नहि गल!।"

उना, असगनम वेसल निर्मल वावाक मूहसँ निकललेन मूदा गेवीच
 सूलछमी दादी चाह नन लगम यहूँव गली, गँअ उहा सूनलेना
 सुनिग सूलछमी दादीक मनम रलेन ज रऽ सकैअ हमना दखिकऽ
 यगि वाजल हाथि, गखन अँ दाहनाकऽ नः यछअन सह कहन
 हअग, मूदा मनम ःहीहा हानि ज जाव मूहक आहान मूहम नः
 लगा गाव किछ यछव आकि कहव उविग नः हअग। किअ गँ
 अयन कानक सूनला आ मनक यडला अकटा कथा हनका मनम
 नवलेना यूग-यूगक यूगकर्पाक खल चलवा कअल अछि आ चलिया
 गँ आविय नहल अछि। कथा अछि, अकटा गामकँ चौवगलीक याँव

कासक गामक लाक कदु लगल ऊ रान-रान ऊ उँळ गामक नाउँ लण उकना रनि दिन अन्नक राग नळ हणळ। किउ कदु लगले स अखन नदि, अखन वस अणव ऊ चानूकागक लाक कदिणा आवि नहल अछि आ कदुवा कलका गामम अकटा वैज्ञानिक रला। हूनका कानम अहन प्रश्न दल (गलेना) प्रश्न अला यच्छाळण वैज्ञानिकजी यहिल दृष्टि सँ उखन गजवीज कलेन गँ हूनका साश्वी गखन अनसाहँग वूमि य७लेना मूदा उखन समाजक विचानक यनम्यना दिस गजवीज कलेन आ यनम्यना नाकेक शक्ति अयनाम अँटकानलेन गखन वूमि य७लेन ऊ अणवा मान-सम्मान यलो अछि सहा चलि जाअ। असमंजसम य७ल वैज्ञानिकजी जी-जाँगि कहियो आकि जी-गाँ, वजला-

"अहन विचान साश्वअना सण अछि।"

वजेक क्रमम वैज्ञानिकजी वाजि गेला, आव उकना प्रयागभालाम प्रयाग कनि कऽ निर्धय कअल जाअ। गामक अण गाछी-कलम अछि गळम सरसँ वसी कान गाछयन चिउे नहेअ। किछु किम्मक गाछ गाम-घनम अखना उहन अछिअ जेयन चिउे वसी वळसेअ। उही गाछक नियुक्ति रला। गामक लाकक वीच न रूसि हण मूदा अनगौँआँक समर्थन रएन गँ रूसिया सण हव कनेअ। गामक नवयूवक चूग-दही-चिनी-कना ळ्यादिक उहन राजनक अनियान कलेन उहन अनगौँआँ अगिथि-अयागकँ राजन कनेल जाळअ। गसन दिन रन अकटा अनगौँआँ अयना गामसँ आन गाम जाळ छला। वीचक गामम प्रयागभाला वनल अछि। नवयूवक सर हूनका यकेँ गाछक निञ्चाँ Oउँ कऽ नानक वीजीयन वेसा राजनक सर

विद्यास यनसलेना राजन कनेसँ यद्विन यूत्रक सर कदलकेन-
"राजनक सव विद्यास आगूम अछि, आव उअ गामक नाम लअम
मान उअ गामक नाम ललासँ अन्नक राग नअ दअ, काना हई
नअ न?"

अन(गौ)आँ वजला-

"जाव मूँहम अन्न नअ लव गाव गक नाम नअ लवा गखना गक
काना आषा नदि। "

यूत्रक सर वलजानी गइा यकेँ कदलकेन-

"आव वाइा। "

जखन अन(गौ)आँ अयागग उअ गामक नाम लअ (गला, उअ
गामक नाम ललासँ अन्नक राग नअ दअ कि गखन गाछक
ऊयनसँ अकटा कोआ चट कऽ दलका चट कनिग अन(गौ)आँ
अयागग वजला-

"दखलिअे! आव अहाँ सर रनि दिन रूखल नाखव किना। "

चानि-याँच घाँट चारु जखन निर्मल वावा यीलेन गखन सुलछमी दादी
वजली-

"की वजलिअे ज सिहना सिहन् नदि (गल?)"

चारु अथन नंग निर्मल वावाकँ यटसँ दखवअ लगलेन उअसँ मन
रूहनाम जकाँ रअय (गल नदेन। निश्चयट नूयम वजला-

"सिहनासँ नायल दूटा आमक गाछ अछि। रनिसक अदूँकँ मान
हअग ज छ0म साल यूसाक किसान मलासँ अनलौ। "

अक गँ उअना यमीम अहन अयास वनियँ जाअअ ज विन् विचाननौं
हँ-म-हँ मिला दअग अथ, गदिना सुलछमी दादी दूँहकानी रने

वजली-

"हैं स गँ अननदि नही।"

काना घटनाक अक्का अंश एरन लोक काव्यनिक घटना गठिय लख्ख, गदूम जे०म सनस नहण गे०म गँ आना मजगुगीक संग गडल जाअग। निर्मल वावा वजला-

"उही०म सँ न दूटा आमक गाछ अनन नही आ कहन नही ज साल एनिक यछाळ्ण जखन गाछ रु७७ लगण गखन वानह मास आमा आ आमक चरनी सह खाळ्ण नहवा।"

आमक अँवानक चर्च उ दूआन नख्ख कलौं ज वीस-वीस वर्खक आमक अँवान यागनी दादी-काकी सर घनम नखनौं नहे छेथ आ साल-साल वनेवण छथिअ। जहिना अँवान गहिना घीवाक अछि, चालीस-यवास वर्खक यूनान घी एरिण अछि। खाअन स अखन नहि। ..सलछमी दादी वजली-

"हैं, गकन की?"

यमीक प्रश्न सुनि निर्मल वावाकँ यनवा-योन्की जकाँ दम घूर७ लगलेन। दम खी घूर७ लगलेन ज अयन हानल दाउ वाजी कि नख्ख वाजी। निर्मल वावा उहिन अखणह यनक यदलवान छेथ नहि ज वूमि योगा ज नीका अखला हख्ख७ आ अखला नीक हख्ख७। खी गँ मनक विवान कहियो कि शबक खल कहियो, स छी। सर जनिग छी ज गिलकान आ कुनली अक्क वंशक लफीन्मा गाछ छी। जहिना गिलकानक गहिना कुनलीक लफीक जति उजान हख्ख७ आ गहिना लफीक वडवानिया दूनूक अक्क नंग अछि आ जहिना यफाक नंग-नूय, आकान-प्रकान अकनंग अछि गहिना दूला-रु७क अछि७।

मूदा अकटाक याग खाञ्जल जाळ्ळु आ दासनाक रुग। कद्व ज
 अना किञ अछि, स गँ उळ्ळ लफीकँ यूळ्ळियो ज गहन रुग मी०
 आ याग गीग किञ द्वाळ्ळ छद्द आ दासनाक याग किञ मी० द्वाळ्ळु
 आ रुग गीग।

मूदा निर्मल वावाक मनम ज दानल सन वूमि यी० नदल छेन गकना
 काजक अनिसँ वाञ्चि वजला-

"जा०यसँ कहि दळ्ळ छी, अद्दाँकँ अखन गक सर वाग कदवा न
 कलौ आ ज कदलौ स मना द्वाग कि नदि।"

राय, जदिना यमीक विवान सुनेल यगिकँ आ यगिक विवान सुनेल
 यमीकँ, सरक मनम जिझासा द्वाळ्ळ छेन गदिना सुलछमी दादीकँ
 सह रलेना वजली-

"कनी सनियाकऽ वाजव, ळी नदि ज नख-भिस्र दर्शन नदि कञ
 ऊयन-माय० वाजि, मान भिस्र-नखक दर्शन कञ यळाळ्ळ यळ्ळ
 दी ज नीक जकाँ व्मलौ कि नदि?"

यमीक विवान सुनि निर्मल वावाक मनम याथनक अमृग नस जकाँ
 मान भिलाजीग जकाँ सुअदगन विवानसँ रँट रलेना भिलाजीगक
 नस ज यानियँ जकाँ अछि गँ की उा मक्कनक रूटोन-यानि (था०
 द्वाग। दीय खालि निर्मल वावा वजला- "गीन गनदक वेसान यूसाक
 किसान भलाम रल छल, अकटाम अन्नक चर्व चलल, दासनम गीमन-
 गनकानीक आ गसनम रल-रुलदनीका। अद्दूँ जनिग छी ज अयन
 रल-रुलदनीसँ वि(ष सिनद अछि आ उळ्ळसँ कम सिनद गीमन-
 गनकानीसँ आ गदूसँ कम अन्न-यानिसँ अछि।"

सुलछमी दादीकँ निर्मल वावाक विवान सुनेम नीक लगलेना नीक

कि७ लगलेन स गँ उा अयन वूमगी मूदा गसन मान आन गँ य७ह न वूमग ज जीवनम कहिया सल्लुमी दादीकँ रहल-रुलरुनी वा गीमन-गनकानी वा अन्न-यानिक दूख नळ्ळ हळ्ळ छेन, गँ७ हूनकन मन सदिकाल अनवा चाउनक वसिया राग उकाँ रुनहन नहव कने छेन, सल्लुमी दादी विद्दँसँग वजली-

"अहाँ यव न सव किहूसँ सग्यन्न यनिवान अछि।"

७क गँ अयन जीवनक चार खा७ल निर्मल वावाक मन नहव कनेन, गँ७ हानि ज जान-जानसँ वाजी ज सयना सयन नहि गेल, मूदा नहथ गँ दूळ्ळय (गाना दू (गानम लाक कनरूसकियासँ काज चला लळ्ळ७, गे०म जानसँ वजेक कान खगगा अछि। कमा-जानसँ लाक सग्य वाग वजे७ आ सामा-सामी जानसँ वजिग अछि।

जहिना कथनाकँ थूथना नमगन हळ्ळ७ आ नाछेन सह नमगन हळ्ळ७ गहिना सयनाक सह दूनू नमगन-चौ७गन हळ्ळ७ अछि। निर्मल वावा वजला-

"अहाँ अगवम यनिवानकँ सग्यन्न वूम छी। जना अयन सूनेलौं गँ सूनिकऽ याँच सा७ नूयेआम दूटा वनहमसिया आमक गाछ कीनिकऽ आनि नायिकऽ सवा कलौं आ आळ्ळ ज०क दसनाहा छी, जँ अकारा आम याँच वखक वीच राग रल नहैग गँ संघष हळ्ळ७ग। उा सग्यन्नगा गँ यनिवानम नहियँ आ७ला।"

उना वजेक क्रमम निर्मल वावा वाजि गेला मूदा यछाळ्ळ७ अयन मान य७लेन ज रू(गालक दृष्टिसँ खीक काज ०ानव उचिग छल, मूदा स नहि रला। आव गँ य७ह न उचिग ज आशक रौ(गालिक यनिवशकँ दखेग क्रियाशील हळ्ळ७। उना, जीव०गन लाक याथनायन

दूरि जनमेवग क्थे आ रविथम सहा जनमव कनगा।

संयाग वनल, गहीकालम नास्हा (धन अयन मंमानयून जाळ्ण नही कि निर्मल वावा दखलेना दखिण दनवझायन सँ (शान याउेग वजला-
"नमाकान्, कनी सूनि लउह गखन जळ्ळह्हा।"

उना, नही अयन अगुणाळ्ळम मूदा निर्मल वावाकँ सरु दिनसँ (श्रुष्ठ वृषेग आवि नह्ल छिउेन गँउ 01८-01८ सूनेक विवान मनम नायि लगम यङ्खण वजलौं-

"की कहे छी वावा?"

उना याशायन मान जीवनक याशायन निर्मल वावा हानि नह्ल छला गहिना मन गीगाउल छलेना मूदा मनम अग गँ छेइ ज ककना लग कहन श्व कहन रादम वाजी। वजला-

"नमाकान्, मनव की जीव गकन काना (0कान नदि अछि, अयन जीवनक घरल घरना अकटा अछि स यद्विन सूनि लउह, यळाळ्ण आगू वडिहह्हा।"

निर्मल वावाक विवान सूनि अयना मनम नव जिहासा जगल ज जीवन ककना किउ न हळ्ळ मूदा जीवन गँ जीवन छी। गहूम मनूखक जीवनक घरना छी, कहिया न कहिया खगगा हव कनगा वजलौं-

"वावा, वसी आह-माहम नळ्ळ कहियो, कनी अगुणाउल छी। मूदा अगुणाळ्ळम अहना विवान नळ्ळ छाति दवे जळ्ळसँ विवान घनाह, घनाह मान अक्खसू रस जाअ।"

अयन मनक सरु वाग वजेक जगह यव निर्मल वावा वजला-

"नमाकान्, गानासँ यनाछाम यमीकँ किहू वाग कहि दन छिउेन, मूदा उा यानिवातिक रला जातियसँ कहि दळ्ळ छिआ।"

काना घटना वा काजकँ ज०सँ छीय धनि सूनिऽ गुनव न वृधिक
(झानक) गुनव रला मन-मन मनकँ ब्रैक वाँ उकाँ सारु कनेग
वजलौ-

"कहियो?"

निर्मल वावा वजला-

"गाँदू देखे छह नमाकान्क ज अनका उकाँ मनम अखना मान साँ०
वर्षक उमन विगला यछागिया, मनम नळ आँल अछि ज आव
ज काना रल-रलहनीक गाछ नायव, गँ अयना राग ह०ग कि नहि,
गँ नायव न कनवा शुनुहसँ सर दिन मनम अहन धानधा वनल
अछि ज सर दिन किछ-न-किछ नव लगावी। गँ याँव वनख यूर्व
जखन रल-रलहनी राजनक गुध व्मलौ गखन ०कियाकऽ किसान
मलाम यूसा यदँवलो। "

उना, यूसाक किसान मलाम राग लवाक ँँच्चा अयना मनम कग
दिनसँ अछि मूदा कूसंयाग अहन दहँग नहल ज अखन गक
नहियँ जा रल अछि। वजलौ-

"मलाम की सर देखलिउ, वावा?"

निर्मल वावा निश्चयट रावम वजला-

"देखे-सनेक की काना ०कान नहल, वहँग लाका देखलिउ आ खगी-
दानीक वहँग गाछ-विनीछ, वीआ-वाँल सहा देखलिउ मूदा स
सर कथीला। अयन दूटा वनहमसिया आमक गाछ कीनलौ। मन
सयनाँल छल ज वानहा मास जखन आम सन रल रटग गखन
जीवनम खग की नहि जाँगा। "

आगूक वाग व्मल नहँग गखन न स गँ छल नहि, गँ वजलौ-

"अहाँ गँ वावा कमाल कऽ दलिओ गहन ठिकिया कऽ (गोटी चाल्लौं जे अक्का (गोटीम यान रऽ जाओवा " "

अयना ऊनेग नीक वाग वाजल छलौं मूदा निर्मल वावाकँ नीक नऽ लगलेना वजला-

"की (गोटी चालव, सर यानिम चलि (गला " "

वजलौं-

"स कना वावा?"

निर्मल वावा वजला-

"गाँदूँ वजान जाळक धऽरुगीम छह आ अयना वजैम संकाव दऽओ, अगव वूमर जे आळ जऽक दसनाह छी, उना लाक वनिसाळग दिनसँ आम खाओव शुनु कने छेथ, मूदा अयना याँव वनख युर्वक सिदका अखना सिदिक वनल नदि (गल अछि। " "

वजा (गल-

"स कना वावा?"

निर्मल वावा वजला-

"निधनम दासन दिन जऽिसँ छीय धनि सवटा सूना दवहा " "

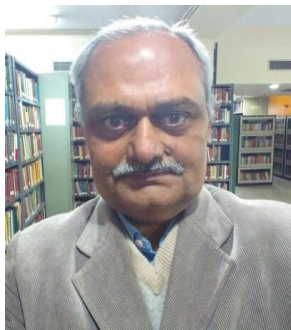
अकछाळग निर्मल वावाकँ दखि वजलौं-

"अखन जाळ छी वावा, मूदा सूव वाँकी नहला " "

अयन **माँघ** editorial .staff.videha@gmail.com यन

योडा

धानावाहिक



नवीडु नानायध मिश्र

वदलि नहल अछि सरकिछ (उपन्यास)- धानावाहिक

खण्ड ६-१०

वदलि नहल अछि सरकिछ

6

"हूनकिलाव! जिंदावाद !!दवन वावू जिंदावाद! नगाजीक जय!"

अहि प्रकानक नाना सौंस हूलाकाम लागि नहल छल । चानूकाण विजयाल्लास यसनि नहल छल । खूजल जीययन नगाजी, अवीनसँ यागाल वीचम आ हूनकन काण-काण कौकटा सम्मानिण लाकसर 01७ छलाह । नगाजी कल जा७ने ,मूध्री देग सरक अरिवादन स्त्रीकान का७ नहल छलाह । हूनकन खूजल जीय मंद-मंद गगिसँ आगू वरि

नहल छल । नगाजीक यादू-यादू सौंस टालक लाकसर कनमान लागल छल । नगाजीक कारिला अक टालसँ दसन टाल दिस वटेग नहल । लाकसर अहि कारिलासँ झुँगे नहल । अहि गनहँ अकहा रल लाकसर ँसकूलक मेदानम जा कअ जमा रल । आअ अकटा विशाल मंच बनल छल । आकन वीचम नगाजी जा कअ 01७ रलाह । हुनकन दूनू काग समर्थकसर विजयी मूडाम विद्यमान छलाह । मंचक सामनम विशाल मानद समूह उयसिग छल । सरक मानम उभूका,सरक मानम ँनाम रटवाक जिहासा। कहल गेल नहेक ज आँ नगाजी मंचयनसँ यथिआक-यथिआ दामी चीज-वफूसर वँटाह । अयन समर्थकसरक प्रगि कृगहगा बक कनवाक हग हुनका झाना कअल जा नहल अहि गनहक ँी अरिनद प्रयाग छला अथथा, यदिन गँ चूनाआ जीगलाक वाद आ कअ नियफा रअ जाथि गकन काना (0कान नहि ।

गाम-गाम नगाजीक विजय नथ घूमाओल गेल । ँसकूलक मेदानम राषध रल । नागिम ँलाका रनिक लाकक सरजाना राज रल । सर आनंदम छल । चूनाआसँ यदिन रल दुर्घटनाक वाग गँ छाँ,अहिसँ यदिलका नगाजीक सर गलगी जना जना जनार्दन विसनि गेलथि । विसनवा काना नहि कनिथि । अक सफाहसँ दिन-नागि मंगनीक जलखे,चाह,राजन आ साँमक रनियाख दानूक अनिआन कअल गेल छल । गनह-गनहक नाच-गान सदा रल । कहक मान ज की-की न रल । अवायन जँ लाक राट नहि देग गखन गँ कृगहग न ह्वाँके । स लाकसर अयन लाज नखलक,नगाजीक मान नखलक । सर किछु अहिना रल जना

नगाजी चादलथि ।

चनाडा संयन्न रल । नगाजीक दल-समग्र विकास दल (असरीठी) यूँ वद्मगसँ सनकान वनावु जा नदल छल । टलीवीजनसँ ७७ समाचान वानंवान प्रसानिा रल नदल छल । दम सूर्यं समाचान दसि नहि सकीं छलहुँ । जदलम दमन का०नीक सामन गेनाग यूँलिस सरटा समाचान दमना देग नदल छल । नगाजी सूर्यं अ्यान वद्मगसँ डा सीट जीगि चकल नदथि । जनगं जीगि नदल छल । जनक्रान्ति दल(जकठी)हानि गल छला वाह न जनगा! वाह न नगा!

चनाडाक वादक ल७७७ गँ शक्तियूनमम हवाक छलैका गदिम गँ नगाजी मादिन छलाह । डा शक्तियूनम यहुँचलाह । दू दिनक वाद नदिदिन साँसम शयथग्रदह समांनाह छेक । स वाग दूनकन जनगवम अञ्जलिनि । जगक मूँह गगक गनदक वाग । क-क सलाहकान वनग? ज कडा वनञ नहि वनञ मूँदा नगाजीक नाम गँ यक्ता छलनिह । स गँ दूनका चनाडासँ यद्विन अलाकमान कहि दन नदनिा वस दसटा जन प्रगिनिधि चाही ज दूनकन याहुँ-याहुँ चलैग नदञ । "मूँदा दम गँ आव वद्ग वनिष्ठ छी । दमना गँ आव नाशप्रमुख वनवाक चाही ।"

"मूँदा अलाकमान अहाँक वाग वूसञ गखन न । उागहूँ गँ गनद-गनदक घनचकान छेक । सुनेग छी नाशप्रमुखक दगु अकदम नव जन प्रगिनिधिकँ नाम आगू चलि नदल छेक । सलाहकानक दगु सहा नवकसरक नाम छेक ।"

"स किञक?"

"यूनना नगासर मनि (गल की?)"

अहि वन जखनसँ नगाजी शक्तियूनम यहुँचलाह, हुनकन वामा आँखि
 वहुँ जानसँ रुनकि नहल छनि । लाख प्रयास कनेग छथि आँखिक
 रुनकव कम नहि र७ नहल छनि । वन-वन हुन्मानजीक धान
 क७ नहल छथि । शक्तियूनम टीसन लग हुन्मान मँदिन लगसँ
 जाळ्ग नहथि गखनहि वहुँ जानसँ वामा आँखि रु७कि (गल
 नहनि। वहुँ जानसँ हुन्मान चालीसा य७७ लागल नहथि । कान
 नाकि दलखिन । रलनि ज हुन्मानजीक दर्शन कनहि चली । ऊँ
 काना असगुन रल द७ग ,किंवा ह्वाक द७ग गँ उा नाकि लगाह
 । नगाजी कानसँ उगनलाह । हुनका सांग-सांग हुनकन अंगनउक
 सह चलि नहल छल । अक सा७हि प्रसादक तिवा कीनि ललनि ।
 अंगनउक मि०००क तिवा (खलक । आगू-आगू नगाजी आ याहुँ-
 याहुँ हुनकन अंगनउक प्रसादक तिवासर लन चलि नहल छल ।
 गावगम याँगिम आगू ०१७ अकटा माछिअल व७ी जानसँ छिकलका
 नगाजीक गँ हस उ०ि (गलनि । मँदिनाम ००७ह दाल र७ नहल
 अछि । दर्शनक याँगि नमगन छल । उहि०म नियमसँ काज द७ग
 छेक स हुनका वृषल नहनि । गथायि, उा याँगिम ०१७ र७ (गल
 नहथि । मूदा गक लाक याँगिम आगू छल ज हुनकन नवन
 आव७म दूयहन र७ (गल । दर्शन कलाक वाद उहि०म उयसिग
 लाकसरकँ अयन द्वाथ प्रसाद दलथि । गकनवाद अयन उना
 यहुँचलाह । सावन नहथि ज हुन्मानजी सरटा सञ्चनि लथिना स
 गँ ०िक । मूदा साँम द७ग-द७ग मीतिआम सलाहकानसरक ज
 सूची वहनाअल गहिम हुनकन नाम नहि छलनि । अकछाहा

नवगुनिआसरकँ सलाहकान वनाउल जवाक समाचान आवि नहल
 छला सलाहकानक सूचीम सँ यूनना नगाजीसर लूफ छला काह
 ककना चर्चा नहि छला स दखिगहि नगाजी घनम वहास रउ
 (गलाह)

7

उमहन हम जहलम यउल छलहँ । मासक धक लागि गला हमन
 की गलगी छल ज जहलम वंद कउ दल (गलहँ? स किछू वूमा
 नहि नहल छल । नगाजी आ हूनकन सहयोगी कउा हमन हाल-
 चाल नहि ललाह । सर अयन काजम बरु छलाह। यदिन चूनाउा
 आ आव सलाहकान वनवाक प्रयास । हमना जहलम कउा-कउा
 गाह-वगाह किछू-किछू समाचान देग नहेंग छल । मूदा उहिम
 कगक की सण छल,की मू० छल स क रुनिछवेग? मास दिन
 जहलम नहेंग-नहेंग वहा किछू साचवाक मोका रएल । नगाजीक
 प्रणि मानम आक्रांण गँ छलह । न हम हूनकन आगू-याहू कनिगहँ
 न हमन रूी हाल दहूंगा

असलम हमना शुनूसँ समाजक हगु किछू कनवाक अरिलाषा मानम
 छला गँ जखन यहिल वन हमन कालजम नगाजीक राषध रल
 नहउ गँ हम वहा प्रगतिग रल नही । रल ज रूी बकि कगक

महान् छथि । दिन-नागि दसक वानम सावै छथि । हम अयन
कैकटा संगीसएक संगे दूनकन आगू-यादू कनउ लगलहँ । उखन
कखनहूँ उा लग-यासम वैसान कनिगथि गखन हमसर उागउ यहाँचि
जळगहँ । क्रमशः हम दूनकन लगीच अवेग गेलहँ ।

याग नहि कान-कान धानाम हमनायन कस कउल गेल छला
जमानक कैकटा प्रयास असरल दहळग गेल । गाम-यन हमन
माउ-वावू वकल नहथि । दिन-नागि कचहनी दाउग नहलाह ।
काना-काना टाकाक जागान कउ ठाकीलक दीस देग नहलाह । मूदा
किछू कानगन नहि रल । सुनवाम आउल जे अकदिन वावूकँ किछू
वदमाससर नरुम धमका सह दन नहनि ।

"खवनदान! जाव चूनाठा छेक गाव वसी उओ-यूटक नहि कनू ।
चूयचाय नहू । ऊँ वाग वडल गखन जे दहउग स सावनहूँ नहि
दहउव ।"

हमन वावू अकन वाद सनियहँ उना गेलथि । कचहनी गनाळ
छाति दलथि । उहि वदमाससरक संदशम दम छलेका उा सर
नाजीक गुंठा दलक लाक छल । हमना सन-सन कगका लाक
अहिना जहाँ-गहाँ चूय कना दल गेल नहउ । हमसर साळग
नाजीक अकिपक अहि यउक जानकान नहि रउ यविहँ ऊँ हमना
संगे ढूी सर नहि घटल नहैग । मूदा आव की कउल जाउ?
अकन किछू जवाव नहि रूनाळग छल । हम जहलम वंद रल-
रल सावैग नहैग छलहँ । नागि-नागि रनि कनाट वदलेग नहैग
छलहँ । अक मान दहअउ जे जहलसँ निकललाक वाद अहिसरसँ
दरि जाउव, काना प्रयाससँ नोकनी गाकि लव आ अयन यनिवानक

यालन-याषध कनव । चेनसँ जिनगी विगाअवा आव अदि संमटसरम कदिउा नदि यउव । मूदा कखनहँ द्वाअउ ज अक सार्थी द्वाअव उचिग नदि द्वाअग। नगाजी सन-सन समाजक दुभनक सही ब्लाज गँ गखनदि संरव द्वाअग जखन ठाकन सगगा समाजक सामन अवेक । गगव नदि, ठाकन सही विकल्प द्वाअक । नदि गँ ठाकन नर्वस वनल नहग आ नीक लाकसर जान वैवअवाम लागल नहग ।

अकदिन रान जलखे कलाक वाद ह्म जहलम अयन का०नीम किछु यडेग नही की जलन वावू ह्मना वजउालक । ह्म यूलिसक संग-संग ह्मनकन कार्यालय यहुँवेग छी । उअउ ह्मना दखि जलन वावू वहुग प्रसन्न रलाह । ह्मना दिस अकरा कागज वहुवेग कहैग छथि-

"अंकुनजी! अयनक ह्गु नीक समाचान आअल अछि । अहाँकँ जमाना रउ गेल अछि । अनूनी खानायनीक वाद अहाँकँ आअउ जहलसँ छाँउि दल जाअग ।"

ह्म ब्नी समाचान सूनि वहुग खस नही । द्वाअउ ज काक जह्नी घन यहुँवव । माअ-वावूसँ रंउ कनवा अयन घनम निचेनसँ ह्मका लाकनिसँ गथ-सथ कनव । ह्म जलन वावूक का०नीम वेसल-वेसल कागजसरयन दरुखा कअ दलिअेका (थाउव कालक वाद ह्मना जहलसँ छाँउि दवाक ह्मनमान वहाल रउ गेल । ह्म जहलसँ वाहन अअलहुँ । जहलक गटयन ह्मन यिगाजी रानसँ विना किछु खेन-यिन ०।७ छलाह । ह्मना दखिगहूँ उा ०।हूँ यानि कअ कानअ लागेग छथि । ह्मना नदि नहल जाअग अछि । आँखिसँ नान वहुअ लागेग अछि । ह्म ह्मका प्रधाम कनेग छी । द्नुगाट

वतीकाल धनि अक-दसनकँ दखेग नदि जाळ्ण छी । रुन दमदी
अहि मोनकँ पाउग छी-

"दमसर चली । गामयन माअ वार गकेग द्वाअ ।"

"ठीक कहलह । अ नँ नागि रनि जगल छथि । गहन अअवाक
समाचान सनिगहि गनह-गनहक अनिआनम लागि गेल छथि ।
वोआकँ कदीमाक गनकानी वद्ग नीक लगेग छनि । रान चूना-
ददीक जलखे वद्ग यसिंद छनि । हलूआ वनवाक हगु किछू सूजी
लन आअव । अव गय-सय्य नागि रनि कनेग नहलीह । रानूकवाम
निन्न लगलनि गखनहू ँअहसर वअवअळ्ण सनिअनि । आखिन
माअ छथि ना "

दूनू(गार निक्कायन वेसि जाळ्ण छी । दमनासरकँ लन निक्का आगू
वढि जाळ्ण अछि । दमसर गाम यद्दवेग छी । अयन घन दिस
वढेग अ आनंद द्वाळ्ण छल गकन दर्शन कनव मासकिल अछि ।
द्वाअअ अ नक्का अक येघ किअक छेक । आअन छार किअ नदि
रअ नहल छेक । अक मान द्वाअअ अ दोरी आ घन यद्दवि माअक
येनयन खसि यती । मूदा वावू अ संगे नहथि । दूनक गगिसँ चलि
सकेग छलहूँ । खेन! थाअ कालक वाद दमसर अयन घन यद्दवि
गेलहूँ । गामम दमना दखिगहू माअक हाल वहाल छल । अ
दमना रनि याँज यकाँ ललक । जान-जानसँ कानअ लागलि ।
कगवा वूमवाक ग्रयास कनिअक अ सनव नदि कनअ । खाली अव
वजिगअ-

"आव कगहू न ऊर्वे न वावू! आव कगहू नहि।"

किछू वूमव नदि कनअ अ आखिन अ की कहि नहल अछि?

यनसानीम गँ सर(गोट छल । हमना जहल चलि (गलाक वाद घनम कडा अक्का नागि वेनसँ नहि सूगि सकल । मूदा आव गँ हम आवि गेलहुँ । अक विंगा कथिक?

वावू जना -गना माअकँ सञ्चनलथि । हमसर घन यहुँचलहुँ । माअ रानसँ रानक निग्यासम लागल छल । हम जदीसँ नान-धान कलाक वाद रनसा घनम माअ लग यहुँचलहुँ । माअ हमन प्रीऊ कअ नहल छलीह । वावू सह आगहि नहथि । वहुग दिनक वाद हम वावूक संग-संग रानन कलहुँ । माअक हाथक वनाडाल रानन, अक दिनक वाद खा नहल छलहुँ । लगेग छल जना सअः ँङ्खलाकम यहुँचि गेल छी । हमसर खाळंग नहलहुँ, माअ यनसेग नहल । कगवा मना कनिअक, माअ मानव नहि कनअ ।

"आव कनीका जगह नहि वाँचल अछि । आव अखन नहअ दही । रुन वादम खाअव ।"

वावू सह अहि वागक समर्थन कलाह । हमसर रानन कअ वहनिआ का०नीम चोकीयन वेस गेलहुँ । माअ सह आगहि आवि गेल । गावगम अकटा जीय आवि कअ हमन दनवाजायन ०।७ दखंग अछि ।

8

जीयसँ चानिटा मूअंत उपनेग अछि । सास हमन दनवाजायन आवि जाळंग अछि । हमसर जीयक अवाज सुनि कअ वाहन दखंग छी आ मूअंतसरकँ असानायन वेसल दखि चकिग छी, उनाळंग छी

। हमसर किछु वजिगद्धँ गहिंसँ यद्विनदि उद्विम सँ अकटा मृच्छंउ वजोग अछि-

"नगाजी हमनासरकँ य0उलाह अछि । जहलक वानम कगद् चर्वा नदि कनवाक छेक । ककना किछु नदि कहवाक छेक । ऊँ स सर कनवह गँ रहन गूँ जानह ।"

आवा वाजि उा सर उासानायनसँ उगनि गेल । दखिग-दखिग जीयम सवान र७ गेल । जीय गजीसँ आगू वरिठि गेल । हम आ वावू वूमि७ नदि सकलिउेक ज र७ की नहल छेक? ऊयनसँ मृच्छंउसरक वग७-वानि दखि माथा काज कनाळ् वंद क७ दलक । हमसर उाकनसरक वाग सनेग नहलहँ । मूदा किछु जवाव नदि द७ सकलहँ । वावू गँ वद्धग उनि गेल नहथि । उाही समयम मा७ रनसा घनसँ वाहन आ७लि । सरकँ अना गुम्म दखि छगुक्काम यति गेलि ।

"वाग की छेक? गूँ सर अना यनसान कि७क छह? "

वावू की वजिगथि? हनि ज ऊँ सही-सही कहि दवेक गँ कहीं घव७ न जाथि । आक मासकिलसँ हम जहलसँ छटि क७ आ७ल छी । रहन उा७ह मंमटिसर सामनम दखा नहल छलनि

"ळ् नगाजी नीक लाक नदि अछि ।"

"वृथ नहू। कउा नगाजी लग च्गली क७ दग गँ जान वँवनाळ् मासकिल र७ जा७ग ।"

"मूदा अना उना७ल हमसर कगक दिन नदि सकोग छी? ञ्हा काना जीवन थिक?"

"हमसर गम छाति दी । कगद् वाहन नही । कम सँ कम जान

गँ वाँचा । शगिसँ जीव गँ ।"

ळी वाग सूनि ह्मना दह्म आगि रूकि दलक । ह्म विचिआ उ०ग छी-

"कडा काहू नहि जाअग । ह्म अखन मनि नहि गेलहूँ अछि । नगाजीक राथ खनाव रअ गेल छैक ।"

"राथ गँ ह्मनसरक खनाव लगैग अछि ।"-वावू वजलाह ।

वहूँ मासकिलसँ अकमासक वाद जहलसँ छूटि कअ ह्म अयन घन वायस आअल नही । यगा नहि वावू अहि लल काक प्रयास कलथि । ककना-ककना न खूसामद कलनि। कना-न-कना टाकाक जागान कलनि । काक उभूकासँ माअ ह्मन स्याग कन छलि । मूदा ङी प्रसन्नगा वसी काल नहि नहि सकल । जीयसँ आअल उहि मूँउ सरकँ दखि कअ ह्मसर विषादअरु रअ गेलहूँ। माअ आ वावू गँ उन वोक रअ गेलथि। मूदा ह्मना नहल नहि जाअ । आकाशसँ दह्म आगि लागि गेल छल । नगाजी ह्द यान कअ चूकल छल ।

"अहि यान की उहि यान" -ह्म मान-मान साचलहूँ । नागिम जखन ह्मन माअ-वावू सगल नहथि ह्म चूयवाय घन छाति दलहूँ । अह्यानम येन-येन शक्तिनाथक उहि०म यहूँचि गेलहूँ । शक्तिनाथक घन ह्मन गाम सगटालसँ सटल मदनयूनम नहैक । जहलम किछदिन उा ह्मना संग नहअ । उाकना नगाजी हूँसा दन नहैक । मूदा उाकन यनिवानक लाकसर वसी ह्वासगन छल । गँ उाकन जमानगि यहिन रअ गेलैक । गहिआसँ उा गाम यन छल । काहू वाहन नहि गेल । ह्म जहलसँ छूटि गाम वायस आवि गेलहूँ स

जानकारी आकरा नहि नहेक । अचानक नागिम हमना अयन
आसानायन ओरु देखि शक्तिनाथ उना गेल । असलम आ लघी
कनवाक हनु उओल छल । आसानायन चौकीयन सुल नहे ।
वायस आवि यओल छल कि हम देखलिअक । अहान नहेवाक
कानधे आ हमना नहि चिहि सकल । आ चिकनवाक प्रयासम छल
कि हम रूसरूसलहँ-

"हम छी अंकुना "

"आ नागि कओ असगन? वाग की छेक? "

"वाग की नहेके । छी नगाजी जीनाळ मासकिल कओ दन अछि। "

"स की?"

"स काना गाना नहि वूमल छह?"

"अखन की रलेक आ नागिम गाना आवओ यओलह?"

"की कहिअह? वहुन मासकिलसँ उमाना रल । कानवाद गाम
वायस आवल छलहँ की नगाजीक मरुंत.. "

हम अगव वाजल छलहँ की आ वाग लाकि ललका

"आ! गँ आ चानू मरुंत गाना आओ गेल छलह?"

"हँ । "

"आ गँ हमनासरकँ दस हजार रुझागि कओ गेलाओ । वूमव नहि
कनेओ अछि आ अकनासँ काना यान यावी?"

"अकटा काज कनहा "

"की?"

"दनु(गोट शक्तियूनम चलेग छी । साम नगाजीसँ गथ कनी ।
युक्तिअक आ आ की चाहेग अछि?"

"ठा अक आसान लाक व्माळंग छह?"

"मूदा अना उनाळंग नदलासँ गँ किछु हावअ वला अछि नहि?"

"गखन अ कहहा।"

"दूनु(गाठ) शक्तिपूनम चली। उगहि वाग रुनिछाअ।"

गकनवाद हम आ शक्तिनाथ किछुकाल गय-सय कनेग नदलहँ।
रुनीच रअ (गल) छल। ज्ञान-धान कलहँ। किछु जलखे कलहँ
आ शक्तिपूनमक हगु विदा रअ (गलहँ)।

9

नव सलाहकानमंतलक ग0न रअ (गलेक)। नाथप्रमुख चूनि लल
(गल)। सरक शयथग्रहद शक्तिपूनमक नगनरदनम रला। नगनरदन
दर्शकसँ खवाखच रनल नहअ। कार्यक्रम शुनु हाअअसँ यद्दिन
नसनचोकी वाजि नदल छल। नगनरदन शक्तिपूनमक चानूकाग मंठा
रुहना नदल छल। पार्टीक कार्यकर्तासर विजयाभ्मादम नहि-नहि
कअ ँनकिलाव-जिंदावादक नाना लगा नदल छलाह। मूदा
भाजीक कगह अगा-याग नहि छला अ छकि अयना-आयकँ
नाथप्रमुख वनवाक सयना दसि नदल छलाह,अ चूनाठा जिगवाक
हगु अयनहि मंचयन वम विश्वाट कनवा चूकल छलाह,आउन कहि
नहि की-की कअ चूकल छलाह, स अहि महद्वयूर्ध यनिदृथसँ लाया
छलाह। काना नामा निसान नहि। अयना रनि ठा वहग प्रयास
कलथि। अलाकमान ज्ञाना नियूक यर्यवजककँ जवी रनि दलथि।

उद्दिष्टाँ उा शक्तिरूपम अञ्जलि, गद्दिष्टाँ यं वसिष्ठाना दारुणम
 नगाजीक आवागमन द्वाङ्ग नद्वेग छल । मूदा कद्वी छेक उखन
 राथ प्रगिकूल द्वाङ्ग छेक गखन किछ् जागान काज नदि कनेग
 छेका।

कद्वे ज अक कलाक वाद्य नगाजीक राथ किअक साथ नदि
 दलकनि? गकन की कद्वल जाअ? समय द्वाग दलवाना उखन मनुस्मक
 समय प्रगिकूल रअ जाङ्ग अछि गखन कावा किछ् कनूसर किछ्
 उरु रल चल जाङ्ग अछि। जना नधरूमिम कर्धक यद्दिआ धसलनि
 गँ धसिग चलि गलनि । ब्रह्मास्त्र काज कनाञ्छ वंद कअ दलकनि ।
 यनसूनामक ध्राय सक्रिय रअ गल । उनवासा द्वा उरु वद्वअ
 लागल आ निद्वछा कर्धयन अर्जन सन नीगिक्रुशल याद्व कृषूक वाग
 मानि शरु चला दलनि । कर्ध मानल गलाद । सअद छल रात्री।
 गद्दिना नगाजीक समय चलि नद्वल छल । कना-न-कना उाकन
 प्रगिद्वंदीसर कद्वीय यर्यव्रजकक संग द्वाङ्ग उाकन गथ-सथ आ
 आदान-प्रदानक रीतिउा वना ललक आ उाकना अलाकमान लग
 यद्द्वेवा दलक । गकन वाद गँ ज रल स की कद्वल जाअ?

नागिअ रनिम कद्वीय यर्यव्रजक वदलि दल गल । द्द्वनका ज्ञाना
 वनाउाल गल सलाद्वकानसरक सूचीक दावाना समीउा कअल गल
 । गकन वाद केक(गोरक नाम कटल, किद्व(गोरक नाम जअल ।
 शयथग्रद्वक समय सद्द वदलि दल गल । यद्दिन चानि वज साँमक
 समय निर्धानि कअल गल छल । गकन वाद अगानद्व वज दिनक
 समय निर्धानि कअल गल । दावाना वनल सूचीक जानकानी ककना
 नदि लागि सकलेक । उखन नगनरुवन्म शयथग्रद्वक द्द्वगु

राजीसलाहकानसर अयन-अयन स्नानश्रद्धा कलधि, गखनदि लाक वूमि सकल ज क सलाहकान वनि नहल छथि आ किनकान नाम छटि गेलनि । नगाजी अयन स्नान कगहू नदि दखि चाइ नगनरवनसँ घनि (गलाह) अयन उना यहुँचलाह । रनियाख दानू यिलाह आ सूगि नहलाह ।

हमसर शक्तिपूनम साम नगाजीक उदिम यहुँचलहुँ । नगाजीक घनक (गट वंद नहेक । शक्तिनाथ घंटी वजडालक । काना प्रगिउफन नदि ररलेक । हम द्रुनू(गोट कवान लग 01७ नदि गेलहुँ । रल ज कवान आव खूजा गाव । याँच मिनट धनि उदिना 01७ नदि गेलहुँ । शक्तिनाथ रुनसँ घंटी वजा दलाह । अदि वन धनाकसँ कवान खूजल । मूदा कवान खालनिहान नगाजी नदि अयिगु संदीय छल । संदीय हमना दखिगदि सकयका गेल । शक्तिनाथकँ सह उा जनेग छल । हमना किछ नदि कहि उा शक्तिनाथ दिस मूखागि व रल-

"की वाग?"

"वाग की नहनेक? नगाजी कहाँ अछि?"

"कहि नदि? मूदा वाग की छेक?"

"यूछेग छिअह स कहिग नदि छह आ अंट-वंट वजन जा नहल छह ।"

"की यूछेग छह?"

"न! नगाजी कहाँ अछि, स रुनिछा कअ कहह ।"

"कगहू गेल छथि ।"

शशिकान्कँ संदीयक वागयन विश्वास नदि रलेक । उा अकदि

सटकाम संदीयकँ यादू कलक आ क्लेटम अंदन चलि गला नगाजीक कवान खूजल छल । उा उाछाउानयन वहास यउल छलाह । कगह काना श्व नहि । नगाजीकँ ह्मना लाकनिक आगमनसँ काना क्रिया-प्रतिक्रिया द्वाङ्ग नहि देखलिअनि ।

नगाजीकँ अंदन देखि शक्तिनाथकँ संदीययन वती जानसँ गामस रूलेक । उा चाइ संदीय दिस घूमल आ धउल चमटा संदीयकँ लगा दलका अनचाक लागल अहि चारसँ संदीय 01महि खसला । संदीय वहा अयमानि महुसूस कउ नहल छल । मूदा कनिगउ की? उा जना-पना उ0ल , अयन का0नी गल आ कवान वंद कउ ललका

10

गकन वाद कगवा प्रयास कलिअक, संदीय कवान नहि खाललक । ह्म दूनू(गार नगाजीक का0नीक आगू कवानसँ सटल 01ह नहि गलहँ । नगाजी यीन वृफ यउल छलाह । दूनका काना वागक काना असन नहि रूलनि । क आउल,क गल,काना मगलव नहि । उाहन समयम शक्तिनाथ वाजल-

"अह मोका अछि, अकन नन0ी दावि दी आ निकल जाअ ।"

"खवनदान! अहन वाग रुन नहि वजिअह । अी नगाजीक घन अछि । कगउ कान यंग लगउान द्वाङ्ग गकन कान (0कान? सीसीटीरीक केमना गँ सामनम लागल अछि । अहन हालगम ह्मसर खा-मखा मासकिलम यीउ सकैग छी ।"

"गखन कनी की? ह्मसर अगउ ऊँ रनिउा नागि 01ह नहि जाअव

गँ की दाग? "

"दखरुक । कानून अयना हाथम नहि लवाक छैक । नगाजी गँ अकटा मुखौटा अछि । ऊँ अकना मानिअ दवरुक गँ अकना सन-सन दसटा नगा उगयन्न रउ जगह । समया विचानक छैक । अकन सरक आसनी प्रवृत्ति समाज, नायू, कानून, सविधान सरयन रानी यति नहल छैका अहन वाग नहि छैक ज हमना-गानासँ यद्विन रूी वाग सर ककना अखनलेक नहि, कडा गकन निदान कनवाक प्रयास कलकैक नहि, मूदा उद्वसर अंगगगना, अकन सरक सामिल रउ गेल । रग विलासक लालसा रानी यल्लैक । यद, मान-सम्मान ककना नहि चाही? सरटा आदर्शवाद नफम गुगिआ गल्लैका "

"गखन कनी की स न कहरु? हमसर अदिम आअल छी की कनरु? आ कउ की नहल छी? "

"धेर्य नाखरु न? हालग दखिउ कउ आगू वडवाक चाही । गखन लकुक प्राप्ति रउ सकैग अछि । "

"गखन?"

"गखन की। रूी काना अंगिम नागि नहि छैक । काश्चि रुन रान हगैक । नव दिन अउगैक । हमसर साचि-विचानि कउ निर्धय लव आ अदथ लव । "

"अखन की कनी?"

"गानाम रूअरु गउवती छरु । नाजनीगि काना दकानयन नाखल गुलावजामून नहि छैक ज मूहम धनिग स्याद लागउ लागग । अगउ सालक-साल संघर्ष उनूनी छैक । रिलदाल हमसर अदि वेसी,

दखिअ गँ ज वाग की छेक? नगाजी अना वदास किअक यल अछि?"

"ठीक छेक । "

हम द्रनूगोट आदि वेसि गेलहुँ । नगाजी अदिना यल नहलाह । थोउ कालक वाद संदीयक का०नीम किछ खसून-रूसून रखेक । कडा नहू-नहू वगिआ नहल छल । कहवाक मान ज संदीय अदि का०नीम असगन नहि छल । हम द्रनूगोट कवानम कान सटा देग छी । रीगन कम सँ कम दूगोट गँ अछिअ

शक्तिनाथक मूची दखअ वला छेक । आ वाजि उ०ग अछि-"ळी गँ काना महिलाक सन लागि नहल अछि । "

हम अकना ँसानासँ चूथ नहवाक हग कहैग छी । हम द्रनूगोट अदिना कान लगडान सनेग नहि जाळग छी । अवाज गँ दाळग छेक, मूया गक नहू-नहू ज केकवन अर्थ लगाअव भासकिल व्साळग अछि । अगवम लागल अना किछ जानसँ खसलेक । संरक्षण काँचक काना वरू नहल हगेक । लगलेक अना चून-चून रअ गलेका गकनवाद अदि का०नीसँ किछ अवाज नहि आअल । संरक्षण आ सर सृगि नहला

"आव की कनी?"

"रून आअह वाग? नागिआ रनि गँ वेनसँ नहि नहि सकैग छह । ँली वागक धान नाखह ज हमसर नगाजीक घनम छी । वाहन की रअ नहल अछि गकन कान (०कान? जँ अदि हालगम वाहन निकाललहुँ आ यकअल गेलहुँ गखन?"

-नवीन्द्र नानायध मिश्र, यिणाक नाम: स्वर्गीय सूर्य नानायध मिश्र,
 माणाक नाम: स्वर्गीया दयाकाशी देवी, व७स: ६६ वर्ष, यैगृक ग्राम:
 अ७न जीह, माणूक: सिधिया आठी, वृगि: रानग सनकानक उय
 सचिव (सवानिवृफ), यथल मद्रायालिटन मजिस्ट्रट,
 दिल्ली(सवानिवृफ), शिजा: चडधानी मिथिला महाविद्यालयसँ वी.७स-
 सी. रोगिक विहानम प्रगिष्ठा : दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि शाणक,
 प्रकाशिन कृगि: मेथिलीम: प्रकाशन वर्ष:२०११ १.रानसँ साँम धनि
 (आग्न कथा),२. प्रसंगवश (निर्वंध), ३.स्वर्ग आदि अछि (यात्रा
 प्रसंग); प्रकाशन वर्ष:२०१६ ४. रुसाद (कथा संग्रह) ७. नमस्को
 (उयद्यास) ६. विविध प्रसंग (निर्वंध) १.महनाज(उयद्यास)
 ६.लजकारन(उयद्यास); प्रकाशन वर्ष:२०१६ ६.सीमाक आदि
 यान(उयद्यास)१०.समाधान(निर्वंध संग्रह) ११.माणूरूमि(उयद्यास)
 १२.स्वप्नलाक(उयद्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२० १३.शंखनाद(उयद्यास)
 १४.ॐ७ह थिक जीवन(संमनध)१७.ढहोण देवाल(उयद्यास); प्रकाशन
 वर्ष:२०२१ १६.याथय(संमनध) ११.हम आवि नहल छी(उयद्यास)
 १६.प्रलयक यनाग(उयद्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२२ १६.वीगि (गल
 समय(उयद्यास) २०.प्रगिविध(उयद्यास) २१.वदलि नहल अछि
 सरकिह(उयद्यास) २२.नाष्ट्र मँदिन(उयद्यास) २३.संयाग(कथा
 संग्रह) २४.नाचि नहल छलि वस्धा(उयद्यास) २७.दीय जनेग नह७
 (उयद्यास)।

३. यद्य सधु

३.१. जगदीश चड्डा ठाकुर 'अनिल'- ढूँजाग

३.२. वावा वैद्यनाथ- गजल

३.२. नाज किशान मिश्र-जनमोटी नना

३.१. जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'- ब्रह्मज्ञान



अगदीश चड्ढा ओकून 'अनिल'

बूजा

नदि रुकलक आकनायन गजाव

नदि लागलक गनदनिम रूसनी

नदि कलक आकना ल'क'

काहू रागि अवाक दूझारूस

ठीकसँ सूनलक

अकन अक-अकटा आखन

अकना स्नानयन अयन वहिनकां नाखि साचलक

अकन यिगाक स्नानयन

अयन यिगाकां नाखि साचलक

मान-मान उमा क' दलक नीगाकां

उमा मांगि ललक अकन यिगासाँ

दून र' गले दूविधा

हरि गल अकन वारसाँ

नहि कलक काना ब्रधधान

अकन जीवन-याग्राम

याछि ललक अयन आँखिक नान

मूदा कना गले अछि दिन

अहिया यगा चलले

नीगाक यगि नहि वाँचि सकलारु उकूवा विमानीसाँ

अहि दिन नीगाक लल उमाँ अले कनुधा

०नि ललक मानम

आरु नहि कनग कगद् वियाद्

र्येगालीस वनखक नाघद

कनग समर्यिग अयन जीवन

नीगा अरुन लाकक

अम्भिकाक नआक लल

नाघद कनेग नरुग नीगासँ प्रम

विना काना सम्यककन

विना कनेग अमाद्य प्रदश

आकन जीवनम

नाघद नहि कनग आकन दखाउँस

ऊ लगा लेग अछि अथवा लगा देग अछि

गनदनिम रूसनी

नाघद कनग आकन दखाउँस

ऊ माटि-यानि लल जीवेग अछि,

दश-दूनियाँ लल मनेग अछि

नाघन जानि (गल अछि

जीवन नहि दखल छैक

अयन सूखक जागान कनवाक लल

काहू यक' बियाह कनवाक लल

नाघन जानि (गल अछि

झीक दह नहि दखल छैक

दूर्यवहान कनवाक लल

झीक दह दखल छैक

संस्कृतिक नजा कनेग दूलान कनवाक लल

अथवा हाथ अयन जानि नमस्कान कनवाक लल !

अयन मंगद्य editorial .staff .vi deha@gmail .comयन

य०।३।

३.२.वावा वैशनाथ- गजल



वावा वैशनाथ

गजल

2 1 2 . 2 1 2 2 1 2 2

आधान"दाचिकवाला छद्म" --

कार्हिया"अण" -

नदीरु"शूण्य" --

काज ससनग गखन लाक विसनग।

दखगदि दूनम नीच घसकाग।

नीक मिप्रक जखन संग नाखी,
दूखम आ समाधान आनाग।

जदि समया यग येघ कहिया,
दग सर आविकँ वस नसीहग।

लाक अस्त्रसु दखग कहग आ,
लीखि दवाक चाही वसीयग।

शील थिक सर मनूज कन गहना,
अक वानन मूहँ यान (भारण?)

दूष्ट जखनदि रूसग रुनम आ
आनकँ संगम आ लयरग।

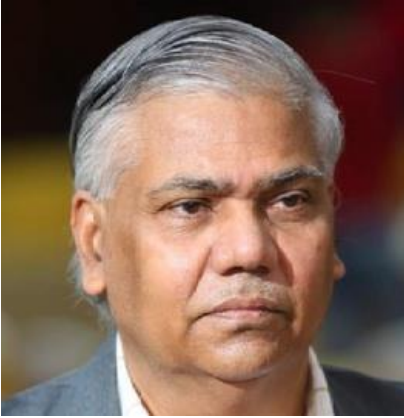
नीक वाग अहाँ यूछि दखू,
लाक वसी नहग आ असहमाग।

अछि सहज रगवणी कन यूजा,
धूय ली दूवि जल रूल अजाग।

-वावा वेद्यनाथ, यूईर्याँ(वव्हान)

अयन मंअद्य edi tori al .st aff .vi deha@gmai l .comअयन
य0131

3.2.नाज कव(भान मवध्र-ऊनमोटी नना



नाज कव(भानमवध्र, नवरायठुं चौरु ऊननल मैनऊन (००1),
वी.अस.ऊन.ऊल.(मूध्रालय), ववली,गाम- अन्नन तीह, या. अन्नन
ह्वार, मध्रवनी

उन्मोटी बना

'ह नवजा ग! ह शि शु नवा गग!
द्रनि आ कs नरुल अछि झा गग।

सूनि धा सँ संयन्न अछि वसूधा ,
चढव गा गी , उग उग नरुया न,

असी , ही टन, कथ्यूटन,
कयग -लफा , नव-नव यनि धा ना

नवजगक दखव चका चा इ,
दखव नि झा नक चमफा न,
मूदा , यऊया ग नहि (गले) अखना ,
ककन, जग यन ,वसी अधि का न?

नवल गकनी क ,नवका नि चा न,
अही सँ वना अरुँक संघा ना

यनअ, आना की सर लs कs,
अछि रs नरुल अरुँ क झा गग?
यहि ल साँ स ,ऊ ललरुँ अछि अरुँ ,
सँघु ना य , प्रदूषि ग ला गग ।

नो द नूका अल नद्वेछ रा न सँ,
प्रदूषध सँ वनल (धा श्रि म,
वमा न वसा ग अछि वहि नद्वल ,
गँ, नदि आ रा गल सा श्रि मा

ळी यी ठी की सर सनस म,
अछि जा गअठान अहाँ क लल?
दग वि षद्ग, खलठाना सर,
खला अव अहाँँ जा हि सँ खला

अनयना सन ,जखन द्वा अग,
आ, खा अव अन्न ,खा द यन उयजल,
अहाँँँ कद्व, (धा नि ठका न उठि गल,
नी क सँ नदि रा जन यऽचला

या नि क द्वा ल गऽ वद्वा ल अछि ,
नी न दूषि ग छे ,ला क यि आसल ,
वनखा -वृद्धी नि जगुग नदि अँ,
यहँचल गल कँ या नि , नसा गला

गा छ -वि नि छ सर कटल जा ङ्ग अछि ,
ला गल जा ङ्ग कंकी टक 'जंगल,

प्रकृति का संयदा मनुख लूटिंग अछि ,
रुस नरुल अछि , दूह म दंगला

यमनि आ ना चग, सा हन गा उग,
श्रेष्ठ दगा ह , आशी ष छि टि अजा,
ला क -कृग प्रदूषि ग, हना -या नि ,
अ नि षा क रुस, अन्दा क रजाग

प्रा कृति क संयदा ना चि -ना चि कस
नखन छथि , ज सर उयहा न,
अह्ँ क की दा ष? नना गन्क!
प्रदूषक ररग , खा लव ज यटा ना

सिं गा न कल जा अग अहाँ क,
मूदा , चर्ष कना का ना नसा यन,
रूल -याँ खी हना गल सर,
अछि वचल, वस कृति म उया यना

काक जगक गनदा सर जमल,
समा जक दृष्टि का ध यन,
कृयनयना , कृनी गि काका
वेसल अछि अखना , मा न यना

ना कनी -चा कनी , रऽ नहल का० न
कृषि , द्या या न म काका वा धा ,

शग -शग क अंध नवा ज काक,
अखना गऽ वचल अछि आधा ।

घन -दा आन गि नहकी , यनि दा न,
उ०। वऽ यऽग, रवि थ म रा ना

उग-उग यन , अछि प्रगि यद्धा ,
ना खव अहाँ , का शि थ यन , श्रद्धा ।

का० न रल जा ळग अछि जि नगी ,
का महन ज० , आ का महन, रूनगी ,

ज० समथा क अछि जनसंथा ,
दि न -दि न वऽल जा ळ्छ चूनी ती ,

नून सा च, नव-नव आया म,
काक दि न वूनव, मो नी -यो ती ?

वऽल अछि कयट, प्रवंचना ,
अदि सर सँ रँट द्य ञग,

नव यी ठी सँ उमद छै,
अंधवि श्वा स -कलंक क , (वा अग)

दूला न गs ह्य अग मूदा ,
ओयवा नि कगा वसी ,
मि मना (गल छै नव संवृति म,
गा कव, संवृति अयन दसी ।

अखन, ऊयन सँ सि टल -सा टल,
मूदा री गन, दि वा ७ सँ छै चा टला

जअह सर छै, अहि यी ठी कँ,
वअह सर , अहँ क ररग उयहा न,
रूल -या न क वदला म,
टाँ री -काँ री सँ ह्य अग सका ना

नहँ-नहँ, कमि नदल छै,
रा वना क मा ल,

असल म गs नखा -ताँ ७,
आही सँ , सरदक गा ला

सी खि जा एव अद्दुँं सरटा ,
जुह दखवे, वहुह गs सी खव,
नि मील मा नक सि लट यन,
दखि -दखि उँहु सर ली खवा ।

चक्रुआँ नहल छल चा नू दि स,
की गा कि नहल छल चि झका ?
मूदा , अखन उा की जा न गलेक,
की छलेक धना हनि , यहि लूका ?

अयन मंअद्य edi tori al .st aff .vi deha@gmai l .comअयन
य0131

4.Dr. Deepesh Kumar Thakur- Understanding
Convergence: Comprehending Medical Humanities as
a Literary Genre

4. Dr. Deepesh Kumar Thakur- Understanding
Convergence: Comprehending Medical Humanities as
a Literary Genre



Dr. Deepesh Kumar Thakur

Understanding Convergence: Comprehending Medical Humanities as a Literary Genre

ABSTRACT: -

Discourses concerned with human health and well-being are emerging in the domain of literary studies. The field is generally termed as 'Medical Humanities'. Medical Humanities is an interesting field of study which takes into consideration the humanities, social sciences, art, literature, creative writing, music, philosophy, etc. in order to study and understand ideas related to medical science. Literature and medical science is an interesting branch of study which not only incorporates the ideas of medical science in

literature but also promotes many interdisciplinary genres. This field is emerging as a new genre in literature which is now considered to be a seminal discourse. Rather than merely speaking about the notions of disease and illness with a medical jargon, Medical Humanities takes within its ambit a wider socio-cultural perspective on health and disease, moral compass of the patient-doctor relationship and experiences thereby making the readers aware of the complexities, and promoting empathy in the mind of readers. This approach put forward by Medical Humanities bolsters the reader's ability to understand the plight of people undergoing the crisis. Most importantly, it enables the reader to suspend his notion of reality and enter into the reality of other characters, thereby promoting moral sensibilities. The main objective of this paper is to understand how medicine and literature confluences together to form a hybrid genre. This paper shall take into account and deal with some important aspects of Medical Humanities taking reference from literary texts.

Keywords: Humanities, Interdisciplinary, Literature, Medical, Medicine.

Introduction:

The status of literature and literary studies are changing day by day. With the advent of literary theories and inclusion of various ideas of the society within the spectrum of literary texts, a slow but sure paradigmatic shift is observed in the literary scenario. Particularly with the rise of ideas such as 'postmodernism', 'post-structuralism' and 'post-humanism', literature is now trying to encompass many facets of life within the canvas of literature. Since literature and literary departments are a part of the 'Humanities' department at large, any and every aspect of the 'humanity' finds a way in the literary texts. This dominance of the 'post' in academia has abilities to give rise to the notion of 'post-literature' in the literary scenario. Post-literature as a concept and theory which is yet to spread its wings in the academic domains is already undergoing germination at the present times. Interdisciplinary and multidisciplinary

approaches in the field of academics have the solid potential to give rise to this new branch of academic studies. As the cliché goes on, "Literature mirrors the society" or "Literature reflects society, social actions and behavior", therefore it soaks ideas from sociology, psychology, medical sciences, technology, environmental sciences, physical and chemical sciences, life sciences, so on and so forth. However, literature has a way to deal with such issues in a rather succinct manner. The portrayal of such matters are different from the portrayal in their absolute fields of study. However, the matter of fact cannot be denied that literature is now all encompassing. It was C.P. Snow who in 'The Two Cultures' (during 1959 Rede Lecture) made some interesting observations on two cultures—science and humanities, indicating the increasing friction between the two and the importance of bridging them for the progress of the society. Snow, who was a scientist as well as a literary enthusiast, saw the importance of bringing these two fields together for the cause of advancement

of both. Keeping this in view literature in the contemporary scenario has produced works which try to bridge the gap between the sciences and the humanities. The Science fiction- Sci-fi for example is an interesting take in this field. Sci-fi presents the readers a world where aliens, non-human characters and extraterrestrial creatures are a part of the narrative. Though the setting of these works may be an alternative world, but the plot centers on science and technology to a large extent. They are inspired by the natural sciences like physics, chemistry and astronomy or take its ideas from psychology, anthropology and medical sciences. Most importantly, sci-fi brings together ideas from science and incorporates them in the literary narratives.

Discussion:

Discourses concerned with human health and well-being are emerging in the domain of literary studies. The field is generally termed as 'Medical Humanities'. Medical Humanities is an interesting field of study which takes into consideration the humanities, social sciences, art, literature,

creative writing, music, philosophy, etc. in order to study and understand ideas related to medical science. Literature and medical science is an interesting branch of study which not only incorporates the ideas of medical science in literature but also promotes the following:

- Heightens awareness by bringing issues of medical science in focus.
- Brings stories of patients undergoing severe crisis and writing about their experience.
- Creates critical thinking and promote empathetic awareness about various moral issues in relation to medical practice.

The term Medical Humanities was coined by historian George Sarton and Frances Seigel in their obituary of science historian Edmund Andrews which was published in 1948. Medical Humanities is a highly interdisciplinary branch of study and field that encompasses and embraces the study of medicine through the lens of literature, history, philosophy and other social sciences and subjects of the humanities field. It takes an account of medicine, health, well-being,

applied medicine and bioethics. Medical Humanities as a method was primarily deployed by practitioners of medical sciences to teach their students and train them regarding the subjective experiences of patients within the objective world and scientific world of medicine. The main and original aim of Medical Humanities is therefore to instill humanistic values in medical practitioners by relying on the ethics of humanity. As Bleakley observes, "medical humanities attempt the democratizing of medicine shifting medical practices from an authority-led hierarchy that is doctor-centered to patient-centered and interprofessional clinical testing process (Bleakley 2).

'Medical Humanities' as Douglas Robinson mentions in his book *Translationality: Essays in the Translation-Medical Humanities* (2017) is an act of 'translationality'. For the scholars dealing with 'translation' in general, translation is the art of transferring textual features from one form to another. But in general sense, translationally can be considered as any form of

transformation, transference and conveyance from one place to another. Translationality is the process by which things and events change in a due course of time, the process of evolution of old regimes and systems along with the inclusion of new set of laws and principles, the incorporation of something new in the existing norm and the emergence of a newer concept. Thus, translationality includes the old and the new which gives rise to novel and innovative designs, bringing in newer forms of knowledge in the existing system. The incorporation of something new in the system is the transition and change occurring in the existing pattern.

Translation is not just the art of changing one form of language to another and expressing what has already been expressed. It extends beyond the general idea of change of language groups and narrating something in some different languages. The Merriam-Webster Dictionary observes 'translation' as "a change to a different substance, form or appearance" and also states that translation is "a transformation in which

new axes are parallel to the old ones." Translationality in the existing corpus of study therefore is the inclusion of psychology and psychological analysis of characters and patients within the existing spectrum of literary studies. This is how Medical Humanities work which brings together aspects of literature and medical studies together on a same plane. In this way, translation gives a new form and appearance by changing the existing form of study. Literature and Psychology is the form of study which draws from psychology into literature and incorporates medical sciences into the humanities thus forming a branch of Medical Humanities (MH) as a field of study. Translationality is thus a change, a force and an impact of one form of study influencing the other. There have been various attempts to bridge the gap between medical science, health care and humanities because of which many other disciplines are merging together in the same platform giving it an interdisciplinary form and coming up with new areas of study.

Medical Humanities is thus an interdisciplinary

and multidisciplinary field that deals with concepts drawn from the medical sciences finding a way to literature. Cole and Carson observes, "Medical Humanities is an inter- and multidisciplinary field that explores contexts, experiences and critical conceptual issues in medicine and health care, while supporting professional identity." Klugman also observes in this regard, "Medical Humanities is an interdisciplinary field concerned with understanding the human condition of health and illness in order to create knowledgeable and sensitive health care providers, patients and family caregivers."

The interdisciplinary study of Medical Humanities is variously defined. Brian Dolan in his book *Humanitas: Readings in the Development of the Medical Humanities* (2015) states the importance of Medical Humanities in medical education. For Dolan, "everyone teaching Medical Humanities in medical schools needs to answer repeatedly" (Dolan, x). In other words, Medical Humanities are a primary part of medical education in every

medical school. Every future medical professional needs to be 'humanized'- that is, taught to engage humanistically not only with patients but also with themselves as a whole. And when it comes to Medical Humanities as curricula keeping in mind the translational aspect of the study, it takes into purview medicine in literature, narrative medicine, disability studies, illness narratives and so on coupled with the humanities and social sciences background. Rather than merely speaking about the notions of disease and illness with a medical jargon, Medical Humanities takes within its ambit a wider socio-cultural perspective on health and disease, moral compass of the patient-doctor relationship and experiences thereby making the readers aware of the complexities, and promoting empathy in the mind of readers. This approach put forward by Medical Humanities bolsters the reader's ability to understand the plight of people undergoing the crisis. Most importantly, it enables the reader to suspend his notion of reality and enter into the reality of other characters, thereby promoting moral

sensibilities. The discipline of humanities- in this case, literature- promotes knowledge of the medical sciences through narratives. Rita Charon in *Narrative Medicine: Honouring the Stories of Illness* (2006) states about narrative medicine: If narratives are stories that have a teller, a listener, a time course, a plot, and a point, then narrative knowledge is what we naturally use to make sense of them. Narrative knowledge provides one person with a rich, resonant grasp of another person's situation as it unfolds in time, whether in such texts as novels, newspaper stories and movies, and scripture or in such life settings as courtrooms, battlefields, marriages, and illness (Charon 9).

Charon observes how narratives of this kind provide a rich knowledge and lucid understanding of complex matters through various narratives, such as, the novel, newspaper stories, movies and other forms of literary and visual narrative.

Charon's view on the necessity and importance of illness narratives promotes C.P. Snow's vision of bringing the two cultures together to promote

living by generating awareness in the minds of the readers. Therese Jones, Delese Wear and Lester D. Friedman in the Introduction to Health Humanities Reader (2014) states the importance of promoting subjects like that of the health humanities in today's world. The practice of carrying out an interdisciplinary approach like that of the health humanities is important because of the following reasons:

-Medical Humanities makes critical concepts of the medical sciences accessible and available to a wider audience. Concepts which were previously available solely among medical practitioners have now been incorporated into the humanities.

-By using plot, character and setting, Medical Humanities demonstrate how multidisciplinary perspectives can be adopted in exploring complex issues like disease, illness, health, disability, patient-doctor relationship and so on.

-Medical Humanities is thus a touchstone for both medical professionals and literary scholars since it ultimately aims at bridging the gap between the two fields of study.

-Ultimately, Medical Humanities aims at disseminating knowledge about concepts related to science and medicine by using various modes of narration, thereby promoting accessibility and empathy in the minds of the readers or audience. Arthur W Frank in the article titled 'Being a Good Story: The Humanities as Therapeutic Practice' published in The Health Humanities Reader (2014) state how the humanities have immense potential to bring forth the notions of abnormalities of the body through stories. Firstly, Medical Humanities have immense potential to tell good stories. This takes us to the next point. Medical Humanities not only help ill people to narrate stories about themselves but by telling stories about themselves, they also tell stories to their physicians, their loved ones and these stories become a part of the society. Medical Humanities thus looks into aspects of illness and disease by placing the affected individual at the center. But it does not neglect the people that remain associated with the person who is affected. The study of Medical Humanities

thus takes a larger canvas in consideration. Arthur W Frank observes that "stories are good because they are interesting. Illness can be an interesting story" (Frank 32). Frank also brings in an important aspect of understanding wherein he tries to establish the meaning of two words- 'Illness' and 'disease'- which forms an important base of this study. Illness as Frank states is an 'experience' whereas disease is a 'condition of the body'. Where disease can be reduced to biochemistry, illness includes biography and takes into consideration not only the affected individual but multiple relationships as well as institutions. This brings into consideration the involvement of 'others' in the scenario when it comes to managing illness and disease.

The study of Medical Humanities also foregrounds two matters-- the tension between the provision of treatment, and the offering of care. Frank states, "Treatment is provided as service; care is offered as a gift. Treatment can be expressed in monetary value; one can buy more attentive treatment but not true care" (Frank 34).

'Treatment' of a disease is thus more impersonal, more professional, more profit oriented. But, 'care' provided to overcome illness is not always professional. Further differences between treatment and care are outlined thus by Frank:

-Treatment is one dimensional. It is provided by one who has an insight in the field of medicine. Care on the other hand does not require medical insight. It can be provided by anyone and everyone. Care giving involves emotion as well.

-The treatment provider uses the body of the patient as an instrument to be operated upon. The caregiver on the other hand feels the suffering of the one who is cared for.

-Treatment providing has a subject-object demarcation. Providing treatment clearly demarcates the one who is providing treatment and the one who is treated upon. The patient can become the object of treatment in the hands of doctors or specialists. This is not same with that of the care givers. The boundary between the care giver and the patient gets dissolved because here, care givers and patients are both subjects since

the care giver is also emotionally attached to the patient's dilemma.

-In providing treatment, there is a power dynamic that works throughout the structure. Here, one party gains autonomy and exercises its power over the other. Whereas, on the other hand, care giving is endlessly sensitive and is asymmetrical to power dynamics. Here, both the patient and caregiver become one in undergoing loss and overcoming the same.

The human mind is one of the most complex substances in nature. The mind shapes not only the behaviour of an individual but also affects the society as a whole and thus, the human mind can be defined as the most complex circuit in the human body. Moreover, the human mind, even in the present era of scientific development remains largely unexplored, and medical science and psychiatry are working relentlessly to explore various facets of the mind. The National Institute of Mental Health (NIMH) estimates that almost 28.47% of the human population has issues when it comes to mental health as compared to other

health-related problems. The WHO is of the same opinion that mental health issues surpass other chronic diseases such as cardiovascular disease or cancer. Mental disorders are a part of the human condition. For over a century, psychologists have studied these conditions in terms of 'abnormal psychology'; while others have used the term 'psychopathology'. Abnormal psychology studies the disorders related to the mind, mostly in the clinical context which takes into consideration a wide range of psychological disorders like depression, personality disorders, mood disorders, bipolar disorders, Obsessive Compulsive Disorders (OCD) to name a few. Abnormal psychology looks into the atypical or unusual way the mind works or the factors which leads to the improper workings of the mind. Psychopathology on the other hand also takes into consideration the abnormal and improper workings of the mind. Like pathology which studies the nature of disease in the human body-causes, outcomes and the ways to deal with these shortcomings, psychopathology too studies the same in relation to the human mind.

Although both 'abnormal psychology' and 'psychopathology' has the same function and meaning, psychopathology is more sensitive and less stigmatizing term Both the terms takes into consideration the three components, generally known as the 3Ds:

-Dysfunction: It takes into consideration how the thought processes of human being are not at tune with reality and what are the factors that lead to this dysfunctionality. This dysfunction may be related to the breakdown of cognition, emotion or behavior of an individual.

-Distress or Impairment: Distress is the result of excessive suffering. Both abnormal psychology and psychopathology takes into consideration how prolonged stress can create a negative impact in the mind of the bearer. Excessive distress leads to impairment where an individual loses the capacity to perform in real life and undergoes a disabling condition in personal or social occupation.

-Deviance: The word 'abnormal' itself brings into focus the idea of deviance. This relates to the

idea that something is deviated from the 'normal' standard. Though the idea of the word 'normal' in itself is elusive, yet abnormal psychology and psychopathology studies how an individual undergoing mental illness deviates from the norm because of dysfunctionality, distress and impairment.

-Dangerousness: The DSMV has come up with a fourth D in relation to the 3Ds of abnormality. According to many psychologists and psychiatrists, patients undergoing abnormalities in the mind, can often show dangerous behavior which can come as a threat to the safety of others. This extends the notion that mental illness is confined only to the person undergoing the duress. It can hamper people in various degrees who are in relation to the one suffering. What is generally termed as 'madness' has been present in the human society since times immemorial. However, throughout history the reception of madness has undergone various changes. Though madness presents abnormality of thought and action, the idea of 'abnormal' is

permeable and contested. Since there are no parameters to judge the 'normal' therefore establishing what constitutes the abnormal is elusive. Like other diseases of the body, science cannot measure the degree of madness that an individual has. Andrew Scull in *Madness: A Very Short Introduction* (2011) observes that contemporary psychiatry and biochemistry can only state that parts of the brain are disfigured or there is "an excess or deficiency of certain neurotransmitters" (Scull 4) in the brain but arriving at a consensus on the actual range of abnormality is not possible. Scull states that there exist no PET scans or X-Rays or any laboratory tests to determine the status of 'being mad' within individuals. Though this dissertation relies heavily on Diagnostic and Statistical Manual (DSM-V) of the American Psychiatric Association, which is considered the Bible of psychiatric practice all across the world, even it has failed to define what constitutes the 'normal' and how the 'abnormal' deviates from the normal.

Over the years, people related to this field have also tried to figure out the idea whether madness is 'mental' or a 'physical' disability. Andrew Scull notes that two centuries ago William Lawrence, a renowned Bedlam doctor associated madness to problems in the brain. Like other diseases of the body which are related to specific organs, for instance indigestion and heartburn are related to the abdomen, cough and asthma to lungs, madness finds its relation to the brain. It is the brain and its dysfunctions that bring out madness. However, in the nineteenth century, it was argued that the aspect of madness is not only related to the brain but also to the overall composition of the body. The brain gets dysfunctional due to certain hereditary factors which are spread across the body, leading to an inferior and deformed brain, to madness and insanity. The twentieth century's research into madness claimed that it is not only associated with internal dysfunctionality within the body, but is equally affected by the external environment. This dissertation therefore takes

note of such factors-mental illness manifesting the body not only because of hereditary factors, but also because of the external environment.

Andrew Scull brings out an important observation when it comes to the diagnosis of mental illness and madness. He states that despite the advancements of psychiatric sciences, cognitive neuroscience and medical sciences in recent years, till date no breakthrough technology or inventions have come about, which could address these mental issues. Though medicines are known to provide temporary relief to existing conditions, madness and mental illness continues to persist in "multitude of forms" (Scull 6). This aspect of mental illness is evident in the novels undertaken for study of this dissertation. Though the characters exhibit abnormal symptoms, and in some cases, have to depend upon medical supervision, the abnormality persists, manifesting in sporadic bursts in various forms. The notion of mental illness was evidently divine during ancient times. From the Greeks, down to the Romans and the beginning of Christianity, it was

the general assumption that individuals became mad because they were possessed by the Devil or were cursed by God. Madness became a major trope in the Hebrew Bible as well as in the New Testament. Stories in the Hebrew Bible and the New Testament are replete with images and ideas of madness and insanity. However, Hippocrates and Galen of Pergamum pointed out the humanistic turn in this field. A paradigmatic shift was seen when both Hippocrates and Galen mentioned that the root of mental illness lies within the body and no supernatural forces have its control over the same. At the core of their findings was the theory that the human body is a composition of various elements, known as fluids which were constantly in interaction with each other and the imbalances in these fluids lead to various effect on the body and the mind.

Conclusion:

The human body, according to Galen was comprised of four basic elements: blood, phlegm, yellow bile and the black bile. Though every individual has a composition of all these four elements within the

system the proportions of these elements vary across people, which in turn give rise to different temperaments. And the key to good health is to maintain equilibrium among these body fluids. When an individual fell ill, it was the task of the medical practitioner to figure out which body fluid had become disproportionate and then use various therapies at his disposal to restore the balance of the fluids. It was Hippocrates and Galen who emphasized that the body is affected by the external environment in which an individual is situated. Though they emphasized on seasonal variations affecting the mind of an individual, they also focused on the role of the environment in maintaining a healthy life state.

Besides science and psychology, literature is one such field which has constantly been dealing with the problem of abnormal psychology since times immemorial. From the pages of Shakespeare to motion pictures, themes ranging from insanity, lunacy, psychosis to mental illness have been dealt with. Madness is something that frightens

and fascinates everybody. Michel Foucault in *Madness and Civilization: A History of Insanity in the Age of Reason* (1961) mentions, "On all sides, madness fascinates man" (Foucault 20). However, despite madness arresting our attention to its reality, mental illness is still not an acceptable term to use in polite company. The primary aim of this paper was to analyze the idea of Medical Humanities and forms of mental illness, abnormal psychology and symptoms of mental ill-health, as projected in literature. In the changing world order, it becomes crucial to update the knowledge base. Therefore, the need of the hour is to bring a change in the existing knowledge system. This can be done by relying on interdisciplinary and multidisciplinary ideas. Medical Humanities- the branch and its study opens up new grounds not only for research in academia but also helps readers to understand the complex medical ecosystem in a lucid manner.

References:

-American Psychiatric Association. *Diagnostic and Statistical Manual of Mental Disorders*. (DSM-V).

American Psychiatric Pub, 2013.

-Caruth, Cathy. *Unclaimed Experience: Trauma, Narrative and History*. John Hopkins University Press, 2016.

-Charon, Rita. *Narrative Medicine: Honouring the Stories of Illness*. Oxford University Press, 2006.

-Dolan, Brian. "One Hundred Years of Medical Humanities. A Thematic Overview" *Humanitas: Readings in the Development of the Medical Humanities*. University of California Medical Humanities Press, 2015, pp. 1-30.

-Foucault, Michel. *Madness and Civilization: A History of Insanity in the Age of Reason*. Routledge Classics, 1989.

-Jones, Theresa, et al. *The Health Humanities Reader*. Rutgers University Press, 2014.

-Robinson, Douglas. *Translatinality: Essays in the Translation-Medical Humanities*. Routledge, 2017.

-Scull, Andrew. *Madness: A Very Short Introduction*. Oxford University Press, 2011.

-Snow, C.P. *The Two Cultures*. Cambridge University Press, 1998.

-The ICD-10: Classification of Mental and Behavioral Disorders. Clinical Descriptions and Diagnostic Guidelines. World Health Organization.

-

<https://openpress.usask.ca/abnormalpsychology/chapter/part-3/>

-<https://www.verywellmind.com/what-is-abnormal-psychology-2794775>

-<https://www.masterclass.com/articles/what-is-science-fiction-writing-definition-and-characteristics-of-science-fiction-literature#what-are-the-common-characteristics-of-science-fiction>

-<https://www.shmoop.com/study-guides/literary-movements/science-fiction/characteristics>

-<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3031316/>

-

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3031316/>

-<https://www.merriam-webster.com/dictionary/translation>

Dr. Deepesh Kumar Thakur, working as an Assistant Professor (English) in the Department of Humanities & Liberal Arts teaching Post-Graduate

& Graduate students. Native from Kanshi, Darbhanga-Mithila region of Bihar state, India. He has more than fourteen years of experience in teaching in Management, Engineering, Law, Medical Science, Architecture, Pharmaceutical, Dental Science, Fashion Designing as well as corporate sectors like NSN Ltd. & TCS Ltd. India, an author of a research book, published by "Importance of English Language for Professional & Technical Education", "Lambert Academic Publishing (LAP) Germany (Europe). He has presented 40 papers in International & National level Conference & Symposium He has published several research papers in reputed National and International journals in diversified areas such as 14 no of articles published in International & National Journals with SCCI & Scopus, 4 no. of Books, 12 no of Articles in books, editor of an International Journal, MIRRORVIEW a magazine and 3 nos. of education books also. He has research interests in diversified areas such as English Language & Literature, Linguistics, Communicative

English, Indian English Literature, Translation Studies, Management, Mithili, Nepali & Bengali.

अ्यन मंअद्य edi tori al .st aff .vi deha @gmai l .com अ्यन
य0उ1

१. अन्वुल्लेख

१.विदेह व्ही-यत्रिकाक सरटा यूनान अंक Vi deha e journal's all old
i ssues

२.मैथिली याथी डाउनलाड M ai th i l i Books Downl oad

३. मैथिली पठिया-वीडियाक संकलन M ai th i l i Audi os-Vi deos

४.मैथिली शिशु, बाल आ किशान साहित्य M ai th i l i Child ren
Li terature

१.विदेह श्री काना

६. विदेह व्ही-लनिङ

१.विदेह सूचना संयके अन्वेषण

8.Parallel Literature in M ai th i l i and Vi deha M ai th i l i
Li terature M vement

६.विदेह मिथिलाक खोज

१०. विदरु मिथिला नग्न

१. विदेह ॲली-यत्रिकाक सरटा यूनान अंक Vi deha e journal's all old issues

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिका ॲली यत्रिका Vi deha Ist
Mithili Fortnightly e journal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिका ॲली यत्रिका नव अंक देखवाक लेल वृष्ठ सरक
निर्झम कअ देखू Always refresh the pages for viewing new issue of VI DEHA.

Search within Old Issues of Vi deha

<https://books.google.com/>

Vi deha Archive of Old Issues विदेह यूनान अंकक आर्काइव (युर्धगः अद्यतसायिक उद्दथ आ मात्र अकतमिक प्रयाग लेल) विदेह ॲली-यत्रिकाक सरटा यूनान अंक यी.ती.अरु. तउनलात लेल क्रमानूसान नीचाँक लिंकयन उयलब्व अछि। All the old issues of Vi deha e journal are available for pdf download at the respective links below

.....

गिनहूगा, नवाती आ कैथी खँध तउनलात Google's Noto

Fonts project / Gi tHub

गिनहूगा नव खँध	कैथी अरीअरु	कैथी टीटीअरु	नवाती अरीअरु	नवाती टीटीअरु
----------------	-------------	--------------	--------------	---------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

Tirhuta Offline Keyboard download

Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download

<https://nalarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

१

गजब्र 0कून (सम्यादन)

विदह-सदह १-	
२१ www.videha.co.in	
विदह ००१-यत्रिकाक अंक १-	
३१० सं- मीथलीक सर्वश्रेष्ठ	
गद्य आ	
यद्यक अकटा समानान्तर संकलन	
दवनागनी	मिथिलाउन
विदहसदह १:	विदहगिनह्या सदह १ :
विदह:सदह २ मीथली प्रवचन-निव्व-समालावना	विदह: सदह २ गिनह्या
विदह:सदह ३ मीथली यद्य	विदह: सदह ३ गिनह्या
विदह:सदह ४ मीथली कथा	विदह: सदह ४ गिनह्या
विदह मीथली विहनि कथा [विदह सदह १]	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह मीथली विहनि कथा [विदह सदह १२-संननध -[विदहगिनह्या २-संननध सदह १ :
विदह मीथली लघुकथा [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या
विदह मीथली यद्य [विदह सदह १]	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह मीथली नाय उग्रन [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या
विदह मीथली गिण उग्रन [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या

विदेह मधिली प्रवचन-निवचन-समालाचना [विदेह सदह १०]	विदेह: सदह १० गिनह्या
विदेहसदह ११:	विदेहगिनह्या सदह ११ :
विदेहसदह १२:	विदेहगिनह्या सदह १२ :
विदेहसदह १३:	विदेहगिनह्या सदह १३ :
विदेहसदह १४:	विदेहगिनह्या सदह १४ :
विदेहसदह १५:	विदेहगिनह्या सदह १५ :
विदेहसदह १६:	विदेहगिनह्या सदह १६ :
विदेहसदह १७:	विदेहगिनह्या सदह १७ :
विदेहसदह १८:	विदेहगिनह्या सदह १८ :
विदेहसदह १९:	विदेहगिनह्या सदह १९ :
विदेहसदह २०:	विदेहगिनह्या सदह २० :
विदेहसदह २१:	विदेहगिनह्या सदह २१ :
विदेहसदह २२:	विदेहगिनह्या सदह २२ :
विदेहसदह २३:	विदेहगिनह्या सदह २३ :
विदेहसदह २४:	विदेहगिनह्या सदह २४ :
विदेह:सदह २५	विदेह: सदह २५ गिनह्या
<p>विदेह-सदह २६-</p> <p>३६ www.videha.co.in</p> <p>विदेह मधिली-यत्रिकाक अंक १-</p> <p>३५० सँ- थीम आधुनिक</p> <p>मधिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ</p> <p>अनुदिग गद्य आ यद्यक</p> <p>अकटा समानान्तर संकलन</p>	
विदेह:सदह २६ (श्री भद्र क्रमान सिंह आ श्री अनुध क्रमान सिंह अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदह २६ गिनह्या
विदेह:सदह २७ (गजब्र ०पत्रन आ नवि दुषध या०कक आन राषासँ अनुदिग गद्य आ यद्यक- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदह २७ गिनह्या

विदहः सदहः २८:अनदिग गद्य आ यद्य-अंक १ -३१० सँ)	विदहः सदहः २८ गिनह्या
विदहः:सदहः २९ (नवि रूयध या०क आ आँ. कौलाण क्रमान मिध्र- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदहः २९ गिनह्या
विदहः:सदहः ३० (यूल-गौलज्ज निद्याथी लल- अंक १-३१० सँ)	विदहःगिनह्या सदहः ३० :
विदहः:सदहः ३१ (गौ. कामिनी कामायनी आ क्रमान मनाज कथय- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदहः ३१ गिनह्या
विदहः:सदहः ३२ (नवनाग्नक गद्य-यद्य लखन राग-१- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदहः ३२ गिनह्या
विदहः:सदहः ३३ (नवनाग्नक गद्य-यद्य लखन राग-२- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदहः ३३ गिनह्या
विदहः:सदहः ३४ (नवनाग्नक गद्य-यद्य लखन राग-३- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदहः ३४ गिनह्या
विदहः:सदहः ३५ (नवनाग्नक गद्य-यद्य लखन राग-४- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदहः ३५ गिनह्या
विदहः:सदहः ३६ (नवनाग्नक गद्य-यद्य लखन राग-५- अंक १-३१० सँ)	विदहः सदहः ३६ गिनह्या

.....

यू.पी.अस.सी. आ आन प्रगियागिगा यनीजा लल दखु:

विदहः:सदहः ११	विदहः:सदहः २१	विदहः:सदहः २३	विदहः:सदहः २६	विदहः:सदहः २९
विदहः:सदहः ३०	विदहः:सदहः ३२	विदहः:सदहः ३३	विदहः:सदहः ३४	विदहः:सदहः ३५

.....

२

विदहक सरटा यूनान अंक (अंक १ सँ ३१४ आ आगाँ)

विदहक अंक १-१४९ (दवनागनी, मिथिलाउन आ ब्रलम)

दक्कनागरी	मिथिलाऊन	व्रल
Vi deha_01_01_08	Vi deha_01_01_08_Ti rhuta	1
Vi deha_15_01_08	Vi deha_15_01_08_Ti rhuta	2
Vi deha_01_02_08	Vi deha_01_02_08_Ti rhuta	3
Vi deha_15_02_08	Vi deha_15_02_08_Ti rhuta	4
Vi deha_01_03_08	Vi deha_01_03_08_Ti rhuta	5
Vi deha_15_03_08	Vi deha_15_03_08_Ti rhuta	6
Vi deha_01_04_2008	Vi deha_01_04_2008_Ti rhuta	7
Vi deha_15_04_2008	Vi deha_15_04_2008_Ti rhuta	8
Vi deha_01_05_2008	Vi deha_01_05_2008_Ti rhuta	9
Vi deha_15_05_2008	Vi deha_15_05_2008_Ti rhuta	10
Vi deha_01_06_2008	Vi deha_01_06_2008_Ti rhuta	11
Vi deha_15_06_2008	Vi deha_15_06_2008_Ti rhuta	12
Vi deha_01_07_2008	Vi deha_01_07_2008_Ti rhuta	13
Vi deha_15_07_2008	Vi deha_15_07_2008_Ti rhuta	14
Vi deha_01_08_2008	Vi deha_01_08_2008_Ti rhuta	15
Vi deha_15_08_2008	Vi deha_15_08_2008_Ti rhuta	16
Vi deha_01_09_2008	Vi deha_01_09_2008_Ti rhuta	17
Vi deha_15_09_2008	Vi deha_15_09_2008_Ti rhuta	18
Vi deha_01_10_2008	Vi deha_01_10_2008_Ti rhuta	19
Vi deha_15_10_2008	Vi deha_15_10_2008_Ti rhuta	20
Vi deha_01_11_2008	Vi deha_01_11_2008_Ti rhuta	21
Vi deha_15_11_2008	Vi deha_15_11_2008_Ti rhuta	22
Vi deha_01_12_2008	Vi deha_01_12_2008_Ti rhuta	23
Vi deha_15_12_2008	Vi deha_15_12_2008_Ti rhuta	24
Vi deha_01_01_2009	Vi deha_01_01_2009_Ti rhuta	25

Vi deha_15_01_2009	Vi deha_15_01_2009_Ti rhuta	26
Vi deha_01_02_2009	Vi deha_01_02_2009_Ti rhuta	27
Vi deha_15_02_2009	Vi deha_15_02_2009_Ti rhuta	28
Vi deha_01_03_2009	Vi deha_01_03_2009_Ti rhuta	29
Vi deha_15_03_2009	Vi deha_15_03_2009_Ti rhuta	30
Vi deha_01_04_2009	Vi deha_01_04_2009_Ti rhuta	31
Vi deha_15_04_2009	Vi deha_15_04_2009_Ti rhuta	32
Vi deha_01_05_2009	Vi deha_01_05_2009_Ti rhuta	33
Vi deha_15_05_2009	Vi deha_15_05_2009_Ti rhuta	34
Vi deha_01_06_2009	Vi deha_01_06_2009_Ti rhuta	35
Vi deha_15_06_2009	Vi deha_15_06_2009_Ti rhuta	36
Vi deha_01_07_2009	Vi deha_01_07_2009_Ti rhuta	37
Vi deha_15_07_2009	Vi deha_15_07_2009_Ti rhuta	38
vi deha_01_08_2009	vi deha_01_08_2009_tirhuta	39
vi deha_15_08_2009	vi deha_15_08_2009_tirhuta	40
vi deha_01_09_2009	vi deha_01_09_2009_tirhuta	41
vi deha_15_09_2009	vi deha_15_09_2009_tirhuta	42
vi deha_01_10_2009	vi deha_01_10_2009_tirhuta	43
vi deha_15_10_2009	vi deha_15_10_2009_tirhuta	44
vi deha_01_11_2009	vi deha_01_11_2009_tirhuta	45
vi deha_15_11_2009	vi deha_15_11_2009_tirhuta	46
vi deha_01_12_2009	vi deha_01_12_2009_tirhuta	47
vi deha_15_12_2009	vi deha_15_12_2009_tirhuta	48
vi deha_01_01_2010	vi deha_01_01_2010_tirhuta	49
vi deha_15_01_2010	vi deha_15_01_2010_tirhuta	50
vi deha_01_02_2010	vi deha_01_02_2010_tirhuta	51
vi deha_15_02_2010	vi deha_15_02_2010_tirhuta	52
vi deha_01_03_2010	vi deha_01_03_2010_tirhuta	53

vi deha_15_03_2010	vi deha_15_03_2010_tirhuta	54
vi deha_01_04_2010	vi deha_01_04_2010_tirhuta	55
vi deha_15_04_2010	vi deha_15_04_2010_tirhuta	56
vi deha_01_05_2010	vi deha_01_05_2010_tirhuta	57
vi deha_15_05_2010	vi deha_15_05_2010_tirhuta	58
vi deha_01_06_2010	vi deha_01_06_2010_tirhuta	59
vi deha_15_06_2010	vi deha_15_06_2010_tirhuta	60
vi deha_01_07_2010	vi deha_01_07_2010_tirhuta	61
vi deha_15_07_2010	vi deha_15_07_2010_tirhuta	62
vi deha_01_08_2010	vi deha_01_08_2010_tirhuta	63
vi deha_15_08_2010	vi deha_15_08_2010_tirhuta	64
vi deha_01_09_2010	vi deha_01_09_2010_tirhuta	65
vi deha_15_09_2010	vi deha_15_09_2010_tirhuta	66
vi deha_01_10_2010	vi deha_01_10_2010_tirhuta	67
vi deha_15_10_2010	vi deha_15_10_2010_tirhuta	68
vi deha_01_11_2010	vi deha_01_11_2010_tirhuta	69
vi deha_15_11_2010	vi deha_15_11_2010_tirhuta	70
vi deha_01_12_2010	vi deha_01_12_2010_tirhuta	71
vi deha_15_12_2010	vi deha_15_12_2010_tirhuta	72
vi deha_01_01_2011	vi deha_01_01_2011_tirhuta	73
vi deha_15_01_2011	vi deha_15_01_2011_tirhuta	74
vi deha_01_02_2011	vi deha_01_02_2011_tirhuta	75
vi deha_15_02_2011	vi deha_15_02_2011_tirhuta	76
vi deha_01_03_2011	vi deha_01_03_2011_tirhuta	77
vi deha_15_03_2011	vi deha_15_03_2011_tirhuta	78
vi deha_01_04_2011	vi deha_01_04_2011_tirhuta	79
vi deha_15_04_2011	vi deha_15_04_2011_tirhuta	80
vi deha_01_05_2011	vi deha_01_05_2011_tirhuta	81

vi deha_15_05_2011	vi deha_15_05_2011_tirhuta	82
vi deha_01_06_2011	vi deha_01_06_2011_tirhuta	83
vi deha_15_06_2011	vi deha_15_06_2011_tirhuta	84
vi deha_01_07_2011	vi deha_01_07_2011_tirhuta	85
vi deha_15_07_2011	vi deha_15_07_2011_tirhuta	86
vi deha_01_08_2011	vi deha_01_08_2011_tirhuta	87
vi deha_15_08_2011	vi deha_15_08_2011_tirhuta	88
vi deha_01_09_2011	vi deha_01_09_2011_tirhuta	89
vi deha_15_09_2011	vi deha_15_09_2011_tirhuta	90
vi deha_01_10_2011	vi deha_01_10_2011_tirhuta	91
vi deha_15_10_2011	vi deha_15_10_2011_tirhuta	92
vi deha_01_11_2011	vi deha_01_11_2011_tirhuta	93
vi deha_15_11_2011	vi deha_15_11_2011_tirhuta	94
vi deha_01_12_2011	vi deha_01_12_2011_tirhuta	95
vi deha_15_12_2011	vi deha_15_12_2011_tirhuta	96
vi deha_01_01_2012	vi deha_01_01_2012_tirhuta	97
vi deha_15_01_2012	vi deha_15_01_2012_tirhuta	98
vi deha_01_02_2012	vi deha_01_02_2012_tirhuta	99
vi deha_15_02_2012	vi deha_15_02_2012_tirhuta	100
vi deha_01_03_2012	vi deha_01_03_2012_tirhuta	101
vi deha_15_03_2012	vi deha_15_03_2012_tirhuta	102
vi deha_01_04_2012	vi deha_01_04_2012_tirhuta	103
vi deha_15_04_2012	vi deha_15_04_2012_tirhuta	104
vi deha_01_05_2012	vi deha_01_05_2012_tirhuta	105
vi deha_15_05_2012	vi deha_15_05_2012_tirhuta	106
vi deha_01_06_2012	vi deha_01_06_2012_tirhuta	107
vi deha_15_06_2012	vi deha_15_06_2012_tirhuta	108
vi deha_01_07_2012	vi deha_01_07_2012_tirhuta	109

vi deha_15_07_2012	vi deha_15_07_2012_tirhuta	110
vi deha_01_08_2012	vi deha_01_08_2012_tirhuta	111
vi deha_15_08_2012	vi deha_15_08_2012_tirhuta	112
vi deha_01_09_2012	vi deha_01_09_2012_tirhuta	113
vi deha_15_09_2012	vi deha_15_09_2012_tirhuta	114
vi deha_01_10_2012	vi deha_01_10_2012_tirhuta	115
vi deha_15_10_2012	vi deha_15_10_2012_tirhuta	116
vi deha_01_11_2012	vi deha_01_11_2012_tirhuta	117
vi deha_15_11_2012	vi deha_15_11_2012_tirhuta	118
vi deha_01_12_2012	vi deha_01_12_2012_tirhuta	119
vi deha_15_12_2012	vi deha_15_12_2012_tirhuta	120
vi deha_01_01_2013	vi deha_01_01_2013_tirhuta	121
vi deha_15_01_2013	vi deha_15_01_2013_tirhuta	122
vi deha_01_02_2013	vi deha_01_02_2013_tirhuta	123
vi deha_15_02_2013	vi deha_15_02_2013_tirhuta	124
vi deha_01_03_2013	vi deha_01_03_2013_tirhuta	125
vi deha_15_03_2013	vi deha_15_03_2013_tirhuta	126
vi deha_01_04_2013	vi deha_01_04_2013_tirhuta	127
vi deha_15_04_2013	vi deha_15_04_2013_tirhuta	128
vi deha_01_05_2013	vi deha_01_05_2013_tirhuta	129
vi deha_15_05_2013	vi deha_15_05_2013_tirhuta	130
vi deha_01_06_2013	vi deha_01_06_2013_tirhuta	131
vi deha_15_06_2013	vi deha_15_06_2013_tirhuta	132
vi deha_01_07_2013	vi deha_01_07_2013_tirhuta	133
vi deha_15_07_2013	vi deha_15_07_2013_tirhuta	134
vi deha_01_08_2013	vi deha_01_08_2013_tirhuta	135
vi deha_15_08_2013	vi deha_15_08_2013_tirhuta	136
vi deha_01_09_2013	vi deha_01_09_2013_tirhuta	137

vi deha_15_09_2013	vi deha_15_09_2013_tirhuta	138
vi deha_01_10_2013	vi deha_01_10_2013_tirhuta	139
vi deha_15_10_2013	vi deha_15_10_2013_tirhuta	140
vi deha_01_11_2013	vi deha_01_11_2013_tirhuta	141
vi deha_15_11_2013	vi deha_15_11_2013_tirhuta	142
vi deha_01_12_2013	vi deha_01_12_2013_tirhuta	143
vi deha_15_12_2013	vi deha_15_12_2013_tirhuta	144
vi deha_01_01_2014	vi deha_01_01_2014_tirhuta	145
vi deha_15_01_2014	vi deha_15_01_2014_tirhuta	146
vi deha_01_02_2014	vi deha_01_02_2014_tirhuta	147
vi deha_15_02_2014	vi deha_15_02_2014_tirhuta	148
vi deha_01_03_2014	vi deha_01_03_2014_tirhuta	149

विदेहक अंक ११०३४४-

VI DEHA_150	VI DEHA_151	VI DEHA_152	VI DEHA_153	VI DEHA_154
VI DEHA_155	VI DEHA_156	VI DEHA_157	VI DEHA_158	VI DEHA_159
VI DEHA_160	VI DEHA_161	VI DEHA_162	VI DEHA_163	VI DEHA_164
VI DEHA_165	VI DEHA_166	VI DEHA_167	VI DEHA_168	VI DEHA_169
VI DEHA_170	VI DEHA_171	VI DEHA_172	VI DEHA_173	VI DEHA_174
VI DEHA_175	VI DEHA_176	VI DEHA_177	VI DEHA_178	VI DEHA_179
VI DEHA_180	VI DEHA_181	VI DEHA_182	VI DEHA_183	VI DEHA_184
VI DEHA_185	VI DEHA_186	VI DEHA_187	VI DEHA_188	VI DEHA_189
VI DEHA_190	VI DEHA_191	VI DEHA_192	VI DEHA_193	VI DEHA_194
VI DEHA_195	VI DEHA_196	VI DEHA_197	VI DEHA_198	VI DEHA_199
VI DEHA_200	VI DEHA_201	VI DEHA_202	VI DEHA_203	VI DEHA_204
VI DEHA_205	VI DEHA_206	VI DEHA_207	VI DEHA_208	VI DEHA_209
VI DEHA_210	VI DEHA_211	VI DEHA_212	VI DEHA_213	VI DEHA_214
VI DEHA_215	VI DEHA_216	VI DEHA_217	VI DEHA_218	VI DEHA_219
VI DEHA_220	VI DEHA_221	VI DEHA_222	VI DEHA_223	VI DEHA_224
VI DEHA_225	VI DEHA_226	VI DEHA_227	VI DEHA_228	VI DEHA_229
VI DEHA_230	VI DEHA_231	VI DEHA_232	VI DEHA_233	VI DEHA_234

VI DEHA_235	VI DEHA_236	VI DEHA_237	VI DEHA_238	VI DEHA_239
VI DEHA_240	VI DEHA_241	VI DEHA_242	VI DEHA_243	VI DEHA_244
VI DEHA_245	VI DEHA_246	VI DEHA_247	VI DEHA_248	VI DEHA_249
VI DEHA_250	VI DEHA_251	VI DEHA_252	VI DEHA_253	VI DEHA_254
VI DEHA_255	VI DEHA_256	VI DEHA_257	VI DEHA_258	VI DEHA_259
VI DEHA_260	VI DEHA_261	VI DEHA_262	VI DEHA_263	VI DEHA_264
VI DEHA_265	VI DEHA_266	VI DEHA_267	VI DEHA_268	VI DEHA_269
VI DEHA_270	VI DEHA_271	VI DEHA_272	VI DEHA_273	VI DEHA_274
VI DEHA_275	VI DEHA_276	VI DEHA_277	VI DEHA_278	VI DEHA_279
VI DEHA_280	VI DEHA_281	VI DEHA_282	VI DEHA_283	VI DEHA_284
VI DEHA_285	VI DEHA_286	VI DEHA_287	VI DEHA_288	VI DEHA_289
VI DEHA_290	VI DEHA_291	VI DEHA_292	VI DEHA_293	VI DEHA_294
VI DEHA_295	VI DEHA_296	VI DEHA_297	VI DEHA_298	VI DEHA_299
VI DEHA_300	VI DEHA_301	VI DEHA_302	VI DEHA_303	VI DEHA_304
VI DEHA_305	VI DEHA_306	VI DEHA_307	VI DEHA_308	VI DEHA_309
VI DEHA_310	VI DEHA_311	VI DEHA_312	VI DEHA_313	VI DEHA_314
VI DEHA_315	VI DEHA_316	VI DEHA_317	VI DEHA_318	VI DEHA_319
VI DEHA_320	VI DEHA_321	VI DEHA_322	VI DEHA_323	VI DEHA_324
VI DEHA_325	VI DEHA_326	VI DEHA_327	VI DEHA_328	VI DEHA_329
VI DEHA_330	VI DEHA_331	VI DEHA_332	VI DEHA_333	VI DEHA_334
VI DEHA_335	VI DEHA_336	VI DEHA_337	VI DEHA_338	VI DEHA_339
VI DEHA_340	VI DEHA_341	VI DEHA_342	VI DEHA_343	VI DEHA_344

[विदेहक सर अंक सखी किछ आनथक यथी/ जानकानी](#)

[Learn Mithili Sign Language- Gajendra Thakur \(2009/ 2023\)](#)

[मैथिली \(मैथिली संका राया सद्दिग- मैथिलीम यद्विल वन\)](#)

[Learn Mthilakshar- Gajendra Thakur \(2009/ 2023\)](#)

[Learn IPA through Mthilakshar- Gajendra Thakur \(2009/ 2023\)](#)

[Learn Braille through Mthilakshar- Gajendra Thakur \(2009/ 2023\)](#)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keynan Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

[Learn Kai thi- Gajendra Thakur \(2009/ 2023\)](#)

[कैथी लियि \(मैथिली साद्विग्य संस्ठान ठाउनलाउ लिंक\)](#)

Learn Newari - Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Calligraphic Newari (Ranjana)- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Urdu Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Tibetan Script- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Japanese Script for Hiku- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Brahmī- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

Learn Kharoshti- Gajendra Thakur (2009/ 2023)

स्वायी कसु जना मिथिला-नग्न, मिथिलाक खाज, विदेह ॐ-लनिङ्क, विदेह स्त्री-काना, विदेह यटान (विदेह ॐ-यप्रिकाक सरटा यूनान अंक; विदेह याथी जउनलाउ; विदेह मैथिली ँठिया-दीठियाक संकलन आ विदेह शिषु, वाल आ किष्णान साहित्य) आ सूचना-संयर्क-अब्वषध (i ncl udi ng Paral lel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Mvment) सर अंकम समान अछि, गळ हगु ॐ सर कसु सर अंकम नै दल जाळ्ग अछि, ॐ सर कसु दखवा लल किक कनु विदेहक ३४६ म, ३४७ म, ३६६ म आ ३७३ म अंका उ वानु अंकम सम्मिलिा नूयँ ॐ सर कसु दल गल अछि।

विदेहक ३४७म आ आगाँक अंक

दवनागनी	मिथिलाउन	अळ्.उ.यी.	मैथिली डल
VI DEHA_345	VI DEHA_345_Ti rhuta	VI DEHA_345_I PA	VI DEHA_345_Brai lle
VI DEHA_346	VI DEHA_346_Ti rhuta	VI DEHA_346_I PA	VI DEHA_346_Brai lle
VI DEHA_347	VI DEHA_347_Ti rhuta	VI DEHA_347_I PA	VI DEHA_347_Brai lle
VI DEHA_348	VI DEHA_348_Ti rhuta	VI DEHA_348_I PA	VI DEHA_348_Brai lle
VI DEHA_349	VI DEHA_349_Ti rhuta	VI DEHA_349_I PA	VI DEHA_349_Brai lle

दवनागनी	मिथिलाउन	अळ्.उ.यी.	मैथिली डल	कैथी
VI DEHA_350	VI DEHA_350_Ti rhuta	VI DEHA_350_I PA	VI DEHA_350_Brai lle	VI DEHA_350_KAI TH
VI DEHA_351	VI DEHA_351_Ti rhuta	VI DEHA_351_I PA	VI DEHA_351_Brai lle	VI DEHA_351_KAI TH
VI DEHA_352	VI DEHA_352_Ti rhuta	VI DEHA_352_I PA	VI DEHA_352_Brai lle	VI DEHA_352_KAI TH
VI DEHA_353	VI DEHA_353_Ti rhuta	VI DEHA_353_I PA	VI DEHA_353_Brai lle	VI DEHA_353_KAI TH
VI DEHA_354	VI DEHA_354_Ti rhuta	VI DEHA_354_I PA	VI DEHA_354_Brai lle	VI DEHA_354_KAI TH

नागनी	पिनरुग	अळ्.उ.यी.	डल	कैथी	नंगन	नगाथी	सनथी	आकी
355	Ti rhu	I PA	Brai l	KAI	Ran	Newa	Kharo	Brahm

नागनी	पिनरुग	कैथी	नंगन	अळ्.उ.यी.	आकी	I PA	डल	सनथी	उई	पिनरुग	पिनरुग-अ

356	Ti rhu	Kai	Ran	Neva	Brah	IPA	ब्रह्म	सनाही	उई	Ti b	Uhe
357	Ti rhu	Kai	Ran	Neva	Brah	IPA	ब्रह्म	सनाही	उई	Ti b	Uhe

नागरी	गिनह्या	केथी	नवागी	अवलिा	आकी	IPA	ब्रह्म	सिनी	सिनी-अ
358	Ti rhu	Kai	Ran	Neva	Brah	IPA	ब्रह्म	Ti b	Uhe
359	Ti rhu	Kai	Ran	Neva	Brah	IPA	ब्रह्म	Ti b	Uhe
360	Ti rhu	Kai	Ran	Neva	Brah	IPA	ब्रह्म	Ti b	Uhe

नागरी	गिनह्या	केथी	नवागी	आळ्.यी.अ.	ब्रह्म
361	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
362	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
363	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
364	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
365	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
366	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
367	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
368	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
369	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
370	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
371	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e
372	Ti rhuta	Kai thi	Newari	IPA	Braill e

.....

३

विदेहक वि(भषांक

१) हाङ्कु वि(भषांक

Vi deha_15_06_2008	Vi deha_15_06_2008_Ti rhuta	12
--------------------	-----------------------------	----

२) गजल वि(भषांक

Vi deha_01_11_2008	Vi deha_01_11_2008_Ti rhuta	21
--------------------	-----------------------------	----

३) विरुनिकथा वि(भषांक

vi deha_01_10_2010	vi deha_01_10_2010_tirhuta	67
--------------------	----------------------------	----

४) वाल साह्यि वि(भषांक

vi deha_15_11_2010	vi deha_15_11_2010_tirhuta	70
--------------------	----------------------------	----

५) नाटक वि(भषांक

vi deha_15_12_2010	vi deha_15_12_2010_tirhuta	72
--------------------	----------------------------	----

६) समीजा वि(भषांक

vi deha_15_01_2011	vi deha_15_01_2011_tirhuta	74
--------------------	----------------------------	----

१) नानी वि(भषांक

vi deha_01_03_2011	vi deha_01_03_2011_tirhuta	77
--------------------	----------------------------	----

८) अनूवाद वि(भषांक (गद्य-यद्य रानी)

vi deha_01_01_2012	vi deha_01_01_2012_tirhuta	97
--------------------	----------------------------	----

९) वाल गजल वि(भषांक

vi deha_01_08_2012	vi deha_01_08_2012_tirhuta	111
--------------------	----------------------------	-----

१०) रिक गजल वि(भषांक

vi deha_15_03_2013	vi deha_15_03_2013_tirhuta	126
--------------------	----------------------------	-----

११) गजल आलाचना-समालाचना-समीजा वि(भषांक

vi deha_15_11_2013	vi deha_15_11_2013_tirhuta	142
--------------------	----------------------------	-----

१२) काशीकांग मिश्र मध्य वि(षांक

[Vi deha_01_01_2015](#)

१३) अनविद्य ०कून वि(षांक

[Vi deha_01_11_2015](#)

स्वंप्रचवा- अनविद्य ०कून: व्यक्ति-कृति (सम्यादक आशीष अनविद्यान) [विदह अनविद्य ०कून वि(षांकक प्रिद्य नृय]

१४) ऊगदीश च्छ ०कून अन्ल वि(षांक

[Vi deha_01_12_2015](#)

१५) विदह सम्मान वि(षा क

विदह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्कन साहित्य अकादमी, समानान्कन ललिग कला अकादमी आ समानान्कन संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ यूनय्कान नामसँ विद्याग)

साजाकान/ समानाह

सजाकान	vi.deha_15_12_2011	vi.deha_15_01_2012	vi.deha_01_02_2012	vi.deha_01_03_2012
vi.deha_01_09_2012	vi.deha_15_01_2013	vi.deha_01_03_2013	vi.deha_15_04_2016	vi.deha_01_07_2016

१६) मैथिली सी.डी./ अल्म गीत संगीत वि(षांक

[Vi deha_01_01_2017](#)

११) मैथिली वव यक्रकानिगा वि(षांक

[VI DEHA 313](#)

१८) मैथिली वीहनि कथा वि(षांक-२

[VI DEHA 317](#)

१९) नामलाकन ०कून वि(षांक

[VI DEHA 319](#)

२०) नामलाकन ०कून श्रद्धांजलि वि(षांक

VI DEHA 320

२१) नाजन्हन लाल दास त्रिषांक

VI DEHA 333

२२) नवीन्द्र नाथ ठाकुर त्रिषांक

VI DEHA_348	VI DEHA_348_Ti r h u t a	VI DEHA_348_I PA	VI DEHA_348_Braille
-------------	--------------------------	------------------	---------------------

२३) कदान नाथ चौधरी त्रिषांक (

VI DEHA_352	VI DEHA_352_Ti r h u t a	VI DEHA_352_I PA	VI DEHA_352_Braille	VI DEHA_352_KAITHI
-------------	--------------------------	------------------	---------------------	--------------------

२४) प्रमलगा मिश्र ('प्रम' त्रिषांक

Vi deha_357	Vi deha_357_Ti r h u t a
-------------	--------------------------

२५) अनदिन्द्र चौधरी त्रिषांक (

Vi deha_358	Vi deha_358_Ti r h u t a
-------------	--------------------------

२६) संज्ञ दास -सदर) विमर्श त्रिषांक-कला (, कृष्ण कृमान कथय, शशिवाला, अस(स्मन आ श्लगा मा चौधरी.सी.

Vi deha_368	Vi deha_368_Ti r h u t a
-------------	--------------------------

२७) नचनाकान अशोक त्रिषांक (

Vi deha_369	Vi deha_369_Ti r h u t a
-------------	--------------------------

२८) नाम रनास कायति ('प्रमन' त्रिषांक

Vi deha_370	Vi deha_370_Ti r h u t a
-------------	--------------------------

२९) त्रिषांक (.यू. अस. प्रम) मिथिला सूत्रयूनियन (

Vi deha_371	Vi deha_371_Ti r h u t a
-------------	--------------------------

.....



लखकक आर्मिणि नचना आ उल्लयन आर्मिणि समीउकक समीउा सीनीउ

१.कामिनीक यांच रा कविता आ उल्लयन मन्त्रकान् माक रिचधी

Vi deha_01_09_2016

२.यन गज्जु ओकूनक रिचधी "मारिक वासन" क "मन्" जगदानन् मा.

VI DEHA_353

३.आ उल्लयन गज्जु ओकूनक रिचधी "जिहगीक माल" म्ही कामक अकांकी.

VI DEHA_354

४.कयिलधन नाउक ग रा कथा आ उल्लयन गज्जु ओकूनक रिचधी

VI DEHA_356

५.रा कथा आ उल्लयन गज्जु ओकूनक रिचधी उमश मधुलक ग.

Vi deha_357

६.रा कथा आ उल्लयन गज्जु ओकूनक रिचधी नाम विलास सादक ग.

Vi deha_358

७.सूराष चड यादक समरु सादिय -निा नवल सूराष चड याद.आ उल्लयन गज्जु ओकूनक रिचधी

निा नवल सूराष चड याद

निा नवल सूराष चड याद (मिथिलाउन)

८.नाजदन मधुलक सादियन गज्जु ओकूनक रिचधी.

Raj deo Mandal - Maithili Witer

९.रा कथा आ उल्लयन गज्जु ओकूनक रिचधी आचार्य नामानन् मधुलक ग.

Vi deha_360

१०.नन् विलास नायक चानिटा कथा आ अकटा अकांकी आ उल्लयन गज्जु ओकूनक रिचधी.

Vi deha_361

विदेह ३७३ म अंक ०१ जुलाई २०२३ (वर्ष १६ मास १८७ अंक ३७३) |

११जगदीश प्रसाद मधुलक साहित्ययन गजद्व Oकूनक रियधी.

JAGDI SH PRASAD MANDAL- Maithili Witer

१२दूर्गानिद्व मधुलक याँचटा कथा आ उळ्ळयन गजद्व Oकूनक रियधी.

Vi deha_363

१३नानायध यादक याँचटा कथा आ उळ्ळयन गजद्व Oकूनक रियधी.

Vi deha_364

१४दिनश कूमान मिश्रक समरु लखन आ उळ्ळयन गजद्व Oकूनक रियधी -दिनश कूमान मिश्र निग नवल .

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (जानी)

१५ स्थीलक समरु साहित्य आ -निग नवल स्थील .उळ्ळयन गजद्व Oकूनक रियधी

निग नवल स्थील (जानी)

.....

५

"याOक ह्मन याथी किउ यठथि"- लखक झाना अयन याथी/ नचनाक
समीजा सीनीज

१. आशीष अनचिद्वान 0१ अगरु २0२१

१).a) आशीष अनचिद्वान 0१ मार्च २0२३

२सिगम्वन २0 गजद्व Oकून 0१ .२२

.....

६

अठिठर्स चव्वस सीनीज

अठिठर्स चव्वस सीनीज१-

विदहम वलाकानयन मेथिलीम यहिल कविता प्रकाशित रल छला ॐ दिसम्बर २०१२ क दिल्लीक निर्णय वलाकान काभुक वादक समय छला उना ॐ अनूदिग नचना छल, गलगुम यस्यूलटी गीताक कविताक हिंदी अनूवाद कन छलीह आनशांगा सूदनी आ हिंदीसँ मेथिली . अनूवाद कन छलाह विनीग उग्रला हमन जानकानीम असँ वशी कविता उ विषययन काना राषाम ने नचल (गल अछि। सिहनावेवला कताक सालक वाद ॐ समथा उहन अछि। ॐ कविता सरकँ यहुवाक चाही, खास कऽ सर वटीक वायकँ, सर वहिनक राअकँ आ सर यद्रीक यगिकँ आ विवानवाक चाही ज हम सर अयना वञ्च सर लल कहन समाज वन्न छी।

अठिठर्स चव्वस सीनीज१- (उठनलाउ लिंक)

अठिठर्स चव्वस सीनीज२-

विदहम व्रम कौसनक समथायन विदह म मीना मा कन अकटा लघु कथा प्रकाशित रल। ॐ मेथिलीक यहिल कथा छल ज व्रम कौसन यन लिखल (गला हिंदीम सह गधनि उ विषययन कथा ने लिखल (गल छल, कानध उ कथाक ॐ-प्रकाशित रलाक १-२ सालक वाद हिंदीम दू (गारम घांघाउज रऽ नहल छल कि यहिल हम आकि हम, मूदा दूनूक गिथि मेथिलीक कथाक यनवर्गी छला। वादम ॐ विदह लघु कथाम सह संकलित रल।

अठिठर्स चव्वस सीनीज२- (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चव्वस सीनीज३-

विदहम जगदीश चड्ढा ०।कून अनिलक किछु वाल कविता प्रकाशित रल।
वादम दूनकन ३ टा वाल कविता विदह भिषु उम्रवम संकलित रल
जव्वम २ टा कविता ववी चव्वलुयन छला यदू व्वी गीनु कविता,
वादक दून ववी चव्वलुयन लिखल कविता यदव टा कनु स आग्रह।

अठिठर्स चव्वस सीनीज३- (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चव्वस सीनीज४-

विदहम जगदानन्द मा क अकटा दीर्घ वाल कथा कहि लिअ वा "मनु"
उयग्यास प्रकाशित रल, नाम छल चानह। वादम व्वी नचना विदह
भिषु उम्रवम संकलित रल, व्वी नचना वाल मनाविज्ञानयन आध्यात्मिक
मैथिलीक यदिल नचना छी, मैथिली वाल साहित्य काना लिखी गकन
ड्रनिंग कार्मि अ उयग्यासकँ नाखल जवाक चाही। काना मोउर्न उयग्यास
आगाँ वटे छे, श्रुय वाव्व श्रुय आ सह्य वाल उयग्यास। यदव टा कनु
स आग्रह।

अठिठर्स चव्वस सीनीज४- (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चव्वस सीनीज५-

अठिठर्स चव्वस ५ म मैथिलीक मान क्रमान यवनक "उसन कहा था"
। द्वितीयक या०क (सारान अंगिका) "यव्व०" दीर्घकथा, ज उसन "

यहन हगा "कहा था, कँ वूमल छत्रि ऊ काना अहि कथाकँ नचि चडधन शर्मा चर्चा कऽ नहल छी अमन रऽ (गलाहा हम "गुलनी", क्रमान यवनक दीर्घकथाका अकना यडलाक वाद अहाँकँ अकटा "य००" विचित्र, सुखद आ मान होल कनेवला अनुरूप ररग, ऊ सक्तयीनिअन द्रजती सँ मिलिना लागत आ रूनाका। मूदा उ नचनाकँ यडलाक वाद गामस, घृषा सरयन नियंत्रकँ आ सामाजिकयानिदानिक दायिपकँ / आन गंरीनगासँ लवे सह्य अहाँ, स धनि यक्का अछि। मूदा अकन अकटा शर्मा अछि ऊ अकना समे निकालि कऽ अक्का उखगहाम यदि जा००।

अठिठर्स च००स सीनीज०- (ताउनलाउ लिंक)

अठिठर्स च००स सीनीज०-

जगदीश प्रसाद मधुलक लघुकथा क अकालम ४३-१९४२ : "विसाँठ" लाख लाक मू००ला वंगालम १०, मूदा अमर्य सन लिखेग छथि ऊ हूनकन काना सनसम्वी उ अकालम ने मनलछि। मिथिलाम अकाल - म आ ००दिना गाँधी जखन उ ऊप्र अ०ली गँ .००ी आ०ल १९६१ मूसहन जागिक लाक विसाँठ खा कऽ हूनका दखाउल (गल ऊ काना उ अकालकँ जीगि ललछि। मैथिलीम लखनक अकरगाह स्थिति विदहक आगमनसँ यहिन छला। मैथिलीक लखक लाकनि सह्य अमर्य सन उकाँ उहि महाविरीषिकासँ प्ररविग ने छला आ गँ विसाँठयन कथा ने लिखि सकला। जगदीश प्रसाद मधुल अयन कथा लिखलछि ऊ प्रकाशित रल चगना समिगिक यप्रिकाम, मूदा कार्यकानी सम्यादक ज्ञाना दर्पनी यनिवर्णिक कानध उ। मैथिलीम ने वनध् अत्रहठम लिखल वूमा य०ल,

आ आगक प्ररणी ने रऽ सकल कानध विषय नहे खाँटी आ वर्णी कृत्रिमा स अकन पुनः व्हीप्रकाशन अयन असली नूयम रल विदहम - लघुकथा संग्रहमा उ यथीयन "गामक जिनगी" आ व्ही संकलित रल जगदीश प्रसाद मधुलकँ टैगान लिटनचन अत्राँ रटलनि। जगदीश प्रसाद मधुलक लखनी मैथिली कथाधानाकँ अकरगाह हवासँ वचा ललक, आ मैथिलीक समानान्तर व्हीविहारसम मैथिली साहित्यकँ दू कालखण्डम वॉरि कऽ यदुअ जाअ लागलजगदीश प्रसाद मधुलसँ पूर्व आ - जगदीश प्रसाद मधुल आगमनक वादा गँ प्ररूत अछि लघुकथा अयन सूत्रा न्न -विसाँढनूयम।

अठिठर्स चव्वंस सीनीजड- (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चव्वंस सीनीजग-

मैथिलीक यहिल आ अकमात्र दलित आग्नकथासदीय क्रमान सारही। : सदीय क्रमान सारहीक दलित आग्नकथा ज अहँकँ अयन लघु आकानाक अछेग हिलाति दग आ अहँक व्ही स्मिति कऽ दग ज समानान्तर मैथिली साहित्य कगवा यदु अहँकँ अछेगँ ने हअग। व्ही आग्नकथा विदहम व्हीविहारसम " प्रकाशित रलाक वाद लखकक यथी- म संकलित रल आ व्ही मैथिलीक अखन धनिक अकमात्र "दलानयन दलित आग्नकथा थिका गँ प्ररूत अछि मैथिलीक यहिल दलित आग्नकथासदीय क्रमान सारहीक कलमसँ। :

अठिठर्स चव्वंस सीनीजग- (ताउनलात लिंक)

अठिठर्स चव्वंस सीनीजग-

नना गुरकाकँ नागिम सूनवा लल किछू लाककथा । (विदेह यटानसँ)

अठिठर्स चव्वस सीनीजट- (ताउनलाउ लिंक)

अठिठर्स चव्वस सीनीजट-

मैथिली गजलयन यनिचर्चा । (विदेह यटानसँ)

अठिठर्स चव्वस सीनीजट- (ताउनलाउ लिंक)

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्कन साहित्य अकादमी, समानान्कन ललित कला अकादमी आ समानान्कन संगीतनाटक अकादमी - (यूनस्कान नामसँ विद्याग /सम्मान

.....

मैथिलीक वर्नी

१

मैथिलीक वर्नी- विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्पादन याधक्रम

राषायाक

२

मैथिलीक वर्नीम यर्याक त्रिविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन अकन वर्नी ॐ BMAF001 सँ प्रनिग वृषाळण अछि, स अकन अकना

एक उखगहाम उनरा-यनरा दियो, ताव धनि यर्याक अछि।
यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह ङ्गी यर्याक
अछि, स ऊ निद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स एकन
एकरा आन रूस-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

IGNOU ङ्गी BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

२. मैथिली याथी डाउनलोड Maithili Books Download

विदेह याथी

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका Vi deha
Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका नव अंक दखवाक लल युष्ठ
सरक निरुध क दखू! Always refresh the pages for viewing new issue of VI DEHA.

[Search for Books \(including Audio-Visual & Sign Language\) relating to Mthila/ Maithili](#)

<https://books.google.com/>



Vi deha Archi ve of Maithili Books विदेह मैथिली याथीक आर्काइव (यूईएः अद्यतसायिक उइथ आ मात्र अकतमिक प्रयाग लल) सर याथी यी.ती.अरु. उअनलात लल क्रमानूसान नीचाँक लिंक सरयन उयलव्व अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below

.....

[गिनहूा, ननाती आ कथी खँछ उअनलात Google's Not o Fonts project / Gi tHub](#)

गिनहूा नरा खँछ	कथी अटीअरु	कथी टीटीअरु	ननाती अटीअरु	ननाती टीटीअरु
----------------	------------	-------------	--------------	---------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta/ Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://mal arproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

.....

वैद्व चर्यायद (सौजय- म. म. हनप्रसाद शास्त्री, १९०१, जयधनी सिंह, १९६६)

२३ कवि १० टा चर्यायद संख्या [लूळ्याद १, २६; कूकनीयाद २, २०, ४८; निनूवयाद ३; गुळनीयाद ४; चफिलयाद १; गुसकूयाद ६, २१, २३, २१, ३०, ४१, ४३, ४६; काह्यायाद १, ६, १०, ११, १२, १३, १८, १६, २४, ३६, ४०, ४२, ४१; कमलामनयाद ८; उषीयाद १४; शानियाद ११, २६; महिधनयाद १६; दीक्षयाद ११; सनहयाद

२२, ३२, ३८, ३९; श्वनयाद २८, १०; आर्यद्वयाद ३१; ठनठनयाद
३३; दानिकायाद ३४; रादयाद ३५; गतकायाद ३१; कनकनायाद
४४; जयनक्षीयाद ४६; धमयाद ४१; गंभीयाद २१]

१६ नाग ४१ चर्यायद संख्या- ३ रा चर्यायद संख्या -२४, २१, ४८
(ब्रह्मगाल २४; गीति- २१, यटह- ४८)- म नाग अनूपलख [यामञ्जनी
१, ६, १, ६, ११, ११, २०, २६, ३१, ३३, ३६; गवत वा (गो७ २,
३, १८; आन् ४; गुर्जना, गुञ्जनी वा काश्चा-गुञ्जनी १, २२, ४१,
४१; दत्तकनी ८; दशाखा १०, ३२; कामाद १३, २१, ३१, ४२; धनाशी
वा धनश्री १४; नामकनी ११, १०; वलती वा वनाती २१, २३, २८,
३४; श्वनी २६, ४६; मल्लानी ३०, ३१, ४४, ४५, ४६; मालासी
३६; मालासी-गावूना ४०; वांगल ४३; ऐन्द्री १२, १६, १६, ३८]

चर्यायद

महाकवि उक (संकलन यं जीवानन्द ०कून, १६१०)

उकवचन

मैथिलीक आदिकवि विद्यायगि (आग्निनीश्वन यूर्त) [सोजय- डिजिटल
लाइब्रेरी [रू ळ्छिया]

विद्यायगि यद्यावली (सम्यादन न(गड्डनाथ गुफ १६१०)

मैथिलीक आदिकवि विद्यायगि (आग्निनीश्वन यूर्त)- गजड्ड ०कून

आग्निनीश्वन ०कून (सोजय- डिजिटल लाइब्रेरी [रू ळ्छिया)

वर्धन ननाकन

मैथिली धूर्समागम

विद्यायगि ०कून [(१३१०-१४३१) मैथिलीक आदि कवि आग्निनीश्वन-
यूर्त विद्यायगिसँ रिन्न, संसृग आ अवहृम लखन]

ब्यापतीरुक्ती तनद्विधी

(गानरुक्तीरुक्ती)

Vi dyapati A Political Analysis- Dr Shankar Kumar

Jha

[सौजय यं शशिनाथ सा/ नामदत्त सा]

शंकरदत्त

यानिजागरण

नामद्विजय

देव्यानि ०कून

श्यामंग हनन यात्रा (अंकिया नार)

माधवदत्त

रूमि लूटिया समूना आ यिन्धना-गुचूना-समूना

लक्ष्मीदत्त

कूमानहनन नार शग शूंध नावध दध (अंकिया नार)

जगप्रकाशमल्ल

प्रयावगीहनन नारक

सिद्ध ननसिंहमल्ल

गीगावली सिद्धि

जगश्यागिर्नमल्ल

हन(गोनी विवाह नारक कूअविहनन नारक

हर्षनाथ सा

माधवानन्द नारक

उषाहनन

दुर्धनाथ काद्यग्रन्थावली (संकलन अमननाथ मा १८६१-१९११)

नम्याधि

उषाहनध नारक

श्रीकांग

श्रीकृष्ण जन्म नदय

नक्षीयगि

कृष्णकलिमाला

गीगमाला

काश नामदास

(गोनीसूर्यवन

लाल

(गोनीसूर्यवन नारक

उमायगि

यानिजाग हनध

रानूनाथ

प्ररावगी हनध

दवानध

उषाहनध

नमायगि

नूक्की यनिचय

उयाधाय नामदास

अनध विजयारिदान नारिका

भिवदफ

गोनीयनिधय सीतास्यंदन दूर्गाविजय

यानिजाग नारक

.....

कथा वैद्य सिद्ध महथया (वाल साहिय कडिग) मंहथम रल ८२ म सगन
जागि दीय जनयम यीग कथा सरक संकलन

कथा वैद्य सिद्ध महथया

सख्आवली (नानी विमर्ष कडिग) रयटियाहीम रल ८३ म सगन जागि
दीय जनयम यीग कथा सरक संकलन

सख्आवली

सन जी. उ. थियर्सन (१८७१-१९४१)

मैथिली ग्रामन

मैथिली क्रांमथी उद्यु वाकावलीनी

मंशी नघनइन दास (१८६०-१९४७) (सोजय- नाधाकृषून् दास)

सरुद्रा हनध

नासविहानी लाल दास (१८१२-१९४०) (सोजय- नमानइ मा "नमध")

सुमगि

हनिनइन दास (सोजय- नाधाकृषून् दास)

सुदामा चनिग

यं नामजी चौधनी (१८१८-१९७२) (सोजय- श्री श्रीमानहन चौधनी)

विदिध रजनावली

आचार्य नामलाचन शनध (१८८९-१९११) (सोजय- मैथिली साहिय
संस्कान)

जयन्ती-स्मानक ग्रन्थ

धनुषधानी दास (१८६७-१९६७) (सौजय- यक्षीकान विद्यानन्द मा)
मैथिली मं विद्वानी

द्वनिमाहन मा (१९०८-१९८४) (सौजय- मैथिली साहित्य संस्थान/
गोपीनाथ)

अरिन्दन ग्रन्थ

अंगिका (द्वनिमाहन मा वि(भषांक)

.....

जौ. नाम रत्नास कायति 'त्रमन' (सौजय- नाम रत्नास कायति 'त्रमन')

मद्विषासून मूर्दावाद अवं अग्र नाटक (१९६१)

लाक नाय: जट जटिन (२००१) (भाष)

दूगली ऊयन वद्वेग गंगा आ आन कथा (कथा संग्रह) (२००८)

त्रमन मैथिली दीर्घ कविता (द्विष्टी अनुवाद-अव वस नदीं) (२००९)

मैथिली लाक संवृति (नयाली राषाम) (२००९)

रैया अंलै अयन सानाज (नाटक संग्रह) (२०१०)

घनमूहँ (उयग्यास) (२०१२)- व्नी वृक वर्रिन

घनमूहँ (उयग्यास) (२०१२)- प्रिंट वर्रिन

अनद्विनियाक चान (गजल संग्रह) (२०१३)

चीन ऊ ह्म दखल (यात्रा संमनध) (२०१४)

सूली यन व्जग अवं अग्र नाटक (२०१७)

सीमाक आन-यान (यात्रा संमनध) (२०१६)

यूद्धरूमिक असगन याद्व (कविता संग्रह) (२०११)

अंटीवायनस (कथा संग्रह) (२०१९)

कानानाक संग्रासम आमनायल जिनगी (लकठाउन तायनी) (२०२०)

मिथिलाक लाकजीवन लाकसदर (२०२२)

साह्रगन गबक अन्नषी त्र. प्ररूल कूमान सिंह 'मीन'

मिथिली लाक संस्कृति सं(गाष्ठी

म्मानिका (२०१०)

आंगन अंक-४ (२०१२) सलहस वि(षयांक

आँशन (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सामदत वि(षय

गामघन-३०-०६-२०१६

गामघन-०४-१०-२०१६

गामघन-१६-०१-२०१६

गामघन-२१-०६-२०१६

नामरुनास कायति "त्रमन"क किछु नाटक

मूनाजी दाना साजाकान यू. ३२१-३२६

दसिल वयनाक वदन्न नामलाचन ठाकून प्रसंग यू. ३४१-३५१

दमन दान-पियाशाक आतः शनदिबू चौधनी यू. ३१-३४

जट जटिन यू. १६६-१०१

रैया, अंलै अयन सानाज यू. १६६-१०१

आलख कथा-ल्लैशवेक यू. ६४-६६

आलख यू. यू. १११-१२१

आलख यू. १२१६-१२६०

आलख यू. ६१-६६

नाययून यात्रा प्रसंग यू. ११०-११४

सलहस यनिचर्चा नियारट यू. ४१-४५

नियारि यू. २३१-२४३

नियारि यू. ४४७

नियारि यू ७६८-६०७

नियारि यू. ७८३-७८७

गंगा प्रसादक स्नायफगा आ हूगलीयन वहेग गंगा यू. २२३-२२६

गीत यू. १४४६-१४७०

गजल गीत यू. २११

अज्ञानक विनूह आ आजाद गजल यू. ६१६-६२१)

नामरनास कायति ग्रमन (बुकिपु अवं कृगिपु)- ग्रामिशा मिश्रा (सम्यादक चड्डण)

विदह नाम रनास कायति 'ग्रमन' वि(षयांक

वृषण चड्ड लाल (सौजय- वृषण चड्ड लाल)

आइलन (कविगा संग्रह)

ढालक (वाल कविगा संग्रह)

सुनिमा (अनुदिग उयग्यास)

मादिआळून (वी.पी.काळूनालाक कथा)

माश्रा (कथा संग्रह)

(गालवा (कथा संग्रह)

यनमश्वन कायति (सौजय- यनमश्वन कायति)

धूआ-धजा

अंक १

अंक १४

अंक १७

अंक १६

अंक १८

अंक १० ज्ञान २०१२

अंक २४ ज्ञान २०१२

२१ शलाळू २०१२

०१ अग्ररू २०१२

२३ रून्वनी २०१६

आसिन २०१३

सूजीग कूमान मा (सौजय- सूजीग कूमान मा)

नियार्टन तायनी (नियार्गाज)

चिउ (लघुकथा-संग्रह)

जिद्धी (लघुकथा संग्रह)

काळूली घुनि आउ (वाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

गब्र (लघु कथा संग्रह)

खजनीवाली (लघु कथा संग्रह)

वूलवल (कथा संग्रह)

दूधमगी- (नयाली आ मेथिलीम)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक ३५ अंक ३६ अंक ३७ अंक

३८ अंक ३९ अंक ४० अंक ४१

निश्चन ०कून

नयालक नान मनरूमिम

निनीग ०कून (सौजय- निनीग ०कून)

वाँकी अछि हम्मन दूधक कर्ज

संगाव मिश्र (सोजय- संगाय मिश्र)

यासयूग (लघुकथा-संग्रह)

उदास भान (लघुकथा-संग्रह)

अना-किअ (कविता-संग्रह)

अअना (संयादन- कविता-संग्रह)

कनकमधि दीजिग (मूल नयालीसँ मैथिली अनुवाद नूया धीनू आ धीनइ प्रमर्षि, वाल साहिय) (सोजय- धीनइ प्रमर्षि)

रुगगा वळक दश-प्रमध

Ayodhyanat h Choudhary (Court esy- Ayodhyanat h Choudhary)

Varied Verses (Maithili Verses in English Translation)

...

जँ शशिकन कुमन आ सप्रिया ववी कुमानी

रुकम्य (यू. ६३६-६१४)

अधिमा सिंह (सोजय- नचिकागा)

शिशु गीग खल

ळलानानी सिंह (सोजय- नचिकागा)

प्रम- अक कविता (अनुदित नाटक)

अनुष्टुपी दत्री (सोजय- नमानइ मा "नमध")

मिथिलाक निदूषी महिला

जँ. कमला चौधनी (सोजय- कमला चौधनी)

मैथिलीक दश-रूषा-प्रसाधन सम्वन्धी शब्दावली २००६

समय-संकट (कथा-संग्रह) २०१०

जॉ. ललिता मा (सौजय- ललिता मा)

मैथिलीक राजन सम्वन्धी श्रुतावली २०११

सुमिता या०क (सौजय- कदान कानन)

यनिचिगि (कविता संग्रह)

कनाजति (कथा संग्रह)

नखिनी या०क (सौजय- कदान कानन)

याथनक शहन (कविता संग्रह)

यन्ना मा (सौजय- नन्ध मा)

अनुरूपि (लघुकथा संग्रह)

कल्याना मा (सौजय- कल्याना मा)

(गासाउनिक गीत)

नशामूकि हिन गावी गीत

निनियाँ

यायावनी- (शरहालिका वर्मा (द्विष्टी अनूवाद कल्याना मा)

मूनी कामग (सौजय- मूनी कामग)

सुखल मन ननसल आँखि (यद्य आ गद्य)

सुखल मन ननसल आँखि (कविता)

अंगणः (कविता संग्रह)

चूका (वाल कथा संग्रह)

नीगा मा (सौजय- नीगा मा)

विलाळ मोसी (वाल लघुकथा संग्रह)

शरालिका नर्मा (सौज्य- शरालिका नर्मा)

यायावनी (यात्रावृत्तान्त)

यायावनी (हिंदी अनुवाद- कथना मा)

अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)

अकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

राजांजलि (गद्य गीत)

किरू-किरू जीवन (आत्म कथा)

आखन-आखन प्रीत

नागरांस (उपन्यास)

Naagphans (In English)

विरा नानी

विरा नानीक दूटा नाटक (राग नौ आ वलचदा)

सुशीला मा (सौज्य- प्ररा खान/ सुशीला मा)

छिन्नमस्ता- प्ररा खानक हिंदी उपन्यासक मैथिली अनुवाद

कूसम ०कून

प्रयावर्तन (आत्मकथा)(पृ. ४१६-४१२)

जौ. कामिनी कामायनी

विदहःसदह ३१ (जौ. कामिनी कामायनी आ कूमान मनाज कथय- अंक

१-३१० सँ)

प्रीति ०कून

(गानू मा आ आन मैथिली चित्रकथा-यहिल मैथिली चित्रकथा (वाल

साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (वाल साहित्य)

मिथिलाक लाकदवना (वाल साहित्य)

विद्यायुगिक यूनुष यनीजा (वाल साहित्य)

नस (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

७ वी सी ती- प्रकृति अऊन याथी (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

सरु खाळ्ग अछि (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

वा ग्याउ वाह (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

नळ सरु (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(०६) छार आ यैघ (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(०१) माल-जाल आ जानवन दिस दखु (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

(११) ह्मन यनिवान (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

जानवन (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)

यंजी (११००० मूल मिथिलाऊन गा७यप्र)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I TO

XXI I) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti

Thakur

गजब्रु ठाकुर आ ग्रीणि ठाकुर (समालाचना)

नीगू कुमानी

मैथिली चिप्रकथा (वाल साहित्य)

किनध चौधनी (अनुदिग सचिप्र मैथिली वाल कथा)

ह्मन वाल-वागी

आर्या कॉकयिट म

दीया कनमाकन- सही संगुलन म

जंगल म अहाँक स्वागत अछि

ब्रूल छथि आकाश म

रैया क मूकान क चानोलक

वीज संचयक

अचरित कनय "रिवानाची"

(शोचालयक खिस्सा

लाल वनसागी

गुल्लिक जादूळी यटी

समीनाक विक० राजन

विनाह म जादूळी छी

प्रियंका मा (अनुदिग सचित्र मेथिली वाल कथा)

हमन माँछ! ने हमन माँछ!

नशिम प्रिया (अनुदिग सचित्र मेथिली वाल कथा)

केया सके छी, नहिया कs सके छी

सनीगा ०कून (अनुदिग सचित्र मेथिली वाल कथा)

वधी आ ववली

नीलिमा चौधनी (अनुदिग सचित्र मेथिली वाल कथा)

हमन सरसँ नीक संगी

स्नाफिका ०कून (अनुदिग सचित्र मेथिली वाल कथा)

गयू वृग नाचल ने हळू छे

गुलिका (अनुदिग सचित्र मेथिली वाल कथा)

हमना आ चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदिग सचिद्र मैथिली वाल कथा)

आंघाळ्ळी रीमा

लक्ष्मी आकून

जानवन सर संग रँट-घाँट

यूनम मधुल

सुगे कालक खिष्मा

.....

नाम ँकवाल सिंह 'नाकण' (१६१२-१६६४) [सोजय- ँली-यूफकालय]

मैथिली लाकगीग (१६४२, १६११)

गज नानायध लाल 'शास्त्री' [सोजय- ँली-यूफकालय]

मैथिली लाकगीगां का अधयन (१६६२)

उँ शंकर क्रमान मा (सोजय- कीर्तिनाथ मा/ आर्काळ्ळी उँट आआनजी)

Vi dyapati A Political Analysis

नाथाकृष्ण चौधनी (१६२१-१६६७) (सोजय- प्रयाग क्रमान चौधनी/

IGNCA-ASI)

मिथिलाक ँगिहास

A Survey of Maithili Literature

The Political and Cultural Heritage of Mthila

Mthila in the Age of Vidyapati

जयकान्त मिश्र (१६२२-२००६) (सोजय- काशीन निसर्च ँलीशूर

लाळ्ळनी, आर्काळ्ळी उँट आआनजी, ँधियन कब्रन उँट जीउनी

उँट ँन, साहित्य-अकादमी उँट जीउनी उँट ँन)

वृहत् मैथिली शब्दकाण्ड रत्न-१

A History of Maithili Literature Vol. I

Introduction to the Folk Literature of Mthila

Meet the Author

उषड्ड ठाकुर (१९२६-१९९१) [सौज्य- डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ
इंडिया/ IGNC-ASI]

History of Mthila

Studies in Jainism and Buddhism in Mthila

सामदत्त (१९३४-२०२२) (सौज्य- नाम रत्नास कायडि 'अमन')

आँशन सामदत्त त्रि(षड)

प्रयास कृमान चौधरी (१९४१-१९९८) (सौज्य- अ(षाक)

सबान प्रयास त्रि(षड)

लल्लन प्रसाद ठाकुर (१९१३-१९९१) (सौज्य- कूसम ठाकुर)

लौंगिया मिनवाँ

नाटककान लल्लन प्रसाद ठाकुर समग्र नवनावली (१ टा नाटक, ४
टा अकांकी आ ३ टा गीगि नाटिका सहित)

सूराष चड्ड यादव (सौज्य- सूराष चड्ड यादव)

नाजकमल चौधरी: मानाशारु

निग नवल नाजकमल

वनेग विगडेग (लघुकथा संग्रह)

गुला

गुला (द्विष्टी अनूवाद- नमध कृमान सिंह)

नमगा जगी

मउन

राट

गुला: कला आ राषा (सम्यादक तानानह त्रियागी आ कदान कानन)

निग नदल सूरुष चड्ड यादत (लखक गजड्ड 0कून)

निग नदल सूरुष चड्ड यादत (मिथिलाऊन)

अ(शाक (सौजय- अ(शाक आ शिवशंकन श्रीनिवास)

चक्रबूह (कविगा संग्रह) (१९८६)

प्रिकाष (कथा संग्रह) (१९८६)

उहि नागिक रान (कथा संग्रह) (१९९१)

माणवन (कथा संग्रह) (२००१)

संवाद (साजाफान संग्रह) (२००१)

आँखिम वसल (यात्रा कथा) (२०१३)

वाग-विचान (आलाचना) (२०११)

उँगीगाम (कथा संग्रह) (२०११)

अ(शाक-सलकूअ (द्विध)

अ(शाक-नद कविगा

नीक दिनक वाळूझाय (बंश संग्रह) (२०१८)

कथा-या० (मैथिली कथाक आलाचनाभूक अथयन) (२०२२)

प्रणिमान (सम्यादन)

किनध (प्रणिमान (गाष्ठी- सम्यादक माहन रानझाज)

सबान १ (सम्यादन)

सबान २ (सम्यादन)

सबान ३ (सम्यादन) प्ररास त्रि(ष

सञ्चान ४ (सम्यादन)

मूना जी झाना साजाकान (यु. ३८२-३८७)

वनेग कम विगउंग वसी (यु. २०२३-२०३१)

सम्यादक नाजनइन लाल दास आ कर्षामृग (यु. ११६-१२२)

नामलाचन ०कूनक कविता यडेग (यु. ३२१-३४१)

कदान नाथ चौधनीक उयग्यास (यु. १०१-१०६)

शनदिबूजी (यु. १०-१३)

विदेह नचनाकान अ(भाक वि(भषांक

नामदत्र मा (सौजय- शंकनदत्र मा/ यागानइ मा)

सद्यसाची (अरिनइन अन्न)

मैथिली शब्द संवय

दफ-दगीक वस्फू कौशल

संकल्प अंक-७ (सम्यादक उँ नामदत्र मा, सहायक सम्यादक उँ

यागानइ मा) १६८८

कीर्तिनाथ मा (सौजय- कीर्तिनाथ मा/ आकाँळ्व उँट उअानजी)

कूनल: मैथिली रादानूदाद (मूल गमिल आदि-कवि गिनूवल्लवन)

टूटल याँखि (खलील जिव्रानक उयग्यास 'द व्रकन विंश'क मैथिली

अनूदाद)

किछू यूनान गय, किछू नद गय (कथा संग्रह)

अनूयम मिश्र यँउकासु अयीसाउ ४० कीर्तिनाथ मा

आशीष अनचिहान

संदरुँ सहिग (गजल-आलाचना)

कूमानि ००ड्डा (गजल संग्रह)

जंघाजोती (गजल संग्रह)

अनविज्ञान आखन (गजल, नूवाळ आ कगाक संग्रह)

मैथिली गजलक ब्याकनध आ ँगिहास

मैथिली त्रव यप्रकानिगाक ँगिहास (अनूलभक: अंगिका आलख: अंगर्जाल

आ मैथिली: गजल ओकून)

मैथिली गजलक नती नकानन

शब्द-अर्थ-शक्ति

स्वर्गप्रवगा- अनविद्य ओकून: ब्यक्तिप्र-कृतिप्र (निदह अनविद्य ओकून

नि(शवांकक प्रिष्ट नूय)[सम्यादन]

ऊँ यागान्ध मा (सौजय-यागान्ध मा)

लाकजीवन आ लाकसाहिय १६८६

संकल्य अंक-१ (सम्यादक ऊँ नामदत मा, सहायक सम्यादक ऊँ

यागान्ध मा) १६८८

आलख सञ्चयन २००२

मैथिली शाक साहिय- शास्त्रीय रगवती गीत (सम्यादन) २००२

मैथिली यप्रकानिगा क सौ वर्ष २००६

लाक, साहिय आ शब्द-सम्यदा २००१

गहवन गीत (संकलन-सम्यादन) २००१

मैथिलीक यान्मनिक जागीय ब्यवसायक शब्दावली २००६

कथा-लाककथा २०१०

कयिलदत ओकून 'सुहलगा' कृत सीगावगनध (सम्यादन) २०११

मंगल-प्रराग गाँधीजी (अनूदाद) २०१३

रान-रान (डॉ. ए. कीर्तिवर्द्धनक हिंदी कविता संग्रहक अनूदाद)

२०१४

गानानंद त्रिपाठी (सौजन्य- गानानंद त्रिपाठी/ सुराष चंद्र यादव)

प्रलय नदय (कविता संग्रह)

अगिक्रमध (कथा संग्रह)

Between the Two Dams (English Translation by Prabhat Jha)

जैसे अंधन में चाँद (हिंदी अनूदाद- अनुधार सोनर)

वचान का यत्न (जीवकान्क)- (अतिथि सम्यादक गानानंद त्रिपाठी)

नाजकमल-जीवन का जिया (यु. १६४-२१४)

महिषी की गाना

वृद्ध का दुख डीन बना (हिंदी अनूदाद- अविनाश)

गुमि चिन सानथि (हिंदी अनूदाद- कदान कानन/ अविनाश)

गाना-चालीसा

ॐ रटल गँ की रटल

साखी (मैथिली दलित-कविता)

कवीन आ हूनक मैथिली यदावली

धनाभायी हवाक समय (कविता म कानाना काल)

दूनिया घन महमान (प्रम कविता)

अपन यूद्धक साक (गजल संग्रह)

छियाना (कथा संग्रह)

वहूतवन (आलाचना)

गुला: कला आ राषा (सम्यादन)

सुधांशु (भस्म चोधनी (सौजय- भनदिबू चोधनी)

(भस्म नचिग गजल ३ गीग

भनदिबू चोधनी (सौजय- भनदिबू चोधनी)

ऊँ ह्म जनिगहूँ (२००२)

व७ अजगुग दखल (२००१)

(गावनग(६१ (२०११)

कनिया कक्काक कानामिन (२०१६)

वाग-वागयन वाग खधु-१ (२०१६)

मर्मन्क-भनानूरुगि (वाग-वागयन वाग खधु-२) (२०२०)

ह्मन अरगः ह्मक नदि दस (वाग-वागयन वाग-३) (२०२१)

साजाग (वाग-वागयन वाग-४) (२०२१)

विदह भनदिबू चोधनी त्रि(भषांक

काशीकान्क मिश्र मधूय

विदह काशीकांग मिश्र मधूय त्रि(भषांक

नाजनहन लाल दास

विदह नाजनहन लाल दास त्रि(भषांक

प्रमलगा मिश्र प्रम

विदह प्रमलगा मिश्र प्रम त्रि(भषांक

नवीबू नाथ ०कून

विदह नवीबू नाथ ०कून त्रि(भषांक

मायानह मिश्र (सौजय- कदान कानन)

अत्रांगन (गजल-गीगल)

कलानह ररु (सौजय- कदान कानन)

काहू यन लहास ह्मन मैथिली गजल संग्रह

अनूलभक-कासी कॉलानी सँ किशन कूटीन धनि

नामकृषू मा 'किसून' (सौजय- कदान कानन)

किसून समग्र-१ (सम्यादक कदान कानन आ नमध कूमान सिंह)

किसून समग्र-२ (सम्यादक कदान कानन आ नमध कूमान सिंह)

मैथिलीक नन कनिगा (सम्यादन)

वहूआयामी किसूनजी (सम्यादक महड्ड आ कदान कानन)

कदान कानन (सौजय कदान कानन/ CIIL/ सूरगष चड्ड यादन)

अऊ यन नचैग (संमनधः जीवकान्क यप्रक वहान)

वहूआयामी किसूनजी (सम्यादन)

गुलाः कला आ राषा (सम्यादन)

किसून समग्र-१ (सम्यादन)

किसून समग्र-२ (सम्यादन)

अयना नजनि म (सम्यादन)

सृजन कन दीय यर्त (सम्यादन)

रानगी मंगुन अंक-१६ (सम्यादन)

महड्ड (CIIL/ कदान कानन)

इआयल कनकनी

वहूआयामी किसूनजी (सम्यादन)

वावा वैशनाथ (सौजय- वावा वैशनाथ)

यहना रूमानयन (गजल संग्रह)

अनविष्ट ठाकून (सौजय- अनविष्ट ठाकून/ CIIL)

यनगी टूटि नहल अछि (कनिगा संग्रह)

अज्ञानक विनाध म (लघु कथा संग्रह)

वह्नयिया यदश म (गजल संग्रह)

सवद मिगानथ धाया

नाशनाळक लाकयऊ (कथान गद्य)

ज०गाक यगिनाद म (साहूकन-दी०क आनाहद गाथा- दीर्घ कविता)

सृजन कन दीय यर्न (सम्यादन)

विदह अनविद्य ०कून वि(षयांक

स्रगंप्रचगा- अनविद्य ०कून: द्यकिप-कृगिप (सम्यादक आशीष

अनचिहान) [विदह अनविद्य ०कून वि(षयांकक प्रिष्ट नूय]

ननद्ध मा (सोजय- ननद्ध मा)

चयल चनन चिग चंचल रान

विकास डा अर्थगंप्र

नाजश्वन मा (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइव)

मिथिलाऊनक उद्भव डा विकास

सूद्ध मा समन (आर्काइव जेट कोम)

दफ-दगी (मूल)

(गोविंद मा ((IGNCA Site आर्काइव)

Mai th i l i -E n g l i s h D i c t i o n a r y

जो (शेलद्ध माहन मा (आर्काइव जेट कोम/ CIIL)

यनिचय निचय

मैथिली गद्य संग्रह- सं

नमानाथ मा (CIIL Site आर्काइव)

प्रवब संग्रह

जमानाथ मिश्र "मिहिन" (आर्काड्ड जोट कोम)

मैथिली मूहावना अत्रम् लाकाकि प्रकाश

आनन्द मिश्र (सोजय- जमानन्द मा "जमद")

मिथिला राषाक सूवाध आकनद

आमानन्द मा (सोजय- जमानन्द मा "जमद")

मैथिली गीत चडिका

मैथिली संदश (विरिन्न कविक कविता-सम्यादिग)

यं लक्ष्मीयणि सिंह (सोजय जमानन्द मा "जमद")

द्विष्टी-मैथिली-शिकक

रवप्रीगानन्द उमा (सोजय- जमानन्द मा "जमद")

यदावली

गदनाथ-विश्वनाथ यदावली (सोजय- जमानन्द मा "जमद")

गदनाथ-विश्वनाथ यदावली

न्यूनानायद मा "जाकश" (सोजय- जमानन्द मा "जमद")

मनमाहन लडू

राला लाल दास (आर्काड्ड जोट कोम)

मैथिली सूवाध आकनद

खड्ड वल्लर दास 'खड्डन' (सोजय- ह्मन दास "द्विम")

सीगा-शील

जॉ. मदनश्वन मिश्र (सोजय- यङ्गीकान विद्यानन्द मा)

अक छलीद महानानी

याप्री (नागार्शन) (सोजय- मिथिला सांस्कृतिक यनिषद)

वलचनमा

कालीकान्त मा "वृष"

कलानिधि- कविता-संग्रह

उपेन्द्रनाथ मा "द्यास" (सौज्य- मयंक मा)

नूवाळ्याग-७-उमन खेयाम (मैथिली यज्ञानूवाद)

प्रगीक (कविता संग्रह)

संग्यासी (काव्य)

नमष नानायध (सौज्य- शरालिका वर्मा)

याथनक नात्र (लघुकथा संग्रह)

(गायालजी मा "(गायष)" (सौज्य- (गायालजी मा "(गायष)")

गुम्म रल 01७ छी

विजय नाथ मा (सौज्य- विजय नाथ मा)

अर्दीक लल (गीत-गजल संग्रह)

कामायनी (अनूवाद)

न(गड्ड कूमन (सौज्य- प्रसन्न कूमन मा)

ससनरहानी

प्रवाध नानायध सिंह (सौज्य- नचिका)

अहून नगनी (अनूवाद)

चयनिका (सम्यादन)

वेजयनी (कविता)

हथीक दाँ

रटका गय (सम्यादिग कथा संकलन)

प्रमक नाग (नाटक)

मानक मैथिली (द्विष्टी (शाध प्रवच)

अमननाथ (सौज्य- अमननाथ)

उधिका- दिहनि कथा संग्रह

प्ररूल कृमान सिंह 'मोन'

यंचदनायासक रूमि मिथिला यू. १००१-१०६०

जॉ. गंगेश गुंजन (सौज्य- गंगेश गुंजन)

नाथा (१-३०) यू. १३१३-११६०

प्रथम-चौवरिया-नारक (वृधिवधिया)

नारक आळ रान

कथा-संग्रह उचिगवका

गीत-गजल दुखक दूयहनिया

कमलधन दास (सौज्य- कमलधन दास)

मैथिल कर्ष कायसुक (गात्र, प्रवन, मूल आ वैवाहिक सम्वन्ध)

कीर्गिनानायध मिश्र (सौज्य- कीर्गिनानायध मिश्र)

ध्वरु हळ्ळग शानि रूय

सीमान्

आदमीकँ जह्लेग

अयन अकान् म

स्मृगियाप्राक अकान्म

नाजनाथ मिश्र

M th i l a _ P a i n t i n g - M o d e r n A r t - P h o t o s

प्रमशंकन सिंह (सौज्य- प्रमशंकन सिंह/ मिथिला दर्यध प्रकाशन)

मैथिली राषा साहियः वीसम शगाड़ी (आलाचना)

विद्यायगि कृग ब्याठीरकितानदिनी (सम्यादन)

जॉ. नमध मा (सौज्य- नमध मा)

मैथिली काद्यम अलङ्कान

अलङ्कान-रासून

मैथिली काद्यम आगिष

रिन्न-अरिन्न

अहिनावध-वध (खद्यु काद्य)

यानिजाग-मङ्गनी

जॉ. नमानध मा 'नमध' (सौज्य- नमानध मा "नमध" / CIIL

Site आर्काइव)

हिआउल

सगन नागि दीय जनय

नाइ आ टाकाक गाछ (अनूवाद)

अखियासल

कदान नाथ चौधनी (सौज्य- कदान नाथ चौधनी)

चमलीनानी

माहून

कनान

अवाना नहिन

अयना

हीना

विदह कदान नाथ चौधनी त्रि(षांकां

या(गइ या0क "त्रियागी" (सौज्य- या(गइ या0क "त्रियागी"))

विस्नानक वगकही

विहानक वणकदी राग-२

ननक विजय (सम्युर्ध)

ननक विजय (संभाधिग)

हमन गाम (वाल उयग्यास)

यिनामिउक दशम

अकटा मिसिया (कथा संग्रह)

नावार (अनुदिग साँस-रिक्कान नाटक)

किहू गीग मधून (यात्रा वृत्तांग)

सुशील (सोजय- सुशील)

घनागी (उयग्यास) (१९१३)

गामवाली (उयग्यास) (१९८२)

रामगी (नाटक) (यहिल मंचन १९९१, प्रकाशन २०१३)

अम्मिगा (लघुकथा संग्रह) (२०१६)

कामध्वन मा 'कमल' (सोजय- नवानानायध मिश्र)

कमल-गाल (गीग संग्रह)

नामलाचन ०कून (सोजय- नामलाचन ०कून)

ऊ कद्व साँच कद्व

आँखि मूनन आँखि खालन (संमनध)

सृगिक (धाखनल नंग (संमनध)

अयूर्ता (कविगा संग्रह)

रूगिहासहना (कविगा संग्रह)

दशक नाम छले सान चिउया (कविगा संग्रह)

लाख प्रश्न अनूपनिग (कविगा संग्रह)

प्रगिध्वनि (विदधी राषाक कविगाक मैथिली नूयान्कनध)

यझानदीक मामी (अनूदिग उयग्यास)

मैथिली लाककथा

आशक कविगा (सम्यादिग कविगा संग्रह)

वगाल कथा (हाय-बंग)

दसिल वयना (अखवान)

विदह नामलाचन ०कून त्रिषांक

जौ. दक्षकन नवीन (सोजय- दक्षकन नवीन)

आधुनिक साहित्यक यनिदुथ

जौ वधधन मा

निदध-निकूञ्ज

जगदीश चड्ढ ०कून "अनिल" (सोजय- जगदीश चड्ढ ०कून "अनिल")

आखिम चित्र ह्य मैथिली कन (आग्नकथा- जानी)

धानक उळू यान (दीर्घ कविगा)

गीग गंगा (गीग संग्रह)

गजल गंगा (गजल संग्रह)

गाना अंगना म (गीग संग्रह)

गाना अंगना म (गीग संग्रह)- मूल

विदह जगदीश चड्ढ ०कून अनिल त्रिषांक

नाज किषान मिश्र

चाननि (कविगा संग्रह)

सफयर्ध (कविगा संग्रह)

नवीड्ड नानायध मिश्र (सोजय- नवीड्ड नानायध मिश्र)

रानसँ साँम धनि (आग्न कथा)

प्रसंगवण (निबंध)

सूर्ग अगदि अछि (यात्रा प्रसंग)

रुसाद (कथा संग्रह)

नमस्सुथे (उपन्यास)

निबिध प्रसंग (निबंध)

महनाज (उपन्यास)

लजकारन (उपन्यास)

सीमाक उदि यान (उपन्यास)

समाधान (निबंध संग्रह)

मागूरूमि (उपन्यास)

सुप्ललाक (उपन्यास)

शंखनाद (उपन्यास)

बूअह थिक जीवन (संमनघ)

ठहेंग दवाल (उपन्यास)

याथय (संमनघ)

हम आवि नहल छी (उपन्यास)

प्रलयक यनाग (उपन्यास)

वीणि (गल समय (उपन्यास)

प्रतिविम्ब (उपन्यास)

वदलि नहल अछि सरु किछ (उपन्यास)

नाश्रु मीदिन (उपन्यास)

संयाग (कथा संग्रह)

नाचि नदल छलि वसुधा (उयग्यास)

नद कूमान मिथ्र 'नद' (सौजय- नद कूमान मिथ्र 'नद')

गामघन (कथा संग्रह)

सूजागा (उयग्यास)

महानानी कौकयी (प्रवचनात्मक निवध)

गुदनीक लाल (उयग्यास)

अनीया कूकून (उयग्यास)

आउमन (कथा संग्रह)

दिल्लीक यार्क (शब्द चित्र)

सूक्या (उयग्यास)

सूर्ध कमल (वाल उयग्यास)

काद्य सनिगा (मैथिली काद्य संग्रह)

यनिवान (संमनधात्मक उयग्यास)

याचक क नऽ (मैथिली शब्द-चित्र)

सग्यानद या०क (सौजय- सग्यानद या०क)

दमन गाम (उयग्यास)

जँ. उदय नानायध सिंह "नचिकागा" (सौजय- नचिकागा)

ना अघ्नी : मा प्रविश

आइलन

अक छल नाजा

जनक आ' अग्याय अकांकी

नाटक क लल

नायक क नाम जीवन

प्रयादर्शन

नामलीला

प्रियंवदा (अकांकी)

नचिका निविध (मैथिली, वांशा, हिंदी आ अंग्रेजी)

मैथिली कविता-प्रेमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविता-प्रेमासिक (शलाळ १९६९)

मिथिला दर्शन मार्च २०२१

मिथिला दर्शन नवम्बर २०२१

नवि रूषण या०क

निहर्सल (नाटक)

विदहःसदह २९ (नवि रूषण या०क आ जॉ. कौलाश क्रमान मिश्र- अंक १-३१० सँ)

विदहःसदह २१ (गजब्र ०कून आ नवि रूषण या०कक आन रावासँ अनूदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)

जॉ. कौलाश क्रमान मिश्र

विदहःसदह २९ (नवि रूषण या०क आ जॉ. कौलाश क्रमान मिश्र- अंक १-३१० सँ)

क्रमान मनाज कथय

विदहःसदह ३१ (जॉ. कामिनी कामायनी आ क्रमान मनाज कथय- अंक १-३१० सँ)

जॉ. शम्भू क्रमान सिंह

(पुकानाम नामा (शटक कांकधी उयन्नासक मैथिली अनूनाद जॉ शम्भू क्रमान सिंह झाना) याखला

विदेह:सदह २६ (जॉ शम्भू क्रमान सिंह आ जॉ अनूध क्रमान सिंह
अंक १-३१० सँ)

जॉ. अनूध क्रमान सिंह

विदेह:सदह २६ (जॉ शम्भू क्रमान सिंह आ जॉ अनूध क्रमान सिंह
अंक १-३१० सँ)

क्रमान यवन (सौजय- अंगिका)

य०० (मैथिलीक सर्वश्रष्ट कथा)

त्रायनीक खाली यन्ना

कषत्र रानझाज

अजगुग अक्रीका (अक्रीका त्रायनी) यू. २१४-४६६

किछु यढल आ किछु सूनल- व्हीदी अमीन यू. ४८८-१४८

खलोना यू. ४६१-४८१

येवइ यू. १४६-१६८

किछु कथा १०-४६३

(गायाल मा 'अरिषक' (सौजय- (गायाल मा 'अरिषक')

आउ स्रूप सामी कनी (कविता संग्रह)

आमाद क्रमान मा (सौजय- आमाद क्रमान मा)

विषक यथान (कविता संग्रह)

किशन कानीगन (सौजय- किशन कानीगन)

किछु रूना (गल ह्मना

मूनाजी

भाकाम दिस (वीहनि कथा संग्रह)

प्रगीक (विहनि कथा संग्रह)

माँस आंगनम कविआञ्जल क्वी (मैथिली गजल संग्रह)

हम यूक्रेण क्वी (साजाकान)

गीन टा वाल नाटक (मैथिली वाल साहित्य)

खनलूञ्ची (मैथिली वाल कविगा- वाल साहित्य)

घाह (हाळूकु-टंका संग्रह)

सदीय क्रमान सारखी

वैशाखम दलानयन (यहिल मैथिली दलिन आग्नकथा सहित)

उम प्रकाश मा

किया वूमि ने सकल हमना (गजल, नूवाळू आ कगा संग्रह)

अमिग मिश्र

नत्र अंशु (गजल-हजल, नूवाळू संकलन)

चहन क्रमान मा

मानक वाग (गजल, हजल, वाल गजल, नूवाळू आ कगाक संकलन)

जौ. अनमाल मा

समय साञ्जी थिक (विहनि कथा संग्रह)

ळी ऊ समय अछि (विहनि कथा संग्रह)

विनय रूखन (सौजय- आशीष अनचिहान)

उजना यनवाक खज (कविगा संग्रह)

आनइ क्रमान मा

टाकाक माल (नाटक)

कलह (नाटक)

वदलौग समाज (नाटक)

धधाळूग नत्रकी कनियाँक लहास (नाटक)

ह०।। यनिवर्गन (नारक)

मूक यात्रा (नारक)

शिव क्रमान मा "रिञ्जु"

उद्यप्रण-कविता-संग्रह

अंशु-समालाचना

दवांशु वस

नगाशा -मैथिली वाल चित्रशृंखला (कौमिक)

जं. विनीग उग्रल

हम यूकेग क्री (कविता संग्रह)

नहन यन नथु - काशीनाथ सि हक हिंदी उयग्यासक विनीग उग्रल

झाना मैथिली अनूवाद

मन्त्रद्रष्टामृथशृङ्ग- लखक हनिशंकनश्रीवासुव "शलर" (हिंदीसं मैथिली

अनूवाद विनीग उग्रल झाना)

माहनदास- उदय प्रकाशक हिंदी उयग्यासक विनीग उग्रल झाना मैथिली

अनूवाद

माहनदास (मैथिली-दवनागनी) माहनदास (मैथिली-

मिथिलाऊन) माहनदास (मैथिली-व्रल)

ऊगदानध मा "मनू" (सोजय- ऊगदानध मा "मनू")

नठिया गुकेण हसन घनागीयन (गजल संग्रह)

गाहन काक नंग (विहनि कथा संग्रह)

चानहा- (वाल उयग्यास)

द्यथा- (कविता-गीग संग्रह)

नाजदव मधुल

अम्वना-कविता-संग्रह

हमन टाल (उयग्यास)

वसंधना(कविता संग्रह)

जाल (यटकथा)

लाज (एकांकी)

जल रंजन (उयग्यास)

प्रिबधीक नंग (विहनि आ लघू कथा संग्रह)

यंचेगी (लघू यटकथा)

नायसी

Raj deo Mandal - Maithili Witer by Gajendra Thakur

दूर्गानिष्ठ मधुल

संचयिका

कथा कूसूम (विहनि आ लघू कथा संग्रह)

चरु

नाम विलास साहू

अंकून- लघूकथा संग्रह

नथक चक्का उलटि चले वार (कविता/ टनका संग्रह)

कर्म विनू जग सन्ना (दासन कविता/ टनका संग्रह)

बूलक खिचणी (विहनि/ लघू कथा संग्रह)

दूधवचनी (लघू कथा संग्रह)

मनक मेल

नानायध यादव (सौजय- उमष मधुल)

खाली घन

नामदेव प्रसाद मधुल "मानूदान"

हमना विन् जग सून क्क

गीगांजलि मानू

कयिलखन नाउग

उलहन (विहनि - लघू कथा संग्रह)

नंद विलास नाय

सखानी-यटानी(लघूकथा संग्रह)

मदन अमन (दासन लघू कथा संग्रह)

मनजादक राज (गसन लघूकथा संग्रह)

रुनदूगिया

क्कठिक उला

हमन चानूधाम

असल यूजा

ललन क्रमान कामा (सौजय- उमण मधुल)

किक्क विहनि आ लघूकथा

उमण यासवान

वर्धिण नस

वचन ठाकून

वटीक अयमान आ क्कीननदती (नारक)

वाय रल यिफी आ अधिकान (नारक)

विसवासघाण (नारक)

ऊँच-नीच (नारक)

रँट (नारक)

जै. उमश मधुल

जगदीश प्रसाद मधुलक काव्य संसान (अनुसन्धान विक्षेप)

अग्रन्त (संकलन-सम्पादन)

रुनुवूक सँ रूसवूक धनि (संकलन-सम्पादन)

जगज न जाज कवि जगज जाज अनुरदी (संकलन-सम्पादन)

निर्विकल्प (संकलन-सम्पादन)

समस्या सँ समाधान धनि (संकलन-सम्पादन)

निश्चुकी- कविता संग्रह

मिथिलाक संस्कान गीत, विध-ब्रह्मदान गीत आ गीतनाद (संकलन)

मिथिलाक वनचरि स्रावूत (आ मिथिलाक जीव-जन् स्रावूत (आ

मिथिलाक जिनगी स्रावूत (आ

M t h i l a _ P a i n t i n g - M o d e r n A r t - P h o t o s

सगन नागि दीय जनय- वृंगिदास

सगन नागि दीय जनय- आनगी कुमानी रूवूल

दूध-यानि रूनाक-रूनाक (कथा अवं याधुलियि जगदीश प्रसाद मधुल)-

(छाया अवं सम्पादन- उमश मधुल)

द्विभूक्तानी मूसलमान उनि द्विभूक्तानियग - मूल द्विष्टी लख- गीतश शर्मा,

मैथिली अनुवाद- उमश मधुल

उमश मधुल ज्ञाना मैथिली लखकक नचना संसानसँ वीकल विचानक
यासूलटक याथी

जगदीश प्रसाद मधुल नाजदत मधुल जै. शिव कुमान प्रसाद नामदत

प्रसाद मधुल "मानुदान" नाम विलास साहू नष्ट विलास नाय कयिलक्षण

नाउग प्रीतम कुमान निषाद

मिथिलाक सरु जागि आ धर्मक संझान, लोकगीत आ ब्यवहान गीत
(उमश मंगल : सोजय)

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 2
4 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42
43

अन्धनि चयन - (गार वीछल कथा जगदीश प्रसाद मधुलक ११)
(उमश मधुल - अदम् सम्यादन

.....

जगदीश प्रसाद मधुल

गामक जिनगी (लघुकथा संग्रह)

मिथिलाक वटी (नाटक)

मौलाळल गाछक रूल (उपन्यास)

जिनगीक जीग (उपन्यास)

उठान-यान (उपन्यास)

जीवन-मनन (उपन्यास)

जीवन-संघर्ष (उपन्यास)

गनगन (वाल प्रनक विहनि कथा संग्रह)

यंचवटी (अकांकी-संचयन)

अर्द्धांगिनी..सनाजनी.. सूरदा.. राळक सिनह ँग्यादि (लघुकथा
संग्रह)

कम्प्रामाळज (नाटक)

ममलिया विआह (नाटक)

ब्रधनूषी अकास (यज्ञ संग्रह)

शंगुदास (गीनटा दीर्घ कथा मरुडन, शंगुदास आ हाँसी)

गीगांजलि (गीग संग्रह)

नागि-दिन (कविगा संग्रह)

सगरैया याखनि (लघू कथा संग्रह)

गीन ३० अगानहम माघ (गीग संग्रह)

वजन्ना-वूमन्ना (निहनि कथा संग्रह)

नन्नाकन उकेग (नाटक)

वकी वहिन (उयग्यास)

एकमा७ (लघूकथा संग्रह)

उलवा चाउन (लघूकथा संग्रह)

सनिगा (कविगा संग्रह)

सूखाअल याखनिक जा०० (गीग संग्रह)

ने धाउे (वाल उयग्यास)

सूर्यवन (नाटक)

यगमा७ (लघू कथा संग्रह)

रूलहान (लघू कथा संग्रह)

गामक शकल सूनग (लघू कथा संग्रह)

लजविजी (लघू कथा संग्रह)

वटसन काका (लघू कथा संग्रह)

आमक गाछी

अथन गाम

दिनालीक दीय

यंचदत्र सीनीज

यंचदत्र-१ यंचदत्र-२ यंचदत्र-३ यंचदत्र-४ यंचदत्र-५ यंचदत्र-६
७ यंचदत्र-१ यंचदत्र-८ यंचदत्र-९ यंचदत्र-१० यंचदत्र-२० यंचदत्र-
३० यंचदत्र-४० यंचदत्र-५० यंचदत्र-६० यंचदत्र-१० यंचदत्र-
८० यंचदत्र-९० यंचदत्र-१००

दूध-यानि रूनाक-रूनाक (कथा अत्रं याधुलियि जगदीश प्रसाद
मधुल)- (काया अत्रं सम्यादन- उमश मधुल)

जगदीश प्रसाद मधुल जीक ६५ टा याथीक नव संकनध विदहक २३३
(Vi deha_01_09_2017) सँ २५० (Vi deha_15_05_2018)
धनिक अंकम धानावाहिक प्रकाशन नीचाँक लिंकयन यदू:-

VI DEHA 233	VI DEHA 234	VI DEHA 235	VI DEHA 236	VI DEHA 237	VI DEHA 238
VI DEHA 239	VI DEHA 240	VI DEHA 241	VI DEHA 242	VI DEHA 243	VI DEHA 244
VI DEHA 245	VI DEHA 246	VI DEHA 247	VI DEHA 248	VI DEHA 249	VI DEHA 250

यंगु (उयन्यास)- साहिय अकादमी मूल यूनकान २०२१ सँ सम्मानित
याथी

यंगु (हिदी अनूवाद नामध्वन प्रसाद मधुल)

अथन सागी (लघुकथा संग्रह)

मा७यन (उयन्यास)

सूचिगा (उयन्यास)

सहन्दा सहन्क नहि (गल (लघुकथा संग्रह)

जँ. शशिवन कूमन

उ० न सकी यन चिउे क्की ह्म (राग १-२) (यु. १०५४-१०६५)

खिस्रा अष्टकीटिका कन (यु. १०५४-१०६५)

वाल कविता (यु. ६६३-१२१७)

वाल कविता (यु. १००४-१११३)

सचित्र वाल कविता (यु. १४१-६३४)

सचित्र वाल कविता (यु. १४६६-१६७०)

.....

गजब्र ०कून

मैथिलीक आदिकवि निद्यायति (आगिनीक्षन युर्व)

गजब्र ०कून आ घीति ०कून (समालाचना)

गलगु कथा आ आठिया, गलगु, गुजनागी, राजयूनी आ कश्मीनी कविता

गलगु कथा आ आठिया, गलगु, गुजनागी, राजयूनी आ कश्मीनी कविता

(मिथिलाउन)

मैथिली समीजाशास्त्र

मैथिली समीजाशास्त्र (गिनहूगा)

मैथिली समीजाशास्त्र (राग-२, अनुप्रयाग)

मैथिली ग्रणियागिता

प्रवब्र-निवब्र-समालाचना राग-१

प्रवब्र-निवब्र-समालाचना राग दू (कूनूअप्रम अन्कर्मनक-२)

प्रवब्र-निवब्र-समालाचना (राग-२, कूनूअप्रम अन्कर्मनक खधु-६)

(संजिय)

निग नवल दिनष कूमान मिश्र

निग नवल दिनष कूमान मिश्र (मिथिलाउन)

निग नवल दिनष कूमान मिश्र (कैथी)

निग नवल दिनष कूमान मिश्र (नवाती)

निग नवल दिनश क्रमान मिश्र (IPA)

दुषध यज्ञी- The Black Book

दुषध यज्ञी- The Black Book (मिथिलाउन)

यर्ग ऊयन रमना ऊ सुगल (वीहनि, लघु आ दीर्घ कथा संग्रह)

यर्ग ऊयन रमना ऊ सुगल (मिथिलाउन)

यर्ग ऊयन रमना ऊ सुगल (कैथी)

यर्ग ऊयन रमना ऊ सुगल (नवाग्री)

यर्ग ऊयन रमना ऊ सुगल (IPA)

स्वप्नम मिश्रान दाळ्ण

The Science of Words

Rajdeo Mandal - Maithili Witer (Now with Supplement I & II)

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Witer

निग नवल सुराष चड्ड यादव

निग नवल सुराष चड्ड यादव (मिथिलाउन)

जगदीश प्रसाद मधुल- अकटा वायाग्राही

जगदीश प्रसाद मधुल- अकटा वायाग्राही (हिन्दी अनूवाद नामधुन प्रसाद मधुल)

गंगा व्रिज (नाटक)

उष्कामूख (नाटक)

संकर्षण (नाटक)

धार्गि वार वनवाक दाम अगुवान यन छँ (नूवाळ्, कगा आ गजल संग्रह)

[सहस्रजिन् \(यद्य संग्रह\)](#)

[सहस्रादीक चौयोन \(यद्य संग्रह\)](#)

[द्वन्द्वहृत् आ असङ्गि मन \(दूटा गीत प्रवच\)](#)

[सहस्रवाढनि \(उयग्यास\)](#)

[सहस्रवाढनि व्रल-मैथिली \(मैथिलीक यहिल व्रल यथी\)](#)

[सहस्रशीर्षा \(उयग्यास\)](#)

[गल्य-गुब्बु \(विहनि आ लघू कथा संग्रह\)](#)

[शब्दशास्त्रम् \(लघूकथा संग्रह\)](#)

[वाल मञ्जुली/ किष्णान जगग \(वाल नाटक, लघूकथा, कविगा आदि\)](#)

[क्रान्दप्रम् अन्कर्मनक](#)

[द्वनागनी वर्सन गिनद्गा वर्सन व्रल वर्सन](#)

[Learn Maithili Sign Language](#)

[Learn Mthilakshar Script](#)

[Learn Braille through Mthilakshar Script](#)

[Learn International Phonetic Script through Mthilakshar Script](#)

[Learn Kai thi](#)

[Learn Newari](#)

[Learn Calligraphic Newari \(Ranjana\)](#)

[Learn Urdu Script](#)

[Learn Tibetan Script](#)

[Learn Japanese Script for Haiku](#)

[Learn Brahmī](#)

Learn Kharoshti

मिथिला नद/ मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक यावनि गिहान (कथा) आ

मिथिलाक संगीत

जलादीय (वाल-नाटक संग्रह)

अउनमृष्टिका (वाल-लघुकथा संग्रह)

वाळक वळोना (वाल-यद्य संग्रह)

नानाभंसी (गीत-प्रवच)

मचधु (नाटक)

वाल साहित्य (मूल)- गजब्र ०कून

रस जावत छू (मैथिलीक २०१२ म प्रकाशित यहिल क्लाउड-रिक्लोन

अ- Maithili's first climate-fiction play originally published in 2012)

कमलाक रगगा

गनहनिम यनीलाक

वसी छुट्टी कम वूसकूल

वउद कनेउ दाउन न यो

वाल गजल

रिनिश लाउन

अनुदिग साहित्य (आन रावासँ)- गजब्र ०कून

विदहःसदह २१ (गजब्र ०कून आ नदि रूषध या०कक आन रावासँ

अनुदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)

वाल साहित्य (अनुवाद- द्विराषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजब्र ०कून

मसाळी कन यनिवर्णनकानी नवका

(षष्ठ ४० टा वाल चित्र-याथी नीचाँक लिंकयन:-

सुत	घन सर	अरुटा नीक दिन	का रन गँ ठीक छी न	की अहाँ उ चिते सरक दखन छी?
उर	वधेरा बलिपटा	अरु रन सर नई छी	राजकाक नकरामने	राजकाक नकरामने (दिन नइक)
वध	अरु रन- बबक	अरु रन- नरना	अरु उ केनार उनाउटा कर	अरु टिकवाने अरु-भरना
अरु	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन
अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन
अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन
अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन
अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन	अरु रन अरु रन

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीउ-अलाउउ ँठिया कूक

<https://bl.oomlibrary.org/player/Wf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिवर्गनकानी नवका)

<https://bl.oomlibrary.org/player/p3sHfYBgiT> (चलू हम गँ ठीक छी न!)

<https://bl.oomlibrary.org/player/f19pSdhGMb> (अकरा नीक दिन)

<https://bl.oomlibrary.org/player/b2l5wesxCp> (घन सर)

<https://bl.oomlibrary.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ चिते सरक दखन छी?)

NTA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional - गज्ज ओकून

मैथिली समीजाभास

मैथिली समीजाभास (गिनहूगा)

मैथिली समीजाभास (राग-२, अनप्रयाग)

मैथिली प्रगियागिना

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) रानायीय राषा यनिवान मध मैथिलीक स्तान/ मैथिली राषाक उइव डा विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(आगिनीश्वर, विद्यायगि आ (गाविहदास सिलवसम छथि आ नसमय कवि चणुन चणुनगुज विद्यायगि कालीन कवि छथि। अगय समीजा शंखलाक ग्रानह कनवासँ युव चानू (गारक शब्दावली नव शब्दक यर्याय संग दल जा नहल अछि। नव आ यूनान शब्दावलीक स्नानसँ आगिनीश्वर, विद्यायगि आ (गाविहदासक प्रक्षान्दनम धान आडाग, संगहि शब्दाव वढलासँ साँटी मैथिलीम प्रक्षान्दन लिखवाम धाख आरु-आरु खगम हायग, लखनीम प्रवाह आयग आ सूत्रा रावक अरिथकिक रय सका।)

(वडीनाथ मा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मग्य शब्दावली)

(नेवू अतीशन- प्रथम यत्र- लानिक गाथाम समाज आ संवृगि)

(नेवू अतीशन- द्वितीय यत्र- विद्यायगि)

(नेवू अतीशन- द्वितीय यत्र- यद्य समीजा- वानगी)

(नेवू अतीशन- प्रथम यत्र- लाक गाथा नृय नाटक संगीग)

(नेवू अतीशन- द्वितीय यत्र- यात्री)

(नेवू अतीशन- द्वितीय यत्र- मैथिली नामायध)

(नेवू अतीशन- द्वितीय यत्र- मैथिली उयद्यास)

(नेवू अतीशन- प्रथम यत्र- श्व विवान)

(गिनदूगा लियिक उद्भव आ विकास)

अनलभक-१-२-३ अनलभक- ४-७

(मैथिली आ दासन यूवनिया राषाक वीचम सम्वव (वांश, असमिया आ आिग्या) [यू.पी.अस.सी. सिलवस, यत्र-१, राग-"अ", क्रम-७])

[मैथिली आ दिई/ वांश/ राजयनी/ मगदी/ संथाली- विद्वान लाक सदा आयाग (वी.पी.अस.सी.) कन सिविल सदा यनीजाक मैथिली (अद्विक) विषय लल]

मैथिली

वांश

असमिया

आिग्या

दिई

उर्दू

नयाली

संवृग

संथाली

NTA_UGC_NET_Maithili_01- गज्ज ओकून

NTA_UGC_NET_Maithili_02- गज्ज ओकून

Test Series-1- गज्ज ओकून

Test Series-2- गज्ज ओकून

GS (Pre)

Topic 1 - गज्ज ओकून

गजब्र 0कून (सम्यादन)

विदह-सदह १- २१ wwwvi deha.co.i n विदह ००-यप्रिकाक अंक १- ३१० सँ मेथिलीक सर्वश्रष्ठ गद्य आ यद्यक अकटा समानाकन संकलन	
दवनागनी	मिथिलाउन
विदहसदह १:	विदहगिनह्या सदह १ :
विदह:सदह २ मेथिली प्रवन्न-निवन्न-समालावना	विदह: सदह २ गिनह्या
विदह:सदह ३ मेथिली यद्य	विदह: सदह ३ गिनह्या
विदह:सदह ४ मेथिली कथा	विदह: सदह ४ गिनह्या
विदह मेथिली विहनि कथा [विदह सदह १]	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह मेथिली विहनि कथा [विदह सदह १२-संक्रनध -]	विदहगिनह्या २-संक्रनध सदह १ :
विदह मेथिली लघुकथा [विदह सदह ६]	विदह: सदह ६ गिनह्या
विदह मेथिली यद्य [विदह सदह १]	विदह: सदह १ गिनह्या
विदह मेथिली नाद्य उअन्न [विदह सदह ८]	विदह: सदह ८ गिनह्या
विदह मेथिली भिष उअन्न [विदह सदह ९]	विदह: सदह ९ गिनह्या
विदह मेथिली प्रवन्न-निवन्न-समालावना [विदह सदह १०]	विदह: सदह १० गिनह्या
विदहसदह ११:	विदहगिनह्या सदह ११ :
विदहसदह १२:	विदहगिनह्या सदह १२ :
विदहसदह १३:	विदहगिनह्या सदह १३ :
विदहसदह १४:	विदहगिनह्या सदह १४ :

विदरसदर १७:	विदरगिनरुगा सदर १७ :
विदरसदर १६:	विदरगिनरुगा सदर १६ :
विदरसदर ११:	विदरगिनरुगा सदर ११ :
विदरसदर १८:	विदरगिनरुगा सदर १८ :
विदरसदर १५:	विदरगिनरुगा सदर १५ :
विदरसदर २०:	विदरगिनरुगा सदर २० :
विदरसदर २१:	विदरगिनरुगा सदर २१ :
विदरसदर २२:	विदरगिनरुगा सदर २२ :
विदरसदर २३:	विदरगिनरुगा सदर २३ :
विदरसदर २४:	विदरगिनरुगा सदर २४ :
विदर:सदर २७	विदर: सदर २७ गिनरुगा
<p>विदर-सदर २६-</p> <p>३६ www.videha.co.in</p> <p>विदर रू-यत्रिकाक अंक १-</p> <p>३७० सँ थीम आधानिग</p> <p>मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ</p> <p>अनुदिग गद्य आ यद्यक</p> <p>अकरा समानान्तर संकलन</p>	
विदर:सदर २६ (श्री गण्ड क्रमान सिंह आ श्री अनुध क्रमान सिंह अंक १-३७० सँ)	विदर: सदर २६ गिनरुगा
विदर:सदर २१ (गजद्व ०पत्रन आ नवि रूषध या०कक आन राषारसँ अनुदिग गद्य आ यद्यक- अंक १-३७० सँ)	विदर: सदर २१ गिनरुगा
विदर: सदर २८:अनुदिग गद्य आ यद्यक-अंक १ -३७० सँ)	विदर: सदर २८ गिनरुगा
विदर:सदर २५ (नवि रूषध या०क आ श्री. कैलाश क्रमान मिश्र- अंक १-३७० सँ)	विदर: सदर २५ गिनरुगा
विदर:सदर ३० (बुल-बोलकक विद्यार्थी लल- अंक १-३७० सँ)	विदरगिनरुगा सदर ३० :
विदर:सदर ३१ (श्री. कामिनी कामायनी आ क्रमान मनाज कथय- अंक १-३७० सँ)	विदर: सदर ३१ गिनरुगा
विदर:सदर ३२ (नवनामक गद्य-यद्यक लखन राग-१- अंक १-३७० सँ)	विदर: सदर ३२ गिनरुगा

विदेह:सदह ३३ (नवनामक गद्य-यद्य लखन राग-२- अंक १-३१० सँ)	विदेह: सदह ३३ गिनह्या
विदेह:सदह ३४ (नवनामक गद्य-यद्य लखन राग-३- अंक १-३१० सँ)	विदेह: सदह ३४ गिनह्या
विदेह:सदह ३१ (नवनामक गद्य-यद्य लखन राग-४- अंक १-३१० सँ)	विदेह: सदह ३१ गिनह्या
विदेह:सदह ३६ (नवनामक गद्य-यद्य लखन राग-१- अंक १-३१० सँ)	विदेह: सदह ३६ गिनह्या

.....

यू.पी.अस.सी. आ आन प्रगियागिगा यनीजा लल दखू:

विदेह:सदह ११	विदेह:सदह २१	विदेह:सदह २३	विदेह:सदह २६	विदेह:सदह २९
विदेह:सदह ३०	विदेह:सदह ३२	विदेह:सदह ३३	विदेह:सदह ३४	विदेह:सदह ३१

.....

Vi deha-Sadeha

राषायक-विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्यादन
याधक्रम

विदेह यूनान अंकक आकाँठ

Vi deha 1-50

Vi deha 51-100

Vi deha 101-149

Vi deha 150-250

Vi deha 251-Onwards

Audi o Archi ve Fol der

M t h i l a _ P a i n t i n g - M o d e r n A r t - P h o t o s

Vi deha O l d I s s u e s F o l d e r

Vi deha C l a s s i c a l S i t e s F o l d e r

.....

गज्ज् ०कून आ आशीष अनविज्ञान (सम्यादन)

मैथिलीक प्रगतिनिधि गजल

मैथिली गजल: आगमन डा प्रसन्न विंदू (गजलक आलाचना-समालाचना-समीक्षा)

.....

गजल ओकून, ना(गजल कमान मा आ यक्षीकान विद्यानद मा (सम्यादन) जीनाम मैयिंग (४१० अ.जी.सँ २००६ अ.जी.)--मिथिलाक यक्षी प्रवच जीनियालाजिकल मैयिंग (४१० अ.जी.सँ २००६ अ.जी.)--मिथिलाक यक्षी प्रवच -राग-२

यंजी (११००० मूल मिथिलाजन गा७यत्र)

11000 PALM LEAF PANJI INSCRIPTIONS (VOLUME I TO XXI) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti Thakur

MAITHILI -ENGLISH DICTIONARIES

Mai thili -Engl ish Di ctionary Vol .I

Mai thili -Engl ish Di ctionary Vol .II

ENGLISH-MAITHILI DICTIONARIES

Vi deha Engl ish Mai thili Di ctionary

Engl ish-Mai thili Computer Di ctionary

.....

दिनश कमान मिश्र (सोजय दिनश कमान मिश्र)

वह्निनी महानद्या

वागमती की सङ्गति!

दूळ याउन क वीच मं.. (कासी नदी की कहानी)

न घाट न घन

वगावग यन मजवून मिथिला की कमला नदी

गुहरी नदी उन तकनीकी मा-रूक

The Kamla River and People On Collision Course

Bhuthi Balan- Story of a ghost river and

engineering witchcraft

Refugees of the Kosi Embankments

.....

यप्रिका-जर्नल-आनिका

मिथिला मिहिन (मिथिलाक) १९३६ (सोजय- सूनइ मा सून/ रीमनाथ
मा)

मैथिली कविगा-प्रैमासिक (सोजय- नचिकागा)

मैथिली कविगा-प्रैमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविगा-प्रैमासिक (इलाळ १९६९)

कोशिकी (सोजय- यङ्गीकान विद्यानइ मा)

कोशिकी (१९११-१२)

दसिल वयना (अखवान) (सोजय- नामलाचन ठाकुर)

दसिल वयना (अखवान)

मिथिला दर्शन (सोजय- नचिकागा)

मार्च २०२१

नवम्बर २०२१

Society Today (सोजय- समा आनइ)

अंक ११

संकल्प (सौज्य- योगानन्द मा)

अंक १ १६६६

अंगिका (सौज्य- गौरीनाथ)

शलाकू-सिगमन २००६ (हनिमाहन मा त्रि(षांक) अकूवन २०१०सँ
मार्च २०११ अकूवन २०११ सँ मार्च २०१२

रानी मंठन (सौज्य- कदान कानन)

अंक-१६

सञ्चान (सौज्य- अ(षाक)

सञ्चान १

सञ्चान २

सञ्चान ३ प्ररास त्रि(षा

सञ्चान ४

मिथिलांगन (सौज्य मूकष दफ)

अप्रैल-सिगमन २०२२

मेलानंग (सौज्य- प्रकाश मा)

अंक२-३

धूआ-धजा (सौज्य- यनमध्वन कायति)

अंक १ अंक १४ अंक ११ अंक १६ अंक १६ अंक १० इन

२०१२ अंक २४ इन २०१२ 23February2016 २१ शलाकू

२०१२ ०१ अगस्त २०१२ आसिन २०१३

आनिका (सौज्य- नामरनास कायति प्रमन)

आनिका (२०१०)

आंगन (सौज्य- नामरनास कायति प्रमन)

आंगन अंक-४ (२०१२) सलहस वि(श्यांक

आँशन (सौज्य- नामरुनास कायति त्रमन)

आँशन (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सामदत्र वि(शय

गामघन (सौज्य- नामरुनास कायति "त्रमन")

गामघन-३०-०६-२०१६

गामघन-०४-१०-२०१६

गामघन-१६-०१-२०१६

गामघन-२१-०६-२०१६

दूधमगी- (नयाली आ मेथिलीम) (सौज्य- सूजीग क्रमान मा)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक ३५ अंक ३६ अंक ३७ अंक

३८ अंक ३९ अंक ४० अंक ४१

घन-वाहन (सौज्य- चाना समिति)

अप्रैल-शन २०११

नचना (सौज्य- सुराव चड्ड यादत्र)

दिसम्बन "०१ मार्च "०६नाजकमल चौधनी: मानाशारु

यल्लन (सौज्य- धीनड्ड प्रमर्षि)

यल्लन- १ गजल अंक

यूर्वाफन मेथिल (सौज्य- प्रमकान चौधनी)

अप्रैल-शन २०१० शलाळ-सिगम्बन २०१० जनवनी सँ मार्च २०११ अप्रैल-

शन २०११ शलाळ-सिगम्बन २०११

लालदास रावांजलि श्मानिका २०२२ (सौज्य जँ संजीव श्मा)

.....

किङ्क मैथिली यथी उअनलाउ साङ्गट (उयन सार्सी)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (M a i t h i l i - E n g l i s h - H i n d i C o n v e r s a t i o n s)

मैथिली-द्विष्टी नार्गलाय (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकग राषा सहिग- मैथिलीम यद्विल वन)

https://www.youtube.com/@vi deha_ e j o u r n a l

<https://youtu.be/TebuC-l rSs8>

<https://ncert.ni c.i n/bs-2021.php>

Sah i t y a A k a d e m i

प्रकाशन

डिजिटल-यथी

CIIL

अखियासल (नमानध मा नमध)

शुआयल कनकनी- महद्व

प्रवध संग्रह- नमानाथ मा (वी.यी.अस.सी. सिलवस)

सृजन कन दीय यद्व- सं कदान कानन आ अनद्विष्ट 0कून

मैथिली गध संग्रह- सं (धेलध्व माहन मा

Archi ve.Org (विजयद्व मा)

Vi deha M a i t h i l i e B o o k s / e J o u r n a l s / A u d i o - V i d e o

Archi ve

IGNCA

M a i t h i l i E n g l i s h D i c t i o n a r y

विज्ञान नग्नकन

मिथिला दर्शन

गीनयुक्ति

OLE Nepal's e-Pustakalaya

याथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mthila)

History of Navya-Nyaya in Mthila

Studies in Jainism and Buddism in Mthila

Mthila in the Age of Vi dyapati

Cultural Heritage of Mthila

Mthila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI - English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्मान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

ब्लूम लाइव्नी मैथिली

अनियन रूउ(गुणन

Pratham Books Mithili Storyweaver

मिथिली कृतिया वृक्ष

Vi deha Read Al oud Tal ki ng Mithili Audi o

Books (i ncl udi ng Mithili Sign Language- Ist time
in Mithili)

याथी उँट कॉम

I Love Mthila (याथी उअनलाउ लिंक)

online mithili journal

owner I Love Mthila

ग्रान मिथिल चैनल- किनध चौधनी आ संगीता आनइ

मिथिला चेटुन

खिस्रा-यिहानी नना गुटका लल

जानकी अरु. अम समाचान

आकाशवाणी दरुंगा यू यूव चैनल

.....

JNU

मिथिली

मिथिली लक्षिकन

.....

Vi deha e-Learni ng YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीतनाटक अकादमी - (यूनिकान नामसँ विद्याग /सम्मान

.....

मैथिलीक वर्नी

१

मैथिलीक वर्नी- विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्पादन याधक्रम

राषायाक

२

मैथिलीक वर्नीम यर्याक विविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन अकन वर्नी ॐ BMAFOO1 सँ प्रनिग वृमाळ्ण अछि, स अकन अकना अक उखगहाम उनटा-यूनटा दियो, ताव धनि यर्याक अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह ॐ यर्याक अछि, स ऊ विद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन अकटा आन रासु-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

I GNOU ॐ BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com The contents

and documents e-published by Vi deha (since 2000) ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

३. मैथिली ँतिया-दीतियाक संकलन Maithili Audi os-Vi deos

विदेह ँतिया-दीतिया

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह ग्रथम मैथिली याञिक ँली यत्रिका Vi deha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह ग्रथम मैथिली याञिक ँली यत्रिका नव अंक दखवाक लल युष्ठ सरक निरुध कअ दखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VI DEHA.

Search for Audi o-Vi deo related information
(i ncl udi ng Pri nt, Audi o-Vi sual & Si gn Language)
relating to Mthila/ Maithili

<https://books.google.com/>



"Vi deha" Ist Maithili Fortnightly ejournal Archive of Audi os-Vi deos 'विदेह' ग्रथम मैथिली याञिक ँली यत्रिका ँतिया-दीतिया आर्काइव मैथिली ँतिया-दीतियाक संकलन (यूर्धनः अद्यवसायिक उद्युध आ मात्र अकतमिक प्रयाग लल) ँतिया-दीतिया दखवाक लल सवधिा लिककं क्लिक कनू। For viewing audi os-vi deos click the respective links.

.....

मिथिलाक सरु जागि आ धर्मक संझान, लाकगीग आ ब्रह्मज्ञान गीग (सोजय: उमश मंजल)

[1](#) [2](#) [3](#) [4](#) [5](#) [6](#) [7](#) [8](#) [9](#) [10](#) [11](#) [12](#) [13](#) [14](#) [15](#) [16](#) [17](#) [18](#) [19](#) [20](#) [21](#) [22](#) [23](#) [24](#) [25](#) [26](#) [27](#) [28](#) [29](#) [30](#) [31](#) [32](#) [33](#) [34](#) [35](#) [36](#) [37](#) [38](#) [39](#) [40](#) [41](#) [42](#)
[43](#)

.....

गुवाहाटी विद्यायगि यर्ब २०१०

[यहिल राग](#) [दासन राग](#) [गसन राग](#) [चानिम राग](#) [याँचम राग](#)

गुवाहाटी अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मलन आ विद्यायगि यर्ब २०११

[01](#) [02](#) [03](#) [04](#) [05](#) [06](#) [07](#) [08](#) [09](#) [10](#) [11](#) [12](#) [13](#) [14](#) [15](#) [16](#) [17](#) [18](#) [19](#) [20](#) [25](#) [26](#) [27](#) [28](#) [29](#) [30](#) [31](#) [32](#) [33](#) [34](#) [35](#) [36](#) [37](#) [38](#) [39](#) [40](#) [41](#) [42](#)
[43](#) [44](#) [45](#) [46](#)

.....

मैथिली फिल्म

[ममता गावय गीग \(सोजय- Saregama\)](#)

[कन्यादान \(सोजय- BEJ OD\)](#)

M i t h i l i M o v i e s o n R e n t

[BEJ OD](#)

गामक घन

धून

चोवरिया (सोजय- धीनद्ध प्रमर्षि)

चोवरिया

सौराथ्र मिथिला

ललका याग राग-१

ललका याग राग-२

.....

मिनाय-१

वृधियान क्रीग आ नाऊस

मिनाय-२

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४

.....

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (Mait h i l i -E n g l i s h -H i n d i C o n v e r s a t i o n s)

यं लक्ष्मीयनि सिंह (सोजय नमानद्ध मा "नमध")

दिष्टी-मैथिली-शिक्षक

मैथिली-दिदी नार्गलाय (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकाय राधा सहित- मैथिलीम यहिल वन)

https://www.youtube.com/@videha_journal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

ग्रान मैथिल चैनल- किनध चौधनी आ संगीता आनइ

मिथिनंग लाक नंग

मिथिला चैष्टन

खिस्रा-यिहानी बना गुरका लल

मिनाय

मेलानंग

मिथिलांगन

रंगिमा

मैथिली नंगमंच

काकिल मंच

मिथिला दर्शन

मिथिला मिन्न

सृति अंतरनमंर

BEJ OD

अचल चित्र

नीलम मेथिली

मेथिली गंगा

मिथिला अंकन

मेथिली क्लास

मेथिली समाचार (जनता टेलीविजन)

मेथिली टॉक

अग्रन टी.वी.

टी.वी. टू, जनकपुर

दृथम मीठिया

संस्कान मिथिला

सानगामा मेथिली

नवनस मीठिया

आगि अंतरनमंर

बूजानिया रिलम्स

अयाधानाथ चौधनी

नठिया जनकपुर

मिथिला टी.वी.

मधून मैथिली

मैथिली-नयाली सीखू

अयन मैथिली

मैथिली या०

सूनु नाउग

मिथिलांचल

अमिग मा

प्रदश मल्लिक

आदिग रहलस अछु गूजिक

नयाल टलीविजन

आकाशवाणी मैथिली समाचान

आकाशवाणी अमृग महामत्र

नशिम दफ

प्रिया मल्लिक

अनामिका मा

नरु कस, नचिकगा

कृष्ण विहानी

नाम वावू मा

दी. ऊ., विकास मा

गिनहूग मिथिला

आळ लव मिथिला

लाक कला कड्ड

नजनी यल्लदी

यूनम मिश्र

नंजना मा

शली मा

मैथिली 01कून

अनूयम मिश्र यॉतकासु अयीसात ४० कीर्तिनाथ मा

ब्लूम लाळ्वनी मैथिली

अनियन खाउ(धुशन

Pratham Books Maitihili Storyweaver

मैथिली ँतिया वृक्त

Vi deha Read Aloud Tal ki ng Maitihili Audi o
Books (i ncl udi ng Maitihili Sign Language- Ist time in
Maitihili)

<https://bl.ooni.brury.org/player/Wf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिवर्णनकानी नवका)

<https://bl.ooni.brury.org/player/p3sHdYBgiT> (चलू ह्म नँ ठीक छी न!)

<https://bl.ooni.brury.org/player/f19pSdhGMb> (अकटा नीक दिन)

<https://bl.ooni.brury.org/player/b2l5wesxCp> (घन सर)

<https://bl.ooni.brury.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ चिउे सरकँ दखन छी?)

जानकी अरु.अम समाचान

आकाशवाणी दररंगा यू यूव चैनल

I Love Mthila

online naitthili journal

owner I Love Mthila

.....

वृक्ष चड्ड लाल, जनकपूरक सोजगसँ

मिमिया

ठाल-यियही

यवनकान मा (काथय कमल), एटसिमनि, मध्वनीक सोजगसँ

नसनचोकी

.....

विश्रायगि गीत

गुलिका

गीत-(गानिधदास (गायन दीजा रानी)

(गानिधदास-१

(गानिधदास-२

(गानिधदास-३

(गानिधदास-४

(गानिधदास-५

(गानिधदास-६

.....

मैथिली गजल (गजल- गजद्व Oकून, गायन दीजा रानी)

वरुन मूकानिव

गजल-२

गजल-३

गजल-४

.....

११म सगन नागि दीय जनअ (०२ अकूवन २०१०), गाम
वनमा , जिला मधुवनी (संथाजक- जगदीश प्रसाद मंठल)

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५ राग-६

82 म सगन नागि दीय जन७, स्थान- गजन३ ओकून जीक निज
आवास, गाम- मंरुथ, जिला- मधुवनी। दिनांक- 31 म३३ 2014 (शनि
दिन), सम७- संध्या छह वजसाँ (गाष्ठीक नाउां- कथा वौद्ध सिद्ध
मरुथया सगन नागि दीय जन७। आयाजनक खय- ६२ म
आयाजन, संयाजक- गजन३ ओकून। वि(षया- वाल साहिग्ययन
कनि३गा।

.....

मेलानंग-१ (सौजय- प्रकाश मा)

नचिकगाक अक छल नाजा - राग-1

नचिकगाक अक छल नाजा - राग- 2

का0क लाक- मरुद्ध मर्लागिया राग-1

का0क लाक- मरुद्ध मर्लागिया राग-2

मेलानंग-२

कासी समीनान 12 सिगम्वन 2008 राग-१

कासी समीनान 12 सिगम्वन 2008 राग-२

.....

मिथिलांगन

विदरु मेथिली नाय उम्वन

यू यूव लिंक

विदेह मैथिली साहित्य/ नाय/ कविता/ यनिचर्चा उभय

विदेह समानान्तर साहित्य अकादमी सम्मान समानाह

जनकपूर- विद्यायति यत्र

जिगद्ध मा, जनकपूर

नामरुद्र

सामा चक्रा 1

सामा चक्रा 2

मैथिली कवि सम्मेलन (मिथिला कञ्चनल □(गैनाञ्जण, यू.क.)

नियन्त्रिक ३ 2009 (रानग)

सगन नागि दीय जनञ, कविलपूर, इन २०१०

राग-१ राग-२

कृष्ण कृमान कथयसँ गजद्ध ०कून झाना लल साजाकान

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-१

प्रवाध सम्मान: नाजमाहन मा

(स्राञ्जणकँ वीचम ल' जाउ, अदहाक वाद नाजमाहन मासँ विनीग
उग्रलक साजाकान छहि।)

साहित्य अकादमी पूनकान: मन्त्रधन मा

मिथिलाक खाज

1. (गोत्रीशकन

राग-१ राग-२

2. वाञ्छी-वसेटी

वर्षकृत्य

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-७ राग-८ राग-९ राग-१०

समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ ङ्छिया ह्वीट्ट सगुन खानीय खाषा
महाशत्र

*Samanyavay 2-4 November 2012 IHC Indian Languages'
Festival. Venue: India Habitat Centre, Lodhi Road,
New Delhi -- 110 003.*

*3rd November 2012 Maithili - Love's Own Language/
Brahminism in Maithili / Pre-Jyotirishwar Non-
Brahmin Vidyapati*

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-७ राग-८ राग-९ राग-१०

राग-११ राग-१२

*2nd November 2012 Uzna Re - By Shovna Narayan (Pre-
Jyotirishwar Non Brahmin Vidyapati's Life Episode)*

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-१ राग-८

१५म सगन नागि दीय जनम म मूनाजीक यहिल बिहनि कथा यासुन
प्रदर्शनी

मिथिलाक मूउन- (नसनचौकीक स्नक संग)

हृदयनानायक मा

राग-१ राग-२ राग-३

नंजन चौधनी आ हनी मिश्र (गवला)

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-१ राग-८ राग-९

ललिता नंग आ हनी मिश्र (गवला)

राग-१ राग-२ राग-३

दीजा सानगी

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४

सूषमा

वटगमनी

नद्य कूमान मिश्रक गजल या०

नद्य कूमान मिश्र जीक कविता या०

राग-१ राग-२

मैथिली- राजपूनी अकादमी, नळी दिल्ली

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

मैथिली- राजपूनी अकादमी, नळी दिल्ली समीनान 29 मार्च 2009

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६ राग-१ राग-८ राग-९

मैथिली- राजपूनी अकादमी, झानका, नळी दिल्ली समीनान

राग-१ राग-२ राग-३ राग-४ राग-५

राग-६

.....

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्कन साहित्य अकादमी, समानान्कन ललित कला अकादमी आ समानान्कन संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/यूनस्कान नामसँ विस्थाग)

.....

मैथिलीक वर्णि

१

मैथिलीक दर्नी- विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्यादन याधक्रम

राषायाक

२

मैथिलीक दर्नीम यर्याक निविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन
अकन दर्नी ॐ BMAFO01 सँ प्रनिग व्माळ्ग अछि, स अकन अकना
अक उखगहाम उनटा-यूनटा दियो, ताव धनि यर्याक अछि।
यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह ॐ यर्याक
अछि, स ऊ विद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन
अकटा आन रासु-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

I GNOU ॐ BMAF-001

अयन माद्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य03

४. मैथिली शिशु, बाल आ किशान साहित्य Maithili Children Literature

विदेह शिशु, बाल आ किशान उग्र

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली याञिक ढूँी यत्रिका Vi deha
1st Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली याञिक ढूँी यत्रिका नव अंक दखवाक लल वृठ
सरकै निःक्रम कउ दखु! Always refresh the pages for viewing new issue of VI DEHA.

Search for Children Literature (including Audio-
Visual & Sign Language) relating to Mthila/
Maithili

<https://books.google.com/>



Vi deha Archive of Maithili Children Literature विदेह
मैथिली शिशु, बाल आ किशान साहित्यक आर्काइव (यूर्ध्वः
अद्यतसायिक उद्ग्र आ मात्र अकतमिक प्रयाग लल) सर
याथी यी.ती.अरु. ठाउनलात लल क्रमानूसान नीचाँक लिंक सरयन
उयलब्व अक्रि। All the books are available for pdf
download at the respective links below

.....

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (M a i t h i l i - E n g l i s h - H i n d i C o n v e r s a t i o n s)

यं लक्ष्मीयणि सिंह (सौजन्य नमान्द्र मा "नमध")

द्विष्टी-मैथिली-शिक्षक

मैथिली-द्विष्टी नार्गालाय (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संकाग राषा सहित- मैथिलीम यहिल वन)

https://www.youtube.com/@videha_journal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

विदरु मैथिली शिशु उम्न

कथा वौद्ध सिद्ध मरुथया (वाल साहित्य कड्डिंग) मंरुथम रल ८२ म

सगन नागि दीय जनयम योग कथा सरक संकलन

कथा वौद्ध सिद्ध मरुथया

नना गुटकाकं नागिम सुनवा लल किछु लककथा

राला लाल दास (आकाञ्छित्त ओट कोम)

मैथिली स्वाध ब्याकनध

ऑ. नमान्द्र मा 'नमध' (सौजन्य- नमान्द्र मा "नमध")

नाइ आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

यागइ याोक "नियगी" (सौजन्य- यागइ याोक "नियगी")

विस्नानक वगकही

विस्नानक वगकही राग-२

ननक विजय (सम्युर्ध)

ननक विजय (संशाधिग)

रुमन गाम (वाल उयग्यास)

यिनामिउक दशम

नावार (अनुदिग साँस-रिन्नान नारक)

नामलावन ०कून (सोजय- नामलावन ०कून)

मेथिली लाककथा

कीर्तिनाथ मा (सोजय- कीर्तिनाथ मा)

कूनल: मेथिली रादानूदाद

जगदीश चड्ड ०कून "अनिल" (सोजय- जगदीश चड्ड ०कून "अनिल")

वाल कविगा

मूनाजी

गीन टा वाल नारक (मेथिली वाल साहिग्य)

खनलूत्री (मेथिली वाल कविगा- वाल साहिग्य)

दवांशु वस

नगाशा -मेथिली वाल चित्रशंखला (कौमिक)

जगदानन्द मा "मनू" (सोजय- जगदानन्द मा "मनू")

चानदा (वाल उयग्यास)

जगदीश प्रसाद मधुल

गनगन (वाल प्रनक विहनि कथा संग्रह)

ने धाउे (वाल उयग्यास)

नद कमान मिश्र 'नद' (सोजय- नद कमान मिश्र 'नद')

सुर्ध कमल (वाल उयग्यास)

वृषण चड्ड लाल (सोजय- वृषण चड्ड लाल)

ठालक (वाल कविगा संग्रह)

सुजीग कूमान मा (सौजय- सुजीग कूमान मा)

काळ्ली घुनि आउ (वाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

जौ. शशिधन कूमन

उठि न सकी यन चिउे छी हूम (रग १-२) (यु. १०१४-१०६१)

खिस्सा अष्टार्किटिका कन (यु. १०१४-१०६१)

वाल कविगा (यु. ६६३-१२११)

वाल कविगा (यु. १००४-१११३)

सचिद्र वाल कविगा (यु. १४१-६३४)

सचिद्र वाल कविगा (यु. १४६६-१६११)

जौ शशिधन कूमन आ सुप्रिया कवी कूमानी

रुकम्य (यु. ६३६-६१४)

कनकमधि दीजिग (मूल नयालीसँ मैथिली अनुवाद नूया धीनु आ धीनुइ
प्रमर्षि, वाल साहिण्य) (सौजय- धीनुइ प्रमर्षि)

रगगा वळक दश-प्रमध

अधिमा सिंह (सौजय- नचिकागा)

शिशु गीग खल

कथना मा (सौजय- कथना मा)

नशामूकि हिन गावी गीग

निनियाँ

मूनी कामग (सौजय- मूनी कामग)

चूका (वाल कथा संग्रह)

प्रीति ठाकुर

गानू मा आ आन मैथिली चित्रकथा -यहिल मैथिली चित्रकथा (वाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (वाल साहित्य)

मिथिलाक लाकदवगा (वाल साहित्य)

निद्यायगिक यूनूष यनीजा (वाल साहित्य)

नस (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

७ वी सी ती- प्रकृति अजन याथी (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

सर खाळंग अछि (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

वा ग्याउ वाह (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

नळ सर (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

(०६) छार आ यैघ (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

(०१) माल-जाल आ जानवन दिस दखु (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

(११) ह्मन यनिवान (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

जानवन (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

नीगू कुमानी

मैथिली चित्रकथा (वाल साहित्य)

नीगा मा (सौजन्य- नीगा मा)

विलाळ मोसी (वाल लघुकथा संग्रह)

किनध चौधनी (अनुदिग सचित्र मैथिली वाल कथा)

ह्मन वाल-नागी

आर्या कॉकयिट म

दीया कनमाकन- सही संगुलन म

जंगल म अहाँक स्वागत अछि

ब्रूल छथि आकाश म

रैया क मूकान क चानोलक

वीज संवयक

अचरित कनय "रिवानाची"

(शोचालयक खिस्मा

लाल वनसागी

गुलीक जादूळी यटी

समीनाक विक० राजन

बिनाह म जादूळी छी

प्रियंका मा (अनूदिग सचिद्र मैथिली वाल कथा)

हमन माँछ! ने हमन माँछ!

नशिम प्रिया (अनूदिग सचिद्र मैथिली वाल कथा)

कैया सकै छी, नहिया कs सकै छी

सनीगा ठकून (अनूदिग सचिद्र मैथिली वाल कथा)

वधु आ ववली

नीलिमा चौधनी (अनूदिग सचिद्र मैथिली वाल कथा)

हमन सरसँ नीक संगी

स्नास्त्रिका ०कून (अनूदिग सचिग्र मेथिली वाल कथा)

गयू वृग नाचल ने हारू ठु

गूलिका (अनूदिग सचिग्र मेथिली वाल कथा)

हमना ठा चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदिग सचिग्र मेथिली वाल कथा)

ठांघाळ्ळग सीमा

लक्ष्मी ०कून

जानवन सर संग रँट-घाँट

यूनम मधुल

सूगे कालक खिस्त्रा

गज्ज ०कून

वाल साहिय (मूल)- गज्ज ०कून

वाल मधुली/ कि(षान जगग (वाल नारक, लघुकथा, कविगा आदि)

Learn Mthilakshar Script

जलादीय (वाल-नारक संग्रह)

अउनमृष्टिका (वाल-लघुकथा संग्रह)

वाळक वळीना (वाल-यद्य संग्रह)

रस जाँव छू (मैथिलीक २०१२ म प्रकाशित यहिल क्लाउमट-रिक्लान

अ- Maithili's first climate-fiction play originally published in 2012)

कमलाक रगगा

गनहनम यनीलाक

वसी छुट्टी कम बूसकूल

वउद कनेँ दान न यो

वाल गजल

रिनिश लाबून

वाल साहिय (अनुवाद- द्विराषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजब ठाकन

मसाबूनी कन यनिवर्गनकानी नवका

सुनु

घन सर

अकटा नीक दिन

चलु हम गँ ठीक छी न!

की अहाँ उ चिउँ सरकँ देखन छी?

रासु

वगीरा! कनिथरा!

अगस हम सर नहे छी

रानगालक नाजकूमानी

रानगल्लक नाजकूमानी (विन् शवुक)

दूया

कच-कच कचाक

चनु-मनुक नरुनाळ

नना ज वेलुनसँ उनाळंग छल

अङ्ग रहिवानाची अंक-शृंखला

दानू

अखन नै, अखन नै!

जन्मदिनक उभ्रत राज

भार नाजा यागन-दूव्व७ कूक७

वचिया ज अयन हँसी नै नाकि सकीग छलि

अं(ग्रजी)

रुम सूघि सकै छी

छार लाल-टूहटूह उनी

कनू नीक, रागू नीक

ळी सरटा विलाठिक दाख अछि!

चारण आम!

रुमन टालक वार

जखन ठूँकू शूल (गल

माछी रुन आउ टारा!

अमाचीक इलम मशीन सर

टिंग टांग

याउ-आऊ-नारु

कुकूक अकटा दिन

रुमना नीक लागेअ

नीगाक नव-शूलम यहिल दिन

कनी हँसियो न!

लाल वनसागी

रूग-अगक नायशाला

आउ यअन गानी

कास अछि ठूँ अंक ग?

विदेह मेथिली-अंग्रेजी टाकिंग नीउ-अलाउउ ँठिया वूक

<https://bl.ooni.br.org/player/Wf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिवर्णकानी नवका)

<https://bl.ooni.br.org/player/p3sHiYBgiT> (चलू हम नै ठीक छी न!)

<https://bl.ooni.br.org/player/f19pSdhGMb> (अकटा नीक दिन)

<https://bl.ooni.br.org/player/b2l5wesxCp> (घन सर)

<https://bl.ooni.br.org/player/dAzCOFubt7> (की अहाँ उ चिउ सरकँ देखन छी?)

गजब्र 0कून (सम्यादन)

विदेह मैथिली शिषु उम्र [विदेह सदह ६]

विदेह: सदह ६ गिनहूा

गजब्र 0कून, ना(गब्र कमान मा आ यक्षीकान विद्यानह मा (सम्यादन)

English-Mai thili Computer Di cti onary

ऑ. कमला चौधनी (सौजय- कमला चौधनी)

मैथिलीक वष-रूषा-प्रसाधन सम्वेष्टी शव्दावली २००८

ऑ यागानह मा (सौजय- यागानह मा)

मैथिलीक यानम्यनिक जागीय ब्रसयक शव्दावली २००६

ऑ. ललिगा मा (सौजय- ललिगा मा)

मैथिलीक राजन सम्वेष्टी शव्दावली २०११

(गान्दि मा)(IGNCA Site आकॉन्द)

Mai thili -Engl ish Di cti onary

नामदव मा (अंकनदव मा -सौजय)

मैथिली शव् संवय

.....

किङ्क मैथिली यथी उअनलाउ साङ्कट (अयन सार्स)

Vi deha Mai th i l i eBooks / eJ ournal s / Audi o-Vi deo
Archi ve

विङ्कान नल्लाकन

OLE Nepal 's e-Pustakal aya

यथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mthi l a)

Hi story of Navya-Nyaya in Mthi l a

Studi es in Jai ni sm and Buddi sm in Mthi l a

Mthi l a in the Age of Vi dyapati

Cultural Heritage of Mthi l a

Mthi l a under the Karnatas

Templ e Survey Project ASI - Engl i sh आ Hi ndi

मैथिली साहित्य संस्क्रान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्क्रान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्क्रान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

ब्लूम लाइव्वनी मैथिली

अनियन खाउ(छुशन

Pratham Books Maitihili Storyweaver

मैथिली ँतिया वृक्ष

Vi deha Read Aloud Talking Maitihili Audi o

Books (including Maitihili Sign Language- Ist time
in Maitihili)

याथी अँट काँम

खिस्या-यिहानी नना गुटका लल

जानकी अरुअम समाचान.

आकाशनाधी दनरंगा यू ड्रुव वैनल

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीतनाटक अकादमी - (यूनिकान नामसँ विद्याग /सम्मान

.....

मैथिलीक वर्नी

१

मैथिलीक वर्नी- विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्पादन याधक्रम

राषायक

२

मैथिलीक वर्नीम पर्याक त्रिविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन अकन वर्नी ॐ BMAF001 सँ प्रनिग वृषाळ्ण अछि, स अकन अकना अक उखगहाम उनटा-यनटा दियो, तव धनि पर्याक अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सह ॐ पर्याक अछि, स ज विद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन अकटा आन रूस-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

I GNOU ॐ BMAF-001

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com The contents and documents e-published by Vi deha (since 2000) ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

१. विदेह स्त्री काना

विदेह स्त्री काना

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.vi.deha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली याञिक व्ही यत्रिका Vi deha Ist Mithili Fortnightly e journal विदेह प्रथम मैथिली याञिक व्ही यत्रिका नव अंक दखवाक लल पृष्ठ सरकै निर्र्ण कउ दखू! Always refresh the pages for viewi ng new issue of VI DEHA.

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.vi.deha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली याञिक व्ही यत्रिका Vi deha Ist Mithili Fortnightly e journal विदेह प्रथम मैथिली याञिक व्ही यत्रिका नव अंक दखवाक लल पृष्ठ सरकै निर्र्ण कउ दखू! Always refresh the pages for viewi ng new issue of VI DEHA.

Search for Works (i ncl udi ng Audi o-Vi sual & Si gn Language) relating to Mthila/ Maithili by Female Witors/ Artists

<https://books.google.com/>



(यूर्ध्निः अद्यनसायिक उइथ आ मात्र अकतमिक प्रयाग लल) सर यथी यी.ती. अरु. उअनलात लल क्रमानूसान नीचाँक लिंक सरयन

उपलब्ध अस्ति। All the books are available for pdf download at the respective links below

....

सख्आनाली (नानी निर्मल कश्चिण) रयटियाहीम रल ६३ म सगन नागि
दीय जनयम यीग कथा सरक संकलन

सख्आनाली

अक्षिमा सिंह (सोजय- नचिका)

शिशु गीत खल

बल्लानानी सिंह (सोजय- नचिका)

ध्रम- अक कविगा (अनूदिग नाटक)

अनूद्वी दत्री (सोजय- नमानद मा "नमद")

मिथिलाक त्रिदूषी महिला

जॉ. कमला चौधनी (सोजय- कमला चौधनी)

मैथिलीक वध-रूषा-प्रसाधन सम्वेची शब्दावली २००६

समय-संकग (कथा-संग्रह) २०१०

जॉ. ललिगा मा (सोजय- ललिगा मा)

मैथिलीक राजन सम्वेची शब्दावली २०११

प्रामिशा मिश्रा

नामरनास कायति प्रमन अकित्त अवं)कृतिव(

सूचिगा याक (सोजय- कदान कानन)

यनिचिगि (कविगा संग्रह)

कनाजति (कथा संग्रह)

नखिनी या०क (सौजय- कदान कानन)

याथनक शहन (कविता संग्रह)

यन्ना मा (सौजय- ननद्ध मा)

अनूरूगि (लघुकथा संग्रह)

कथना मा (सौजय- कथना मा)

(गासाउनिक गीत)

नशामूकि हिन गावी गीत

निनियाँ

यायावनी- (शरालिका दर्मा (दिष्टी अनूवाद कथना मा)

मूनी कामग (सौजय- मूनी कामग)

सूखल मन ननसल आँखि (यद्य आ गद्य)

सूखल मन ननसल आँखि (कविता)

अंगगः (कविता संग्रह)

चूक्या (वाल कथा संग्रह)

नीगा मा (सौजय- नीगा मा)

विलाळ मोसी (वाल लघुकथा संग्रह)

(शरालिका दर्मा (सौजय- (शरालिका दर्मा)

यायावनी (याप्रावृफान्)

यायावनी (दिष्टी अनूवाद- कथना मा)

अर्थयूग (लघुकथा संग्रह)

अकटा अकास (लघुकथा संग्रह)

रावांजलि (गद्य गीत)

किरू-किरू जीवन (आत्म कथा)

आखन-आखन ग्रीत

नागरांस (उयग्यास)

Naagphans (In English)

निरा नानी

निरा नानीक दूटा नाटक (राग नौ आ वलचद्दा)

सुधीला मा (सोजय- प्ररा खगान/ सुधीला मा)

छिन्नमस्का- प्ररा खगानक दिद्दी उयग्यासक मैथिली अनूनाद

क्रसम ०कून

प्रगानर्गन (आग्नकथा)(यू. ४७६-७१२)

जौ. कामिनी कामायनी

विदहःसदह ३१ (जौ. कामिनी कामायनी आ क्रमान मनाज कथय-
अंक १-३७० सँ)

ग्रीति ०कून

(गानू मा आ आन मैथिली चिप्रकथा -यद्विल मैथिली चिप्रकथा (वाल
साद्विग्य)

मैथिली चिप्रकथा (वाल साद्विग्य)

मिथिलाक लाकदवगा (वाल साद्विग्य)

विद्यायगिक यूनूष यनीजा (वाल साद्विग्य)

नस (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

७ वी सी जी- प्रकृति अऊन याथी (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

सर खारूग अछि (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

वा ग्याउ वाह (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

नळ सर (अनूनाद- वाल चिप्रकथा)

(०६) छार आ यैघ (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)
(०१) माल-जाल आ जानवन दिस दखू (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)
(११) ह्मन यनिवान (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)
जानवन (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)
याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)
वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल चिप्रकथा)
यंजी (११००० मूल मिथिलाजन गा७यत्र)
11000 PALM LEAF PANJ I INSCRIPTIONS (VOLUME I TO
XXI I) Compiled, Scanned & Catalogued by Preeti
Thakur

गजइ ओकून आ घीणि ओकून (समालाचना)

नीगू क्रमानी

मैथिली चिप्रकथा (वाल साहित्य)

किनध चौधनी (अनुदिग सचिप्र मैथिली वाल कथा)

ह्मन वाल-नागी

आर्या कौकयिट म

दीया कनमाकन- सही संगुलन म

जंगल म अहाँक झागण अछि

बूल छथि आकाश म

रैया क मूझान क चानैलक

वीज संचयक

अर्चरिण कनय "रिवानाची"

(शोचालयक खिस्मा

लाल वनसागी

गुल्लिक जादूळी यटी

समीनाक विक० राजन

निनाह म जाळी छी

प्रियंका मा (अनूदिग सचिप्र मेथिली वाल कथा)

हमन माँछ! ने हमन माँछ!

नशिम प्रिया (अनूदिग सचिप्र मेथिली वाल कथा)

केया सके छी, नहिया कs सके छी

सनीगा ०कून (अनूदिग सचिप्र मेथिली वाल कथा)

वधी आ ववली

नीलिमा चौधनी (अनूदिग सचिप्र मेथिली वाल कथा)

हमन सरसँ नीक संगी

स्नाफिका ०कून (अनूदिग सचिप्र मेथिली वाल कथा)

गयू वृग नाचल ने हाळू छे

गुलिका (अनूदिग सचिप्र मेथिली वाल कथा)

हमना उा चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदिग सचिप्र मेथिली वाल कथा)

उंघाळ्ळी रीमा

लक्ष्मी ठाकूर

जानवन सरु सं(ग) रूँट-घाँट

यूनम मधुल

सुणे कालक खिशा

कनकमधि दीडिंग (मूल नयालीसँ मेथिली अन्नाद नूया धीनू आ धीनड्ड
धर्मि, वाल साहिय) (सोजन्य- धीनड्ड धर्मि)

रुगगा वळक दश-ग्रमध

ऊँ शशिधन कुमन आ सुप्रिया ववी कुमानी

रूकम्य (यू. ६३८-६१४)

.....

लखकक आर्मिग नचना आ उळ्ळ्यन आर्मिग समीऊकक समीऊा
सीनीऊ

१. कामिनीक यांच टा कविता आ उळ्ळ्यन मधूकान्क माक टियधी

Vi deha_01_09_2016

३. मूनी कामाक अकांकी "जिदगीक माल" आ उळ्ळ्यन गजड्ड
ठाकूरक टियधी

VI DEHA_354

यस्यूलटी गीगा

अठिठर्स चारुस सीनीज-१

मीना मा

अठिठर्स चारुस सीनीज-२

जगदीश चड्ड ठाकून (३ टा वाल कविगा जळूम २ टा कविगा ववी चारुसुयन)

अठिठर्स चारुस सीनीज-३

....

विद्यायति गीत

गुलिका

गीत-(गाविद्धदास (गायन दीजा रानगी)

(गाविद्धदास-१

(गाविद्धदास-२

(गाविद्धदास-३

(गाविद्धदास-४

(गाविद्धदास-५

(गाविद्धदास-६

मैथिली गजल (गजल- गजड्ड ठाकून, गायन दीजा रानगी)

वहन मूकानिव

गजल-२

गजल-३

गजल-४

थान मेथिल चैनल- किनध चौधनी आ संगीता आनइ

सोम्या मा

नश्मि दफ

प्रिया मल्लिक

अनामिका मा

नजनी यल्लदी

यूनम मिश्र

नंजना मा

शली मा

दीयभिखा मा

मेथिली ठाकुर

अनूपम मिश्र याँतकासु

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

६. विदह ँी-लनिङ्ग

विदह ँी-लनिङ्ग



[संघ लोक सेवा आयोग/ विद्यान लोक सेवा आयोगक यनीऊा लल मैथिली (अनिवार्य आ उच्चिक) आ आन उच्चिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हनु सामिथी] [अन.टी.अ.- यू.जी.सी.- नट-मैथिली लल सहा]

.....

मैथिलीक वर्नी

१

मैथिलीक वर्नी- विदेह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्यादन याधक्रम

राषायाक

२

मैथिलीक वर्नीम यर्याक निविधता अछि। मूदा प्रक्षयप्र दखला उफन अकन वर्नी BMAFOO1 सँ प्रनिग वृमाञ्ज अछि, स अकन अकना अक उखगहाम उनटा-यनटा दियो, ताव धनि यर्याक अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्यलसनी) ययन लल सहा ज्नी यर्याक अछि, स ऊ निद्यार्थी मैथिली (कम्यलसनी) ययन लन छथि स अकन अकटा आन रासु-नीतिंग दासन-उखगहाम कनथि।

I GNOU  BMAF-001

.....

Mai th i l i (Compul sory & Opt i onal)

UPSC Mai th i l i Opt i onal Syllabus

BPSC Mai th i l i Opt i onal Syllabus

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (उच्चिक)

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (अनिवार्य)

मैथिली प्रश्नपत्र- वी.पी.एस.सी. (उच्चिक)

.....

यू. पी. एस. सी. (मन्स) ँग्नल: मैथिली साहित्य विषयक टम्ट सीनीज

यू.पी.एस.सी. क प्रिलिमिनरी यनीजा सम्यन्न रस (गल अक्कि। उ

यनीजार्थी अदि यनीजाम उर्फीर्ष कनगाह आ ऊँ मन्सम हूनकन ँग्नल

विषय मैथिली साहित्य हगहि गँ उा अदि टम्ट-सीनीजम सम्मिलित रस

सर्केग छथि। टम्ट सीनीजक प्रानस प्रिलिम्सक निजलक गकाल वाद

हायग। टम्ट-सीनीजक उर्फन विद्यार्थी स्केन कs

edi tori al .st aff .vi deha@gmail .com यन य0। सर्केग छथि, ऊँ

मलसँ य0वाम असाकई हाँहि गँ उा ह्मन द्वाइअय नमन

9560960721 यन सह प्रश्नाफन य0। सर्केग छथि। संगम उा अयन

प्रिलिम्सक अउमिट कार्ठक स्केन कअल काँयी सह वनीरिक्शन लल

यथावधि। यनीजाम सर प्रश्नक उपन नहि दमय यउग कक म्दा ऊँ
रुम सीनीजम विद्यार्थी सर प्रश्नक उपन दगाह गँ हूनका लल (श्रयमून
नहगहि। विदहक सर श्रीम जकाँ व्हीहा यूर्धगः निःशुक्त अक्ति। - गजब्र
०कून

संघ लाक सदा आयाग झाना आयाजिग सिविल सर्विसज (मूय)
यनीजा, मैथिली आ २ १ -यप्र-प्रश्न /सीनीज लल रुम (अविक)

Test Series-1- गजब्र ०कून

Test Series-2- गजब्र ०कून

.....

NIA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional - गजब्र ०कून

मैथिली समीजाभासु

मैथिली समीजाभासु (गिनहगा)

मैथिली समीजाभासु (राग-२, अनूप्रयाग)

मैथिली प्रगियागिगा

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) रानापीय राषा यनिवान मध मैथिलीक सान/ मैथिली राषाक उह्व डा विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(शागिनीधन, विद्यायगि आ गोविन्ददास सिलवसम कथि आ नसमय कवि चणुन चणुनयुज विद्यायगि कालीन कवि कथि। अणय समीजा शंखलाक ग्रानह कनवासँ युर्व चानू (गारक शब्दावली नव शब्दक यर्याय संग दल जा नहल अक्ति। नव आ यूनान शब्दावलीक सानसँ शागिनीधन, विद्यायगि आ गोविन्ददासक प्रश्नाफनम

धन आउग, संगदि शब्दकाष वडलासँ खाँटी मैथिलीम प्रक्षान्न लिखवाम धरख आरु-आरु खगम दायग,
लखनीम प्रवाद आयग आ सूत्रा रानक अरिबिकि रय सकग।)

(वड्रीनाथ मा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मण्य शब्दावली)

(वैद्यु अतीशन- प्रथम यत्र- लानिक गाथाम समाज आ संवृगि)

(वैद्यु अतीशन- द्वितीय यत्र- विद्यायगि)

(वैद्यु अतीशन- द्वितीय यत्र- यद्य समीजा- वानगी)

(वैद्यु अतीशन- प्रथम यत्र- लोक गाथा नृय नाटक संगीग)

(वैद्यु अतीशन- द्वितीय यत्र- यात्री)

(वैद्यु अतीशन- द्वितीय यत्र- मैथिली नामायध)

(वैद्यु अतीशन- द्वितीय यत्र- मैथिली उयग्यास)

(वैद्यु अतीशन- प्रथम यत्र- शब्द निवान)

(गिनदूगा लियिक उद्भव आ विकास)

अनुलभक-१-२-३ अनुलभक- ४-१

(मैथिली आ दासन यूवनिया रगषाक वीचम समुच्च (वांश, असमिया आ उािया) [यू.पी.अस.सी. सिलवस,
यत्र-१, रग-'अ', क्रम-१])

[मैथिली आ दिदी/ वांश/ राजयनी/ मगदी/ संथाली- विद्वान लोक सदा आयाग (वी.पी.अस.सी.) कन
सिदिल सदा यनीजाक मैथिली (अद्विक) विषय लल]

मैथिली-दिदी नार्गालाय (३ घण्टा)

मैथिली

वांश

असमिया

उािया

दिदी

उद्

नयाली

संस्कृत

संथाली

NTA_UGC_NET_Maithili_01

NTA_UGC_NET_Maithili_02

GS (Pre)

Topic 1

.....
यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियागिता यनीजा लल दखू:

विदक.सदक ११	विदक.सदक २१	विदक.सदक २३	विदक.सदक २६	विदक.सदक २९
विदक.सदक ३०	विदक.सदक ३२	विदक.सदक ३३	विदक.सदक ३४	विदक.सदक ३९

.....
General Studies

NCERT-Environment Class XI-XII

NCERT PDF I-XII

Sansad TV

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://newsonair.com/>

.....

Other Optional s

IGNOU eGyankosh

.....

यटान (निसार्स सवृन)

.....

मैथिली मूहावना अतम् लाकाकि प्रकाश- नमानाथ मिश्र मिहिन (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

जॉ. कमला चौधनी-मैथिलीक वष-रूषा-प्रसाधन सम्वष्टी शव्वावली (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

जॉ यागानद्ध मा- मैथिलीक यानम्यनिक जागीय ब्यवसायक शव्वावली (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

जॉ. ललिगा मा- मैथिलीक राजन सम्वष्टी शव्वावली (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

मैथिली शव्वा संचय- जॉ श्रीनामदत्त मा (खाँटी प्रवाहयूक मैथिली लिखवाम सहायक)

दफ-वगीक वस्फू कौशल- जॉ. श्रीनामदत्तमा

यनिचय निचय- जॉ (शेलद्ध माहन मा

English Maithili Computer Dictionary (Complete)-
Gajendra Thakur

Maithili English Dictionary- (गविंद मा

अधिमा सिंह -शिशु गीत खल

आनन्द मिश्र (सोजय श्री नमानन्द मा 'नमद')- मिथिला राषाक स्वाध
द्याकनद

मैथिली स्वाध द्याकनद- राला लाल दास

नाधाकृष्ण चौधनी- A Survey of Maithili Literature

नाधाकृष्ण चौधनी- मिथिलाक ळगिहास

जयकान्त मिश्र- A History of Maithili Literature Vol. I

नाजधन मा- मिथिलाजनक उद्भव आ विकास (मैथिली साहित्य संस्थान
आर्काइव) (यू.पी. अस.सी. सिलवस)

दरद-वर्गी (मूल)- श्री सुन्दर मा सुमन (यू.पी. अस.सी. सिलवस)

प्रवच संग्रह- नमानाथ मा (वी.पी. अस.सी. सिलवस) CIIL Site

सुराष चन्द्र यादव-नाजकमल चौधनी: मानाशारु

शिव कृमान मा 'टिल्लू' अंशु-समालाचना

ऑ वचधन मा- निदध-निकृअ

जॉ. ददशंकन नदीन- आधुनिक साहित्यक यनिदृश्य

प्रमशंकन सिंह- मैथिली रघा साहित्य: वीसम शताब्दी (आलाचना)

जॉ. नमानध मा 'नमध'

हिआउल

अखियासल CIIL Site

दूर्गानध मधुल-चइ

रून अदि मनलइ र्हाळल सरकँ सल यदू:-

नामलाचन 0कून- मैथिली लाककथा

कूमान यदन (सारान अंगिका)

यळ0 (मैथिलीक सर्वश्रुत कथा)

जयनीक खाली यन्न

कदाननाथ चौधनी

अवाना चरितन	उमलीनानी	माइत	कान	अयना	खीना
-------------	----------	------	-----	------	------

जॉ. नमध मा

रिन-अरिन	मैथिली कायम अलकान	अलकान-रायन	मैथिली कायम अरिन	अरिनकान-कन	अरिनकान-मरुनी
----------	-------------------	------------	------------------	------------	---------------

यागइ या0क 'त्रियागी'

विद्वानक कानखी	विद्वानक कानखी राग-२	अवदर मिसेया (कथा संधल)
ननक विद्वय (संशुध)	ननक विद्वय (संशुध)	विद्व गीग मदन (यात्रा व्रतन)
रुमन गाम	यिनमिउत दशम	नवद (अरुशि साहित्य-विद्वान वदव)

अनुदिग साहित्य (आन राषासँ)- गजब्र 0कून

विदेह:सदह २१ (गजब्र 0कून आ नवि रूषध या0कक आन राषासँ

अनुदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३१० सँ)

वाल साहित्य (अनुवाद- द्विराषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजब्र 0कून

मसाळी कन यनिवर्णकानी नवका

(षष ४० टा वाल चित्र-याथी नीचाँक लिंकयन:-

कन	घन सर	अकटा नीक दिन	का कन गँ 0क क्री नः	की असँ उ चिते सरकँ दखन क्री?
उप	वपेरा कनयरा	अक कन सर नई क्री	राजब्रक नवकामा	राजब्रक नवकामा (दिग भवक)
वद्य	कलकन- कवक	अकक- कलक	नवा उ कनसँ उनाउरा कन	अकटा किकामा अंति-भखन
उप	असत नै असत नै	अकदिगक उअर उअर	मड नख यान-उअर उअर	विविध क अकत क्री नै नकि सरकँ कन
अंग्रेजी	कन कन सई क्री	अक कन-उअरक उअर	कन नीक-कन नीक	अक सरकटा कन अक अक
वाल नवका	कन उअरक कट	अक नक उअर (नव)	मड कन आउ उअर	अक नीक उअर कन सर
दिग टा	याउआउ-वाउ	कक अक अकटा दिन	कन नीक कन नै	निका कन-कन यकल दिन
कनी कनय नै	ला कनयनी	राजब्रक न-अकाल	आउ यअन ननी	कन अक अक अक अक

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीउ-अलाउउ ँठिया कू

<https://bl.oonlinebrary.org/player/Wf6zr5CoF> (मसाळी कन यनिवर्णकानी नवका)

<https://bl.oonlinebrary.org/player/p3sHtYBgiT> (वलू हम गँ 0क क्री नः)

<https://bl.oonlinebrary.org/player/f19pSdhGm> (अकटा नीक दिन)

<https://bl.oonlinebrary.org/player/b2l5vesxCp> (घन सर)

<https://bl.oonlinebrary.org/player/dAzCOFubtZ> (की अहाँ उ चिते सरकँ दखन क्री?)

किहू मैथिली याथी उअनलाउ साळर (अयन सारस)

NCERT BHASHA SANGAM

NCERT (M a i t h i l i - E n g l i s h - H i n d i C o n v e r s a t i o n s)

यं लक्ष्मीयनि सिंह (सौजय नमानय मा "नमः")

द्विद्विभित्तक-मैथिली-

मैथिली(घट्टा ३) द्विद्वि नार्गलाय-

मैथिली (मैथिली संकग रगषा सहित(मैथिलीम यहिल वन -

https://www.youtube.com/@videha_journal

<https://youtu.be/TebuC-lrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-यथी

CIIL

अखियासल (नमानद्ध मा नमध)

शुआयल कनकनी- महद्ध

प्रवद्ध संग्रह- नमानाथ मा (वी.पी. अस.सी. सिलवस)

सृजन कन दीय यर्त- सं कदान कानन आ अनविद्ध ठाकून

मैथिली गद्य संग्रह- सं (शेलद्ध भाहन मा

Archive.Org (विजयदत्त मा)

[Vi deha M ai t h i l i e B o o k s / e J o u r n a l s / A u d i o - V i d e o
A r c h i v e](#)

[I G N C A](#)

[M ai t h i l i E n g l i s h D i c t i o n a r y](#)

[विज्ञान ज्ञानकन](#)

[मिथिला दर्शन](#)

[गीनयुक्ति](#)

[O L E N e p a l ' s e - P u s t a k a l a y a](#)

[याथीक लिंक](#)

[I G N C A - A S I \(s e a r c h k e y w o r d M t h i l a \)](#)

[H i s t o r y o f N a v y a - N y a y a i n M t h i l a](#)

[S t u d i e s i n J a i n i s m a n d B u d d i s m i n M t h i l a](#)

[M t h i l a i n t h e A g e o f V i d y a p a t i](#)

[C u l t u r a l H e r i t a g e o f M t h i l a](#)

[M t h i l a u n d e r t h e K a r n a t a s](#)

[T e m p l e S u r v e y P r o j e c t A S I - E n g l i s h आ H i n d i](#)

[मैथिली साहित्य संस्मान](#)

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 4 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्मान लिंक)

ब्लूम लाइव्ब्ररी मैथिली

अनियन खाउ(गुणन

Pratham Books Mithili Storyweaver

मैथिली पठिया वृक्ष

Vi deha Read Aloud Talking Mithili Audio Books (including Mithili Sign Language- Ist time in Mithili)

याथी जॉट कॉम

I Love Mthila (याथी जउनलाउ लिंक)

online mithili journal

owner I Love Mthila

ग्राम मिथिल चैनल- किनध चौधरी आ संगीता आनंद

मिथिला चैनल

खिस्सा-यिहानी नना गुटका लल

जानकी गुरु. उम समाचार

आकाशवाणी दरुंगा यू यूव चैनल

आकाशवाणी मिथिली समाचार

आकाशवाणी अमृत महामंत्र

सुनद्व नाउग

.....

JNU

मिथिली

मिथिली लक्षिकान

.....

Vi deha e-Learni ng YouTube Channel

.....

विदेह सम्मान: सम्मानसूची- (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर
ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीतनाटक अकादमी -
(यूनसुन नामसँ विद्याग /सम्मान

.....

Mai th i l i eBooks / eJ ournal s / Audi os-Vi deos can be
downl oaded from Mai th i l i eBOOKS / eJ ournal s / Audi os-
Vi deos

अयन मंगद्य edi tori al .st aff .vi deha@gmail .comयन य0131

१.विदेह सूचना संयुक्त अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

विदेह सूचना संयुक्त अन्वेषण (including Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement)

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक ७७ी यत्रिका Vi deha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक ७७ी यत्रिका नव अंक देखवाक लेल पृष्ठ सरकै निरुद्ध कए देखू Always refresh the pages for viewing new issue of VI DEHA.

Search for Information relating to Mthila/

Maithili

<https://books.google.com/>

Top of Form

सूचना

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant.

- Robert Louis Stevenson

.....
Vi deha: Maithili Literature Movement

Vi deha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for

scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

१

"विदेहक जीविग लखक-सम्पादक, आञ्चलनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहान, कला-संगीत-नंगमंचकर्मी आ नंगमंच-निर्देशक यन विशेषांक शृंखला"

विदेह अनविद्य ओकून विशेषांक

स्वगंप्रवगा- अनविद्य ओकून: व्यक्तिगत-कृतिगत (सम्पादक आशीष अनविज्ञान)

[विदेह अनविद्य ओकून विशेषांकक ग्रिह नूय]

विदेह जगदीश चड्ड ओकून अनिल विशेषांक

विदेह नामलाचन ०।कून वि(षयांक

विदेह नाजनइन लाल दास वि(षयांक

विदेह नवीइ नथ ०।कून वि(षयांक

विदेह कदान नथ चौधनी वि(षयांक

विदेह प्रमलगा मिश्र प्रम वि(षयांक

विदेह अनदिइ चौधनी वि(षयांक

विदेह कला-विमर्ष वि(षयांक (सइर- संज्ञ दास, कृष् कुमान
कथय, शशिवाला, अस.सी.सून आ (श्लगा मा चौधनी)

विदेह नचनाकान अ(षाक वि(षयांक

विदेह नाम रनास कार्या 'प्रमन' वि(षयांक

विदेह अयन जीविग लखक-सम्यादक, आइलनी, सार्वजनिक जीवन
जीनिहान, नंगमंचकमी आ नंगमंच-निर्देशक यन वि(षयांक शृंखलाक
अन्कर्ग (१)अनविइ ०।कून, (२)जगदीश चइ ०।कून अनिल,
(३)नामलाचन ०।कून, (४) नाजनइन लाल दास, (५)नवीइ नथ ०।कून,
(६) कदान नथ चौधनी, (७) प्रमलगा मिश्र 'प्रम', (८) अनदिइ चौधनी,
(९) नचनाकान अ(षाक आ (१०) नाम रनास
कार्या 'प्रमन' वि(षयांक निकालन अछि। उ १० म सँ नामलाचन ०।कून,
नाजनइन लाल दास आ नवीइ नथ ०।कून आव हमना सरक वीच
ने छथि (षय १ (गार मान (१)अनविइ ०।कून, (२)जगदीश चइ

०।क्रान अनिल, (३) कदान नाथ चौधरी, (४) प्रमलगा मिश्र 'प्रम', (५) शनदिङ्ग चौधरी, (६) नचनाकान अ(भाक आ (१) नाम रनास कायति 'प्रमन' कन श्टस विदहम 'ला०००रुटा००म रुला' सन नहगा। उ। अयन नन नचना कथा), कविगा वा क(थगन गद्यवा नन यथी (यद्य- नंगमंच] वा नन प्राउकान, स०क नाटक वा अय काना -[०तिया) विशअल सहिगनिकललाक वादक हूअय वा विदहयन अ वि(षयांक [(प्रकाशन -ने हूअय य०। सकै छथि। उ।कन हम समीजा सहिग ००। कनव आ उ००यन या०क, आगा, द्रष्टाक मध सम्रादक प्रानश लल प्रसूग कनव।

"विदहक जीविग लखकसम्यादक-, आशालनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहान, कला नंगमंचकमी-संगीत-आ नंगमंचयन वि(षयांक निर्दशक- क चयन प्रक्रियाक विधि निम्न प्रकारसँ अछि। "शृंखला

निअम:

१) लगरग याँच-कह मास यद्दिनसँ विदह अयन या०ककँ समाद दवा लल लल सूचना देग अछि।

२) आअल समादमसँ विदह मात्र जीविग लाकक चयन कनेग अछि।

३) उेसर लाकक लखनकाज / उवं आचनधक साम्यगा दखल जा००ग अछि। जिनकन लखन/ काज उ। आचनधम वसी साम्यगा (कम रूँक) रूटेअ गहन कह टा नाम चयनिग हा००ग अछि।

४) छद्म नाम अलायन रूी गुलना कअल जाळ्ग छे ज रूी छद्म (गारकँ लखनकाज /क अजम समाजसँ की रटलनि।

१) जिनका सरसँ कम रटल वृमाळ्ग अछि गळ्ग गीन लाककँ अगिला चनध लल नाखिलल जाळ्ग अछि।

६) उगीन चयनिग जीविग लाकक नचना, काज आ उइथ आदिक वीचम यनस्यन गुलना कअल जाळ्ग अछि।

१) अंगिम न्यूसँ विदह दाना अकरा नाम चूनि सालक अंगम घाषधा कअल जाळ्ग अछि आ नियग समययन रूी वि(अषांक निकालवाक प्रयास कअल जाळ्ग अछि।

प्रश्न उ० सकेअ जकी ऊयनका निअम अहन छे जळ्म अंगिम न्यूसँ सर स्याथ जीविग लाककन चयन समययन रस जगनि? गs अकन उअन छे ने। विदहक या०क लग सह अयन सीमा छनि। मूदा अही सीमाक संग हमना सरकँ अयन वसु दवाक अछि आ मेथिली लल अकरा अहन नसा वना दवाक छे जळ्मसँ आवयवला १००-६०० वर्षक साहिय विदहक लीकसँ प्रनधा यावया।

अही विचानक संग विदह उअनसंस्था, यत्रिका, लखक, कलाकान, सूर्यसदी वा सार्वजनिक जीवन जीनिहानयन अयन (अअन सह कडिग कs नहल अछि ज स्याथ छथि मूदा जिनकायन विदहक वि(अषांक काना कानधवष ने प्रकाशित रस सकला। अकन नाम रल विदहक "निग नवल सिनीज", जकन विवध नीचाँ "निग नवल सिनीज"म दल जा नहल अछि।

-गजद्व Oकून, सभ्यादक विदह, what sapp no
+919560960721 [HTTP://VI.DEHA.CO.IN/](http://VI.DEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X
VI DEHA

२

"विदह दाना अक वनम काना अकटा जीविग संस्था, यत्रिका वा
संस्था-याथी-यत्रिकासँ शूल स्रयंसदीक समग्र मूल्यांकन शृंखला"

विदह अंक ३११(०१ इन २०२३) "मिथिला स्रुंउंट
यूनियन (अम. अस. यू.)" वि(षयांक

निअम:

- १) संस्था कौटगनी- संस्थाक काज माला आदि यद्विननाळ, यत्रिका-
आनिका आदि छयनाळ, ऊ मात्र नकाँउ वनवाल हूअय, नेहूअया
संस्था दाना जागिवादी कडनगा ने वढाउल जवाक शर्ग नहण, संस्था
यौकट संस्था ने हवाक चाही आ जीविग हवाक चाही।
- २) संस्था-याथी-यत्रिकासँ शूल स्रयंसदी कौटगनी- लखक-प्रकाशकसँ
ळगन आन ऊ लाक याथी-यत्रिका कन विक्री कऽ अयन जीविय-यायनक
संग मैथिलीक प्रचानम सहायक छथि, संगम संस्था (नंगमंच संस्था
सद्विग) सरसँ सभबिग स्रयंसदी, गिनका मूल्यांकन विदह वि(षयांक
निकालि कऽ कनगा
- ३) यत्रिका कौटगनी- मैथिलीक काना यत्रिकाक ऊयन विदह वि(षयांक
प्रकाशित कनगा मूदा उलल उळ यत्रिकाक सर अंक विदहयन

उठनलाउ लल उ०० यत्रिकाक संयादक वा काँयीना०००ट धानक दगा,
स शर्त अछि।

चयन यत्रियाक निअम "विदहक जीविग लखक-सम्यादक, आइलनी,
सार्वजनिक जीवन जीनिहान, कला-संगीत-नंगमंचकर्मी आ नंगमंच-
निर्देशक यन वि(शषांक शृंखला"क चयन यत्रियाक निअम सन नहग।

-गजब्रु ठाकून, सम्यादक विदह, what sapp no
+919560960721 [HTTP://VI.DEHA.CO.IN/](http://VI.DEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X
VI DEHA

३

"विदह मानाशरु" शृंखला

विदह अयन जीविग लखक-सम्यादक, आइलनी, सार्वजनिक जीवन
जीनिहान, नंगमंचकर्मी आ नंगमंच-निर्देशक यन वि(शषांक शृंखलाक
अन्कर्ग (१)अनदिब्रु ठाकून, (२)जगदीश चब्रु ठाकून अनिल,
(३)नामलाचन ठाकून, (४) नाजनइन लाल दास, (५)नदीब्रु नाथ ठाकून,
(६) कदान नाथ चौधनी, (७) प्रमलगा मिश्र 'प्रम', (८) शनदिब्रु चौधनी,
(९) नचनाकान अ(शक आ (१०) नाम रनास कायति
'प्रमन' वि(शषांक निकालन अछि।
अही सइरुमहिनका सरयन "विदह मानाशरु" शृंखला अन्कर्ग
"मानाशरु" आर्मिगि कयल जा नहल अछि।
"विदह मानाशरु" शृंखलाक विद्वनध निम्न प्रकान अछि:
(१) ००००क लखक उयनम काना एक (गारयन अयन मानाशरु लिखवाक

✉️ editorial.staff.videha@gmail.com यन य0। सके छथि।
(२) विदेह लेखकक नाम मानाशरू लिखवाक लेल चयनिा कs ठाकन
सार्वजनिक घाषणा कनग।
"विदेह मानाशरू" लिखवाक निअमः
(१) मानाशरू यूध नूयँ सम्विग लाकयन कडिग हूअया साहिय
अकादमी, अ.वी.टी. आ किछु बकिग नूयँ लिखल मानाशरू/
वायाशरूम लेखक संमनध आ बकिग प्रसंग जाँ कय सम्विग
लाकक वदन्न अयन-आग-प्रसंसा लिखे छथि। "विदेह मानाशरू" खीर
वर्तु कय रूटवाल सन नहग। खीर वर्तु कय रूटवाल अहन अकमाप्र
दूर्नामध अछि जाय काना "उयनिंग" वा "क्लाजिंग"
सनीमनी अलगसँने हळ छे, यहिल आ अकिम मेवक सळ हळ
छे आ तकन कानध छे ज अलगसँ कअल "उयनिंग" वा "क्लाजिंग" म
दूर्नामधम ने खला नहल लाक मूअ अगिथि/ अगिथि हळ छथि आ
रुकस खिलाी सँ दून चलि जाळ छे। खीर माप्र आ माप्र रूटवाल
खिलाीयन कडिग नहगे अछि स ठाकन दूर्नामध "उयनिंग सनीमनी"
ने वनन् साम "उयनिंग मेव" सँ आनअ हळंग अछि आ ठाकन
समायन "क्लाजिंग सनीमनी"सँ ने वनन् "हळंगल मेव आ द्राही"सँ
खगम हळंग अछि आ रुकस माप्र आ माप्र खिलाी नहगे छथि।
गहिना "विदेह मानाशरू" माप्र आ माप्र सम्विग लाकयन कडिग नहग
आ काना संमनध आदि जाँ कs रुकस अयनायन कडिग कनवाक
अनूगि ने नहग।
(२) मानाशरू लेल "विदेह यटान"म उयलव्व सामग्रीक सहरँ सहिय
उययाग कअल जा सकेग।

(३) विदेहम स्त्री-प्रकाशित नचना सरक कॉपीनास्ट लखक/संश्लेषकर्ता
लाकनिक लगम नहगहि। सम्यादक 'विदेह' स्त्री-यत्रिकाम प्रकाशित नचनाक
प्रिंट-नव आर्कास्टक/ आर्कास्टक अनूदादक आ मूल आ अनूदिग
आर्कास्टक स्त्री-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकान नखेग छथि। उ
स्त्री-यत्रिकाम काना नॉयल्टी/ यानिश्चमिकक प्रावधान ने छै।
(४) "विदेह मानाशारु"क रॉर्मट: सम्विग लाकक यनिचय (सम्विग
लाकक जन्म, निवास-स्थान आ कार्यस्थलक ऐंगालिक-सांस्कृतिक विवेचना
सहित) आ नचना/ काजक विवेनध (समीक्षा सहित)।

घाषणा: "विदेह मानाशारु" शृंखला अन्तर्गत (१) नाजनइन लाल दास
जी यन मानाशारु निर्मला कर्ष, (२) नवीइ नाथ ओकून यन मूनी कामग
आ (३) कदान नाथ चौधनी यन प्रम माहन मिश्र ज्ञाना लिखल
जायग। (षष १ गारयन निर्णय शीघ्र कअल जायग।

-गजइ ओकून, सम्यादक विदेह, what sapp no
+919560960721 [HTTP://VI.DEHA.CO.IN/](http://VI.DEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X
VI DEHA

४ (१)

विदेहक "निग नवल सिनीज"

विदेह ज्ञाना ऊ वि(षषांक प्रकाशित हए छै तकर संग विदेह उहन
संस्था, यत्रिका, लखक, कलाकान, स्रयंसत्री वा सार्वजनिक जीवन
जीनिहानयन अयन (धआन सह) कडिग कनग जिनकायन विदेहक

विषयांक काना कानधवण ने प्रकाशित रऽ सकला अकन प्रक्रिया आ कार्यान्वयनक विवन्ध अना अछि।

निअम आ कार्यान्वयनः

१) ह्यम अकरा काना संस्था, यत्रिका, लखक, कलाकान, स्त्रयंसदी वा सार्वजनिक जीवन जीनिहानयन समग्र आलाचना कनव अकन राषा मैथिली अथवा अंग्रेजी नहण। उ यथीक यहिल नूय व्ही-व्क कन नूयम अंग आ प्रयास नहण अ अकन प्रिंट सह आवय अ यनिष्क्रियन निर्दन कनण।

२) उ शृंखलामः-

(i) सुराष चंद्र यादवयन कडिग "निग नवल सुराष चंद्र यादव",

(ii) नाजद्व मंगलयन कडिग "Rajdeo Mandal - Maithili Witer" आ

(iii) जगदीश प्रसाद मधुल कडिग "Jagdish Prasad Mandal - Maithili Witer" प्रकाशित रल अछि।

यहिल दूनू यथीक लाकार्यध ३१ दिसम्बर २०२२ कँ १११म सगन नागि दीय जनय म कअल गला। गसन यथीक लाकार्यध २१ मार्च २०२३ कँ ११२ म सगन नागि दीय जनय म कअल गला।

(iv) "निग नवल दिनश कृमान मिश्र" आ

(v) "निग नवल सूशील" जानी अछि।

आगाँक

घाषणा

लल <http://vi.deha.co.in/investigation.htm> देखेग नही।

यूर्वयी०कासमय समाज आ :मैथिली उयग्यास" कमलानइ माक याथी :
क शीर्षक त्रामक अछि। डॉ हूनकन किछु सदर्य (२०२१) "सत्राल
उयग्यासकानयन किछु सिधुकरउ कथिग समीजाभक आलखक संग्रह
अछि, २६३ यन्नाक डॉ याथी हाँवाउभम लाँव्रनीकँ माप्र वचल जा
सका, जगऽ डॉ सति जायग, अमजनसँ हम डॉ चानि सय याँच
टाकाम किनलौ मूदा उम याँचा याँक सामित्री ने अछि।

जगऽ अकरा रूल सूधान अछि, अकरा गअन सदर्य लखक सूराष चड्ड
यादत्रक उयग्यास 'गुला'कँ विन् यढन उा दू याँगि लिखलहि आ नियटा
दलहि, उा दूनू याँगि हम जगऽ अहाँक मनानंजनार्थ प्रसूग कऽ नहल
छी। अहाँ गुला यढनहिय हअव, जँ ने यढन छी गँ यहिन यढि
लिअ, कानध गखन वशी मनानंजक अनूरव हअग, गुला सूराष चड्ड
यादत्र जीक अन्मगि सँ उयलव्व अछि विदह आकाँवयन
उे <http://vi.deha.co.in/pot hi .htm> लिंकयन।

"उयग्यासक कमजानी अछि लखकक नाजनीगिक यूर्वाग्रह। नाजनीगि
विषयक यज्ञधनाग नचनाक संग ग्याय नहि कऽ यवेग अछि।"

जँ उयग्यासम नाजनीगि दून दून धनि ने छे उागऽ-'नाजनीगिक यूर्वाग्रह'
आ 'नाजनीगि विषयक यज्ञधनाग'क गँ प्रश्न ने छे। नाजनीगिक यूर्वाग्रह
वा यज्ञधनागक साढन धूमकागु आ यात्री प्रयूक कलहि। सूराष चड्ड
यादत्र जीक 'राट' ज २०२२म आयल ज सूराष चड्ड यादत्र जीक

अनुमति सँ उयलव्व अञ्चि विदह आकाञ्चवयन
उ <http://videha.co.in/potahi.html> लिंकयन, स नाजनीगियन
अञ्चि मूदा उगहूडा सूर्यवजीक रगगा (शैलीकँ नाजनीगिक यूनाग्रह वा
यजधनगाक साङनक आदथकगा नै यउलो यदू ह्मन याथी 'निग नवल
सूर्य वड्ड यादव' ज उयलव्व अञ्चि
उ <http://videha.co.in/potahi.html> लिंकयन।

कमलानह माक विन् यउन सूर्य वड्ड यादवक विन्ड्ड ब्राह्मधवादी
जागिग यूनाग्रह अकटा खगनाक घष्टी अञ्चि। जउ हिसाव
ब्राह्मधवादकँ आगाँ वडवेल कमलानह मा नामयंथक साङन यकउे छथि
आ सामाजिक आयक वलि चडवऽ चाहे छथि, तकन प्रगि समानान्धन
धाना सवग अञ्चि। उी अयन वायाउराम गअन सवर्धसँ छीनि कऽ,
समानान्धन धानाक लाकक हककँ मानि कऽ लल साहिय अकादमीक
मैथिल अनुवाद असाञ्चनमधक गर्धसँ चर्वा कनेग छथि। आ उी
असाञ्चनमध दिनका मनिटसँ नै जागिग टाञ्चटिलसँ रटल छह्रि,
अही सर किनदानीक अवजम रटल छह्रि। दिनका सन लाक लल
मैथिली वायाउराक अकटा याँगि अञ्चि, समानान्धन धाना लल जीवन-
मनधक प्रश्न।

आव अहाँ यूछव ज तकन प्रगिकान समानान्धन धाना कना कलक, उा
गँ कन्नानहट नै कनेअ, गँ तकन उफन अञ्चि ह्मन ३ टा याथी ज
१११म सगन नागि दीय जनय म लाकार्यिग रल ३१ दिसम्बन २०२२
कँ, वअह सगन नागि दीय जनय जकना साहिय अकादमी गग दस
वर्खसँ गीति लवाक प्रयास कऽ नहल अञ्चि। अहाँसँ उे तीनु याथीयन

टिच्यधी ँी-यत्र सङ्गत editorial.staff.videha@gmail.com यन
आर्मत्रिण अञ्चि। यहिल दू यथी म नाजदत्र मधुल आ सूरुष चड्ड
यादत्रक साहियक समीजा अञ्चि ऊ ह्मन तसन यथी मैथिली
समीजाशास्त्रक सिद्धांतक आधानयन कञ्चल (गल अञ्चि। त्कना वाद
जगदीश प्रसाद मधुल जी यन यथी लिखल (गल (११२ सगन नागि
दीय जनय म लाकार्येध) सरुटा यथीक लिंक नीचाँ दल (गल
अञ्चि। 'निग नवल दिनश कुमान मिश्र' आ 'निग नवल सूशील' जानी
अञ्चि।

Rajdeo Mandal - Maithili Witer (Now with Supplement
I & II)

निग नवल सूरुष चड्ड यादत्र

निग नवल सूरुष चड्ड यादत्र (मिथिलाजन)

JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Witer

निग नवल दिनश कुमान मिश्र (जानी)

निग नवल सूशील (जानी)

मैथिली समीजाशास्त्र

मैथिली समीजाशास्त्र (गिनहूगा)

संगम यदू कमलानन्द मा क ब्राह्मणवादयन प्रहानः

दूषध यञ्जी- The Black Book

दूषध यज्ञी- The Black Book (मिथिलाउन)

-गजद्व Oक्रन, सम्पादक विदह, what sapp no
+919560960721 [HITP://VI.DEHA.CO.IN/](http://VI.DEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X
VI DEHA

४(२)

निग नदल दिनश क्रमान मिश्र

दिनश क्रमान मिश्रक 'दूषध यारन क वीच म' कासी नदीक अतिहासिक आभकथा थीक, उा मिथिलाक आन धान सरक अतिहासिक आभकथा सह लिखन छथि जना वडिनी महानद्या, वागमगी की सङ्गि!, दूषध यारन क वीच मं(कासी नदी की कहानी) .., न घाट न घन, वगावग यन मजवून मिथिला की कमला नदी, गुहरी नदी उन तकनीकी माउ-रूंक, The Kamla River and People On Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments। साहित्य अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री समितिक सदस्य यंकज मा यनाशन झाना दिनकन यथी सरसँ येनाक येना मैथिली अनूवाद कs अयना नाम उयथास छयवाउल (गल अछि, जकना छद्म समीअक कमलानद्य मा उे चान लखकक निसर्च कहै छथिअs स्यष्ट ! कs दी जे छी चान लखक आ छद्म समीअक दूनू अलीगढ मुस्लिम विद्यालयक दिष्टी विरागम छथि। छी निसर्च दिनश क्रमान मिश्रक थीक, जे आरू .सिविल इंजीनियनिङ्ग म वी खगयूनसँ .टी.आरू.

.१६६८म आ सद्रकनल ँङ्कीनियनिकम ँम .रकरक१६१०म कन .
कथि, आ उँ निसर्व लल ब्वालिराँउ कथि। उखन काना विषयम
नामांकन ने हाँ के गखन लाक हानिथाकि दिष्टीम नामांकन लँ-
ने गँ कमलानइ मा कँ वूमस म आवि जँगहि जँ ँी निसर्व काना
सिविल ँङ्कीनियनक रस सकी अछि, रस सकी वूमला हाँइ। दिष्टी
मूल आ मैथिलीक स्क्रीनशॉट आँगा संलग्न अछि।

दिनभ कुमान मिश्र मिथिलाक ने कथि मूदा मिथिलाक सर धानक कथा
उ लिखन कथि, हम सर हूनका प्रगि कृगहू छी आ हूनकन मृधसँ
मिथिलावासी कहिया उमृध ने रस सका, मूदा मूलधानाक प्रनखान आ
याँ लालय लाकसँ कृगघ्न ररग स रून सिद्ध रला। उ लखककँ दस
वानह वर्ष यकिन सह गानानइ त्रियागी उधानक ररल छलखिइ जँ
लिखन नदथिइ जँ उ कविगाम प्ररविग रस अनायास अपन नचनाम
दासनक सामित्री चानि कस लँ कथि, अहन सना आव उ कमलानइ
मा क आश्रय गकलहि मूदा दूरगथजँ हिसाव ब्राह्मधवादकँ आगाँ !
वढवेल कमलानइ मा वामयंथक साहन यकउ कथि आ सामाजिक
ग्रायक वलि चढवस चाहे कथि, गकन प्रगि समानान्कन धाना सवग
अछि। सीलिंगसँ वचवा लल जमीनजफ्फावला लाक कथूनिरु वनल-ा
आ आव ब्राह्मधवाद वचवालल वामयंथक शनध, अहन लाक सरसँ
कथूनिककँ वहू नूकसान रल छी।

दिनभ कुमान मिश्रक सररा यथी आव हूनकन अनुमगिसँ उपलव्व अछि
विदह

आकाँवमः

<http://videha.co.in/potahi.htm>

अस अकटा गय मान याति दी ज ऊखन विल (गझकँ यूछल (गलहि ज की उा अक वॉक रानगम याँनशीक उनसँ दनीसँ आनि नहल छथि? गँ हूनकन उफन नहहि ज माँक्रासॉह याँनशीक उन काना उग्राद दनीसँ ने उगानन अछि। स विदह यरानम हम सर उे गनहक निरु नहिगा अकना आन समृद्ध कनेग नहव, कानध समानान्कन धानाम सगल माँछ ज्ञान याखनिक सर माँछ ने सउे, अगुक्ता मलाह (गार- (गार कs सगल माँछ निकालेग नहल छथि, निकालेग नहगा।

सिधीकरत समीजायन अन्किम ग्रहान।

मूल दिनश क्रमान मिश्र : (२००६ ... दूँ याउन क वीच मं) यह धान दन की वाग हे कि १९२३ स १९४६ क वीच कासी उप्र मं मलनिया स ५,१०,०००, कालाजान स २,१०,०००, हेज स ६०,००० तथा चचक स ३,००० मोगं (कूल ७,८३,०००) हूँ।

धान यंकज सा यनाशन)साहिण अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री समिगिक सदस्य([जलप्रांगन २०११ : [(१०३ .यु)

ने अँग्रेज सब आ ने नवका रंगेज सब। १९२३ सँ १९४६ के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल ! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

मूल दिनश क्रमान मिश्र दूँ)याउन क वीच मं: (२००६ ... रानगवर्ष मं विहान मं कासी नदी का वांधन का काम १२वीं शताब्दी मं किसी नाजा लक्ष्मण द्वितीय न कनवाया था उन वूस काम क लिउ उसन प्रजा स 'वीन' की उयाधि याँनी उन नदी का गरव्व 'वीन वांध' कहलाया। वूस गरव्व क अवशष अरी री स्योल जिल मं रीम नगन स

का० 5 किलामीटन दक्षिण मं दिखा० य० हं। जं. फ्रांसिस व्कानन (1810-11) का अन्मान था कि यह वांध किसी किल की सूनजा क लि० वनी वाहनी दीवान नहा हागा आकि यह वांध (धोस नदी क यश्चिमी किनान यन गिलयूगा स उसक संगम तक 32 किलामीटन की दूनी मं रूला हुआ था। जं. उबू उबू हट्टन (1877) व्कानन क व्स तक क साथ सहमत नहीं (थ कि यह वांध किसी किल की सूनजा दीवान था। स्थानीय लागों क हवाल स हट्टन का मानना था कि अधिकांश लाग व्स किल की दीवान नहीं माना उन उनक हिसाव स यह कूळ उन ही चीज थी मगन वह निश्चिंत नूय स कूळ कहन की स्थिति मं नहीं (था हिन री जा आम धानधा वनी है वह यह है कि यह कासी नदी क किनान वना का० गटवब नहा हागा जिसस नदी की धाना का यश्चिम की उन खिसकन स नाका जा सका। लागों का यह री कहना था कि उसा लगा था कि व्स गटवब का निर्माध कार्य अकाअक नाक दिया गया हागा।

कृष्ण समीअक कमलानंद मा ज्ञाना चान उय्यासकानक यी० (०कव, देखू कृष्ण समीअक कमलानंद मा ज्ञाना उद्धृण चान यंकज मा यनाशन मैथिली उय्यास), समय, समाज आ सवाल पृ: (२१६-२११) .

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पदुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ावेत पदुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहेँ बान्हक मादे

चान यंकज मा यनाशन)साहित्य अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री समिगिक सदस्य([जलप्रांतर २०११ :[(३१ .यु)

पदुआ कका पछिला गप केँ आगाँ बढ़बैत कहलखिन, 'फूल बाबू कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढ़ैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनेँ छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पदुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन ? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पदुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि !

मूल दिनः क्रमान मिश्र : (२००६ ...दूर याटन क बीच मं) कासी क प्रवाह कि रयावहगा की एक मलकरिनाजभाह गुगलक की खोज क सन् 1354 मं वंगाल स दिल्ली लोटन क समय मिली हे। वगाया जागा हे कि जव सुल्तान की खोजं कासी क किनाम यहुँचीं गा दखा कि नदी क दूसर किनाम यन हाजी शम्सुद्दीन खलियास की खोजं मुकाविल क लिउ गेयान खी हे। यह वही हाजी शम्सुद्दीन (थ जिहान हाजीयन तथा समस्कीयन शहन वसाय (थ। रिनाज की खोजं शायद कूनसला क आस यास किसी जगह यन कासी क-किनाम साच मं यउ गळी। नदी की नखान उहुँ आ(ग वढन स नाक नही थी। आखिनकान खसला हुआ कि नदी क साथसाथ उफन की उन वढा जाय उन जहाँ - नदी यान कनन लायक हा जाय वहाँ यानी की थह ली जाय। सुल्तान की खोजं प्रायः सो कास उन गळी उन जियानन क यास, जा कि उसी स्थान यन अवस्थित था जहाँ नदी यहाजं स मैदानां मं उगनी थी, नदी का यान किया। नदी की धाना गा यहाँ यगली जनून थी यन प्रवाह खूना गज था कि याँचयाँच सो मन क रानी यहन नदी मं - गिनकां की गनह वह नह (था जहाँ नदी का यान कनना मूमकिन लगा उसक दानां उन सुल्तान न हाथियां की कगान खी कन दी उन नीच वाली कगान मं नश लटकाय गय जिसस कि यदि काळी आदमी वहगा हुआ हा गा खूस नशां की मदद स उस वचाया जा सका। शम्सुद्दीन न करी साचा री न था कि सुल्तान की खोजं कासी का यान कन लंगी उन जव उस का खूस वाग का यगा लगा कि सुल्तान की खोजं न कासी का यान कनन मं कामयाबी या ली हे गा वह राग निकला।

चान यंकज मा यनाशन)साह्यि अकादमीक मैथिली यनामर्षदात्री समिगिक सदस्य([जलय्रांगन २०११ :[(१०१ .यु)

'बेश, तँ सुनु। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली चुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफतार देखि कए तुगलकी सेना केँ नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कनेँ कम बूझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कनेँ शिकस्त बुझेलै। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करब कनेँ आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी केँ ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ चला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जेँ बयो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचनेँ छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन केँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

(... शीघ्र अही लिंकयन आन स्क्रीनशॉट अयउट कएल जायत। (

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ नवम्बरी २०२३ सँ ग्रानम्ह... निग
नवल दिनश कृमान मिश्र

<http://videha.co.in/> विदेह यत्रिका-प्रथम मैथिली यात्रिक ङ्गी :
ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) यन।

-गजब्रू ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no

+919560960721 [HTTP://VI.DEHA.CO.IN/](http://VI.DEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X

VI DEHA

४ (३)

निग नवल सशील

कमलानन्द माकँ हम किञ्च कृद्म समीञ्चक कहलियनि?

कानध उा कृद्म समीञ्चक कृथि।

उा लिखे कृथियात्राक लगरुग सय दर्वक वाद -मैथिली उयग्यास" -
मैथिल अन्कनजागीय विवाहक सयना, संघर्ष आ विउम्बना यन
गनिमायूक उयग्यास लिखवाक श्रय (गोनीनाथकँ जाळ्ग कृनि। "

गँ की कमलानन्द मा स्त्रीलसँ ङ्गी श्रय कृनि ललनि? की ङ्गी हूनकन
ब्राह्मधवादी संज्ञानक अहंकानज हम ककना चढा सके छिउे आ -
कन यनाकाष्ठा थीक -ककना उगानि सके छिउे, आकि हूनकन
अध्ययनक अरावक प्रमाध?

चलू अहाँकँ लs चली कमलानन्द मा कन सार्थी दूनियाँसँ दून, कृल-
कृद्मसँ दून स्त्रीलक जादूवला साहित्यक निश्चल दूनियाँमा।

अहाँक स्याग अछि स्त्रीलक साहित्यक दूनियाँमा।

प्ररूग अछि स्त्रीलक 'गामवाली' (१६,८२३ आव उयलब्व अछि (
विदह आर्काङ्कम लिंक [http://vi deha.co.i n/pot hi .ht m](http://videha.co.in/pot hi .htm)यन।

यहिल याँगीम उयग्यास आनसूसँ यहिनहिय 'गामवाली' उयग्यासक
सम्बन्धम स्त्रील लिखे कृथि-

"विधवा विवाह आ अन्कजागीय विवाहक समर्थनमा "

आ उयग्यास आनसूस।

गामवालीक मृगु आ गखन समला, गामवालीक दाह संझान क कनगै?
ब्राह्मण समाज कि जादव समाज?

मैथिलीक सिध्दीकटउ समीजायन अन्किम ग्रहान।

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ नवम्बरी २०२३ सँ प्रानम्... नि
नवल स्थील

<http://videha.co.in/> विदेह यत्रिका-प्रथम मैथिली याञिक ङ्गी :
ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) यन।

-गजब्रु ओकून, सम्पादक विदेह, whatsapp no
+919560960721 [HTTP://VI DEHA.CO.IN/](http://VI DEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X
VI DEHA

१

विदेहक "साहित्यिक प्रष्टाचान वि(षयांक"

विदेह "साहित्यिक प्रष्टाचान वि(षयांक" लल निम्नलिखित विषययन
आलख ङ्गी-मल editorial.staff.videha@gmail.com यन
आर्मप्रिण अङ्कि।

१. साहित्य, कला आ सनकानी अकादमी-
(क) यून्झानक नाजनीति
(ख) सनकानी अकादमीम येसवाक गञन-लाकगांत्रिक विधान
(ग) सफागुट आ अकादमी कन काज कनवाक गनीका
(घ) सनकानी सफाक छद्म विनाधम उयजल गाकालिक समानांगन सफाक

कार्ययद्धिनि

- (ढ) अकादमी यूनस्नानम याळ्ळ र्हेकानः मिथक वा यथार्थ
२. ब्यक्तिगत साहित्य संस्नान आ यूनस्नानक नाजनीगि
३. प्रकाशन जगतम यसनल त्रष्टाचान आ लखक
४. मैथिलीक ळ्ढ लखक संगठन आ ठाकन यदाधिकानी सवहक
आचनध

ग. स्कुल-कॉलजक मैथिली त्रिगगम यसनल साहित्यिक त्रष्टाचानक त्रिनिध
नूय-

- (क) याधक्रम
(ख) अधयन-अधायन
(ग) नियुक्ति

घ. साहित्यिक यप्रकानिगा, निष्कू मंच-माला-माळ्ळक आ लाकार्यधक खल-
गमाशा

- ग. लखक सवहक जन्म-मनध शगाष्टी कन चूनात , कैलंठनदाद आ
गकना याळ्ळक नाजनीगि
घ. दलित अवं लखिका सवहक संगे रुद-रात आ ठाकन (शाषधक
त्रिनिध गनीका

ङ. काना आन त्रिषया

६

विदेह व्रॉतकासु लिसु

विदेह [WWW.VI DEHA.CO.IN](http://www.videha.co.in) सम्बन्धी सूचना लल अयन what s app नम्बर
हमन what s app no +919560960721 यन य013, उकन प्रयाग
मात्र विदेह सम्बन्धी समाचार दवाक लल कअल जाअग।

-गजब्र 0कून, सम्पादक विदेह, what s app no
+919560960721 [HTTP://VI DEHA.CO.IN/](http://VI DEHA.CO.IN/) ISSN 2229-547X
VI DEHA

मैथिली आ मिथिलासँ संबंधित किछु मूख्य साँठः- आन लिंकक विषयम
सूचना [editorial .staff .videha@gmail .com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) कँ ँ मलसँ
य0वी।

<http://www.videha.co.in/> ("विदेह" प्रथम मैथिली याञिक ँ
यप्रिका)

<http://gajendrat hakur.bl ogsport .com/2004/07/bhal sari k-gachh.html> (ँननयन मैथिली

राषाक प्राचीनाम उयस्रिगि/ मैथिलीक यहिल ब्लॉग- मैथिली राषा
ब्लॉगक अश्री(गरन, १ शलाँ २००४)

<http://videha.com/2004/07/bhal sari k-gachh.html> (ँननयन मैथिली

राषाक प्राचीनाम उयस्रिगि/ मैथिलीक यहिल ब्लॉग- मैथिली राषा
ब्लॉगक अश्री(गरन, १ शलाँ २००४)

रालसनिक गाळ ३ सन २००० सँ यादूसिटीजयन
कल http://www.geoci ties.com/.../bhal sari k_gachh.html, <http://www.geoci ties.com/ggajendra> आदि

लिंकयन आ अखना ग जलाळ २००४ क
यासु <http://gajendrat.hakur.bl.ogspot.com/2004/07/bhal.sari.k-gachh.html> (किछ दिन
लल <http://vi.deha.com/2004/07/bhal.sari.k-gachh.html> लिंकयन, आग wayback
machine of https://web.archive.org/web/*/vi.deha 258 capture(s) from
2004 to 2016- <http://vi.deha.com/> रालसनिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग /
मैथिली ब्लॉगक अश्री(गटन)क नूयम ऑनरनरयन मैथिलीक प्रवीनगम
उयसुगिक नूयम निद्यमान अछि। ओ मैथिलीक यहिल ऑनरनर यत्रिका
थिक जकन नाम वादम १ जनवनी २००६ सँ "विदेह"
यओलै ऑनरनरयन मैथिलीक प्रथम उयसुगिक यात्रा विदेह- प्रथम
मैथिली यात्रिक ओ यत्रिका धनि यहँचल
अछि, <http://www.vi.deha.co.in/> यन ओ प्रकाशित हाँग
अछि। आव "रालसनिक गाछ" जालवृफ 'विदेह' ओ-यत्रिकाक प्रवक्ताक
संग मैथिली राषाक जालवृफक अश्री(गटन)क नूयम प्रयूक रस नहल
अछि। विदेह ओ-यत्रिका ISSN 2229-547X VI DEHA यल्लवमिथिला
(धीनद्ध प्रमर्षि) २०१६ माघ संक्रान्ति- २००३ जनवनी मैथिलीक दासन
ऑनरनर यत्रिका अछि ज ओ लिंक www.pallavni.thila.mai.npage.net यन छल मूदा
आव ओ उयलब नै अछि। ओ टियधी मात्र ओगिहास शुद्धगा लल
अछि।

<http://vi.deha-aggregat.or.bl.ogspot.com/> (मैथिली राषा ब्लॉगक अश्री(गटन))

<http://www.vi.deha.com/> (ऑनरनरयन मैथिली राषाक सरसँ यनान उयलब उयसुगि/ लाकप्रिय ब्लॉग- मैथिली राषा ब्लॉगक अश्री(गटन) ग जलाळ
२००४ www.gajendrat.hakur.bl.ogspot.com)

<http://esanaad.bl.ogspot.com/> (यूनम मंजल आ प्रियंका माक यहिल मैथिली गृह यटल, ६ अगळ २००४ सँ)

<http://prakarantar.bl.ogspot.com/> (प्रकारानंन मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग, दनवनी २००१)

<http://vi dyapati .bl ogsport .com/> (मैथिलीक लाकाप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००१)

<http://wwwvi dyapati .org/> (मैथिलीक लाकाप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००१)

<http://hell onithi la .bl ogsport .com/> (रूला मिथिला- धीन्द्र प्रमर्षि, सभ्यादक-प्रकाशक, नूया मा, सभ्यादन सङ्ग्रह, यन्नव, मैथिली साहित्यिक, ३ मङ्ग २००६)

<http://pall av .bl ogsome .com/> (रूला मिथिला- धीन्द्र प्रमर्षि, सभ्यादक-प्रकाशक, नूया मा, सभ्यादन सङ्ग्रह, यन्नव, मैथिली साहित्यिक, ११ मङ्ग २००६)

<http://hell onithi laa .bl ogsport .com/> (मैथिली यूज यार्टल, सिप्टेम्बर २००१)

<http://wwwhell onithi la .com/> (मैथिली यूज यार्टल, सिप्टेम्बर २००१)

<http://shanpadak .wordpress .com/> (मैथिली यूज यार्टल, जनवरी-रूनवनी २००८)

<http://wwwesanaad .com/> (मैथिली यूज यार्टल, जनवरी-रूनवनी २००८)

<http://hell onithi laa .wordpress .com/>

<http://premarshi .wordpress .com/> (धीन्द्र प्रमर्षि)

.....

<http://anchi nharakharkol kata .bl ogsport .com/> (मैथिलीक लाकाप्रिय गजलक ब्लॉग)

<https://mi thil astudentuni on .com/> (M thil a Student Uni on)

.....

<https://vi gyanprasar .gov .in/vi gyan-ratnakar/> (विज्ञान न्नाकन)

INU

<http://sanskrit .jnu .ac .in/nai thili /i ndex .jsp>

http://sanskrit .jnu .ac .in/student _proj ects/lexi con .jsp?lexi con=nai thili

.....

ALL INDIA RADIO DOORDARSHAN आकाशवाणी दूरदर्शन

<http://prasarbharati .gov .in/>

<http://newsnai r .com/>

<https://door darshan .gov .in/>

आकाशवाणी मैथिली याउकास <http://prasarbharati .gov .in/podcast .php?filterlang=Mai thili &from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO>

आकाशवाणी यरना/ दनरंग मैथिली नञ्जल यज्ञ रकस उअनलाउ-1 <http://newsnai r .com/RNU-NSD-Audi o-Archi ve-Sear ch.aspx>

आकाशवाणी यरना/ दनरंग मैथिली नञ्जल यज्ञ रकस उअनलाउ-2 <http://newsnai r .com/Regi onal -Text .aspx>

आकाशवाणी दनरंग <http://prasarbharati .gov .in/pl ayersource .php?channel =282>

आकाशवाणी दनरंग य यूव वैनल <https://www .yout ube .com/channel /UCGdNveEFmV4pPol WTEMkVA>

[आकाशवाणी रागलयन http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359](http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359)

[आकाशवाणी यदियाँ http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256](http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256)

[आकाशवाणी यरना http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122](http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122)

[ALL INDIA RADIO ENGLISH NEWS](#)

[ALL INDIA RADIO NEWS ARCHIVE](#)

[ALL INDIA RADIO TALKS AND CURRENT AFFAIRS](#)

[RAJYA SABHA TV NEWS DISCUSSIONS](#)

[SANSAD TV](#)

[VI DEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL](#)

<https://www.youtube.com/@vi deha-el earning>

Vi deha Read Aloud Talki ng Mithili Audi o Books (i ncl udi ng Mithili Si gn Language- Ist ti me i n Mithili)

https://www.youtube.com/@vi deha_ej ournal

.....

<http://branhanevsn.blogspot.com/> (मैथिली समाचान)

<http://www.mithilakhabar.com/> (नयालक मैथिली र्नी यषिका)

<http://mithilanevsn.com/>

<http://www.mithilanevsn.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचानक साइट)

<http://www.hanargamin/> (मैथिली गूज यरल)

<http://mithiladotcom.blogspot.com/> (मैथिली नाश्रीय दैनिक)

<https://nppdai.nik.com/> (मैथिल यूनर्जागनध प्रकाश, मैथिली दैनिक)

<http://mithilasanad.blogspot.com/> (मिथिला समाद, मैथिली दैनिक)

<http://janakpurnews.blogspot.com/> (मिथिला आ मैथिलीक समाचानक साइट)

<http://www.mithilalok.com/> (मैथिली गूज यरल)

<http://mithilamedia.blogspot.com/> (मैथिली गूज यरल)

<http://www.mithilamedia.com/> (मैथिली गूज यरल)

<https://mithiladharohar.blogspot.com/> (मैथिली गूज यरल)

<https://sinanchal.com/> (मैथिली गूज यरल)

<https://mithilijindabaad.com/> (मैथिली गूज यरल)

.....

<https://ki.rti.nath.blogspot.com/> (कीर्तिनाथ सा व्गो))

<http://j.ct.27novnai.thi.li.blogspot.com/> (ऊगदीश वद्ध 0व्वन "अनिल" क ब्लोग)

<http://bri.khesh.blogspot.com/> (वृषेश वद्ध लाल)

<http://www.chet.nasamiti.org/> (चपना समिति, यटनाक नवसाळट)

<http://shi.va-pustak-bhandar.blogspot.com/> (मैथिली यथी कीन)

<https://mi.shrarn.blogspot.com/> (रानसँ सौम धनि)

<https://rj.anakpuri.blogspot.com/> (सादिययनी)

<http://bat.aahnai.thi.li.n/>

<http://nai.thi.lpravahika.org/>

<http://ganeshbavra.blogspot.com/>

<http://nai.thi.li.news.com/>

<http://anandi.hakavitakahani.blogspot.com/>

<http://chaayvala.blogspot.com/>

<http://nai.thi.lputr.blogspot.com/>

<http://nai.thi.lputrananu.blogspot.com/>

<http://mi.thi.lanchal.patrika.blogspot.com/>

<http://mi.thi.lakbat.blogspot.com/>

<http://nai.thi.litinesonline.blogspot.com/>

<http://mi.thi.lavi.dehavajjitirhut.blogspot.com/>

<http://sana.dia.blogspot.com/>

<http://jitu.nai.thi.li.blogspot.com/>

<http://prati.padamai.thi.li.blogspot.com/>

<http://bhatsi.nar.blogspot.com/>

<http://nai.thi.lirangnanch.blogspot.com/>

<http://www.nai.thi.lavaani.blogspot.com/>

<http://www.nai.thi.lisongsjagat.co.in/>

<http://mi.thi.lablog.com/>

<http://www.lahakchahak.com/>

<http://www.jainithila.com/>

<http://www.dahejmuktinithila.org/>

<http://nithilavaani.blogspot.com/>

<http://www.chanundanagarpachahi.com/>

<http://kisunsankalplok.wordpress.com/>

<http://www.kisunsankalplok.co.nr/>

<http://naithili songshub.blogspot.com/>

<http://www.rajnipalavi.com/>

<https://naithilineetwork.com/>

<https://nithilanierror.com/>

<https://www.nithila.in/>

<http://csts.org.in/> (CSTS)

<http://www.sanyasaal.com/> (समय साल)

<https://www.naithili.org.in/> (नाथन चौधरी)

<https://doorvaksata.org/> (मिशन दूर्वाजा)

<http://nithilaksharshikshaabhiyan.in.net/> (मिथिलाजन शिक्षा अख्यान)

<http://nithilakshar.in/> (मिथिलाजन शिक्षा अख्यान)

<https://missonnithilakshar.blogspot.com/> (सिद्धिनाथ- मिशन मिथिलाजन लिये)

<https://nithilani.in/> (मिथिलानी)

<https://www.nithilnanch.in/> (मिथिल मंच)

<http://nadhubani.co.in/>

<http://www.prenkumar.nallick.com/>

<http://apandalan.wordpress.com/>

<http://www.nithilaworld.tk/>

<http://www.nithilachowk.com/>

<http://naithili songsgheet.blogspot.com/>

<http://rayprabhatbhatt.blogspot.com/>

<http://amitnohanjha83.blogspot.com/>

<https://naithili swasthyapari charcha.bl ogspot .com/> (मैथिली स्वास्थ्य यनिवर्ती- नमाकन चैत्रनीक ब्लॉग)

<http://naithili-darpan.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://nithilatol.bl ogspot .com/>(मिथिलाराल मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://naithili cinema.bl ogspot .com/> (मैथिली फिल्म)

<http://naithili films.bl ogspot .com/> (मैथिली फिल्म)

<http://naithili-drama.bl ogspot .com/> (विदरु मैथिली नाय उयव- ववन ओकनक ब्लॉग)

<http://njnk.co.cc/> (रुंजी जनकयून यूग, पनारुंजी मोजल, मिथिला रूयमभन)

<http://www.Terai.Nepal.co.cc/> (पनारुंजी नयाल मिथिला जनकयून म(वग हालवाल Anytime Anywhere see)

<http://naithilaurnithila.bl ogspot .com/> (मैथिलक आ मिथिलाक लाकप्रिय ब्लॉग)

<https://www.nithiladaini.k.in/> (मिथिला रैनिक)

<http://www.nithilaananch.bl ogspot .com/>(मिथिला मंव)

<http://naithili song.bl ogspot .com/> (मिथिला आ मैथिलीक समावानक ब्लॉग)

<http://naithili foundation.bl ogspot .com/> (मैथिली राउठभन)

<http://naithilibhasha.bl ogspot .com/> (काथय कमलक ब्लॉग)

<http://rkjteoth.bl ogspot .com/> (नूयग रुमान मा "ग्रांथ"क ब्लॉग)

<http://paraati.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://singarhaar.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://vaachik.wordpress.com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://nithilainfo.bl ogspot .com/>(मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://nithilasanachaar.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://pialkhar.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://desilbayna.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://naithilynjha.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://gaamghar.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://nithila-nihar.bl ogspot .com/> (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

<http://www.nithililekhaksangh.bl ogspot .com/> (मैथिली लेखक संघक जालमल)

<http://www.nithili.co.uk/> (मिथिला कवनल ँर्गनारुंजीभन, यू.क.)

<http://ninanapanakpur.org/> (मिनाय, जनकयून)

- <http://www.irdarbhanga.org/> (आकाशवाणी दरभंगा साइट)
- <http://mithilangan.org/> (मिथिलांगन साइट)
- <http://www.desilbayana.com/> (दसिल वयना, ह्येदनावाद)
- <http://www.vnyminz/> (विद्ययिगि मेथिल यूवा मंच)
- <http://www.jainmithila.com/> (मिथिलाक सयथा, संकृति, विरूति, गीत-संगीत आ वद्धा नास जानकारीक लल)
- <http://sobhagyanimithilatv.com/> (सोराथ मिथिला- यद्विल मेथिली वेनल)
- <http://kashyap-mithila.blogspot.com/>
- <https://kashyapartschool.wordpress.com/> (कृष कृमान कथय आ शिवालाक साइट)
- <http://mithilapainitratraining.blogspot.com/>
- <http://dularuababunamithilifilml.blogspot.com/>
- <http://senuraklaajnamithilifilml.blogspot.com/>
- <http://namithilivideosongs.blogspot.com/>
- <http://kalikantjhabuch.org/> (काली कांगि मा "वृव")
- <http://saketanands.blogspot.com/> (साकगानहजीक जालवृफ)
- <http://gunjang.blogspot.com/> (गुंजनजीक जालवृफ)
- <http://darihare.blogspot.com/> (थाम दनिहनक जालवृफ)
- <http://deoshankarnavin.blogspot.com/> (दशरथकन नवीनक जालवृफ)
- <http://www.udayanarayana.com/> (नविकाराक साइट)
- <http://www.indianembassy.org.np/> (सनापीय दूरावास नयाल)
- <http://www.purvottarnamithilisanaj.com/> (पूर्वोपन मेथिल समाज)
- <http://www.purvottarnamithil.blogspot.com/> (मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति क प्रेमासिक यत्रिका)
- <http://apannamithladhaam.blogspot.com/>
- <http://namithilikavita.blogspot.com/>
- <http://pankajjha23.blogspot.com/>
- <http://namithili-haikub.blogspot.com/>
- <http://nanaknamithili.blogspot.com/>
- <http://mithiladay.org/>
- <http://dsal.uchicago.edu/lis/> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings)

<http://dsal.uchicago.edu/lsi/taxonomy/term/1718> (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings, Maithili)

<http://music2.cooltoad.com/music/category.php?id=10576>

<http://maithiliacademy.org/>

<https://maithiliacademybihar.org/> (मैथिली अकादमी, यरना)

मैथिली राजपूती अकादमी, दिल्ली

http://artandculture.delhi.govt.nic.in/vps/wcm/connect/doi_t_art/Art+Culture+and+Language/Home/Maithili-Bhojpuri+Academy/

<http://maithili.sourceforge.net/>

<http://ansiss.org/>

<http://fedoraproject.org/>

<https://fedorahosted.org/fuel/wiki/fuel-maithili>

<http://l10n.gnome.org/teams/mai>

<http://translate.fedoraproject.org/languages/mai>

<http://www.biharloknanch.org/> (मिथिला-मैथिली याथी नलाद्वन कीनु)

http://www.biharloknanch.org/mithila_products_online.php (Buy Mithila-Maithili books online)

<http://mithila-haat.com/> (Buy Mithila-Maithili books/ other materials online)

<http://www.antikaprakashan.com/> (अंगिका प्रकाशनक साइट- मैथिली प्रकाशक)

<https://shashi.prakashan.blogspot.com/> (शशि प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशक)

<https://pallavipublication.blogspot.com/> (यलवती प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशक)

<http://www.navaranbh.com/> (नवानभ- - मैथिली प्रकाशक)

<http://www.gorkhapatra.org.np/>

<http://www.sajha.org.np/>

<http://www.kantipuronline.com/>

<http://maithilahyd.org/>

<http://www.jyoticonsultant.com/> (मैथिलक नोकनी जेंट काम)

<http://www.mithilamantahan.com/>

<http://www.brandbihar.com/>

<http://www.biharbrains.org/>

<http://maithilijokes.blogspot.com/>

<http://www.rdo91fmblogspot.com/>

<http://www.kfn961.com/> (द्वारा मिथिला कार्यक्रम प्रशक शनिर्क नयाली समयानुसान नागि ९.३० वजसँ ११ वजसनि आ नाजनीगिक विषयवक्यन कडिगि चैवटिया कार्यक्रम प्रशक सामकँ नागि १० सँ ११ वजसनि प्रसानध)

<http://www.radi.okanti.pur.com/> (द्वारा मिथिला कार्यक्रम प्रशक शनिर्क नयाली समयानुसान नागि ९.३० वजसँ ११ वजसनि आ नाजनीगिक विषयवक्यन कडिगि चैवटिया कार्यक्रम प्रशक सामकँ नागि १० सँ ११ वजसनि प्रसानध)

<http://www.umptv.com/en/channel/nepal1/> (नयाली टी.वी.-जय टी.वी. मैथिली कार्यक्रम सूचना)

<http://janakimorg.np/> (जानकी अरु.अम., मैथिली समाचान नटिया)

<http://www.mithilaradio.com/> (मैथिली नटिया)

<http://www.youtube.com/user/janakim>(जानकी अरु.अम., मैथिली समाचान नटिया Youtube channel)

<http://www.radiomithila.org/> (मैथिली नटिया)

<http://www.appanmthila.org/> (नटिया अथन मिथिला ९४.४ MHz)

<http://www.anakpurtoday.comnp/>

<http://nadanpuraskar.org/>

<http://www.nadheshuk.org/> (उसोशिशान ँरु नयाली म(वसीज छन यू.क.)

<http://www.mithilaart.com/> (श्रीमगि प्रया साक साइट)

<http://www.mithilavihar.com/>

<http://www.sugatisopan.com/>

<http://www.naitihlsanaj.org.in/>

<http://www.naitihlsanaj.com/>

<http://www.anakpurbcity.com/>

<http://www.anakpur.comnp/>

<http://home.att.net/~naitihls/>

<http://shyanprakashjha.com/>

<http://rananathjha.com/>

<http://www.ranajha.com/>

<http://sudhakar.co.in/naitihli>

<http://www.naitihls.net/>

<http://www.getpredictiononline.com/>

<http://www.bihartimes.com/>

<http://www.bihar.ws/>

<http://www.patnadail.com/>

<http://www.krranan.blogspot.com/>

<http://www.wadi-mithili-kavita.blogspot.com/>

<http://www.mithilasevasanti.blogspot.com/>

<http://www.jankitoday.blogspot.com/>

<http://opjha.blogspot.com/>

<http://chittahajagat.in/> (दक्कानगी लियिक ब्लॉगक उध्री(गटन)

<http://mailorang.blogspot.com/> (मेलानंग नाथ संस्कृत ब्लॉग)

<http://mailorang.in/> (मेलानंग)

<http://mailorang.com/> (मेलानंग)

<http://vandanageet.blogspot.com/>

<http://www.darbhangaaraj.blogspot.com/>

http://mithila_sanachar.tripod.com/mithilasanachar/ (मिथिला आ मेथिलीक समाचानक साइट)

<http://www.civilcorpora.net/misam.htm>

<http://www.wild.in/Mithili/MIindex.aspx> (मेथिली अउजान आ खंछ)

<http://www.mithilaarts.com/>

<http://www.mithilapainting.org/>

<http://www.mithili.net/> (मिथिला-मेथिल-मेथिलीक लाकप्रिय साइट)

<http://www.mithilaonline.com/> (मिथिला-मेथिल-मेथिलीक लाकप्रिय साइट)

<http://www.onlinemithila.in/> (मिथिला-मेथिल-मेथिलीक लाकप्रिय साइट)

<http://www.nnl.gov.np/>

<http://www.nepalacademy.org.np/>

<http://www.karnagoshti.org/>

<http://surnasti.com/>

<http://www.mithiliworld.com/>

<http://www.mithila-museum.com/aboutME/index.html>

<http://www.tri bhuvan-university.edu.np/>

<http://www.wastifoundation.com/> (स्त्रिफि खउउअनक साइट)

<http://foundationsaarcwriters.com/>

<http://www.opnmgov.np/>

<http://www.noe.gov.np/> (नेपाल सनकानक साइट)

<http://lnu.bh.ni.c.in/>

<http://gov.bh.ni.c.in/> (विद्वान सनकानक साइट)

<http://www.ndia.gov.in/>

<http://rajbhasha.ni.c.in/>

<http://www.hindi.nideshalaya.ni.c.in/>

<http://thenithila.tripod.com/>

<http://www.nithilaconnect.com/>

<http://www.esabha.net/> (मेथिल विवाहक साइट)

<http://www.nithilivah.com/> (मेथिल विवाहक साइट)

<http://www.kanyadan.net/> (मेथिल विवाहक साइट)

<http://www.nithilbrahminivahbandhan.org/> (मेथिल विवाहक साइट)

<http://www.nithilashaadi.com/> (मेथिल विवाहक साइट)

<http://www.kalyanifoundation.org/>

<http://www.nadhubani.com/>

<http://www.janakpur.org/>

<http://www.darbhangafriends.com/>

<http://www.hindisansthan.org/>

<http://www.biharassociation.net/>

<http://www.nationallibrary.gov.in/> (नेशनल लाइब्रेरी कालकाता)

<http://dpl.gov.in/> (दिल्ली यंत्रिक लाइब्रेरी)

<http://www.connarapubliclibrarychennai.com/> (काननाना यंत्रिक लाइब्रेरी)

<http://rrrlf.ni.c.in/> (राजा नाम भद्रन नाय लाइब्रेरी राउंडअप)

<http://www.sahitya-akademi.gov.in/> (साहित्य अकादमीक साइट)

<http://www.nbtindia.org.in/> (नेशनल ब्क ट्रस्टक साइट)

<http://www.csuchi.co.edu/anth/mithila/>

<http://web.nac.com/nadigrmmiWeb/JWC/Mthila%20Art%20.html>

<http://www.outhasiast.info/india/mithila/index.html>

<http://www.mithilalive.com/>

http://www.ethnologue.com/show_language.asp?code=mai

<http://linguistlist.org/forms/langs/LLDescription.cfm?code=mai>

<http://www.languageshome.com/English-Mithili.htm>

<http://www.rosettaproject.org/archive/mai>

<http://www.nepal.gov.gov.np/>

<http://mithili-mp3-songs.folkmusicindia.com/>

<http://www.ciil.org/> (राष्ट्रीय रसा संस्थानक साइट)

<http://www.ciilibrary.org/>

<http://www.lisindia.net/Mithili/Mithili.html>

http://www.ntm.org.in/languages/mithili/default_mithili.asp (राष्ट्रीय अनुवाद मण्डल)

<http://www.sansung.com/in/news/localnews/2012/tagore-literature-awards-bring-together-india-best-literary-talent> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.sansung.com/in/news/localnews/2011/sansung-felicitates-the-winners-of-tagore-literature-awards-2010> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://www.sansung.com/in/Tagore-Awards/index.html> (TAGORE LITERATURE AWARD)

<http://jnanpith.net/> (राष्ट्रीय ज्ञानपीठक साइट)

<http://bparishad.in/> (राष्ट्रीय रसा यनिषद, कालकाशक साइट)

<http://www.bharatiyabhashapariashad.com/> (राष्ट्रीय रसा यनिषद, कालकाशक वागर्थ)

<http://www.hemanbookerprize.com/> (मैन-व्कन यूनयानक साइट)

<http://www.commonwealthfoundation.com/> (कॉमनवेल्ल् ऱ्हाउण्डेशनक साइट)

<http://www.crossword.in/> (क्रॉसवर्ड-क्रॉसवर्डक साइट)

<http://www.pulitzer.org/> (यूलिअन यूनयानक साइट)

<http://nobelprize.org/> (नोबल यूनयानक साइट)

<http://www.goakankaniakademi.org/akademi/ai ns.htm> (गोआ कान्की अकादमीक साइट)

<http://www.museindia.com/>

<http://www.asiawrites.org>

<http://indianorway.wordpress.com/>

<http://samanvayindianguagesfestival.org/>

<http://jainliteraturefestival.org/>

<http://dscprize.com/>

<http://www.hindu.com/1r/2011/04/03/stories/2011040350010100.htm>

<http://southasianlitfest.com/>

<http://www.varnana.org/>

<http://india.poetryinternationalweb.org/>

<http://www.fortunecity.com/victorian/charcoal/49/>

<http://www.taraibnews.comnp/>

VI DEHA I ST MAI TH I LI FORTN IGH TLY E JOURNAL ARCH IVE

<http://vi-deha-archi-ve.blogspot.com/>

विदेहप्रथम मैथिली यात्रिक स्त्री यत्रिका मैथिली यथीक आर्काइव

<http://vi-deha-pot-hi.blogspot.com/>

विदेहप्रथम मैथिली यात्रिक स्त्री यत्रिका विडिया आर्काइव

<http://vi-deha-audio.blogspot.com/>

विदेहप्रथम मैथिली यात्रिक स्त्री यत्रिका विडिया आर्काइव

<http://vi-deha-vi-deo.blogspot.com/>

विदेहप्रथम मैथिली यात्रिक स्त्री यत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

<http://vi-deha-paintings-photos.blogspot.com/>

विदेह स्त्री यत्रिकाक सरस्टा यूनान अंक-Vi deha e journal's all old issues

<http://sites.google.com/a/vi-deha.com/vi-deha/>

विदेह स्त्रीअंक यत्रिकाक यरिल १०-

<https://sites.google.com/a/vi-deha.com/vi-deha-archi-ve-part-i/>

विदेह स्त्रीम अंक यत्रिकाक १०म सँ १४९-

<https://sites.google.com/a/vi-deha.com/vi-deha-archi-ve-part-ii/>

विदेह स्त्रीयत्रिकाक ११०म आ आर्गाक अंक-

<https://sites.google.com/a/vi-deha.com/vi-deha-archi-ve-part-iii/>

मैथिली यथी डाउनलाड Mai th i li Books Downl oad

<http://sites.google.com/a/vi-deha.com/vi-deha-pot-hi>

मैथिली ऑडियो संकलन Mithili Audio Downloads

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio>

मैथिली वीडियो संकलन Mithili Videos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-videos>

मैथिली चित्रकला आधुनिक चित्रकला आ चित्र /Mithila Painting/ Modern Art and Photos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/>

सगन नागि दीय जनय

<http://sagarraatideepjarray.blogspot.com/>

<http://sagarraatideepjarray.wordpress.com/>

विदर मैथिली क्विज :

<http://videhakuiz.blogspot.com/>

विदर मैथिली जालवृक्ष अग्रगण्य :

<http://videha-aggregator.blogspot.com/>

विदर मैथिली साहित्य अंग्रेजीम अनुवाद

<http://nadhubani-art.blogspot.com/>

विदरक युव-नय "सालसन्नि गच्छ" :

<http://gajendratyakur.blogspot.com/>

विदर ॐ :

<http://videha123.blogspot.com/>

विदर सञ्जल :

<http://videha123.wordpress.com/>

Mithili Sign Language- यद्वि मैथिली संका लियि ब्लॉग

<https://mithili-sign-language.blogspot.com/>

विदर ब्राह्मी- ब्राह्मी लियिम मैथिलीक यद्वि ब्लॉग

<https://mithili-brahmi.blogspot.com/>

विदर खनाही- खनाही लियिम मैथिलीक यद्वि ब्लॉग

<https://mithili-kharoshti.blogspot.com/>

विदर कैथी लियिम- मैथिलीक कैथी लियिम यद्वि ब्लॉग

<https://mithili-kathi.blogspot.com/>

विदर नवाडी लियिम- मैथिलीक नवाडी लियिम यद्वि ब्लॉग

<https://mithili-newari.blogspot.com/>

विदर आर्य.पी.अ. लियिम- मैथिलीक आर्य.पी.अ.म यद्वि ब्लॉग

<https://naitihili-ipa.blogspot.com/>

विदेह- उर्दू नफालिक लियम मेथिलीक यदिल ब्लॉग

<https://naitihili-urdu.blogspot.com/>

विदेह- पिब्वी लियम मेथिलीक यदिल ब्लॉग

<https://naitihili-tibetan.blogspot.com/>

विदेह: सदह : यदिल पिनद्गा (मिथिलाऊन) जालवृढ (ब्लॉग)

<http://vi-deha-sadeha.blogspot.com/>

विदेह:ब्रल: मेथिली ब्रलम: यदिल वन विदेह ब्राना

<http://vi-deha-braille.blogspot.com/>

विदेह गूगल-ग्रुप

<https://groups.google.com/g/vi-deha>

विदेह दसवक ग्रुप

<https://www.facebook.com/groups/7436498043>

<https://www.facebook.com/groups/10299304978>

<https://www.facebook.com/groups/vi-deha>

गजद्व Oइन ॐउक्त

<http://gajendrat-hakur123.blogspot.com>

नना गुरका

<http://nangan-khabas.blogspot.com/>

Vi deha Radi o विदेह नतिया कविगा आदिक यदिल-मेथिली कथा:याउकार साइट

<http://vi-deha123radio.wordpress.com/>

<http://vi-deha.listen2myradio.com/>

विदेह मेथिली नाच उम्र

<http://naitihili-drama.blogspot.com/>

समदिया

<http://esamaad.blogspot.com/>

मेथिली फिल्म

<http://naitihifilms.blogspot.com/>

मेथिली दादकू

<http://naitihli-hai.ku.blogspot.com/>

मानक मैथिली

<http://nanak-naitihli.blogspot.com/>

विहनि कथा

<http://bihanikatha.blogspot.com/>

मैथिली कविता

<http://naitihli-kavita.blogspot.com/>

मैथिली कथा

<http://naitihli-katha.blogspot.com/>

मैथिली समालाचना

<http://naitihli-sanalochna.blogspot.com/>

Maitihli Literature in English

<http://nadhubani-art.blogspot.com/>

गिनह्वा- केशी र्होद्य/ मैथिल ब्राह्मणक यज्ञी आभानिा ञ्जिह्वास

https://deepblue.lib.umich.edu/bitstream/handle/2027.42/110341/pandey_1.pdf?sequence=1 (उपन-विहानक मैथिल ब्राह्मणम जागि)

<https://www.uni-code.org/L2/L2009/09329-naitihli.pdf> (यूनीकाउ गिनह्वा र्होद्य लल आवदन ३० सिप्टम्बर २००९- विदहक सङ्ग्रह)

<https://www.uni-code.org/L2/L2011/11175r-tirhuta.pdf> (यूनीकाउ गिनह्वा र्होद्य लल आवदन १ मङ्ग्री २०११- विदहक सङ्ग्रह)

<http://www.tirhutaipi.4t.com/> (दवनागनी-गिनह्वा र्होद्य- वसुन आभानिा)

<http://www.anujha.co.cc/> (दवनागनी यूनीकाउ आभानिा गिनह्वा र्होद्य-मिथिला)

"विकीपीडिया"म मैथिली

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

http://net.a.wiki.medi.a.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedi_a_Maitihli

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=nai>

<http://incubator.wiki.medi.a.org/wiki/Wp/nai>

<http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/nai>

अंगिम याँचू साँह्ठ विकी मैथिली ब्राह्मणक अछि। अदि लिंक सरयन जा कय ब्राह्मणक आगाँ वढाऊ।

विकीपीडिया/ गूगल ड्रसलट/ मिथिलाजन (गिनह्वा) आ आन र्होद्य/ कीवउँ ब्राह्मण ग्रानसः

विकीपीडिया ०१ नूनवनी २००८ लिंक

<https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली दवनागनी)

<https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bjvC&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली गिनह्वा)

<https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wA08C&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली ब्रल)

गूगल ड्रसलट २३ नून २०११क लिंक

<https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/>

गूगल ड्रसलेशन टूलम

"विहानी" रायाक वदलाम मैथिली लल अलग ट्रांसलेशन टूल कनवाक आवदन विद्वक सदस्यगण द्वारा दल गेल अछि। अयन यागदान गूगल ट्रांसलट लल कनु आ कएल सभ्यदन वदलवा काल कानन म (अंग्रेजीम) "विहानी" नामा काना राया ने हवाक चर्चा कनु। उ लिंकयन अनूवाद कनु; गूगल अकाउंटसँ लॉग इन कलाक वाद ।

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&languagecode=bh> (Link closed)

मिथिलाजन (गिनह्या) खँह लल आवदन ३० सितम्बर २००९ आ रूनसंशोधन आवदन १ मञ्जी २०११ कँ श्री अंशुमन यादव द्वारा दल गेल आ दनु वन उम विद्वक सदस्यगणक वर्धन रला। ११ जनकँ श्री अंशुमन यादव एकन स्त्रीकृषिक सूचना विद्वक रुसवृक अध्ययन दलनि। आव ह्नी खँह वनि कऽ गेयान अछि आ नीचाँक लिंकयन उठनलाउ लल उपलब्ध अछि।

[गिनह्या, नवागी आ कथी खँह उठनलाउ Google's Noto Fonts project / GitHub](#)

गिनह्या नवा खँह	कथी अटीअर	कथी टीटीअर	नवागी अटीअर	नवागी टीटीअर
-----------------	-----------	------------	-------------	--------------

<https://fonts.google.com/> (Google Open Fonts download)

[Tirhuta Offline Keyboard download](#)

[Keyman Tirhuta / Vedic Devanagari Keyboards Download](#)

<https://nalarproject.gitlab.io/tirhuta> (Tirhuta Keyboard Online)

https://keymanweb.com/?_ga=2.7155890.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#nai-tirh.Keyboard_tirhuta

https://keymanweb.com/?_ga=2.241635586.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#nai-tirh.Keyboard_nalar_tirhuta

<https://aksharamukha.appspot.com/converter> (Script / Website Converter)

<https://aksharamukha.appspot.com/keyboards> [Input (IME)]

<https://github.com/virtualvindh/aksharamukha-fonts> (fonts - opensource)

<https://www.cdac.in/> (Tirhuta / Unicode Typing Tool)

यूनीकोड गिनह्या खँह, "विकीपीडिया"म मैथिली आ आव मैथिली "गूगल ट्रांसलट" / विंग-मल्लकासोड ट्रांसलटनम सखा अगिला लक "अमजन अलसा"

गूगल वार्ट / गूगल ट्रांसलट (मैथिली)

<https://bard.google.com/> (गूगल वार्ट)

गूगल ट्रांसलटक लिंक

<https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate>

गूगल ट्रांसलटक आन यूट कनवाक खगगा छै गहल ल अगिला काज अछा नहल छी:

<https://translate.google.com/about/contribute/>

Crowdsourcē Māithilī Community

Please fill the form

Next Step

Download the Crowdsourcē app from android play store and start contributing

or go to web on the following link for contributing:

<https://crowdsourcē.google.com/about/>

Crowdsourcē by Google is a gamified platform that empowers users to directly train Google's artificial intelligence systems and make Google products work equally well for everyone, everywhere.

वेद जी.पी.टी- जी.पी.टी.-४ / मल्लकासोड विंग ट्रांसलट (मैथिली)

<https://openai.com/>

<https://openai.com/gpt-4>

<https://openai.com/chat-gpt>

<https://www.bing.com/translator>

<https://translator.microsoft.com/>

CONTRIBUTE VOICE CLIPS TO MICROSOFT TRANSLATOR

GO TO <https://translator.microsoft.com/>

Download Microsoft Translator APP- (Android/ IOS)

Click three horizontal lines in the left top corner.

Click "on" to Contribute Voice Clips to contribute clips to teach Microsoft's speech technology more about Maithili.

Your contribution start confirmation date/ time appears, which could be sent to your email too.

अमजन अलम्मा मैथिली (श्रीघ्न...)

किङ्क मैथिली विकिपिडिया यजन लिंक:

विदर (यपिका) <https://nai.wiki-pedia.org/s/kgv>

ःःःनरक संसाम मैथिली राया <https://nai.wiki-pedia.org/s/s6h>

रालसनि गार <https://nai.wiki-pedia.org/s/ipm>

विदर <https://nai.wiki-pedia.org/s/ie1>

विदरक रुसवक रसिन <https://nai.wiki-pedia.org/s/iu1>

विदर सम्मान <https://nai.wiki-pedia.org/s/jc2>

विदर आकाश <https://nai.wiki-pedia.org/s/jc0>

विदर मिथिला नद <https://nai.wiki-pedia.org/s/jc3>

विदर मिथिलाक खाज <https://nai.wiki-pedia.org/s/jc4>

विदर सूचना संयक अन्नष <https://nai.wiki-pedia.org/s/jc5>

श्री प्रकाशन <https://nai.wiki-pedia.org/s/iu7>

अनचिहान आखन <https://nai.wiki-pedia.org/s/ion>

मैथिली गजल <https://nai.wiki-pedia.org/s/idz>

मैथिली वाल गजल <https://nai.wiki-pedia.org/s/ix>

मैथिली रकि गजल <https://nai.wiki-pedia.org/s/iff1>

.....

किङ्क मैथिल यधी, पिय-मैथिल, कलावृत्ति/ यू यूटुब चैनल उज्जलत सार्वट (अयन सरी)

[NCERT BHASHA SANGAM](#)

[NCERT \(Maithili-English-Hindi Conversations\)](#)

मैथिली-हिन्दी वार्तालाय (३ घण्टा)

मैथिली (मैथिली संका राया सदिन- मैथिलीम यदिल वन)

<https://www.youtube.com/@vi-deha-journal>

<https://youtu.be/TeuClrSs8>

<https://ncert.nic.in/bs-2021.php>

[SAHI TYA AKADEM](#)

<http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp>

<http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp>

CIL

<http://corpora.cil.org/naisamhtm>

अखियासल (नमानइ मा नमध)

<http://corpora.cil.org/pdf/nai dhili pdf /MA1.pdf>

इआयल कनकनी- मद्दु

<http://corpora.cil.org/pdf/nai dhili pdf /MA2.pdf>

प्रवव संधर- नमानथ मा (वी.पी. अस.सी. सिलवस)

<http://corpora.cil.org/pdf/nai dhili pdf /MA3.pdf>

सुन कन दीय यर्व- सं कयन कानन आ अनविइ ओकन

<http://corpora.cil.org/pdf/nai dhili pdf /MA4.pdf>

मिथली गद्य संधर- सं भेलइ मारन मा

<http://corpora.cil.org/pdf/nai dhili pdf /MA5.pdf>

ARCHIVE.ORG (विजयद्व मा)

https://archive.org/details/vijay_deo_jha

Vi deha Mithili eBooks/ eJournal s/ Audi o-Vi deo Archive

<http://vi deha.co.in/archive.htm>

IGNCA

<http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm>

[http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm\(MITHILI ENGLISH DICTIONARY\)](http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm(MITHILI ENGLISH DICTIONARY))

मिथिला दर्शन

<https://mithiladarshan.com/> (online pdf of Mithili journal)

गोनगुकि

https://archive.org/details/@teerbhukti_journal

OLE NEPAL'S E-PUSTAKALAYA (<https://pustakalaya.org/en/>)

यथीक लिंक

आइ.सी.एन.सी.ए.- ए.एस.आइ. <https://ignca.gov.in/divisions/asi-books/>

https://ignca.gov.in/Asi_data/16612.pdf (History of Navya-Nyaya in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/42365.pdf (Studies in Jainism and Buddism in Mithila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/63227.pdf (Mithila in the Age of Vidyapati)

https://ignca.gov.in/Asi_data/64994.pdf (Cultural Heritage of Mthila)

https://ignca.gov.in/Asi_data/72754.pdf (Mthila under the Karnatas)

७. अस. आळ. अंग्रेजी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/templ es_of_m th i l a_english.pdf

७. अस. आळ. हिंदी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publi cation/templ e_of_m th i l a_hi ndi .pdf

मैथिली साहित्य संस्नान <https://www.mai th i l i s a h i t y a s a n s t h a n . o r g / r e s o u r c e s>

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

[Brochure 1](#) (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

[Brochure 2](#) (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

[Brochure 3](#) (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

[Brochure 4](#) (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

[Brochure 5](#) (मैथिली साहित्य संस्नान लिंक)

<https://bl o o n i b r a r y . o r g / l a n g u a g e : m a i> (ब्लू लाइवनी मैथिली)

अनियन स्राउडणन (<http://www.ari panafoundati on.org/>)

PRATHAM BOOKS MAI TH I LI STORYWEAVER

https://www.youtube.com/pl ay l i s t ? l i s t = P L A T 7 4 n N c 2 f n Y a V 2 9 n R V A l g z R q 6 3 _ 9 z V 6 L (मैथिली ँतिया वृत्त)

<https://www.youtube.com/channel /UC E 1 H E U J E z c - N U b M 6 H z k d H L w> (विदरु मैथिली-अलाउउ ँतिया वृत्त आ संगम मैथिली संकता -अंग्रेजी टॉकिंग नीउ-दरु मैथिलीम यदिल वन -राया)

<https://bl o o n i b r a r y . o r g / p l a y e r / W e f 6 z r 5 C o F> (मसाली वन यनिवर्नकानी नवका)

<https://bl o o n i b r a r y . o r g / p l a y e r / p 3 s H d Y B g i T> (वनू रूम नू ठीक छी न)

<https://bl o o n i b r a r y . o r g / p l a y e r / f 1 9 p S d h G M 6> (अकटा नीक दिन)

<https://bl o o n i b r a r y . o r g / p l a y e r / b 2 l 5 w e s x C p> (घन सर)

<https://bl o o n i b r a r y . o r g / p l a y e r / d A z C O F u b t 7> (की अर्ला उ विउ सरक दखन छी?)

याथी उँट वीम

<https://store.pothil .com/browse/free-ebooks/?l anguage=Mai th i l i>

I LOVE MTHILA

<https://www.lovenithila.com/mai th i l i -books-pdf-free-download/> (याथी उाउनलाउ लिंक)

<https://www.lovenithila.com/> (online mai th i l i journal)

<https://mai th i l i .comnp/> (owner I Love Mthila)

मैथिली फिल्म

<https://youtu.be/4j haQ3Nw38I> (ममगा गावय गीग, सौजय- Saregama)

<https://youtu.be/V3KWhhB6Kg> (कयादान, सौजय- BEJ OD)

<https://www.bejod.in/> (Mithili Movies on Rent)

<https://nubi.com/films/ganak-ghar> (Mithili Movies on Rent)

<https://nubi.com/films/dhain> (Mithili Movies on Rent)

थान मैथिल

<https://www.youtube.com/channel/UCq3OL1ck2tNw8BI4t8jjzQg> (थान मैथिल चैनल- किनद चौधरी आ संगीता आनद)

<https://www.youtube.com/@mithiranglaktarang677> (मिथिनंग लक गनंग)

<https://www.youtube.com/MthilaChapter> (मिथिला चैप्टर)

<https://www.youtube.com/sounyajha> (खिस्या-यिहानी नना गुरका लल)

<https://www.youtube.com/@mithilirangmanch9536> (मैथिली नंगमंच)

<https://www.youtube.com/@kokilmanch4330> (कोकिल मंच)

<https://www.youtube.com/@mithilanyakalaparishadni5636> (M NAP)

<https://www.youtube.com/@mironedi3097> (मैलानंग)

<http://www.youtube.com/user/mailorang> (मैलानंग)

<https://www.youtube.com/@praakshjha> (मैलानंग)

<https://www.youtube.com/@mithilangan109> (मिथिलांगन)

<https://www.youtube.com/@bhanginamithilitheatre9509> (रंगिमा)

<https://www.youtube.com/@MthilaDarshan> (मिथिला दर्शन)

<https://www.youtube.com/@MthilaMror> (मिथिला मिनन)

<https://www.youtube.com/@SmritiEntertainmentMithili> (स्मृति एंटरटेनमेंट)

<https://www.youtube.com/@achalchitra> (अचल चित्र)

<https://www.youtube.com/@Bejod> (BEJ OD)

<https://www.youtube.com/@neelamithili> (नीलम मैथिली)

<https://www.youtube.com/@mithiliganga4714> (मैथिली गंगा)

<https://www.youtube.com/@MthilaJunction> (मिथिला जंक्शन)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLgmEgU89nhRIGV-rG2SXY3uuhnXGT-j5> (दीयभिसा सा)

https://www.youtube.com/playlist?list=PLT8LMnl4tPHkM64K8Iov_Arr_3uPaPg [मैथिली समाचार (जना टीवी/बिजनेस)]

<https://www.youtube.com/@mithilitalks> (Mithili Talks)

<https://www.youtube.com/@AppanTV> (Appan TV)

<https://www.youtube.com/@TVDAYANAKPUR> (TV Today, Janakpur)

<https://www.youtube.com/@drishyanbiharlok7552> (Drishyam Media)

<https://www.youtube.com/@sanskarmithila> (संस्कृत मिथिला)

<https://www.youtube.com/@saraganaapannamithili3522> (सगरनामा मिथिली)

<https://www.youtube.com/@NavrassMedia> (नवरास मीडिया)

<https://www.youtube.com/@jyoti ent 778> (योगी इंटरटेनमेंट)

<https://www.youtube.com/@RKSMAITHILIPRODUCTION> (रक्षमिथिला प्रोडक्शंस)

<https://www.youtube.com/@ayodhyanathchoudhary345> (आयोध्यानाथ चौधरी)

<https://www.youtube.com/@RadioJanakpur97MHzOfficial> (रेडियो जनकपुर)

<https://www.youtube.com/@mithilatv1> (मिथिला टी.वी.)

<https://www.youtube.com/@Madhurnamithilichannel> (मधुरनाम मिथिली)

<https://www.youtube.com/@skt ut ori al s 8921> (मिथिली-नयाली सीख)

https://www.youtube.com/playlist?list=PL_HQDKXbaRkq3YTS7-Pkks1Y-UlL33fiD (अनन्य मिथिली)

https://www.youtube.com/playlist?list=PLHUI Gl 69_SLRhxZM1TSxUi -j XcHhAZr (मिथिली याओ)

<https://www.youtube.com/@maithiliforissurendraraut1589> (सुरेन्द्र नाउ)

<https://www.youtube.com/@UdayaSingh> (नरु कस, नचिकारा)

<https://www.youtube.com/@kunjbiharimithilaratna> (कुंज बिहारी मिथिलारतना)

<https://www.youtube.com/@RAMBABUJHA> (राम बाबू झा)

<https://www.youtube.com/@VJEntertainment008> (वी. जे., विकास मा)

<https://www.youtube.com/@user-i b7pn3li 5q> (गिनद्वारा मिथिला)

<https://www.youtube.com/c/ilovemithila> (आइ लव मिथिला)

<https://www.youtube.com/@LokKalaKendra> (लोक कला केंद्र)

<https://www.youtube.com/@rajnipallavi> (राजनी पल्लवी)

<https://www.youtube.com/@Poonamshra> (पूनम मिश्र)

<https://www.youtube.com/@ranjanahasangeetdivyan2908> (रंजना मा)

<https://www.youtube.com/@julijhaofficial8057> (जुली मा)

<https://www.youtube.com/@maithilithakur> (मिथिली ठाकुर)

<https://podcasters.spotify.com/pod/show/anupamshra04/episodes/Episode-40-e135nu/a-a5uoeOr> (अनूपम मिश्र योउकास्ट)

जानकी अरु अम समाचान

<https://www.youtube.com/user/JanakiFnyvideos> (जानकी अरु अम समाचान)

<https://www.youtube.com/@AnitJhaOfficial> (Anit Jha)

<https://www.youtube.com/@PMPCORNER> (Pravesh Mallick)

<https://www.youtube.com/@AdityaFilmsandmusic> (Aditya Films & Music)

<https://www.youtube.com/@NepalTelevision> (Nepal Television)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLEqde8-nxNTHL78RKSiuTGeeTjXot3YrY> (AIR MAITHILI NEWS)

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLJuuojdiqz3NM&KUbcc07cT3sPrgRejS> (AIR AMRI T MAHOTSAV)

<https://www.youtube.com/@Mthilanchal> (Mthilanchal)

<https://www.youtube.com/channel/UCsB8UkEYLZe471GrcAlcG1A> (Rashmi Dutt)

<https://www.youtube.com/channel/UCVYE4fcasReMKTpbXWp2ng> (Priya Mallick)

<https://www.youtube.com/@AnamikaJhaOfficial> (Anamika Jha)

Vi deha e-Learning

<https://www.youtube.com/@vi deha-el earning>

संघ ललक सत्रा आयाग/ विद्वान ललक सत्रा आयागक यनीजा लल मैथिली (अनिवार्य आ उद्बिक्त) आ आन उद्बिक्त विषय आ सामाज्य हान (अंग्रजी माधम) ह्यु सामित्री [अन.टी. अ. - यू.जी.सी.-नट-मैथिली लल सहा]

Vi deha Read Aloud Talking Maithili Audio Books (including Maithili Sign Language- Ist time in Maithili)

https://www.youtube.com/@vi deha_our nal

.....

<http://www.youtube.com/user/ggajendra71> (विद्वह)

<https://www.youtube.com/gunjanshree>

<http://www.youtube.com/user/Maithilnews>

<http://www.youtube.com/user/jitumaitil> (जिह्ण मा, जनकपुन)

<http://www.youtube.com/user/sobhagya8> (सौराज्य मिथिला)

<http://www.youtube.com/user/bhaskaranjha> (राखन मा)

<http://www.youtube.com/user/mahakalijha>

<http://www.youtube.com/user/karia1885>

<http://www.youtube.com/user/omuniv>

<http://www.youtube.com/user/sunankumar137>

<http://www.youtube.com/user/gvansjha>

<http://www.youtube.com/user/bclalan>

<http://www.youtube.com/user/gareri1986>

<http://www.youtube.com/user/avinashjha84>

<http://www.youtube.com/user/chandankumarjha1>

<http://www.youtube.com/user/chandannishra2010>

<http://www.youtube.com/user/nirmama>

http://www.youtube.com/user/janaki_fm

http://www.youtube.com/watch?v=XpSuVHtbaQ8&feature=nf_u_in_order&list=UL

<http://www.youtube.com/user/gxcng>

<http://www.youtube.com/user/gautankrishna85>

<http://youtu.be/3i3OG5Nf3y8>

<http://youtu.be/sjnxSe-ckm0>

<http://www.youtube.com/user/jitnohanjha>

<http://www.youtube.com/user/MTJnPNN>

<http://www.youtube.com/watch?v=-9KaC8ji9t4>

http://www.youtube.com/user/luvvi_vek2k7

<http://www.youtube.com/user/bindassatyandra>

<http://www.youtube.com/user/rustynind1>

<http://www.youtube.com/user/MDeveshKarna>

<http://www.youtube.com/user/ranbabushah>

<http://www.youtube.com/user/mikeshjha84>

<http://www.youtube.com/user/Muahi>

www.youtube.com/user/MBasantjha

<http://www.youtube.com/user/thendand>

<http://www.youtube.com/user/sentukhu>

<http://www.youtube.com/user/yarowjha>

<http://www.youtube.com/user/nkoxp>

http://www.youtube.com/user/luvvi_ck21

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/MRankisor>

<http://www.youtube.com/user/pratyushangitaa/>

<http://www.youtube.com/user/hellomithilaa>

<http://www.youtube.com/user/nariyoshi>

<http://www.youtube.com/user/dearshantanu/>

www.youtube.com/user/RajuPrasadRajbanshi

www.youtube.com/user/prenarshi

<http://www.youtube.com/user/Dhipre> (वीनड्र प्रमर्षि)

<http://www.youtube.com/user/TheShubhaprabhat>

<http://www.youtube.com/user/njyclubashok>

<http://www.youtube.com/user/nithilconnect>

<http://www.youtube.com/user/NAYAKSAURABH80>

<http://www.youtube.com/user/Rabindra888>

<http://www.youtube.com/user/uday88mandal>

<http://www.youtube.com/user/ninesdeath>

<http://www.youtube.com/user/pavanks6102>

<http://www.youtube.com/user/sahayogee>

<http://www.youtube.com/user/sunilkunarpawan>

<http://www.youtube.com/user/videhuk>

http://www.dailymotion.com/video/xjophq_documentary-kosi-katha_shortfilms#fromembed

<http://blakbuddhas.com/>

<http://youtu.be/CPwkn5YI1I>

अयन मर्षि editorial.staff.videha@gmail.com अयन योडा

Parallel Literature in Maithili and Videha Maithili Literature Movement

Issue No. 88 (November-December 2019) of Muse India at <http://museindia.com/displays> Maithili literature in an extremely poor light. Moreover, it wrongly claims to be a representative review of Maithili Literature, whereas it was only in line with the Sahitya Akademi, Delhi; a mere representation of the so-called "dried main drain". It is expected that Muse India will correct itself

by announcing an issue exclusively devoted to the parallel tradition of Maithili literature.

T.K. Oomen writes in the "Linguistic Diversity" Chapter of "Sociology", 1988, page 291, National Law School of India University/ Bar Council of India Trust book: "... the Maithili region is found to be economically and culturally dominated by Brahmins and if a separate Maithili State is formed, they may easily get entrenched as the political elite also. This may not be to the liking and advantage of several other castes, the traditionally entrenched or currently ascendant castes. Therefore, in all possibility the latter groups may oppose the formation of a separate Maithili state although they also belong to the Maithili speech community. This type of opposition adversely affects the development of several languages."

T.K. Oomen further writes: "... even when a language is pronounced to be distinct from Hindi, it may be treated as a dialect of Hindi. For example, both Grierson who undertook the classic linguistic survey of India and S. K. Chatterjee, the national

professor of linguistics, stated that Maithili is a distinct language. But yet it is treated as a dialect of Hindi ". (Ibid, page 293)

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. - Robert Louis Stevenson

...

Videha: Maithili Literature Movement

Parallel Literature

The references to parallel literature are found in Vedas, where Narashansi is referred to as parallel literature.

Parallel Literature in Maithili

The need for parallel literature in Maithili arose due to the constant onslaught on literature and dignity by the Public and Private Academies, for example, Maithili-Bhoj puri Akademi of Delhi, Maithili Akademi of Patna, Sahitya Akademi of Delhi, Nepal's Prajna Pratishthan, all of which are

government Academies. In addition to these Academies, the onslaught on Maithili Literature and dignity was constantly done by the so-called literary associations which were recognised by the Sahitya Akademi and were the main tool for usurping all the literary space meant for this language. Besides these, the funding to these and other parochial associations and organisations led to the presentation of an interface in the name of Maithili, which was mediocre and non-representative.

The Book of Bi hari Literature (Abhay K. Editor)

This book contains five translations from non-representative Maithili short stories into English by Vidyanand Jha. Nagarjun (Maithili's Yatri) and Usha Kiran Khan are from the Hindi quota though both got the Sahitya Akademi prize from the Maithili quota. Vibha Rani and Rajkanal Chaudhary are from the Maithili quota though both wrote in Hindi also.

This book is edited by Abhay K. who has read Sanskrit only up to high school. Yet he pretends to translate Arthashastra directly from Sanskrit into English. I

am Kovid in Sanskrit and from the quality of the translation, I can presume that he has used some intermediary language in translating Sanskrit texts into English. It is a matter of ethics to acknowledge the source.

Vidyanand Jha's translation is below par, for example, he has no inkling what would be the English word for 'olak sanna', and there are plenty of such instances. I have some suggestions for him First, read A Bird's Eye View on Mithila by Rajnath Mishra, it mentions all the terms for which you could not find English equivalents. Then go to the Videha archive (www.videha.co.in) and look for Unesh Mandal's Picture Dictionary containing vegetation, animals and skill sets of Mithila, here you will find the actual photographs too. Further, under A Parallel History of Maithili Literature (Videha www.videha.co.in), you will find sample English translations of some Maithili short stories. Therefore, what Vidyanand Jha is presenting as exotic is the original thing of the Maithili Language (but not that of Maithili literature, as

was two decades ago). Interestingly his choice of short stories reminds me of Contemporary Maithili Short Stories (Maithili short stories translated into English) edited by Murari Madhusudan Thakur and published by the Sahitya Akademi in 2005. It seems that the stories in this selection are leftover material from that collection. Rip Van Winkle awoke after two decades but Vidyanand Jha is still in slumber not realizing the changes that have happened during the period.

If you compare the translation of this selection vis-a-vis the English translation of Latin American Spanish literature, you would be able to understand the difference.

But these types of selections are not known for their literary excellence, Harper Collins publishes these types of selections for five-star hotels and Airport lounges. The publishers announced this book on March 22, 2022. So, in 6-7 months, you will get old materials only.

The Bride: The Maithili Classic Kanyadan by Hari nohan Jha (1908-1984) translated into English by Lalit Kumar (Assistant Professor, Department of English, Deen Dayal Upadhyaya College, University of Delhi)- Harper Perennial (Harper Collins Publishers)

I had pre-ordered the book, which was scheduled to be delivered to my kindle account on the 1st of December 2022, but the delivery date was postponed, and it was delivered to my account on the 14th of December 2022.

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi (National Academy of Letters- of India) way back in 1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

Sh. Harish Trivedi has committed the same mistake. In his foreword Harish Trivedi writes- "In Hindi, the language to which Maithili is the closest (and of which it was indeed an integral part until it was granted recognition as a separate language by the constitution in 1993) ..."

Harish Trivedi refers to the inclusion of Maithili in the eighth schedule of the constitution of India. Here the year mentioned should be 2003 instead of 1993. Moreover, Maithili was a separate language in 2003, 1993, and 1965 and during the time of pre-Jyotirishwara Vidyapati. The status granted to Maithili by Sahitya Akademi and the Constitution of India, on the other hand, strengthened the hands of the obscurantist elements like Ramanath Jha, Shardananda Jha (he is not a famous person but why I have taken his name, I will explain it later) and others who gaslighted Hari Mohan Jha. Hari Mohan Jha's Khattar Kakak Tarang, Prananya Devata, Rangshala and Charchari all these books were eligible for the Sahitya Akademi Award initiated in 1966 for Maithili (because of recognition given to Maithili by Sahitya Akademi in 1965. But a philosophy treatise was awarded the prize in 1966, this philosophy book itself is a horrific one, and if one has read the book to understand the nuances of Indian Philosophy, then he will have to unlearn first to be able to grasp the philosophical concepts

from a new book on Indian Philosophy. In 1967 no award was given for the Maithili Language.

Ramanath Jha's obscurantism vis-a-vis Panji is evident from one example (because Lalit Kumar also seems to have followed in his footsteps, though he gives credit for his ignorance to some other writers). He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has been released by us on google books in 2009), and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charnkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mthila"-

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mthila- Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", which is a total falsehood. He writes further that all this information was

given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh Harimohan Jha? So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, is wrong and so is the assertion made by Sh. Harish Trivedi.

Mr Lalit Kumar is a young person, but he is being misused by some obscurantist elements, who gaslighted Harimohan Jha. Harimohan Jha stopped writing in Maithili following the recognition of it by Sahitya Akademi and was awarded the Sahitya Akademi prize for his autobiography in 1985, after his death, which means nothing.

Mr Lalit Kumar writes- "Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) and Shardananda Jha's Jayabara (1946) attack such social divisions that played a decisive role in marriages." Yoganand Jha's Bhalmanusha (1944) was indeed a pathbreaking novel, but Shardananda Jha's novel was reactionary. Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Yoganand Jha's 'Bhalmanusha' deals with the social problems connected with the problem of marriage. As a reply to this novel, Shardanand

Jha wrote a second-rate novel 'Jayabara,' having little literary merit. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

Mr Lalit Kumar for his Panji-related ignorance gives credit to Mr Parmeshwar Jha's "Mthila Tattva-Vimarsha." Prof Radha Krishna Choudhary rightly observes- "Mr Parmeshwar Jha's 'Mthila Tattva-Vimarsha' is the history of Mthila in Maithili prose and is based mainly on tradition. Mr Mikunda Jha Bakshi's 'Mthilabhashanaya Itihas' gives an account of the Khandawala dynasty. From the point of view of modern Maithili prose, these two works are important, though from the historical point of view are unreliable. (RADHAKRISHNA CHOUDHARY A Survey of Maithili Literature)

The following excerpt from Our Panji Paband ((part I&II) is being reproduced below for ready-reference: -

*महानाज हनसिंहदत्त- मिथिलाक कर्षाट वंशका आगिनीश्वर आकूनक वर्ध-
नमाकनम हनसिंहदत्त नायक आकि नाजा छलाह। 1294 व्. म जन्म आ 1
307 व्. म नाजसिंहासना घियासुईन गुगलकसँ 1324-*

25 ॐ. म हानिक वाद नयाल यलायना मिथिलाक यज्ञी-

प्रवचक ब्राह्मण, कायस्तु आ ऊप्रिय मध आधिकानिक स्थायक, मैथिल ब्राह्मण क हनु गुणाकन मा, कर्ष कायस्तुक लल शंकरदफ, आ ऊप्रियक हनु विजयद फ अहि हनु प्रथमगया नियूकफ रलाह। हनसिंहदतक प्रनधासँ आ ॐ ह नसिंहदत नायदतक वंशज छलाह, ज नायदत कार्धारि वंशक १००६ शकम स्थायना कन नहथि- नष्टेद शुभं शभि शक वर्ष (१०१६ शक)... मिथिलाक य छिग लाकनि शक १२४८ गदनुसान १३२६ ॐ. म यज्ञी-

प्रवचक वर्मान सनूयक प्रान्तक निर्धय कअलहि। यूनः वर्मान सनूयम (था उ वृद्धि विलासी लाकनि मिथिलम महानाज माधव सिंहसँ ११६० ॐ. म आद श कनवाअ यज्ञीकानसँ शाखा यूरुकक प्रधयन कनवअलहि। अकन वाद याँ जिम (कखना काल वर्धिग १६०० शक मान १६१८ ॐ. वारुवम माधव सिंह क वादम १८०० ॐ. क आसयास) (आप्रिय नामक अकटा नव ब्राह्मण उय जागिक मिथिलाम उग्रफि रला।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic panji files.

Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The panjikara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to pursue their records. It is a matter of 'intellectual property' to them I was fortunate

enough to receive a complete digitized set of panjī records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting the Brahmin in Medieval Mthila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfilment of the requirements for the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of Michigan 2014]. Later these Panji Manuscripts were uploaded to google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mthila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

Mr Lalit Kumar further tries to put his agenda by writing- "Harimohan choose a middle ground in his reformist agenda." He gives laughable reasons for his contention viz. "he espouses the significance of local traditions, languages, scripts, education system and moral values" thereby meaning that these are conservative values!

(All the referred books are available for free pdf download from the link <http://videha.co.in/pot hi .htm>)

VI DEHA MAI TH LI LI TERATURE MOVEMENT AND A PARALLEL HISTORY OF MAI TH LI LI TERATURE

Therefore, the missing portions, the ignored and non-represented aspects of society, started to be chronicled. It led to the depiction marked by the richness of vocabulary and experiences and was a revolution in literature and art as far as people speaking Maithili are concerned. The quality now has not remained mediocre. The real power of the Maithili language was realised by the native speakers, mediocrity was replaced by excellence.

This attempt at the writing of History of Parallel Literature for the Maithili Language arose as the mediocre agency (private and governmental) funded so-called mainstream literature, which has no readership, and no acceptance among the speakers of Maithili continued to be presented by these Akademies as representative literature. The mediocre interface of Maithili literature was presented by the government radio and television stations also. Literary journals like Museindia (www.museindia.com) & Publishers like Harper Collins were also used for their sinister design.

Pseudo-criticism in Maithili and the case of Kamalananda Jha

The title of Kamalanand Jha's book "Maithili Novel: Time, Society and Questions" (2021) is misleading. It is a collection of some syndicated so-called critical articles on some of his caste novelists. The 263-page book can only be sold in hardbound to libraries where it will rot. Here is a correction, a non-caste writer's work, i.e., Subhash Chandra Yadav's novel 'Gulo', has been dealt with by him in

two lines, of course without reading it. I am presenting those two lines here for your entertainment. You must have read *Gulo*, if you haven't already, read it first because then you will have a more entertaining experience. *Gulo* is available on Vi deha Archi ve with the permission of Subhash Chandra Yadav at this link <http://vi deha.co.i n/pot hi .ht m>

"The weakness of the novel is the author's political bias. The partisanship towards a particular politics does not do justice to the work."

In a novel where politics is not remotely involved, there is no question of 'political bias and partisanship of a particular politics'. *Dhunketu* and *Yatri* used political bias or partisanship. Subhash Chandra Yadav's 'Vote' which came out in 2022 and is available with permission of Subhash Chandra Yadav on Vi deha Archi ve at this link <http://vi deha.co.i n/pot hi .ht m> is on politics but even there Subhashji's enchanting style obviates the need of any political bias... Read my book 'Nit Naval Subhash Chandra Yadav' which is available at

this link <http://videha.co.in/pothi.htm> On the other hand, Mr Kamal anand Jha sounds like a spokesperson of some political party or a casteist organisation rather than a literary critic. Kamal ananda Jha's Brahministic bias against Subhash Chandra Yadav is an alarm bell. The parallel stream is conscious of how Kamal ananda Jha takes the leftist stance to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. In his bio data, he proudly mentions the Maithili translation assignment bestowed on him by the Sahitya Akademi, and this assignment was allotted to him not on account of merit but solely on the ground of his caste title and in lieu of these deeds. For people like him Maithili-related work is merely a line in their *curriculum vitae*, but it is a question of life and death for the people of the parallel stream. Why did I call Kamal ananda Jha a pseudo-critic? Because he is a pseudo-critic. He writes: "After nearly a hundred years of journey, Gaurinath is credited with writing a dignified novel on the dreams, struggles and ironies of inter-caste marriage. So, did Kamal ananda Jha take away this

credit from Sushil? Is this the culmination of the arrogance of his Brahministic upbringing ("*Through my whims and fancies I can place some literature on top and can downgrade some to the bottom*") or is this the evidence of his lack of study? Let me take you away from the selfish world of Kamal Ananda Jha, away from deception and disguise to the sincere world of Sushil's magical literature. Welcome to the world of Sushil's literature. Here is Sushil's 'Gambali' (1982) which is now available in the Vi deha Archive at the link <http://videha.co.in/pothi.htm> In the first line of this novel, even before the novel begins, Sushil writes about the novel 'Gambali': "In support of widow marriage and inter-caste marriage" and here begins the novel. The death of a village woman and then the trouble ensues, who will cremate this village woman? Brahmin community or Yadav community of the village? Dinesh Kumar Mishra's 'Dui Patan Ke Bich Me' is a historical biography of the Kosi River. He has also written historical biographies of other rivers of Mithila like 'Bandini Mahananda,' 'Bagnati Ki Sadgati!', 'Dui Patan Ke Bich Me... (Story of the Kosi River)', Na

Ghat Na Ghar, Kamla River, 'Bhutahi River and Technical Herbalism', The Kamla River and People on Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a Ghost River and Engineering Witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments. Pankaj Jha Parashar, a member of the Maithili Advisory Committee of the Sahitya Akademi, Delhi has plagiarised paragraph after paragraph from his books and has published a novel in Maithili in his name, which pseudo-critic Kamalananda Jha mentions as research of this thief author Pankaj Jha Parashar! Let me clarify here that both the thief writer and the pseudo-critic are in the Hindi department of Aligarh Muslim University. This research is done by Dinesh Kumar Mishra, who is a graduate of IIT, Kharagpur in Civil Engineering (in 1968) and M Tech in Structural Engineering (in 1970) and is qualified for that research. In Hindi, the cut-off for admission is the lowest across universities, otherwise, Kamalananda Jha would have known that this research could be done by a civil engineer only. The Hindi original and Maithili screenshots are attached below. Dinesh Kumar Mishra is not from Mthila, but he has authored the story

of all the streams of Mithila. We are grateful to him and the people of Mithila will remain indebted to him for this. This thief writer Pankaj Jha Parashar is a habitual offender. More than a decade ago he found a saviour in Mr Taranand Viyogi who wrote that he (thief writer Pankaj Jha Parashar) gets influenced involuntarily stole others' material in his works. Now he has found another saviour in Kamalananda Jha. The parallel stream is conscious of how Kamalananda Jha takes the leftist side to promote Brahminism and wants to sacrifice social justice. Communism has suffered a lot from people who became communists to escape the land ceiling.

All books by Dinesh Kumar Mishra are now available in the Videha Archive with his permission:

<http://videha.co.in/pot hi .htm>

Let us recall here that when Bill Gates was asked whether he was delaying the introduction of the X-Box in India for fear of piracy. His answer was Microsoft never delays the launch of products for

fear of piracy. We will continue enriching Vi deha Archive (<http://www.videha.co.in/archive.htm>), despite such risks because not all the fish in the pond rot by some rotten fish in parallel streams. The fishermen here have been and will continue to remove such rotten fish.

The final blow to syndicated pseudo-literary criticism in Maithili.

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): It is noteworthy that between 1923 and 1946, 5,10,000 people died of malaria, 2,10,000 from Kala Azar, 60,000 of Cholera and 3,000 of smallpox in the Kosi region (783,000 total deaths). Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalprantar 2017 (p. 103)]:

ने अंग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब । 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल ! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): On the Kosi River in Bihar, India, a dam was built by King Laxman II in the 12th century and for this, he received the title of 'Bir' from the

people and the embankment of the river was called 'Bir Dam'. The remains of this embankment are still visible in Supaul district, about 5 kmsouth of Bhim Nagar. Dr Francis Buchanan (1810-11) speculated that the dam must have been an outer wall built to protect a fort as it stretched over a distance of 32 kilometres fromTilyuga to its confluence on the western bank of the Dhaus river. Dr WW Hunter (1877) did not agree with Buchanan's contention that the dam was the protective wall of a fort. Quoting locals, Hunter believed that most people did not consider it a fortress wall and according to him it was something else but he was not in a position to say anything. Yet the common impression is that it must have been an embankment built along the Kosi River to prevent the river's current from sliding westwards. People also said that it seemed that the construction of the embankment had suddenly stopped.

The pseudo-critic Kanalananda Jha's saviour of the habitual offender thief Pankaj Jha Parashar quoted the plagiarised work as follows: (Maithili Novel, Time, Society and Questions pp. 257-258):

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दौंव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़ात पढ़ुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहें बान्हक मादे

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili
Advisory Committee of Sahitya Akademi,
Delhi) [Jalprantar 2017 (p. 31)]:

पदुआ कका पछिला गप केँ आगाँ बढबैत कहलखिन, 'फूल बाबू कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनेँ छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवतः कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पदुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूढ़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पदुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

Original Dinesh Kumar Mishra (Dui Patan Ke Beech Me... 2006): A glimpse of the horrors of the Kosi River can be seen in the event when the army of Feroz Shah Tughlaq returned to Delhi from Bengal. It is said that when the troops of the Sultan reached the banks of the Kosi, they saw that on the other side of the river, the troops of Haji Shamsuddin Ilyas were waiting, ready for a battle. This was the same Haji Shamsuddin who founded the cities of Hajipur and Samastipur. Feroze's troops were stranded on the banks of the Kosi somewhere around Kursela. The speed of the river was preventing them from moving forward. It was finally

decided to proceed northward along the river and to locate the water where it was navigable. The troops of the Sultan went up about a hundred *kos* and crossed the river near Zi aran, situated at the same place where the river descended from the mountains into the plains. The river was thin, but the flow was so fast that heavy stones weighing five hundred *manas* were floating like straws in the river. On either side of the river where it was found possible to cross it the Sultan erected a row of elephants, and ropes were hung in the bottom row so that if a man loses control he could be rescued with the help of these ropes. Shamsuddin never thought that Sultan's troops would be able to cross the Kosi and when he came to know that Sultan's troops had managed to cross the Kosi, he fled.

Thief Pankaj Jha Parashar (Member of Maithili Advisory Committee of Sahitya Akademi, Delhi) [Jalprantar 2017 (p. 105)]:

'वेश, तँ सुनु। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली चुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौने रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना के नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कने कम बुझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कने शिकस्त बुझेले। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खड़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति केँ जतय नदी पार करब कने आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी केँ ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ वला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जे बयो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचने छल, जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन केँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

A Parallel History of Maithili Literature

I

Introduction

FESTIVAL OF LETTERS OR FESTIVAL OF SHAME

SAHI TYA AKADEM AND the DOWNFALL OF INDIAN LANGUAGES (IN SPECIAL CONTEXT OF MAITHILI LANGUAGE)

When Maithili was recognised by the Sahitya Akademi (National Academy of Letters- of India) way back in 1965, Late Ramanath Jha stated that his Maithili language is saved now (Maithilik Vartman Samasya, Ramanath Jha).

He was wrong on this on two counts. What he referred to as applicable, if it applied at all, only to the part of Maithili speaking area, geographically located in India. Maithili is spoken, natively, in India and Nepal. After the treaty of sugauli (ratified in 1816), which was in the aftermath of the Anglo-Nepalese war of 1814-16, the hilly regions were incorporated in British India, including the Nepalese-speaking Darjeeling Area. Similarly in 1816 and 1860, the Britishers ceded some Terai region to Nepal. As a result, part of Maithili speaking Area, which was earlier ruled by Malla Kings (when Maithili was an official language of the region), was ceded to Nepal. Even today some Maithili scholars (!!) refer to the golden period of Maithili as the period of "Nepali (!!)" Malla Kings (Ramanath Jha, Introduction to Maithili Sahityak Itihas by Dr Durganath Jha "Shreesh").

Ramanath Jha himself admits that during his visit to "Vir Library" of Nepal (Kathmandu) he came to know about the Nepal legacy (his monograph on kirtaniya Natak, which he wrongly presents as

Kirtaniya Nach) in respect of Maithili. So, he cannot be blamed for his lack of knowledge in this respect. He was wrong on the second count also, and this second count was an artificial creation. He began a tradition of elitism and conservatism in Sahitya Akademi, as the first convener of the Maithili language. The tradition got stronger and stronger in the last 55 years of the Existence of Maithili in that Akademi. So, he ensured that liberal writers, like Sh. Harinohan Jha, attacking casteism and conservatism did not get the award, even though the year 1967 went unrewarded and the 1st award in 1966 was given to a non-literary book in Maithili (academic book of Philosophy!!!).

He was casteist, conservative and confused. The inter-caste marriage in Panji was well known to him and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charnkarini" and was born five years after the death of his father. But he informed Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya in a distorted way. Sh. Dinesh

Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mthila".

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mthila-Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name.", and he writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha. So how would this casteist-conservative-confused allow the award to be given to Sh? Harimohan Jha. So, the Sahitya Akademi saved the Maithili Language by recognizing it, as asserted by Prof. R. Jha, was wrong on those two counts.

Now come to Nepal, the Prajna Pratisthan and other organizations often recognize Indian Maithili writers, but Sahitya Akademi of India does not recognize Nepalese Maithili writers, be it the Seminars or the poets meet, be it an anthology of poems or prose published by the Akademi. Regarding the treatment of Nepalese Maithili writers by Sahitya Akademi Sh. Ram Bharos Kapari "Bhranar" laments that there is demand in Nepal that they should also not award Indian Maithili writers/

publish them in their anthologies as reciprocity demands this.

The narrow-mindedness of the Maithili advisory board of the Indian Sahitya Akademi has its origin in the organizations that are recognized by the Sahitya Akademi, the basis of which is extra-literary credentials. These are pseudo-organizations running on paper, political organizations or casteist organizations pocket-run by a few. The complete list is:

MAITHILI LITERARY ASSOCIATIONS (!!!) RECOGNIZED by SAHI TYA AKADEM

1. The Secretary, All India Maithili Sahitya Samiti, Tirbhukti, 1/1B, Sir P.C. Banerjee Road, Allahabad-211 002.
2. The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, C/o Dr. Ganapati Mishra, Lalbag, Darbhanga-846 004.
3. The Secretary, Chetna Samity, Vidyapati Bhawan, Vidyapati Marg, Patna-800 001.

4. The Secretary, Mthila Sanskritik Parishad, 6 B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007.

5. The Secretary, Vi dyapati Seva Sansthan, Mthila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004.

6. The Secretary, Centre for the Study of Indian Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, Madhubani -847 211

Now the Literary Association lists read as under. Serial no. 1 & 6 above have been derecognised and has been replaced by other non-literary associations at sr no 5, 6 & 7 below

(1) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi West, Opp. of Primary School, Darbhanga-846 004, (Bi har)

2) The Secretary, Chetna Samiti, Vi dhya Pati Bhavan, Vi dyapati Marg, Patna-800 001 (Bi har)

3) The Secretary, Mthila Sanskritik Parishad, 6B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007, (West Bengal)

4) The Secretary, Vi dhya Pati Sewa Sansthan, Mthila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004, (Bi har)

5) The Secretary, Anand, Sanajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mrzapur Chowk), Darbhanga-846 004, (Bi har)

6) The General Secretary, Mthila Sanskritik Parishad, Rosebery 5032, Sahara Garden City, Adityapur-2, Janshedpur-831 014, (Jharkhand)

7) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mthila Sangh, G-6, Hans Bhavan, Wng 2 I.T.O., Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi -110 002, (Del hi)

What is the literary credential of the Centre for the Study of Indian Traditions (now recognised and replaced by another pocket association)? Chetna Samiti and Vidyapati Seva Sansthan are casteist political outfits, vehemently displaying the casteist attire of a great ancient poet, whose caste is still uncertain (VI DYAPATI), but who was certainly not Brahmin. All India Maithili Sahitya Samiti (now derecognised and replaced by a non-literary association) became non-existent even during the lifetime of the Late Jaykant Mshra, same is the case with Akhil Bhartiya Maithili Sahitya

Parishad. Mthila Sanskritik Parishad has done a crime through an investiture ceremony of the great Vidyapati, they tried to convert Vidyapati and "Maithili" language to the language of only the Brahmins (the name of the artist who sketched the Vidyapati has still not been disclosed by this organisation). When these non-existent organizations exercise voting powers granted by Sahitya Akademi and chose a convener, it is not a coincidence that for successive times only conservative people among the Maithil Brahmin caste, are chosen. The complete list is:

1. Ramanath Jha, 2. Jaykant Mshra, 3. Surendra Jha Sunan, 4. Sureshwar Jha, 5. Randeo Jha, 6. Chandranath Mshra Anar, 7. Vi dyanath Jha Vi di t, 8. Veena Thakur, 9. Prem Mohan Mshra, 10. Ashok Avi chal .

The result is now for everybody to see. The complete list of Sahitya Akademi awards (till 2019) is:

Total booty distribution- 50 times, Maithil Brahmins- 42 times, Kayasthas- 6 times, Rajpoots- 3 times; Others- 0 times!!! (Now in 2021 Sh. Jagdish

Prasad Mandal has been awarded this prize for his novel "Pangu", so the count is now not zero but one.

The result is not based on the quality of the books but solely upon the caste-based other considerations and the disease has its root in the faulty seedling that the Sahitya Akademi of India found through the faulty literary associations.

What were the objectives of the setting of this Akademi ?

Sahitya Akademi was established (National Academy of Letters to be called Sahitya Akademi) by Government of India resolution No F-6-4/51G2(A) dated December 1952 "to set high literary standards, to foster and co-ordinate literary activities in all the Indian languages and to promote through them all the cultural unity of the country; to promote good taste and healthy reading habits, to keep alive the intimate dialogue among the various linguistic and literary zones and groups through seminars, lectures, symposia, discussions, readings and performances, to increase the pace of mutual

translations through workshops and individual assignments and to develop a serious literary culture through the publications of journals, monographs, individual creative works of every genre, anthologies, encyclopedias, dictionaries, bibliographies, who's who of writers and histories of literature."

The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, " along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year".

The Akademi recognises " Besides the twenty-two languages enumerated in the Constitution of India", English and Rajasthani as languages. Sahitya Akademi has constituted twenty-four language Advisory Boards "to render advice for implementing literary programmes in these 24 languages".

The Akademi gives prizes in twenty-four languages recognised by it for original and translated works. It gives " special awards called Bhasha Samman to

a significant contribution to the languages not formally recognized by the Akademi as also for contribution to classical and medieval literature"; "It has also a system of electing eminent writers as Fellows and Honorary Fellows and has also established a fellowship in the names of Dr Anand Coomaraswamy and Premchand".

FESTIVAL OF LETTERS (SHAME)!!!!

In February every year, Sahitya Akademi "holds a week-long Festival of Letters; It begins with the ceremony to present the Akademi's Annual Awards for creative writing".

In February every year, there is a need to examine whether Sahitya Akademi is fulfilling its objective and whether Sahitya Akademi is aware of the rich cultural and linguistic variety prevalent in India.

On scrutiny it is revealed that Sahitya Akademi believes in "forced standardisation of culture through a bulldozing of levels and attitudes" and it is not "conscious of the deep inner cultural,

spiritual, historical and experiential links that unify India's diverse manifestations of literature". The Akademi boasts of publishing "one book every thirty hours" and holding "at least thirty seminars every year" at regional, national, and international levels, "along with the workshops and literary gatherings-about two hundred in number per year". If we see the data in respect of Maithili it comes out that every year around twelve books should have been published in Maithili and the Maithili writers might have attended thirty seminars every year at regional, national, and international levels and might have participated in eight literary gatherings every year. The number of Maithili books published by the Akademi is pathetically low and when we see the assignments, through which these books get artificially prepared (be it translation, anthology or monograph), then the people getting these assignments are often related to the members of the advisory board (as the answer to RTI application by Sh. Vinit Utpal brings forth). The

quality suffers, and as a result, there is no readership.

How this Akademi failed? And why this Akademi failed? And what action should be taken against Akademi for its intentional failure?

Firstly, Akademi is not the name of a man or woman. Akademi or its member of the Advisory Board consists of persons, and if the group of persons is failing the Akademi, that language itself is to blame! But again, the language is not the name of a man or woman. So, the people speaking that language are to be blamed for the failures of the Akademi. Really!!

Even if it is partially true, the Sahitya Akademy cannot shirk its responsibilities. How an advisory committee can be considered representative of Maithili-speaking people (even that of India), when the Convener of that language is nominated by six organisations (recognised by the Sahitya Akademi for reasons best known to it), having no remote connection with literature? Sahitya Akademi sowed seeds of Acacia and expected Mango fruit. Having

said that it is also true that the Akademi or any organisation can transform itself, but only when the conservative people representing these find pressure from the literary fraternity, change themselves or are replaced.

What is the solution?

The literary fraternity has already taken initiative by establishing parallel Sahitya Akademi awards and parallel literary meets. It should be taken further. All legal means should be explored to take the Akademi to the task. On all available forums, the fact is made clear that the literature being prepared by Sahitya Akademi through assignments is not grammatically correct, that it is not up to mark and is of inferior quality. On all available forums, it should be made clear that the thin, casteist-looking (quantitatively and qualitatively) and pale Maithili literature, which is being shown by the Sahitya Akademi of India to the world, has no readership or respect in its native speaking area of India and Nepal. And that

Maithili has moved not because of Sahitya Akademi but despite it.

Demand

The six organisations representing Maithili should be derecognized with immediate effect and an inquiry initiated to ascertain their genuineness. A committee should be set up to scrutinize the work done by the Sahitya Akademi (in respect of Maithili) in the last 55 years. The awards should be kept in abeyance till the results of the inquiry are made public and corrective steps are taken.

II

THE CELEBRATION BEGINS

Videha Ist Maithili Fortnightly International e-journal has e-published more than three hundred issues to date. Meanwhile, we will enumerate the problems faced and the solutions found by us. The Journey began in the year 2000 at yahoo Geocities- the first words on the internet in Maithili were written by me on the yahoo Geocities sites (now yahoo has discontinued Geocities) towards the end

of 2000 when I suffered a major accident which kept me confined to crutches for one and a half years. But that shaped my destiny. I could concentrate on my Maithili writings and my research on Tirhuta Manuscripts. On 5th July 2004, the first blog in Maithili came (gajendrat hakur.blogspot.com) as "Bhalsarik Gachh", which was rechristened as Videha ejournal from 1st January 2008. From 1st January 2008 it came to be published as a fortnightly journal. The first rechristened issue brought the story of the life and creations of a forgotten Maithili poet Late Ranji Choudhary (1878-1952).

Till the eighth issue of Videha the columns on Music, Mthila Painting, Children column, learn sanskrit through Maithili got strengthened. Moreover, the projects on digitalisation of Maithili Classics and Panji Manuscript-leafs got started. The searchable dictionary (Maithili-English_Maithili) was designed and strengthened. From the eighth issue, a latest unpublished Maithili Play of Nachiketa "No Entry Ma Pravish" began its e-publication in Videha. Nachiketa, the greatest

draamatist of Maithili Literature was silent for the last 25 years, as far as the drama was concerned.

Technology has two aspects, bad (its chances of misuse) and good (its effective use). It is a great leveller; it challenges status quo forces. It is applicable in all areas of knowledge. So, school-going children today have a clearer understanding of the universe and atoms than the Aryabhata or Sir Issac Newton had. After mass-scale use of printing education and literature expanded its wings, but only after the "Internet and electronic transformation of tools of knowledge", it has become universal, it has jumped geographical boundaries. All shackles unfurled, the weak links of the chain were identified, and the chain which tried to capture knowledge, which tried to thwart its expansion, started breaking down. And the greatest beneficiary became the Maithili Literature. What is Videha, nothing, it is only its commitment to the Maithili Language, which helped it expand its base, and Videha became the means that were able to bind together the Maithili-speaking areas in both parts

of the boundary (India & Nepal). Videha gave Maithili a batch of committed writers and a batch of committed readers. It challenged the status quo and casteist forces. It challenged confused writers, who were using Maithili as a tool to ride the ladder of Hindi. The lack of criticism, the lack of teeth in criticism was the reason that some writers and dramatists were using Hindi-Mx Maithili for cheap popularity, they were using derogatory language for the so-called lower castes of their society (some were finding plea in Natyashastra- when even the modern-day Sanskrit Drama is not using Prakrit etc.!!), and for their mimicry, those castes started keeping distance with this kind of literature. And once the confusion of the confused thinned, a new type of awakened literature, stage, and drama (top-class) became the norm

Videha is regularly getting some excellent brains. Since its inception, Videha, the idea factory, is dependent upon them. As far as their versatile qualities are concerned, people associated with Videha are different. All are known for their

perseverance and resilience. All are known for their arduous work. All are known for their quality work. All are known for their discipline. And all are committed; committed to Maithili and the Mthila. The cumulative force resulted in a natural revolution. A revolution in the field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. The only international e-journal in Maithili started this quality movement in Maithili. Nothing less than world standard was acceptable. The awards were instituted to recognize the parallel field of Maithili Literature, art, music, craft, stage, and drama. Only the best was selected, there was no scope for the second best. The participation of readers in the decision-making processes was encouraged. The readers got full access to the digitalised Maithili Literature. More than five hundred Maithili books and around 11000 palm leaf mithilakshar manuscripts were digitalised and made available online under the "Videha Archive" section of www.videha.co.in (and the number is increasing every day). The audio-video-paintings-photographs were archived, and all these archived "art and lifestyle" of the people of

Mthila were then placed online. The Videha Archive is a unique gift to the world.

So, what is the ideology of people associated with Videha? Is it collective thinking? No, of course not. In Videha all are welcome. Here all are welcome to discuss their respective ideology. Having said this, it needs emphasis that there are some basic human principles where no compromise is possible. The casteists, those having genetic superiority complex (which is another name for an inferiority complex), the practitioners of plagiarism, those who are unable to take part in a healthy discussion and persons who are not able to withstand the criticism of their creation, Videha is not a platform for them. The ideology of people associated with Videha may have different tinges, not all need to toe the line taken by any member of the editorial board. Videha believes in the individuality of ideas and the editorial board never imposes its ideology upon its members. At the same time, it is being emphasized that each member of the Videha editorial board has

a strong ideological leaning, the ideology of humanism is practised by all.

Videha-Maithili Literature Movement has its roots in the year 2000 when I started making Maithili Websites on Yahoo Geocities. After Yahoo Closed Geocities these sites were automatically deleted. However, the early form of Videha "Bhalsari Gachh" was started on 5 July 2004, and it is the earliest presence of Maithili on the internet. Videha and its vibrant members did their utmost in translating lac's of words on Wikipedia, and they successfully opposed the nomenclature "Bihari Languages" (Gerard M accepted the role of Unesh Mandal, the co-editor of Videha, go to Gerard Ms blog and click the Dasipat Aripan photo from Videha archive (Preeti Thakur) placed at his blog, you will reach <http://videha.co.in/>). In Google translate/Wikipedia localisation drive, in Tirhuta and Kaithi script research and the localisation of Braille in consonance with the Maithili Language, Videha shouldered the responsibility as a pioneer in technology viz-a-viz Maithili Language. It was a

pioneer in many respects. It started for the first time a Maithili Websites Aggregator at <http://videha-aggregator.blogspot.com/>, the first braille site in Maithili, the first mithilakshar site in Maithili among others (total list).

Videha has organised several dozen Maithili book fairs to date. The 16th Videha Maithili book fair was held at Sagar Rati Deep Jaray, Patna on 10-11th December 2011 and the 17th Videha Maithili book fair was held at Guwahati, on 22-23 December next year at the Vidyapati Parv organised by Mthila Sanskritik Samanvay Samiti. The detailed list of all the venues (datewise). Videha also organised a parallel Sahitya Akademi Kavi Sammelan, besides awarding parallel Sahitya Akademi prizes, as corrective measures, as the awards and Kavi Sammelans of Sahitya Akademi were awarded/organised in a unilateral manner where merit took a beating. Videha has, thus, fulfilled its obligation by interfering in the murky affairs of government organisations. Videha cannot remain a silent spectator, be it plagiarism or copyright violations.

So, the authors like Pankaj Parashar, and Ashok Sahu, who were engaged in lifting other articles/stories/ poems were banned after verifying the sources and target writings.

Literature in translation is a major issue with Videha. Lack of translation in America resulted in Americans lagging in quality literature. We practise literature in translation in both directions- from Maithili into English and from other languages into Maithili. As far as translations from other languages into Maithili are concerned English, Nepali, Sanskrit and Hindi function as buffer languages in the process. Direct translations into Maithili are limited; and it is done directly only from English, Sanskrit, Hindi, Nepali and Bengali, although there are some exceptions. As far as the question of translations from Maithili into other languages is concerned, directed translations are again limited; and it is again done directly only into English, Hindi, Sanskrit, Bengali and Nepali, barring some exceptions. Videha contacted some notable personalities of class literature, took

permission, and translated that literature into Maithili. Most of the time English was used as a buffer language and translation work from English, Hindi, Konkani, Telugu, Gujarati, Odi a, Kannada, Nepali and Telugu into Maithili was completed; and these works were regularly published in Videha. Maithili novels, poems, and short stories, on the other hand, were translated from Maithili into English and were published regularly in Videha.

VI DEHA became a Maithili Literature movement. No, VI DEHA was from day one of the Maithili Literature movement. Many established misconceptions got cleared through VI DEHA. The well-known facts, the not-so-obvious plot of some people to kill Maithili through its twin institutions the Sahitya Akademi and the CIIL was unearthed. The Right to Information came in handy. Sri Vinit Utpal asked for information from Sahitya Akademi through his RTI application dated 23.09.2011 (file no. RTI-125) and sought information on "Assignment assigned by Maithili Advisory Board, Sahitya Akademi under the convener ship of Sri Vi dyanath Jha 'Vi dit'". The information

included a proposal received, a proposal rejected, and a proposal kept in abeyance." The statutory mandatory information supplied by the Sahitya Akademi unearthed a vicious circle of Maithili-speaking so-called litterateurs, hell-bent upon making Maithili a language- "of the Maithil Brahmin, for the Maithil Brahmin and by the Maithil Brahmin". More than 90% of the assignments went to the friends, relatives, and acquaintances of the 10-member Maithili Advisory Board. No assignment to Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Bechan Thakur (the greatest Short-story-novel writer of Maithili, the greatest living poet of Maithili and the greatest living Maithili dramatist; respectively), Sh. Unesh Paswan, Sh. Unesh Mandal, Sh. Randeve Prasad Mandal "Jharudar", Sh. Durganand Mandal, Sh. Sandeep Kumar Saffor or to Sh. Anand Kumar Jha. When every member of the Maithili advisory board is hand in glove with the Sahitya Akademi to kill the Maithili language then where lies the hope? The demand for Mthila state by these people will see that 10 Maithil Brahmin families would loot the Mthila state. Then where lies the hope?

Here lies hope. Sh. Bechan Thakur has created a parallel Maithili stage and theatre, a slap on the existing slapstick humouristic Maithili theatre. Sh. Unesh Paswan is a discovery of the Parallel Sahitya Akademi Poetry festival organised by Videha. Sh. Jagdish Prasad Mandal, Sh. Rajdeo Mandal, Sh. Jharudar, Sh. Sandeep Kumar Safi and Sh Unesh Mandal have pumped their energy, wealth, and time into our Maithili Language. This language will live...proofs are given below -

Google Translate:

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

then Wikipedia translate:

<http://translate.wiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://translate.wiki.net/wiki/Project:Translator>

<http://translate.wiki.net/wiki/Project:Translator>

http://net.a.wiki.medi.a.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://translate.wiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wiki.medi.a.org/wiki/Wp/mai> <http://translate.wiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

<http://ultimategerardmbl.blogspot.com/2011/05/bihari-wikipedia-is-actually-written-in.html>

[Monday, May 09, 2011

The #Bihari #Wikipedia is written in #Bhojpuri

This is the kind of article that has many people's eyes glazed over. It is about standards and scientific documents, and it is about languages most of my readers have never heard about. For the people that do speak one of the languages that are considered Bi hari, it is extremely relevant, and it has implications for Wki pedi a.

This is information provided by Unesh Mandal that explains the "Bi hari group of languages" with the Maithili language:

Kellogg (1876/1893) and Hoernle (1880) regarded Maithili as a dialect of Eastern Hindi; Beames (1872/reprint 1966: 84-85), regarded Maithili as a dialect of Bengali, Grierson has done a great service to the Maithili language, however, he erred when he gave a false notional term of "Bi hari" language after that western linguists started categorizing Maithili as a dialect of "Bi hari" language; although there is nothing known as "Bi hari Language" and both Maithili and Bhoj puri are spoken in Bi har (of Indi a) as well as in Nepal.

Unesh is working on the localisation of MediaWiki for the Maithili language and as this language is currently in the Incubator, the language committee does its due diligence and trying to understand if Maithili can have a place in the Bi hari Wki pedi a. The information provided by Unesh makes it quite clear: "no".

This still leaves us with the misnomer that is the Bi hari Wki pedi a. The language used for the localisation and the articles is Bhoj puri . Bhoj puri has the ISO-639-3 code "bho".

Are you still following all this? Ok, there is one question I am not asking: How about the Kai thi scri pt ?

Thanks, GerardM]

Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Vi deha 2011: 22; Vi deha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>."Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at

length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."-Anshuman Pandey.] |

TIRHUTA UNICODE See the final UNICODE Mthilakshara Application (May 5, 2011) by Sh. Anshuman Pandey at Page 23 of the Videha 80th issue (Tirhuta version) is attached"Figure 11: Excerpt from a Maithili e-journal published as PDF (from Videha 2011: 22" and at Page 12 Videha is included in References Videha: A fortnightly Maithili e-journal. Issue 80 (April 15, 2011), Gajendra Thakur [ed]. <http://www.videha.co.in/>. and role of Videha's editor is acknowledged on Page 12 "Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS."]

The Maithili Speaking area is shrinking. It is shrinking due to a conscious-subconscious policy of the Governments of India and Nepal, and the situation became critical due to the invasion of Hindi and Nepali media and the biased educational system in Maithili-speaking areas, and due to the large-scale migration, which has happened in one single generation. The question of Hindi saw to it that Vajjika, Angika and now Thethi, Surjapuri etc. languages should get the tacit support of supporters of Hindi, first in the name of religion and second in the name of caste. Through this they did not support Vajjika, Angika, Thethi or Surjapuri; but they tried to weaken Maithili, which resulted in the weakening of Vajjika, Angika, Thethi and Surjapuri. For all this, the Maithili-speaking people, more so the officials (I will explain it later), are also responsible, as they tried to delimit Maithili within the two castes and four districts. All other people and areas, than these, were considered northern, southern, eastern, and western deviations of so-called pure Maithili, which was fictitiously considered as being spoken by

these Maithil Brahmins/ Karna Kayasthas of Madhubani, Darbhanga, Saharsa and Supaul districts. For the last 45 years the officials, yes, I call them officials, the officials of the Maithili Department of Sahitya Akademi, did not try to accommodate the people outside this fictitiously delimited domain. But the major problem lies somewhere else. The slow poisoning was given in many disguises, be it the faulty top-heavy education system which neglected primary and middle school education through the Mother Language Maithili, or be it through the concept of dialect, which initially conveniently declared languages like Maithili as dialects. Elementary education through Maithili was a non-starter because the Maithili books published by the Bihar State Textbook Publishing Corporation Limited seemed to be in Avahatt, it was not fit for children. Further, the authors and subjects selected for these books had a casteist bias. Maithili became a tool for caste-based politics, as once Hindi had been a tool for religion-based politics. Still, these officials, of the Maithili Department of Sahitya Akademi, are

residing in their own built ghetto, bereft of any thinking or vision. Another reason for the present plight of Maithili is the policy undertaken by the tax collectors of Mthila (permanent settlement Zamindars of Cornwallis), whom the sycophants call King or the great king (Raja/ Maharaja) or Mthilesh (King of Mthila) these were mere tax collectors, the right for which were given to the highest bidders permanently; and there was not one such Mthilesh (tax collectors), but many within the borders of Mthila. These tax collectors employed mostly those two castes from four districts in their merchandise venture, and as the selection was based on sycophancy, so the work suffered. So, they imported the lathiyals from outside the Mthila region. The masses of Mthila suffered a blow from the double-edged weapon. First, from their people who did not consider them as their own and second, the outsiders looted them. Now after some time these outsiders, the non-Maithili speaking people, found it convenient to declare the masses (not belonging to the two castes from four districts) as non-Maithili speaking people, and the officials/

sycophants from those two castes from four districts tacitly agreed to it. Now these outsiders, the non-Maithili speaking people, formed a majority in many places of Mthila, and they led the rumour that Maithili, like Sanskrit, is an upper-caste phenomenon, and thus they legitimized their anti-Maithili stance (all these facts have been brilliantly dealt with in the Maithili Novels of Sh. Jagdish Prasad Mandal) and they propagated the case of Hindi, first based on religion and second based on caste. But why our people fell into their trap, why these tax-collector Maharajas did not consider the masses of Mthila as their own and imported the perpetrators to loot their masses? The simple answer is that merit took a downward leap in auction-based tax collection rights allocation.

We started from one and reached number three, then thirty and now three hundred!! and we are growing... and are three hundred not out and are creating a grand history. <http://www.videha.co.in/> Videha Ist Maithili Fortnightly e-Journal ISSN 2229-547X has e-published its 300th issue recently. When I began

this venture in the year 2000 with a Samsung TV net appliance, and when the existing was posted on 5th of July 2004, I moved all alone. Then on 31st January 2007, I suddenly thought to include the public, as after some groundwork I was ready for it. I decided to e-publish Videha and did publish it, on a fortnightly basis, the first issue that came on 1st January 2008 tried to include all the previous posts.

From all corners of this planet earth, the people tried to change the destiny of Mthila and Maithili. Now Sh. Ashish Anchinhar, Sh. Munnaji (Manoj Kumar Karn), are part of our team and together we are three hundred not out now. With three hundred plus issues, 30,000 pages of Maithili literature (one hundred lac words corpora) creation and 11000 Tirhuta manuscript transcription we maintained a 50000-word Maithili-English vocabulary database. Now we are 350 strong, with 350 authors.

Videha has faced challenges and has withstood them. We never shirk from any question and/or problem. The question of the state of Mthila is one such

question which often comes calling. We are in favour of the states of Mthila within the sovereign borders of India and Nepal. We are in favour of Mthila. But which type of Mthila, that type that we had during the Zamindari Raj, where means of sustenance and avenues of existence remained limited for a few castes? Or that culture that existed within "Aryavarta-Indian Nation newspaper" and other Industries during that Raj. A dozen families of Mthila galloped all these mostly from a single caste!! No, we are not in support of that Mthila, that Mthila where Maithili would be swallowed, as it is being swallowed by the Sahitya Akademi and the CIIL, swallowed by another dozen families. We are not in favour of that Mthila where the proceeding of the legislative assembly would be held in a language other than Maithili. Till the misgivings of the people of Mthila are addressed, we cannot support any Mthila state movement. So the people striving hard for Mthila state should sit on a protest before the advisory board members of the Sahitya Akademi / CIIL and sing patriotic songs in front of their houses, and pressurise them

not to misuse government funds by unscrupulously awarding functions of Akademi outside Mthila and not to misuse the power of assigning translation and other rights to themselves and to those people who are hell-bent upon destroying our language. The RTI application by Sh. Vinit Utpal has thwarted an attempt to strangulate Maithili, but if the supplementary work is not done the sinister design would resurface again. We request the Maithili advisory board members of Sahitya Akademi immediately return their assignments taken in their name and the name of the members of their family. Otherwise, pressure should be mounted to force these 10-member Maithili Advisory Board members to voluntarily resign from their membership in the larger interest of Maithili. So, what is our answer viz-a-viz demand of Mthila state: it is a categorical Yes.

The technology-centric venture called Vi deha became a success. The native speakers of Maithili reside in Bihar (of India) and South-East Nepal. The net connectivity had been extremely poor in these areas.

Then how the authors, new and old, started using Unicode for writing for Videha. The Nepal Side of Mithila had been using Preeti, Kantipur, Himala etc. fonts, the Kolkata Maithili-speaking population had been using the Marathi fonts and the rest had been using the fonts based on the old Remington keyboard. All these three types of fonts are ASCII fonts. We researched these fonts and provided font converters to our Nepal-based authors. We also provided phonetic and Remington-based Unicode writers to all Maithili authors, who asked for them. We asked the authors if they may send their creations in any font, but at the same time, we encouraged them to use Unicode fonts. The technical support that we provided resulted in numerous receipts of typed entries from persons like Sh. Gangesh Gunjan, who in earlier stages had been sending their creations in their handwritings. As Sh. Gangesh Gunjan was well versed in Remington keyboard typing, so he made wonderful use of the Remington Unicode typewriter. He sent that software to some of his friends too and he was courteous enough to intimate about this to us, although there was no need for that. Sh.

Saketanand also used that software and sent his short story कालनाग्रिश्च दान्धा in Unicode, and it was published in one of the issues of Videha. The technology-centric venture called Videha became a success because we made it simple and intelligible at a time when even the technologists were not sure about the future of this Unicode. The virtual medium was being seen with anxiety by the literary fraternity, and the copy-paste system of theft was rampant in those days. But we assured the authors that with Videha they may rest assured that the copyright thieves would not be spared, while at the same time we were firm that only for fear of misuse of technology we should not stop our venture midway. With the internet and technology, the geographic barrier became non-existing. The end of the problem of distribution in Maithili literature became possible due to our technology-friendly attitude and it proved a boon for our Maithili language. And it made the technology-centric venture called Videha a success... It is the success of the parallel Maithili literature movement.

III

HONOUR KILLING OF GANGESH UPADHYAYA (FIRST BY RAMANATH JHA, THEN BY UDAYANATH JHA 'ASHOK' (A PARALLEL HISTORY OF MTHILA AND MAITHILI LITERATURE, WHY TODAY ITS NEED BEING FELT MORE INTENSELY?))

I was not surprised, though I must have been when I saw a monograph on Gangesh Upadhyaya, whose copyright is being held by Sahitya Akademi, the author of the monograph is Udayanath Jha 'Ashok'. I thought that Udayanath Jha 'Ashok', who has been given Bhasha Saman also, by the same Sahitya Akademi, would do some justice. But truth and research seem elusive in Sahitya Akademi monographs, at least that I found in this monograph.

I searched and searched through chapters, that now the author will show courage. But the author like Ramanath Jha seems ashamed of the roots and offspring of Gangesh Upadhyaya. He tries to confuse the issue, but there is no confusion now at least since 2009. But in 2016 Sahitya Akademi seems to carry out the casteist agenda. Udayanath Jha

mockingly pretends to search his name, lineage etc, where nothing is there to search for, yet he could not muster the courage, to tell the truth, and ends up just repeating the facts in 2016 that Dineshchandra Bhattacharya already has published way back in 1958.

The honour killing of Gangesh Upadhyaya by Prof. Ramanath Jha is being taken forward by Sahitya Akademi, Delhi in a most hypocritical way.

Ramanath Jha's obscurantism *vis-a-vis* Panji is evident from one example. The inter-caste marriage in Panji was well known to him (but he chose to keep the Dooshan Panji secret- which has been released by us in 2009), and it was apparent that the great navya-nyaya philosopher Gangesh Upadhyaya married a "Charnkarini" and was born five years after the death of his father (see our Panji Books Vol I & II available at <http://videha.co.in/pothi.htm>). Sh. Dinesh Chandra Bhattacharya writes in the "History of Navya-Nyaya in Mithila". (1958)

"The family which was inferior in social status is now extinct in Mthila----- Gangesha's family is completely ignored and we are not expected to know even his father's name-----...As there is no other reference to Gangesa we can assume that the family dwindled into insignificance again and became extinct soon after his son's death." [1958, Chapter III pages 96-99), which is a total falsehood. He writes further that all this information was given to him by Prof. R. Jha, and he seemed thankful to him

The following excerpt from Our Panji Prabandh (parts I&II) is being reproduced below for ready reference:

-

महानाज हनसिंहदत्त- मिथिलाक कर्षाट वंशका आगिनीश्वर आकृन्क
वर्ध-नगाकनम हनसिंहदत्त नायक आकि नाजा छलाह। 1294 व्. म
जन्म आ 1307 व्. म नाजसिंहसना घियासूद्दीन गुगलकसँ 1324-
25 व्. म हानिक वाद नयाल यलायना मिथिलाक यक्षी-प्रवचक
ब्राह्मण, कायस्त आ ऊप्रिय मध्य आधिकारिक स्थायक, मैथिल ब्राह्मणक
द्वगु गुणाकन मा, कर्ष कायस्तक लल शंकरदत्त, आ ऊप्रियक द्वगु

विजयदत्त अदि हनु प्रथमगाया नियुक्त रूलाह। हनसिंहदत्तक प्रनवास-
आ ॐ हनसिंहदत्त नागदत्तक वंशज ठुलाह, ज नागदत्त काधरि वंशक
१००६ शाकम स्यायना कन नहथि- नष्टेद शुभं शशि शाक वर्ष (१०१६
शाक)... मिथिलाक यद्युग लाकनि शाक १२४८ गदनुसान १३२६ ॐ।
म यक्षी-प्रवचक वर्तमान सनूयक प्रानशुक निर्धय कअलहि। पुनः वर्तमान
सनूयम (थाउ वृद्धि विलासी लाकनि मिथिलश महानाज माधव सिंहसँ
११६० ॐ। म आदश कनवाअ यक्षीकानसँ शाखा प्रुककक प्रधयन
कनवअलहि। अकन वाद याँजिम (कखना काल वर्धिग १६०० शाक
मान १६१८ ॐ। वारुवम माधव सिंहक वादम १८०० ॐ।क
आसयास) (आप्रिय नामक अकटा नव ब्राह्मण उयजागिक मिथिलाम
उग्रदि रूला।

So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic panji files. Sh. Anshuman Pandey [Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The panjikara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to pursue their records. It is a matter of 'intellectual property' to them I was fortunate enough to receive a complete digitized set of panji records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting

the Brahmin in Medieval Mithila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North Bihar by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfilment of the requirements for the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of Michigan 2014].

Later these Panji Manuscripts were uploaded to Videha Pothi at www.videha.co.in and google books in 2009).

The so-called Maharajas of Darbhanga were permanent settlement zamindars of Cornwallis, and there were so many in British India, but in Nepal there were none. In the annexure of our book (Panji Prabandh vol I&II), we have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash). So, before 1800 CE, there was no srotriya sub-caste in British India and there is no such sub-caste within Maithil Brahmins in Nepal part of Mithila even today. Srotriya before that referred to following some education stream in British India, in Nepal it still has that meaning.

ORIGINAL PANJI REFERENCES ARE PLACED BELOW

DOOSHAN PANJI - THE BLACKBOOK

४६.

१८८/२	चर्मकानिधी	माधुन	वरनियाम	छादन
गण्डविंमामि कानकगंगेण	छादनगंगेणक	नाँव्ही	नहाकनक- मागृक (अह्णाण)	गंगेण
	वल्लरा	रुनाँव्	मारुधन	
			जीव	

२१/१० छादनसँ गण्ड चिन्मामि कानक जगदगुनु गंगेण

छादनसँ गण्ड चिन्मामि कानक

गंगेणक वल्लरा चर्मकानिधी यिगृ यनाऊ यञ्च वर्ष द्यपीण गण्ड चिन्मामि
कानक गंगेणायफि- चर्मकानिधी मधक सन्मानक लागिम क्लहि

छादन सँ गण्ड चिन्मामि कानक म०म० गंगेण

"गण्ड चिन्मामि कानक म. म. या. गंगेणक विषयक लख प्राचीन यञ्जीसँ
उपलब्ध ॥"

यिगृ यनाऊ यंच वर्ष द्यपीण गंगेणायफि वृंगि प्राचीन लखनीयः कृपायि

दवानइ यञ्जी ३६-२ छादनसँ जगदगुनु गुनु गंगेण स्याय वरनियामसँ
जयादिय सग साधकन यन्नी

दत्तानन्द यज्ञी ३३६-३ जगदगुनु गंगेश स्य स्यन दो रक्षानिसमसँ हनादिग्य
दो॥ यत्र स्याच (गाना जजिवाल सँ जीव यत्री ७ स्य सद्गदि रक्षना
अप्रकृतान स्यनत्रागृ हनिशर्म दानिगि क्वचिन् जजिवाल ग्राम

दत्तानन्द यज्ञी ३०=१ क्कानसँ उयायकानक म.म. या. वड्डमान स्याच खड्डवलासँ
विश्वनाथ स्य शिवनाथ यत्री गंगेश- म.म. वड्डमान/ स्यन/ हनिशर्म

Gangesh, the author of the *Tattvachintamani*, wrote one text equivalent to 12,000 texts. Now come to the fact mentioned in the *Panji* - it clearly states that Gangesh of *Tattvachintamani* was born five years after the death of his father and he married a tanner, so why did Ramanath Jha hide this from Dinesh Chandra Bhattacharya? Vardhamana, son of Gangesh, calls Gangesh *sukavikaravakananenduh*. But the conspiracy under which the poems of a famous scholar like Gangesh are not available today is clear from the example given above. Vasudev of Bengal was a classmate of Pakshadhar Mishra of Mithila, he came to study in Mithila, passed the *shalaka* examination and received the title of *sarvabhaum Vasudeva* memorised the *tattvachintamani* of Gangesh and the *nyayakusumanjali* of Udayana. Pakshadhar

and other Mthila teachers did not allow writing (copying) *tattvachintamani*. Raghunath Shiromani, a disciple of Vasudeva, took the right of certification after he defeated his guru Pakshadhar Mshra in a scriptural debate (*shastrartha*). The *Navya Nyaya* school was founded in Navadvipa by Vasudeva-Raghunath. Pakshadhar Mshra was a contemporary of Vi dyapati (distinct from the Padavali writer who was of the pre-Jyotirishwar period) who wrote in Sanskrit and Avahatta. And the arrival of Mthila students of Bengal from Bengal stopped after Raghunath Shiromani. Gangesh Upadhyaya enjoyed *param guru*'as well as *j'agad guru*'titles, the highest titles of the time and as per Panji only Vacaspati Mshra II was the other person who enjoyed the title of *param guru*'. The extinction of Navya-Nyaya School from Mthila, as described above, was a revenge of nature against the honour killing of Gangesh Upadhyaya and his family.

[Translation of the Mithili Short Story, 'Shabdashastram' (based on the true Panji records of Gangesh Upadhyaya) was done by the author Gajendra

Thakur himself: published as 'The Science of Words' Indian Literature Vol. 58, No. 2 (280) (March/April 2014), pp. 78-93 (16 pages) Published By: Sahitya Akademi]

3

Kam anand Jha has written a book on Nagarjun (Maithili's Yatri) where he credits him with giving a new direction to Maithili literature. Chandradhar Sharma Guleri wrote 'Usne kaha tha', a marvellous short story in Hindi, the best one of its time. But his literary corpora is very little in quantity, so if anyone tried to give him credit for giving direction to Hindi short story writing would make himself a laughing stock. And Yatri's Maithili literary corpora is even thinner than Guleri's. Moreover, Rajkanal Chaudhary calls him of the medi eval age (Rajkanal Monograph, Subhash Chandra Yadav, Page no 14). He wrote Chitra (25 poems). He wrote, rather hurriedly published his 'Patrahi n Nagn Gachh' (44 poems) for Sahitya Akademi Award in Maithili, which he got in 1968. After that he stopped writing in Maithili, so how can he influence

anybody when after getting the award one stops writing in that language? This is one example of his instability so far as his ideology is concerned. He became a Buddhist monk when he left for Sri Lanka and became a Brahmin again when he returned after a 2nd sacred thread ceremony performed in his village. This is another example of his instability so far as his ideology is concerned. Kamal anand Jha does not know Maithili literature. His comments should be exposed, as he tries to give a bad name to the great tradition of Maithili literature. There were mainstream writers, but there were writers of parallel tradition also (see below Annexures 1 & 2). He has confused the Sanskrit and Avahatt Vidyapati Thakkurah with the Padavali writer pre-Jyotirishwar Vidyapati. He should read the writing of Vijay Kumar Thakur, a leftist historian, who has given ample light on pre-Jyotirishwar Vidyapati. [*My article on Vidyapati in Prabandh Nibandh Samalochna Vol.II (available in Videha Archive) covers all these, the logo of Videha is the photograph of Pre-Jyotirishwar Vidyapati, sketched by Panak Lal Mandal, recipient of Videha Samman for fine arts.*]

Annexure 1

चक्षु मा (१८३१-१९०१), मूलनाम चञ्चुनाथ मा, ग्राम-
यिष्ठान्क, दनरुंगा। कवीश्वर, कविचञ्चु नामसँ विरूषिण। शिञ्जर्नकँ
मैथिलीक प्रसंगम मूञ्च सहायण कनिहान। कृति- मिथिला राषा
नामायण, गीति-सूत्रा, महभवाधी संग्रह, चञ्चु यदावली, लक्ष्मीश्वर
विलास, अहिल्याचरित आऽ विद्यायति नचिण संस्कृत यून्ष-यनीञ्जाक गञ्ज-
यञ्जमय अनुवाद।

१

आयक रदन कचहनी नाम।

सर अणाय रनल गदि ०म॥

सण वचन विनल जन राषा

सर मन धनक हनन अरिलाष॥

कयट रनल का काटिक काटि।

ककन न कन मर्यादा छाटि॥

रन कवि 'चञ्चु' कचहनी घूसा

सर सहमण ककना क दूसा

२

नगिया दिन दूनगनिया ह रला!

(गेया जगक मेया ह रला

कटय कसेया हाथ

हाकिम रल निनदेया ह रला

कणय लगायव माथ

वनसा नहि रल सनसा ह रला

अनसा क७ (गल मह

नगिया दिन दूनगनिया ह रला

जन गन जिवन संदह

मूखिया व७ व७ सूखिया ह रला

अन्नवक दूखिया ठल

क सह कान कनखिया ह रला

सूखिया विनना ठल

३

अरु शरु नाक आव मामिलाक मानि।

राळू राळूकँ यरेळ निग निग गानि॥

०कू लाक हकू याव साधू कँ उजानि।

देव ऊ ललार लख क सकेठ रानि?

चाही नहि धन, ललितनाम, यकवान जिलवी,

मनाविनादक हगु अमनयगि सदन न रवी।

ॐ अन्न अरिलाष ह मन कन्धामयि दती

रकि राव सँ सग अरिंक यदयंकज सती॥

अन्न महग, उगमग अरि राग, हयग काना निराना

उदन यश्चिम रूमि अगथा यर्ग असह गुषाना।

धर्म-विनाधी सहसह कनॐठ, क्रमग कथा विराना

कनथ कृया जगजननी दती महिसीवाली गाना॥

मिथिला की कलि की रय (गलि,

यारुदलक मूनि, जनक नृयगिवन

रान रकि सँ (गलि।

वाचयगि मिश्रादि जगङ्गु

निर्जिग वोद्ध समलि

स शानदा स्वर्ग जनि (गली

वठल कृविद्या कलि।

वर्धाश्रम विधि ककनह नृचि नहि

श्रुति श्रद्धाकँ (0लि

यूजा या0 धान वकमूद्रा

सरटा वंचन खलि।

कह कविचञ्च कचरुनी रुनिदिन

वहूग रोग कन जलि,

कलरु कनाय धर्म धन ना(श)

कलिक दनिद्रा चलि।

४

मय कहन रल धान ह शिव!

(गोधन त्रियगि, धनम अवनगि देखि काग हिय कनव क(0ान॥

साधू समाज नाजसँ यीतिग अगि हनषिग-चिग चान।

अकूलिन लाकँ धनधि यनियूनिग कूलिन समादन (था०॥

धनम सूनीगि प्रीगि ककनरू नहि, खलरुिक चलञ्छुठ जान।

कइ-मूल-रूल सह अ व दूनलर अन्न (गल दशक 0ान॥

किछु शुरु साधन वनि नहि यञ्छुठ थाकल मन, मगि रान।

कह कवि चञ्च ह मन दूख भटग हायग कृया शिव गान॥

५

स्मन् स्मन् मन! शंकर समय रयंकन जानि।
ककन हृदय नहि कल्पित भासन कलि नृप यानि॥
कवल शिव कनूषाकन सत्रयिग नहि जन हानि॥
रक्ति कल्पलगि जानह यनम यनभमनि खानि॥
कगह विषयम न लागह आगह अनूचिग मानि।
सखसौँ अन्क विलसवह 'चञ्च' चू७ नजधानि॥

ANNEXURE 2

१

रूपनीलालक अकाली कविगा अकाली कविफ /

रूपनीलालक रूसली वर्ष १२८१ .०० १४-१८१३)सनसालक (
अकाली कविगा

[श्रियर्सन [(मैथिली क्रममैथी अथ वाकाव्लनी)

साल अकासिक वर्धन सनुचोदिस य७ल अकाल /
रुल वनिसाग खिन्न अ सालककहाँ लगि वननौँ हाल /
नाहिदि आदि थीक वनिसागक /अहिँ अला गहिँ गेला
मिगिसिना मन यूनल मनानथदे सीसा किछु गेला /

अनदग आत्मन रानीगनजग हैं चहूँ उन /
यूख नूख नाखल धनी कनरुल वनखा कन उन /
यूनर्वस् थिक वऽ यूनीगाउरु वऽ कसनस /
विआ विगनक ऊ किछु उयरलधनि वनिसल असनस /
मघा रल मंगादिआ कलनजगरनि क ने जान /
यूनवा यून यछु ने नाखलककना कनव वखान /
उफना आळू जाय घन वेसलसयों ले ने वून /
हथिआ शृंग मूँ दे मूनलगनिकों लागल घून /
चिना चिग मिग ने नाखलउरु रल उकु धागी /
नाक नंगोलहि सरु नछुफनदाम नूकोलहि खागी /
जागिष यठिसाधि रूगाल-साधि / यठि ऊ जन उलाह-
नखागधिग वीजसौँ उआकिरुगनि कौँ कञ्ची वाल /
श्रीनाम कृयागि उरु न जानथिजादि कृया सरु काज /
यानिक प्रश्न कवों जों यछि उरुसिह कहेग हळुहि लाज /
उदिरुवन नदी नाल ने रनलगदिरुवन नोदी सनी /
विना जल जग किछु ने उयजलदगध रल छथि धनी /
ग नन नोदीक आगम वूमलज छल कृषि किसान /
देव वयछु यछु ने नाखलजऽ कटोलक धान /
कादा मऽआ अका न उयजलने उयजल किछु साम /
गछुती गइनि खगदि सूखाअलरुल विधागा नाम /
मरिगुवनम क कन नञ्चाकहाँ जळूँ कँ रागि /
सूखल यगाल हल ने उगहूँलागल आगि सगनहूँ /
धृक जीवन उळूँ नृयगि उळूँकँज नाकल गदि यानि /

जीवाजन्-गु विकल यूहमीमगाकँ ह्य ने आनि /
नवीन खठी ओ चीन /नाय अका ने उयजल-
घनदूनदिन रल अ्व चीन /नानी-घन साच कने नन-
धनिक लाक सर मनहि मगन छथिनाखथि वहूग छनि /
हसाथि नूयेया घन के नाखथिसन महगी रल अ्व /
कडा कूनथी खग मास् वसाहलजाहि कोठि छल अ्यना /
काक जना हनिवासन आनलराग वहूग के सयना /
काक जना मिलि जनन वसाहलनिनधन वैसल गकळ /
रल धननिनि दूळ रहसिल जगनाहठि आडान मकळ /
काल यउल गिनहूगिम रानीगँ ङ्गी वहि गेल हावा /
घनहूँकि मकळ कन लावा /नानी-घन मगन कने नन-
मालिक ओन महाजन सरकँघन छनी अन्न-घन /
लाक व्रमाडान डाहा गके छथिमूह / गनीवक सन
समे दखि वनिआँ सर सनकलउनेँ ल(गोलक टट्टी /
सून्न दाकान सहनम यनि गलसून्न रल सर चट्टी /
सूखल गाग वाग रौ लटयटकगक वाग अ्व सहना /
नन नानी सर सान गआगलविकनी रल अ्व गहना /
मँगटीका खूटी ओ गउकीनकमून्नी ने नाक /
कटसनि विच्छिआ ओ मिमिमिआँवाइवइ ओ वाक /
चड्डहान, हकल ओ सिकठीओन घमोनिक दाना /
सूगि, नवभ्रह ओ यचखँगीलशुनी रल निदाना /
गायन दर्वजाग ने वचलकनम रल निखड /
गमधेल, अरेआ ओ यिकदानीने गसला ओ गट्ट /

वाटी, वड़ा ओ यनवड़ाएजन कनेक थानी /
माधव सीहि सहिग सावननाने वचल घन माठी /
धन संयंगि घन किछु ने वचल/ सरटा यति (गल वंधक
गेडा रूख झटल ने ककनाएहन यट रल खंधक /
देव अंश अवनल कम्पनीजा यन नाम सहाए /
मिथिलायून वूउन जव लागयस सूनि यद्वंचल धाए /
खनिद अनाज जहाजहिं वामलएनी कनि कनि वाना /
सदन गिलंगा आआ यन एनीओन आलाएंगि (गाना /
हाजीयूनम लाख हजारनमके लाखन हूँ यटना /
वाजिगयून सुलगानयून (गालाने जाना हौ काना /
गाठी, वेल, झकए, ऊँट विहानउवहन हूँ सर दाना /
मिसन कहेआ कँ याखनन मयहिलक अठी (0काना /
श्री लक्ष्मीश्वन सिंह नृपतिमहानाज मिथिलश /
अचल नाज दतिरंगाश्रीयति हनहिं कलश /
गाठी वेल लाखन हजारननगाकँ यन घउन /
यहिलक (गाला मध्वन, रोजरुना ओन अउन /
वनीयडी, ओ यचमहलाकृष्णोल ओ कमगोल /
हनहनयून, यिगानूछ वननोकानज कगकाँ वनिओल /
वानि याखनि, विनसायन वननोय(धोल का ने जान /
नवरुद, सनिसा आ रटयूना, गा साँ दजिध उजान
संमानयून, महनेल, कहेलीम(धयून हूँ खास /
वनीयून, कमान, ननेहिआवननो रूलयनास /
समना हूँ जगजानिग जगममहथा ओन वछोन /

दूहवी ओ महिनाथयूनउन जेनगन तक हूँ दोन /
वलदवयून ओ टुंगा वननोमिनजायून लघु हार /
सीवीयटी ओ कयसीआसदन (गाला सोना0 /
गुनवाकँ यनवनसी हाकिमकन गिनहूम आक /
ने गा मनग काग नन नानीवाल वव सूखा क /
काग मूनदा गनदा मे मिलगअसंख जीव चल जागा /
सन समधी कँ संरा न लहूनने वचग जलदागा /
सरकँ सर उयछे रे (गलधून याखन ओ स७क /
नदि (गल ब्राह्मण सागी यधिगकायथ यच्छिमा 0कून रुनक /
कडा उनसिअन नाम लिखाउलरँट कडा माहर्निन /
धर्मकार्यम लूथि नूयेआगँ रल सर कन रँट /
कडा जमानग देकँ वचलाहजिनका अमला नदी /
ककना मानि कँग यि0 गाउेहिउगनेहि जन्नक (0दी /
ककनहँ गानग गाग सूखाउलवहगा हाअय चलाना /
मागुयिगा घन यनिजन नादयवावू (गलाह जहलखाना /
ककनहँ घन रल खानागलासीरँट माहर्निन घाँछ /
कडा अदालगिम ति७िआँ ह्थिककनहँ उयनेहि माँछ /
अगना सूनि हाकिम निसिआउलगँ लागल जन 0ीका /
नाक नं(गोलहि सरै माहर्निनलागल चूनक टीका /
जाग, विकोआ,लौकिक दंशककिनिआमंग सकूल /
गाछी, वाँस, वेल ओ महिसिजगह केल रकखूल /
गाहि नूयेआ सौँ कना गजननीन ले कानट सौँ /
गँ कानन वहगा घन मगआराँ रणीजा रीन /

आ७ लार वहादून ओ /द०रंगा धाम
वावू ओ ववूआन सहिग मिलिकीबू क्रुमेटी खान /

.....

.....

.....

अह सर संग वे० केजाय क्रुमेटी रल /
अजव कान सनकान कगिनहूग यदूचल नल /
वाजिगयूनसँ स०क निकालेआय दो०ह दो०ी /
दहया गं०क यूल वहा०आ० चोनही चोनी /
धर्मधीन, वलवीन, कथनी जाना दहू /जगदीशन
लछमी सागन क याखनिमगादि कीबू दू०सटीसन /
व० लार कलकफ्तालश्रीदुर्गा द० संग /
आगना क छारा लाल वहादूनवे० सर अकरंग /
शर कमिशन ओन कलइनवालहिं वाग नअंट /
अह याचा दू०जलास यन वे०अह अंट संग जाग /
खवनि ग० अखवान मोमैथिल क अह हाल /
सूनहू रिनंगी अत्रध देकमटहू दूख क जाल /
दूक्रम दीबू दाउ लार कासनहू हमान वेन /
मदगि कनहू नआआनकाका वे० हो वेन /
व० लार दाउ वीन उ०आसाहव ओ जननेल /
मजन मजिस्टन ओन कलइनसंगजाग कननेल /
दस दससौं अन्न मंगाउलदीबू सरनि क दाम /
महामूंग, गहूम ओ चाउनवज० ओन वदाम /

उली, यटना ओ रटसानदीली ओ अजमन /
आगना ओन काह्यून टाकाजहाँ अन्न क टन /
रु नमाना अन्न गिनहृगिमलादि गाठी ओन वेल /
गज, गुनंग, गदहा ओ छकऽसंग सियाही छेल /
छत्री ओ यै०न मागल सरवाँकावीन नजयू /
सारण वननि नजाग हूँजेस हनुमन् दूग /
आग सरून आ मैनायलटन दीन जमान /
वनछी ओ गनुआनि गहेकन गहे गीन कमान /
चढि गुनंग यन कने कवाँगजमादान हाँ संग /
सारण वननि न जाग हूँदखि गखनूक नंग /
कनग काम सर धाममट्ट अट सर लूट /
ढाहि री० गाछी सहिगवाबे स०क ओ यूल /
जिल यटन ओ रटसानप्रगन्ना महिसोन /
गहाँ वसहिँ एक सज्जानगहि घन जा लक्की दो० /
श्री झानिका प्रणादिगधर्मधीन वृद्धिमान /
गहसीलदान कानट क खासाजानहिँ सकल जहान /
वावू हूसनी प्रसाद दियोटीसा मध्वनम आँ /
हूकूम दीहू स्यननउंटकँटाल टाल हाँ जाँ /
मन यँचा मनगन रे लिखेनाग वहूगा लिँ /
धन्य धन्य अंगनज वहादूनसरकँ शटल गाँ /
गनिव, गनी, गुनवा, कनू जे, जेव्राककध दग असीस /
श्री नघुनाथ वटे वदसाहीगदी लाख वनीस /

रुगुन लाल कवि वननग हँउह नोदी क हाल /
(गोनमिंट (गोननल वहादूनगिनहूगि नाखहिँ वहाल /

२

नाभकृषू चौधनी (मिथिलाक ँगिहास) (विदह यरानम उपलब्ध)

"१११० क अकाल मिथिलाक ँगिहासम अद्वितीय छल आ मिथिलाक जनसंख्या घटिकँ एक दम्न कम्म रु५ (गल छला १६१३म यूनः १४- एकटा उहून अकाल मिथिलाम रूल छल जवन विद्वनध हमना रुगुनी लाल कविक अकाली कविफसँ रूटुँये, अकाली कविफ अग्रकाशिन अछि। अकालकँ दून कनवाक हगु आ मझनकँ नजी दवाक हगु गहि काल नलगातीक याजना चलाउल (गल जकना सम्वद्धम रुगुनीलाल लिखेग छथि-

'कथनी अजान जान कलनका वनाय शाना
यवन का छकाय मेदानम धनाया हो॥
छांग हँ अगदान वग वीच धाय धाया
सरलाग हटाजाग कगाजाग खग हो॥
गानकी अयानकान खवनि दग वान वाना
वग गया टिकसदान नल की उदाळी हो॥
कनग हँ अनान (शान यीछ कग लगग छाना
जान की धमाक स मशीन की वगळी हो॥
कथूसन यहनदान काथी सव अजवदाना
काळला रन कनल कान धूआँस उगाया हो॥

वाजा एक वजन लाग हाथी असा
यिकन लाग जैसा जा चढनदान वैसाधन याया हो॥
गंगाकँ रनल धान उगनि गया रूगून यान गातीकी॥
अजवकान कविफ यह वनाया हो॥'''

-Gajendra Thakur, editor, Videha (be part of
Videha www.videha.co.in -send your WhatsApp no to
+919560960721 so that it can be added to the
Videha WhatsApp Broadcast List.)

अयन मंग्य editorial.staff.videha@gmail.com यन य०।३।

८. विदेह मिथिलाक खाज

विदेह मिथिलाक खाज

वि दे ह विदेह Vi deha विदेश <http://www.vi.deha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका
Vi deha Ist Mithili Fortnightly e journal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका नव अंक
दखवाक लल यूथ सर्क निरूथ कउ दखू! Always refresh the pages for viewing new
issue of VI DEHA.

ग्रन्थ अछि विदेह, मिथिला, गीनगुक्ति आ गिनहूक नामसँ विद्याग वर्तमान रानग आ नयालम यसनल माटिक प्राचीन
आ नव स्थायय, विप्राकिग अरिलख आ मूर्तिकलाक अकरा छोट संग्रह। उ संग्रहकँ यूथ कनवाक हग अयन वहुमूय
संग्रह editorial.staff.vi.deha@gmail.com कँ य013। आर्काइवक सर्वाधिकान नवनाकान, सञ्चिग खराशरून
आ संग्रहकर्ताक लगम छश्चि। खरा सर य0वा लल धयनाद या0कगधा साराना विषय विननध दखवा लल त्रिक
कनु **दर्शनीय मिथिला, Brochure 1, Brochure 2, Brochure 3, Brochure 4, Brochure 5 (मैथिली साहित्य संस्थान
लिंक), IGNCASI (Cultural Heritage of Mthila-search keyword Mthila), Temple Survey
Project ASI - English आ Hindi . यूथीग अद्यवसायिक उद्यथ आ माय अकउमिक प्रयाग लल।**



गुनक्षत्री रंगवरीयून
(Madhubani ,
Bi har) वौद्ध गाना
सँ समानगा नाकम
कृञ्चल दखू



सूर्य रंगवरीयून
(Madhubani
Bi har)



विषू रंगवरीयून
(Madhubani ,
Bi har)



दूर्गा, याखनिसँ
रटल, आगदि वरुनी
मडिन (वजानसँ
दजिध)म स्थायिग



रुनड्वान मडिन
घनथामयून
(दनरंगा)- चानि
रुs (गल



(गोनीशंकन, उमथनि, हँी वाली,
मध्रवनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँी वाली, मध्र
वनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँी वाली,
मध्रवनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँी वाली,
मध्रवनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँी वाली, मध्र
वनी



(गोनीशंकन, उमथनि, हँी वाली,
मध्रवनी



वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाऊन गाम्र
लख



वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाऊन गाम्र
लख



वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाऊन गाम्र
लख



वाळ्सी-
वसेटी, अननिया मिथिलाऊन गाम्र
लख



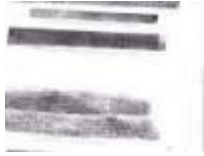
धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँ, ननसिंह
अवगान



धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँ, ननसिंह
अवगान



यूनधदनी, यूर्धियाँ



विदधन सान अरिलख, मध्वनी



अन्ना००० अरिलख, मध्वनी



वृद्ध अष्टधागु, सिसन वसंगयून, वग
दा



१२ शगादी, काळलख, मध्वनी



अग्नि विदधन सान, मध्वनी वृद्ध, मूं
गन



अरिल्या सान



अन्ना०००, मध्वनी



अशाक कर, वसाठ, देशाली



वृद्ध



अबलाकिगधन गाना, रागलयून



वसाठ, वैशाली



वृद्ध रूमिथ्यर्ष



वृद्ध, गाम



वृद्ध मरुफक, सुलतानगंज



वैशाली मूर्ति



चामूछा नाग-
नागिनी, मूंगन



मूकूटधनी वृद्ध, अंगीचक, रागलयून



नावेण गधष, 10म शताब्दी, दनरंगा



दनरंगा श्रृजियम



दनरंगा श्रृजियम



दूर्गा, कार्फिकय



गधष वृद्ध



गोगम वृद्ध, वैशाली

10म शताब्दी, सीट रंगवानयन, अ
न्ध्रा 01डी



द्विन्दन वृद्ध



विठ्ठल स्वभाव महिला, नाजमदल



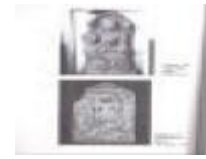
लोनिया नदनगड, अशाक संर



लामश स्यामा गुरा



मृंगन



नागनाज गीर्थकन



कृमानिल रटर रुकलार, नालद्या



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, रागलय
न



01ड वृद्ध



यार्की



नामायध



नामयनवा वृषर



नामयूनना



वृद्धक अन्वेष



सकिसा



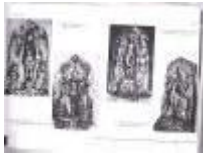
सफमागृका



सर्वगा रड्र मधुल



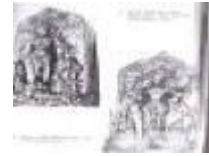
सूर्य



सूर्य



सूर्यक संगी



सूर्य, मध्वनी आ रागलयन



मूर्ति



मूर्ति



मूर्ति, वैशाली



उमा माहेश्वर, कल्याणसूदन



वैशाली नृषर शीर्ष



वैशाली, शालरंजिका रागलयन



जानकी मठिन



जानकी मठिन, सीगामठी



जानकी मठिन, सीगामठी



जिला स्यास्थ कार्यालय नाजविनाज,
नयाल



कलनक्षन वावा



कयिलक्षन



काषलखाकार्यालय, नाजविनाज, नया
ल



मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा



लक्ष्मीक्षन येलस,
1934



माध्यमिकविद्यालय, जनकपूर



महद्व चौक, जनकपूर



जनकपूर मंठय



मिथिला,
1988 रूकथ



मधुवनी वस स्टेशन



सोना० सरा



थामा मठिन



विद्यायगि स्नानक, विद्यी

यगलावावा धर्मशाला, जनकपूर, न
याल



नाज हत ँरिस,
1934



शिव मठिन, 1934



विद्यायगि मूर्फि, विद्यी



विद्यी, उदना महादव

यंतील अहल्या



नाज डॉयोरल, दनरंगा,
1934



शिवशंकर सिनमा, मधुवनी



उग्रगाना, गानास्नान, महिषी, सहन
सा



विद्यी, विश्वेश्वरी रंगवणी



अहल्या मठिन, अहियानी



अ(शाक रुंर, वैशाली



रूय अ(शाक रुंर, वैशाली



वलिनजयून किला यूर्वी (गट



वलिनजयून किला मीनान



वधी स्तान, विनारयून, सहनसा



गाँधी याखनि, डाका, भागिहानी



गाँधी विद्यालय, डाका, भागिहानी



गिनिजा स्तान, मधुवनी



हनिरहन मठिन, सानयून



ऊन मठिन, रागलयून



ऊन मठिन, वैशाली



कमलादिग्य स्तान



कायलश्वन शिव मठिन



लोनिया नहनगर



मदनश्वन शिव मठिन



महान यर्वा, वाँका



भागिदानी सथाग्रह स्मानक



यनमश्वनी मठिन, 01टी, मध्वनी



नामजानकी मठिन, सीगामटी



सथाग्रह स्मानक, सीगामटी



भागि स्फूय, वैशाली



उञ्चै0 रुगवगी



उञ्चै0 मठिन



सिंधश्वन स्तान, म(धयूना



सूर्यधाम, यनसा



उग्रगाना मठिन, मदिषी, सदनसा



वैशाली स्फूय



निक्रमशिला विश्वविद्यालय, रागलय
न



विनारयून मठिन, म(धयूना



वृषरु शीर्ष, नामयूनवा



सिंह शीर्ष, नामयूनवा



शनरु, नयाल



याँखियक्फ दती, वैशाली



वावा वतुश्वन, दतना, वनगाँव



वर वृज, वनगाँव



रुगवान निषू, दतना, वनगाँव



शाम्प्रार्थ स्तल, गानास्ठान मदिषी



शाम्प्रार्थ स्तल, गानास्ठान मदिषी



गानास्ठान मदिषी



मागा गाना, गानास्ठान मदिषी



उग्रगाना (खादन दाधी गाना) मूर्ति, मदिषी



वशिष्ठ मूनि, गानास्ठान मदिषी



आवर्धिग काली उञ्चै०



वैद्धदती गाना वानी समस्तीयून



रगवती दकली



रगवती गिनिजा रूहन



रगवती मृधमूर्ति गब्रवानि



रगवती वानी समस्कीयून



गुवनश्वनी कार्थ



दवीकाली कार्थ



गंगामूर्ति नगनठीरु दनरंगा



गोसाउन मद्दिन कार्थ



हेरुदु दवी हावीठीरु



काली उञ्चै



महिषासूनमर्दिनी वहनी दनरंगा



महिषासूनमर्दिनी हावीठीरु



महिषासूनमर्दिनी नाहन-
रगवतीयून



उमा श्चमर्दिनी मिर्जायून दनरंगा



यमना ऐनद्र वलिया मध्रवनी



रैनव, रैनव-वलिया



नटनाज, गानालाही



शिव-
यार्वगी मडिन, कयिलक्षनम्लान



शिव-
यार्वगी मडिन, कयिलक्षनम्लान



शिव मडिन, सिगिया, निर्यी



उमामाहक्षन, महादवम०



उमामाहक्षन, गिनह्ग



निष्क, रवानीयून



निष्क, री० रगवानयून



निष्क, जयनगन



निष्क, लदह



निष्क, साह-
यननी, हावीठीह



शशशयी विष्णु, सत्रास, मूजङ्गनयून



रुगवती उञ्जै०, वनीयङ्गी



अष्टगुज गढश, हवीरुीह



महिव्यासूनमरिदिनी, दूर्गा



नाममडिन, अहिव्यासुनान

वनाह मूर्ति, गिलकश्वनसुनान



रुगवती वाढश्वनी, रंजनीसम



अष्टगुज गढश, कार्थ



सुव्वमरिदिनी मडिन, मिर्जायून, दनरं
गा



सरुनी, वैशाली, विष्णु गिलक-
यसुायवीगधानी

मिथिलाजन अरिलख, विष्णु वृद्ध मू
र्ति



चामुध मडिन, करुना, मूजङ्गनयून



गंगा, आन्ध्र-०।०।



नरुनाज



नूयनगन शिव मडिन



सूर्य, दक्षली



सूर्य मूर्ति, उिलाही



सूर्य मूर्ति, निबू, वनूआन



उमामादक्षन



यमूना, आन्ध्रा-०।१०



सिमनोनागड मूर्ति



आदि काली, चैनयून सहनसा

चैनयून सहनसा- मिथिलाक अकमाप्र
नीलकं० मडिन, संगम आदिकालीन
रख्य काली-

मडिन सह अदि गामम अछि। महा
शिवनाथि आ कालीयूजा व७ धूमधाम
सँ चैनयूनम हाळ्ण अछि।



ग्राथागडक स्नामी माध्वानद कोलाचा
र्य काली मडिन

ग्राथा गड लगा यूनान गड। अकन
यूवम ब्रह्मयूनाक वावा हनिहननाथ
महादत मडिन आ दजिधम उञ्चै०
रगवगी छथि।



ग्राथागडक दसमुखी काली

ग्राथा गड लगा यूनान गड। अकन
यूवम ब्रह्मयूनाक वावा हनिहननाथ
महादत मडिन आ दजिधम उञ्चै०
रगवगी छथि।



काळलख (मध्वनी) दतीक मडिन



अकोन, वनीयडी, रगवगी दूर्गा, र
गवगीयी०



अकोन, वनीयडी, रगवगी दूर्गा, र
गवगीयी०



१. अष्टगुज ग(क्ष)ण, कार्थ २. भिन्न मडि
न, सिधिया, विद्यी



१. वौद्ध दत्री गाना, वानी, समस्त्रीयून
२. उग्रगाना मडिन, मरिषी, सदन
सा



१. रगवगी, वानी २. रगवगी, दकू
ली



१. रगवगी गिनजा, रूलहन २. का
ली, उव्वे०



१. रैनव, रैनव वलिया २. उमामा
दक्षन, महादवम०



१. दत्रीकाली, कार्थ २. गुसाउनि म्ठ
ल मडिन, कार्थ



१. ग(क्ष)ण, लहनियासनाय २. उमामा
दक्षन ३. नटनाज, ४. विष्णू, गिलक,
जनउ धानी, सदान, वैशाली



१. गंगा मूर्ति, नगनतीह, दनरंगा
२. रगवगी मृधूर्ति, गव्वानि



१. हेहडु दत्री, हावीतीह २. गुवनध
नी, कार्थ



१. कथिग काली, उव्वे०, २. अष्टगुज ग
(क्ष)ण, कार्थ



१. मरिष्यासून मरिदिनी, हावीतीह,
२. उमा, म्ठमरिदिनी, मिर्जायून, दन
रंगा



१. मरिष्यासूनमरिदिनी, रगवगीयून,
नाहन, मरिष्यासून मरिदिनी, वरुनी,
दनरंगा



१. भृगुमर्दिनी रगवती, मिर्जापूर, दन
रंगा २. नाम मन्दिन, अहिल्यास्नान



१. भृगुमर्दिनी रगवती, मिर्जापूर, द
नरंगा २. सिद्धेश्वर स्नान, मधुपूर



१. नरनाज, गानालाही २. उमामा
दक्षन



१_ भवसायी, सवास, मूजङ्गनपूर, २
_ नरनाज_ गानालाही ३_ रगवती ४
_ उमा मादक्षनी



१-
भित्त यार्वगी मन्दिन, कयिलक्षन स्नान
२. सूर्य मूर्ति तिलाही



१_ सूर्यमूर्ति, विष्णु वनूआन २. गं
गा, आन्ना OIठी



१_ उत्रेO रगवती, वनीयट्टी २_ महिषा
सनमर्दिनी, दुर्गा ३_ चाम्छा मन्दिन,
कटना, मूजङ्गनपूर ४._ रगवती वान
क्षनी, रञ्जानिसम



१. वनाहमूर्ति, गिलकक्षनस्नान, २.
विष्णु, रवानीपूर



१. विष्णु, जयनगन २. विष्णु, रीO
रगवानपूर



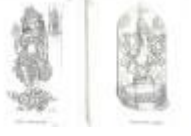
१_ विष्णु, लददा, २. सूर्य, दक्ली



१_ विष्णु_ सादा यनती, स्थायिग-
दारीतीह २. वृद्ध-
विष्णु मूर्ति अरिलख



१_ विष्णु, सदान, २_ वनाह ३_ ग
(छा) ४. भित्त मन्दिन_ नूयनगन



१_यमूना, आन्ध्र Oाडी, २. अष्टयुज
ग(क्ष), हवीडीह



१_यमूना, ऐनव वलिया, २_ (षव
सायी, सवास, मूडरूनयून, ३_ नट
नाज_ गानालादी ४_ रगवणी १_
उमा मादक्षनी



कथिग, काली, उत्रेO, वनीयडी



मूर्ति (मिथिला उप्र)



समूदागः सूर्य



वधु(गोपाल, मिथिला



विष्णु, जाल, दनरंगा



विष्णु



विष्णु, आमोल, दनरंगा

मिथिलाक खाज

व्ही आलख हम्मन दशकसँ ऊपनक मिथिलाक यात्राक उयनाकक सूत्र-
वृफान्क अछि आ उम उ सर स्रानक स्रानीय निवासी आ गाव्हत
सरक अकथनीय यागदान छबि । कखना कालाँ रागक गाीक
आव्हन लकनि सह नीक गाव्हत सिद्ध रला। -गजब्र Oाकून

"मिथिलायदयश्च मधुंगं नियन्त्रा ङ्गि मिथिला नगनी" - मिथिला जगस
शत्रुकं मथल जाङ्ग अङ्कि- याधिनीक विव्रनधा।

किला आ गढ

वलिनजयून किला- मधुवनी जिलाक वावूनही प्रखडसँ ग किलामीटन
यूव वलिनजयून गाम अङ्कि। अकन दङ्किदिशाम अकरा यूनान
किलाक अत्र(शष अङ्कि। किला चानि किलामीटन नमगन आ अक
किलामीटन चाकन अङ्कि। दस हीटक मार दवालसँ ङ्गी घनल अङ्कि।

असूनगढ किला- मिथिलाक दासन किला मधुवनी जिलाक यूव आ उफन
सीमा यन गिलयूगा धानक कागम महादत्र म० लग १० अकअम यसनल
अङ्कि।

जयनगन किला- मिथिलाक गसन किला अङ्कि रानग नयाल सीमा यन
प्राचीन जययून आ वर्तमान जयनगन लगा। दनरंगा लग यंचार गामसँ
प्राफ गाम अरिलख यन जययून कन वर्धन अङ्कि।

नहनगढ- वगियासँ १२ मील यश्चिम-उफनम ङ्गी किला अङ्कि। गीन
यैक्फम ११ टा ऊँच ठीह अङ्कि।

लोनिया-नहनगढ- नहनगढसँ उफन स्थित अङ्कि, अगस अ(शक संर
आ वौद्ध स्तूप अङ्कि।

दकूलीगढ- शिवहन जिलासँ गीन किलामीटन यूव हाङ्गव कन कागम दू
टा किलाक अत्र(शष अङ्कि। चानू दिस खवाङ्ग अङ्कि।

करनागढ- मूजङ्गनयूनम करना गामम विशाल गढ अछि, दकली गढ जकाँ चानू काग खधाळ खूनल अछि।

नौलागढ-वगुसनायसँ २१ किलामीटन उफन ३१० अकऽम यसनल ङ्गी गढ अछि।

जयमंगलगढ- वगुसनायम वनियानयून थानाम कावन मीलक मध अकरा ऊँच तीह अछि। अगऽ ङ्गी गढ अछि। नाउकाठी (मसोल) गाम लग ङ्गी गढ अछि।

मंगलगढ- समस्तीयून जिलाम हसनयून व्लॉकम दूधयूना वजान लग दउरठ गाम लग। रगवान वृद्धक उयदण अगऽ रल, स्यानीय नाजा मंगलदक आग्रहयन वृद्ध किछु दिन अगऽ निवास सह कलहि।

अलौलीगढ- खगऽियासँ ११ किलामीटन उफन अलौली गाम लग १०० अकऽम यसनल ङ्गी गढ अछि।

कीचकगढ- यूर्धिया जिलाम उंगनघाटसँ १० किलामीटन उफन महानद्या नदीक यूवम ङ्गी गढ अछि।

वनूगढ- टढगाळ थानाम कदल धानक कागम ङ्गी गढ अछि।

दनिजनगढ- वहादूनगंजसँ छह किलामीटन दऊधम लानसदनी धानक कागम ङ्गी गढ अछि।

नऊनी- दनरंगाक विनोल प्रखडसँ १३ किलामीटन यश्चिमम अकरा गढ अछि ज लानिकक मानल जाळ्ग अछि।

वृद्ध

कृष्णग्राम- हाजीयूसँ वफीस किलामीटन उफन-यूर्वम वसाढ-वैशाली आ लगम दासाकृष्ण लग गाम गढ-टीलासँ २ कि.मी. उफन-यूर्व अठ्ठि कृष्णग्राम , जगऽ जैनक २४म तीर्थकन महादीनक जन्म रल कलहि। जगऽ वृद्धक छाउन, अरिषक यूषकनधी (नाजा अरिषकसँ यूर्व जगऽ नहाळ्ग नहथि), अ(भाक रुद्र आ संसद-रदन (नाजा विशालक गढ) अठ्ठि।

यजवागढ वनही टाल- जगऽ अकरा वृद्ध मूर्फि रटल कल, मूदा उकन आव काना यगा ने अठ्ठि। व्ही सुल सह नखवानी गामक लग अठ्ठि।

मंगलगढ- समस्फीयून जिलाम हसनयून व्लोकम दूधयूना वजान लग दउाढ गाम लग। रगवान वृद्धक उयदष जगऽ रल, सुनीय नाजा मंगलदवक आग्रहयन वृद्ध किछु दिन जगऽ निवास सह कलहि।

मूसहननियां तीह- अंधना 01ठीसँ ३ किलामीटन यश्चिम यरुन गाम लग अकरा ऊँच तीह अठ्ठि। वृद्धकालीन अकजनियाँ का0ली, वौद्धकालीन मूर्फि, याळ्, वर्फनक टकती आ यजवाक अत्र(षष जगऽ अठ्ठि।

अकोन- मध्वनीसँ २० किलामीटन यश्चिम आ उफनम अकोन गामम अकरा ऊँच तीह अठ्ठि, जगऽ वौद्धकालक मूर्फि अठ्ठि।

लोनिया-नहनगढ- नहनगढसँ उफन सिंग अठ्ठि, जगऽ अ(भाक रुद्र आ वौद्ध सूय अठ्ठि।

विक्रमशिला- रागलयूनम स्मिग प्राचीन विश्वविद्यालय। रागलयून जिलाक अंगीचक गामम नाजा धर्मयालक वनाउल वृद्ध विश्वविद्यालय अछि। १०६ ब्याख्याग लल नहवाक स्नान आ वाहनसँ यदुय वला लल सह्य स्नान अगऽ निर्मित अछि।

चम्यानगन- रागलयूनक यश्चिमम, आव नगनसँ सटि गेल अछि। ४० जेन लाकनिक अकटा यद्विप्रसूल अछि, अगऽ महादीन गीनटा वस्त्रावास कन नहथि। दू टा जेन मदिन अगऽ अछि, जे जेनक वानहम गीर्थकन दासयुक्त नाथकँ समर्थिग अछि। महादीन विदहम छह टा वस्त्रावास विगलहि। वर्खा मृगुम चानि मास अक ०म निवासकँ वस्त्रावास कहल जाऽ छला। वृद्ध अकारा वस्त्रावास विदहम ने विगलहि, मूदा वैशाली नगनीम आम्रयालीक उद्यानम लिच्छवीगधकँ सङ्ग दन छला। आम्रयालीसँ रिजा ग्रहद कऽ वृद्ध गेला वधूमगी कनय चानि मासक वस्त्रावास।

अरिलख

(गोनी-शंकन स्नान, मधुवनी जिलाक जमथनि गाम आ हँठी वाली गामक बीच ४० स्नान (गोनी आ शङ्कनक सम्मिलित मूर्ति आ अयन मिथिलाजनम लिखल यालदंशीय अरिलखा विदधनस्नानसँ २-३ किलामीटन उफन दिशाम ४० स्नान अछि।

री०-रुगतानयून अरिलख- नाजा नाचदक यून मल्लदसँ संबंधिग अरिलख अगऽ अछि। मधुवनी जिलाक मधयून थानाम ४० स्नान अछि।

रुगीनथपून- य(धोल लग रुगीनथपून गामम अरिलख अठि जूसँ
उन्नवान वंशक अंगिम दूनू शासक नामरुद्रदव आ लक्ष्मीनाथक
प्रशासनक विषयम सूचना रूटेग अठि।

मंदान यवंग- वांका सिंग सुलम मिथिलाऊनक गुफवंशीय १म् शताब्दीक
अरिलख अठि। समूद्र मंथनक हनु मंदानक प्रयाग रल कुला निकरुम
वैसीम जेनक वानरुम गीर्थकन दासयुद्ध नाथक दूटा मूर्ति अठि, येघ
मूर्ति लाल याथनक अठि गँ दासन काँसाक जकन सामाँ दूटा यदचिह्न
अठि। जेनक वानरुम गीर्थकन दासयुद्ध नाथक जन्म चम्पानगनम आ
निर्वाध अदे रल कुलशि।

विदक्षन- मधुवनी जिलाम लाहनानाउ सृजन लग सिंग शिवधामक स्थायना
महानाज माधवसिंह कलशि। गूसू युगक मिथिलाऊनक अरिलख सह
अगऽ अठि।

वसेटी (वाूसी-वसेटी), अननिया अरिलख - यूधियाँम श्रीनगन लग
मिथिलाऊनक वी अरिलख मिथिलाक यहिल महिला शासक नानी
वृद्धावगीक नायकालक वर्धन कनेग अठि। नानी वृद्धावगी (११८४-
१८०२) ऊ अकालक समय रूत-रून-वर्क आ अथ कल्याणकानी
कार्यक प्रानरु कन नहथि।

जयनगन किला- मिथिलाक गसन किला अठि रानग नयाल सीमा यन
प्राचीन जयपून आ वर्धमान जयनगन लगा। दनरंगा लग यंचारु गामसँ
प्राय गाम अरिलख यन जयपून कन वर्धन अठि।

विषू

ह्लासयडी- मधुवनी जिलाक ह्लयनास थानाक जा(गध्वन स्नान लग ह्लासयडी गाम अछि। कानी याथनक विष्णू रगवानक मूर्ति अऽ अछि।

यियनाही- लोकहा थानाक यियनाही गामम विष्णूक मूर्तिक चानू हाथ रत्न रऽ (गल अछि।

मधुवन- यियनाहीसँ १० किलामीटन उपर नयालक मधुवन गामम चणुज विष्णूक मूर्ति अछि।

कमलादिग्य स्नान- अंधना ठाडी लगम कमलादिग्य स्नानक विष्णू मंदिन कर्धारि नाजा नाब्यदक मंत्री श्रीधन दास झाना स्थापित रऽ।

संमानयन अन्मधुलक नखवानी गामम वृजक नीचाँ नखल विष्णू मूर्ति, गांधान(शेली म वनाडाल (गल अछि।

मटिहानी- विष्णू मंदिन

जनकयन- वृहद् विष्णूयनाधम मिथिलामाहाग्यम जनकयन उपरक दर्शन अछि। सप्रहम शगवीम संग सून कि(भानकँ अयाधाम सनयू धानम नाम आ जानकीक दू टा रथ मूर्ति रऽलहि, जकना उा जानकी मंदिन, जनकयनम स्थापित कऽ दलहि। वर्तमान मंदिनक स्थापना टीकमगठक महानानी झाना १९११ ००। म रऽ। नगनक चानूकाग यमनी, (गनूखा आ दूधवनी धान अछि। नाम नदमी (चैत्र शुक्र नदमी), जानकी नदमी (वैशाख शुक्र नदमी) आ विवाह यंचमी (अगहन शुक्र यंचमी) यन अऽ मला ल(गेअ।

अंधना-01डीक स्थानीय वाचस्थिति संग्रहालय- (गो७ गामक यजिधीक
रुच्य मूर्ति अगऽ नाखल अछि।

(गोगम तीर्थ- कमगोल सृजनसँ ६ किलामीटन यश्चिम व्रक्तयून गाम लग
अकरा (गोगम कृष्ण य्क्षनधी अछि।

मंगनक यूव 'सीगा-कृष्ण'गर्म कृष्ण अछि, सीगा जी अफे य्क्षीम समाहित
रुल छली। 0०६ जलक कृष्ण 'नामकृष्ण', लक्कध कृष्ण, रुनग कृष्ण, आ
शत्रुघ्न कृष्ण सह्य अछि, र्श्यानीम वउ मिलाना स मिलान वावू ग७
नानिकलम सह्य छै, वसी य७ल लिखल गामम स आव कहाँ?

हलादरुफ- जनकयूनसँ ३७ किलामीटन दक्षिण यश्चिमम सीगामठी नगनम
हलवश्चन शिव मडिन आ जानकी मडिन अछि। अगसँ ७७ किलामीटन
यन य्क्षनीक उप्रम सीगाकृष्ण अछि। हलादरुफम जनक ज्ञान हन चलवा
काल सीगा रुटलि छली। नाम नदमी (चैत्र शुक्र नदमी) आ जानकी
नदमी (द्वेषाख शुक्र नदमी) यन अगऽ मला ल(गे७।

रूलहन-मध्वनी जिलाक हनलाखी थानाम रूलहन गामम जनकक
य्क्षवाटिका छल अगऽ सीगा रूल लाटे छली।

धन्षा- जनकयूनसँ १७ किलामीटन उपन धन्षा स्थानम यीयनक गाछक
नीचाँ अकरा धन्षाकान खडु य७ल अछि। नामक गा७ल र्शी धन्ष
अछि। उँसँ यूव दाधगंगा धान वहे७ ऊ लक्कध ज्ञाना दाधसँ उच्चारिग
रुल छला।

सुझा- जनकपुर लग जलधन भिदधामक समीय सुझा ग्रामम शुक्रद्वजीक आश्रम अछि। शुक्रद्वजी जनकसँ भिजा लवाक हनु मिथिला उल छला- उ ०म हूनका ०हनवाक बदनछा रल छला।

सिंहधन- मधयूनसँ १ किलामीटनयन (गोनीयून गाम लग सिंहधन भिदधाम अछि।

कयिलधन- कयिल मून ज्ञान स्थायिग महाद्व मध्वनीसँ ६ किलामीटन यक्षिमम अछि।

कृषधन- समस्तीयूनसँ उफन-यूव, लहनियासनायसँ ६० किलामीटन दक्षिण-यूव आ सहनसासँ २१ किलामीटन यक्षिम व्ही अकटा प्रसिद्ध भिदस्थान अछि। अगऽ चिउ-अग्रानध सह अछि अगऽ उज्ञान आ कानी (गेवन, लालसन, दिघोछ, मेल, नकटा, (गेनी, गगन, सिल्ली, अधानी, हनिअल, चाहा, कनन, नगवा चिउ सर नदधनसँ मार्च धनि दखवाम अवेअ।

सिमनदह- थलदाना रुधन लग भिदसिंह ज्ञाना वसाउल भिदसिंहयून गाम लग व्ही भिदमधिन अछि।

सामनाथ- मध्वनी जिलाक सोना० गामम सरागाछी लग सामद्व महाद्व छथि।

मदनधन- मध्वनी जिलाक अंधना ०ाठीसँ ४ किलामीटन यूव मदनधन भिद स्थान अछि।

च(धुश्वन- संमानयूनम हनती गाम लग च(धुश्वन 0कून झाना स्थायिग
च(धुश्वन शिवस्नान अष्टि।

शिलानाथ- जयनगन लग कमला धानक कागम शिलानाथ महादत्र ऋथि।
उग्रनाथ- मध्वनीसँ दक्षिण य(धुोल सृशन लग रुदानीयून गामम उगना
महादत्रक शिवलिंग अष्टि। विद्यायगिकँ यास लगलष्टि गँ उगनानूयी
महादत्र जटासँ गंगाजल निकालि जल यिथलखिष्ट। विद्यायगिक ह0
कलायन उे स्नान यन उगना हूनका अयन असल शिवनूयक दर्शन
दलखिष्ट।

उञ्चै0 छिन्नमस्तिका रुगवती- कमगोल सृशनसँ १६ किलामीटन यूवार्फन
उञ्चै0म कालिदास रुगवतीक यूजा कनेग छला। रुगवतीक मौलिक मूर्ति
मस्तक दिहीन अष्टि।

उग्रगाना- मधुन मिश्रक जन्मरूमि महिषीम मधुनक (गासाउनि उग्रगाना
ऋथि।

रुद्रकालिका- मध्वनी जिलाक काळलख गामम रुद्रकालिका मंदिन अष्टि।

चाम्छा- मूजङ्गनयून जिलाम कटनागठ लग लक्ष्मणा वा लखनदळ धान
लग दुर्गा झाना चधु-मधुक वध कञल (गला उळ स्नानयन ळी मदिन
अष्टि।

यनसा सूर्य मदिन- संमानयूनम सश्रामसँ याँच किलामीटन यूवर्न यनसा
गामम साठ चानि रीटक रुद्य सूर्य मूर्ति रुटल अष्टि।

चैनयून सहनसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मछिन, संगम आदिकालीन
रुद्र काली-मछिन सह उ गामम अछि। महाभिननात्रि आ कालीयूजा
व७ धूमधामसँ चैनयूनम हाळ्ग अछि।

धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँम ननसिंह अत्रानक स्नान अछि, अकरा
खाह जकाँ घेघ याया अछि जळ्म ऊ किछु रुकवे गँ व७ी काल धनि
गाँ-गाँ अवाज हाळ्ग नहता। ँी स्नान आव ननसिंह रुगवानक मूर्ति
आ मछिनक कानधसँ वस विकसित रुऽ गल अछि। अँ ननसिंह
याया खाँ अत्रानिग रल छला।

विसरही- मधुवनी जिलाक वनीयडी थानाम कमगोल नलद सृष्टनसँ ६
किलामीटन यूव आ कयिलक्षन स्नानसँ ४ किलामीटन यश्चिम विसरही
गाम अछि। शक्तिनीक्षन पूर्व महाकवि विद्यायगिक जन्म-स्नान ँी गाम
अछि।

मिथिलाक वीस टा सिद्ध थी०- १.गिनिजास्नान (रूलहन, मधुवनी),
२.दुर्गास्नान (उचे०, मधुवनी), ३.नरुक्षनी (दाखन, मधुवनी),
४.गुवनक्षनीस्नान (रुगवगीयून, मधुवनी), ५. रुद्रकालिका (काळ्ख,
मधुवनी), ६.चमूँठा स्नान (यचाही, मधुवनी), ७.सानामाँ (जनकयून,
नयाल), ८.यागनिद्रा (जनकयून, नयाल), ९.कालिका स्नान (जनकयून
स्नान), १०.नाऊक्षनी दती (जनकयून, नयाल), ११.छिनमरुता दती
(उजान, मधुवनी), १२.वनदुर्गा (खननख, मधुवनी), १३.सिधक्षनी दती
(सनिसत्र, मधुवनी), १४.दती-स्नान (अंधना ठाँ, मधुवनी),
१५.कंकाली दती (रानग नयाल सीमा आ नामवाग प्लस, दनरंगा),

१६.उग्रगाना (महिषी, सहनसा), १७.काशानी दत्री (वदलाघार, सहनसा), १८.यूनन दत्री(यूर्धियाँ), १९.काली स्नान (दनरंगा), २०.जैमंगलास्नान(मूंगन), २१. जनकयून यनिक्रमाक १७ स्तल आ उगुक्का मूथ दवगा १. हनुमाननगन- हनुमानजी, २.कल्या(धधन- शिवलिंग, ३.गिनिजा-स्नान- शक्ति, ४.मटिहानी- विष्णू मडिन, ५.जालधन- शिवलिंग, ६.मनाळी- माधुव ऋषि, ७. श्रुव कृष्ण- ध्रुव मडिन, ८.कंचन वन- काना मडिन ने माग्र मनानम दृथ, ९.यर्वग- याँच टा यर्वग, १०.धनुषा- शिव धनुषक टुकती, ११.सगाखती- सफरिषिक साग टा कृष्ण, १२.हनुषाहा- तिमलागंगा, १३. कनुषा- काना मडिन ने माग्र मनानम दृथ, १४. विसौल- विश्वामिग्र मडिन आ १५.जनकयून।

दनरंगा कौथालिक चर्व- १८६१म स्थायिग ङ्गी चर्व १८६१ कन रूकम्यम उगिग्ररु रऽ (गला अकना हली नाजनी चर्व सहल कहल जाळ्ण। संट हांसिस ँसिसी चर्व मूजङ्गनयूनम अङ्कि।

रिखा सलामी मजान- गंगासागन याखनि दनरंगाक महानयन ङ्गी मजान अङ्कि। मकदूम वावाक मजान:ललिग नानायध मिथिला विश्वविद्यालय आ कामधन सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दनरंगाक वीच स्तिग ङ्गी मजान दिबू आ मुस्लिम मगावलमीक अकटा यावन स्नान अङ्कि। दनरंगा टावन मडिद ङ्गसाम मगावलमीक अकटा रथ मडिद आ धार्मिक स्तल अङ्कि।

६. विदेह मिथिला जन्म

विदेह मिथिला जन्म

वि दे ह विदेह Vi deha विदेह <http://www.vi.deha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका
Vi deha Ist Mithili Fortnightly e journal विदेह प्रथम मैथिली यात्रिक व्ही यत्रिका नव अंक
दखवाक लेल यृष्ठ सरकै निरुध्ण कउ दखू! Always refresh the pages for viewing new
issue of VI DEHA.

रानग आ नयालक माटिम यसनल मिथिलाक धनी प्राचीन कालसँ महान यून्य आ महिला लोकनिक कर्मरूमि नहल
अछि। यरूग अछि मिथिला जन्मक अकरा छोट संग्रह। उ संग्रहकै यूर्ध कनवाक हेगु अपन वद्धमूय संग्रहकै
editorial.staff.vi.deha@gmail.com कै योउ। आकर्विक सर्वाधिकान नचनाकान, सञ्चालि रारुआरुन आ
संग्रहकारक लगम छहिन। रारु सर य(0वा लेल धयवाद या0कगध। सारगना यूर्धग अद्यवसायिक उद्धथ आ माग
अकउमिक प्रयाग लेल। विषय विननध दखवा लेल क्लिक कनु [VI DEHA_346](#), [VI DEHA_347](#), [VI DEHA_366](#),
[VI DEHA_373](#) आ मिथिला जन्म आ मिथिलाक संगीत (कथा) मिथिलाक यावनि गिहन /मिथिला विप्रकला /।



वैदिक जनक

वैदेह नाजा भृगुवैदिक कालक
नमी सथाक नामसँ छलाह, यरू
कने सदह स्रग



नाम्नीक



सीगायनि नाम

गलाह, मुगलदम वर्धन अछि।
 डा ॐड्डक संग दलहि असन
 नमुवीक विन्ड आ गारिम ॐड्ड
 हनका वचउलहि शायथ
 ब्राह्मक विदघमाथव आ
 यूनाधक निमि दू (गोटक
 यूनाधि (गोम छथि स दू
 अक छथि आ अगसँ विदह
 नाथक ग्रानस। माथक यूनाधि
 (गोम मिघविह यरुक/ वलिक
 ग्रानस कलहि आ यून॥ अकन
 यून॥छायना रल महाजनक-२
 क समयम याहुवल्क ब्राना।
 निमि (गोमक आधमक
 लग जयक आ मिथि-जिनका
 मिथिला नामसँ सह सान कल
 जाहू छथि, मिथिला नगनक
 निर्माध कलहि। निमीक
 जयकयून वर्मान जनकयूनम
 छल, मिथीक मिथिलानगनीक
 छान अखन धनि निर्भानि नदि
 र॥ सकल अछि, अनुमानि
 अछि जनकयूनक लग
 । ❖सीनवज जनक❖ सीगाक
 यिगा छथि आ अगसँ
 मिथिलाक नाजाक सदु७ यनथना
 दखवाम अवेग अछि। ❖कृगि
 जनक❖ सीनवजक वादक 18म
 यूकम रल छलाह। कृगि
 दिनथनारक यू छलाह आ
 जनक वद्लाधक यू छलाह।
 याहुवल्क दिनथारक भिघ
 छलाह, हनकासँ यगक भिजा
 लन छलाह। कनाल जनक ब्राना
 अकटा ब्राह्मक यूवीक शील-
 अयहनधक प्रयास रल आ
 जनक नाजवंश समाफ र॥
 (गल (संदरँ अश्वघाष-वृद्धवनि
 आ कौटिल्य-अर्थशास्त्र)।

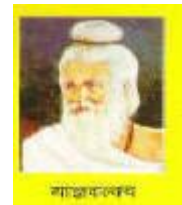


लव कृग



विदघ माथव

शायथ ब्राह्मक विदघ माथवक
 विदह आगमन, आगिक



वाजसनयी याहुवल्क

याहुवल्क मिथिलाक दार्शनिक
 नाजा कृगि जनकक दनवानम
 छलाह। हनकन मागाक वा
 यिगाक नाम सश्वदा॥ वाजसनी



आर्यरुद्र वैज्ञानिक 476-550

यज्ञीम आर्यरुद्रक विवन्ध- (२१)
(३४/०८) महियणियः मंगनेनी मा(६)न
से यीगाव न स्या दाम् दो माधप्र से
वीजी प्रिनयनरुद्रः ७ स्या **आर्यरुद्रः** ७
स्या उदयरुद्रः ७ स्या विजयरुद्र ७
स्या सुलावनरुद्र (सनयनरुद्र) ७ स्या
रुद्र ७ स्या धर्मजटीमिथ ७ स्या
धनाजटी मिथ ७ स्या ब्रह्मजनी मिथ
७ स्या प्रियनजटी मिथ ७ स्या
विघ्नजटी मिथ ७ स्या अजयसिंहः ७
स्या विजयसिंहः ७ स्या ७ स्या
आदिवनाहः ७ स्या मन्धवनाहः ७
स्या द्यौधन सिंहः ७ स्या साडन
जयसिंहकाचार्योम्स मन्दाप्र विद्या
यानङ्गा मन्दाप्रयाथा
यः ननसिंहः।।



म.म.(गानू सा 1050-1150

कनमरु सानकनियाम (गानू साक
वर्धन यज्ञीम
अक्ति- मन्दाप्रयाथाय धूर्नाज
गानू यज्ञीक अनुस्तान यीठीक
गधना कल्लासै (गानूक
जन्म (गानूक सानकनियाम
कनमरु-वग्म २४म यीठी वलि
नरुल अक्ति) **आर्यरुद्रक**

दाधुञ्जा नाम राज्ञः कामाद्
ब्राह्मण कथ्यायमरिभ्यमानः
सववनाथ्रु विननाथ कनालक्ष
वेदरुहः....।



सिद्ध सनह्याद 700-780

सनह्याद-**सिद्धिनरु मरु यठम**
यठिअउ,मधु यिवर्ष विस्तनउ
अमरुउठ। मिथिलाम अऊनानरु
सिद्धिनरु जवन पूर्वम
सिद्धिनरु ग(धशजीक अंकुश
औजी, लिखल जाङ्गा अक्ति।
मिथिलाम र्ही धानधा ज माँउ
यिलारसं चनध शक्ति डीध
रुहण अक्ति; र्ही सनह्यादक
मिथिलानासी रुहणवाक प्रमाध
अक्ति।



कुषुनानाम आ हाथी स्वनन

मिथिलाक यादव (गुआन) जाणिक
लाकदवगा कुषुनानाम अयन हाथी
स्वननयन सवान।



आदि शंकराचार्य 788-820 मंतन मिश्रसँ शास्त्रार्थ



वंशीधन ब्राह्मण

वाद (आर्यरुद्रक माधुन-काथयम
३६ म यीठी चलि नरुल
अछि) आ विद्यायणिक
यदिन (विद्यायणिक विषयवान
विद्यी-काथयम १४म यीठी चलि
नरुल अछि)लगरुग १०१०
स्त्री.म सिद्ध कछुग अछि।
कानध अदि गनई अक यीठीक
४० सँ गुधा कला सँ
आर्यरुद्रक जन्म लगरुग ४१६
स्त्री. आ विद्यायणिक जन्म
लगरुग १३१० स्त्री. अवेग
अछि ज अइतिहाससम्प्रा अछि।



छठन मरुनाज

मिथिलाक अम जाणिक लोकदवगा



दीना- रुदनी

मिथिलाक मुसहरन जाणिक
लोकदवगा



झागि यँजियान



नाजा सलदरुस

मिथिलाक दुःखवँगी (दुसाध)
जाणिक लोकदवगा



दूलना दय्याल

गोनू माक गाम रुनौअक
नाजकुमान, "वदूना गोठिन
नदूआ दय्याल" लोककथाक
मलारु कथानायिका रुनौआम
अखना दिनकन गरुवन छइह्यि



कालिदास



वाधि कायसु



नाधाकृषू आ कनगानाम मल्लिक



मरुनाज नाथदरु

विश्रायिक युनुष-यनीजाम
मृपुतालम गंगा नदीक आयव
आ वाचि-कायसुकै अयनाम
समवाक खिसा बर्धिन अठि ज
वादम विश्रायिक लऽ कऽ सख
प्रचलिग रला



मल्लदव

मिथिलाक कर्धोट वंशक संस्थापक
नायदवक युग। मिथिलाक
गंधर्वनिया नाजयू मल्लदवकै
अयन वीजीयुनुष मानेग छथि।

मिथिलाक अमगा घननक प्रानसिक गवेथा



महानाज हनसिंहदव

मिथिलाक कर्धोट वंशक।
शागिनीश्वन Oात्रनक वर्ध-
नकाकनम हनसिंहदव नायक
आकि नाज।
छलाह 1294 छी. म जन्म
आ 1307 छी. म नाजसिंहासना
धियासुद्धीन गुगलकसँ 1324-
25 छी. म हानिक वाद नयाल
यलायन। मिथिलाक यज्ञी-प्रववक
ब्राह्मण, कायसुक आ उप्रिय मध
आधिकातिक स्यायक, मैथिल
ब्राह्मणक हगु गृधकन मा, कर्ध
कायसुकक लल शंकरदव, आ
उप्रियक हगु विजयदव अहि
हगु प्रथमाया नियुक्त रलाह।
हनसिंहदवक प्रनधारसँ आ छी
हनसिंहदव नायदवक वंशज
छलाह, ज नायदव कर्धोट
वंशक १००६ शकम स्यायना
कल नहथि- नहैद शृष्य शशि
शक वर्ष (१०१६
शक)... मिथिलाक यधिग लाकनि
शक १२४८ गदनुसान १३२६
छी. म यज्ञी-प्रववक वर्मान
सन्नयक प्रानसिक निर्धय
कअलिहि। युन वर्मान सवनुयम
(थाउ वृद्धि विलासी लाकनि
मिथिलम महानाज माधव सिंहरसँ
११६० छी. म आदश कनवाउ
यज्ञीकानसँ शाखा युक्तक
प्रधयन कनवउलाहि। उक्तन
वाद योजिम (कखना काल
बर्धिन १६०० शक मान १६१८
छी. वाफवम माधव सिंहर
वादम १८०० छी. क
आसयास) (शापियनामक अकरा

मिथिलाक कर्धोट
वंशक 1097 छी. म
स्यायना 1147 छी. म मृगु



मंरी गधेश्वन

मिथिलाक कर्धोट वंशक ननभ
हनसिंहदवक
मंरी। *सुगारिसायनाम* मिथिलाक
सांवेधानिक वृषिहासक वर्धन।

नव ब्राह्मण उयजागिक मिथिलाम
उग्रणि रला



मीनां साहव

मिथिलाक मूस्लिम लाकनिक वीच
ग्रसिद्ध लाकगाथक नायका



अमन वावा

मिथिलाक मलाह जागिक
लाकदवगा



गनीवन वावा

मिथिलाक श्रावि जागिक
लाकदवगा



लालवन वावा

मिथिलाक चर्मकान जागिक
लाकदवगा



वं० चमान



कानिख यजियान



लानिक



नाय नक्षयाल



अयाची मिश्र

यद्धरम श्राष्टीक रवनाथ मिश्र
वउ येघ नैयायिक छलाह आ
कहिया कतनासँ काना वस्तु
याचना नहि कअलहि, गहि लल
सर दलका अयाची मिश्र कहउ
लगलहि।



शंकर मिश्र

"वालाऽहं जगदानन्द न म वाला सनस्रगी। अयू(री) यंचम वर्षे वर्धयामि जगप्रियम् ॥" क वकाला यद्धरुम श्पाष्टीम रवनाथ मिश्रक घनम मध्वनी जिलाक सनिसव श्रमम शंकर मिश्रक जय रला शंकर मिश्र महानाज रेनव सिंदक कनिष्ठ यूग नाजा यून्साभमदवक आश्रिा ठलाला अकन वर्धन नसाधेव श्रंथम स्टेटेग अष्टि। शंकर मिश्र कवि, नाटककान, धर्मशास्त्री आ आय-वै(शयिकक) आश्याकान नरुथिा शंकर मिश्र शंथवली- १. गोनी दिगम्भन प्रदसन २. कुत्र विनाद नाटक ३. मनारवयनारव नाटक ४. नसाधेवग. दुर्गा-टीका ५. वादिविनाद १. वै(शयिक) सूग यन उपमान ६. कस्मांजलि यन आमाद ७. सधुनसधु-खाद्य टीका १०. अष्टांगादिकाद्वान ११. श्राद्ध प्रदीप १२. प्रायश्चिा प्रदीया



यशवन मिश्र

विद्यायुगिक समकालीन जयदव मिश्र, ज अयन अवाद्य गवैक कानध यशवन मिश्रक नामरतं जानल (गलाला)



मैथिलीक आदिकवि विद्यायुगि (आ गिनीश्वन यूत)

मैथिलीक आदिकवि विद्यायुगि (विद्यायुगिक वि. विदर विप्रकाला सभानसं यूनयुग यनकालाल मधुल ज्ञाना)

कवीश्वन आगिनीश्वन(लगरुग १२११-१३१०)सं यूत (कानध आगिनीश्वनक श्रद्धम हिनक चर्च अष्टि), मैथिलीक आदि कवि संयुग आ अवहठक विद्यायुगि 0कूनसं रिखा सधुवग विदी गामक वावैन कायक श्री महथ 0कूनक यूग समानाकन यनथनाक विदाया नाकम विद्यायुगि यदावलीक (आगिनीश्वनसं यूतसं) नुय-अरिनय हदुग अष्टि/आगिनीश्वन यूत विद्यायुगि:- कश्रीनक अरिनव गुय (दशम श्पाष्टीक अक आ अगानरुम श्पाष्टीक ग्रानश्र)- श्रद्ध 0कूनश्वन प्रथारिह- विरविधी 0 म विद्यायुगिक उल्लस कने अथिा श्रीवन दासक सद्रिकधर्मगु, (नवना ११ रुनवनी १२०६, मथकालीन मिथिला, वि.कू. 0कून)- श्रीवन दास विद्यायुगिक यांच टा यद उडुवा कन अथि ज विद्यायुगिक यदावलीक राया अथि।

0 जाव न माला कन यनगास

गाव न गादि मध्वकन विलासा 0 आ

0 मूहला मकूल काय मकनथ 0

आगिनीश्वन (१२११-१३१०) वरु काल- ॥अथ विद्याकन वर्धना॥ अष्टम काल- ॥अथ नाथ वर्धना॥ म उल्लसा



महानाज शिव सिंह



उगना महादव



महाकवि विद्यायुगि 0कून 1350-

1435

(मैथिलीक आदि कवि आगिनीश्वन-

मिथिला ननश विद्यायणिक
आधयदागा अङ्गनवान वंशक
महानाज भिन्न सिंहा



शंकरनन्द 1449-
1569

यानिआगरुनधा



महादद विद्यायणिक अदि०म
गीग सूक्ता लल उगना नाकन
वनि नदो हल्लाह



जगज्यागिर्मल्ल १६१३-
३१

हनगोमी विनाह नाटक, कूअ
विद्वान नाटक



खड़ी मा १८६१-
१९२१

यूर्व विद्यायणिसँ रिन्न, संयूग आ
अवहठम लखन)

महाकवि विद्यायणि ०कून 1350-1435

विद्यायणि ०कून 1350-1435 विषयवान विही-
काथय (नाजा भिन्नसिंहक दनवानी) आ संयूग आ
अवहठ लखना कीर्तिला, कीर्तियाका, यूस
यनीजा, (गानअविजय, लिखनावली आदि ग्रंथ
समा विप्ल संयाम कालजयी नवना। २२
मैथिलीक आदिकवि विद्यायणि (आगिनीधन यूर्व)सँ
रिन्न हथि।

(विपक आचान मिथिला सांयुगिक यनिवद,
कालकागा दाना काना कलाकानसँ कनवाडाल,
कलाकानक नाम ६०-१० सालसँ अहगा कानधसँ
गुय नाखल (गल अठि।)



ताँ. सन आशुगाष मूखर्जी १८६४-
१९२४

मैथिली प्रमी। कलकापा विश्वविद्यालयम
अयन कूलयणिवम मैथिली अघायन
शुनूसँ झागकाफन धनि, प्रिन्सियल आ
सवसितियनी दनु विषयक न्यम, सप्र-
१९११-१८ सँ ग्रानह कलिह।
मैथिलीक यदिल वन विश्वविद्यालयम
अघायन शुनु रला।



वर्आ मिश्र १८८१-
१९७९

मदन माहन

मालवीय १८६१-

१९४६

मैथिली प्रमी। काशी हिंदू
विश्वविद्यालयम अयन
कूलयगिणम मैथिली
अध्यायनक ग्रान्छ
कलहिन कलकामा
विश्वविद्यालयक वाद ४४
दासन विश्वविद्यालय रल
जगस मैथिलीक
अध्यायनक ग्रान्छ रला।



सुनीति क्रमान चटर्जी १८९०-
१९११

मैथिली प्रमी। वव्आ
मिश्र (वव्आजी मिश्र) सठ
शागिनीश्व कवि(शखनाचार्यक 'वर्ध
नप्राकन' क सन्थादन (१९४०)।



कवि चव्वा मा 1831-
1907

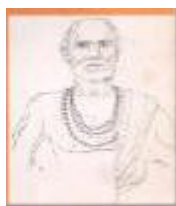
मूलनाम चव्वनाथ
मा, ग्राम- पिछान्छ, दनरंग।
कवीश्वन, कविचव्व नामसं
विरुधि। शिअर्सनक मैथिलीक
प्रसंगम मूय सवायगा

गाम कल्लखा कलकामा
विश्वविद्यालयम मैथिलीक
अध्यायनक १९११-१८ सप्रम
ग्रान्छ रलायन गन्नायगि सिंद
यदिल अंग्रजी निह मैथिली
प्राधायक आ सूई मा यदिल
संयुग निह मैथिली प्राधायक
नियुक्त रला।



अनविबु घाष १८१२-
१९१०

मैथिली प्रमी। विद्यायगि
गीगक अंग्रजीम
अनुवाद।



महाकवि लालदास 1856-
1921

दिनक जग सजैआ ग्रामम १८१६
४४। म गथा मूय १९२१ ४४। म
रलहिन । दिनक अनक नवना उपलख
दल्लग अछि, यथा नमश्चन चनिग
नामायाध, श्री भिजा, सावित्री-

गाम कल्लखा वव्आजी
मिश्र (श्रीकृष् मिश्र), शागिब
गीर्थ (कलकामा), शागिवाचार्य (वनानस)।
कलकामा वि.वि. म प्राचीन रानीय
४४। आ संयुगि विरागम हिंदू
गधिग आ शागिबक प्राधायक, सं(ग
कलकामा विश्वविद्यालयम सप्र १९११-
१८ सं मैथिलीक अध्यायनक ग्रान्छक
यदिल मैथिली विरागम सख १९४६
अनि अध्यायना सुनीति क्रमान चटर्जी
सठ शागिनीश्व कवि(शखनाचार्यक 'वर्ध
नप्राकन' क सन्थादन (१९४०)।



सन जी. अ. श्रियर्सन
१८११-१९४१

मैथिली प्रमी। 'मैथिली
ग्रामन' आ 'मैथिली
क्रान्मथी अद्य
वाकाव्लनी'।



म.म. हनप्रसाद
शास्त्री (१८१३-
१९३१)

२३ कवि १० टा वौद्ध चर्यायद
संथाक नयाल सँ १९०१ म
विल्लषध। [लुल्लयाद १, २९;
कुकुनीयाद २, २०, ४८;

कविद्वाना

कुणि- मिथिला रावा
नामायध, गीणि-सुधा, मद्भवाधी
संघद, चद्र यदावली, लक्ष्मीधन
विलास, अदिखाचरिना आऽ
विद्यायणि नविना संवृग यन्ध-
यनीजाक गद्य-यद्यमय अन्नादा



नगड्डनाथ
गुफ (१९६१-
१९८०)

विद्यायणि यद्यावलीक
संकलन आ
सम्पादन (१९१०)



सयवान, ❖ ❖ वधी चरिना, ❖
❖ विनुदावली, ❖ ❖ दुर्गा
सकशपी, ❖ गम्भक मिथिला
मादागण्य ❖ आदि । मेथिलीक
अणिनिक ङ्गी संवृग, दिधी गथा
रानसीक झगा छलाह । कविगाक
अणिनिक गद्यम सदा ङ्गी नवना कऽल
। नमधन चरिना नामायध हिनक
सरसं विभिष्ट ग्रह अछि । नाम-
कथाक उजसम सीगाक मदिमाक मद्गल्ल
दऽ मिथिला गथा मेथिलीक ग्रणि ङ्गी
अयन श्रद्धा गथा रकिरक थक कऽल
अछि ।



म. म. यनमधन मा 1856-
1924

जन्म 1856 ङ्गी. म गनेनी ग्राम
(दनदंगा) जिलाम रल छलहि गथा
निवन 1924 ङ्गी. म । संवृग
थाकनधक ङ्गी दिङ्गज विद्वान् छलाह
गथा ❖ वेयाकनध कशनी ❖ क उयाधिसं
विरूषिा छलाह । मेथिली साहित्यम
अयन कुणि ❖ मिथिलागल्ल
विमर्श ❖ गथा ❖ सीमिगिनी
आश्यायिका ❖ क कान(धे मद्गल्लयुध
सकान नखेा छथि । ङ्गी मदानाज
नमधन सिन्दक दनवानम नाज-यतिगक
यदयन अन्का वर्ष धनि स्रगिणिा
छलाह ।



विनुवयाद ३; गुञ्जनीयाद ४;
चण्डिलयाद ५; गुसक्याद ६,
२१, २३, २१, ३०, ४१, ४३,
४९; काश्याद १, ९, १०,
११, १२, १३, १९, १९, २४,
३६, ४०, ४२, ४५;
कसलासनयाद ९; उषीयाद
१४; शाक्तियाद १५, २६;
मदिधनयाद १६; वीधयाद ११;
सनहयाद २२, ३२, ३९, ३९;
शवनयाद २९, ५०;
आर्यदवयाद ३१; लनलनयाद
३३; दानिकायाद ३४; रादयाद
३५; गाउकायाद ३१;
कनवनायाद ४४; जयन्धीयाद
४६; धमयाद ४१; गीयाद
२५]



अवध विद्वानी प्रसाद शाही 1859
-1929



सर्वप्रि स्रप्रि वड्डा सा 1860-1921

मभ्रवनी जिलांगण लवाधी(नवानी) गामम
दिनकन जन्म रल्लिहिनक कुणि सर
अड्डि। 1. सुलावन-मावन चयू काद्य,
2. आयनाफिक गायर्य आचान, 3. गुरुार्थ
गण्डलाक(श्री मयरागनगरीगा आचारा
मभ्रसुदनी टीका यन) 4. आयफियक
टीका 5. अवड्डकन्न निन्किफ
विक्वन 6. सथरिचान टियध 7. सगप्रियज
टियध 8. आयफनगन विक्वन 9. सिद्धांग
लजध विक्क 10. ग्र्यफिवाद गूढार्थ
गण्डलाक 11. शक्तिवाद टियध 12. सधुन-
सधु साद्य टियध 13. अड्डेग सिद्धि चड्डिका
टियध 14. कृत्तकाशलि प्रकाश टियध।



मभ्रसुदन ठाम्सा 1866-1939



म. म. शशिनार्थ सा 1860-1930



म. म. मूलिधन सा १९०६-१९२९

जन्म- गाम- रनाम (जिला
मभ्रवनी), अयन मागूक थामसीवयम वसि
गोलाह। काशीसँ १९०६ ङ्गी. म
ङ्गी "मिथिलामाद" नामक मासिक मैथिली
यप्रिकाक प्रकाशन शुन कलहि।
द्विपायदश (अनुवाद), मैथिली आकनध,
"अईन गयथा" (उयथास) प्रकाशिंग।



मंशी नधुनदन दास 1860-1945

गाम-सखवान, जिला-मभ्रवनी। "मिथिला
नाटक" आ "दूगंद आथग"क
लखका।



मभ्रसु सा "वड्डे" 1869-1936

जन्म दिनयून वड्डे टाल ग्राम
(मभ्रवनी जिला) म 1869 ङ्गी.
म रल्ल गथा दिनक निवन
काशीम 1937 ङ्गी. म रल्लहि ।
दिनक लिखल संयुग म अन्नक
ग्रंथ अड्डि । मैथिलीम दिनक
महानुपूर्व कुणि अड्डि। मिथिला
रावामय ङ्गीहिस। अकन
अगिनिक मैथिलीम दिनक ब्रूट
निक्व सर सख प्रकाशिंग रल्ल
। मिथिलाक अगिहासिक वर्धन
सरसँ यद्विन दिनक प्रकाशिंग
रल्ल । अदि ङ्गीहिसम
मिथिलाक सर्वाम्सी यनिवय
प्रफू कअल गल अड्डि ।



जॉ. सन गंगानाथ मा 1871-1941

जन्म मधुवनी जिलाक सनिसव-याही ग्रामम 1871 ॐ. म रल्ल गथा निवन प्रयागम 1941 ॐ. म । ॐ अयना समयक संयुक्त प्रकाश विद्वान म. म. चित्रवन मिश्र, म. म. जयदव मिश्र गथा म. म. शिवकुमान शर्मासँ मीमांसा अर्न दर्शनक अध्ययन कएलहि गथा दर्शनक विरिण दूनूद ग्रंथक अछनगीम अत्रवाद कए याधाय संसानक धान आकृष्ट कएलहि । ॐ गवर्नमण्ट संयुक्त कालज वनानसम 1917 सँ 1923 धनि प्रिसियल छलाह गथा अलाहावाद विश्वविद्यालयक 1923 सँ 1932 पर्यन्त कुलयुगि नरुलाह । मैथिलीम दिनक सन्थादिग वद्या माक ॐ मरुभवादी संग्रह ॐ गथा ॐ गधनाथ-विश्वनाथ यदावली ॐ प्रकाशिग अछि । मैथिली साहित्य यनिषद् दाना प्रकाशिग दिनक ॐ वदानक दीयक ॐ (दर्शन) विषयक अपूर्व ग्रंथ अछि । अदिसँ रिन्न दिनक निर्वध सर सामयिक मैथिली यज्ञ-यज्ञिकाम प्रकाशिग अछि ।



नामचन्द्र मिश्र "चन्द्र"
1873-
1937 मैथिल प्ररा



कीर्णानन्द सिंह

जनार्दन मा जनसीदन 1872-1951



महादेश्याकनधाचार्य यं दीनवबू मा 1878-1955



रंकनाथ चौधरी 1884-1928

नासविद्वानी लालदास 1872-1940

"मिथिला दर्यध" क लखका



रुद्रनाथ मिश्र 1879-1933

मैथिली शब्दकाय "मिथिला शब्द प्रकाश" क लखका

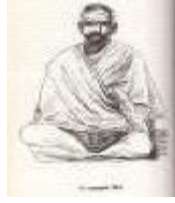


रुद्रग्रीणानन्द उप्पा 1886-1970



कयिलक्ष्ण मिश्र 1887-
1987

गाम सलमयून, थाना-
उजियानयून, जिला
समकीयून। ❖सीगादा❖❖ यूक्त
रंजानसँ प्रकाशिका।



वालकृष्ण मिश्र 1888-
1948



वलद्वन मिश्र 1890-
1975

दिनक जन्म सलनसा जिलाक
वनगाँव ग्रामम 1890 २२ी. म
अवं निधन रूनवनी, 1975म
रल्लिह । ग्रानष्ठम यं. (गनालाल
चौधरीसँ शोषिष यरि २२ी
काशीम यं. सूधाकन द्विददीजीक
भिष्य रल्लाह । वद्दा वर्ष धनि
सनस्रणी रवन (वानाधसी) म
हकलिखिण विरगम कार्य
कअल । यध्वाण् यटनाक
काशीप्रसाद जयसनाल निसर्व
संस्कानम अनक प्राचीन गिह्वी
हकलियिकं दवनानीम लियकनिा
कअला। ❖मिथिलामाद❖ प्रकाशन
अवं म.म. मूनलीधन पाक
ग्रामादहनसँ शोषिषीजी १९१०
२२ी.सँ ❖माद❖म लिखअ
लगलाह। दिनक प्रकाशिका
नवना अछि❖❖नामायध
भिजा❖, ❖वद्या मा❖,
❖संयूगि❖, ❖रानग भिजा❖,
❖गय-सय विवक❖,
❖समाज❖ आदि । यध्वाण्जी
याव् धनि यटना नहलाह
वनावनि ❖मिदिन❖म लिखेा
नहलाह ।



आचार्य नामलाचन शनध 1889
-1971

सीगामठीम जन्म आ दनरंंगम मृगु। "मैथिली
नामवनिा मानस" सदिा गुलसीदासक समरु
नवनाक मैथिलीम लखना मिथिलाजनम मैथिलीक
प्रकाशनक ग्रानष्ठ कनिद्वाना प्रकाशन



सीगानाम मा 1891-
1975

जन्म चोगमा ग्रामम १८९१
२२ी.म गथा निधन १९१७ २२ी.
म रल्लिह । संयूगम शोषिष
शास्त्रक अन्क नवनाक



गानाचनध मा 1892-
1928

संज्ञा "युष्क रञ्जन", लन्दनियासनाय, यटनाक संस्कारका

.अगिनिक मैथिलीम
दिनक अष्ट चर्चा
(महाकाव्य), सुक
सूत्रा, लाक लज्जा,
यद्भावर्चि, यूवीयन
बवदान, उनटा वसाग,
अलंकान दर्यध, रूकथ
वर्धन, काच घट-नस,
मैथिली काव्ययवन, आदि
ग्रन्थ उपलब्ध अछि । दिनक
गीताक मैथिली अनुवाद सह
उपलब्ध अछि । मिथिला मादक
संस्थादन १९२० ई.सँ १९२१
ई. धनि ई कञ्ज ।



वद्रीनाथ मा 1893-
1973

जन्म मधुवनी जिलाक सनसव
ग्रामम १८९३ ई. म रल्लि
गथा १९१४ ई. म ई काशी
लार कलिह । वद्दा दिन
धनि ई मूडइनयूनक धर्म
समाज संयुग कालक्रम साहित्यक
अध्ययक छलाह । मैथिलीक
विद्या कवि लाकनि यथा
समनरी, मधुयरी, मान्दरी आदि
दिनक शिष्य छथिह । संयुग
साहित्यम दिनक अनक नचना
अछि । जालिम नावा
यनिधय (महाकाव्य) क स्तान
विशिष्ट अछि । मैथिलीम
दिनक अवावली यनिधय
(महाकाव्य) एक नवीन कीर्तिमान
स्रष्टा कञ्जका कान
अलंकानक दृष्टाक गकवाक
द्ग अकानली
यनिधय ययीक अछि ।



जीवनाथ नाय 1893-
1964



उमश मिश्र 1895-
1967

जन्म मधुवनी जिलाक गज्जना
ग्रामम 1895 ई. म रल छलिह
। ई अकल्पनि वर्षक आयुम
१९६१ ई. म प्रयागम
सुगवासी रलाह । ई अयन
सुनाम-धय यिगा म. म. जयदव
मिश्र गथा म. म. ज. गंगनाथ
माक साम्निधम विद्यार्जन कञ्ज
१९२३ सँ १९२९ धनि मिश्रजी
अलाहावाद विश्वविद्यालयम
संयुगक प्राध्यायक छलाह ।
दन्तंगा मिथिला भाव
संस्कारक निदधक यदयन
किष्ट समय कार्य कञ्ज १९६२
सँ ६७ धनि कामधन सिंद
संयुग विश्वविद्यालयक कूलयिग
नहलाह । म. म. मूनलीधन मासँ
प्रराविग रञ्ज मिथिलामादम
ई लिखव ग्रानह कञ्जलिह गथा
अयन विविध प्रकानक नचनासँ
मैथिलीक गद्यक समूह कञ्जलिह ।
मैथिलीम दिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ
अछि कमला
(भक्तिययनक टथ्यक
रावानुवाद), नलायाथान,
मैथिली-संयुगि गथा अनक
वर्धनाप्रक अर्वा आलाचनाप्रक



वावू धनुषधानी दास 1895-1965

मैथिलीम विद्वानी कविक अन्ववाद प्रकाशिका



अमननाथ मा 1897-1955

सनिसव याहीटाल ग्रामम १८९१ ॲ. म रल । दिनक निवन यटनाम जखन ॲ. विद्वान लाक सवा आयागक अथडा छलाह, १९११ म रलह । ॲ. अलाहावाद विश्वविद्यालयक नडा वर्ष धनि कूलयोगि नहि यथा दिव् विश्वविद्यालयक सख कूलयोगिक यदक सभारिण कअलह । ॲ. अंगनजीक प्रकाध विद्वान् छलाह, गारि संग दिधी, उर्दू, रानसी, संयुग, वळला एवं मैथिलीक सख अहूग विद्वान् छलाह । मैथिलीम दिनका ज्ञाना सथादिग ६ र्वनाथ काद्य अन्नावली ६ गथा ६ गोविन्ददासक श्रुतानरञ्जन ६ महगुप्तपूर्ध अछि । अहिसँ रिन्न दिनक मैथिली साहित्य यनिषदक अथडीय राषध गथा अथ लख प्रकाशिका अछि ।

निवध; मनवाचक कुञ्जजयक सथादन, विद्यायगिक कीर्णिला, कीर्णियाका, गानड विजय आदिक अन्ववाद-सथादन सख कअल



रालालाल दास 1897-1977

दिनक जन्म दनरंगा जिलाक कसनोन म रलह । साहित्य सञ्जनाक अगिनिक अयन संगे ०१०१ उमगा गथा मैथिली साहित्यक सर्वाम्खी विकासक हगु सगा गयन नहवाक कानधै राला वावू मैथिली संसानक अक कसक नयम नहलाह । दिनक निवन १९७७ ॲ. म रल । मैथिलीक प्रवान-प्रसानम ॲ. अयन जीवन समयिा कअन छलाह । याथक्रमम मैथिलीक स्रान ह गारि हगु ॲ. वी. ३०३अलह । विद्यालय कनक यथीक निर्माध कअल । मैथिली साहित्य यनिषदक ॲ. संसायक मधुलक सदय छलाह । १९३१ सँ १९४० ॲ. यर्यक उक्तन प्रवान मन्त्री नहलाह । दिनक मनिम्वकालम ६ रानगी नामक मासिक यक प्रकाशन रल । अहिसँ पूर्व (१९२९-३१) कुण्डन क्रमनजीक संग संयुक्त सथादनम ६ मिथिला नामक यद चलाअल । ॲ. नवीन एवं प्रगिभील विवानक लाक छलाह । ननव लखकवँ प्राप्ताहिन कनव, शेलीम अकनूयागा आनव, नव प्रकाशनसँ मैथिलीक साहित्य रंजानक युधि कनव दिनक कर्णय वनि गल छल । दिनक लिखल ६ मैथिली आकानध ६ गथा दिनकाहि ज्ञाना सथादिग ६ गद्यक्रममांजलि वहा दिन धनि विद्यालयम यडाअल आहूग नहल । दिनक लिखल



कूमान गंगानध सिंह 1898-1971

जन्म वनेली नाजयनिवानम 24-9-1898, मृत्यु:- श्रीनगन घुर्धिया 17-1-1970। रूपायुक्त भिजामंकी, विद्वान एवं कुलपति, कामधन सिंह दनरंगा संयुक्त विश्वविद्यालय। नवना अंगलही (अपूर्व उद्योग) तथा अन्य कथा एवं अर्काकी। युगक अनुनय सामाजिक कृतीणि आदिक आनन वना अ सखनवादी दृष्टि कथा सरहिक नवना।



ब्रजमादन ओज्हा 1899-1977



गुवनधन प्रसाद 1902-

दनरंगा जिलाक वनेली गाम, निवास नायसाद्व यखनि लखनियासनाया सनद्वी कूल लखनियासनायम १९३०-१९६४ स्त्री. धनि अशायना मेथिलीम "वाल नामायध प्रकाशिता।



जयनानायध मा 'त्रिनीग' 1902-1991



ननध नाथ दास विशालकान १९०४-१९९३



सखकन मा "शास्त्री" 1904-1974



दामादन लाल दास विशानद 1904-1981



वव्आजी मा 'अह्हाग' 1904-1996

२००१- वव्आजी मा अह्हाग (ग्रोह्हा)



श्रीकृष्ण मा दाटी 1905-1940

याधुव, महाकाव्य)लल साहित्य
अकादमी युनयान



नमानाथ मा 1906-
1971

जन्म दनरंगा जिलाक उजान
(भर्मयून) ग्रामम 1906 छी. म
अवं दिनक निवन दनरंगाम
१९११ छी. म रलहि
। 1930 छी. म अठनजीम अम.
अ. कअलाक वाद छी काक वर्ष
अनि मअयून उच्च विद्यालयक
प्रधानाध्यक छलाह, गकना वाद
दनरंगा-नाज-लाहुरनीक
यूककालयाध्यक नूयम 1936 सँ
अन्तिम समय अनि नहलाह
। 1952 सँ 62 वखवानी मिथिला
कॉलेजम प्रा. मा अठनजीक
प्राध्यायक नूयँ काजका यक्ष्ण् ठाही
कॉलेजम मेथिली विरगगाध्यक
वनाडाल (गलाह । 1965 म
नमानाथ वावू साहित्य अकादमीक
मेथिलीक प्रोनिधि निर्वाकिा
रलाह जाहि यद यन ठा
जीवनक अक समय गक नहलाह
।

दिनक नवनाक उग्र वहा आयक
छल । दिनक अनुसंधानाग्रक
निर्वाक दू गोट
संग्रह निवन्ममाला गथा प्रबंध
संग्रह प्रकाशिण अछि ।
संकलिण सन्धादिण यूकक
सरम मेथिली यद्य-संग्रह,
मेथिली गद्य-संग्रह,
ग्रवीन गीण, कथा
काव्य, नवीन गीण,
कविता क्रसम, कथा
संग्रह आदि अछि
। कथासनिमागनक आधान
यन प्राङ्गल गद्य (बेलीम
दिनक उदयन-
कथा गथा वनत्रुचि-कथा वष
आणि यडालक ।
आकनधक मिथिला राया



नाम ललवाल सिंह
नाकण (१९१२-
१९९४)

जन्म १४ शलाह
१९१२, मृगू २१
नवम्बन
१९९४, दिनकन
मेथिली
लाकगीण (संग्रह आ
सन्धादन) अकरा
लज्जुनी याथी वनि
(गल अछि।



काशीकान्त मिश्र "मधुय"
1906-1987

१९१०- काशीकान्त मिश्र मधुय
(नात्रा विनद, महाकाव्य) यन
साहित्य अकादमी युनयान ग्राम
मेथिलीक प्रथम कवि आ मेथिलीक
प्रवान-प्रसानक समर्पिण
कार्यवर्गी संवान कविगारसँ
ब्राकि गीणक आद्वान कअलनि ।
प्रकृति प्रमक विलज्जध कवि
। घसल अठनी कविाक लल
कथ आ भिन्ध-संवेदना दू रू कन
यन वनम लाकप्रियाण रटलनि।

प्रकाश,

अलङ्कारप्रवण आदि अनेक
शुद्ध प्रकाशिका अछि । मिथिली
साहित्य यद्यपि ऐतिहासिक यत्रिकाक
संयादका



लक्ष्मीनाथ (गोसाळी) 1793-
1872



मही दास

धनरुना काठी वनमनसो असली
नाम नामानुशुद्धलाल
दास आश्रम मायामरुद्धा, कृत्याघाट, रागलयन



वचन रगा, सां 1928-
1991



अरिनाम दास

मिथिलाक प्रसिद्ध रागवा
वाचका



सुद्धलगा 1909-
1993

गाम- उनाडी, समस्तीपुरा यूथी
नाम- कयिलदत्त ठाकुर "सुद्धलगा"।
नामाश्रयी नसिक समग्रदायक
संग। दिनकान नचिा वेदही
निवाह संकीर्ण, विनय
यदावली, शिवदाधी, चावनी, मूला-
संकीर्ण, सीगावानध प्रवचकाथ
आ सुद्धलगा- दाहावली-कविप
आदि मिथिलाक मडिला वर्ग आ
संकीर्णकान लाकनिक कंठम
यनिद्याय अछि आ लाकर्मगलक
अनुष्ठानम बायक नूयँ अवरुद्धा
अछि। दिनक "वेदही
निवाह" मिथिलाक कीर्णिया नाद्य
यनन्यनाकँ लाकनचिक अनुष्ठाल
वनोन अछि।



सुगंधा सनानी
सु. नामरुल मधुल



सूदन मा "शास्त्री"

1930-1998

अनकपुन, नयाल, युवानकाक
अलक दुर्लभ रूपा नयाल प्रह्ला
प्रगिष्ठानक मानद सदस्या- न्
सूदन मा शास्त्री।



कांशीनाथ मा "किनध"

1906-1988

अन्न कान-धर्मपुन, लारुना
नाउ, दनरंगा विहान । मैथिली
राषा आंदोलनम मरुद्रयुद्ध
रूमिका। ❖यनाशन❖ मरुद्रकाद्य
लल साहित्य अकादमी आ❖कथा
किनध❖ लल वैदही पुनवानसँ
सम्मानि । प्रकाशित कृति:
चंद्रशेखर (उपन्यास), वीन-प्रसून
(वालकाथा), जय जन्मरूमि
(अकांकी), विज्ञा
विद्यायणि (नाटक), कथा-किनध
(कथा-संग्रह), किनध-
कविगावली, काक दिनक
वाद (कविगा-संग्रह), यनाशन
(मरुद्रकाद्य) आ किनध-निबंधवली
(निबंध-संग्रह)
आदि। १९८९- कांशीनाथ
मा ❖किनध❖
(यनाशन, मरुद्रकाद्य)पुन मैथिली म
साहित्य अकादमी पुनवानसँ
सम्मानि।



श्यामानन्द मा 1906-

1949



मैथिलीमे रामका

नमाकांग मा, नयाल 1907-

1971



श्रीशनाथ मा 1907-

1965

वह्मस्त्री प्रगिराक कवि ।
प्राचीन आ नवीन यद्धनिक
काद्य-नवनाक विलक्षण संग्रह
दिनकन कविगाम रूटो अछि
। दलिा वर्ग, शाषक
समस्या, स्रदश प्रमक यथार्थवादी
नवनाक संग संग चिकित्ठ



गुवनश्वन सिंह 'गुवन'

1907-1944

अपुन खादीक वह्मस्त्री
प्रगिराक कवि । प्राचीन आ
नवीन शैलिक कविगाक नवना
विपुल संग्राम कलनि
। ❖गुवन खानी❖ कविगा
संकलन प्रकाशनसँ मैथिली आउ
आ नव खानाक शंख रूकलनि।



द्विनाहन मा 1908-1984

द्विनाहन मैथिली कृषि १९३३
 म कथादान (उपन्यास), १९४३
 म "द्विनागमन" (उपन्यास), १९४१
 म प्रथम दवा (कथा-संग्रह), १९४६
 म नंगलाल (कथा-संग्रह), १९६०
 म चर्वनी (कथा-संग्रह) आऽ १९४८ स्त्री. म खडन कताक गर्नग (बोध) अष्टि। मृगयनांग १९८१म (जीवन यात्रा, आग्रकथा)यन मैथिलीक साहित्य अकादमी यूनाननर्स सम्मानि।

कथनाक अनक विशिष्ट कविता
 मैथिलीम लिखलनि ।



कालीकान्त मा 1909-

मूल गाम
 टंगा (द्विनियन), मन्वनी। रून
 मापुक वनदवडा, या.
 उनलाहा, राया-
 मदनयन, जिला-युधिष्याम वसि
 (गलाहा) सगघना
 (मन्वनी), मदनयन आ काशीम
 याधिनी छाकनधक
 अथायना "द्वनमान चनिा"क
 लखका



गंप्रनाथ मा 1909-1984

जन्म १९०९ स्त्री म दनरंगा
 जिलाक धर्मयन ग्रामम रल्लि मृग
 ४-ग-८४, वडवनी मिथिला
 कॉलजम अर्थशास्त्रक प्राध्यापक
 छलाह । अवकाश ग्रन्थ क
 काथ साधनाम लागल नदलाह ।
 महाकाथ, मूकक, अकाकी सर
 विभम स्त्री सिद्ध रूप छलाह ।
 द्विनक कीचक वध महाकाथ
 अछनजीक ब्रेड रर्स
 (अभिप्राजन छत्र) म लिखल
 अछि । मैथिलीम सेनट एवं
 ब्रेड रर्सक स्त्री प्रथम प्रयाका
 थिकाह । संयुग यनन्यनाम काथ
 नवना कनिाई याधाय (शैलीक
 नवीना) द्विनका नवनाम रल ।
 द्विनक कीचक वध अ मृग
 चनिा महाकाथ मडल-
 यथाशिका एवं नमया मैथिली
 साहित्यम अयन विशिष्ट स्तान
 नखेछ । गवन अगिनिक मूकक
 काथम विषय वक्तु छायाका एवं
 शिष्य शैलिक प्रवृत्ता अवे अछि
 । एक दिन यदि प्राचीन टंगक
 स्त्रीधन वडनाक नवना कल्लि ग
 दासन दिस सेनट
 (वगुदभयदी) वेलउ आदि
 लिखवाम युध सल्लगा प्राय
 कल्लि । मृग
 चनिा महाकाथ यन
 द्विनका 1979 स्त्री क साहित्यक
 अकादमी यूनानन रटल्लि
 । 1980 स्त्री. म द्विनका
 अरिन्दन शक्तसमर्पिा कल्ल
 गल्लि ।



जीवनाथ मा 1910-
1977



सुनद्ध मा 'सुमन' 1910-
2002

जन्म: ग्राम : कसीयुन, जिला-समस्तीपुर ।
प्रकाशिता कृति: प्रीतिपदा, अर्चना, साठान-
रादर, अंकावली, अरुनीद, ययस्त्रिनी, उफना
आदि गीतसँ अश्विक मौलिक कविता-
युक्त; युनस-यनीजा, अन्गीगाँजलि, शृंग
शृंगान तथा वर्धनभावकन, यानिजाग-
रुनध, कृष्णजन्म, आनन्द-विजय आदि
कवितीय श्रद्धक अनुवाद-संयादन;
◆मैथिली काव्य यन संयुक्त
प्रदान◆ नामक समीक्षा-
ग्रंथा ◆ययस्त्रिनी◆ लल १९११ म साहित्य
अकादमी युनयान तथा ◆उफना◆ यन
१९१८ म मैथिली अकादमीक विद्यायति
युनयान प्राप्त । मैथिलीक प्रथम दैनिक
यप ◆स्रदश◆क लघुग्रंथ
संयादका १९९७- सुनद्ध मा ◆सुमन◆
(नवीन्द्र नाटकावली- नवीन्द्रनाथ
टै(गान, वांझा)लल साहित्य अकादमी
मैथिली अनुवाद युनयाना २०००
ल्लि.- यं. सुनद्ध
मा ◆सुमन◆, दनरंगा; यात्री-वना
युनयान।



यं. नामचन्द्र मा 1910-

ग्राम पत्रेनी। काशी मिथिला
श्रद्धमालाक संयादका



'नागार्जुन' वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'
1911-1998

जन्म अयन मामाग्राम सगलखाम रल्लि, ऊ
रुनकन ग्राम पत्रेनीक समीयस्त्रि अष्टि, जिला-
दरना । मूल नाम: वैद्यनाथ मिश्र । हिंदीम
नागार्जुन नाम प्रयाग । प्रकाशिता कृति:
चित्रा, यपदीन नम्र गच्छ (मैथिली कविता-
संयद); याना, कलचनमा, नवगुनिया (मैथिली
उपयास); युनयाना, सगन(ग) यंखवाली, यासी
यथनाल्लि आंखं, खिचडी विप्लव दरना रमन, गुमन



आनसीप्रसाद सिंह 1911-
1996

जन्म: ग्राम-अनोप, जिला-समस्तीपुर ।
प्रकाशिता कृति: माटिक दीय, युजाक
रूल, सूर्यमुखी (कविता-संयद), मधुदूत
(अनुवाद), आनसी, नरदस, संजीवनी (हिंदी
काव्य संयद)। ◆सूर्यमुखी◆ लल १९८४ म
साहित्य अकादमी युनयान प्राप्त ।



गुनु जयदत्त मिश्र 1911-
1991 शिष्ट गंगानाथ मा

कला था, हजान हजान वाहल वाली, यूनानी
 द्रुगिया का कानस, नन्नगरी, उस री ह्म का !
 उस री गुम का ! (हिंदी कविता-
 संग्रह); नगिनाथ की चाची, कलचनमा, नन्दी
 योध, वावा वटसननाथ, वन्ध क
 वट, दूखमाचन, वृक्षीयाक, अरिनहन, उभगाना, ॐ
 मनगिया (हिंदी उयथास); आसमान में चहा गेन
 (कहानी संग्रह); रन्गाकून (हिंदी सध
 काद्य); अन्नहीनम् क्रियाहीनम् (निवध-
 संग्रह); गीग (गोविध; मधद्रा; विद्यायगि क
 गीग, विद्यायगि की कहानियां (अनुवाद)
 । ॐयहीन नन्न गाछ ॐल १९६६ म साहित्य
 अकादमी यूनान प्राक । यायावनी जीवन ।
 मैथिली प्रगिनिधक नूयम नूस यमध । नागार्जन
 (स. श्री वेद्यनाथ मिश्र ॐयापी ॐ), हिंदी आ
 मैथिली कवि, १९९४ ॐ.म साहित्य अकादमीक
 ॐल (राना दधक सर्वोच्च साहित्यक यूनान)।



यथाधन मा

मिथिला वेत्त, दर्शन मैथिली
 याथियन 1966 म यल्ल साहित्य
 अकादमी यूनान मैथिली लल
 प्राक।



वेद्यनाथ मल्लिक 'विध'

1912-1987

१९१६- वेद्यनाथ मल्लिक ॐविध ॐ
 (सीगायन, महाकाद्य) लल
 मैथिलीक साहित्य अकादमी
 यूनान।



रीम मा 1912-

युधिषा जिलाक मदनयून
 गामका जन्म ७ नवम्बन १९१२
 ॐ.। वनेलीक श्री थामानध
 सिन्दक अधजगाम ॐनानायध
 संकीर्ण महामधली ॐक
 म्हायना।



नाथानाथ दास १९१२-



उयध्ठ ॐकून 'मोहन' 1913-

1980

जन्म १९१३ ॐ. म दनरंगा जिलाक चानिया
 ग्रामम रल्लि । मृग २४-७-१९६० । संयुग
 भिजाम साहित्याचार्य आ वजेदा नाजक विद्वान्-
 यनीजार्स ॐसाहित्य-नम ॐक उयाधिसं विरूषा
 रल्लाह । दैनिक आर्यावर्षम आदिअदिसं, यध्ठान्
 १९६० सँ मिथिला मिहिनक उय-सन्धादक अर्ध
 सह-सन्धादक नूयं कार्य कनेन १९११ म सवा



जयनाथ मिश्र 1913-

1985

निवृत्त रत्नाह । माहिनगी कनीव यवास वर्ष साह्य साधनाम लागल नहलाह । विज्ञानह, कृजनंजन, सुदर्शन, युधुनीक, शास्त्री, वामन आदि कृष्ण नामसँ यद्द-यधिकाम विविध विषययन दिनक लख सर प्रकाशित रल अछि । माहिन जीक वाञ्छि ३०ल मूनलीम १०१ (गाट कविगाक संकलन अछि जाहिम दिनक सुदीर्घ काद्य-आनाधनाक विरिण विचानधनाक आ विरिण अनूष्णिक सामग्री उपलब्ध अछि । अहि युष्कयन माहिन जीक १९१८ म साह्य अकादम युनयान रटलहि । अहिसँ वद्दा युर्न दिनक झूलजाली नामक कविगा संग्रह सह प्रकाशित रल छल ।



श्रीकांग ओज्हा "विद्यालंकान"



यश्वन्तराज माहदानह मा १९१४-१९९८

लख (श्री) यश्वन्तराज माहदानह यश्वन्तराज माहदानह मा, शिवनगन, अननया, युधिष्या। यिगा-श्री रिखिया मा। गुनु-यश्वन्तराज रिखिया मा। युधिष्या जिलाक वनेली लगत शिवनगन गामका जन्म २२ सिप्टेम्बर १९१४ छी। सोनाम अयन मोसा न्न लुटनसा सँ यश्वन्तराज अग्रयन। १९४८-१९५१ छी। धनि दनरंगम न्हि आचार्य नमानाथ साके योञ्जि यडुडालनि शास्त्रार्थ यनीजा-दनरंग। महानाज कुमान जीवधन सिंहक यहायवीग संघानक अवसन यन महानाजाधिनार(दनरंग) कामधन सिंह ब्राना आयोजित यनीजा-१९३७ छी, जाहिम मेखिक यनीजाक मूय यनीजाक म.म. उँ. सन गंगानाथ मा छलाह।



आनह मा १९१४-१९८८



राजू दासगुप्ता, निदधक मिथि ला श्रुजियम, निगारा



माँगनि खवास १९०८-१९४३ संगीगरू



नामाश्रय मा 'नामनंग' अरिन्द रागरख(शु) १९२८-२००९

यवगच्छियाम जन्म आ अन्ध
वत्सम मृग्यु यवगच्छियाक
नायवहादून लक्ष्मीनानायध सिन्दक
भिया

जन्म ११ अगस्त १९२८ स्त्री. गदनुसानरद्व
कुन्नुयउ अकादशी गिथिकै मन्वत्नी जिलान्गण
खडना नामक गामम रलशि. अरिनव
गीगांजलि, दूनकन उन्नकारिक भाष नवना
अछि। मिथिलावासी श्री नामनंग नाग
गानगुक्ति, नाग वैदही रेनव, आऽ नाग विशायगि
कल्याध वन नवना सख कउन छथि आऽ मैथिली
रायाम दिनकन खयाल नंजयगि छणि
नाग कन अन्नय अछि।



नामवगुन मल्लिक ध्रुयद संगीग 19
05-1990



अरुयनानायध मल्लिक



कृमान गानानथ सिंद, संगीगरू



संगीगाचार्य नायवहादून लक्ष्मीना
नायध सिंद



यतिग यनमानथ चौधनी, संगीगरू



रुदयनानायध मा



संगीग राघुन नाजकृमान थामान
इ सिंद १९१६-१९९४



गुन्दन कामग
शास्त्रीय संगीग



मिथिलश कृमान मा, गवला दादन



ना(ग)श्वरन लाल कर्मा, गवला नायक



वावू सारब चौधरी 1916-1998

दररंगा जिलाक इलानपुन गामका
१९४३ इ. म जीविकार्थ कलकाम
अ.ला. नरम कजाम सनाथ
आद्यालनम वासि क. शिजाक इतिथी।
कलकाम स्यानीग मेथिल संघम प्रवशा
कलकाम मेथिली आर्ट प्रस.
९/१, खिलाग घास लन, कलकाम-
१००००६ सँ मेथिली-मिथिला आद्यालनम
सक्रिया कृत्स आ वाधक दूटा
नाटक १९११-१९ धनि मिथिला
दर्शन आ मेथिली दर्शन मेथिली
मासिकक सथादन।



लक्ष्मि (लखन) मा 1916-2000

मिथिला नाथ अरियाणी।



शुद्धरन मा 'उग्रल'
1916-

गोत्रा जिलाक अलखदफ-
महनपुनक निवासी। जन्म १६
अक्टूबर १९१६ इ.।



नामचनिप्र या(धु)य "अध" १९११-
२०१०



लक्ष्मीनाथ मा मिथिला चिप्रकला 19
17-1990



उयदु नाथ मा 'ध्यास'
1917-2002

उन्न स्यान-दनिपुन
ककशीराल, मन्त्रवनी, विद्वान ।



मनमाहन मा 1918-
2009

उन्न
सनिस्वम, अशुकध, वीनराथा, मिथिलाक



ब्रजकि(भान) दर्मा 'मधियम'
1918-1986

उन्न स्यान-वदंगा, दररंगा विद्वान ।
१९१३- ब्रजकि(भान) दर्मा मधियम

१९६६- उयङ्गनाथ मा ✨यास ✨
(दू. यप, उयथास) लल साहित्य
अकादमी यूनयानसँ सम्मानिा ।
साहित्य अकादमीक अनुवाद
यूनयान ग्रन्थ । प्रकाशिा कृति:
कृमान, दू यप
(उयथास), निठवना, रजना
रजल (कथा-संग्रह), यान
संघासी, य्रीक
(काद्य), महात्माना (यहिल दू
यर्न) आदि।



यं. सहदत मा १९१९-

"मिथिला की धनाहन" यथे
प्रकाशिा।



चड्ड रानुसिंह १९२२-

२००४- चड्डरानु
सिंह (शक्रकला, महाकाद्य)लल
साहित्य अकादमी यूनयाना

निशायूनमा २००६- स्र.मनमाहन
मा (गंगायू, कथासंग्रह)यन मृशयनांग
साहित्य अकादमी यूनयाना



वृद्धिधानी सिंह नमाकन १९१९-
१९९१

जन्म मभ्रवनीम १९१९ बी. म रल । अयन
यिा स्र. उमधानी सिंहरँ विरिण विषयक
शिजा ग्रहध कलहि । बी नामकृप
कॉलज, मभ्रवनीक मैथिली विरागाधज कलार
। उाहरँ अवकाश ग्रन्थ कलहि । वाय्या-
वम्हदिसँ बी कविकार्यम लागल नहलार
अछि । संयुग गथा मैथिली इनू रायाम
हिनक नवना प्रकाशिा अछि ।
यथा ✨मैथिलीम ✨प्रयास ✨ (कथा-संग्रह),
✨मभ्रमी ✨, ✨अमनवायु ✨ (कविा-
संग्रह), ✨अनशया ✨ (सँठ-काद्य) ✨सृति
साहस्री ✨ (महाकाद्य) आदि ।



सुधांशु (शखन चौधनी १९२२-
१९९०

जन्म दनरंगाक मिश्ररालाम १९२२ बी. म
रलहि गथा मृप १९९० बी. म रलहि ।
किछु दिन विरिण जीविकाम नहि यक्षा
साहित्यकानक जीवन ग्रान्ह कल । किछु
दिन ✨वेददी ✨क सभ्यादन श्री समनजी

(नेका वनिजाना, उयथास) लल साहित्य
अकादमी यूनयानसँ सम्मानिा ।
उयथासकान, कथाकान आ कवि ।
प्रकाशिा कृति:
कावागल, कनकी, अइनानीधन, लानिक
विजय, नेका-वनिजाना, लवहनि-
कृशहनि, नाय नधयाल, आदिम गुलाम
आदि उयथास आ वओहान (नाटक)
आदि।



आद्याचनध मा १९२०-



जयकान्क

मिश्र (१९२२-
२००६)

मैथिली साहित्यक
अकरा वओ येष

अवं श्री कुषुक्कान् मिथुञ्जिक संग कञ्ज
गणधाम् 1960 व्ही. सँ 1982 व्ही. धनि
यटनाम ॥ मिथिला मिहिन ॥ क सरुल
सम्यादन कञ्ज । हिनक दू (गोट
नायवृगि- ॥ ररुल्लण वाहक
जिनगी ॥ लटाव्ण औवन ॥ गथा ॥ यरुल्ल
सॉम ॥ हिनक नाटकक नीक बावहानिक
अन्वक यनिवायक अछि । छद्मनामसँ
हिनक दू (गोट उयवास मिहिन ॥ म
प्रकाशिन रल अछि । हिनक उयवास व्ही
वादा संसान ॥ ज मैथिली अकादमी द्वारा
प्रकाशिन रल आ जाहि यन 1980 क
साहित्य अकादमीक यूनकान दल (गल ।

विद्वान् जँ. जयकांग
मिथ्र सन् १६८२ म
व्हीलाहावाद
विश्वविद्यालयक
अंग्रेजी आ
आधुनिक यूनियियन
राषा विरागक
ग्ररुसन आ हउ
यद सँ सतानिवृफ
रल छलाह। गकना
वाद आ चिप्रकूर
ग्रामादय
विश्वविद्यालयम राषा
आ समाज
विज्ञानक तीन न्युम
कार्य कञ्जलि। स्र.
मिथ्र अखिल
राजनीय मैथिली
साहित्य समिति,
व्हीलाहावादक
अधुज, गंगानाथ
निसर्च व्हीरीयूर,
व्हीलाहावादक
अद्वैतिक सचिव
आ सम्यादक, हिन्दी
साहित्य सम्मलन,
प्रयागक प्रवृ
विरागक संयाजक
आ साहित्य
अकादमी, नव्ही
दिल्लीक मैथिली
ग्रगिनिधि आ राषा
सम्यादक नदल
छलाह। मैथिली

साहित्यक इतिहास,
रुक लिटनवन रु
मिथिला, कीर्गनिया
ग्रामा सरक
क्रिटिकल
उडीशन, लक्वर्स रुन
थॉमस हार्डी, लक्वर्स
रुन रुन याउस आ
द कॉम्प्लेक्स स्ट्रुल
रुन उंगलिष
याउडी दिनक
लिखिग किट्टु ग्रंथ
अट्टि। दिनकन
दृरुग मेथिली शव्व
काष माप्र दू खध
प्रकाशिग रुउ
सकल, जाहिम
दवनागनीक संग
मिथिलाउन आ
रुनरुिक अंग्रेजीम
सहा मेथिली शव्वक
नाम नरुग ३
रुनवनी २००६ क
साग वज साँमम
दिनकन निधन रुs
गलहि।



उयड्ड ओकून
१६२६-१६६१



गोनिध मा 1923-



यागानध मा 1923-1986

History of
Mithila,
Madhubani
Painting,
Studies in
Jainism and
Buddhism in
Mithila आदि
याथी प्रकाशिका

अग्रगण्य- संस्कृत, सनिसव
याही, मधुवनी, विहान । सिद्ध
कथकान, उय्यासकान, नाटककान, राया
वेज्ञानिक आ अनुवादका साहित्य
अकादमी यूनकान, साहित्य अकादमी
अनुवाद यूनकानसँ सम्मानिना विहान
सनकानसँ कामिल वृद्ध
यूनकान, धियर्सन यूनकान आदिसँ
सम्मानिना । प्रकाशिका कृति:
उय्यास, नाटक, कथा, कविता, राया
विहान आदि विरिन्न विषय अंगीस
टा याथी प्रकाशिका । प्रकाशन: सामाक
योपी, नयाली साहित्यक संगिहस
(अनु) आदि । १९९३- (गोविद्ध
मा (सामाक योपी, कथा) युक्त लल
साहित्य अकादमी यूनकानसँ सम्मानिना
। १९९३- (गोविद्ध मा (नयाली साहित्यक
संगिहस- क्रमान प्रदान, अंग्रेजी) लल
साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद
यूनकाना प्रवाच सम्मान २००६ सँ
सम्मानिना । विदह सथादनक
समानानन साहित्य अकादमी रूला
यूनकान २०१० (समग्र यागदान लल)

दिनक उग्र मधुवनी जिलाक कांठलस
ग्रामम १९२३ ई. म रूलिहि ।
मृग १९८६ म रूलिनि । अंग्रेजीम अम.
७. कलाक यक्षा ई किद्ध दिन
चद्वधनी मिथिला कालकम प्राध्यायक
नरूलाह । विहान प्रशासनिक
सवाम १९८१ धनि विरिन्न यदन कार्य
कल । गयधामैथिली अकादमीक
निदधक ८४ धनि । यागानह माजी
मैथिली साहित्यम अयन
उय्यास रूलमानस अर्क यकिदाक
हगु याग कथि । दिनक
नाटक मुनिक मगिप्रम अर्क कथा
संग्रह उउंग कधी यथय प्रगिहा
प्राय कल अकि । अकन अंगिनिक
ई महाग्रा गाविक आग्रकथक अनुवाद
अर्क आमक जलखनी नामक अक
कथा संग्रहक सथादन संद कल कथि
।



नामकृष्ण मा 'किस्नु'
१९२३-१९७०

आधुनिक धानक विभिष्ट
कवि, कथकान, चिन्क ।
प्रकाशिका कृति: आग्रनयद
(कविता संग्रह), मैथिली
नक्कविता (सथादन)।



उमानाथ मा १९२३-
२००९

जन्म:-०१-०१-१९२३, मृग ०७-
१२-२००९ मरुनेल, रूधुवनी
। रूगपूर्व अठनजी विरगगाधक
अर्क प्रगि-कालयगि मिथिला
विश्वविद्यालय, दनरंगा ।
नवना:-नखाकि, अंगीग (कथा
संग्रह); मैथिली नवीन
साहित्य, संदध धनुष, विद्यायगि
गीगभगी
(सथादन)। १९९१- उमानाथ
मा (अंगीग, कथा) यन मैथिलीक
साहित्य अकादमी यूनकानसँ
सम्मानिना।



जगदशकन दास १९२३-
२००६



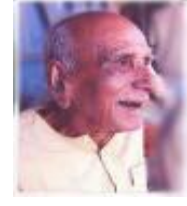
प्रवाह नानायध सिंह 1924-2005

हिन्दी, संस्कृत, मैथिली, याली एवं रानसीक विद्वान्। मिथिला, मैथिल एवं मैथिलीक छ्ती अनन्य रक्त छथि। कलकत्ता नहि मिथिला दर्शन, मैथिली कविता, मैथिली नंगमंच आदि यक्षिकाक प्रकाशनक माध्यमसँ श्री प्रवाहजी मैथिलीक ज्ञ सत्ता कञ्ज अछि। गहन वर्धन (था)म सङ्ग्रह नहि। अन्क वङ्गला कृषिक छ्ती अनन्नाद सत्ता कञ्ज अछि। हिन्दीम सत्ता दिनक कविता संग्रह प्रकाशित अछि। कलकत्ता विश्वविद्यालयम हिन्दीक पूर्व अध्यक्ष। २००२- जे. प्रवाह नानायध सिंह (यगम)क सन- कर्णुल उन हेदन, उर्दू लल साहित्य अकादमी मैथिली अनन्नाद प्रनम्नान।



मदनम्वन मिश्र 1924-2004

"एक छलौह मखानानी" प्रकाशित।



अमाघ नानायध मा "अमाघ" 1924-



मूनलीधन सिंह, ब्रजभाहन ठाकूर, शुरुकन मा, मदनम्वन मिश्र 1924-2004, ललित नानायध मिश्र, द वनाथ नाय



मगिनाथ मिश्र मर्गंग 1924-



आनन्ध मिश्र 1924-2007



**डॉ. जयमन्म मिश्र १९२१-
२०१०**

जन्म ११-१०-१९२१ मृग ०१-०९-
२०१०, गाम-ढंगा-द्वितीय-मजदरी।

१९९१- जयमन्म मिश्र (कविता
कृत्यांजलि, यत्र) लल साहित्य अकादमी
युनियन-मैथिली।



शुरंजन मा १९२६-

चन्द्रनाथ मिश्र अमन १९२५-

जन्म: खाजयून, मधुवनी । बनिष्ठ
कवि, कथकान-उपस्थासकान । द्वाय-
बन्धक कविताम वज्र। मैथिलीक लल
समर्पण शक्ति। यांच दर्शनसं वरी
कथा आ विदागनी, वीनकथा (उपस्थास)
जल समाधि (कथा संधर) प्रकाशित
। १९९३- चन्द्रनाथ मिश्र अमन
(मैथिली यकानिगाक श्रिष्टास) लल
साहित्य अकादमी युनियनसँ सम्मानिगा
अम. अल. अकउमी, ललनिनियासनायसं
भिजकक न्युम अक्काश ब्राका आशा
दिशा, गुदगुदी, युगवक, उनटा याल
आदि कविता संधर प्रकाशित।
१९९९- चन्द्रनाथ मिश्र अमन
(यनशुनामक वीठल वनायल
कथा- नाज(खसन वस्, वांशा) लल साहित्य
अकादमी मैथिली अनुवाद युनियन।
चन्द्रनाथ मिश्र अमन २०१० म मैथिली
साहित्य लल साहित्य अकादमीक
रत्न (रचना दशक सर्वोच्च साहित्यक
युनियन)।



**दीनानाथ यादव 'वधू'
१९२८-१९६२**

**मूकनाथ मा (१९२६-
२००९)**



**अनंग विहारी लाल दास "बूँडू"
१९२८-२०१०**

२००१- अनन्क विहारी लाल दास (बूँडू)
(युद्ध आ यद्वा-अन्म सिंद गिनि, नयाली)लल
साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद युनियन।



**कृष्णाक मिश्र १९२८-
२०००**



जगदानन्द मा १९२८-



दूर्गानाथ मा "श्रीश"

द्विनकन जन्म मधुवनी जिलाक
विहा गामम १९२९, श्री. म
रत्नाश्रि। द्वित्री आ मैथिलीम



नाजकमल चौधरी 1929-
1967

महिषी, सदनसा। नवना:- आदि
कथा, आश्चलन, याथन
दूल (उयथास), सनगंधा (कविता
संग्रह), ललका याग (कथा
संग्रह), कथा यनाग (कथा संग्रह
सम्पादन)। दिष्टीम अन्क
उयथास, कविताक
नवना, चैनन्नी (वडला उयथासक दिष्टी
नूयान्कन) अथन्क प्रसिद्ध।



भेलबु माहन सा 1929-
1994

१९६२- भेलबु माहन सा (भनगवड
थक्ति आ कलाकान-सुवाधवड



निधनाथ मा "निषयायी"
1929-2005

"नाम सुयल सागन" (मैथिली
नामायध) १९६० ङ्गी. म प्रकाशिता
२१ जनवनी २००१ कँ मृया



विजयनाथ ओज्हा 1929-
2008

अम. उ. आ वी. उ. कलाक
वाद किद्ध दिन बूलम
अथायन, रून मिद्धा
कॉलज, लहनियासनायम मैथिली
आ दिष्टी विरागक अथडा
मैथिली रायाम यद्विल
पी. उ. जी। "श्रीश" जीक
मैथिलीम प्रकाशिता नवना अङ्कि-
"मैथिली साहित्यक ङ्गिहस",
"युवन रानी" (सम्पादन),
"महामाय उा मन्" (कविता),
"नाय कथा सान" (सम्पादन),
"युनयार्थ" (यद्य नाटक) आ
अन्क कविता, अकांकी आ
आलाचनायक निवध



जयभानी सिंह 1929-
2007

समीडक, कवि । प्रकाशन:
वेड्डगानम गापिक सिद्धां, समीडा
शाफ्रा अदि । नामकुत्र
कॉलज, मधुवनीमे मैथिली
विरागक युव अथडा ।



नमशबु दर्मा 1930-

सन, अं(ग्रजी)लल साहित्य अकादमी
मैथिली अनूवाद यूनियन



गोयालजी मा 'गोयश'

1931-2008

जन्म मधुवनी जिलाक मन्थ गामम
१९३१ ई.म रलेशि दिनकन
नचिा ❖ सान दाल्क विही❖,
❖ गूम रल 01७ डी❖,
❖ अलवम❖ ❖ अत्व कद्दु मन
करुन लगेअ❖, "मखानक
याग" प्रकाशिा रल जादिम
सानदाल्क विही वष लाकप्रिय
रला २००६ ई.श्री (गोयालजी
मा (गोयश, मन्थ, मधुवनी; यात्री-
वपना यूनियन



विक्रान्त ओज्हा 1931-

२००१- विक्रान्त ओज्हा (चानन
घन गच्छिया, यश)मैथिली लल साहित्य
अकादमी यूनियन



गानाकांत मिश्र 1931-



ललिा 1932-1983

अन्न म्मान वसे0 चानयना
मधुवनी, विहन। प्रसिद्ध
कथानक अ उयथासकान।
प्रकाशिा कृति: प्रगिनिधि, (कथा
संग्रह), युद्धी-यू (उयथास)
आदि।



मूनानि मधुसूदन ओज्हा 1932-

गानाभंजन वंदयाथायक वंगला
उयथास "आनाथ निकान"क मैथिली अनूवाद
लल साहित्य अकादमीक अनूवाद
यूनियन 1999 स्टल छह्लि।



विश्वानानायक ओज्हा 1933-



धूमकगु 1932-

2000

जन्म स्थान
काठलख, मधुवनी, विहान ।
प्रसिद्ध कथाकार, उद्योगकारान आ
कवि । प्रकाशित कृति : दू टा
कथा संग्रह आ एक टा
उद्योगकार ।



नमन नानायक १९३४- २०११

नाम- नमन नानायक दास, जन्म ११ मार्च
१९३४ कँ मधुवनीक वरुना गाममा पिपा-श्री
द्विनकर लाल दास। भिजा मधुवनी, मधुवनी
आ यरनामा १९६१ छी, सँ १९९४ छी धनि
ए.एन. कॉलेज, यरनाम दिष्टी विरगम
अध्ययना याथनक नाव (मैथिली कथा
संग्रह, १९१२) प्रकाशित। मृग १२ जनवनी
२०११ कँ यरनामा

नाजमादन मा 1934-

जन्म स्थान कुमनवाजिपुन, वैशाली, विहान । प्रख्यात
कथाकार आ संवादक । आरु काश्चि यनसु (कथा-
संग्रह) लल १९९६ म साहित्य अकादमीसँ सम्मानित ।
प्रकाशित कृति : एक आदि अकार, मू० साँच, अकटा
गसन, अनलभक, आरु काश्चि यनसु (कथा
संग्रह), गलीनामा, रनदि
निशयति, टीशुधीयादि (आलाचना)। **आनर** यशिकाक
संवादना प्रवाध सम्मान 2009 सँ सम्मानित।



वावूश्री सयनानायक सिंह आ नाघवाचा र्य

श्री. धीनद्व 1934-

2004

जन्म स्थान
लाहना, मधुवनी, विहान । प्रसिद्ध
कथाकार, उद्योगकारान आ कवि
। प्रकाशित कृति: कुरुस आ
किन, यमाएला घुनक
आणि, भानुया आ मनु अयन
मथिन (कथासंग्रह) दैगनम
टाँगल काट, काश्चि आ आरु
(कविता संग्रह) सहित केक
विधाम विरिज यथी।



मायानद्व मिश्र 1934-

द्विनक जन्म ११ अगस्त १९३४
छी. कँ सुपेल जिलाक वर्नेनयाँ
गामम रलनि रादक लारा, आणि
मम आ याथन आठान चड-
विद्व-द्विनकन कथा संग्रह सर
छहिन विहाति याप याथन, मंग-
यू, खाणा आ विउ
आ सूर्याक द्विनकन उद्योगकार
सर अछि। दिशांगन द्विनकन
कविता संग्रह अछि। अकन
अंगिनक सान की नैया मारी
क लाग, प्रथम (बेल यूरी
च, मंगयू, युनरिा आ श्री-धन
द्विनकन दिष्टीक कृति
अछि। १९८८- मायानद्व
मिश्र (मंगयू, उद्योगकार)यन
मैथिलीक साहित्य अकादमी
युनयानसँ सम्मानित।

प्रवाध सम्मान 2007सँ
सम्मानित।



**गानानथ गनुष १९३७-
२०११**



सामदध १९३४-

उपन्यासकान डी कवि । साहित्य अकादमी यूनयानसँ सम्मानिा । प्रकाशित कृति: चानादळ, हारल अनानकली (उपन्यास), काल धनि (कविता संग्रह), चनेवणि (गीति नाथ) सम सप्तळ (दाह)। २००२- सामदध (सहस्रमूखी चोक यन, यद्य) लल साहित्य अकादमी यूनयाना २००१ ङ्गी. - श्री सामदध, दनरंगा, याप्री-वणना यूनयान, प्रवाध साहित्य सम्मान २०११।



नाजनयन लाल दास १९३४-

"कर्ममृगत"क सन्यादना "विप्रा-विचिप्रा" प्रकाशित।



**नमानथ नेधु १९३४-
२०११**

अन्न सनान उस्मानम०, दनरंगा, विहान । बनिष्ठ कवि, कथाकान डी उपन्यासकाना साहित्य अकादमी यूनयानसँ सम्मानिा। प्रकाशित कृति: कचट, पिनाध, अंगहीन आकाश (कथा-संग्रह), दुधडूल (उपन्यास), अंगा., डकान नाम (कविता-संग्रह)। २०००- नमानथ नेधु (काका नास वाग, यद्य)लल साहित्य अकादमी यूनयाना विदह सन्यादकक समानानन साहित्य अकादमी ङ्गी यूनयान २०११ (समथ यगदान लल)



**कालीकांग सा "वूच"
१९३४-२००९**

दिनक अन्न, महान दार्शनिक उदयनाचार्यक कर्मरूमि समक्षीयून जिलाक बनियन ग्रामम १९३४ ङ्गी. म रलनि । यिा स. यीउा नाजकिाणन सा गामक मथ विशालयक प्रथम प्रबनाथायक छलार । मागा स. कला दवी गृहिधी छलीह । अंगनशागक समक्षीयून काॅलज, समक्षीयूनसँ कयलाक यक्षा विहान सनकानक प्रसंत कर्मवनीक नुयम सवा प्रानर कयलनि । वाल्हि कालसँ कविता लखनम विषय नुचि छल । मैथिली यपिका - मिथिला मिहिन, माटि - यानि, राखा तथा मैथिली अकादमी यरना दाना प्रकाशित यपिकाम समय - समय यन दिनक नवना प्रकाशित ङ्गी नरलनि । जीवनक



शाम वच्च १९३४-

उपन्यास "नूया दीदी" प्रकाशित। गाम मलंगिया, जिला- मधुवनी।

विविध विधाकें अयन कविता
 एवं गीत प्रकृता कयलनि ।
 साहित्य अकादमी द्विती ब्राना
 प्रकाशित मैथिली कथक
 विकास (संवादक उाँ
 वासुकीनाथ मा) म द्वाय कथा
 कानक सूची म उाँ विद्यापति
 मा दिनक नवना ॐधर्म
 शास्त्राचार्यक उल्लेख कयलनि ।
 मैथिली अकादमी यटना एवं
 मिथिला मिहिन ब्राना प्रशंसा यद
 रजल जाऽल छल । शृंगाननस
 एवं द्वाय नसक संग-संग
 विद्यान मूलक कविताक नवना
 सख कयलनि । उाँ दुर्गनाथ
 मा श्रीश संकलिग मैथिली
 साहित्यक ऋषिदासम कविक
 नूयम दिनक उल्लेख कऽल (गल
 अछि । **प्रकाशित**
कृति (मूययनांग) : कलानिधि-
 कविता-संग्रह।



अनीलाल शर्मा "आप्रिय" १९३३-३१-

"मिथिला की यादगिय यनयना" याथी प्रकाशित।



नामरुद्र, धनुषा, नयाल १९३१-२०२०

साहित्य गथा अग्याय उपक कपाक सखल
 अकिसर अयन प्रनधास्रा आ यथ-प्रदर्शक
 मानेग छथि । मैथिली साहित्य-उपम दिनक
 यनियक माद अवाऽ कख्व यर्याक खऽल
 ऊ मैथिलीक मूढिय साहित्यकान उा. धीन्द्र
 दिनका मैथिली साहित्यक सर्वश्रेष्ठ कथकान
 मानेग छथि । दिनक कथम प्रीकाप्रकारक
 अदगु प्रयागहिटा नदि, अयिगु अकटा
 आदर्श कथक समरु वैशिश्वसर्वविद्यमान नखेग
 अछि । कथकानक अगिनिक ँठी उकुकु
 समालाचक, नाटककान आ कवि सख छथि ।
 नयालम मैथिलीक यहिल मालाप्रामा लिखवाक
 प्रय सख दिनका जाऽल छनि । सामाजिक
 कृतीगिसरकें कृशलगासँ चिप्रध
 कनवाम, विकनीय वनअवाम आ मन-मफिद्वयन
 अमित छाय छऽअवाम नामरुद्र सिद्धरुफ छथि
 । धनुषा जिलाक कृती गामम जनमल नामरुद्रक
 युध नाम नामरुद्र कधी छनि । अशुनजी
 विषयक अवकाशप्रारु भिउक नामरुद्र



कदाननाथ चौधरी (१९३६-)

मैथिलीक यहिल हिम 'ममगा
 गावय गीग' कन निर्मागा
 द्वयमसँ अकटा निर्मागा छथि
 कदाननाथ चौधरी आ दासन
 मदनमहन दासा वादम
 आर्थिक मजतुनीवध गसन
 सखनिर्मागा रलखिन उदयरातु
 सिंहा मागा-सु. कृसमयनी दनी,
 यिगा- सु. किलानी चौधरी,
 जन्म: ०३/०१/१९३६

आ. यगा. नखना (दनरंगा),
 अय यान्त्रिक सदय-युती-
 श्रीमगी कृमद चौधरी, संगान-
 प्रथम यूती-श्रीमगी विनध मा,
 द्वितीय यूती-श्रीमगी अर्चना
 चौधरी, भिउा- १९७८ ँठी.म
 अर्थशास्त्र ग्रागतापन, १९७९
 ँठी.म लौ। १९६९ ँठी.म
 कौलियनिया वि.वि.सँ अर्थशास्त्र
 म ग्रागतापन, १९७१ ँठी.म

ब्याकनध, या०य्युक्त आ सहायक युक्तसर
लिखवाक काजम निरन्तर सक्रिय छथि।

मार्केटिंग अंड डिस्ट्रीब्यूशन
विषयम (गण्डन गेट
यूनिवर्सिटी,
सानफ्रांसिस्को, USA सँ अम.वी.ए.,
१९९६ म राना आगमना
१९९९-९६ क बीच गहनान
आ प्रेकट्रमा रुन वसुद्धी,
यू(ए) इन्टरनेट निटायनमंटक वाद
२००० सँ लहनिगासनाय,
दनरंगम निवासा ६ टा
उयथास- चमलीनानी २००४,
कनान २००६, माहन २००८,
अवाना नहिन २०१२, हीना
२०१३, अयना २०१८.
सम्मान- १) विदह साहित्य
सम्मान, वर्ष-२०१३ (मानसंत
मैथिली मंच, नाँची झाना), २)
प्रवाह साहित्य सम्मान, वर्ष-
२०१६ आ ३) कदान सम्मान,
वर्ष-२०१६, 'अवाना नहिन'
लला



जीवकांग १९३६-

नाम- जीवकांग मा,पिगा-गुधानध
मा, मागा-महेश्वरी देवी, जन्म-
२१.०१.१९३६ अगुआठ, जिला-
स्योला नोकनी-विहान
शिक्षक (उ.वि.सजोली १९७१-
८१), द्वितीय शिक्षक (उ.वि.उडाठ
अर्ध उ.वि.यासनाम १९८१-
९८)। यहिल नवना-इजायया आ
टिटही (कविगा, जनवनी १९६७
मिथिला मिहिन)। यहिल छयल
याथी- दू कृद्सक वाट (उयथास
१९६८)। नूान याथी-खिखिनक
वीर्जनि (२००१ वाल यद्य
कथा), अ०बी खसलह वनम (यद्य-
कथा संग्रह) आ यर्जनि प्रम
प्रकासिया (जीवन-वृत्तक
अंश)। यूनघान-साहित्य
अकादमी १९९८ फे अछि
चिउ, यद्य, किनध
सम्मान (१९९८), वेदही
सम्मान (१९८७)। प्रकाशिया याथी-



हनिदास १९३६- २०१६

यकी महालक्ष्मी संग
छायाचित्रा "जन्म जगा मी
हानह" प्रकाशिया



दवकांग मा १९३६-

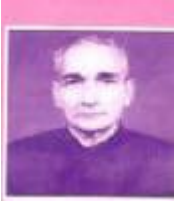
कविता संघर्ष: नावू ह
युद्धी (११), धान नदि खड्ड
मूक (६१), गको अछि
विउ (६१), साँउ (१६६६), यानिम
जागन अछि वफी (६६), रूनी
नीलाकाशम (२०००), गाछ मूल-
मूल (२००४), छार
साहाशन (२००६), सिखिनिक
वीअनि (२००१)

कथा-संघर्ष: अकसनि ०१६ कदम
गन न (१२), सूर्य गलि नदल
अछि (११), वफू (६३), कनमी
मील (६६)

उपन्यास: दू कदसक
वाट (६६), यनियन (११), नदि, कगद
नदि (१६), यीयन गुलाव
छल (११), अगिनवान (६१)

हिंदी अनुवाद- निष्क की
विडिया (गको अछि विउ, साहित्य
अकादमी, दिल्ली २००३)

प्रवाच सम्मान २०१० सँ सम्मानिना



डॉ अमनश यादव १९३६-

दिनक जन्म सीतामढ़ी जिलाक अकगंग
सामानि ग्रामम १९३६ म रलछि ।
१९५१ म यटना विश्वविद्यालयसँ
मैथिलीक अम. अ. यनीजाम प्रथम
श्रेणीम प्रथमस्तरन याउल । १९५१ सँ
१९६० धनि नामकृत
महाविद्यालय, मधुवनीम छात्राणा नूयं
गवना वाद यटना विश्वविद्यालयम
छात्राणा नूयम कार्य कनउ लगलाह ।
यटना विश्वविद्यालयम मैथिली
विरागाधज नूयं । मैथिली उपन्यासक
आलाचनामक अध्ययन (गोप प्रवचयन
दिनका विद्या विश्व-विद्यालय बाना
डि. लिङ्ग उपाधि ररलछि । डी (गोप
प्रवच यूपकाकान नूयं सख प्रकाशिन
रल अछि विद्यान नादुराया यनियदक
विद्यार्थि श्रद्धावलीक सथादक मधुलक
सदथ । दिनक अथ प्रकाशिन नकना



वलनाम १९३६- २००८

जन्म छान
यवही, मधुवनी, विद्यान । विश्व
कथकान । प्रकाशिन कुणि :
दककल दवाल (कथा-संघर्ष)।



मैथिलीयुग प्रदीप १९३६-

ग्राम- कथवान, दनरंगा। प्रशिक्षण
अम. अ., साहित्य नद, नवीन
शास्त्री, यवाधि साधका। दिनकान
नचि "जगदस अही अवलस
दमन" आ "सरक सधि अहाँ लउ
छी ह अथ, दमना किउ विसने छी
ये" मिथिलाम लजउ रउ गेल
अछि।

अछि निव्व संकलन। अकना
छाँउ विरिय यद्व-यद्विकाम दिनक
काका निव्व प्रकाशित छथि। मैथिली
अकादमी द्वारा प्रकाशित कथा-संघटक
रूँद अक सन्थादक छथि। रूँदी
अधिकतम उच्च फनीय आलावनाग्रक
निव्व लिखै छथि।
२०००- जं. अमनष याओक,
(मस- रीषा सादनी, द्विष्टी)लल सादिय
अकादमी मैथिली अनुवाद यनघाना



नामदव मा 1936-

कथाकन, समीजक, अनुवादक, ग्रंथ
सन्थादक। सादिय अकादमीक
मूल अर्न अनुवाद यनघान प्राथ
कर्षा ल. ना. मिथिला
विश्वविद्यालय दनरंगक मैथिली
विरागक युर्व प्राचार्य।
प्रकाशन: यसिसैंग याथन,
(अन.) आदि।
१९९१- नामदव मा (यसिसैंग
याथन, अकाकी)लल सादिय
अकादमी यनघानसँ सम्मानित
। १९९४- नामदव
मा (सगाष्ट- नाजिहन सिंह
वदी, उर्दी) लल सादिय
अकादमी मैथिली अनुवाद
यनघाना



दीनद्व मल्लिक 1937-

जन्म-
3 जनवनी 1937 रूँदी. यनसैनी, मधुवनीमा कवि, स
न्थादक, समीजक। आखन, अंगनियप्रक सन्थादन
। अक्षि-शिक्षा (कविता संग्रह)



नदीद्व नाथ ओकून 1936-

जन्म युर्वीउठा जिलाक धमदाहा
ग्रामम 1936 रूँदी. म रूलि। नन
अवस्थासँ गीग गवाम अर्न कविता
लिखवाम विषय नृवि। काना मंव
यन ओह रला यन रूँदी सहजदि
श्रीगार्क आद्वारि कनेा छथि।
दिनक साग गोट मैथिलीक गीग
संग्रह, अक मिनी मलाकाद्य, अक
प्रयगधर्मी काद्य, अक उपचारस, अक
नारक अक नागि अर्न अक द्विष्टी
नारक, प्रकाशित रूल छथि।



कीर्गिनानायद मिध्र 1937-

जन्म ११ जलारूँदी १९३१ रूँदी. कँ ग्राम
(षाकदाना (वनीनी), जिला कपुसनायम
रूलि। इनकन प्रकाशित कुगि अछि
सीमाक, महानगन (दीर्घ कविता), ह्म
फदन नदि लिखव, ध्रुफ द्दरूँग शागि



विनाद विद्वानी दर्मा 1937- 2003

मैथिल कनध कायसूक यौजिक
सर्वेजध, कलानक चानिदान अ यलवी गथा
अद्य कथा (कथा संग्रह)



गोनीकांग चौधनीकांग 1937- 2001



यूगल किशन मिश्र १९३६-
२००१

मैथिली शब्दकाषा



यश्वन्तम सा १९३६-

गाम- मन्थ (मन्थवनी), कृषि-
उत्सवकार्यक्रम चरु योस चरु
चरुलिख प्रामा, विधियन याचरिक्त
प्रामा।

कृत्य (अदि यथीयन साहित्य
अकादमी १९९७ यूनयान), आदमीक
अरुह (कविता संग्रह)। सम्मान-अयन
अकागम, श्रुति यात्रा, यपक दर्यदमा
सन्थादन- आखन मासिक
यपिका, आधुनिक मैथिली साहित्य,
'६३, नाजकमल जीवन आ साहित्य,
'६८, कथा-संकलन- काल काठनी।
आलावना- अर्थान-२००४



प्रद्वल कुमान सिंद 'मोन' १९३८-

ग्राम+याच- हसनयन, जिला-समस्तीयना मैथिलीम
१.नयालक मैथिली साहित्यक
व्यंगिहास(विनाटनगन, १९९२व्ही.), २.प्रद्वलग्राम(नियार्गज
दनरुंगा १९९२ व्ही.), ३.मैथिली प्रेमासिक
सन्थादन (विनाटनगन,नयाल १९९०-
१३व्ही.), ४.मैथिलीक ननागीण (यटना, १९९६
व्ही.), ५.नयालक आधुनिक मैथिली
साहित्य (यटना, १९९६ व्ही.), ६. प्रमवध वयनिग
कथा, राग- १ आऽ २ (अनुवाद), १. नाभीकिक
दशम (महनान, २००५ व्ही.)। २००४- जौ. प्रद्वल
कुमान सिंद 'मोन' (प्रमवध की कवनी-
प्रमवध, दिदी) लल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद
यूनयान।



कुलानथ मिश्र १९४०-
२०००

जन्म यकडी
काठी, सीगामडी, विद्वान
सुनिध्याग
कवि., संयादक, समालावका।
प्रकाशित कृषि- गाव
अपव, रानक प्रगीजाम (कविता
संग्रह), रानक राखा
सर्वेकध, याना, नाजकमल चौधनी



महेश्वरनाथ मल्लिक १९३८-



विलस यासवान 'विहंगम'
१९४०-

जन्म मन्थवनी जिलाक अकहठा ग्राम
१९४० व्ही. म रलशि

की शान्द
कहानियाँ (अनुवाद)।



रुजलून नहुमान दासमी 1940-2011

जन्म-यटना जिलाक वनाह गममा वृषि
अध्यापका हिंदी कविता संग्रह "नधि नाभि" आ
मैथिली कविता संग्रह "निर्मोही" प्रकाशित।
१९९६म अवलकलाम आजाद- अड्डलकवी
दसनवी, उद्गुस्त मैथिली अनुवादयन साहित्य
अकादमीक मैथिली अनुवाद यूनयान।



गुधनाथ मा

गुधनाथ मा "लाक मङ्ग" मैथिली नाय यत्रिकाक संवाहन- सथादन
कन कथा मैथिलीम आधुनिक नाटकक प्रथयना दूनकन नाटक
सर अछि:

मत्र्यामिनी: अकाङ्क नाय (बेलीम दूटा यात्र, यून्स संयुक्त
यनिवानक यज लनिहान आ श्री फनन विनाथी।

याथय: अकाङ्क नाय (बेलीम नचिा, मुदा यूर्धाङ्कक सर
वि(शषा उम रटगा मूय अरिन्ना मिथिलाक अ(भागिर्त
दूखी रऽ गामक कर्मठली वनवेा छथि, सजन विनाथ कने
छथि।

लाल-वृष्कन: अकाङ्क नाय (बेलीम नचिा। दाही नोदीसँ
ममानल निम्न आ मध-निम्न वर्ग द्वापगाक यद्विन्दिन्दि आ
वादा जीविकायार्जन लल प्रवास कनवा लल अरिन्क छथि।

सागम चनिप्र: अकाङ्क नाय (बेलीम नचिा। मैथिली
नंगमंयन महिला अरिन्कीक अराव, सागम चनिप्रक
प्रतीजाम यूनीयास खाम रऽ आद्वण अछि।

(शय नधि: आधुनिक सामाजिक यूर्धाङ्क नाटका यिा-
मागाक मूयक वाद अग्रजक अनुजक प्रणि यिपूवा
थवहान।

आजक लाक: यूर्धाङ्क नाटका विषय निम्नमधवर्गीय
वनजगानी आ वियाहक दायिप्रक वाष।

ऊय मैथिली: यूर्धाङ्क नाटका मिथिलाक राषिक-सांघुगिक
समथा अकन कथावक् अछि।

महाकवि विद्यायणि: विद्यायणिक नव वि(शषध।



प्रयास कृमान चौधरी 1941-1998

गाम- पिंजानुछ, जिला- दनरंगा । प्रयाग
कथाकान डा उयथासकान । प्रयासक
प्रकाशित कृणि : कथा-प्रयास, प्रयासक
कथा, नव घन उउय यूनान घन
खसय, दिदवल

(कथासंग्रह), अरिन्क, यूगयून्स, ह्मना
लग नह्व, नवानह, नाजा याखनिम काक
मछनी (उयथास) । विरिन्क मद्धयूर्ध
यत्रिकाक सथादन । प्रेमासिक कथा
गाथी 'सगन नाणि दीय जनय कन
ग्रानह १९९०- प्रयास कृमान
चौधरी (प्रयासक कथा, कथा) लल साहित्य
अकादमी यूनयानसँ सम्मानित ।



साकगानब 1940-

बनल कथकान, गधनायक (कथा-संघर) लल साह्य अकादमी यूनयानसँ सम्माना। प्रकाशना कृति: मैथिली कथा साह्यम 1962 स० सक्रिय । (गाँउक चालिस_यवास टा कथा, नियागाँउ, संगनध, यात्रा_बिननध मैथिलीम प्रकाशना अक्तांग यत्र यत्रिकाम छयल । यल्लि मैथिली कथा ०१०सियन ०१ 1962म ०मिथिलासिद्धि ०म प्रकाशना । सिद्धियाम दू दर्जन कथा आदि प्रकाशना । सन 99म छयल यल्लि कथा_संघर ०गधनायक ०क ठाडी वर्ष ०साह्य अकादमी यूनयाना येध वाब ०स० अवेवला विरयिफक नखाकिना कने, यर्यावनध क कथा बरू वना क० नाजकमल प्रकाशन स० प्रकाशना अर्न अर्था चर्कि उयथास (०उकुमंड्री सिद्धान ०) ०सर्वेदांग ०। आकाशवादीक नाट्टीय कार्यक्रमम प्रसानिा दू टा उखखनीय वृफ नूयक ०महानद्या अरुयानथ ०यन आधानि ०ऊंगल वालगा दे ०अर्न मानसंत क शमीध उपक बाला उखनक समथा यन आधानि वृफनूयक ०नेना जागन ०चर्कि अर्न प्रसिद्ध ।



मार्क(भुय प्रतासी 1942-

2010

जन्म श्राम: गनुआन, जिला: समस्कीयून । प्रकाशना कृति: अगस्यायिनी (महाकाथ); अदर्थ (कविता संघर), अउन वाना (काथ संघर)। अरियान, हम कालिदास (उयथास)। ०अगस्यायिनी ०लल १९८१म साह्य अकादमी यूनयान प्राफ

गंगश गुंजन 1942-

जन्म छान- यिलखवाउ, मधुवनी। श्री गंगश गुंजन मैथिलीक प्रथम चैवटिया नाटक वृधिविधयाक लखक छथि आ दिनका उचिावका (कथा संघर) क लल साह्य अकादमी यूनयान रटल छथि। अकन अर्गिनिक्र्फ मैथिलीम हम अकटा मिथा यनिय, लोक सनु (कविता संघर), अहान- उजा (कथा संघर), यल्लि लोक (उयथास), आरु रान (नाटक)प्रकाशना। सिद्धिम मिथिलावल की लोक कथा, मधिययक नेका- वनिजानाक मैथिलीसँ सिद्धि अन्वाद आ गइ गैयान हे (कविता संघर)। १९९४- गंगश गुंजन (उचिावका, कथा)युफक लल साह्य अकादमी यूनयानसँ सम्माना ।



ददब मा १९४३-

गाम- वानयून (मधुवनी), कृति- विद्यायिफक शृंगानिक यदक काथशास्त्रीय अथयन, लालदास, सधकन मा "शास्त्री", अन्व, वदलि आरु घन टा।

प्रमथंकन सिंह 1942-

श्राम+यल्ल- आशियाना, थाना- जाल, जिला- दनरंगा। मौलिक मैथिली: १.मैथिली नाटक आ नंगमं, मैथिली अकादमी, यटना, १९१८. २.मैथिली नाटक यनिय, मैथिली अकादमी, यटना, १९८१. ३.यूनयार्थ आ विद्यायिफ, मृवा प्रकाशन, रागलयून, १९८६. ४.मिथिलाक विरूणि जीवन मा, मैथिली अकादमी, यटना, १९८१. ५.नाद्यावाचय, (अखन प्रकाशन, यटना २००२. ६.आनुनिक मैथिली साह्यम दाय-बंथ, मैथिली अकादमी, यटना, २००४. १.प्रयाधिकता, कर्ध(गाठी, कालकागा २००५, ८. उीउध, मृवा प्रकाशन रागलयून २००८. ९.युगसधिक प्रगिमान, मृवा प्रकाशन, रागलयून २००८. १०.वाना समिणि आ नाथमं, वाना समिणि, यटना २००८। २००९, उी-श्री प्रमथंकन सिंह, आशियाना, दनरंगा यात्री- वाना यूनयान।



उं. सीमनाथ मा 1945-

जन्म: कांलख, मधुवनी, विद्यान । प्रखन कवि, समालाचक, प्राथयक । ०विविधा ०निवध युफक लल सन् १९९२म साह्य अकादमी यूनयानसँ सम्माना । प्रकाशना कृति: पिधाना, वीधा, की दूनैउ की नदि, नाम गँ थिक उअर (कविता संकलन), यनिचायिका, सीगानाम मा, कवि वृगमधिक काथ साधना, विविधा।



महेंद्र मलंगिया 1946-

गाम- मलंगिया, जिला- मधुवनी ।
 मैथिलीक स्यनिवा
 नाटककान, रंग निर्देशक अवं
 मेलांगक संस्कारक अथक ।
 लोक साहित्य यन गंरीन (भाष
 आलख । मैथिलीम 13टा नाटक,
 19टा अंकी, 14टा नूक
 आ 10टा नटिया नाटक प्रकाशिन
 आ आकाशवादी सँ प्रसारिनि ।
 सीनियन इलाधिय (राना
 सनकान), इंटरनक्शनल थियटरन
 इंस्टिट्यूट (नयाल), प्रवाध साहित्य
 सम्मान आदि सँ सम्मानि ।
 संग्रिनि शोपिनीश्वन लिखिनि मैथिलीक
 प्रथम युक्त वर्धनमाकन यन (भाष
 कार्य । श्री महेंद्र मलंगियाक जन्म
 २० जनवनी १९४६ म मधुवनी
 जिलाक मलंगिया गामम रलहि ।
 मलंगियाजी मैथिली हिंदी, अंग्रजी
 आ नयाली राषाक जानकान आ
 थियटरन भिजध, यटकथा लखन
 आ गपसुद्धी (भाषक डीलास
 भिजक छथि २००२ स्त्री- श्री
 महेंद्र मलंगिया, मलंगिया; यापी-
 चाना यूनवाना प्रवाध
 सम्मान 2005 सँ सम्मानि ।



श्री नाम दयाल नार्क, सर्लाही, नयाल 1 942-

मैथिली माणूराया, हिंदीक प्राधायक आ नयालीक लखक स्त्री
 गीनु राषा नार्कक चक्रिणम अना न मिमनाल छेक
 ऊ कानहस्त दिनका रिन्न नहि कएल जा सकैत अछि ।
 स्त्री विषया: नयालीम लिखैत छथि, मुदा लखनक विषय
 मूला: मैथिलीक संस्कृति नखैत छनि । उना मैथिली, हिंदी
 आ अंग्रजीम सख स्त्री अन्क नवना कएन छथि
 । नयालक नाजकीय-ग्रहा-ग्रणिष्ठानक सदय नार्क दिदी
 विश्वविद्यालयसँ यीअवठी आ अमनिकाष्ठिग स्त्रियाना
 यूनिरसिटीसँ यष्ट उकनल निसर्व कएन छथि ।
 डा. नार्कक जन्म २१ शला १९४२ स्त्री. कs
 सर्लाही जिलाक सिर्साटियाम रल छनि ।
 नयाली, मैथिली, हिंदी आ अंग्रजीम मौलिक, सथ्यादिन आ
 अनुदिन कs कनीव दू दर्जन यथी प्रकाशिन, दर्जनरनि
 दशक प्रमध सख कएन छथि । नयाल प्रहा ग्रणिष्ठानक
 सदय्या- श्री नाम दयाल नार्क (1999)।



उयद्ध दाषी 1943- 2001

जन्म छान नामयून-
 कानिगामा, दनरंगा । कवि-
 कथाकान, गीण-गजलकान ।
 प्रकाशिन कुणि: यंपधाक उधम
 (कविगा संघर)। हिंदीम अन्क
 यथी प्रकाशिन। उठियासँ
 मैथिली अनुवाद द्गु मृण्यनाक
 साहित्य अकादमीसँ यूनव्ग।
 २००३- उयद्ध दाषी (कथा
 कदिनी- मनाज
 दास, उठिया) लल साहित्य
 अकादमी मैथिली अनुवाद
 यूनवाना।



उदयचन्द्र मा "विनाद" 1943-

जन्म 5 अप्रैल 1943 स्त्री।
 गाम- नदिका, मधुवनी । जन्म-



नर्गी नमध लाल, जनकपूर 1943-



मंजुश्वर मा 1944-

जन्म ६ जनवनी १९४४
 स्त्री.ग्राम-लालगंज, जिला-
 मधुवनीमा प्रकाशिन।

शाम-दुलहा, मन्वनी । प्रकाशिता कृतिः
संक्रान्ति, मोसम अयला यन, अहना
स्किगिम, रनि दह (गोना, अहि
जनयदम, दाहा गीन सय दू, कहलनि
यमी, सहनशमीन, अयउ, प्रक्षवाचक (कविता-
संग्रह); धूनी (सहयागी कविता
संग्रह); जोग (कथा संग्रह), उदास गाछक
वसंग (नाटक)। ❖माटि यानि❖क वनथ
सन्थादका २००१ ए.सी.-श्री उदय चन्द्र
मा ❖विनाद❖, नहिका, मन्वनी; यापी-
वाना यूनयाना

कृति: खाधि, अखिनहान
गाम, वहसल नागिक
दूजा (कविता संग्रह); अक वट
दू (कथा संग्रह), उमा लख गाम
वाह (ललिता निवध)। मैथिली
कथा संग्रहक दिधी
अनुवाद ❖कूउली❖ नामसँ
प्रकाशिता। दि दूबा
येनाउल्लज (अंग्रेजीम ललिता
निवध)। २००८ ए.सी.-श्री
मंश्वन मा, लालगंज, मन्वनी
यापी-वाना यूनयाना
२००८- मंश्वन मा (काक जनि
यन, आप्रकथा) यन साहित्य
अकादमी यूनयाना



नमश्चन मिश्र १९४५-

अनुवादक, निर्वचकान ।
प्रकाशन: गमिल साहित्यक
एगिहस, रवर्ग (दनु
अनुवाद)।



जगदीश प्रसाद मंउल

गाम-वनमा, गमनिया, जिला-मन्वनी। अम. अ.। कथाकान
(गामक जिनगी-कथा संग्रह आ गनगध- वाल-यनक लघुकथा
संग्रह), नाटककान (मिथिलाक वटी-
नाटक), उपन्यासकान (मोलाहल गाछक दूल, जीवन
संघर्ष, जीवन मनध, उछान-यान, जिनगीक जीग- उपन्यास)।
मास्कीवादक गहन अथयना। दिनकान कथाम गामक लाकक
जिजीवियाक वर्धन आ नव दृष्टिकान दृष्टि (गावन दहल
अच्छि। विदह सन्थादकक समानाकन साहित्य अकादमी
यूनयान २०११ मूल यूनयान- श्री जगदीश प्रसाद मंउल
(गामक जिनगी, कथा
संग्रह)। मैथिली उपन्यास 'यंग' लल साहित्य अकादमी यूनयान २
०२१



नाज



महानाजाधिनाज लक्ष्मीश्वन सिंह १
८५८-१८९८



महानाजाधिनाज नमश्चन सिंह १८६०-
१८९२



महानाजाधिनाज कामश्चन सिंह १९
०७-१९६२



सनहन (गोविन्द मिश्र, अलीगढ
आ कामेश्वर सिंह)



विनायदानन्द मा 1895-
1971



ललित नानायध मिश्र 1922-
1975



श्री. नामववन यादव, नयाल ना
भुर्यागि



स्वर्णीय त्रि (श्वश्वनी) प्रसाद मंजुल, नाउन
गा 1919-1982



रूयड्ड नानायध मधुल



कर्युनी ओकून 1921-
1988



नामनिलास यासवान १९४६-

जन्म ग जलाष्ट्र १९४६, गाम-
शहनवडी, जिला खगडिया। सानगीय
नाउनगीह।



नाम लखध नाम "नमध"



रागेड्ड मा



चगुनानन मिश्र



नमाकांग मिश्र



नमानाथ मिश्र "मिहिन"

"मैथिली मूलावना अन्वम् लाकाकि प्रकाश" प्रकाशिका



गजेंद्र नानायध चौधनी, यप्रकान 1929-2008



भाहन रानझाज 1943-

गाम- नवानी, जिला- मधुवनी ।
मैथिलीक प्रखन समालाचका २००१
श्री.-श्री आनन्ध भाहन
मा, रानझाज, नवानी, मधुवनी; याधी-
चाना यूनकाना प्रवाध
सस्यान 2008 सँ सम्मानि।



यागानन्ध मा 1955-

२००१- डॉ. यागानन्ध
मा (विहानक
लाककथा- यी. सी. नाय
चौधनी, अं(ग्रजी)लल साहिय
अकादमी मैथिली अन्वाव
यूनकाना प्रकाशिका
वृत्ति: लाकजीवन आ लाक
साहिय (निवन्ध)
1986, यनिधीगा (कथाकव्यांश)
1987, रुकीन भाहन
सनाथी (अन्वाव)
2000, आलख
सङ्ग्यन (निवन्ध)
2002, विहानक
लाककथा (अन्वाव)
2003, सुनहलगा (निवन्ध)
2006, मैथिली यप्रकानिगाक सौ
वर्ष (निवन्ध)
2006, गह्वनगीग (निवन्ध)
2007, लाक-साहिय आ शव्द-
सम्यदा (निवन्ध)
2007, मैथिलीक यान्मयनिक
आगीय व्यवसायक
शव्दावली (भाष-ग्रन्थ) 2009



दीनानन्ध मा "शास्त्री" , यप्रकान



दीनानाथ मा, यप्रकान



नन्दु मा, अर्थशास्त्र-
यप्रकान

"विकास आ अर्थशास्त्र" प्रकाशित



प्रमथकन मा, यप्रकान



अनरिबू चौधरी, यप्रकान



नाजकुषन मा (१९२३-
१९११)

जन्म- सहनसा जिलाक नसुआन
गाम (आव स्योल जिला)

कृषि- मिथिलाजनक उद्भव आ
विकास, अवस्था: उद्भव आ
विकास, मैथिली साहित्यक
आदिकाल, विद्यायुगक संगीतम
वर्धन नायक-नायिका रस्य अर्न
नाग-नागिनी वर्गीकनधा

महाकवि विद्यायुगि नाटक, शास्त्रार्थ
नाटक, कथ्यीघाट
नाटक, अकादशी, विद्याधन-
कथा, उर्वशी, धर्मशास्त्र- कथा, मनका



अस. अन. सग्याथी

मिथिलाक कला आ शिष्यकलायन
लखना



नाधकृषु चौधरी, ळ्गिहासकान 1
921-1985

मिथिलाक ळ्गिहास, A Survey of Maithili
Literature, THE POLI TI CAL AND
CULTURALHERI TAGE OF M THI LA प्रकाशित



प्रा. नामभनध शर्मा १९२०-
२०११



विजयकान मिश्र ळ्गिहासकान 1927-
1994

जॉ. विजयकान मिश्रक जन्म १० अगस्त १९२१ मंगनेनी
गाम- ज नद्य आय आ गाँविक साधनाक जन्म-सुली अठि-



द्विजद्व नानायध मा, ळ्गिहासकान

(जिला मधुवनी) म रहलिन। ओ 1948 म प्राचीन रानीय
इतिहास आ संस्कृति विषयम अलाहाबाद विश्वविद्यालयसँ
सनापनापन उपाधि कएलाक बाद काक वनस भनि
विद्वान सनमान आ यटना विश्वविद्यालयसँ सम्पन्न नरुलाह
आ 1957 ई. सँ रानीय यूनापन्न विरागम काज कएलिन
आ ओकर

शिशुपालगढ, कोशाही, वैशाली, दक्षिणायन, कृष्णान, याटलियन,
कानियन, सानयन, विलावली, नालघा, नाजगीन, चन्द्रवली, आ
दृष्टी सुदायन विरिना रूमिकाम राग ललिन। दिनकान
लिखल-सन्धादिग यथी सरम अंक: 1.वैशाली,1950
2.कृष्णान अस्तवर्षस: 1950-1957 3.यूनापन्न की दृष्टिम
वैशाली 4.ना(गण) रड्डाज यानिराख(भखन 5.मिथिला आर्ट
अधु आकिटकान (सन्धादिग) 6.कञ्चनल रनिटज एर
मिथिला 7.शुंगान रजनावली- एक अधयन 8.उग्र
यूनापन्नविज्ञान- 9.यूनापन्न शिवावली।



सुशिल मा, नाजनीगि विज्ञान

२००१- सुशिल मा (अन्तर्निष्ठम
विद्यार- ऊयक विबू नालीकन, मना(0))लल
साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद
युनयान।



राजनीथ लाल दास

रानाक कएक दशम नाजदूग
नरुल छथि आ जी. ए. टी. टी. म
रानाक प्रतिनिधि सभ छलाह।



लक्ष्मीकान्त मा निजर्व वैक गवर्नर 1

913-1988



अन. अन. मा त्रिप्लामर



कामधुनाथ मा "अमल"

1938-

जन्म- 4 जनवरी 1938, गाम
काइलस (मधुवनी)।
धिरांस (कथसंग्रह) प्रकाशित।



राथनानायक मा 1941-

मनाही, स्योला घनदखिया (मैथिली कथा-संग्रह), मैथिली अकादमी, यरना, १९८३, हाली (अंग्रेजीसँ मैथिली अनुवाद), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, १९८८, चौकल कथा (द्विभाषीय भाषा कथाक चयन एवं सूचिका), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, १९९९, विदाति आउ (बंगला सँ मैथिली अनुवाद), किस्त संकाय लाक, स्योल, १९९९, राना-विराजन ओन दिखी उय्यास (दिखी आलावना), विहन नाट्य-राधा यनिषद्, यरना, २००१, नाजकमल चोवनी का सदन (दिखी जीवनी) सांभल प्रकाशन, नई दिल्ली, २००१, कने-विगडेण (कथा-संग्रह) २००६। मैथिलीम कनीव सफन टा कथा, गीस टा समीजा आ दिखी, बंगला तथा अंग्रेजी म अन्क अनुवाद प्रकाशना।

"दोर्मेशन टरु मैथिली लैंगुअज"क लेखका १९८६-स्टरुड मा (नागिक यवक उफन, निवव)यन मैथिलीक साहित्य अकादमी यूनयानसँ सम्मानिना।

दश-विदशक राधाविहान जर्नलम यवास आलखक ज्ञाना मैथिलीक विशिष्टाक उजागन कनिहाना मैथिली त्रिभाषा १९८४ डी. म जर्मनीसँ आ मैथिलीक सबरु थाकन १९९६ डी. म वलिन आ यूयार्कसँ प्रकाशना २००० डी. म लंदनसँ प्रकाशना रानगीय आर्यराधायुक्त म संकलिा दिनकन मैथिली राधा संवंधी आलख वि(ष उलखनीया नयाल नाजकीय प्रहा-प्रगिहानसँ यासाळ शम् प्रहा-यूनयानसँ सम्मानिना।



या(गड्ड प्रसाद यादव, राषिकी, सिनहा, नयाल १९४६-

१९९८ डी. म जर्मनीसँ प्रकाशना लैंगुअज डेन मैथिली सिटेक आ टोपिक डेन नयालीज लिधिचिक, नीउथ डेन मैथिली लैंगुअज-लिटनवन अउ कबन आ लकीशारी डेन नयाल(सथादिग) प्रकाशना। नयाल नाजकीय प्रहा-प्रगिहानम राधा-विरागक ग्रारु नदि कगाक मद्दयपूर्व कार्यक सथादना नयाल प्रहा प्रगिहानक सदयगा श्री या(गड्ड प्रसाद यादव (१९९४)। नयाल प्रहा प्रगिहान आजीवन सदयगा श्री या(गड्ड प्रसाद यादव।



नमानिड मा 'नमदा' १९४९-

जन्म: ०२ जनवनी १९४९, शिजा-अम.उ., यो.उ.जी., आजीविका-रानगीय निजर्व केंक, यरना (सवा निवृद्)। प्रकाशन: १. नवीन मैथिली कविता, १९८२, २. मैथिली नदन कविता, १९९३, ३. मैथिली साहित्य आ नाजनीगि, १९९४, ४. अखियासल, १९९५, ५. वसाहल, २००३, ६. रजानल, २००५., ७. नियाग केस थनु कने? दिखी- निजर्व केंक, यरनाक प्रकाशन सथादिग ८. मैथिलीक आनधिक कथा, १९७८ समीजा, ९. थामानिड नवनावली, १९८१, १०. जनादन मा जन्सीदन कृग निर्दयीसास् (१९१४) आ युनविवाह (१९२६), १९८४, ११. कानाथमाकृग श्रीजगन्नाथपुनी यापा (१९१०), १९९४, १२. गजनाथ माकृग सुननाजविजय नाटक (१९१९), १९९४, १३. नासविहानीलाल दासकृग ससगि (१९१८), १९९६, १४. जीवक मिधकृग नामधन (१९१६), १९९६, १५. स्टर्घोट (स्टर्घाणी), १९९८,



नामलावन ओकन १९४९-

श्री नामलवन ओकन, जन्म १८ मार्च १९४९, डी.यलिमाहन, मधुवनीमा वनिठ कवि, गंगकमी, सथादक, समीजका राधाडी आधलनम सकिय रागीदानी। प्रकाशना कृगि- इगिहासहना, माटियानिक गीग, दशक नाम छल सन विडेया, अयुर्वी (कविता संग्रह), कपाल कथा (बोध), मैथिली लाक कथा (लाककथा), प्रगिहानि (अनुदिग कविता), आ सके डी, किन् किउ आउ अनुदिग कविता), लास प्रध अनुपनिग (कविता), जादुगन (अनुवाद), श्रुतिक (आखनल गंग (संयनधायक निवव), आसि मूनन: आसि खलन (निवव)। अनुवाद लल राधा-रानगी सम्मान २००३-०४ (सी. आरु. आरु. अल., मेसून) आ सके डी, किन् किउ आउ शक्ति चडयाधायक वांश कविता-संग्रहक मैथिली अनुवाद लल प्राया विदरु सथादकक समानान्कन साहित्य अकादमी यूनयान २०१२ अनुवाद यूनयान- श्री नामलावन ओकन (यज्ञानदीक मापी, वांशसँ मैथिली अनुवाद, वांश-उय्यास - मानिक वंशयाथाय)

16. नूतन नै सय न नै दूसि, 1998,
 17. युथान्द मावुग मिथिला
 दर्यध (1925), 2003, 18. यद्वन
 नवनानली (1888-1934) 2003,
 19. श्रीनन्द मा (1905-1940) कृग
 विद्यायणि विननध, 2005,
 20. मैथिली उयथासम चिपिग समाज,
 2003। अन्वाद लल-राधा-रानी
सम्मान 2004-
 05 (सी. आर. आर. अल., मेसून) कडा
 विगद आ0 कडा- रूकीन मरुन
 सनायगिक उठिया उयथासक मैथिली
 अन्वाद लल प्राधा



गंगा प्रसाद मंगल "अकला", न
 याल 1944-

यं सदन मा भात्री नाष्टिय ग्रणिल यनदानसं
 सम्मानि। मिथिलांचलक किदू लक कथा (संकलन
 आ सथादन) आ भिनीषक
 दूल (अन्वाद) प्रकाशित।



महबुबनानायक निधि, धन्षा, नयाल



यनमश्वन कायति, धन्षा, नयाल



जयनानायक मा "जिह्रा", न
 याल



सुशमा मा, नयाल 1920-
 1995



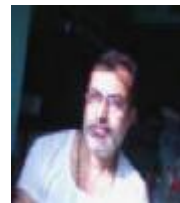
नादिनी नमध मा 1950-



डॉ. कमलाकान्त रथानी 1952-



विनाद विहानी लाल 1953-



अनन्द ओज्हा 1954-

कवीन (मैथिली) यन (भावा)



थ्याम दनिहन 1954-

जन्म सन्मान वनदा, कवीयष्टी
मधुवनी, विहान । कवि, कथाकान
। प्रकाशित कृति : सनिसम्म रूण
(कथा संग्रह) अनुराग कृति :
कनिप्रिया (धर्मवीन रानगी)



प्रणायनानायध मा, नयाल



जॉ. शम्भूनाथ चौधनी 1920-
2008



प्रारुसन गुनमोना

जन्म सन्मान यवही, मधुवनी, विहान
। चर्कि कथाकान । सयसँ ऊयन कथा
प्रकाशित ।



दिनश कृमान मा

मैथिलीक रूगिहासयन लखना



शीगल मा, नयाल



रूडकांग मा



महदु नानायध सिंह "मगन"

यनगी टूटि नदल अछि (कविता
संग्रह), अख्यानक विनाधम (कथा
संग्रह), वदुन्रिया प्रदलम (गजल संग्रह)।



अ(भाक कृमान 01कून

जन्म 2 जनवनी 1944 ली।। गाम
वगंगोव (यंजेल)।
नागमंजल (नारक-
अनुवाद), निशां, वसुक्त
संसान (उपथास)



उग्रनानायध मिश्र "कनक"



यंवानन मिश्र



सूर्यकांग मा, जनकयून

आग्निश्वनयन लखना



नमदा मा (1957-)

नचना: यक्षापाय (कथा-संग्रह)-
1995, काच्य-वाटिका (कविता-
संग्रह)- 1999, अलंकान-
राघन (पूर्व-खण्ड) -
2002, अलंकान-
राघन (अलंकान भास्त्र)-
2003, रिन्न-अरिन्न (समीक्षा)-
2008, संग
सम्यादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विरागक
(भाष-यपिका) -
1996, सम्यादन: मैथिली (मिथिला
विश्वविद्यालय, मैथिली विरागक
(भाष-यपिका)- 2007,2008



विजयनाथ मा

"अर्दीक लल" (गीग-गजल
संग्रह प्रकाशित)।



यागानब् दीना



वावा वैद्यनाथ

यहना वृमानयन (गजल संग्रह)



जगदीश चन्द्र ओझा "अनिल" १९५०-

मूल नाम जगदीश चन्द्र ओझा, जन्म:
27.11.1950, गंगुआन, मधुवनी । सना निवृत्त वैक
अधिकारी। मैथिलीम प्रकाशित यथी-1. गाना अन्नाम-गीग
संग्रह-1978; 2. धानक उद्ग यान-दीर्घ कविता-
1999, गीग गंगा (गीग संग्रह), गजल गंगा (गजल संग्रह)।



विद्यानब् मा 1965-

वृद्धपूर्वमा, १९६५क
कैथिनियाँ, संमानयन मधुवनीम
जन्मा यनापी जकाँ, विद्वजल
काना यिनीग जकाँ, दनूरक डूल
जकाँ (कविता संग्रह) प्रकाशित ।
मूलतः कवि, (था) कथा
लिखलनि, ऊ अयन मार्मिक
अरिच्यकिक कानध वस चर्कि
रल । विश्वनायुर्ध यनिष्ठिक
यादू जिम्मान समाजाधिक
कानधक खज दिनकन मूल
सृजन प्रनधा थिक ।



हनकृष्ण मा 1950-

जन्म १० जलाश्रयी १९१०
 श्री. गाम- काशीलखमा
 अरिचर्यप्रधक अध्यायक छात्रि
 मार्क्सवादी नाजनीणिम सत्रिया
 अन्क कविता आ
 आलावनाग्रक निवध प्रकाशिता
 अन्वाद एवं विकास विषयक
 भाव कार्यम नूचा स्रष्टा
 लखना प्रकृति एवं जीवनक
 गादाग्र्य वाचक अग्रधी
 कवि। "अना ग नहि
 ज" (कविता संग्रह)। २००६
 श्री. - श्री हनकृष्ण माक कविता
 संग्रह अना ग नहि जलल
 कीर्तिनानायध मिश्र साहित्य
 सम्मान।



उदय नानायध सिंह नचिकागा 1951-

जन्म-१९११ श्री. कलकामा यदिल काय संग्रह कवय
 वदनि। १९११ अमृगाय प्रभा (कविता
 संकलन) आऽ नायकक नाम जीवन
 (नाटक)। १९१४ म एक छल नाजा/ नाटकक
 लल (नाटक)। १९१६-११ प्रयावर्षन/
 नामलीला (नाटक)। १९१६म जन्क आऽ अय
 अकांकी। १९६१ अन्पनध (कविता-संकलन)।
 १९६६ प्रियंवदा (नाटिका)। १९६१-
 नवीन्द्रनाथक वाल-साहित्य (अन्वाद)।
 १९६६ अन्कृति- आधुनिक मैथिली कविताक
 वंगलाम अन्वाद, संगदि वंगलाम दूटा कविता
 संकलना १९६६ अश्रु डा यनिहास।
 २००२ खाम खयाली। २००६म मथमयूनस
 अकवचन (कविता संग्रह)। २००६ श्री. म नाटक "ना
 अधिः मा प्रविश" सम्यर्ध नूय "विदह" श्री- यधिकाम
 धनावाहिक नूय श्री-प्रकाशिता रच अकरा कीर्तिमान
 वनलता २००६ श्री.-श्री उदय नानायध
 सिंह नचिकागाक नाटक ना अधिः मा प्रविश लल
 कीर्तिनानायध मिश्र साहित्य सम्मान।



आशीष अन्विधान

मूल
 लखन: क्रमानिच्छा (गजल संग्रह), ऊघाजाडी (गजल
 संग्रह), अन्विधान आखन (गजल, नूवाश्र आ कगाक
 संग्रह), मैथिली गजलक धाकनध डा इतिहास, मैथिली
 वव यपकानिपाक इतिहास, मैथिली गजलक नडी नखन
 न, शब्द-अर्थ-शक्ति।

गण्ड ०६ आ आशीष अन्विधान
 (संस्थापन): मैथिलीक प्रतिनिधि गजल, मैथिली गजल:
 आगमन डा प्रकान विद् (गजलक आलावना-
 समालावना-समीक्षा)



क्रमान यदन 1958

गाम मुनेवा। कथा संग्रह, कविता
 संग्रह आ अर्थ संग्रह शीघ्र
 प्रकाश। मैथिलीम १९६० श्री सँ
 विनल लखना २००६ श्री. सँ
 दस सालक मोन रंगक वाद
 यन् नवनाक दासन यालीक
 धानध।



कीर्तिनाथ मा 1955-

क्रनल: मैथिली रावानावाद



महेश्वर हजानी



स. चन्द्रकान्त मिश्र, आसी, दरभंगा



स. महद्व नानायध सा, वलौजा, मधुवनी



स. नाजकृमान मल्लिक, साहनाय (याखनिरीग), मधुवनी



लक्ष्मीयणि सिंह



रूलचन्द्र मिश्र नमध



किष्णनाथ सा

गाम- विहा, या.
सनिसवयादी, मधुवनी।
"लाकवद" याथी प्रकाशिता



सूर्यनानायध सा "सनस"

याथी "मैथिली धी
सीगानामचनिगमानस" प्रकाशिता



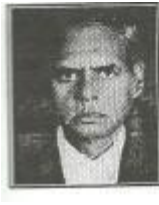
कलानद्व रूड

काह यन लहास हसन मैथिली गजल संग्रह



दयानाथ सा

गाम नागदह, मधुवनी। मैथिली
नंगमंजल मिथि-
याथिक, कालकागा



ऑ. स्वाकन चौधनी १९४५-

जन्म ११ मार्च १९४५ ॥ प्रकाशिता
याथी: काजन, गीन नंग गनह विद्य (कथा)



स. चूनचून मिश्र, नहिका, मधुवनी।

मिथिला नायक आञ्चलन कर्मी।



सयनानायध लाल कर्ध

मिथिला विप्रकला

संग्रह), यंठी जी कृपा (प्रहसन), विप्लवी
सुराव (नाटक)।



ल. कर्नल मायानाथ मा 1945-

जन्म 1 अग्रेल 1945 ॐ।।
गाम- रनाम (मन्वनी)। जकन नानि चगुन
द्वऱऱ (मैथिली लक कथा संग्रह) प्रकाशना
विदेह सन्ध्यादकक समानान्कन साहित्य
अकादमी युनय्कान २०११ वाल साहित्य
युनय्कान- ल.क. मायानाथ मा (जकन नानि
चगुन द्वऱऱ, कथा संग्रह)



खेम किशान सिंह



सचिन्द्रनाथ मा

मिथिला लक चित्रकला



कालीनाथ ठाकुर

शम सर्वसीमा



नाशुद्ध विमल, जकनयून, नयाल 1949-

मैथिली, नयाली आ हिन्दी राषाक ग्राहू विमल शिजाक
दुकम विशावानिधि (पी.अव.जी.)क उयाधि ग्राक कउन
कथा कस्य लिखिकऱ यथष्ट यथ अनजनिहान
ज. विमलक लखनीक प्रशंसा मैथिलीक सङ्गसङ्ग नयाली आ
हिन्दी साहित्यम सङ्ग द्वऱऱ नदलनि अकृि। प्रियुवन
विश्वविद्यालयअकुरग ना.ना.व. केन्स, जकनयूनअम्म
प्राथायन कअनिहान ज. विमलक युर्ध नाम नाशुद्ध लार
कृिचनि। दिनक जन्म २६ जलाॐ १९४९ ॐ।। कऱ रल
अकृि। साहित्यकानक नव यीठीक निनकन उग्रनि
कनवाक कान(ध ॐ।। ज.धीनष्टक वाद जकनयून-यनिसनक
साहित्यिक गुन्क नूयम क्क्यािग रऱ गेल कृि।



नगश कृमान विकल 1950-

जन्म २१ जलाॐ १९५० रगवानयून
दस्ता (समकीयून)। काथ-
अनियन, मद्आ मदन नस टयकय, विन
वाणी दीय जनया कथा-संग्रह- रनि
गेल दरदक ॐनाना उयवास- टहको
रीसा नाटक- चखगन खौंचा



जकन किशान लाल दास



कृयूचन्द्र मा "मयंक"



जॉ वास्कीनाथ मा 1940-



वीनड्र मा 1956-

गानू मा यन
लखना

जिाड्र मिश्र "जीवन"



वेकूठ मा 1954-

पिया-सुगीय नामचड्र मा, जन्म-२४ - ०१ - १९१४ (ग्राम-
रनवा ७, जिला-वनरंगा), भिजा-
ग्राफाफन (अर्थशास्त्र), यथा- भिजाता
मैथिली, हिंदी तथा अंग्रेजी रावा म लगरण २०० गीक नवना
। गानू मा यन आनानि नाटक "हाथिनामधि (गानू मा तथा
अन्य कलानी" क लखना
उन अलावा हिंदीम लगरण ११ उय्यास तथा कथाक लखना

वीनड्र नानायध मा



वेकूठ मा



विद्यानड्र मा 'यज्ञीकान' 1957-

जन्म-
09.04.1957, यज्ञू आ, गोल, कवनौ (मधुवनी),
नशाडय (युधिष्या), भिननगन (अननिया) आ
समग्रि युधिष्या पिया लड (योग यज्ञीशास्त्र
मार्फत यज्ञीकान मादानड्र
मा, भिननगन, अननिया, युधिष्या। पियामर-स्र. श्री
रिखिया मा। यज्ञीशास्त्रक दस वर्ष
धनि 1970 ए.सी. 1979 ए.सी. धनि अधयन,
22 वर्षक वअससँ यज्ञी-प्रवधक संवद्विन आ
सनजधम संलडा। कुणि-यज्ञी शाखा यूफकक
लिथानध आ संवद्विन।



मरुड्र नानायध कर्ध



जॉ. विश्वधन मिश्र



अर्शन नानायध चौधनी



ननड्र



मरुड्र मिश्र, नयाल

गजलकाना



कमल काँग मा 1943-



महाप्रकाश 1946-

जन्म: वनगाँव, सहनसा, विहान
। वनिष्ठ कवि आ कथकाना
प्रकाशित कृति: कविता
संख्या, संग समय क (कविता
संग्रह)। कीर्तिनायक मिश्र
साहित्य सम्मान २०१० ई.-
श्री महाप्रकाश (कविता
संग्रह ♦संग समय क♦)।



छन्नानंद सिंह मा 1946-



अज्ञानाथ चौधरी, धनुषा, नया
ल 1947-

मूलतः कविक न्यम यनिविा कथि । नयालक
आधुनिक कविताक उपम दिनक नाम उल्लेखनीय
अछि । श्री चौधरीक लखनम मानवीय
संवेदनाक प्रतिबिम्ब याउल जाइल अछि ।
कविताक संग कथा आ निवृत्त सख २२ी कलम
वल्लेख अछि । उच्चैः लखन दिनक
विशेषा धिकनि । धनुषा जिलाक दूरुवी गामक
नहनहन श्री चौधरीक जन्म ६-अक्टूबर
१९४१कऽ रल अछि । दिनक जिगिजक
उदियान नामसँ एक कविता-संग्रह प्रकाशित
अछि ।



विद्यानाथ मा 'विदिग'



सियानाम मा "सनस"
1948-

जन्म न्हान मंथ, मधुवनी विहान
। प्रसिद्ध गीतकान, वादक कथा
लखन प्रान्त कलनि । प्रकाशित
कृति अंजन रनि
संगनहन, (शाधिगाँल उगेण
सूर्यक धमक (कथा संग्रह)।



अश्विपूष्य 1948-

जन्म: गन्नेनी, दनरंगा। मूलनाम
: मन्डू मा । मैथिलीम
सहस्रवाद् कविता संधर
प्रकाशिन। मूक्ति प्रसंगक
अनुवाद प्रकाशिन। नामयंथी
आश्चलनम सत्रिया
शिक्षा, सम्राट आदि यधिकारक
सम्पादन । नामयंथी
निचानधनाक सशक कवि



सग्यानन्द या0क

मधुकांग सा 1949-



यागीनाज

दीनू राळ



कूधाल 1951-



नाम रनास कार्याति प्रमन, धनूषा, नयाल 1951-

जन्म-वधवोना, जिला
धनूषा (नयाल)। वक्ता0नी: ओनाळ्ठा धूँआ (कविता
संधर), नरि, आव नरि (दीर्घ कविता), गाना
संग अज्वे न कूजवा (कथा संधर, मैथिली
अकादमी यटना, १९८४), मामक यधलेग
अधन (गीग, गजल संधर, १९८३), अथन
अनकिहान (कविता संधर, १९९० ॥.), नानी
वड्ढावणी (नाटक), अकटा आडान
वसक (नाटक), महिषासुन मुदावाड अर्न अथ
नाटक (नाटक संधर), अकटा (कथा-
संधर), मैथिली संकृति वीच नमाउंदा (सांस्कृतिक
निवध सरक संधर), विसनल-विसनल
सन (कविता-संधर), जनकयून लाक विप्र (मिथिला
यटिडस), लाक नाथ: अट-अटिन (अनुसंधान)।
नयाल प्रहा प्रगिष्ठानक सदस्या- श्री नाम रनास
कार्याति प्रमन (2010)।



धीनड्डनाथ मिश्र



शिवड्डलाल कर्ध, धनूषा, नयाल 19 51-

लखकसँ अधिक शिञकक नूयम यनिविा आ
प्रगिष्ठिा छथि । प्रिगुवन विश्वविद्यालयअकर्गगाना
ना. व. केथस, जनकयून-धमक सह-प्राध्यायक श्री
कर्धक उगिह्दासिक विषय-वकयून लिखल कगाक
लख मैथिली, हिदी आ अशुनडी रावाम प्रकाशिन
अछि । झाक-सूखाय ॥ कदिया कालकs
कविता-कथा सह लिखि लैग छथि । दिनक लखन
हानवड्डिक, जानकानीमूलक अर्न सामानअल नरिग
अछि । दखलायन वसना जळ्ग अछि ज ॥
दिनक गरीन अथयनक यनिधगि थिक । सामाजिक
गथा साहित्यिक सध-संस्थासरम सह सत्रिय
प्राध्यायक कर्धक जन्म धनूषा जिलाक दवडीहा
गामम २ जनवनी १९७१ ॥. कs रल छनि ।



ब्रह्मचर्य लाल दास



च(शु)श्वरन खान

गाम- यहीटल, जिला मन्वनी।
लघुकथा लल चर्चा प्रशसि।



दयाकान्त मा



गजइ नानायध सिंह, नयाल



यशुधरी श्री गजइ नानायध सिंह



दह्निकान्त मा



बुभनानायध मा



यरासी साह्यालंकान



सीगानाम सिंह



गुलानइ मिश्र



गोलइ कुमान मा 1952-

जन्म सान दह्नियन, नकशी
टल, मन्वनी विहान। प्रकाशि।
कृति: आनद अवनद, दशम खुटी
(कथा संग्रह), श्लकानामिक हिस्त्री
रु मिथिला (अंग्रेजी)।



शिवशंकन श्रीनिवास 1953-

जन्म सान लहना मन्वनी, विहान।
चर्चा कथाकान अ आलाक। गी अ
कविता सख कदिया काल लिखे छथि।
प्रकाशि कृति : प्रकाध, अदहन, गच्छ-
याग, गामक लक (कथा संग्रह)।



अ(शक 1953-

जन्म सान
लहना, मधुवनी, विहाना
चरिा कथान, कवि आ सथादक
। प्रकाशित कृति : चक्रवर्त
(कविता संग्रह) पिता
(सहयोगी कथा संग्रह), अहि
नागिक रान (कथा-
संग्रह), मागवन (कथा संग्रह)।



विरूि आनह 1953-

जन्म: शिवनगन, मधुवनी, विहाना
चरिा कवि, कथान, संयादक ।
प्रकाशित कृति टूटा उयवास
टूटा समीजा, गीन टा कथ
संग्रह, टूटा गीन-गजल संग्रह
आ चानिटा कथा-संग्रह
प्रकाशित २००६- विरूि
आनह (का०, कथा)मैथिली लल
साहित्य अकादमी यूनान ।



कदान कानन 1959-

जन्म सान स्योल, विहाना
चरिा कवि, कथान आ
संयादक। प्रकाशित कृति :
आकान लेा शह (कविता
संग्रह), अनदिा कृति नाजा
नाम महन नाय, प्रायश्रिा
सथादन संकथ, रानगी मंजन
(यपिका)।



ऑ. शशनाथ मा 1954-

गाम-दीय, जिला- मधुवनी।
मैथिली, वांश, नवानी आ दनगनी
यांलियिक वि(षय) साहित्य
अकादमीक रावा
सम्मान 2007 त्रासिकल आ
मधकालीन साहित्य लला



धनुवन मा

गाम-वि(शेला "वाकार्थिविचनम्" लल
श्रीनाधीयनालंकनध
यूनान 2010 ब्राफ



शिवकान् या०क



हिननाथ मा

"कांलस्र ग्रामकथा" प्रकाशित।
कवि सह कथान। मैथिली
साहित्यक नखान (सथादन)



ऑ. या(गह्र या०क "वियागी" , वैज्ञानिक

"विज्ञानक वपकरी" प्रकाशित।



नाजनह मा

२००६- नाजनह
मा (कालवला- समनंश
महमदान, वांश)लल साहित्य
अकादमी मैथिली अनूनाद
यूनान।



आद्यानाथ मा "नदीन"



अमलदास 1956-



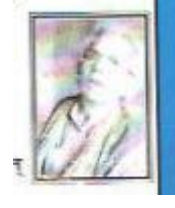
यंननाथ मिश्र



दिगम्बर ओज्हा



ग(धेश मा 1950-



कडर्यनानाथल लाल कर्ध



भेलड्ड आनड 1955-



कमलाकांग मा

अधक, मेथिली अकादमी, यटना



ललन प्रसाद ओज्हा 1951-
1995

जन्म १९११ मंगन म
श्रीमती सुरद्रा दती आ श्री हीनानंद
ओज्हाक द्वितीय बालक । हिनक अम-
समोल, जिला-मधुवनी। सिविल
इंजीनियर, टाटा स्टीलम बाकनी।
प्रकाश माक हिन्ना "कथा मा(वायून की)"
म मूय गुमिका। नाटककान आ मंच
अरिष्ठा। हिनक लिखल किछु प्रसिद्ध
मेथिली नाटक छहै : वउका
साहव, मिशुन निला कावा, लोभिया
मिनवाळी, ककलल आदि वा अंगा

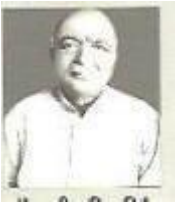


ललिता कुमान

द्विभाषीत मा कन उय्यास
कथादानक अंग्रेजी म
अनुवास 'The Bride' नामसँ
प्रकाशित।



लाकनाथ मिश्र



डॉ. श्रीयोगि सिंह १९४४-

"उर्मल-गनग" कविता-संग्रह
प्रकाशित।

मिथिली कुमान मा

'Language Politics and
Public Sphere in North
India: Making of the
Mithili
Movement' प्रकाशित।



डॉ. नवीन्द्र कुमान चौधरी 1966-

जन्म: 5 मार्च 1966 ई. गनयागंज, सुपौला
मैथिलीक प्राध्यापक। नजामतीक यदक आ
विद्वान आ मानसुध सनकान दाना युनवुगा
मानसुधक मैथिली आधुलनम अग्रणी।



डॉ. उमाकान्त

मैथिली अग्र-आलसक यथी
"अयन वाग" प्रकाशित।

डॉ. कमलानन्द मा



अशोक अत्रिचल

जन्म- १ जनवरी १९६१, गाम-
नहुआ संघाम, जिला मधुवनी।
मैथिली प्राध्यापक। नवना: अक
वनू नक वनू (लेख
नाटक), मैथिली राधा: सर्वज्ञ
आ विश्वध, दमना दशक
रागम (मैथिलीक प्रथम अर्संग
नाटक), सन्यादन: मानसुधक
संश, कचोट (नौ
अंक), मानसुध दाधी (द्वितीय
साप्ताहिक), सम्मान: अन्तर्राष्ट्रीय
मैथिली सम्मलनम सम्मान
(२०००), यनमहंस लक्ष्मीनाथ
गोस्वामी समिति सम्मान
(२००६)



स्थील 1942-

अभिगा (लेखकथा संग्रह), रागिणी (नाटक) प्रकाशित।



श्रीदान

मूल नाम- वा(गेधन मा। कथा-
संधर्ह "द्विलकान", नाटक "लाहक
कळना", गीत-
प्रवच "युलामा" प्रकाशिता।



सूकांग साम 1950-

जन्म दनरंगा जिलाक गनेनी
गामम 1950 २२। म रलहि ।
वी. अ. यास क७ २२ी यटनाक
दैनिक अजन्थकिक सहायक
सम्पादक छलार । रुन नव
राना
टा२२स, यटनामा वाच्यवक्तारसँ
अयन यैक (यिगा याम्नीजी)
गुध कविगा कनवाक गथा कथा
लिखवाम सहा यथ अर्जन
क७लहि अछि । वर्पमान
नाऊनीगि सामाजिक विषयसँ
सम्बद्ध अंथाग्रक, सनल रावाम
लिखल नव कविगा दिनक
विषयका छहि । गामघनक
यनिवश गदनुकूल शब्द अर्न विष्व
नवनाम क्रमदि सिद्ध छथि ।



अ. दनकांग मिश्र 1952-

यिगा कविचूझामधि यं काशीकांग
मिश्र "मध्य", "वनीयुन अनुमधुलम
मैथिली" यथी प्रकाशिता।



अ. नित्यानन्द लाल दास

यिगा स्वर्गीय सूर्यनानायध दासा
दानविसर्गज कौलज, दानविसर्गज सँ
अंधजी विरागाधज यदसँ १९९६ म
अवकाशप्राप्ता अ. सन्ध मा "ससन"क
संयोजकत्व कार्यकालम "मैथिली यनामर्णदागु
समिति" (साहित्य अकादमी, दिल्ली)क
सदया मैथिली यपिका सर जना
वर्क, प्रयाग; मिथिला
मिदिन, यटना; स्रदश, दनरंगा; यरूव, यटना
आ यनपी यलान, अननियाम नवना
प्रकाशिता। १९६१ २२ी सँ राष्ट्रीय
स्वयंसवक संघ म संत्रिया प्रांगिय प्रागिनिधि
२००४ धनि जिला सनसंधवालका
ज.पी.आधालनम लकांग सनानी।
अ. य.पी.ज. अबुल कलामक अंधजी
यथी "२२२२२२२२ मा२२२२"क



नाजनाथ मिश्र 1950-

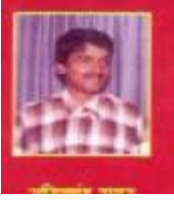
"अ वरु आरु बु ण
मिथिला" प्रकाशिता।



यशुयोगिनाथ मा, महाफनी, नयाल 1954-

दिनक लखन विनवाग्रक वरुण अछि आ सम्बद्ध
विषयम नीकजकां जानकानी देग अछि । विरिन्न
यप-यपिकाम दिनक लख-नवना वनावनि दखवाम
अवेक नहेछ । ना.ना.व. केथस, जनकरयुनभम्म
मैथिली विषयक प्राधायनम संलग्न श्री मा
मैथिलीसम्बन्धी स२०नाग्रक गगिनिधिसँ सहा ज७ल
छथि । मैथिली रावाक लायावृख अवमाम नरुल
अयन लियि पिनरुगाम विषयवृगा नरुनिदान श्री
मा अवन संनजध-सम्बन्धन दिशम सहा क्रियाशील
छथि । प्रथायक मा मैथिली महाकाव्यम नस निनूयध
विषययन विशावानिधि कअन छथि आ भिजा गथा
कानून विषयम सहा द्वागक छथि । महाफनी
जिलाक अकनरिया नरुनिदान श्री माक जन्म ४

मैथिलीम "प्रज्ञालिा प्रज्ञा" नामसँ अनुवाद।
साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद
युनयान २०१०- जे. निरानन्द लाल
दास- (बिहार-माइन्ड- जे. ए. पी. जे.
कलाम, अंग्रेजी) लला



अनिलचन्द्र चौधरी 1954- 2009

जन्म 13 सितम्बर 1954 ई.केँ करिहान
जिलाक समली गामम
रुल्लिह 1982 ई.म दिव्य साहित्यम
ज्ञानकोषन कलाक वाद नवम्बर '93 सँ
नवम्बर '94 धरि "स्वह" हफ्तालिखि
यपिकाक सन्थादन-प्रकाशन कएलहि
आ काशी जेठिय ग्रामीण वैकम
अभिकानी नहथि।
मैथिली, अंगिका, हिन्दी आ अंग्रेजीम
समाननुर्य लखना मशुक युव व्रन
युमनसँ वीमान चलि नरुल
छलाह। **प्रकाशिता कृति:** आव मानि
जाउ(मैथिली उयथास)- यद्विन रानगी-
मंउन यपिकाम प्रकाशिता रुल, रुन
मेलानंग दाना युफकाकान प्रकाशिता
रुला ; कच(अंगिकाक यद्विल खड
काद्य, 1975); अक जेठन नाम (हिन्दी
नाटक, 1981); अक घन सउक
यन (हिन्दी उयथास, 1982); द
ययस (अंग्रेजी उयथास,
1990); अनग कल सख यावे (हिन्दी
कहानी संग्रह, 2007)। आव मानि
जाउ (मैथिली उयथास) - अदि
उयथासम अक अरुन युक्तीक संघर्ष-
गाथा अंकिता अछि। उ अयन लगनसँ
जीवन वदलेग अछि। अरुसंय गामक
ई कथा कृतीनाक अश्रयणक
कथा, संधानविहीनाक उद्यारन आ
रनिथक घीठीकेँ ववअवाक योनी
छी।



वृषभ चन्द्र लाल

जन्म 29 मार्च 1955 ई.केँ
रुल्लिह। पिताः स. उदियाननायक
लाल, माताः श्रीमती गुवनश्री
दवा। दिनकन छोटहनक नाम
विश्वेश्वरन छहि। मूलाः
नाजनीगिक्तकर्म। नयालम
लाकराअलल निनकन संघर्षक
ब्रमम ११ वन गिनहन।
लगरण ६ वर्ष उल। समग्रि
गनाईम(वष लाकराअिक
याटीक नाइ)ीय उयाधज।
मैथिलीम किछु कथा विरिन्
यययपिकाम प्रकाशिता। आद्यलन
कविता संग्रह आ वी.यी
काइनालाक प्रसिद्ध लघु उयथास
मादिआइनक मैथिली नूयाकनध
गथा नयालीम संघीय शसनगिन
नामक युफक प्रकाशिता। उ
विश्वेश्वरन प्रसाद काइनालाक
ग्रगिचन्द्र नाजनीगि अनुयायी आ
नयालक प्रजागपिक आद्यलनक
सक्रिय यद्वा छथि। नयाली
नाजनीगियन वनावनि लिखि
नहेग छथि।

दिसम्बर १९९४ कऽ रुल्लिहनि। च्छेम मिथिला
नघसँ सम्मानिता।



नानायदसी 1956-

जन्म: घाघनजीहा (मधुवनी)।
मैथिली रावा-साहित्यम अम.
ए., पी-अव. जी. कामधन ला
संकुग विद्यालय, घाघनजीहाम
अधायन। प्रकाशिता
कृति: घनि घनि नरुल छी।
(काद्य-संग्रह)।



जॉ. श्री श्रीशंकर मा 1952-



जगदीयनानायक "दीपक"



नाजदद मंतल

शिक्षा- अम. अ. द्वय, अल अल वी., या- ग्राम-
मूसदननियॉ, नगनसाना (निर्मली, मधुवनी)। प्रकाशित
कृति- अखना-कविता-
संघद, ह्मन टाल (उयद्यास), वर्सुधना (कविता संघद),
जाल (यटकथा), लाज (अकांकी), जल रंवन (उयद्यास
) , पित्रधीक नंग (विद्वि आ लघु कथा संघद), यंवेणी (लघु यटकथा), नायसी।



शिवप्रसाद यादव



दीनबद्ध कमान मा 1958-

जन्म 30 अगस्त 1958, गाम- काठलख (मधुवनी), या
श्री कामधु नाथ मा। डॉसदुर्मन (मैथली कथा
संघद) प्रकाशित।



मानकन मनूज 1958-

जन्म
गहनिया (मानयोन, मधुवनी)म,
1978सँ 1992 धनि नौसनाम
विद्वि जलजयन कार्यना, रुन
यापी नलमा सख्त (कथा
संघद) प्रकाशित।



नवानाथ मा



महेश नानायक नाम 1958-



गानानथ त्रियागी 1966-

मधुवी, सदनसाम जन्मा यद्विल याथी
अयन युद्धक साक (गजल
संघद) १९९१ म प्रकाशित। अय
युक्त ह्मन टाल, यलय नदुय (कविता-
संघद), अगिब्रमध (कथा-
संघद), शिलालख (लघुकथा
संघद), कर्मभानया नाजतमल
बोधनीक कथकृति अकरा चंयाकली
अकरा विषवन संकलन-सयादना।



रालवड्ड मा

अ.टी.जी., वी.अ.,
(अर्थशास्त्र), मूख्यीसँ थिअटन
कलाम डिग्रामा। मैथिलीक
अंगिनिकु हिन्दी, मनाओ, अग्रजी
आ गुजनागीम निष्प्राणा १९१४
झी.सँ मनाओ आ हिन्दी
थिअटनम निदशका मदानाष्ट्र
नाथ उयावि १९८६ आ १९९९
मा आळ. अन.टी. कन लल
नाटक **सीगा** क
निर्दशना **वासुद्व**
संगिणि **आळ. अन.टी.क** लोक
कलाक (भाव आ प्रदर्शनसँ इअल
अथि आ नायगालासँ इअल अथि
विकलांग वाल लल थिअटनसँ
निम्न टी.वी. मीडियाम नवनाग्रक
निदशक नूर्य कायी लखन-वीछल
वनायल मनाओ
अर्वाकी (अनुवाद), सिंहावलोकन
(मनाओ साहित्यक ११०
वर्ष), आकाश (जी.टी.वी.क
धानावाहिकक ३०
अपीसाउ), जीवन सन्धा (मनाओ
साप्ताहिक, जी.टी. मूख्यी), धनाजी
नाना चौधनी (मनाओ), स्रयस्रन
(मनाओ), रिन नर्दी करी नर्दी
(हिन्दी), आहट (हिन्दी), यात्रा (मनाओ
सीनयल), मयूनयस्र (मनाओ
वाल-
धानावाहिक), द्दुक्कअन वून
२०० अ.जी.) (जी.टी.) २००६
म- रालवड्ड मा (वीछल वनायल
मनाओ अर्वाकी-सन्धादक स्र
जशी आ न्नाकन
मगकनी, मनाओ) लल साहित्य
अकादमी मैथिली अनुवाद
यूनयाना



मनमाहन मा

साहित्य अकादमी मैथिली वाल
साहित्य यूनयान २०१०-गानान्ध
वियगीक यथी "झी अटल गँ की
अटल" लल। यापी-वाना यूनयान
२०१० झी.- डॉ. गानान्ध वियगी।



कमान (भेलड्ड)



नमश 1961-

जन्म स्थान
मन्थ, मधुवनी, विद्वाना चर्चि
कथाकान अ कवि । प्रकाशित
कृति: समांग, समानांगन, दखल
(कथा संग्रह), नागरुनी (गजल
संग्रह), संगान, समक सनक
आगू, कासी धानक सग्या, याथन
यन दूरि (काद्य
संग्रह), प्रतिक्रिया (आलाचनाग्रक
निवेध)



मधन प्रसाद 1961-



प्रदीय विद्वानी 1963-

जन्म स्थान कश्मीली मल्लिक
ठाल, खजेली, मधुवनी, विद्वाना
चर्चि कथाकान, उय्यासकान अ
नंगवमी । प्रकाशित कृति: गुमकी
अ विद्वानि, विसुवियस
(उय्यास), उंणीह कमला
जयगीह कमला, खध-खध
जिनगी, सनाकान (कथा संग्रह)।
२००१- प्रदीय
विद्वानी (सनाकान, कथा)मैथिली
लल साहित्य अकादमी युनयान
।



वज्रमहान मा यर्नी



डॉ. सुरेश लार, नयाल



नाशन जनकयर्नी, नयाल



डॉ. अनन्द अकू 1957-



रूलचछ मा "प्रदीया" 1961-

गाम गुमेल दनरंगा, आयल
नवल प्रराण, यांगल गाछक
छाहनि, रुमना मानक खजन
विउया, वसंका
वजनिअ (कविता संग्रह), रू
दरुण रनिष्य (कथा संग्रह)।



नामान्शह मा

जन्म: स्योल, विद्वाना मैथिली
कवि आ आलाकवा



ललिगष मिश्र

"वीच कौनधीम" (कथा संग्रह),
Pi ed Poesy (Anthology of
Mii thli li Poes
transl ated into
Engl esh), यनख, प्रकावना, नवना
नसायन (आलावना) प्रकाशिका



दुशुंयकन नदीन 1962-

डा ना मा सी (गद्य-यद्य मिश्रिा
हिंदी-मैथिलीक ग्रानस्रिक
सर्जना), वानन-काजन (मैथिली
कविा
संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यक
यनिदृथ, गीगिकाथ क नूय मं
विशार्यगि यदावली, नाजकमल
चौधरी का
नवनाकर्म (आलावना), उमाना
वदल गया, साना वावू का
यान, यद्वान (हिंदी
कहानी), अरिन्धा (हिंदी कविा-
संग्रह), हाथी वलउ वजान (कथा-
संग्रह)।



कुमान मनीष अन्विद्व 1964-



वदनी नानायक वर्मा



नाजद्व किशान, नयाल



श्याम सुदन शशु, नयाल

श्याम सुदन
शशु, जनकपुनधम, नयाला यथा-
यप्रकाशिका। शिडा: प्रियुवन
विश्वविशालयर्स, उम. उ. मैथिली, प्रथम
श्रेणीम प्रथम स्नाना मैथिलीक
प्रायः सर निधाम नवनाना।
वद्वानास नवना विरिन्न यप्र-
यधिकाम प्रकाशिका। हिंदी, नयाली
आऽ अंग्रेजी राखाम सदा
नवनाना आऽ वद्वानास नवना
प्रकाशिका। सम्प्रति- काकियून
प्रवासक अन्व शूनम कार्यनगा



हिमांशु चौधरी, नयाल

थिगा : स्त्रीय कामध्वन
चौधरी,मागाः श्रीमती चन्द्रावती
चौधरी,जन्मः वि स
२०२०/६/१
लखन, सिन्हा,शिजाः
ज्ञानवापन(नयाली),यथाः
यपकानिगा (सम्प्रति : नाट्यय
समाचान समिति),कृति : की रान
साँQ ? (मैथिली कविता
संश्रद्ध),विगा दू दशकसं नयाली
आ मैथिली लखन गथा
अरिप्यानम निनकन क्रियाशील
आ विरिन्न संघ संस्कारसं आक्व
।



सत्यनानायक महता



गुनक्षन याथय



राजेंद्र मा, ध्रुवा



अंशुक कुमान महता



धर्मेंद्र दिद्वल, सिन्हा, नयाल 1967-

नम्हा गको जिनगी, अक सृष्टि अक कविता, अक
समयक वाग, ध्रुवाअल आनुगी सर (मैथिली
कविता संश्रद्ध), यमनका उक्कृष्ट
नाटकलन्, (गान्साका कथालन् (मैथिलीसँ नयाली
अनुवाद), मैथिलीक कजा 1 सँ 5 आ वाल-साहित्य
संदर्क गिनटा यथीक सह-लखका यपकानिगाक
मूल सिद्धांग (मैथिली, य्रसम), दलिा नियारिग
मेनुअल (नयाली, य्रसम)।



धीनद्ध क्रमान मा



धीधनम

कथकान, समालावक

निमिष मा, नयाल



नमध क्रमान सिंह

१९६९-

"रुन सँ हनियन", "दुःस्वप्नक वाद" (कविता संग्रह), "रुमन यसान संसान सान" (ललित निवध), "गिनयधन" (आलावना), "उति जा न सझा" (नाजसुतनीसँ मैथिली अनूवाद) प्रकाशित।

गोनीनाथ (अनलकान्क)

"अकिका"क सभ्यादना



मूखान आलम

"यनिवय वनेग शब्द" (कविता संग्रह) प्रकाशित।



ऊँ विजयधु मा

१९६४-

"मैथिली आकनध उा नचना", "मैथिली राषा विज्ञान" प्रकाशित।



अर्जिता आजाद

"यन ज्ञाञ्जल म युधकी" लल साहित्य अकादमी युनकान।



वद्री नाथ

नाय 'अमाय'

'मैथिल रूया कनू विवान' प्रकाशित।



किशन कानीगन



क्रमान मनाज कथय



विनाद मिश्र

ऊँ. विनाद मिश्र सम्प्रति आञ्जी आञ्जी टी नूञ्की, उफनासंजम अंगुडी यदवेग कथि आ

"किछू रूना (गल
रूमना" प्रकाशित।



आनंद कुमार मा 1977-

जन्म स्थान: गंधक, मंसिरपुर, पिया
स. अरुणकोट मा, मागा श्रीमती
लक्ष्मीकाली देवी, प्रकाशन- "वचन
नक्की कनियौक लखार", "होग
यनिर्वाण", "वदलोग समाज",
"टाकाक माल", "कलह" (याँचू
मैथिली नाटक) प्रकाशित। विद्व
संस्थादकक समानाकन साहित्य
अकादमी पुरस्कार २०११ यूवा
पुरस्कार- आनंद कुमार मा
(कलह, नाटक)



नाम संकर सिंह

वदलोग
समय (मैथिली लघु
कथा संग्रह)



वनदेवीप्र रावनाथ, नाटककार



श्रीदुर्गानथ मा, नयाल

दिनक नवना अंग्रेजी आ
हिंदी म प्रकाशित रल छह
अदि वर्ष दिनक कविता
संग्रह Silent Steps and
Other Poems प्रकाशित रल
छह। अकन अंगिक २०
अंग्रेजीम आलाचनाक उपम
आ० टा यथी संवादिग कन
छथि दिनक
यथी Communication
Skills for Engineers
and Scientists वर्ण
इंजीनियरिंग संकानम याथ
यूक्त नूयम यडाउल जल्ल
अछि।



चंद्र



उदयनाथ मा "अभाक"



कयिलक्षन नाउग

उलहन (विहनि - लघु कथा संग्रह) प्रकाशिका



कयिलक्षन साहू



श्री. शम्भू कृमान सिंह

जन्म: 18 अप्रील 1965 सहनसा
जिलाक मन्दिरी प्रखंडक लहान
गाममा आनन्दिक
शिक्षा, गामहिसा, आठ्ठ, ए., पी. ए.
(मैथिली)
सम्मान) एम. ए. मैथिली (स्वर्धयदक
प्राय) गिलका माँसी रागलयून
विश्वविद्यालय, रागलयून, विहान
साँ BET [विहान यात्रा
यनीडा (NET क समुय) छात्रागा ह्य
उपधि, 1995] ❖ मैथिली नाटकक
सामाजिक विवरण ❖ विषय यन यी-
एच. जी. वर्ष 2008, गिलका
माँ. रा. विश्वविद्यालय, रागलयून, विहान
साँ मैथिलीक काक प्रगिष्ठा य-
यपिका सयम कविता, कथा, निबंध
आदि समय-समय यन प्रकाशिका
वर्मानम (शिक्षक
सलाहकान (मैथिली) राष्ट्रीय अनुवाद
मिशन, कन्द्रीय रागनीय राखा
संस्ठान, मेस्त-6 म कार्यनगा



कृष्णचन्द्र यादव, नयाल



शिवकान्क ओज्हा



(शारकाक मा



उमाकान्क मा आ प्रियंका, मैथिली
नंगमंच



छामानन्ध ओज्हा



हनिकांग लाल दास, नयाल



शशिनार्थ ओज्हा, नयाल

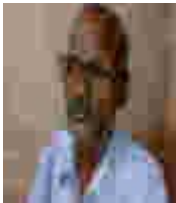
दूर्गेनिन्द मंठल

संवेधिका, कथा क्रस्म (विद्वानि आ लघु कथा संग्रह), चक्र प्रकाशि
गा



शिव क्रुमान मा 1973-

शिव क्रुमान
मा ❖❖टिळ❖❖, यिगाक नामः
स. काली कान्
मा ❖❖वूव❖❖, मागाक नामः
स. चड्डकला दवी, जन्म तिथिः 11-
12-1973, भिडाः झापक
(ग्रिगिष्ठा), जन्म स्थानः
मागुक- मालीयून मागून, जि.
- वगूसनाय, मूलग्रामः ग्राम-
यपालय - कानियन, जिला -
समन्धीयून, यिनः 848101, संग्रिगिः
ग्रवंधक, संग्रहः, ज. अम. उ. शरसी
लि., मन नाउ, विरयून जमलदयून
- 831 001, अन्य गिगिगिः
वर्ष 1996 सँ वर्ष 2002 धनि
विद्यार्थिगि यनिषद समन्धीयूनक
सांस्कृतिक, गिगिगि अवं मीथलीक
प्रवान-प्रसान हगु जी. नमः
क्रुमान विकल आ श्री उदय
नानायध चौधनी (नाष्ट्रयिगि
यूनधान ग्रक भिडाक) क नगुष्म
संलग्न। **प्रकाशिगि कुगिः** उधप्रला-
कविगा-संग्रह, अंशु-समालाचना।



नाम विलास साहू

मनक
मेल, अंकून- लघुकथा संग्रह, नथक चक्रा उलटि वले
वाट (कविगा/ टनका संग्रह), कर्म विन् जग सन्ना (
दासन कविगा/ टनका संग्रह), चूलक सिखवती (विद्व
नि/ लघु कथा संग्रह), दूधवनी (लघु कथा संग्रह)
प्रकाशिगि।



महाकान्त ओज्हा



वचधन मा, निर्मली

"निवध-निद्रः" प्रकाशिगि।



धीनद्ध क्रमान, निर्मली



चद्ध(शखन कामरि 1959-

मैथिली कवि भिजा- अम. उ.
(नाजनीगिभास्य), पिगा- स्त्र. आगन्ध्र
कामरि , गाम-यसुट- कनियन, राया-
दलमास नगन, थाना- नासजा, जिला-
समस्तीपुन, विहाना संघरिप्रखरुत
सदकानिगा प्रसान यदाधिकानी
(वनीयट्टी)।



नद्ध विलास नाय

"रुनदूगिया", "छठिक उला",
"दुमन चानुवाम" प्रकाशिका



विनय रूखध

उजना यनवाक खाज (कविगा संघरु)



सुधाकन मा, मरुधुपनी , नयाल

सअसँ वशी सउक नाटकम मंकरा



सदन आलम "(गोदुन"

गाम-यूनसैलिया, राया-
जयनगन, जिला मधुवनी।



डॉ. गुवन किशान मिश्र "गुवनश"

मैथिली कथा संघरु- (गवनरु)पा।



दिनकन क्रमान

"यूवीपन मैथिल"क सख्यादना



डॉ. विनय निशुवबु



नामदुव प्रसाद मधुल मानुदान



उमश यासवान



उम प्रकाश मा

मैथिलीक लिखानी 0कानक नामसँ प्रसिद्ध
मैथिलीक पहिल जनकवि नामदेव प्रसाद
मधुल **मानुषान**।

"रुमना विनु जग सूनू छै" आ "गीताञ्जलि मा २"
प्रकाशना।



जगदानन्द मा मनु

नटिया युकेअ रुमन घनाडीयन (गजल संश्ल), गह
न कानक नंग (विहनि कथा संश्ल), चानदा-
(वाल उययास), बथा- (कविता-गीत संश्ल)।

"वर्धन नस" प्रकाशना।



अनुलाल शास्त्री

घाघनडीला (मधुवनी)।

"किया वृषि नै सकल रुमना" (गजल, नुवाळ आ कता
संश्ल) प्रकाशना।



ठाँ अमाल नाय



नइ कुमान मिश्र नइ



ठाँ. नइ कुमान मिश्र



शिव कुमान प्रसाद



दिलीय कुमान मा



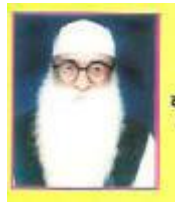
ठाँ गानाकान्त मा



अमनकान्त, नयाल



मनलीधन मा



कमलधन दास



श्रीकान्त मधुल, मैथिली नंगमंच

कविलयून, दनरंगगा। वाल कथा
संग्रह "यिलयिल्ला गाळ"
(2010) प्रकाशिका



वचन 01कून

गाम: वनोनागंज, मञ्चवनी।
प्रकाशिका कृषि: वटीक अयमान
आ छीननदनी (नाटक), वाय
रल यिनी आ अक्किान
(नाटक), विसवासघाग
(नाटक), ऊँच-नीच
(नाटक), रौंट (नाटक); अक
दर्जनसँ वशी नाटक प्रकाशनक
प्रोजेक्ता

"मैथिल कर्ष कायस्कक
गोप, प्रवन, मूल आ वैवाहिक
सम्बन्ध" यथी प्रकाशिका



गंगा सा

मैथिली नंगमंचल कविल
मंच, कालकागा। कालकागा आ
गाम यज्ञआनिडीह टालम
मैथिली नंगमंच निर्देशना



नवानानायध मिश्र 1955-

यिगा-श्री (गोविध मिश्र, मागा- श्रीमणि
अदुला दनी।
गाम- कृष्मोल, या. नागदह-
वलाहिन, राया-अनउदर, जिला-
मञ्चवनी। मैथिली नंगमंचसँ
सम्बद्ध "कविल मंच" संस्कार माथमसँ



कमलश कृमान दास, नंगमंच क लाकान



किशान कशत्र, मैथिली नंगमंच



कृमान गगन, मैथिली नंगमंच



अशोक दफ, जनकयून



मदन 01कून

वर्किंग नंगमंची, जनकयूनक
वर्किंग संस्था मिथिला नाचकला
यनिषदक संस्थापक । गीन
दशवसँ वशी समयसँ नंगअग्रम
सक्रिया कनीव ३०-४० (गोट
मंचीय नाटकक सय
प्रस्तुति, २०-२१ गोट सञ्ज



अरुय कृमान यादव, मैथिली नंग मंच



आशुपास यादव अरिफ़

नाटकक हजानसँ वंसी प्रदर्शनम अरिनय । २० (गाट टली-सीनियल आ आधा दर्जन मैथिली खीचन फिल्मम अरिनय । यून्सकान: सयाम अनूनाखिद्वय महगसवम सर्वेक्षक अरिना २०४६, वि.स., अंगीय प्रगिरा यून्सकान (नयाल सनकान) २०६३ वि.स।



कृष कृमान कथय 1949-

जन्म १७ सितम्बर १९४९ छी।
पिपा- कवि-उपस्थासकान
स. छेड़नानायक लाल "सँवेलिया"।
जनवनी १९६७ छी. म बना सर
लाल "नास्ट्रुल", १९६१
छी. म "कला आचानिा जीवन आ
भिक्षा यक्षिा"क प्रवर्निा आ गकन
कार्यान्वयन लल भिना कथय आ
शुभिलाक सहयोगसँ "रानगी विकास
संस्था"क स्थापना। नचना: शुभिलाक
संग "मघदूता" आ "गीत-गोविन्द"क
मैथिली अनुवाद, माठ-राग, मिथिला
विप्र-भिक्षा, राग-१, मिथिला विप्र-
कान, राग-३।



ललिा कृमूद



वटाही मा, मिथिला विप्रकला



प्रवीध कृमान Oाकृन

जन्म मिथि-३१ दिसम्बर १९७७; जन्म स्थान -
कञ्चेली, सकनी, मधुवनी; भिक्षा-सूर्य
नानायक हारु
सूल-ननयगिनगन, वी. एस. सी-ममानिअल
कालज-दनरंगा, शिक्षामा छेड़न छेड़न
शिक्षाक्षेत्र (नभनल छेड़नछेड़न) छेड़न
शिक्षाक्षेत्र-नयी दिल्ली)



लाला यतिग, मिथिला मूर्गिकला

, चित्रकला ♦ आठान र्हेषन यूर्वान्मानम
विशेष याथगा, निवास
स्नान-दिस्त्री, ँरुठिया; यिगा- श्री सय
नानायध
Oकून, सकनी - कश्चेली ♦; मागा- श्रीमणी
मालणी Oकून, सकनी - कश्चेली । वर्मानम
अयन अक्षयार्ट विगनस अक्षर) ♦क
नामर्सं शुनूआग, यूर्वम प्राउरु उक्लाधार्ट
आठान मर्वरुकर नूयम कार्यनगा



नाउझ यतिग, मिथिला मूर्गिकला



गिनीश चड्ड लाल



नवरु कूमान मा, यप्रकान



चड्ड किशान लाल, यप्रकान, नया
ल



उयड्ड ररुग नागरुश्री, नयाल
सउक नाटका



नमश नंजन, यनवाहा, नयाल 196
6-

यनवाहा, नयालम जन्म । नयालीय कथा-जगणक
नवीन मूदा सम्मालिा नाम । जनयजवन कथा-दुष्टि
आ मरुदक शिष्य । थाउ लिखलनि, मूदा वन-वन
चरिणी नरुलाह ।



विनीग Oकून

"वांकी अष्टि र्दयान दूधक कऊ" प्रकाशिगा



सूजीग कूमान मा, नयाल

जिन्दी (लघुकथा संग्रह), चिउे (लघुकथा-
संग्रह), नियार्टन जयनी (नियार्गाउ), गन्न (लघुकथा संग्रह), स
रुनीवाली (लघुकथा संग्रह), काळली घृनि आउ (वाल लघु-
विहनि कथा संग्रह), दुधमणी-
(सभ्यादन- नयाली आ मेथिलीम)।



सनाज खिलाठी

नयालक यद्विल मेथिली नठिया
नाटक संवालक



दनांशु नरम

जन्म- गुलायटी, सूर्योला मास
कथनिक-अनम
अम. अ., हिन्दी, अंग्रेजी आ
मैथिलीक विरिन्न य-युक्तिाक
कथा, लघुकथा, विज्ञान-कथा, विप्र-
कथा, कार्टून, विप्र-प्रहलिका
द्व्यादिक प्रकाशना विषय:
गुजनाग नाथ शाला याध-युक्त
मंजल दाना आओम कजाक लल
विज्ञान कथा अंग्रे प्रकाशिका
(2004 स्त्री.), नाशा: मैथिलीक
यहिल-विप्र-शुखला
(कोमिष्क) प्रकाशिका



संगाव मिश्र, नयाल

यासयुग (लघुकथा-
संघर्ह), उदास मान (लघुकथा-
संघर्ह), अना-किअ (कविता-
संघर्ह), अअना (संयादन- कविता-
संघर्ह)।



सुनील कूमान मल्लिक, गायक, जन कयून, नयाल 1968-

मैथिलीक गायक-संश्लोकानक नूयम प्रसिद्ध अथि ।
मैथिली राषाक गीतसरम मौलिक गथा सार्थक
संश्लोक सृजनम दिनक सक्रियता प्रशंसनीय अथि
। सुनीलक गायन गथा संश्लोक केसर अलवमसर
सद्व वादन रल अथि । लखनदिस दिनक
सक्रियता यनिमाधाप्रक नूयम कम नहिलई गुधाप्रक
दृष्टिअ ददयथशी मानल जाइल अथि । यथास
विज्ञान-भिजक अथि ।



धीनद्ध प्रमर्षि, सिनहा, नयाल 1967-

वि.सं.२०२४ साल रादव १९ गी सिनहा
जिलाक गोविन्दयून-१, वर्कीयून गामम जन्म
लनिहान प्रमर्षिक युध नाम धीनद्ध मा
द्विगुनि कानियूनसं हला मिथिला कार्यक्रम प्रकृ
कर्ता अथि नूया-धीनद्धक धीनद्धक अवाज गामक
वडा-वडा विहंग अथि। अयव मैथिली
साहित्यिक यपिका आ समाज मैथिली
सामाजिक यपिकाक सथादन।



नवीद्ध नानायध मिश्र

यिाक नामःसुगीय सूर्य नानायध मिश्र, मापाक नामःसुगीया द
याकाशी दवी, योगक अमःअउन उीद्, मागृकःसिधि आ अटी। वृ
पिःयाजना आयागक उय सचिव, दिक्षीम यथल मद्रायालिन मजि
सुद्रटा आव सवा निवृत्ता भिजा: चद्धधनी मिथिला महाविद्याल
यसंवी. अस-
सी. स्तपिकी विहानम प्रगिष्ठा; दिक्षी विश्वविद्यालयसं विभि गणका
प्रकाशिका कृपि: मैथिली:-

१. अयनसं सांम अथि (आग कथा), २.
अयसंगव (निर्वच), ३.
अयसंग अथि (याया प्रसंग), ४.
अयसाद (कथा संघर्ह) अ.
अयसंगे (उयथास) ५. विविध प्रसंग (निर्वच) १.महनाज (मैथिली उयथास) , ६. लजकारन (मैथिली उयथास)
, ६. सीमाक अथि यान (मैथिली उयथास) १०. समाधान (निर्वच सं
घर्ह) ११. मागृमि (उयथास) १२. सुललाक (उयथास) १३. शंखना
द (उयथास)।



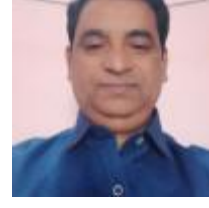
कूमान रागन



अमनद्ध यादव, नयाल



आमाद कूमान मा
१९६८-२०२१
विस्वक यथान (कविता
संग्रह) प्रकाशित



मनाज कूमान मधुल
ग्रसिद्ध कवि गद्य
नवना सहा



नवि रूखध या०क
निहर्सल (नाटक),
निदहःसदह २९
(नवि रूखध या०क
आ जे. कलाश
कूमान मिश्र- अंक
१-३१० सँ),
निदहःसदह २१
(गजद्ध ०१कून आ
नवि रूखध या०कक
आन रावासँ
अनूदिग गद्य आ
यद्य- अंक १-३१०
सँ)



संदीय कूमान साहू

"वैशाखम दलानयन" प्रकाशित, उ
याथीम मैथिलीक यदिल दलिन
आग्रकथा संकलिन रला



नघनाथ मुखिया



प्रदीप प्रसाद



मूना जी

भाकाम दिस
(विहनि कथा
संग्रह), प्रीक
(विहनि कथा
संग्रह), माँस
आंगनम कगिआल
छी (मैथिली गजल
संग्रह), ह्रम यष्टेग
छी (साजाफान),
गीन टा वाल नारक
(मैथिली वाल
साहिय), खनलुञ्जी
(मैथिली वाल
कविगा- वाल
साहिय), घारु
(दाङ्कु-टंका
संग्रह)



नाम चन्द्र नाय

सयना साकान (कथा
संग्रह) प्रकाशिका



विनीग उग्रल

ह्रम यष्टेग छी
(कविगा संग्रह),
नहन यन नथू -
काशीनाथ सि हक



आचार्य नामानन्द
मधुल

सामाजिक विचार
सीगामरी, सवानिवृष
प्रबन्धनाध्ययक, मागा-चन्द्र दनी,
पिगा-सुनाङ्गधन मंजल, यमी-



यं वाल

(गोविन्द 'आर्य')

घनक नाम- (गोविन्द
यादवा वर्ध-
प्रकनध-

द्वितीय उद्योगासक
मैथिली अन्ववाद,
मन्त्रद्वयामृष्यशृङ्ग-
लखक
हनिभंकनश्रीनारुद
"शलर" (द्वितीयसँ
मैथिली अन्ववाद),
भाहनदास- उद्यय
प्रकाशक द्वितीय
उद्योगासक मैथिली
अन्ववाद

प्रमिला देवी, जन्म तिथि-०१
जनवरी १९६० याशपा- अम-
अससी (नसायन भाद्र), अम अ
(द्वितीय)। त्रुचि- साद्विधिक,
मैथिली-द्वितीय कविगा -कन्दनी
लखन आ आलखा प्रकाशिका
याथी - मैथिली कविगा संग्रह
रासा क न वांटिया २०२२
प्रकाशिका नवना - सप्तिया
कविगा संग्रह याथी - जनक
नदिनी जानकी आ (भोर्य गला
२०२२ यथिका -मिथिला समाज,
घन -वाहन आ अयुर्वा
(मेसाम)। अखवान -दैनिक
मैथिल यूजर्जागनध प्रकाशिका
सामाजिक-सामाजिक विंगन,
दायिप- यूर्व जिला प्रगिनिधि,
प्राथमिक भिन्नक संघ, उमना,
सीगामठी। स्थायी यथा- ग्राम-
यियना विनयन थना-यनिहान
जिला-सीगामठी। वर्तमान यथा-
यियना सदन,मनलियाचक वाउ-
०४ सीगामठी यासु-चकमद्विला
जिला-सीगामठी नाथ-विहान
यिन-८४३३०२

राथ (आधुनिक
मैथिली
व्याकनध) प्रकाशिका



लालधर कामरा
द्विद्य दृष्टि (निवब-
प्रवब-
समालाचना) प्रकाशिका



यं केलाल कमान
मिश्र
समाजशास्त्री- मानव
विहानी। कथा कविगा
आ मानव वैज्ञानिक
आलख सर प्रकाशिका



नामकूषु यनार्थी
"दू यटनीक वीच",
"प्रगिकान अखन वाँकी
अच्छि" कविगा संग्रह
प्रकाशिका दलिग लखन
लल प्रसिद्धा



नानायथ यादव



उमथ मंठल



चन्द्रमोहन

सञ्ज्ञेगा-गुन्मोषा (अमृता
यर्वक अवसन यन
स्नांप्रगा सनानी लाकनिक
अननध) प्रकाशिता।

निश्चकी- कविता संग्रह, मिथिलाक संयान गीत, विव-
द्यवहन गीत आ गीतनाद (संकलन),
"मिथिलाक वनय्यति स्नाञ्जु (आ मिथिलाक जीव-
जन् स्नाञ्जु (आ मिथिलाक जिनगी स्नाञ्जु (आ", सगन नापि दीय
जनय- व्यंगिहास, दूध-यानि रुनाक-
रुनाक (कथा अर्वा याधुलियि जगदीश प्रसाद मधुल)-
(छाया अर्वा सन्यादन- उमश मधुल), दिब्रुफानि मुसलमान डौन
दिब्रुफानिया - मूल दिब्रि लख- गीतश शर्मा, मैथिली अनूवाद- उ
मश मधुल।



स. रमकाक मा, गायक



मूनलीधन, मैथिली रिब्रु निर्दशक



कूंज विदानी, मैथिली गायक



नामवावू मा, गायक



वि.यि.उदासी



जिगद्ध सहयागी



उदिगनानायध रिब्रु गायक



प्रकाश मा, रिब्रु निर्दशक



कीर्णि आजाद क्रिकट



श्रीनाम मा शर्नंज



अरुिषक मा गोरु



अशोक कृमान 1981-

साधानध काष्ठकानक यनिवानम
समकीयुन जिलाक माखियानयुन

सखलानी गम्म जन्मल अंशक
कमान कहिया बूल नहि
गलाह दिन्म यवास टाका
कमनिहान दिल्लीक अकटा गोर
कवक अहि केजीक 1994 ब्ही. म
चानिक मिथानय लगा क७ गोर
कार्सस वाहन क७ दल गला
वेह केजी दस सालक रीगन
रानाक नखन अक गोरहन बनि
गला



नाइश नंजन, मेथिली रूगना प्राड
शु



संजय मा

सूतानगंज, रागलयुना
माटानलाक सी.ब्ही.डा।



विश्वनथ या0क



नाइकमल मा, अंशजी लखक, य
प्रकान

दिनकन अंशजी उपयास "द बू वउसुधत" ,
"बू यू आन अरुनउ ँरु
बाल्लस" आ "रुयनयूरु" प्रकाशित छथि। "द बू
वउसुधत" (१९९९)यन इनका "कॉमनकट्ट
नाल्लसस बाल्लस होन वसु रुसु
वूक-यूनभिया" रटल छथि। नाइकमल मा श्री
मनीश्वन मा आ श्रीमणी नंजना माक यूरु छथि,
"आल्ल आल्ल टी.सुगयुन"सँ वी.रु.क.छथि, आ
आल्ल काहि दिल्लीम नहे छथि, जग
डा "बूधियन अक्षयस" म अउरन छथि।



मानस विहानी दर्मा, देहानिक



रुधीश्वन नाथ 'नधु' मिथिला नद 19
21-1977



नामधानी सिंह 'दिनकन' मिथिला
नग्न 1908-1974



नामवृज वनीयूनी 1899-
1967



जॉ. रविशंकर गनुध 1927-
2009

जन्म 21 जून 1927 ँही।
गाम- वकरसलम, या. - यटाणी, जिला- समस्तीपुरा
गीत दर्जन सँ वशी दिखी यथी आदिम काद्य-
कथा-प्रवचन सम्मिलित अछि।



रविशंकरन श्रीवास्तव "शरर"
1934-



स. जनार्दन प्रसाद मा 'द्विज'
द्वितीयक साहित्यकाना



नामशुन प्रस
द्वितीयक नाटककाना



जॉ. नवल किशान दास "नवल"



माहनानन्द मा 1955-



नामराा शरिवास्तव



गाद्यश चंचल १९३०-
२०११



जॉ. अमनद्व



गानलाल मनीषी



कृष्ण अमिहार



शंशु अंगही

जन्म ६ जनवरी
१९४१, प्रकाशिका कृषि: डामना अल
डीह (कथा-
काथ) १९९६, सांजा (कथा
संग्रह) १९९९, गसनी
चिनआ (कथा
काथ) २००३, वडिका कंद
निरास २००१



याडवान नामावगान अन्ध १९२३- १९९९



मजहरन मूमाम १९३०- २०१२



अन्ध प्रकाश १९४६- २०१२



अंशुमन याशुय

गिनह्णा यूनीकाउक
आवदनकगी।



दिनश कुमान मिश्र

मिथिलाक वाडिक अक्यटी।
मिथिलाक माटा-माटी सर
धानयन विगाव प्रकाशिका उफन
विहान की कथा
कथा (१९९०), कासी- उम्र केंद
स सजा-उ-मोग
गक (१९९२) वीदिनी महानंदा
(१९९४), वाया यउ वकूल
का-वाड नियंघक का
नदय (२०००), वगवण यन
मजवून मिथिला की कमला नदी
(२००४), गुपही नदी ओन



अमप्रकाश रानगी १९६६-

कासी नदीक लक सांस्कृतिक अंधयन - नदियाँ गंगी हँ, विहान क
यानथनिक नाय आ मीथलीक लक नाय प्रकाशिका



वेदही सीगा

गकनीकी मा७- दूक (२००१),
 , दूळी यारन क वीच मं- कासी
 नदी की कहानी (२००६) तथा
 वागम्पी की सङ्गी (२०१०)।



यारुवलक यमी मेपयी

यारुवलक दू टा यमी
 छलथिह यदिल कायायनी आ
 दासन मेपयी। मेपयी ब्रह्मवादिनी
 छलीह। कायायनीसँ दूनका
 गीनटा यूय
 छलथिह- चडकाना, महामघ आ
 विजया



मागीदाळ

मिथिलाक नऊक ((शोवि) जाणिक
 लाकदवगा



विह्ला

वयानगनक विह्ला।



गांगा दवी

मिथिलाक मलाह जाणिक
 लाकदवगा। गांगदवीक रगगा
 अखना मिथिलाक मलाह
 लाकनिम प्रचलिण अछि।



नशमा, कूसमा, रूद्रा



मानंगक मागीसायन



विन्धवासिनी दवी मेथिली लाकगी १९२०-२००६



कामशनी दवी १९२२-

मधुवनी जिलाक नवानी गामका
 जन्म १९२२ छी। म अयन
 मापूक नाहनम रल्लनि। यणि यं
 मदनमहन मा। वनोनीवासी
 प्रसिद्ध गात्रिक यक्षिण कशव मिथ



कूसमलगा कर्षी



अधिमा सिंह 1924-

समीक्षिका, अनुवादिका, सञ्चारिका
। प्रकाशन: मैथिली
लावणी, वसवधन (अनु.), शिशु
खल गीत आदि। लडी ब्रह्म
कॉलेज, कलकत्ताम पूर्व
प्राध्यायिका।

दिनक यिग छलथिना "मिथिला
संस्कान गीत" यथी।



लिली त्रि 1933-

जन्म: २६ जनवरी, १९३३, यिग।-रीमनाथ
मिश्र, यिग: डॉ. अच. अनु. न. दूगंगंज, मैथिलीक
विशिष्ट कथाकान अर्वा उय्यासकान।
मनीचिका उय्यासयन साहित्य अकादमीक
१९८२ छी. म युनसकान। मैथिलीम
लगरुग दू सय कथा आ याँच टा
उय्यास प्रकाशित। विपुल वाल साहित्यक
सृजना अन्क रानगीय रावाम कथक
अनुवाद-प्रकाशित। यदिल प्रवाध
सम्मान 2004 सँ सम्मानित।



विप्रलखा देवी 1935-



माहिनी मा 1937-



ताँ. सावित्री मा



कविता देवी 1942-



प्रमिला मा



शान्ति सुमन 1942-

जन्म 15 सितम्बर 1942, कासिमपुर, सदनसा, विद्वान, प्रकाशित
कृति, अा प्रीतिग, यनछाः छी टूटगी, सुलग
यसीन, यसीन क निध, मोसम द्वा कवीन, समय चावनी
नहीं दगा, गय नर कवनान, रीगन-रीगन आग, मघ
द्वन्द्वनील (मैथिली गीत संग्रह), (भाव प्रवेध: मधुवगीय
चपना ओन द्द्वि का आन्त्रिक काद्य, उय्यास: उल मुता
दिनना सम्मान: साहित्य सवा सम्मान, कवि नद
सम्मान, महादेवी नर्मा सम्मान। अध्यायन कार्य।



प्रलखी मा 1945-
1999



दीक्षा कर्ध 1946-

जन्म 3 नवम्बर 1946, गाम- यरानी, या.यंवेगछिया, जिला- सहरनसा। सद्य, मैथिली साहित्य अकादमी यनामर्षदागू समिति 1987-1993, सद्य, राधा यनामर्षदागू समिति (मैथिली), रानपीय स्नानपी0। अन्वकाशप्राप्त विश्वविद्यालय आचार्य आ अन्वकाश, मैथिली विद्यालय, यरना विश्वविद्यालय। **प्रकाशिता कृषि**- अर्गला, रावनाक अस्त्रियजन (मैथिली काव्य संग्रह), शंखनाद, गुणमत्र समर्थय, अन्वकाश (द्वितीय काव्य संग्रह)। प्रकाश: सत्ययदी (मैथिली निवच संग्रह), चानिपिक युष्ठरूमिम मैथिलीक प्रसिद्ध उय्यास, मैथिली-उय्यासक कथा किद्ध कल्हे अछि (मैथिली आलावना); जिद्धीनामा (द्वितीय काव्य संग्रह), क्रमशः (द्वितीय आलावना)।



(शरुलिका दर्मा 1943-

जन्म: ९ अगस्त, १९४३, जन्म स्थान : वंगली टाला, रागलयन । भिजा: अम., पी-अव. जी. (यटना विश्वविद्यालय), अ. अन. कालज, यटना म द्वितीयक प्राध्यायिका यदसँ सवानिवृत्त । नानी मनक श्रद्धिकै खलि:कनुध नससँ एनल अधिकरण नवना। प्रकाशिता नवना:सहने। नान, विजको (01); निप्रलखा (कविता संग्रह), श्रुति नखा (संयनध संग्रह), अकटा आकाश (लघुकथा संग्रह), यायावनी (याया-वृषाक), रावाःःलि (काव्य-प्रगीण), किष्-किष् जीवन (आग्रकथयन साहित्य अकादमी युनवान)। अर्थयुग (लघुकथा संग्रह) आखन- आखन प्रीण, नागरांस (उय्यास)। २००४ स्त्री.- अं. श्रीमती (शरुलिका दर्मा, यटना; यापी-वर्णा युनवान।



नीगा मा 1953-

जन्म : २१-०१- १९५३, धवसाय: प्राध्यायिका । लखन यन समाजक यनयना तथा आधुनिकताक संयान सँ बहुरा विसंगिक प्रयाना प्रकाशिता कृषि : रनिद्ध, कथा संग्रह १९८४, कथनवनीण १९९०, सामाजिक अस्त्रय अ मैथिली साहित्य (शाध समीक्षा । विलाः मोसी (वाल लघुकथा संग्रह)।



आशा मिश्र 1950-

जन्म: ६-१-१९५० स्त्री., प्रकाशिता कथा म मैथिलीक संग द्वितीय म सह। सरसँ येव विजय मैथिली कथा संग्रह ।



अं. स्नीगि मा



यमलगा मिश्र 'यम'

1948-

जन्मस्थान: नदिका, मागा; श्रीमती वृद्धा दनी, पिता: यं. दीनानाथ मा, भिजा: अम. अ., पी. अउ., प्रसिद्ध अस्त्रियत्री दू सयसँ वर्षी नाटकम राग ललनि । रंगिमा (नायमव) क रूपयुर्व उयाधुजा, यपिकाक सथ्यादन, कथालखन आदिम कृशल । अस्त्रियन आदि अन्क संस्था ज्ञाना युनयुग-सम्मानिण।



उाँ. वृद्धिना मा 1957



भनका मल्लिक 1966-



शानदा सिद्धा मैथिली लाकगीग 1953-



लालयनी दत्री



शकुंगला चौधनी



गोदावनी दफा, मिथिला चिप्रकला



उषा वर्मा 1948-



कमला चौधनी 1953-



सीगा दत्री, मिथिला चिप्रकला

कृपि- मैथिलीक वश-रूखा-प्रसाधन
सम्बन्धी शब्दावली, प्रकाशनाधीन:
वाट विलायत यानि (कथा
संघर्ष), यिया मन्त्रास (कविता
संघर्ष), आभायुधी दत्रीक वंगला
लघु उयथास मन मन्त्रासक मैथिली
अनुवाद। मूज्जनयनसँ प्रकाशित
मैथिली साहित्यिक यत्रिका स्थापिक
सन्थादन (१९८४-८९)।



गंगा दत्री १९२८-
१९९१



सनसनी चौधनी, जनकयून



उाँ वृद्धिना मा

मिथिला चित्रकला



जॉ. अनुराधा चौधरी

जॉ. अनुराधा चौधरी



किरा नानी 1959-

मैथिली क 3 साहित्य अकादमी
यूनयान विज्ञा लखक 4 (गोट
किगाव "कथायान" (हनिमाहन
मा), "नाजा याखन में किनी
मठलियां" (प्रवास क्रमान
वाऊधनी), "विल टलन की
जायनी" व "यटाऊय" (लिली
न) द्वितीय अनूदिदा
द्वि 2 (गोट लोककथाक
यूफक "मिथिला की लोक
कथां" व "गानू मा क किअ"।
मैथिली कथा संग्रह "खादसं
निकसे"।

काशी द्वि. विश्वविद्यालयम मदन
महन मालनीय द्वाना मैथिली
अध्यायन शुनु रल्ल मुदा अ
वादम वद रऽ (गला यूः
अकन अध्यायन लल उय-कूलयणि
नाकः रटनागनक कार्यकालम
मैथिली अध्यायन कइक स्यानाक
२०२० म घाषः रल्ल, कला
संकाय प्रमुख प्रा. विजय
वहादन समन्वयक आ नर्स
मदिला मदनविद्यालय नाजघाटक
प्राध्यापक जॉ. नंदना मा क
सह-समन्वयक वनाडाल (गला



धाशना चक्रम 1963-

जन्मतिथि: १७
दिसम्बर, १९६३, जन्मस्थान
: मनुआना, सिन्धिया
खर्द, समकीयन, पिता : श्री
मार्क(६)य प्रवासी, माता: श्रीमती
सुशीला मा. अध्यायन । सूर्यनिविदा
कनियिरी, कथाकान । प्रकाशित
कृति: वानसाष्टी (कविता
संग्रह), मिमिनवना
(कथासंग्रह)।



सुमिता यादव 1962-

जन्म: सयोल, विहान । यनिविदि
कविता संग्रह प्रकाशित ।
कथावाचक, कथासंग्रह
प्रकाशनाधीन । नाजनीणि शास्त्रम
अम. अ.। संगीत, यटिंगम त्रिव ।



उर्मिला दही, मिथिला चित्रकला



यमना दही, मिथिला चित्रकला

मैथिलीक याथी यत्रिका यन अनक
नखाचिप्र प्रकाशिन। समकालीन
जीवन, समय, आ गहन खंदनक
कवियत्री। अनक रावाम
नवनाक अनवाद प्रकाशिन।



यशोदा देवी, मिथिला चित्रकला



नमा मा, सख्यादक मिथिला दर्यध



यज्ञा मा

अनूदण (लघुकथा संग्रह)।



सुधा कर्ध



नूगन दास

सख्यादिका, मिथिलांगन



नाधिका मा, अंग्रेजी लेखिका

दूनकन अंग्रेजी
उयथास "समल" आ "लेटर्स इन दयन
होर्स" आ अंग्रेजी लघु कथा संग्रह "द
अलीरुट अन्ध द मानूगि" प्रकाशिन अछि।
उयथास "समल" लल दूनका "ऋषि प्रिक्त
गुणनलन" यूनयान स्टल छहिन आ अछि।
याथी सालह रावाम अनूदिग रल अछि।
नाधिका "अमहर्षि
कॉलेज"सँ "अन्धधालाजी" यदन छथि
आ "भिकागो विश्वविद्यालय"सँ नाजनीगि
विज्ञानम मासर्स त्रिथी लन छथि।
अ "द्विभूक्तान टाब्लेस" आ "विज्ञानस
वडे"म काज कन छथि आ संगम "नाजीव
गांधी स्टाड्युअन, दिल्ली" म सख, जग अ अ
आपकनादसँ योडिग वज्जा सर लल सथक
कार्यक्रमक ग्रानह कन नहथि। अछि काहि
अ अयन यगि आ वचैक संग टाकाम
नहै छथि।



सयंप्रसा मा 1970-



नूया धीनु 1973-

नूया धीनु- जन्मस्थान-
मयनाकाउनी, सफनी, श्रीमती युन्म
मा आ श्री अनूधरमान माक
युती। स्थायी या- अञ्चल-
सगनमाथा, जिला- सिन्हा। प्रथम
प्रकाशित नवना-काष्ठली
कानउ, माटिसँ
सिन्हा (कविता), रंगगा वडक
दश-प्रमद (कनक दीजिगत
युक्तक धीन्द्र प्रमसिसंग
मैथिलीम सह-अनुवाद, सक्षीगसखी
कृति- नाट्टियगान, रान, नन्दक
वजन, वाना, प्रियाम रमन
कमोआ (यदिल मैथिली
सीडी), प्रम रल
गनधुकीम, सुनजिग मागु
गीगमाला, सुखक सनसा
सथ्यादन-यन्नव, मैथिली साहित्यिक
मासिक यपिका, सथ्यादन-
सदस्यग, रमन मैथिली
याथी (कडा १, २, ३, ४ आ
१ आ कडा 9-10 क उच्चिक
मैथिली विषय याथयुक्तक राया
सथ्यादन)।



नंजना मा, विद्यायति संगीत गायि
का



नशिम दफ, गायिका, जनकपूर



कामिनी कामायनी



मूनी मा यूवा नवनाकान



कामिनी १९७८- यूना कविग्रिणी



झांगि मा,
, मैथिली नंगमंच

नूताना सिद्धीकी



किनध मा, मैथिली नंगमंच

कल्याना मिश्र, मैथिली नंगमंच



प्रियंका मा, मैथिली नंगमंच



सृगु कर्ध, मैथिली नंगमंच



झांगि वस, नंगमंच



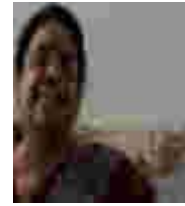
नहा वर्मा, नंगमंच



सविना



अनुप्रिया



मृदूला प्रधान



अनुध मिश्र, महिला वॉकिंग



नाखी दास, मिथिला चित्रकला



वनानसी यंतिग, मिथिला चित्रकला,
धनुषा, नयाल



ददनकला ददी कर्ध, मिथिला चिप्रकला, नयाल



मदनकला कर्ध, मिथिला चिप्रकला, नयाल



महासूदनी ददी, मिथिला चिप्रकला



निर्झला मा, मिथिला चिप्रकला, नयाल



रूला साद, मिथिला चिप्रकला, महाफनी, नयाल



नऊनी यल्लदी



संगीणा कुमानी, मिथिली रूञना प्राञ्जक



विश्वनी दास



गोनी सन



सीमा मा



दाधी मिश्र, कवियित्री १९१३-१९९६

काश्लस, मधुवनी। जन्मस्थान गिलाठी, नयाल।



मोसमी वनर्जी, कवियित्री



शेल मा



शान्ति देवी



शशिवाला

यिगा श्री उग्र नानायक
लाल, योगी श्री उमेश कुमार
कष्ट (विसद्व्य)। शिवा कथय
आ कृष्ण कुमार कथयक
सद्व्यगर्त "रानी विकास
संस्था"क स्यायना। नवना: कृष्ण
कुमार कथयक
संग "मधुसू" आ "गीग-
गोविन्द"क मेथिली
अनुवाद, माछ-राग, मिथिला
चित्र-भिजा, राग-१, मिथिला
चित्र-कान, राग-३।



मृत्ती कामग

सखल मन गनसल आँखि, अंगण
(कविगा संग्रह), चूकल (वाल
कथा संग्रह) प्रकाशना।



प्रणमा मा

मिथिला लाक कला



अंशुमाला

मेथिली लाकगीगा



श्वेता मा चौधरी, चित्रकान

ग्राम सनिसत्र-याही, ललिग कला आ
गुरुविज्ञानम ग्रागव। मिथिला चित्रकलाम
सटिस्टिकट कासी कला
प्रदर्शनी: अक्ष. अल. आन. आर्य, जमणदयूनक
सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्राम-श्री मला
जमणदयून, कला मञ्चिन जमणदयून (अक्षीवीगन
आ वकेशाय)। कला सद्यी



श्वेता मा

मिथिला चित्रकला, समग्रि
सिगायूनम निवास।



नानी मा

कार्य: अन. आर्. टी. जमशेदपुर कला
प्रगियगिगाम निर्धीयकक न्युम
सहरगिगा, २००२-०१ धनि
वसना, जमशेदपुर कला-भिडक (मिथिला
विप्रकला), वूमन कॉलज यूफकालय आ डॉटल
वूलवार्ड लल वाल-यॉरिंगा प्रगिगिग
यॉसन: कॉनयानट
कश्चनिकभष, टिग्या; टी. अस. आन. टी. अस, टिग्या;
अ. आर्. अ. टी. अ., सट वेंक ँर
अधिग्या, जमशेदपुर; विरिन्न
शक्ति, डॉटल, संगीन आ शक्तिगण कला
संश्राहका

हॉवी: मिथिला विप्रकला, ललित कला, संगीन आ
रानस-रगण



मणी कर्ध

मिथिला विप्रकला



निक्की प्रियदर्शिनी



प्ररुा मा



ऑ. नलिनी चौधनी



नीलम चौधनी, कथक नृग्यांगना



अना मलिक

यिगा स. शिवनहन मलिक, गाम-
महिसानि, दनरंगण। यणि श्री
कमलश
वृमान, रनहली, दनरंगण।



गुंजन कर्ध



यूनम मंउल



प्रियंका मा

नाँटी मन्त्रवनी, सम्प्रीति यू.क.म न्हें
छथि। www.nadhubaniarts.co.uk यन
हनकन कलाकृति देखि सकें छी।



रूचि नानायध

प्रियंका माक संग मैथिली यूज
याटल "समदिया"
www.esanad.blogspot.comकें
संचालन ।



डॉ. ललिता मा १९७१

जन्म
यनिवार, दनरंगा। "मैथिलीक
राजन सम्प्री
शब्दावली" प्रकाशित।

यूनम मंजलक संग मैथिली यूज
याटल "समदिया"
www.esanad.blogspot.comकें
संचालन ।



आनगी कुमारी १९६१-

"मैथिली मुक्तक काव्यम
नानी" प्रकाशित।



मीना मा

व्रत कोसनक समयायन विद्वह म मीना मा कन अकटा
लघु कथा प्रकाशित रल। २२ मैथिलीक यदिल कथा छ
ल ऊ व्रत कोसन यन लिखल गेल। हिंदीम सख गाध
नि अदि विषययन कथा नदि लिखल गेल छल।



अनूपमा प्रियदर्शिनी

यति डॉ. नान कर्ध, गम-
उजान (वञ्जगाम), या. लहना
नाउ, जिला दनरंगा। सम्प्रीति
लाजियाना (संयुक्त नाय
अमनिकांम), शिजा-
अम. अस. सी. (उंगु
विहान), ल.ना. मिथिला
वि.वि., दनरंगा; वी. अस. सी.
वी.आन. अखकन वि.वि.
मृगहनयूनर्स, होंवी, मिथिला
विप्रकला, कमथुटनाउडा
विप्रकला, ललिता कला। उपलब्धि:
अखिल रानगीय कला आ
दक्कानी प्रियाशिकाक
यूनवान 1995 म; संमान रानगी
रान नृप प्रियाशिका 1989 म
सहरगंगा।



मैथिली अकन

मैथिली लाकगीण आ शास्त्रीय
संगीत गायिका।



सानी नीलू मा

मैथिली नगमंचा "उनी-
यथानी" कविता संग्रह प्रकाशित।



शिक्षा

मैथिली नगमंचा



श्रीया ओज्हा

गाम- जगली, राया
गानानुभन, युधिष्ठिरा मैथिली वाल
साहित्यम "गानू मा आ आन
चित्र कथा २००८", "मैथिली
चित्रकथा २००६" आ "मिथिलाक
लोकदस्ता २०१०", विद्यायुक्त
युद्ध यनीजा (वाल
साहित्य) २०१४ प्रकाशित।



अन्यमा मा

डॉसयन्सी स्टेशनभनल, रायना



विनीया मल्लिक



नन्दी मिश्र



अनामिका नाइ



शान्ति लक्ष्मी चौधरी

ग्राम गोविन्दपुर, जिला स्योल
निवासी आ नाइड मिश्र
महाविद्यालय, सहनसा म
कार्यना युक्कालयाधुन शी
थामानद माक उठ
स्युपी, आउन ग्राम मन्दिरी
(युनर्सि आनायडी), जिला
सहनसा निवासी आ दिल्ली कूल
कलेक्टोनामिस्स सँ उठल
अध्यक आ समाजशास्त्री शी
अजय कुमार चौधरीक
अर्धांगिनी कथि प्राधीशास्त्र सँ
प्रापकान नदिना भिजाशास्त्रक



उं कल्याण मधुकान्त मिश्र

पिया उं भिन्न कुमान मा, गाम
नाटी, सासु- गजहाना।
मंडिकल भिजा ड. ड.
दोयीरल/ अष्ट दोयीरलसँ
सम्बन्ध कय श्री-नाग विभवह।
मसुहसँ १९८०-८२ म
प्रकाशित दक्षवला मैथिली
यपिका "विदह"क यि उं
मधुकान्त मिश्र (निर्माणा- मैथिली

ग्राणक भिजार्थी आ अकरा समाजशास्त्री सँ सानिधक चलिया आम जीवनक सामाजिक विषय-वैधु आ खास कऽ महिलाजय सामाजिक समथा आ प्रघटनाम दिनक विशेष अरिचूचि स्रराविका



कूसम ओकून

प्रयावर्णन
(आगमकथा)



नञ्चिनी याओक

१९६१-

याथनक शहन
(कविगा संग्रह)



कल्यना मा १९६१-

गोसाउनिक गीण, नभामुकि हिन गवी गीण, निनियौ (वाल सादिय) आ यायावनी- भदालिका वमी (दिञ्चि अनूवाद कल्यना मा) प्रकाशिया



सुमिता शकसुनी

कविगा संग्रह युवौगमन प्रकाशिया



नामिशा मा

औञ्जन रनि रञ्जण (कविगा संग्रह) प्रकाशिया



सरिता मा "सानी"

"स्त्रीक अक्लण"- कविगा संग्रह आ "मिथिलाम सियानाम" प्रकाशिया



आरुला मा

कन हसन सनु विनवान (कविगा संग्रह), प्रीञ्जा (कथा संग्रह), सिनहक दाम (वीहनि कथा संग्रह), आलावनाक



दीया मिश्र

सथादिका- वाची।



यल्लवी मधुल

कवि

वागायन (आलाचना), सीगाक
सन (शुंखलावद्ध काद्य) प्रकाशिका



विज्ञा चौधरी

कविता संग्रह-"धानाक
विन्धु" आ कथा
संग्रह "कञ्चू" प्रकाशिका



अरिलाखा १९८८-

मूल नाम- अरिलाखा
कृमाना "यद्", "डा
छोडी" (कथा संग्रह) आ याथी-
या० (आलाचना) प्रकाशिका



विरा निमर्ष

१९९८-

मूल नाम- विरा मा। पिपा: श्री
सखचंद्र मा; यति: श्री शङ्करनाथ
मा, भिजा/ वी. ज., वृन्धि-
द्यायान, क्वायी या- यैयिक-
जिला मन्दापनी / भ्राम मन्दापनी
जलधन (नयाल), दमिमान-
लामयाटी मार्ग १९९, का०मांरू
(नयाल)। साहित्यिक उपलब्धि-
गानसायन, अँजन, आठन,
समय नाग, यात्री लाकाशन
मानिका- असरम कविता
प्रकाशिका। मैथिलीम प्रकाशिका
यदिल नवना- निष्क रूजा
(कविता) २०१८ मा कविता
संग्रह "नदि सीगा
नदि" प्रकाशिका

(c)२०००- २०२३। विदह: प्रथम मैथिली याजिक व्ही-यत्रिका (since 2000) ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004). सन्ध्यादक: गजेंद्र ठाकुर। Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Vi deha, the Editor, Vi deha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. नवनाकान/ संग्रहकर्ता अयन मौलिक आ अप्रकाशित नवना/ संग्रह (संयुद्ध उपनदायिन्न नवनाकान/ संग्रहकर्ता मध्य) editorial.staff.videha@gmail.com कँ मल अटैचमधक न्युयमँ य०। सकैग छथि, संगम डा अयन सज्जिक यनिचय आ अयन चैन कअल गेल खरा सहा य०।वथि। अगऽ प्रकाशिका नवना/ संग्रह सरक काँथीनाळर नवनाकान/ संग्रहकर्ताक लगम छथि आ अगऽ नवनाकान/ संग्रहकर्ताक नाम नै अछि। गऽ व्ही संयादकाधिन अछि। सन्ध्यादक: विदह व्ही-प्रकाशिका नवनाक देव-आर्काळर/ थीम-आधानिका देव-आर्काळरक निर्माधक अधिकान, उ सर आर्काळरक अनूवाद आ लिथंगानध आ गकना देव-आर्काळरक निर्माधक अधिकान; आ उ सर आर्काळरक व्ही-प्रकाशन/ प्रिंटर-प्रकाशनक अधिकान नखैग छथि। उ सर लल

काना नॉयट्री/ यानिध्रमिकक प्रावधान ने छै, स नॉयट्री/ यानिध्रमिकक व्बूक नवनाकान/ संश्रुकर्पा विदहसँ ने ज०थू विदह व्बू यप्रिकाक मासम दू टा अंक निकलेग अछि ज मासक ०१ आ ११ तिथिकँ www.videha.co.in यन व्बू प्रकाशिन कअल जाव्वग अछि। The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VI DEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

(c) २०००-२०२३ सर्वाधिकान सनजिग विदहम प्रकाशिन सलटा नवना आ आर्काइवक सर्वाधिकान नवनाकान आ संश्रुकर्पाक लगम छद्दि। रालसनिक गाछ ज सन २००० सँ यादूसिटीजयन छल http://www.geocities.com/.../bhal_sari_k_gachh.htm <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकयन आ अखना ग जलाव्व २००४ क यासु http://ggajendrat hakur.blogspot.com/2004/07/bhal_sari_k-gachh.htm (किछ दिन लल http://videha.com/2004/07/bhal_sari_k-gachh.htm लिंकयन, आग wayback machine of [https://web.archive.org/web/*/videha_258_capture\(s\)_from_2004_to_2016-](https://web.archive.org/web/*/videha_258_capture(s)_from_2004_to_2016-) <http://videha.com/> रालसनिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक अश्री(गरन) कन नूयम व्बूटननटयन मैथिलीक प्राचीनगम उयम्किगक नूयम विद्यमान अछि। व्बू मैथिलीक यहिल व्बूटननट यप्रिका थिक जकन नाम वादम १ जनवनी २००६ सँ 'विदह' य०लो व्बूटननटयन मैथिलीक प्रथम उयम्किगक याग्रा विदह- प्रथम मैथिली याजिक व्बू यप्रिका धनि यहूचल अछि,ज <http://www.videha.co.in/> यन व्बू प्रकाशिन हाव्वग अछि। आव 'रालसनिक गाछ' जालवृफ 'विदह' व्बू-यप्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली राषाक जालवृफक अश्री(गरनक नूयम प्रयुक्त रस नदल अछि। विदह व्बू-यप्रिका ISSN 2229-547X VI DEHA

